विषय-सूची

परिचय 5

मसीह के आगमन के सम्बंध में पवित्रताई का सन्देश 8

पवित्रता का सन्देश भ्रष्ट प्रचारकों द्वारा दूषित किया गया 49

कुपन्थीय अनुच्छेद सं. 42- प्रचार मंच के पीछे भ्रष्ट प्रचारक -झूठे गर्जनों ने ऐसे बहुत से पैदा किए 65

कुपन्थयीय अनुच्छेद सं. 43-स्त्रियों को अनैतिक-भद्दे पहरावे पहने के लिए भ्रष्ट प्रचारकों ने और झूठे गर्जनों ने प्रोत्साहित किया 82

कुपन्थीय अनुच्छेद सं. 44- ऊँची एड़ी के जूते-चप्पल पहने जाते हैं, झूठे गर्जनों ने इनके लिए बहाने प्रदान किये 113

पवित्रता का सन्देश अपरिवर्तनीय ह 124

कुपन्थीय अनुच्छेद सं. 45.हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ बड़ी ही चालाकी से संदेश और वचन को अपने हाथों में कब्जाये हुए हैं 147

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या-46-कोमल-नाजुक हड्डीरहित पुरुष, हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ 153

कुपन्थीय,अनुच्छेद.47उपद्रवी.बच्चे/गुनहगार माँ-बाप 164

पवित्रता या अधोलोक 173

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या.48-टेलीविजन ने वीडियों के साथ घरों में पुनःप्रवेश किया-झूठे गर्जनों ने इसे प्रोत्साहित किया 185

कुपन्थीय अनुच्छेद -49-विवाह से पहले चुम्बन करते हैं, तो आप इस बात के लिए बाध्य है, कि आप उससे विवाह करें 206

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 50 सन्देश के विश्वासी अविश्वासी से विवाह कर सकते हैं, और समान जुए में जुत सकते हैं 215

पवित्रता के लिए सिद्ध बनतें चले जा रहे हैं-झूठे गर्जन इसमें विफल हुए हैं 223

कुपन्थीय अनुच्छेद 51. दुनियावी संगीत-अफ्रीकी थापें, सन्देश की कलीसियाओं ने अपना लीं 244

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 52स्पोर्ट्स बॉल की टीमें; सामूहिक प्रतियोगिताएं—इसमें प्रचारकों और विश्वासियों की भागीदारी 251

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 53-मूर्खतापूर्ण मज़ाकबाजी और चुटकुलेबाजी/इशारेबाज़ी में किया जानेवाला मसख़रापन; और यह सब प्रचारमंच से किया जाता ह 263

अपवित्रता के विविध कामकाज-गतिसीमा तोड़ी जा रही है-गतिसीमा से भी ज्यादा गति पर मोटरगाड़ियाँ चलायीं जाती हैं 266

धूम्रपान 268

दसवें अंश का दिया जाना 268

स्त्रियों-पुरुषों द्वारा मिलजुलकर स्नान करना 269

सन्तान को जन्म देना-सन्तान उत्पत्ति पर नियन्त्रण 270

क्रिसमस अर्थात् बड़ा दिन 272

ईस्टर 273

लेखक और प्रचारक के द्वारा बहुत सी सभाओं में पवित्रता के उन मापदंड़ों पर जोर दिया गया, जो लिखित वचन पर; भविष्यद्वक्ता के सन्देश पर और खास तौर पर उन पिछले चुने हुए हवालों पर आधारित हैं। इन सभाओं में अनेक विश्वासी एकत्र हुए थे, और समय समय पर हजारों विश्वासी भी जमा हुए थे। उसने अपने कार्य में उन सब को संकलित करने का अथक प्रयास किया है, जिनकी नबी ने सन्देश में पवित्रता के मापदंड़ों पर शिक्षा दी और जिनकी नबी ने सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों के रूप में स्थापना की थी। हालांकि इस विषय पर जो मुख्य-मुख्य बातें हैं, उन्हें शामिल तो कर लिया गया है, लेकिन फिर भी हो सकता है, कि सन्देश में ऐसी ही और दूसरी बहुत सी बातें पायी जाती हों, किन्तु पर्याप्त स्थान न होने के कारण यहाँ पर उन पर ज़ोर ना दिया गया हो।

हमें भरोसा है, कि हमारा यह कार्य सन्देश की पवित्रता के मापदंड़ों से; जिनके बारे में ऐसा लगता है, कि उन्हें विश्व में चारों ओर भुला दिया गया है, भली-भाँति परिचित कराने में तथा उन्नति की ओर अग्रसर कराने में पास्टर-याजकों के लिए एक छोटी किताब के रूप में तथा विश्वासियों के लिए एक गाइड-पुस्तक के रूप में अपना मकसद हल कर सकता है। इस कार्य का उद्देश्य परमेश्वर के चुने हुओं के सम्मुख अंत समय के झूठे नबियों और झूठे अभिषिक्तों को बेनकाब करना भी है। यीशु ने कहा था,'' तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे।'' (मत्ती 7:15-20) प्रेरित पौलुस ने कहा था, कि'' अगर कोई अपने आपको आत्मिक जन या भविष्यद्वक्ता समझे, तो वह यह जान ले, कि जो सुसमाचार उसने दिया है, वह प्रभु की आज्ञाएं हैं।''(पहला कुरिन्थियों 14:37) इस कार्य में सन्देश की पवित्रता के विनाश के अलावा झूठे गर्जनों पर भी बहुत ज्यादा जोर डाला गया है-जो कि महान सुपर-डुपर आत्मिक पुरुषों के सात गर्जनों के प्रकाशन के दावों को गलत साबित करता है। उनकी पुस्तक संख्या 6, जिसका शीर्षक,''निन्दायोग्य कुपंथों का खुलासा—पवित्रता के सन्देश के मापदंड़/ झूठे गर्जन हुए निष्फल'', में कुपंथीय अनुच्छेद 42-53 में दूसरे गर्जनविहीन प्रचारकों कें साथ पहचान हुई है।

यह पुस्तक किसी भी प्रकार के शुल्क से मुक्त है(छपाई तथा वितरण कार्य हेतु स्वेच्छा से दिये जाने वाले दान स्वीकार किये जाते हैं) और हो सकता है, कि मलाकी4:5-6 वाले सन्देश को माननेवाले विश्वासियों के द्वारा इसे पुर्नत्पादित किया जाए; मगर ये सख्त हिदायत है,कि ऐसा इसके प्ररूप में बिना किसी प्रकार के परिवर्तन के किया जाए।

विभिन्न भाषाओं में इन पुस्तकों के लिए हम अधिकार प्रदान करना पसंद करेंगे; हालांकि हम यह चाहेंगे, कि हमें इसकी सूचना दी जाए और अनुमोदन के लिए कुछ प्रतियाँ हमारे पास भेजी जाएं। इस पुस्तक में अगर टंकण-छपाई सम्बंधी कोई त्रुटि हैं, तो हमें उसके लिए खेद है।

भाई डॉल्टन ब्रूस के द्वारा मई और जून 2002 को प्रचारा और लिखा गया।

प्रस्तावना

सन्देश की पवित्रता के मापदंड़ों का जो बहुत बड़ा अपवित्रीकरण आज वर्तमान समय में सन्देश के मानने वाले विश्वासियों के मध्य में विश्व्यापी तौर पर विद्यमान है, उसे पहले से ही भांप कर कई वर्षों पहले से ही अनेक हवालों को एक साथ संकलित कर लिया गया था, ताकि शैतान के इस कार्य का मुकाबला किया जा सके। जबकि उस समय अधिकतर विश्वासी सन्देश की पवित्रता के बुनियादी और आरम्भिक मापदंड़ों में ही टिके हुए थे; और उसी दौरान कुछ बातें रेंगती हुई चुपके से सन्देश की कलीसियाओं में आती चली जा रही थीं; तो उस समय लेखक के दिशा-निर्देशन में लेखक के इस अति गौरवशाली कार्यं में एडवर्ड सून नाम का एक साहसी, हिम्मती, व्याकुल युवक जुटा हुआ था। सन्देश के हवालों से संकलित एक ऐसी पुस्तक उन अनेकों प्रचारकगणों और सेवादारों के व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए तैयार की गई थी, जो भविष्यद्वक्ता भाई ब्रन्हम के द्वारा पवित्र वचनों पर आधारित स्थापित किये गए ऐसे मापदंड़ों को मजबूती से कायम रखने के लिए व्याकुल और दृढ़संकल्पी थे। इसमें उन हवालों का उपयोग किया गया था, जो घरों में टेलीविज़नों के होने की, स्त्रियों की अनैतिक पोशाकों की, ऊँची एड़ी की जूतियों-चप्पलों की, स्त्रियों द्वारा बालों की नीचे से काट-छांट कराये जाने की, तथा दूसरे विभिन्न मामलों में गलत आचार-व्यवहार किये जाने की भर्त्सना और निन्दा की गई है। उन संकलन-संग्रह में स्त्रियों और पुरुषों के द्वारा एक साथ मिलकर स्नान करने, दुनियावी संगीत का आनन्द लिये जाने, दारू-शराब पिये जाने; तम्बाकू का सेवन किये जाने, खेलकूदों के खेले जाने; पागान के पर्वों के मनाये जाने और इसी प्रकार के उन दूसरे कई अपवित्र कार्य कलापों को शामिल किया गया, जिनकी इस समय सन्देश के प्रचारकों के द्वारा मंज़ूरी दे दी गई है; और जिन्हें सन्देश के मानने वाले विश्वासी करते हैं।

उन चुने हुए हवालों में इस समय उन कई और हवालों को भी जोड़ा गया है, जिनका चयन उस एक और साहसी-हिम्मती, व्याकुल और प्रभु के काम में ना थकनेवाले उस युवा पुरुष ने किया था, जिसका नाम रॉनल्ड जैक है। इन दोनों युवा पुरुषों और कुछ एक दूसरे भाइयों और टाइपिस्ट के रूप में बहनों के मिले जुले प्रयासों से सन्देश की पवित्रता के मापदंड़ों पर भाई ब्रन्हम की प्रमुख शिक्षाएं अब एक पुस्तक के रूप में संकलित हैं, और यह एक ऐसी पुस्तक है, जो भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं के अपवित्रीकरण के खिलाफ में डटी हुई है।

परिचय

जिस समय से अंत–समय के सन्देश का प्रचार हमारे पास, परमेश्वर के दास–भविष्यद्वक्ता, मलाकी 4:5–6 के द्वारा, अर्थात् भाई ब्रन्हम के द्वारा आया है, एक से ज्यादा पीढ़ी बीत चुकी है। अगर आप उस समय से ही गिनती करें, जब सन् 1946 में प्रभु का दूत धरती पर आया था, और उसने भाई ब्रन्हम को एके सेवकाई और दिव्य चंगाई के वरदान के साथ सारे विश्व भर में भेजा था, तो चलीस वर्षों से भी ज्यादा का समय हो चुका है; और 1963 में मोहरों के खुलने से लेकर सन् 2003 तक एक और पीढ़ी हो जायेगी..जो कि चालीस वर्ष बैठते हैं।

उस पीढ़ी में बहुत कुछ हो चुका है। एक और पीढ़ी उठ खड़ी हुई है, जो नहीं जानती है, कि मूल–आरम्भिक सन्देश क्या है। **वे नहीं समझते हैं, कि इस सन्देश के मूल–आरम्भिक मापदंड़ क्या हैं–इस विषय पर काम करने का मेरा मकसद यही है, कि मैं आपको और संसार में चारों ओर इस सन्देश पर विश्वास करनेवाले विश्वासियों को इस सन्देश की पवित्रता के उन मापदंड़ों से भली–भाँति अवगत कराऊँ, जिनकी स्थापना एलिय्याह भविष्यद्वक्ता, भाई विलियम ब्रन्हम के द्वारा की गई थी।** इन कई वर्षों में पवित्रता के इन मापदंड़ों के असली मायने ही खो गए हैं, लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, कि इन मापदंड़ों का विस्तृत ब्यौरा भाई ब्रन्हम की पुस्तकों में लिपिबद्ध है, और ये मापदंड़ उनके सन्देशों के चुम्बकीय टेपों पर भी उपलब्ध हैं, ताकि ये समस्त मानव जाति के लिए पवित्रता के उन मापदंड़ों का एक सबूत ठहरें, जिन्हें भाई ब्रन्हम के द्वारा स्थापित किया गया था।

मैं आप पर तथा इस सन्देश के माननेवाले संसार के शेष सभी लोगों पर यह प्रमाणित कर रहा हूँ, कि जिन्हें हम सन्देश के सेवकगणों, विश्वासियों, संगतियों–ऐसम्बलियों और सन्देश के मापदंड़ों के रूप में देखते हैं, वह उससे कहीं दूर की बात है, जिसे परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने स्थापित किया था। ना केवल यही, अपितु यह तो उससे भी कहीं दूर की बात है, जिसे लोग खुद बा खुद एक बार को किया करते थे; और जिसे वे अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी में जिया करते थे; और यह उससे भी दूर की बात है, जिसे सेवादार और प्रचारकगण समय के सन्देश और पवित्रता के मापदंड़ों के रूप में प्रचारा करते थे। मेरा मानना है, कि यह एक नितांत आवश्यक विषय है; और ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि यह एक और पीढ़ी है जो उठ खड़ी हुई है, जो मूसा को नहीं

जानती है; जो आग के खम्भे के विषय में कुछ नहीं जानती है; जो उन संघर्षों और आजमाइशों के बारे में नहीं जानती है, जिन्हें परमेश्वर के लोगों ने सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों को ऊँचा उठाए रखने के लिए भरसक यत्न करते हुए सहा था। जो इन सारे समय में घटित हुआ है, यह विषय आपको उन हकीकतों से भी परिचित कराने के लिए है, और यह आपको इस बात से भी परिचित कराएगा, कि इस अंत समय के सन्देश के मानने वाले लोग अपनी अपवित्र–नापाक हालत में क्यों हैं, और क्यों वे पवित्रता के मूल–आरम्भिक मापदंड़ों से, मूल–आरम्भिक सच्चाइयों से और उस मूल आरम्भिक नमूने से भटक कर दूर चले गए हैं, जिसे भाई ब्रन्हम ने स्थापित किया था।

मैं इसी ''क्यों'' और ''कब'' को उज़ागर करने की आशा में कार्य कर रहा हूँ; और मैं परमेश्वर की कलीसिया को उन बातों से भली–भाँति अवगत कराने का प्रयास कर रहा हूँ, जिनकी वज़ह से लोग मूल–आरम्भिक मापदंड़ों से भटक कर इतनी ज्यादा दूर चले गए हैं। केवल एक ही तरीका है, जिसके माध्यम से मैं इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर सकता हूँ–कि सन्देश का उसकी पवित्रता के उन्हीं मूल–आरम्भिक मापदंड़ों में उल्लेख करूँ, जिन्हें परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने स्थापित किया था; और पवित्रताई के उन्हीं मूल–आरम्भिक मापदंड़ों को आपके सम्मुख प्रस्तुत करूँ, और इसकी तुलना उन मापदंड़ों से करूँ, जिनका सन्देश के मानने वाले इस समय उपयोग करते हैं।

उस एक वफादार गवाह के रूप में जिसने पवित्रता का प्रचार उसके मूल–आरम्भिक मापदंड़ों में होकर किया है; और जिसने सन्देश के माननेवाले लोगों को उनके मूल–आरम्भिक मापदंड़ों में देखा है; जैसाकि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के द्वारा उन्हें स्थापित किया गया था; **मैं परमेश्वर के अनुग्रह से यह कह सकता हूँ, कि इस समय बेथेल कलीसिया में सन्देश को चौंतीस वर्षों से प्रचार करते हुए उसी मूल आरम्भिक नमूने को और उन मापदंड़ों को स्थापित करके रखा गया है।** यह बदला नहीं है, और हमने उनको ना बदलने का फैसला किया है। सन्देह की किसी भी छाया से परे मैं यह कह सकता हूँ, कि **सन्देश के मूल–आरम्भिक मापदंड़ की बेथेल कलीसिया एक मिसाल है। यहाँ पर जो सेवादार और प्रचारकगण हैं, वे वैसे ही उसी मूल–आरम्भिक पैटर्न वाले सेवक और प्रचाकगण हैं, जैसाकि जिन्होंने एक बार को इस सन्देश का सच्चा प्रचार किया था। जो कायदा, प्रबंध और शिक्षा यहाँ पर स्थापित की गई हैं, वह सन्देश की मूल–आरम्भिक कसौटी से मेल खाती हैं। यह बदला नहीं है।**

मैं इस बात मैं सुनिश्चित हूँ, कि इस विषय की समाप्ति पर बहुतेरे लोग यह पायेंगे, कि यह गौरवशाली कार्य सत्यता और सन्देश की बातों में से ही ऐसा बोला गया है, कि वे हम से सहमत हो सकते हैं। **हमने उन्हीं मूल-आरम्भिक मापदंड़ों को कायम रखा है, हमने मूल-आरम्भिक शिक्षा को कायम रखा है; और इन सबसे बढ़कर बात यह है, कि हमारे पास परमेश्वर का आत्मा है, और उसकी उपस्थिति इस समय के सन्देश के प्रचार के दौरान मौजूद रही है।** वे लोग जो खुद अपने को सन्देश का विश्वासी कहते हैं, आज उनकी हालत देखने में बड़ी ही दुखद है; और वे मूल सन्देश से कोसो दूर हैं; उन में आत्मा की कमी पायी जाती है; उन में इस सन्देश की सच्ची समझ की कमी पायी जाती है; और इस सबसे बढ़कर उन में सन्देश की पवित्रता के मापदंड़ों की कमी पायी जाती है; और उन्होंने इसे ''गुजरे जमाने की बात'' बना डाला है।

यहाँ पर यह उल्लेख करना जरूरी है, कि पवित्रता के जिन मापदंड़ों की भविष्यद्वक्ता के द्वारा स्थापना की गई थी, वे पवित्र वचनों पर ही आधारित हैं। उसने अपने 1150 सन्देशों में वही प्रचारा जो खुदावंद के द्वारा उसे दिया गया था। इसने मसीहियों के लिए और खासतौर पर इस सन्देश का विश्वास करनेवाले लोगों के लिए एक नेंव रखी; कि वे यह समझ लें, कि उन्हें अवश्य ही प्रभु की उन सारी आज्ञाओं का, जो पवित्र वचनों में लिखी हुई हैं, और यहाँ तक कि उनके विवेक की उस व्यवस्था का, जो उन पर गलत कामों के लिए दोष लगाती है, और उनका जो पवित्र वचनों में लिखी हुई भी नहीं हैं, पालन करने के लिए पुरज़ोर मेहनत करनी चाहिए। ''वे व्यवस्था की बातों को अपने हृदय में लिखी हुई देखते हैं, और उनके विवेक भी गवाही देते हैं; और उनकी चिन्ताएं..(उनके मन के विचार)...परस्पर दोष लगाती हैं, या उन्हें निर्दोष ठहराती हैं।''(रोमियों 2:15-16)

यही कारण है, कि इस कार्य के द्वारा मैं यह सलाह, संकेत नहीं देता हूँ, या ऐसी स्थापना नहीं करता हूँ, कि पवित्रता के जिन मापदंड़ों का भाई ब्रन्हम के द्वारा प्रचार किया गया था और जो इस पुस्तक में निहित हैं, केवल यही वह सब कुछ है, जो परमेश्वर चाहता है, कि हम मानें; और ऐसा हो सकता है, उन शेष वचन के लेखों को अनदेखा कर दिया गया हो, जो पवित्रता के मापदंड़ों पर आधारित हों। ''हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से दिया गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिए लाभदायक हैं। ताकि परमेश्वर का जन सिद्ध बने, और हर एक भले काम के लिए तत्पर हो जाए।''(दूसरा तीमुथियुस 3:16-17)

कठपुतली प्रचारक और डीकन

E-45 ***''और तब जबकि वह सारी पवित्रता जो बाइबल में है, प्रचार कर दी गई है; और जिसकी शिक्षा तुम्हें दी जा चुकी है; इसके बावजूद भी तुम स्त्रियों, तुम अभी भी खुद अपने को ऊघाड़ती हो और अधनंगी होकर बाहर जाती हो। और तुम पुरुषों, तुम उसके उलट ही काम करते हो।*** तुम बस यहाँ-वहाँ बुत बने बैठे रहते हो और अपनी पत्नी को उस प्रकार के कार्य-कलाप करते रहने देते हो, और उसे उस प्रकार के पहरावे पहनने देते हो; और इसके बारे में एक शब्द तक नहीं बोलते हो। खैर, तुम तो कठपुतली ही हो। तुम कैसे कभी एक प्रचारक भी बन सकते हो? तुम कैसे एक डीकन बन सकते हो? अगर तुम अपने निज घर-परिवार को काबू में नहीं रख सकते हो, तो तुम परमेश्वर के भवन में क्या करोगे? यही कारण है, कि परमेश्वर का भवन आज ऐसी हालत में है। ***हमें ऐसे फौलादी हिम्मतवाले पुरुषों की जरूरत है, कि वे सुसमाचार का ऐसे धडल्ले से प्रचार करें, कि वे पाप को बेनकाब कर दें और उसे वहाँ पर उज़ागर कर दिखाएं जहाँ वह है; नाकि वे बस किसी छोटी-मोटी बात का ही प्रचार करते फिरें।***(हृदय तक पहुँचने वाला द्वार 22-03-58)

मसीह के आगमन के सम्बंध में पवित्रता का सन्देश

उन दिनों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला आकर यहूदिया के जंगल में यह प्रचार करने लगा।

कि मन फिराओ; क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।

यह वही है, जिसकी चर्चा यशायाह भविष्यद्वक्ता के द्वारा की गई, कि जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है, कि प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसकी सड़कें सीधी करो।

यह ऊँट के रोम का वस्त्र पहिने था, और अपनी कमर में चमड़े का पटुका बान्धे हुए था, और उसका भोजन टिड्डियाँ और बनमधु था।

तब यरूशलेम के और सारे यहूदिया के, और यरदन के आस पास के सारे देश के लोग उसके पास निकल आए।

और अपने अपने पापों को मान कर यरदन नदी में उस से बपतिस्मा लिया।

जब उस ने बहुतेरे फरीसियों और सदूकियों को बपतिस्मे के लिये अपने पास आते देखा,

तो उन से कहा, कि हे सांप के बच्चों, तुम्हें किसने जता दिया, कि आने वाले क्रोध से भागो?

सो मन फिराव के योग्य फल लाओ। और अपने अपने मन में यह न सोचो, कि हमारा पिता अब्राहम है; क्योंकि मैं तुम से सच कहता हूँ, कि परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान उत्पन्न कर सकता है।

और अब कुल्हाड़ा पेड़ों की जड़ पर रखा हुआ है, इसलिए जो अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा, और आग में झोंका जाता है। ***(मत्ती 3:1–10)***

'' सब (लोगों) से मेल मिलाप रखने और उस पवित्रता के खोजी हो, जिसके बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा। ***(इब्रानियों 12:14)***

हम वे पीढ़ी हैं, जो मलाकी 4:5–6 के पूरे होने के गवाह ठहरे हैं, जहाँ इस प्रकार लिखा हुआ है,'' क्योंकि देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है, जब अभिमानी और सब दुराचारी लोग अनाज की खूंटी बन जायेंगे; और उस आनेवाले दिन में ऐसे भस्म हो जायेंगे, कि उनका पता तक न रहेगा; ना तो उनकी जड़ ही छोड़ी जायेगी और ना ही उनकी डालियाँ; सेनाओं के यहोवा का यही वचन है....''और इसका पाँचवां और छठवां पद यूँ कहता है,''यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूँगा।'' और हम दृढ़तापूर्वक यह विश्वास करते हैं, कि मलाकी 4 का वचन का ये लेख उस एक पुरुष में पूरा हुआ था, जो विलियम मेरियन ब्रन्हम कहलाता था और जो परमेश्वर का दास और भविष्यद्वक्ता था, जिसे चिन्हों और चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों के द्वारा पूर्ण रूप से ऐसा प्रमाणित किया गया था, कि हमारे प्रभु यीशु मसीह को छोड़कर मानव इतिहास में किसी दूसरे भविष्यद्वक्ता को वैसा प्रमाणित नहीं किया गया था। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला प्रभु के आगमन का पहला अग्रदूत था; और हम विश्वास करते हैं, कि परमेश्वर का दास और भविष्यद्वक्ता विलियम ब्रन्हम प्रभु के आगमन का दूसरा अग्रदूत है। यह संयुक्त राज्य अमेरीका की ओहियो नदी के तट पर स्वर्ग से सुनाई देने वाली एक श्रव्य आवाज के द्वारा स्पष्ट रूप से बतला दिया गया था।

एलिय्याह भविष्यद्वक्ता–विलियम ब्रन्हम की जो सेवकाई हमारे पास भेजी गई भी उसकी तस्वीर यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की सेवकाई में स्पष्ट रूप से दिखाई दी थी। मलाकी 4 अंत समय के इसी भविष्यद्वक्ता को दर्शाता है , और इस भविष्यद्वक्ता को यीशु मसीह के

दूसरे आगमन से पहले आना था। यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को मलाकी 3 में दर्शाया गया और उसे हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रथम आगमन से पहले आना था। भाई ब्रन्हम और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले, दोनों के ही सन्देश के दो भाग थे।

मैं चाहता हूँ, कि आप इस बात पर विचार–मनन करें। ''और प्रचारक, उनके सन्देश के वे दो भाग क्या हैं?'' **यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले और भाई ब्रन्हम के सन्देश के दो भाग ये थे–नम्बर एकः लोगों को पवित्रता के सन्देश का प्रचार करना; और इन भविष्यद्वक्ताओं में से प्रत्येक के सन्देश का दूसरा भाग यह थाः मसीह का परिचय कराना।** ओह यह बड़ी ही शानदार बात है! यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सन्देश, जो कि भाई ब्रन्हम के सन्देश का ही प्रतिचित्रण करता है, उसके दो भाग थे, या उसकी दो तह थीं। सन्देश का पहला भाग तो पवित्रता का सन्देश है, और सन्देश का दूसरा भाग वह है जो मसीह की मुलाकात लोगों से कराता है। मैं विश्वास करता हूँ, कि उन दोनों ही भविष्यद्वक्ताओं ने अपने कार्यभार को शब्द दर शब्द पूरा किया था। **इन विषयों पर काम में जुट कर जो मैंने सन्देश लिया है, वह पवित्रता का सन्देश है, और इसमें मसीह का परिचय कराने वाली बहुत ज्यादा बात नहीं है; मै तो पवित्रता के इस सन्देश पर ही कार्य में जुटा हुआ हूँ, ताकि आपको पवित्रता के इस सन्देश का उद्देश्य, इसकी अनिवार्यता, और पवित्रता के इस सन्देश की महत्ता दिखाऊँ।** और ठीक इस समय मैं आपके पाक–साफ मस्तिष्क को झंझोड़ डालूँगा; **पवित्रता के इस सन्देश का उद्देश्य और अनिवार्यता का सारा का सारा योगफल इब्रानियों 12:14 में है, जहाँ कहा गया है,** ***'' बिना पवित्रता के कोई भी प्रभु को नहीं देखेगा।''*** इसके बारे में मत्ती 5 में भी बोला गया है,' *'धन्य हैं वे, जो मन के शुद्ध हैं, वे परमेश्वर का दर्शन पायेंगे।''* इससे पहले कि आप परमेश्वर को मनुष्य के रूप में मानव देह में साक्षात् प्रकट होते हुए देखें, आपको अवश्य ही अपने हृदय में पाक–साफ बनना होगा। ''धन्य है, वे जो मन के शुद्ध हैं, वे परमेश्वर का दर्शन पायेंगे।''

आप परमेश्वर को इस पृथ्वी पर मनुष्य के अंदर परदे की आड़ में देखने के अलावा किसी और रूप में नहीं देख सकते हैं; क्योंकि किसी ने परमेश्वर को नहीं देखा और जिया। आज जो हमारे पास पवित्रता का सन्देश भेजा गया है, उसका ठीक वही उद्देश्य है जो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के सन्देश का उद्देश्य था। लूका 1:17 में उसके पिता जकर्याह से भविष्यवाणी करके जो शब्द कहे गए, वे शब्द इस प्रकार लिखे हुए हैं,'' *वह एलिय्याह की आत्मा और सामर्थ में होकर उसके आगे आगे चलेगा, कि पितरों का मन लड़केवालों की*

ओर फेर दें''; और इसके बाद वह आगे कहता है,'' *और आज्ञा न माननेवालों को धर्मियों की समझ पर लाए, और प्रभु के लिए एक योग्य प्रजा तैयार करे।*'' **पवित्रता का जो सन्देश आज भेजा गया था, उस का यही मकसद है, कि प्रभु के आगमन के लिए लोगों को तैयार करे। अगर आप पवित्रता के सन्देश से चूक जाते हैं, और अपने जीवन में पवित्रता के सन्देश को लागू नहीं करते हैं, तो आप प्रभु से मुलाकात करने में भी चूक जायेंगे। यह सन्देश इतना ज्यादा जरूरी है।** यह सन्देश, पवित्रता का यह सन्देश आज वैसे ही नितांत आवश्यक है, जैसे कि एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के सन्देश का पहला भाग महत्वपूर्ण था, और यह इसलिए और भी ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस लौदीकियायी काल में कलीसिया ने मसीह को ही द्वार से बाहर किया हुआ है; और वे अंधे, नंगे, कंगाल, अभागे हैं, और वे यह जानते भी नहीं हैं। यही कारण था, कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के दिनों में पवित्रता का यह सन्देश इसलिए भी जरूरी था, क्योंकि कलीसिया पवित्रता के मापदंड़ों से दूर भटक गई थी। वे मूसा की व्यवस्था से दूर फिर गए थे। वे यहोवा परमेश्वर से दूर चले गए थे; और जब कभी कलीसिया परमेश्वर को ठुकराने और पवित्रता के उन मापदंड़ों से दूर चले जाने की सिथति में आ जाती है, तो यही वह समय होता है, कि परमेश्वर एक नबी को भेजे, परमेश्वर एक सन्देशवाहक को भेजे। परमेश्वर ने ही उसे जंगल में छिपा कर रखा था, क्योंकि पवित्रता का उसका सन्देश अत्याधिक महत्वपूर्ण था, क्योंकि अगर लोग पवित्रता के उस सन्देश से चूक जाते, तो वे प्रभु से मुलाकात करने से ही चूक जाते। अतः परमेश्वर ने इस यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को नौ साल की उम्र में ही चुन लिया था। वह निर्जन प्रदेश में अर्थात् जंगल में चला गया था। उसके बाद बिलकुल ठीक समय पर प्रभु का वचन यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पास आया। वह औरतों के साथ पगलाये ना फिरा था, उसने शराब–मदिरा का सेवन नहीं किया था, और धूम्रपान नहीं किया था, उसने सिगरेट–बीड़ी नहीं पी थीं।

ठीक ऐसी ही परमेश्वर की बुलाहट विलियम ब्रन्हम को साल साल की उम्र में हुई थी; नौ साल की उम्र में नहीं वरन सात साल की उम्र में उसे परमेश्वर की बुलाहट हुई थी; और जब विलियम ब्रन्हम सात साल का था, तो परमेश्वर ने उसे चिताया था, और उसे बीड़ी–सिगरेट पीने, शराब–मदिरा का सेवन करने और अनैतिक स्त्रियों के बारे में चेतावनी दी थी, क्योंकि पवित्रता का उसका सन्देश इतना अत्याधिक महत्वपूर्ण था, कि परमेश्वर को एक पवित्र पुरुष जो कि विलियम ब्रन्हम कहलाता था, भेजना पड़ा था, ताकि पवित्रता का एक सन्देश लेकर आए। परमेश्वर को पवित्रता की एक सही मिसाल, धार्मिकता की एक सही मिसाल, और दुनियावी वस्तुओं से खुद अपने को पाक–साफ रखने वाली एक सही मिसाल

भेजनी थी। और यह मिसाल प्रत्यक्ष रूप से यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के जैसी ही थी। और हमारे नबी ने अपने जीवन काल में कभी भी बीड़ी–सिगरेट का सेवन नहीं किया। उसने कभी भी व्यभिचार में या और दूसरी अनैतिक लीलाक्रीड़ओं में जीवन नहीं बिताया; और उसने कभी भी बीड़ी–सिगरेट नहीं पी थी। एक स्वर्गदूत था जो उसकी हिफाजत किये रहता था। उसकी सेवकाई–उसका कार्य भार इतना अत्याधिक महत्वपूर्ण था।

अतः आज जो यह पवित्रता का सन्देश आया है, यह बिलकुल ठीक वैसे ही आया है जैसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के द्वारा पवित्रता का एक सन्देश आया था, और इसका उद्देश एक लोगों को तैयार करना था। बगैर उस पवित्रता के सन्देश के आप मसीह से चूक जायेंगे। भाइयों, आप ज़रा वचन के उस लेख पर दृष्टि डालें, जो हमने अभी हाल ही में मत्ती 3 में पढ़ा है, और आप उस पहले सन्देश के स्वभाव पर तो दृष्टि डालें, जो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने प्रचारा था। उसने प्रायश्चित का अर्थात् मन फिराव का प्रचार किया थाः क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट है। वह सही रीति से जल का बपतिस्मा देते हुए आया; और उसने बिलकुल ठीक वैसा ही किया, जैसाकि बाइबल कहती थी,कि ''प्रभु के लिए एक योग्य प्रजा तैयार करे।''अब यह क्या था? वह इन लोगों को तैयार कर रहा था? , और अगर मसीह हृदय, मन–दिमाग, आत्मा की उस तैयारी से ही पहले आ जाता, तो हर कोई मसीह से चूक जाता। लेकिन खुदा ने अपनी महान बुद्धि और अपनी महान योजना में अपने एक नबी को आगे आगे भेजा, और उस नबी के सुसमाचार का पहला भाग पवित्रता का एक सन्देश था, क्योंकि यह लिखा हुआ है,'' ***कोई भी बिना पवित्रता के प्रभु को नहीं देखेगा***।''अगर उस दिन में लोग मसीहा को देखने की आस लगाए हुए थे, तो उन्हें उस कसौटी पर खरा उतरना था। उन्हें पवित्रता के सन्देश की उस कसौटी तक आना था।

अतः, पवित्रता का यह सन्देश एक बड़ी बुनियाद है, और यह उन सबसे बड़ी बुनियादों में से एक है, ताकि सचमुच में मसीहा का प्रकाशन हासिल हो। अतः भाई ब्रन्हम आज के जगत में आए, और उनका पहला सन्देश यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के सन्देश के जैसे ही पवित्रता का एक सन्देश था, और यह एक ठोस बुनियाद थी। पवित्रता के सन्देश की इस ठोस बुनियाद का आगास मन–फिराव के साथ ही शुरू हुआ।''*तुम प्रायश्चित करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है।*'' उसने उन्हें उनके पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा दिया। उसने पुरोहित–याजकों और पादरी वर्ग के लोगों को लताड़ा, और उसने यह चाहा था, कि वे मन फिराव के योग्य फल उत्पन्न करें। दूसरे शब्दों में, वह उनके जीवनों में पवित्रता को स्थापित होते हुए देखना चाहता था। उसने ना केवल यही कहा, कि'' *मैं तुम्हें मसीही*

बपतिस्मा दे रहा हूँ, या मैं तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूँ''; वरन वह तो यह देखना चाहता था, कि जिस पवित्रता के सन्देश का वह प्रचार कर रहा था, उसे वे पुरोहित–याजक अपने जीवनों में जी भी रहे थे, जो प्रायश्चित करने जा रहे थे। यही कारण था, कि उसने कहा था,'' *इसलिए मन फिराव के योग्य फल लाओ*।'' क्या यह पवित्रता का एक सन्देश था? इसके बाद सिपाही उसके पास आये, और उससे पूछने लगे,'' *हम क्या करें*?'' उसने कहा,''*अपनी मज़दूरी पर सन्तोष करना।*'' यह पवित्रता का ही तो सन्देश था। उसने कहा,'' *अगर तेरे पास दो कुरते हों, तो वह जिसके पास न हो, उसे बांट दे।*'' यह पवित्रता, धार्मिकता ही तो थी। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला अपनी सेवकाई के उन छः महीनों में क्या कर रहा था? वह क्या कर रहा था? वह लोगों को प्रभु से मुलाकात कराने के लिए तैयार कर रहा था। वह ऐसा किससे कर रहा था? पवित्रता के एक सन्देश से! यह पवित्रता का ही एक सन्देश था, जो लोगों के हृदयों को तैयार कर रहा था।

बिलकुल ठीक वैसा ही आज होता है, जब आज परमेश्वर ने विलियम ब्रन्हम को, परमेश्वर के इस जन को पृथ्वी के मुखमंड़ल पर भेजा, तो वह पवित्रता का एक सन्देश लेकर आया। वह सही रीति से बपतिस्मा दे रहा था; वह लोगों को संस्थाओं और संगठनों में से बाहर निकाल रहा था। वह उनके मनों को किसी बात के लिए तैयार कर रहा था, और वह यह थी, कि वह थोड़ी देर बाद उनकी मुलाकात मसीहा से कराये।

अब पवित्रता के ये मापदंड़ पूरी तौर से अत्यंत अनिवार्य हैं। यह इतना ज्यादा महत्वपूर्ण क्यों है? क्यों यह, अर्थात् पवित्रता के ये मापदंड़ पूरी तौर से अत्यंत अनिवार्य हैं? ऐसा क्यों है? क्योंकि **पवित्रता का यह सन्देश, पवित्रता के ये मापदंड़ जो नबी ने स्थापित किये हैं, वे परमेश्वर की एक योजना और एक कार्यक्रम है, कि वह अपने लोगों के हृदयों को तैयार करें, ताकि वे दिव्य प्रकाशन के द्वारा मसीहा को पहचान जाए, जब वह आता है। ऐसा नहीं हो सकता है, कि आप पाप में जिन्दगी बसर करें, आप पवित्रता के उस सन्देश से उलट ही जिन्दगी बितायें, जो हमारे पास भेजा गया है; और आप पवित्रता के सन्देश से उलट ही प्रचार करें, और पवित्रता के सन्देश के मापदंड़ों के विपरीत बातों को कलीसिया में और अपने जीवन में स्थापित करके रखें, और फिर भी आप परमेश्वर के प्रकाशन को पाने की आशा रखें। यह तो परमेश्वर की कसौटी है, यह तो परमेश्वर की योजना है; यह तो परमेश्वर का कार्यक्रम है।** यह परमेश्वर की ही कार्य–योजना है, कि मानव–जाति के हृदय तैयार किये जाएं; और उसकी योजना में एलिय्याह की आत्मा शामिल है, कि वह उस पवित्रता के सन्देश के साथ आए। ऐसा उसके पहले

आगमन पर हुआ था, और ऐसा ही आज फिर से होता है। मैं इस बात मैं सुनिश्चित हूँ, कि भाई ब्रन्हम ने इस जगत से कूच कर जाने से पहले जीवते परमेश्वर की सच्ची कलीसिया की मुलाकात मसीहा से करा दी थी, और हम निष्ठापूर्वक यह विश्वास करते हैं, कि ऐसा मोहरों के खुलने के समय पर हो गया था। **और मैं निर्भीकता के साथ यह वक्तव्य देता हूँ, कि बगैर प्रकाशन के, बगैर पवित्रता के मापदंड़ों को जीवन में स्थापित किये, यीशु मसीह को उसके दूसरे आगमन में देख पाना पूर्णतः असम्भव है।** पवित्रता का सन्देश परमेश्वर का एक कार्यक्रम था, यह एक कसौटी–मापदंड़ था, और यह सर्वशक्तिमान परमेश्वर की लोगों के लिए एक योजना थी, कि वे मसीह को दिव्य प्रकाशन के द्वारा जान लें, जब वह पहली बार आता है; और वह कारण जो आज परमेश्वर ने उस भविष्यद्वक्ता को भेजा जो विलियम ब्रन्हम कहलाता है, यह था, कि वह अमेरिका की सारी धरती पर पवित्रता का एक सन्देश लाना आरम्भ करें और उसके बाद सारे विश्व भर में; ताकि लोग प्रभु के आगमन को देख व जान सकें।

अब भाइयों हम सीधे ही इस विषय पर आना चाहते हैं। भाई ब्रन्हम, अर्थात् एलिय्याह के सन्देश के दो भाग हैं। उसका सन्देश पवित्रता का एक सन्देश था, और पवित्रता का वह सन्देश लोगों के हृदय तैयार कर रहा था, ताकि वे मसीह का आगमन देख सकें। आप पवित्रता के सन्देश को छोड़ कर आगे नहीं बढ़ सकते हैं, और इस बात का दावा नहीं कर सकते हैं, कि आप के पास मसीह का और यीशु मसीह के आगमन का एक प्रकाशन है, क्योंकि पवित्रता के उस सन्देश का पहला स्थान है, और उसके बाद ही मसीहा का परिचय कराया जाता है; और पवित्रता के सन्देश का एक मकसद था, और वह मकसद था, लोगों के हृदय तैयार करना, ताकि वे मसीहा को पहचान जाएं, जबकि वह पूर्व समय में वहाँ पर आया, और इसका आज भी ठीक यही मकसद है। जी हाँ, भाई ब्रन्हम का पवित्रता का सन्देश इसी लिए है, कि वह लोगों के हृदय मसीह को देखने के लिए तैयार करे, जब वह आज आता है; और वह मोहरों के खुलने पर आता है।

अब आप उस पर खुद जद्दोजहद करें। जाकर भाई ब्रन्हम की बातों पर प्रश्न करें। मेरा काम तो ''मसीह के आगमन के सम्बंध में पवित्रता का सन्देश'' बतलाना है। क्योंकि जो भी इंसान भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश में कुछ भी रद्दोबदल करता है, या उसे बिगाड़ता है, उसमें और दूसरी बातें जोड़ कर उसे उन्नत किस्म का बनाता है, उसे अनदेखा करता है, उसे छोड़कर आगे बढ़ता है, उस पर समझौता करता है, उस पर अविश्वास करता है, उस के

अनुसार अपनी जिन्दगी नहीं बिताता है, और वैसा ही करने के लिए और दूसरे लोगों को भी शिक्षा देता है, तो वह मसीह के आगमन से चूक जायेगा। मैं आप पर इस बात का खुलासा कर दूँ, कि अगर कोई भी शख्स पवित्रता के इस सन्देश में जैसा कि इसका एक उद्देश्य के लिए प्रकटीकरण हुआ था, चाहे वह एक प्रचारक ही क्यों न हो, चाहे वह कोई भी स्त्री या पुरुष क्यों न हो, वह चाहे कोई भी क्यों न हो, वह प्रभु के आगमन से चूक जायेगा। वह मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकट हुआ है। यह किसी भी मनुष्य के लिए पूरी तरह से असम्भव है, कि वह पवित्रता के सन्देश को छोड़कर जिन्दगी बिताये, और फिर भी दावा करे, कि उसके पास मसीह का प्रकाशन है, फिर भी दावा करे, कि वह सात गर्जनों का प्रचार कर रहा है; क्योंकि मसीह का आगमन सात गर्जनों के तहत होता है। ऐसा होना बिलकुल नामुमकिन है। कोई भी व्यक्ति जो गर्जनों का प्रचार कर रहा है, वह पवित्रता के सन्देश का बढ़ा–चढ़ाकर प्रचार करेगा; क्योंकि अगर वह प्रचारक लोगों को मसीहा के आगमन के प्रकाशन का प्रचार करता है, तो उसे अवश्य ही उनके ह्रदय पवित्रता के सन्देश के द्वारा तैयार करने होते हैं। यही कारण है, कि वह पवित्रता के सन्देश की विशिष्टताओं को ज़ोर देकर बतलायेगा, ताकि लोग मसीहा का प्रकाशन हासिल कर सकें। आज परमेश्वर का एक सच्चा सेवक पवित्रता के सन्देश में कोई रद्दोबदल नहीं करेगा; वह पवित्रता के सन्देश को दूषित नहीं करेगा; वह काट–छांट करके इसे उन्नत किस्म का नहीं बनायेगा; वह इससे कतरायेगा नहीं; वह इससे समझौता नहीं करेगा; वह इस पर अविश्वास नहीं करेगा; वह इस पर चलने से नहीं चूकेगा; और वह लोगों को भी उसी की शिक्षा देगा। अगर कोई भी मनुष्य वैसा कर रहा है, तो वह प्रभु के आगमन से चूक चुका है, और उसके वे दावे झूठे हैं, कि उसके पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है। उसके सात गर्जनों के दावे झूठे हैं। ये दोनों बातें अवश्य ही साथ साथ चलनी चाहिएं। सबसे पहले तो पवित्रता का ही सन्देश आता है, और उससे अगला काम प्रभु का आगमन है, और सात गर्जन ही प्रभु का आगमन अपने में समेटे हुए हैं।

अंत समय में पवित्रता का सन्देश चुनी हुई दुल्हन के पास भेजा गया है, ताकि उसके ह्रदय को सात गर्जनों के प्रकाशन के लिए तैयार करे। कोई भी वह व्यक्ति जो सात गर्जनों का दावा करता है, जिसमें यीशु मसीह का आगमन निहित है, और वह पवित्रता का जीवन नहीं बिताता है और अपनी मंड़ली में पवित्रता कायम नहीं करता है, तो वह एक झूठा भविष्यद्वक्ता है। वह एक झूठा है और वह मसीहविरोधी आत्मा से अभिषिक्त है। पवित्रता का यह सन्देश एलिय्याह की सेवकाई के द्वारा इसलिए भेजा गया है, ताकि परमेश्वर के लोगों को तैयार करे, कि वे दिव्य प्रकाशन के द्वारा यीशु मसीह का दूसरा आगमन देखें; और मैं बेधड़क होकर यह वक्तव्य कहता हूँ, कि,'' कि यह ना बदलनेवाला सन्देश है।'' **विलियम ब्रन्हम का**

पवित्रता का सन्देश ऐसा है जिसमें कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है–यह तो अपरिवर्तनीय है। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि आप कौन हैं; आप कितना ज्यादा प्रकाशन होने का दावा करते हैं, आपकी नबी से कितनी ज्यादा मित्रता थी, आप परमेश्वर के नबी के कौन से बेटे, कौन सी बैटी, कौन सी बहन और कौन से भाई थे; गलतियों 1:8–9 के आधार पर आपको पवित्रताई के सन्देश में बदलाव करने का कोई अधिकार नहीं है, और गलतियों 1:8–9 कहता है,'' *परन्तु यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार सुनाए, तो वह स्रापित हो। जैसा हम पहले कह चुके हैं, वैसा ही मैं अब फिर कहता हूँ, कि उस सुसमाचार को छोड़, जिसे तुम ने ग्रहण किया, यदि कोई और सुसमाचार सुनाता है, तो स्रापित हो।*'' **और मेरे भाई, अगर कोई भी विलियम ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश में रद्दोबदल करने की कोशिश करता है, तो वह स्रापित हो। यह तो अपरिवर्तनीय सन्देश है।**

ओह मेरे अज़ीजों, मैं आशा करता हूँ, कि आप इसे समझ रहे हैं। यह तो एक साधारण सा ही उपदेश है। मैं कह रहा हूँ, कि पहले पवित्रता के सन्देश पर चलना होता है, और उसके बाद ही आप मसीह को देख सकते हैं। आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, कि पवित्रता के उस सन्देश से कतरा कर आगे बढ़ें, उसे दूषित करें, उसमें काट–छांट करके उसे उन्नत किस्म का बनायें, उस में रद्दोबदल करें या उसमें बिगाड़ करें, और ठीक उसी समय इस बात का भी दावा करें, कि आपके पास मसीह का प्रकाशन है। आप शैतान के बहकावे में हैं, और आप पर मसीहविरोधी आत्मा का अभिषेक है। वह मिसाल जो मैंने अभी कायम की है, वह यीशु मसीह के पहले आगमन के इतिहास में पायी जाती है। परमेश्वर ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को इसलिए भेजा था, ताकि कलीसिया में पवित्रता के मापदंड़ों को वापस लेकर आए। कुछ लोगों ने तो उस पर गौर फरमाया था, जबकि लोगों की एक बड़ी संख्या ने उसके पवित्रता के सन्देश पर कोई ध्यान नहीं दिया था। वे लोग जिन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पवित्रता के सन्देश पर ध्यान देने से मना कर दिया था, वे मसीह से चूक गए थे। ये वे ऐसे लोग थे जो अपनी अपनी संस्थाओं में बड़े रुतबे वाले लोग थे। वे बहुत बड़े बड़े फरीसी और शास्त्री थे। वे उस समय उस जंगली पुरुष की बात सुनने के लिए अत्याधिक पढ़े–लिखे थे, जो जंगल में से बाहर निकल कर आया था। उन्होंने पवित्रता का उसका सन्देश ठुकरा दिया था, और वे मसीह को देखने से चूक गए थे। जब वे मसीह से चूक गए थे, तो उन्होंने उसको बालजबूल के रूप में, दुष्टात्माओं के राजकुमार के रूप में सताया और जान से मार डाला। अगर उन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के पवित्रता के सन्देश पर गौर किया होता, तो उन्होंने उसे मसीह के रूप में पहचान लिया होता, मगर उन्होंने तो कहा था,'' *तू तो बालजबूल है, तू*

तो दुष्टात्माओं का सरदार है।''उन्होंने यह सब इसीलिए किया था, क्योंकि उन्होंने पवित्रता का सन्देश ठुकरा दिया था। यह वह चेतावनी थी, जो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने उन्हें यरदन पर दी थी, जब उसने फरीसियों और शास्त्रियों को अपने पास आते हुए देखा था; उसने कहा था,'' *तुम्हें किसने चिता दिया, कि परमेश्वर के आनेवाले क्रोध से भागो; सो मन फिराव के योग्य फल उत्पन्न करो। और तुम अपने अपने मन में यह न कहना शुरू करो, कि हमारा पिता अब्राहम है।*''जी हाँ, उन्होंने उस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया था; और चूँकि उन्होंने उस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया था, जो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने उन्हें यरदन नदी के किनारे दी थी, तो इसलिए जब मसीह आया और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने उसकी पहचान करायी, तो वे लोग उससे चूक गए; लेकिन जो मसीह को पहचानने के लिए तैयार थे, उन्होंने मसीह को पहचाना और वे उसके पीछे पीछे चले। जी हाँ! वे जानते थे, कि वह मानव देह के परदे में, प्रकट मनुष्य का पुत्र है। उन्होंने उसे दिव्य प्रकाशन के द्वारा पहचान लिया था। दूसरी अनेकों आँखों ने उसे देखा था; हजारों नेत्रों ने उस पर दृष्टि डाली थी, लेकिन स्वभाविक नेत्रों से उस पर दृष्टि डालने से आपको उसके बारे में कोई समझ हासिल नहीं होती है। आपको तो प्रभु का दूसरा आगमन दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही समझना होता है। जी हाँ! यही कारण था, कि वहाँ पर हजारों लोग खड़े हुए थे, लेकिन केवल मुट्ठी भर लोग ही उसके पीछे पीछे चले थे; क्योंकि आपको तो मसीह के दूसरे आगमन को दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही समझना होता है।

वे जो विलियम ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश पर ध्यान देने में विफल होते हैं, तो उन लोगों के पास मसीह के दूसरे आगमन का प्रकाशन नहीं होगा, जैसा कि उनके पास मसीह के पहले आगमन का प्रकाशन नहीं था, जिन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पवित्रता के सन्देश पर ध्यान नहीं दिया था। और जिन फरीसियों ने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के सन्देश पर ध्यान नहीं दिया था, उन सभों ने मसीह को जब वह आया, तो बालजबूल कहा था। वे लोग ठीक वैसा ही आज करेंगे; वे उन लोगों को सतायेंगे, जिनके पास परमेश्वर का वचन है। वे मनुष्य के पुत्र की सेवकाई को सतायेंगे। वे मसीह की सेवकाई पर, जो कि परमेश्वर का प्रकट किया हुआ वचन है, जो मनुष्य का पुत्र है, दुख–पीड़ा डालेंगे। और जैसे पिछले समय में लोगों का झुंड़ इससे चूक गया था, ठीक वैसा ही फिर से लोगों के साथ होने जा रहा है। जी हाँ!

जब वे मसीह से चूक गए थे, तो उन्होंने मसीह के साथ क्या किया था, जब उन्होंने पवित्रता का सन्देश ठुकरा दिया था, जब उन्होंने उसे सताया था, और जब उन्होंने उसे ''बालजबूल'' कहा था, तो उन्होंने क्या किया था? उन्होंने क्या किया था? उन्होंने मसीह

को ही क्रूस पर जान से मार डाला था। क्यों? जिस मसीह की वे अदन की वाटिका से ही चार हजार वर्षों से बाट जोह रहे थे, उन्होंने अपने उसी मसीह को क्रूस पर जान से मार डाला था। वे ऐसा कैसे करने पाये थे, कि उन्होंने उसे ही सलीब पर जान से मार डाला था? क्योंकि उन्होंने यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का पवित्रता का सन्देश ठुकरा दिया था। परमेश्वर ने अपने अनुग्रह में होकर एलिय्याह की आत्मा को प्रभु के लिए एक प्रजा तैयार करने के लिए भेजा था, और उन्होंने उस चेतावनी पर ही कोई ध्यान नहीं दिया था। वे बहुत ज्यादा जानते थे। जिस समय यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला वहाँ पर आया, उस समय वे कुछ ज्यादा ही जानते थे, इसीलिए उन्होंने मसीह को ही सलीब पर जान से मार डाला था।

ठीक वैसे ही विलियम ब्रन्हम को एक विद्रोही घराने में भेजा गया था। उसे एक बगावती देश में भेजा गया था; और वह देश अमेरीका था। वे ज्ञानवान दानव थे; वे तेज–तर्रार दानव थे, वे बड़े दिमाग वाले लोग थे, जहाँ उसे भेजा गया था। मैं चाहता हूँ, कि आप विलियम ब्रन्हम के कार्य पर ध्यान दें, कि वह कैसा कार्य था और वह कितना कठिन कार्य था। विलियम ब्रन्हम को एक विद्रोही (बलवा करनेवाले) खानदान में भेजा गया था। उसे एक विद्रोही देश, अर्थात् अमेरीका में भेजा गया था, और उसे एक विद्रोही पीढ़ी के पास भेजा गया था। उसे एक वैसी ही पीढ़ी के पास भेजा गया था, जैसी कि नूह के दिनों में की पीढ़ी, और सदोम और अमोरा की पीढ़ी को एक साथ मिलाकर पीढ़ी बने। क्या आप इस पुरुष का काम देख सकते हैं, जो कि विलियम ब्रन्हम कहलाता है? क्या आप इस पुरुष के परिश्रमों को देख सकते हैं, जिसके ऊपर एलिय्याह की आत्मा का अभिषेक था। उसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के जैसे किसी एक ही देश के पास नहीं भेजा गया था। उसे तो उस एक देश के पास भेजा गया था जो सबसे ज्यादा विद्रोही है। वह एक पीढ़ी के पास एक ऐसे भविष्यद्वक्ता के रूप में भेजा गया था, जो सारे विश्व भर के लिए एक भविष्यद्वक्ता है। उसे अपवित्र लोगों की पीढ़ी के पास, परमेश्वररहित लोगों की पीढ़ी के पास, दूषित–बिगड़ैल लोगों की पीढ़ी के पास , अनैतिक, दोगले, बीमार लोगों की पीढ़ी के पास भेजा गया था। उसे काम–वासना वाले अनैतिक लोगों के पास भेजा गया था। उसे दुराचारी और व्यभिचारी पीढ़ी के पास भेजा गया था। क्या आप इस पुरुष के कार्य का मूल्यांकन कर सकते हैं, जिसे सम्पूर्ण विश्व के खिलाफ काम करना था?

अब, एक बार को ऐसा समय था, जब परमेश्वर ने एक नबी को एक छोटी सी कौम के पास भेजने के लिए बुलाया था। परमेश्वर ने उससे कहा था,'' हे यहेजकेल, मैं

तुझे बलवई घराने के पास भेजता हूँ; और केवल एक ही तरीका है, जो मैं तुझे उस बलवई घराने के पास भेज सकूँ, कि मैं तेरे माथे को चक़मक़ के पत्थर से भी ज्यादा कठोर बनाऊँ; और मैं तेरे माथे को हीरे के तुल्य कड़ा कर देता हूँ, जो चकमक के पत्थर से भी कड़ा होता है, ताकि मैं तुझे उस बलवई घराने के पास भेजूँ, जो इस्राएल कहलाता है।'' अगर परमेश्वर को यहेजकेल को एक खास किस्म के अभिषेक से अभिषिक्त करना पड़ा था, और उसके माथे को चकमक के पत्थर से भी ज्यादा कड़ा करना पड़ा था; जिसका अर्थ यह है, कि परमेश्वर ने यहेजकेल के जीवन में साहस, अन्दरूनी-ताकत, निर्भीकता, और बाहदुरी कूट कूट कर भरी, और उसे वीरता से आशीषित किया; और बिलकुल ठीक ऐसा ही उसने विलियम ब्रन्हम के साथ किया, ताकि वह इस बलवई पीढ़ी का मुकाबला कर सके। भाई ब्रन्हम वीरों के वीर थे। उनका माथा चकमक के पत्थर से भी कठोर और हीरे से भी ज्यादा कड़ा था, ताकि इस बलवई पीढ़ी का मुकाबला करें, ताकि बलवई कलीसिया का मुकाबला करें, ताकि बलवई लोगों का मुकाबला करें।अगर किसी मंड़ली में सिर्फ दो या तीन ही विद्रोही-बलवई लोग हों, तो एक सेवादार के लिए वही काफी होते हैं, लेकिन एक पुरुष के लिए सारे विश्व भर के अरबों लोगों के सामने डटे रह कर सामना करना, सम्पूर्ण धार्मिक जगत का मुकाबला करना, और सारे ज्ञानवान दानवों का प्रचारमंच के पीछे खड़े होकर सामना करना उससे कहीं ज्यादा बड़ी बात है। परमेश्वर को इस एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को खास तौर पर तैयार करना था। मैं परमेश्वर का एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के लिए बड़ा ही शुक्रगुज़ार हूँ। परमेश्वर ने विलियम ब्रन्हम को साहस-हिम्मत,अन्दुरूनी-ताकत और निर्भीकता से अभिषिक्त किया था। परमेश्वर ने उसे वीरता से अभिषिक्त किया था। परमेश्वर ने उसे साहस और बहादुरी से अभिषिक्त किया। परमेश्वर ने उसे एलिय्याह की आत्मा से अभिषिक्त किया। वह अकेला ही सारे जगत के मुकाबले में खड़ा रहा। वह वीरों का वीर था। मैं उस भविष्यद्वक्ता से प्रेम करता हूँ। ओह, मेरे अज़ीजों, हम ज़रा उस पुरुष की बहादुरी का मुल्याकंन तो करें। यह एक दिव्य-आलौकिक बहादुरी ही थी। यह एक दिव्य-आलौकिक साहस ही था। यह दिव्य-अलौकिक आत्मा ही था, जिसका अभिषेक उस पुरुष पर था, कि सारे राजाओं और सारे सम्राटों का, और सारे देशों और कौमों का मुकाबला करता, और सदोम और अमोरा में होने वाले व्यभिचार से सम्बन्धित कार्यकलापों की खिलाफत करता। ताकि सदोम और अमोरा में होने वाले व्यभिचार-सम्बन्धित कुकर्मो की खिलाफत करे, ताकि अमेरीका जैसे देश का सामना करे, और उस हॉलीवुड़ वाली आत्मा का सामना करे, परमेश्वर को विलियम ब्रन्हम के साथ होना था। यह आगे इस बात को साबित करता है, कि विलियम ब्रन्हम सचमुच में एलिय्याह था, जिसे प्रभु के लिए एक प्रजा तैयार करने के लिए

पवित्रता के एक सन्देश के साथ भेजा गया था।

विलियम ब्रन्हम ने अपवित्रता के खिलाफ जैसा प्रचार किया, वैसा मानव इतिहास में किसी और ने नहीं किया। उसने बाइबिल के पन्नों में पाये जाने वाले किसी भी प्रचारक की तुलना में कहीं ज्यादा अपवित्रता के खिलाफ प्रचार किया। किसी भी प्रचारक या किसी भी भविष्यद्वक्ता, या किसी भी पुरोहित-याजक का ऐसा रिकॉर्ड नहीं है, जो उस प्रकार से मनुष्य की घिनौनी-कुकर्मता, और दुष्टता, और पापमय हालत, और दोगलेपन के खिलाफ वैसा खड़ा रहा हो, जैसा वह पुरुष खड़ा रहा था, जो कि विलियम ब्रन्हम कहलाता है। क्यों? क्योंकि वह उस युग में रहा था, जहाँ पाप आसमानों की ऊँचाइयों तक ढ़ेर लगा चुका था, जहाँ पाप अदन की वाटिका में उत्पत्ति से लेकर इस युग तक अपनी चर्म सीमा तक पहुँच चुका था, और हमारे युग में यह संसार के इतिहास के अंत पर आ पहुँचा है। पाप आसमानों तक ऊपर पहुँच चुका है। जहाँ तक दुष्टता-दुराचार करने की बात है और पापमय हालत पहुँचने की बात है, जिसके बारे में कभी किसी और पीढ़ी ने सपनों में भी नहीं देखा था, जिसके बारे में कभी ख्यालों में भी नहीं सोचा था, उन सब दुराचारों का और पाप का इस पीढ़ी में अम्बार लग चुका है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, कि क्यों परमेश्वर को इसे जलाकर भस्म करना है। वह सबसे ज्यादा अभिमानी-घमंड़ी पीढ़ी जो कभी इस पृथ्वी के मुखमंड़ल पर रही, वह यही पीढ़ी है।''....जब सब अभिमानी और दुराचारी अनाज की खूँटी बन जायेंगे, उनकी न जड़ और न ही डालियाँ छोड़ीं जायेंगी; और उस आने वाले दिन में वे ऐसे भस्म हो जायेंगे, कि उनका पता तक न रहेगा। सेनाओं के यहोवा का यही वचन है। परन्तु तुम्हारे लिए, जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य उदय होगा, और उनकी किरणों के द्वारा तुम चंगे हो जाओगे; और तुम निकलकर पाले हुए बछड़ों की नाई कूदोगे और फांदोगे। तब तुम टुष्टों को लताड़ दोगे, अर्थात् मेरे उस ठहराए हुए दिन में वे तुम्हारे पांवों के नीचे की राख बन जायेंगे।'' आइये हम पवित्रता के उसी मापदंड़ को कायम करके रखें।

उसने प्रचारमंच से लेकर शयनकक्ष तक स्त्रियों और पुरुषों के द्वारा किये जाने वाले गलत कार्यकलापों को डाँटा-फटकारा, और निकम्मा ठहराया और उनका सुधार किया। सचमुच में उसके ऊपर एलिय्याह का आत्मा था, और एलिय्याह का वह आत्मा किसी इंसान से डरता नहीं है, कि वह हेरोदियास की मौजूदगी में राजा के पास चलकर गया, और बोला,'' तेरे लिए यह उचित नहीं है, कि तू अपने भाई की पत्नी को रखे।'' और इसके लिए उसे अपना सिर कलम करवाना पड़ गया था, मगर आज रात वह महिमा में है। ऐसा एलिय्याह

की आत्मा का स्वभाव होता है। वह राजाओं से न डरा, वह सम्राटों से न डरा; वह बड़े बड़े ज्ञानवान लोगों से न डरा। जी नहीं; उसने पाप को पाप कहा; उसने काले को काला, और सफेद को सफेद कहा। क्या आप नहीं सोचते हैं, कि इस सन्देश के विश्वासियों के ऊपर ठीक वही आत्मा आना चाहिए? मेरे भाई, क्या आप नहीं सोचते हैं, कि भाई ब्रन्हम के दिनों से, अर्थात् 1965 से पाप और भी ज्यादा बढ़ चुका है? और क्या आप नहीं सोचते हैं, कि पृथ्वी के मुखमंड़ल पर ऐसे ऐसे पाप हो गए हैं, जिनके बारे में भाई ब्रन्हम के द्वारा ना तो कभी सुना गया, और ना ही भाई ब्रन्हम के द्वारा उनकी भर्त्सना की गई थी? अंत समय की दुल्हन को कितना ज्यादा अभिषिक्त होना चाहिए। इसमें कोई अचरज नहीं है, कि क्यों अंत के समय की दुल्हन को अवश्य ही सिंह वाले अभिषेक और दहाड़ के अन्तर्गत आना चाहिए! उसने प्रचारमंच से लेकर शयनकक्ष तक स्त्रियों और पुरुषों के द्वारा किये जाने वाले गलत कार्यकलापों को डाँटा-फटकारा, और निकम्मा ठहराया और उनका सुधार किया। यही कारण है, कि आप इन बाकी के सन्देशों में भी ऐसी ही बातें सुनेंगे- उसकी शिक्षाएं, उसके द्वारा की जाने वाली भर्त्सना; उसके द्वारा की गई डाँट-फटकार; उसके द्वारा सदोम के दुष्कर्मो को लताड़ा जाना। आप इसे उसके अपने शब्दों के माध्यम से, उसकी अपनी शिक्षा के माध्यम से सुनेंगे, और आप इसकी पुष्टि पवित्र वचनों के द्वारा सुनेंगे। उसने सदोम के पहरावों की, सदोम के खेलकूदों की, सदोम की दुष्टता की भर्त्सना की। **उसने पवित्रता के सन्देश को फिर से बहाल किया था। उसने अपने जीवनकाल में पवित्रता के सन्देश का प्रचार किया और पवित्रता के सन्देश को स्थापित किया। उसने पवित्रता के मापदंड़ों को ठीक वैसे ही स्थापित किया था, जैसे प्रेरित पौलुस ने, जैसे प्रेरित पतरस ने तथा शेष प्रेरितों ने स्थापित किया था। उस ने भी ठीक उसी बुनियाद पर निर्माण कार्य किया था। और हमारा निर्माण प्रेरितों की नेंव पर हुआ है, जिसका कोने का मुख्य पत्थर यीशु मसीह है। वह क्या ही जबरदस्त पुरुष था! इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, कि क्यों लोग उसकी पूजा करते थे, जबकि वचन के अनुसार ऐसा करना गलत है; और हम विलियम ब्रन्हम की पूजा नहीं करते हैं; हम तो परमेश्वर की ही पूजा-उपासना करते हैं।**

क्यों परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता पवित्रता का सन्देश प्रस्तुत करने के लिए इतना निर्भीक होगा? **क्यों वह स्त्रियों के चाल-चलन के लिए, स्त्रियों द्वारा हॉलीवुड़ के जैसे कार्यकलाप करने के लिए, स्त्रियों द्वारा अमेरीका के जैसे कार्यकलाप करने के**

लिए कड़ी भर्त्सना करने के लिए तत्पर रहता था? क्यों वह इतना तत्पर रहता था? क्योंकि भाई ब्रन्हम वह जानता थे जिसकी आज रात्रि मैं यहाँ पर शिक्षा दे रहा हूँ; और वह यह है: बिना पवित्रता के कोई भी मनुष्य दिव्य प्रकाशन के द्वारा मसीह का दूसरा आगमन पहचान नहीं पायेगा। **वह अपना कार्यभार जानता था; वह अपना मकसद जानता था। यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला अपना कार्यभार जानता था; वह अपना मकसद जानता था। जी हाँ! वह एक प्रजा तैयार करने के लिए आया, ताकि वे यीशु मसीह का आगमन पहचान लें; और ठीक उसी रीति से भाई ब्रन्हम को भी अपना कार्यभार मालूम था। यही कारण था, कि उसने उस सन्देश को स्थापित करने के लिए अपना जीवन परमेश्वर के हाथों में अर्पित कर दिया था।** क्या यह एक छोटी बात है, कि पवित्रता के उस सन्देश को ही तबाह कर दिया जाये, जिसे भाई ब्रन्हम ने स्थापित किया था? यह तो ऐसा होगा, मानो कि एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के ही मुँह पर थूक दिया जाये और उसके सारे घोर परिश्रमों पर थूक दिया जाए। इस पीढ़ी को इसका हिसाब देना होगा।

यह बात सन्देह की किसी भी छाया से परे है, कि भाई ब्रन्हम जानते थे, कि बिना पवित्रता के किसी भी मनुष्य के पास *मनुष्य* के पुत्र(the son of Man) का प्रकाशन नहीं होगा। वो भली-भाँति जानते थे, कि लोगों के पास मसीह के आगमन का प्रकाशन नहीं हो सकता है; वो भली-भाँति जानते थे, कि लोगों के पास आत्मा के वरदान नहीं हो सकते हैं, लोगों के पास पवित्र आत्मा का एक बार फिर से उंड़ेला जाना हासिल नहीं हो सकता है, जब तक कि कलीसिया में और लोगों के जीवनों में पवित्रता का वह सन्देश कायम न हो। **क्यों यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले ने ऐसा कहा था,'' मन फिराओ, क्योंकि परमेश्वर का राज्य निकट है?'' क्योंकि पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना ही परमेश्वर का राज्य है। दूसरे शब्दों में वह कह रहा था,''अपने अपने जीवन को पाक-साफ बना लो, अपने अपने जीवन को तैयार कर लो, अपने अपने जीवन में पवित्रता का सन्देश कायम कर लो, वरना तुम्हें पवित्र आत्मा का उंड़ेले जाना हासिल नहीं होगा, और तुम मसीह का आगमन नहीं देख पाओगे।** कोई ऐसा मनुष्य नहीं है, जो पवित्रता के सन्देश से कतरा कर, यहाँ तक कि इसके बिन्दु मात्र से भी कतरा कर आगे बढ़ सके। बाइबल के हर एक बिन्दु और हर एक शब्द से; पवित्रता के उन हर एक मापदंड़ से जो भाई ब्रन्हम ने स्थापित किये थे,कोई भी ऐसा मनुष्य नहीं है जो उन से कतरा कर निकल सके। **इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप भविष्यद्वक्ता के कितने नज़दीक थे। हो सकता है, कि आप**

उसकी पत्नी हो; हो सकता है, कि आप उसके बेटे हो;हो सकता है, कि आप उसकी बेटी हो; आप चाहे जो कोई भी क्यों न हो; आपको अवश्य ही पवित्रता के सन्देश का अनुकरण करना चाहिए; वरना आप नाश हो जायेंगे। वह जानता था, कि बगैर पवित्रता के कोई भी मनुष्य प्रभु का दर्शन नहीं पायेगा। वह जानता था, कि लोगों के पास आत्मा के वरदान नहीं हो सकते हैं। बड़े बड़े ज्ञानवान लोग उसके पास आये, और वे बोले,'' भाई ब्रन्हम, क्यों नहीं आप उन स्त्रियों को अकेला छोड़ देते?'' उन्होंने कहा,''औरतों के पहरवों के बारे में तथा और दूसरी इन बातों के बारे में हो–हल्ला मचाने के बजाये, आप क्यों नहीं उन्हें सिखाते हैं, कि आत्मा के वरदानों को कैसे हासिल करना है?'' एलिय्याह ने उन से जवाब में कहा, कि अगर वे अपनी क ख ग भी नहीं जानते हैं, तो वे अपना बीज गणित कैसे पढ़ सकते हैं? अतः वह क ख ग पवित्रता का सन्देश था, जिसे सबसे पहले आपको अवश्य ही अपने जीवन में स्थापित करना चाहिए इससे पहले कि आपको पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना हासिल हो और इससे पहले कि आपके जीवन में आत्मा के वरदान काम कर रहे हों।

क ख ग सीखें– बीजगणित तो पुस्तक के पीछे मोहरों में हैं

''*249– इस अंत समय के सुसमाचारदूत पर ध्यान दीजिए; उसका काम पवित्र लोगों को तैयार करना होगा; उसका काम दूल्हे के लिए दुल्हन को तैयार करना होगा। यही उसका सन्देश होगा। अब, क्या आप क ख ग सीखना चाहते हैं, जिससे आप आगे चलकर बीजगणित का अध्ययन कर सकें?* ***जब ये मोहरें जो कि पीछे की तरफ हैं, खुलती हैं, तो उनका खुलासा केवल उन्हीं पर होगा।*** *(सांझ के समय का सुसमाचारदूत 16–11–63)*

वास्तव में भाई ब्रन्हम सात गर्जनों के विषय में ही कह रहे थे। उन्होंने कहा था,''तुम्हें अवश्य ही क ख ग में होना चाहिए–तुम्हें पवित्रता के मापदंड़ों में होना चाहिए, ताकि तुम सात गर्जनों को समझ जाओ, जब उनका खुलासा होता है।'' और उन्होंने बहुत सी बार ऐसा कहा था,'' और अगर तुम अपना क ख ग भी नहीं सीख सकते हो, तो तुम बीजगणित कैसे सीखोगे?''

आइये मैं आपको इसकी गम्भीरता दिखा दूँ–उसे सर्वाधिक बलवई या विद्रोही पीढ़ी के पास भेजा गया था; मलाकी 4 के अनुसार उसे'' अभिमानी

और दुराचारी'' पीढ़ी के पास भेजा गया था। उसका वास्ता सदोम और अमोरा की उस पीढ़ी से पड़ा था, जिसे हॉलीवुड ने अमेरीका में पैदा किया था। उसने सारे फिल्मी सितारों का, हॉलीवुड़ के उन सारे दोगले स्त्रियों और पुरुषों का, तथा शेष जगत का, और स्त्रीसमलिंगकामुक्तावादियों का, पुरुषसमलिंगकामुकतावादियों का सामना किया था। धार्मिक जगत ने उससे नफरत की थी, और धार्मिक जगत के प्रचारकों ने उसे तुच्छ जाना था। वह बसान के तगड़े बैलों से लड़ा और उसने उन पर जय पायी। ऐसा हमारा एलिय्याह भविष्यद्वक्ता है। उसने लेबनान के देवदारों को और बसान के बांझ वृक्षों को गिरा डाला था। उसने इन बड़े बड़े और शक्तिशाली पुरुषों की बात और चेतावनी सुनने से ही मना कर दिया था। एक बार वे उसके पास आए और बोले,'' भाई ब्रन्हम आप पर तो एक दुष्टात्मा है, ताकि आप स्त्रियों के खिलाफ इन सब बातों का प्रचार करें।'' दूसरे शब्दों में उनका ''इन बातों'' से अभिप्राय ''पवित्रता के सन्देश'' से था। वे बोले,'' आप हमें अपने ऊपर हाथ रखने और उस दुष्टात्मा को बाहर निकालने दें।'' यह एलिय्याह भविष्यद्वक्ता जिसका माथा चकमक के पत्थर से भी ज्यादा कठोर था, बोला, '' तुम कभी ऐसा न करना। तुम उस आत्मा को मेरे ऊपर ही रहने दो।'' और मैं कह रहा हूँ,'' उस आत्मा को हमारे ऊपर रहने दो। उस आत्मा को बेथेल कलीसिया के प्रचारकों के ऊपर रहने दो।'' हमारा एक काम के लिए अभिषेक हुआ है। हम पवित्रता के मापदंड़ कायम करके रखते हैं। हमारी स्त्रियाँ सही पहरावा पहनती हैं। हमारे पुरुष सही आचरण–व्यवहार करते हैं। हम व्यभिचार को क्षमा नहीं करते हैं। हम दोगलेपन को माफ नहीं करते हैं। परमेश्वर का आत्मा हमारे मध्य में विचरण कर रहा है, ऐसा इसीलिए है, क्योंकि हम पवित्रता के सन्देश के अनुसार जीवन बिता रहे हैं, और हम पवित्र आत्मा की एक और बारिश की बाट जोह रहे हैं। प्रायश्चित करो, परमेश्वर का राज्य निकट आया है! जी हाँ! विलियम ब्रन्हम लड़ा और विजयी हुआ; हम भी लड़ेंगे और विजयी होंगे। भाई पौलुस ने कहा था,'' मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ; मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है।'' इन्हीं दिनों में से किसी एक दिन हमारी भी दौड़ पूरी हो जायेगी। जी हाँ! आप उन बुरे व भद्दे नामों पर, उन सारे कुटिल लोकनिन्दाओं पर जो लोग यहाँ पर आपके पास्टर पर और आपकी कलीसिया पर थोपने की जुगत में लगे रहते हैं, और उन सारे अफवाहों पर, कि मैं अपने को एक मसीह समझता हूँ, और लोग मेरे नतमस्तक होते हैं, और मेरी

पूजा करते हैं, बिलकुल भी कदापि ध्यान न दें। कितने लोग जानते हैं, कि यह शैतान का ही एक झूठ है? ***(सभा कहती है, ''आमीन'')*** **ठीक है, आइये मैं आपके हाथ देखूँ!** ***(मंड़ली अपने हाथ ऊपर उठाती है, और ''आमीन'' कहती है)*** **वह शैतान का ही एक झूठ है!** मैं किसी भी स्त्री, पुरुष को चाहे वह नया या पुराना ही जन क्यों न हो, चुनौती देता हूँ, कि वह आये, और ऐसी बातों की गवाही दे, और आप इस सिलसिले में एक भी सबूत पेश नहीं कर सकते। यह शैतान का ही एक झूठ है! **शैतान तो घिनौनी लड़ाई लड़ता है; मित्रों, परन्तु हमारे मल्लहयुद्ध के हथियार दुनियावी नहीं हैं, परन्तु वे तो शक्तिशाली हैं, कि हम परमेश्वर के द्वारा अपने दिलों के हर एक ख्यालों और कल्पनाओं की मजूबत जकड़ को तोड़ कर उनके हर एक बंधनों को आधीनता में लेकर आ रहे हैं। जी हाँ! हमारा मल्लहयुद्ध शारीरिक नहीं है।**

जो वीरता–शौर्य भाई ब्रन्हम ने दिखलाया था, साबित करता है, कि वही सचमुच में एलिय्याह भविष्यद्वक्ता थे, जिसे परमेश्वर ने एक प्रजा को या एक लोगों को तैयार करने के लिए भेजा था, ताकि वे प्रभु का आगमन देख सकें। उनकी वीरता महान है। जैसाकि गीत लिखने वाले ने कहा है,'' हे खुदा, भेज कुछ और एलिय्याह हमारे पास; कराये जो महान सामर्थ का हमें दीदार।'' जी हाँ, उसकी वीरता मुझे उन दिनों की याद दिलाती है, जब उसने आकाश से आग बुला ली थी, और उसने तलवार के लिए ललकार दी थी, और इजाबेल के चार सौ नबियों को जान से मार डाला था। वीरता! उसे प्रभु के लिए एक प्रजा तैयार करने के लिए भेजा गया था। मित्र, ज़रा इस पर कान लगाइये; वह पिन्तेकोस्तल जगत जो परमेश्वर का 1906 से आखिरी बहाव था, उनके प्रचारकों ने; उनके बड़े बड़े लोगों ने अपने साढ़े तीन सौ सर्वश्रेष्ठ सेवादारों के साथ मिलकर भाई ब्रन्हम के लिए एक फंदा बिछाया था; और भाई ब्रन्हम ने उन में से हर एक को करारी शिकस्त दी।

इससे पहले कि मसीह आये यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का और विलियम ब्रन्हम का पवित्रता का सन्देश आना था, और जैसे इस्राएल ने यूहन्ना का पवित्रता का सन्देश ठुकरा दिया था, ठीक वैसे ही धार्मिक जगत ने, खास तौर से पिन्तेकोस्तलों ने विलियम ब्रन्हम का पवित्रता का सन्देश ठुकरा दिया है। क्या आप जानते हैं, कि क्यों उन्होंने विलियम ब्रन्हम से नफरत की और उसे तुच्छ जाना? भाई ब्रन्हम के साथ ऐसा बहुत ज्यादा उन गुप्त भेदों की

शिक्षाओं के कारण नहीं किया गया, जिनका उन्होंने खुलासा किया था; मगर लोगों के पापों को उज़ागर करके उन्हें बतलाने के कारण ही ऐसा किया गया। क्या आप जानते हैं, कि क्यों यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को अपना सिर कलम करवाना पड़ा था? पाप को उज़ागर करके बतलाने के कारण ही! अतः यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को अपने पवित्रता के सन्देश की खातिर अपनी जान गवांनी पड़ी। यह पवित्रता का ही सन्देश था, जिसके कारण पिन्तेकोस्तलों ने भाई ब्रन्हम से नफरत की, क्योंकि उन्होंने उन के प्रचारकगणों को डाँटा–फटकारा था। उन्होंने प्रचारकों की पत्नियों को डाँटा–फटकारा था। जहाँ कहीं वे गए, उन्होंने मंड़लियों को डाँटा–फटकारा, उन्होंने सात बार विश्व का चक्कर काटा था। उन्होंने उन्हें ऐसा डाँटा–फटकारा था जैसा किसी भी इंसान ने उन्हें पहले कभी नहीं डाँटा–फटकारा था। एलिय्याह की आत्मा के बारे में बातें करते हो!

अब आप इससे मत चूकना! जब धार्मिक जगत ने विलियम ब्रन्हम की और उनके पवित्रता के सन्देश की आलोचना–भर्त्सना की, और उसे तुच्छ जाना और उसे ठुकराया, तो उन्होंने खुद अपने ही मार्ग की निन्दा की, और उन्होंने इब्रानियों 6 और इब्रानियों 10 को पूरा किया। **आप सारे जगत को यह बतला दो, कि जो यहाँ पर फ्रीपोर्ट त्रिनिडाड में छोटा सा प्रचारक है, उसने ऐसी बात कही है। आज ऐसे ही लोग हैं, जो प्रचारमंचों पर, रेडियो पर, और टेलीविजनों पर प्रचार कर रहे हैं, वे आणुविक बम्बों के चारे से बढ़कर और कुछ नहीं हैं। वे मुरदे ही चल–फिर रहे हैं; क्योंकि वे विलिसम ब्रन्हम के विरोध में आये।** हर एक वह याजक–सेवादर, कलीसया का वह हर एक वह सदस्य, हर एक वह प्रचारक, हर एक वह इंसान जो बैठा और जिसने विलियम ब्रन्हम को सुना, और उन चिन्हों और उन आश्चर्यकर्मों को देखा, और यह जानता था, कि यह परमेश्वर ही है जो उस पुरुष में होकर कार्य कर रहा था, और फिर भी विलियम ब्रन्हम के सन्देश को ठुकरा दिया, उसने अपनी राह ही कलंकित की। यह आत्मा यूँ कहता है! उन में से हर एक ने ऐसा ही किया है। **मैं इस बात के लिए कोई क्षमा–याचिका नहीं माँगता हूँ।** वह सम्पूर्ण धार्मिक जगत जो विलियम ब्रन्हम के सम्पर्क में आया,और उसे और उसके सन्देश को ठुकराया, क्योंकि उसने पवित्रता के मापदंड़ स्थापित किये थे, बर्बाद हैं। **और संसार में उनके पास कोई आशा नहीं है, और जैसा इस्राएल के साथ हुआ वैसा ही उनके साथ हो रहा है; कि कादेश–बर्निया में स्रापित हो जाने के बाद भी वे अभी भी आसमान से गिरने वाला मन्ना खा रहे थे; और ठीक वैसा ही आज ये लोग कर रहे हैं, जो रेडियो और टेलीविज़नों पर प्रचार करते फिर रहे हैं; वे बस इसका इंतजार कर रहे हैं, कि उनकी लोथे जंगल**

में ढ़ेर हो जायें। यीशु ने इस बात की पुष्टि की थी, और उसने कहा था,'' तुम्हारे बापदादों ने स्वर्ग से गिरने वाला मन्ना खाया, और उन में से हर एक मरा हुआ है।'' भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि यह परमेश्वर से अनन्तकाल के लिए जुदा हो जाना है। और जब आप पवित्रता के सन्देश के विपरीत ही अपना जीवन व्यतीत करते हैं, और एक प्रचारक के बतौर विलियम ब्रन्हम के सन्देश के विपरीत मापदंड़ स्थापित करते हैं, तो आपकी लोथें जंगल में ढ़ेर हो जायेंगी। तुम ढ़ोगियों–पाखंड़ियों, परमेश्वर तुम्हें स्राप देगा! चाहे आप संसार के किसी भी हिस्से में क्यों न हो, परमेश्वर आपको स्राप देगा। तुम इब्रानियों 6, और इब्रानियों 10 पूरा करते हो, तुम पवित्र आत्मा की निन्दा करते हो। मित्र, यह एक दुखद बात है।

आज लाखों लाख लोग विनाश की राह पर चले जा रहे हैं, क्योंकि उन्होंने विलियम ब्रन्हम को, एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को ठुकरा दिया है, क्योंकि उन्होंने उसके पवित्रता के सन्देश को और दूसरी कुछ शिक्षाओं को जैसे सर्पवंश को ठुकरा दिया है। सर्प–वंश की शिक्षा तो केवल एक बहाना है। परमेश्वरत्व तो केवल एक बहाना है। जल का बपतिस्मा तो केवल एक बहाना है। परेशानी तो पवित्रता का सन्देश था। उन्होंने यह दिखाने के लिए ही विलियम ब्रन्हम से कलह की, कि उन्होंने विलियम ब्रन्हम के सन्देश को शिक्षा के आधार पर ठुकराया। यह शिक्षा नहीं थी, जिसके कारण उन्होंने ऐसा किया था; यह तो पवित्रता का ही सन्देश था, जिसके कारण उन्होंने ऐसा किया था। यही था वह...अर्थात् यह पवित्रता का ही सन्देश था, जिसकी वजह से यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का सिर कलम कर दिया गया था। **और पवित्रता के सन्देश के कारण ही उन्होंने आत्मिक तौर पर भाई ब्रन्हम को जान से मारा डाला। आप मुझे थोड़ा सा समय दें। (सभा कहती है, ''आप बताते रहें!'') मेरे मित्रों, किन्तु ऐसी वीरता, केवल यही साबित करती है, कि विलियम ब्रन्हम सचमुच में परमेश्वर का भेजा हुआ था, वह सचमुच में एलिय्याह था; उसे इसीलिए मखसूस किया गया था, ताकि वह पवित्रता का सन्देश लेकर आये, जिससे लौदीकिया में से एक लोगों को बाहर निकालकर तैयार करे, ताकि वे प्रभु का आगमन देखें। मेरा मानना है, कि मरे हुए इंसान को भी इस बात को समझ जाना चाहिए। मेरा मानना है, कि आज रात्रि अंधे इंसान की भी आँखे खुल जानी चाहिए।**

भाई ब्रन्हम और उनके पवित्रता के सन्देश को ठुकराने का परिणाम यह निकला, कि **वह सम्पूर्ण पिन्तेकोस्तल जगत जिसने भाई ब्रन्हम की सभाओं को आयोजित करवाया था**...वे मोहरों के खुलासे से चूक गए, और मोहरों का खुलासा मसीह का आगमन था, ताकि वह मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकट हो। वे उससे चूक गए। ठीक जैसे कि इस्राएल यरदन के तट पर मसीह से मुलाकात करने से चूक गया था, **ठीक वैसे ही पिन्तेकोस्तल जगत मसीह के आगमन से, वचन से, मनुष्य के पुत्र से, मोहरों के खुलासे से चूक गए थे; वे मोहरों के खुलासे पर मसीह के आगमन से चूक गए थे। अवश्य ही उन में से हर कोई यह गा रहा होता है,'' होसन्ना, होसन्ना, धन्य है, वह जो प्रभु के नाम से आता है।'' वे इससे चूक गए थे। इस्राएल के हिस्से में क्या आया था? पवित्रता के सन्देश को ठुकरा देने के कारण, जब वे मसीहा के आगमन को पहचानने से चूक गए थे, तो उनके साथ क्या हुआ था? ऐसा लगता था, कि मानो सब कुछ सामान्य रीति से ही चल रहा हो। उन्होंने मसीही को सलीब पर जान से मार डाला था; और वे प्रचार करने निकल पड़े थे; जी हाँ; वे आज भी प्रचार ही तो कर रहे हैं। वे प्रचार करते रहे, वे गीत गाते रहे, वे फरीसियों और शास्त्रियों वाले काम करते रहे। वे ऐसे काम करते रहे, कि मानो सब कुछ सामान्य ही चल रहा हो। और आज धार्मिक जगत ऐसे आगे बढ़े चला जाता है, कि जैसे मानो कुछ हुआ ही नहीं है। वे विलियम ब्रन्हम की निन्दा करते हैं। परन्तु कुछ न कुछ तो घटित हुआ ही है। जब उन्होंने मसीही को सलीब पर जान से मार डाला था, तो उसके लगभग चालीस साल के बाद रोमी सेनानायक, टाइटस, ने अपने पिता वेसपेन के साथ वहाँ पर चढ़ाई की, और उन्होंने मसीहा के खून की कीमत चुकायी; और ठीक वैसा ही इस पीढ़ी के साथ होगा; पवित्रता के उस सन्देश को ठुकराने के कारण, उस को ठुकराने के कारण जो मलाकी 4 ने कहा था, वे परमेश्वर की जलजलाहट का सामना करने के लिए कलेश में से होकर गुजरेंगे। मलाकी 4 कहता है, कि सब अभिमानी और दुराचारी लोग अनाज की खूंटी बन जायेंगे, और उस आनेवाले दिन में वे ऐसे भस्म हो जायेंगे, कि उनका पता तक न रहेगा; सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।**

परमेश्वर पिन्तेकोस्तल, बैपटिस्ट और मैथोडिस्ट कलीसियाओं को जलाकर भस्म करने जा रहा है, वह उन सारे धर्मों को जलाकर भस्म करने जा रहा है; और वह आकाश से उन पर हिमखंड़ बरसायेगा। वे तो सिर्फ अपने

न्यायों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कोई इंसान सत्य की खिलाफत में आगे आ सकता है और अपनी ही राह की निन्दा कर सकता है, और उस सब के बाद भी धार्मिक बना रह सकता है, और अभी भी प्रचारमंच के पीछे एक प्रचारक बना रह सकता है, और अभी भी उसके पास एक बड़ी मड़ली हो सकती है, और संसार में उसके पास बड़ी तादाद में लोग हो सकते हैं, जो उसके पीछे पीछे चल रहे हों, ठीक जैसाकि आप भाई ब्रन्हम के दिनों से ही इन जाने–माने प्रचारकों को देखते हैं; लेकिन वे मुरदा हैं। जब आप ठोस सच्चाई की खिलाफत करने पर उतारू हो जाते हैं, तो परमेश्वर आपको स्रापित कर सकता है, और आप मरे हुए चल–फिर रहे होते हैं। ''जीवते परमेश्वर के हाथों में पड़ना एक भयानक बात है....दंड़ का एक भयानक बाट जोहना और आग का ज्वलन बाकी है, जो विरोधियों को भस्म कर देगा।'' (इब्रानियों 10:27–31) यही है वह जो बाइबल कहती है।

उन्होंने पवित्रता के उस सन्देश को ही ठुकरा दिया, जो भाई ब्रन्हम के माध्यम से आया। बच्चों, मैं किसी बात पर आ रहा हूँ, मजबूती से पकड़ बनाये रखें; मेरे साथ थको मत! आज धार्मिक लोगों का एक ऐसा झुंड़ है, जिसने बैठकर पवित्रता के उस सन्देश को सुना था, और वह उसी सन्देश को ठुकराने के कारण अपने न्याय की बाट जोह रहा है। ये यही साबित करता है, कि उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया था। जब आप पवित्रता के सन्देश को जिसे परमेश्वर ने आपके पास भेजा था, बिगाड़ते हैं, जब आप उसमें काट–छांट करके उसे और उन्नत किस्म का बनाते हैं, जब आप उसमें रद्दोबदल करते हैं, जब आप उसे परगंदा करते हैं, तो ये यही दिखाता है, कि आपने नये सिर से जन्म नहीं पाया है, और आप पर परमेश्वर की छाप नहीं हुई है। सम्पूर्ण पिन्तेकोस्तल जगत पर परमेश्वर की कोई छाप नहीं है; उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है। यही वह बात है, जिसका बाइबल ऐलान करती है। **उनके पास कोई प्रकाशन नहीं है, उनके पास पिछले समय में मसीह का कोई प्रकाशन नहीं था। ऐसा कैसे हो सकता है, कि आप पवित्रता के सन्देश को ठुकरा दें और ठीक उसी समय आपके पास मसीह का भी प्रकाशन हो? पवित्रता का सन्देश तो इसीलिए है, ताकि आपको तैयार करे, कि आप दिव्य प्रकाशन के द्वारा प्रभु का दर्शन पा सकें। आप पागल हैं, या क्या हैं? आप समय के सन्देश को, पवित्रता के उन मानदंड़ों को बिगाड़ते हैं, उसमें रद्दोबदल करते हैं, जिसे एलिय्याह भविष्यद्वक्ता ने स्थापित किया था, और जिसे स्थापित करने के लिए उसने कई वर्षों तक घोर परिश्रम करते हुए दुख उठाया था; आप**

उसी को अनदेखा कर सकते हैं, और दावा कर सकते हैं, कि आप के पास मसीह का प्रकाशन है, और दावा कर सकते हैं, कि आप के पास सात गर्जनों का प्रकाशन है? मैं बस थोड़ी देर में आपके गर्जनों पर आने वाला हूँ। उनके गर्जनों ने पवित्रता के सन्देश को नाश किया है, उन्होंने उसे दूषित और परगंदा किया है, उन्होंने उसमें काट–छांट की है, और उसमें रद्दोबदल की है। यह शैतान का ही काम है! वह चाहे जो कोई भी हो, मै कोई अफसोस नहीं जताता हूँ। वह पवित्र वचनों के साथ मेल नहीं खाता है। यह यही साबित करता है, कि उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, और उनके पास परमेश्वर की छाप नहीं है; और उनके पास कोई प्रकाशन नहीं है। ये यही दिखाता है, कि अनन्त जीवन के बाद भी ना तो सेवकगण और ना ही कलीसियाएं वफादार थे।

अब, यदि परमेश्वर ने लाखों–लाख की संख्या में उन लोगों को ठुकरा दिया, जो पिन्तेकोस्तल कहलाते थे, क्योंकि उन्होंने भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश को ठुकरा दिया था, तो हम जो इसे दूषित कर रहे हैं, इसे बिगाड़ रहे हैं, इसमें काट–छांट कर रहे हैं और इसमें बदलाव कर रहे हैं, क्या हम बच सकते हैं, जबकि पिन्तेकोस्तल तो **वे लोग थे जिन्होंने परमेश्वर से प्रेम किया था, और परमेश्वर ने उन से प्रेम किया था**? क्या हम सन्देश के विश्वासी के रूप में बच सकते हैं? (**सभा कहती है,''बिलकुल नहीं!**'')अगर हम बच जायेंगे, **फिर तो परमेश्वर ही अन्यायी ठहरेगा**। वे प्रचारक जिन्होंने पवित्रता के सन्देश को बिगाड़ा है, क्या वे बच जायेंगे?(**सभा कहती है,''बिलकुल नहीं!**'') वे बच नहीं सकते हैं। **बाइबल कहती है,''तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिन्त रहकर क्योंकर बच सकते हैं..?''(इब्रानियों2:3)आज जो वर्तमान समय में संसार में जो चारों ओर प्रचारक हैं, क्या हम बच जायेंगे; अगर हम पवित्रता के इस सन्देश का प्रचार करने में चूक जाते हैं, तो क्या हम बच सकते हैं? क्या हम बच जायेंगे, अगर हम लोगों को पवित्रता पर स्थापित करने से चूक जाते हैं? क्या ऐसे हम यह दावा कर सकते हैं, कि हमारे पास दिव्य प्रकाशन है?(सभा कहती है, ''बिलकुल भी नहीं!'') यह तो पूर्णतः असम्भव है! आप बच नहीं सकते हैं।**

''हे मनुष्य, तू कोई क्यों न हो; तू निरुत्तर(Unexcusable) है!(तेरे पास कोई बहाना नहीं है!)...(रोमियों 2:1)। परमेश्वर ने पवित्रता के एक सन्देश के साथ एक भविष्यद्वक्ता भेजा; और हे मनुष्य, तू कोई क्यों न हो; तेरे पास कोई

बहाना नहीं है; चाहे तो तू सन्देश का अनुयायी हो चाहे तू किसी भी संस्था का विश्वासी हो; चाहे तू पापी हो, या तू कोई क्यों न हो,तेरे पास कोई बहाना नहीं है; हे मनुष्य, चाहे तू प्रचारक हो, चाहे तू नबी हो, चाहे तू पादरी याजक या राजा–महाराजा ही क्यों न हो, तेरे पास कोई बहाना नहीं है...''क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है, उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है, इसलिए कि तू जो दोष लगाता है, आप ही वही काम करता है। और हम जानते हैं, कि ऐसे ऐसे काम करनेवालों पर परमेश्वर की ओर से ठीक ठीक दंड़ की आज्ञा होती है। और हे मनुष्य, तू जो ऐसे ऐसे काम करनेवालों पर दोष लगाता है, और आप वे ही काम करता है; क्या यह समझता है, कि तू परमेश्वर की दंड़ की आज्ञा से बच जाएगा?''(रोमियों2:1–3)हे सन्देश के प्रचारक, तू बच नहीं सकता है। ठीक जिस परमेश्वर ने पिन्तेकोस्तल लोगों का, एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को और उसके पवित्रता के सन्देश को ठुकराने के लिए न्याय किया, अगर तुम पवित्रता के सन्देश के एक बिन्दु मात्र को भी बिगाड़ो और लोगों को वैसा करने की शिक्षा दो, तो वही परमेश्वर तुम्हें ठीक उसी स्राप से स्रापित करेगा। **''सो क्या तू जो औरों को सिखाता है? क्या तू जो चोरी न करने का उपदेश देता है, आप ही चोरी करता है? तू जो कहता है, व्यभिचार न करना, क्या आप ही व्यभिचार करता है? तू जो मूरतों से घृणा करता है, क्या आप ही मन्दिरों को लूटता है?''(रोमियों 2:22–23)। क्या हम बच सकते हैं?(*सभा कहती है, ''जी नहीं!''*)**

हम कैसे बच पायेंगे, अगर हम इतने बड़े उद्धार को नजरांदाज करते हैं। उस प्रचारक के लिए कोई बचाव नहीं है, जिसने औरतों के पहरावे बदल दिये हैं, जो घरों में टेलीविज़न वापस लेकर आ गया है, जिसने लोगों को वापस खेलकूद के मैदानों में भेजा है। परमेश्वर तुम्हें वैसे ही स्राप से स्रापित करेगा जैसे उसने उन प्रचारकों को स्रापित किया जिन्होंने विलियम ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश को ठुकरा दिया था। प्रचारकों, तुम बच नहीं पाओगे। तुम ही एक ऐसे हो जिनकी वजह से लोग उस हालत में हैं। **तुम ने पवित्रता के सन्देश में रद्दोबदल की। तुम ने पवित्रता के सन्देश पर समझौता किया। तुमने पवित्रता के सन्देश में काट–छांट करके उसे उन्नत किस्म का बनाया। तुम ने पवित्रता के सन्देश को अनदेखा किया, और तुम बच नहीं पाओंगे, क्योंकि तुम सन्देश के मापदंड़ जानते हों। तुम इसकी किताबे पढ़ते हो; तुम इसके टेप सुनते हो। तुम इससे भली–भाँति परिचित हो। एक बार को तुम ने इसके अनुसार ही काम किये । मसीहियों की दूसरी पीढ़ी, मैं यहाँ पर आपको इस बात की जानकारी**

देने के लिए हूँ, कि मलाकी 4 के अनुयायियों के मध्य में उनकी आम संगति में कोई टेलीविज़न नहीं हुआ करता था। आम समझ में तो यह है, कि उन में से कोई भी खेलकूद के मैदानों में भागा फिरता नहीं था। किसी एक कलीसिया की दूसरी कलीसिया से मैच खेलने के लिए कोई टीम नहीं हुआ करती थी। स्त्रियाँ सलोने वस्त्र पहना करती थीं। हम गर्जनविहीन लोग थे। हमारे पास कोई कुपंथ नहीं थे। हर कोई एकता–मेल में था। आज जो हम देखते हैं, वह तो उस मूल हालत से कहीं दूर की ही बात है; और मलाकी 4 के लोगों ने भी ठीक वैसी ही राह पकड़ ली जैसी हर एक युग के लोगों ने राह पकड़ ली थी, कि वे नये–नये सन्देश के साथ तो खूब जोश से भरे हुए थे; और उसके बाद वे इफिसुस कलीसिया के जैसे ही सत्य मार्ग से भटकने लगे, और वे बिलकुल नीचे तक चले गए, और उन्होंने उन कामों को बंद कर दिया जिन्हें उन्हें करते रहना चाहिए था।

बेदारी और मृत्यु का चक्र

88–1 **''अब देखिए, इतिहास स्वयं अपने को दोहराता है, इस्राएल की एक पीढ़ी में हमें यह देखने को मिलता है, एक पीढ़ी में जागृत बेदारी दूसरी पीढ़ी तक धूमिल होती चली गई थी। जगी हुई आग के थोड़े से अंगारे भले ही तीसरे पीढ़ी में थोड़ी सी आँच दे रहे हों; लेकिन चौथी पीढ़ी में तो उस मूल अग्नि का नामोनिशान तक बाकी नहीं रहा था। उसके बाद परमेश्वर फिर से आग प्रज्ज्वलित करता था; और ठीक यही सिलसिला फिर से चलता था। यह बस इस सच्चाई का साक्षात् प्रकटीकरण है, कि परमेश्वर के कोई पोते–पोतियाँ, नाते–नातियाँ नहीं होते हैं। उद्धार पीढ़ी दर पीढ़ी ठीक वैसे ही आगे नहीं बढ़ता है, जैसे कोई सच्चाई प्रेरिताई वंश दर वंश आगे नहीं बढ़ती है। वचन में ऐसा कुछ नहीं पाया जाता है।** ***आप*** *सच्चा नया जन्म पाये हुए विश्वासी से ही खोजना शुरू करके देखें; और जब उससे अगली पीढ़ी के लोगों को देखेंगे, तो आप पायेंगे, कि वे तो साधारण मसीही भी नहीं होते हैं....'' अनकहा वक्तव्यः अगली पीढ़ी ठीक उसी सन्देश के अन्तर्गत जन्म तो लेती है, लेकिन बातें बदल चुकी होती हैं। परमेश्वर का आत्मा अपनी उड़ान भर चुका होता है। बेदारी के अंगारे बुझ चुके होते हैं। हवालाः ''...परन्तु वे तो नामधारी कलीसियायी नाम ग्रहण कर चुके होते हैं, और अब वे मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, तथा ऐसे ही और दूसरे हो चुके होते हैं.... वे पहले जैसे बिलकुल भी नहीं होते हैं। परमेश्वर को प्रसन्न करने की प्रबल इच्छा, उसके वचन को जानने की लालसा; पवित्र आत्मा को पाने के*

लिए पुकारना–दुहाई देना–यह सब कुछ धूमिल होने लगता है, और इसके बजाये कि कलीसिया परमेश्वर की आग के जोश से भरी हुई हो, वह शिथिल पड़ जाती है और बस एक औपचारिक मात्र बनकर रह जाती है। बिलकुल ठीक यही है, वह जो पूर्व समय में इफिसुस के कलीसियायी काल में हो रहा था। वे थोड़े औपचारिक होते चले जा रहे थे। ***परमेश्वर के प्रति आत्म–समर्पण की भावना मर चुकी थी, और लोग इस बात में बहुत अधिक सचेत नहीं थे, कि परमेश्वर उनके बारे में क्या सोचता था–इसके बजाये, वे तो इस बारे में ज्यादा सचेत थे, कि दुनिया उनके बारे में क्या सोचती है। वह दूसरी पीढ़ी जो आगे बढ़ रही थी, वह इस्राएल के ठीक जैसी ही थी। उन्होंने दूसरे देशों के जैसा बनने के लिए एक राजा की माँग की थी। जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने परमेश्वर को ही ठुकरा दिया था। परन्तु कैसे भी हो, उन्होंने ऐसा*** **ही किया था।** *ठीक ऐसा ही कलीसिया का इतिहास है। जब लोग दुनिया की बातों को परमेश्वर की बातों से ज्यादा मानने लगते हैं, तो आपको यह देखने में ज्यादा समय नहीं लगता है, कि उन्होंने उन कामों को करना बंद कर दिया है, जिन कामों को वे किया करते थे; और वे उन कामों को करना आरम्भ कर रहे होते हैं, जो उन्होंने शुरू में कभी किये ही नहीं थे। वे अपने पहनावे का रंग–ढ़ंग,अपना दृष्टिकोण, और आचार–व्यवहार ही बदल डालते हैं। वे शिथिल पड़ जाते हैं–वे ढ़ीले पड़ जाते हैं–* ***यही है वह जो इफिसुस शब्द का अर्थ होता है:ढ़ीले पड़ जाना–दूर हट जाना। बेदारी और आत्मिक मृत्यु का वह चक्र कभी नहीं चूका है। इसे जानने के लिए आप सब को परमेश्वर की ओर से दी गई इस अन्तिम बेदारी को याद करना होगा, जब पवित्र आत्मा के द्वारा जागृत बेदारी के दौरान स्त्री और पुरुष सच्चे मसीहियों के जैसे कपड़े पहनते थे, गिरजे जाते थे; सारी सारी रात भर दुआ–प्रार्थना किया करते थे; और सड़कों के चौराहों–नुक्कड़ों पर आत्मा के जीवन्त प्रकट होने की महिमा की स्तुति करने से लजाते नहीं थे। उन्होंने अपनी पुरानी मृत कलीसियाएं छोड़ दी थीं, और उन्होंने घरों में या पुराने गोदामों में आराधना–उपासना की थी। उनके पास सच्चाई थी। किन्तु अधिक समय नहीं बीता था, कि उन के पास नये–नये आलीशान गिरजों के निर्माण के लिए काफी धन हो गया था। परमेश्वर के लिए स्वयं गीत गाने के बजाए उन्होंने इस काम के लिए गायन मंड़ली बना ली। उन्होंने गायन–मंड़ली की वेश–भूषा निश्चित कर दी। उन्होंने धार्मिक–बहाव को, उस बेदारी को संगठित कर लिया, और उसे मनुष्य के चलाये चलाया जाता था। वे शीघ्र ही उन पुस्तकों को पढ़ने लगे, जिनका पढ़ना उनके लिए उचित नहीं था। उन्होंने बाड़ों को***

गिरा दिया और बकरियों को अंदर आने दिया; और वे उन पर प्रभुता करने लगी थी। परमेश्वर को पुकारने का आनन्द चला गया था। पवित्र आत्मा की स्वतंत्रता खत्म हो गई थी। ओह, वे एक स्वरूप या आकार में तो बढ़ते गए, परन्तु आग तो बुझ गई थी–जो कुछ भी बचा था, वह अंधकार रूपी राख थी, जो बिखरी पड़ी थी।''(सात कलीसियायी कालों का खुलासा)

भाई बहनों, पिन्तेकोस्तल वाला समय तो समाप्त हो चुका है, परन्तु हर एक युग में जन्म और मृत्यु का एक चक्र रहता है। परमेश्वर ने इस युग में हमारे पास एक सन्देश भेजा, और जन्म चक्र शुरू होता है, और ठीक इस समय हम अपने युग में मृत्यु के गवाह ठहर रहे हैं; और मृत्यु का चक्र उन लोगों में साफ साफ दिखाई पड़ता है, जो पवित्रता के सन्देश के मापदंड़ों के अनुसार अपना जीवन व्यतीत नहीं कर रहे हैं। हम ठीक अपने युग में इस सन्देश के बहुतेरे विश्वासियों, कलीसियाओं और प्रचारकों के मध्य में मृत्यु के चक्र की गवाही दे रहे हैं। ओह; हाँ! हुआ यह है, कि प्रचार मंच के पीछे समझौता करनेवाले लोगों का झुंड़ आ गया है। कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित प्रचारको का झुंड़ सन्देश के अंदर आ गया है। गंदगी से सने हुए हाथों वाले लोगों ने इस सन्देश को अपने हाथों में ले लिया है। आप मुझे बस ज़रा इन समझौता करने वालों पर आने दीजिएगा!

एक समय की बात है, कि लोगों के घरों में कोई टेलीविज़न नहीं हुआ करता था; प्रचारकगण इसकी खिलाफत में अपनी पूरी ताकत से बोला करते थे। यहाँ तक कि औरतें ऐसे पहरावे पहना करती थीं, कि उनकी पोशाकें उनके टखनों तक लम्बी होती थीं; उन्होंने अपने पहरावों की लम्बाई तक बढ़ा ली थी। कोई भी खेलकूद के मैदानों की तरफ रूख नहीं किया करता था। लोगों के मध्य में कोई गर्जन नहीं थे। हर कोई एकता–मेल और प्रेम में रहा करता था। मेरे प्रचारक मित्रों की कलीसियाओं में लोग ऐसे ही वस्त्र पहना करते थे जैसा कि आप पहनते हैं; वे ऐसे सौम्य–सलोने वस्त्र पहनते थे, जो कि ढीले–ढाले होते हैं, स्त्रियाँ ऐसे ही कपड़े पहना करती थीं। हम सब के सब शिक्षाओं के मामले में एक मत थे। हम सब के सब पवित्रता के सन्देश पर एक मत थे। जैसे जैसे साल बीतते गए, टेलीविज़न घरों में वापस आ गया। वे लोगों को खेलकूद के मैदानों में भेजने लगे। पास्टर–याजक की पत्नी तंग और चुस्त कपड़े पहनने लगीं। उन्होंने सन्देश और सुसमाचार को रोजमर्रा के ढर्रे की बात बना लिया। उन्होंने परमेश्वर के भवन में नंगपने को, पारदर्शी–झिन्ने कपड़ों को; और स्त्रियों के अन्दरूनी वस्त्रों के प्रिन्टों का साफ साफ चमकने को अनदेखा करना शुरू कर दिया। प्रचारक व्यभिचार में गिरने लगे। एक बार को हम में ऐसा नहीं हुआ करता था। वे दोगलेपन में गिरन लगे। वे अमेरीका से हॉलीवुड की आत्मा लेकर आने लगे। उन्होंने उन बलवई प्रचारकों को बुलाना

शुरू कर दिया, जिन्होंने भाई ब्रन्हम के सन्देश को ना केवल ठुकराया ही, बल्कि उस सन्देश में काट–छांट करके कलीसियाओं में लेकर आए। और वे 1973–1974 से ''गर्जनों'' को कलीसियाओं के अंदर लाने लगे; और ऐसा ही सालों साल होता चलता चला गया, और अब सन्देश के मानने वालों की हालत यह है, कि आप सड़कों पर पिन्तेकोस्तलों और पापियों और सन्देश के विश्वासियों में कोई फर्क नहीं ढूँढ़ सकते हैं। **मैं आपको वे और दूसरे सन्देश दिखाऊँगा, जो पवित्रता के सन्देश के पहरावों के उलट तथा उसकी शेष सारी बातों के उलट चलते हैं। और हमारे पास उन बलवइयों का एक झुंड़ हो गया, जिसके पास अपने ही निज विचार थे, जिनके पास अपनी ही निज शिक्षाएं थीं और जिनके पास अपने ही निज शिक्षा–सिद्धांत थे, जो अमेरीका से ही आये थे, और इन्होंने यहाँ पर लोगों को दूषित कर डाला।**

इसके बाद उन्होंने मेरे प्रचारक मित्रों के साथ समझौता किया; उन्होंने इसलिए समझौता किया, क्योंकि वे अपनी अपनी पत्नियों पर काबू नहीं रख सकते थे। वे तो किसी किस्म के पहरावे पहनना चाहती थीं। उन्होंने अपनी बेटियों के साथ समझौता किया, और जब उन्होंने अपनी पत्नियों और अपनी बेटियों के साथ समझौता किया, तो उसके बाद वे उन बातों के लिए कलीसिया में बोल नहीं सकते थे। उन्होंने अपने मित्रों से समझौता कर लिया। उन्होंने डीकनों से, और कलीसिया में औदहों पर बैठे लोगों से समझौता किया, क्योंकि वे उनके दसवें–अंश पर आश्रित थे, और वे कलीसिया में सदस्यता चाहते थे। यही है वह जो होता चला गया। मैं उन में से कुछ बातों को थोड़ी देर में लूँगा।

जब उन्होंने अपने गर्जनों के द्वारा और अपने ''कोई गर्जन नहीं है'' के द्वारा पवित्रता का सन्देश बर्बाद कर दिया, तो उसके बाद उन में से कुछ यह दावा करने लगे, कि उनके पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है, उनके पास प्रकाशितवाक्य 10:1 का प्रकाशन है। जब उन्होंने उन सब दावों को किया, तो इन सब से ऊपर उन्होंने इस बात का दावा किया, कि उनके पास सात गर्जनों का प्रकाशन है। प्रचारकों, तुम धोखेबाज़ हो। तुम झूठे हो। तुम ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो। ऐसा नहीं हो सकता है, कि आप पवित्रता के सन्देश में परिवर्तन करें, उसमें काट–छांट करें, उसे अनदेखा करें, और उस पर समझौता करें, और ठीक उसी समय पर आपके पास सात गर्जनों का भी प्रकाशन हो। मैं ऐसा सन्देश के द्वारा और पवित्र वचनों के द्वारा पूरी तरह से साबित कर चुका हूँ। परमेश्वर का एलिय्याह नबी को पवित्रता के सन्देश के साथ भेजने का यही उद्देश्य था, कि लोगों के मनों को गर्जनों को समझने के लिए तैयार करे, जो कि प्रभु

का आगमन है। और तुम मुझे यह बताना चाहते हो, कि तुम्हारे पास तो सन् 1974 से ही गर्जन हैं, और तुम तो पवित्रता में ऊपर उठने के बजाये नीचे की तरफ बढ़ते गए, और तुम तो पिन्तेकोस्तलों, मैथोडिस्टों और कैथोलिकों के जैसे हो गए। तुम झूठे हो! तुम मुरदा ढ़ोंगी और पाखंड़ी हो। और तुम जानते हो, कि तुम्हारे पास कोई गर्जन नहीं है। तुम जानते हो, कि तुम्हारे पास मसीह का कोई प्रकाशन नहीं है। तुम्हारे दावे झूठे हैं! मैं तुम्हें बताऊँगा, कि तुम्हारे पास क्या है–'' एक मसीह विरोधी आत्मा।'' इसके लिए तो मसीह विरोधी आत्मा की ही जरूरत होती है, कि पवित्रता के उस सन्देश को बर्बाद किया जाये, जिसे भाई ब्रन्हम लेकर आये, और जिसे स्थापित करने के लिए उन्होंने पसीना बहाया, घोर परिश्रम किया, और उन्होंने निवेदन और विनती की। आप सोचते हैं, कि यह तो कोई एक ही अकेला इंसान था जिसने इतना दुख–कष्ट सहा, ताकि पवित्रता के सन्देश को स्थापित करे, और तुम इसे अपने झूठे गर्जनों के द्वारा बर्बाद करते हो। ऐसा करने के लिए तुम्हें अन्धा होना पड़ा है। पवित्रता के सन्देश को बर्बाद करने के बाद अब तुम इस बात का दावा करते हो, कि तुम तो सर्वोत्तम किस्म के लोग हो, तुम दावा करते हो, कि तुम्हारे पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है, तुम्हारे पास प्रकाशितवाक्य 10:1 का प्रकाशन है; तुम आत्मा के आयामों में रह रहे हो, और तुम दावा करते हो, कि तुम्हारे पास गर्जनों की एक बेदारी है; तुम झूठे हो! ''पवित्रता के *बिना कोई प्रभु को कदापि न देखेगा।*''तुमअंधे हो। तुम प्रभु का दर्शन नहीं पा रहे हो। तुम्हारे पास मनुष्य के पुत्र का कोई प्रकाशन नहीं है। तुम्हारे पास मसीह का कोई प्रकाशन नहीं है। तुम्हारे पास गर्जनों का कोई प्रकाशन नहीं है। तुम झूठ बकते हो! तुम पवित्रता के सन्देश को अनदेखा करते हो, तुम पवित्रता के सन्देश को बिगाड़ते हो; तुम पवित्रता के सन्देश को तबाह करते हो; **वह पहला शख्स जिसने दावा किया था, कि उसके पास वे गर्जन हैं, वह न्यू यॉर्क में रहता है; और उसी ने ही पवित्रता के सन्देश को नाश करना शुरू किया था, और वही नमूना सारे विश्व भर में जा पहुँचा।**अगर प्रचारक का वरदान परमेश्वर की ओर से आता है, तो वह वरदान स्वर्ग से ही आता है, और वह सचमुच में परमेश्वर की ओर से ही भेजा हुआ होता है, और वह प्रचारक अपने निज जीवन में, अपने परिवार के जीवन में और अपनी कलीसिया में विलियम ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश को स्थापित करेगा। अतः इन झूठे अभिषिक्तों को आज के समय में यहाँ पर भेजा गया था, और भाई पतरस ने उनके बारे में दूसरा पतरस 2:1–3 में बोला है, और फिर उससे आगे चलकर उसने उनके बारे में 12 वें पद में बोला है; उसने वहाँ पर ऐसे ही पुरुषों के बारे में बोला है। आज रात्रि तो मेरे पास समय नहीं है, हम उन्हें किसी और रात्रि को लेंगे। परन्तु इन झूठे अभिषिक्तों को खास तौर पर शैतान के द्वारा तैयार किया गया था, और एलिय्याह के सन्देश

और मोहरों के खुलने के दिनों के तुरन्त बाद ही परमेश्वर ने किसी उद्देश्य से ही जानबूझ कर ऐसी आत्माओं को अंत समय में आज़ाद छोड़ा।

इन झूठे अभिषिक्तों को यहाँ पर इसीलिए भेजा गया, ताकि वे सन्देश के अनुयायियों को जाँचें–परखें; और परमेश्वर इसके बारे में जानता था। उनकी सत्यनिष्ठा को परखने के लिए, यह देखने के लिए कि वे व्यभिचार की खिलाफत करने में कितने सत्यनिष्ठ हैं, यह देखने के लिए, कि वे दोगलेपन की खिलाफत करने में कितने सत्यनिष्ठ हैं; यह देखने के लिए, कि वे हॉलीवुड़ के तौर–तरीकों की खिलाफत करने में कितने सत्यनिष्ठ हैं; यह देखने के लिए, कि वे सदोम के दुराचारों और कुकर्मो की खिलाफत करने में कितने सत्यनिष्ठ हैं, इन झूठे अभिषिक्तों को भेजा गया। वह हर रोज़ आपको जाँच व परख रहा है। वह आपको तब तक जाँचेगा और परखेगा, जब तक कि वह पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना लेकर नहीं आ जाता है; वह आप से आपकी सत्यनिष्ठा और ईमानदारी साबित करवायेगा।आप परमेश्वर के संग किसी भी तरह की कोई चालबाज़ी न करें। आपकी जो उसके दास–सेवकों के प्रति मनोस्थिति है, वह उसको परखेगा; मजबूत–ठोस सत्य के प्रति आपकी जो मनोस्थिति है, वह उसको परखेगा। **जब कोई व्यक्ति वचन को उस प्रकार से पेश करता है, जैसाकि आप आज रात्रि सुनते हैं, और आप में कोई कुढ़नेवाला शैतान है, चाहे वह किताबों के माध्यम से, चाहे वह विडियो या टेपों के माध्यम से आपके अंदर आया हो; क्योंकि ये जो मैं प्रचार कर रहा हूँ, वह सीधा व स्पष्ट है, यह वैसा ही साफ व स्पष्ट है, जैसे कि किसी सीटी की आवाज़ होती है, और अगर आप मजबूत–ठोस सत्य के खिलाफ बवाल मचा सकते हैं, तो आपके भीतर दुष्टात्मा है, और आपको प्रायश्चित करने की जरूरत है।** जी हाँ! हो सकता है, कि आप प्रचारमंच के पीछे से प्रचार करते हुए भी व्यभिचार में दिन बिता रहे हों, हो सकता है, कि आप कलीसिया में किसी बहन से दोस्ती गाँठ रहे हों। आपको ऐसी बेहूदी बातें यहाँ पर देखने को नहीं मिलती हैं। यह एक साफ–सुथरा आराधनालय है। और यह हर समय यही दिखाता है, कि या तो आप प्रायश्चित करें, वरना आप बाहर चले जाएं। यही तो मापदंड़ है। जी हाँ! अंत–समय में दुल्हन को परखने के लिए झूठे अभिषिक्तों को भेजा गया था। परमेश्वर इसके बारे में जानता है! उसी ने ही इसकी अनुमति दी थी; उसने उन्हें मोहरों के खुलने के बाद धरती पर भेजा था। वह इसके बारे में सब कुछ जानता है। वे यहाँ पर हैं, वे झूठे अभिषिक्त यहाँ पर हैं, वे पवित्रता के इस सन्देश को नाश करने के लिए यहाँ पर हैं। इसी रीति से ही तो आप झूठे नबी को जान पाते हैं; और मैं इसे आपके लिए बाइबल से साबित करूँगा। वे पवित्रता के सन्देश के साथ मेल नहीं खा सकते हैं।

अब अगर आप इसे समझ सकते हैं, तो आप यह समझ लें; कि **वह पहली वस्तु जिस पर शैतान ने अदन की वाटिका में धावा बोला था, वह पवित्रता का ही सन्देश था।** अगर आप इसे समझ सकते हैं, तो आप समझ लें। आप कहते हैं, ''भाई ब्रूस, वह तो परमेश्वर के प्रति अवज्ञाकारिता ही थी।'' **मैं कहता हूँ, ''पवित्रता का सन्देश!'' वह फल क्या था? पाप क्या था? क्या आप नहीं जानते हैं, कि वह फल जो वहाँ पर खाया गया था, वह व्यभिचार था; वह अनैतिक जीवन व्यतीत करना था;** और परमेश्वर ने उन्हें उसके बारे में चेताया था; और वह पहली बात जो शैतान ने तब पेश की थी, जब उसने अपने आपको दिखलाया था, तो यही था वह जिसके द्वारा उसने हव्वा से परमेश्वर के पवित्रता के सन्देश को तुड़वाया था। और इसी रीति से ही तो आप इन बदबूदार शैतानों को जानते हैं। हम यहूदा को कैसे जानते हैं, वह एक चोर था। वह पवित्रता के सन्देश को कायम नहीं रख सका था। आज हम इन प्रचारकों को कैसे जानते हैं, जिन्हें एलिय्याह ने स्थापित किया था? वे बड़ी मोटी मोटी बातों का तो प्रचार कर सकते हैं, परन्तु वे ना तो अपने जीवन में पवित्रता का पालन कर सकते हैं, और ना ही वे अपने लोगों को पवित्रता की शिक्षा दे सकते हैं। आप इस बात को सन्देश के माध्यम से देख सकते हैं। आप कैसे जानते हैं, कि ये चुपके से रेंगते हुए अंदर घुस आते हैं? आप इन झूठे अभिषिक्तों को जो सन्देश के तहत हैं, जानते हैं? वे पवित्रता के मापदंड़ कायम नहीं रख सकते हैं। और इन सब से बढ़कर वह बात है, जो भाई पतरस ने उनके बारे में कही थी, कि वे बड़ी बड़ी बातों की प्रतिज्ञा करते हैं, जबकि वे खुद पाप के दास हैं। वे बड़े बड़े गर्जनों का दावा करते हैं, वे बड़े बड़े प्रकाशनों का दावा करते हैं; मगर उनके पास तो एक व्यभिचारी आत्मा है; उनके पास तो समझौता करनेवाली एक आत्मा है, और वे पवित्रता के मापदंड़ कलीसिया में स्थापित नहीं कर सकते हैं। अब मैं आपको इस पर वचन का एक लेख बताऊँगा, यीशु ने कहा था,'' *तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे*'';(मत्ती 7:15–20) **वह यहाँ पर इन्हीं झूठे नबियों के बारे में बोल रहा है। उन्हें पहचानने का एक तरीका है। वे पवित्रता के सन्देश के मापदंड़ तोड़ते हैं, और दुनिया के कार्यकलापों में विलिप्त हो जाते हैंः वे टेलीविज़न देखते हैं, खेलकूद में शामिल होते हैं, अनैतिक–भद्दे पहरावे पहनते हैं।** जी हाँ! वे उन से खूब प्रेम करते हैं, और उन्हें यह सब कुछ खूब भाता है; और इसी से ही आप इन दुष्टात्माओं को जान जाते हैं; *तुम उन्हें उनके फलों से जान जाओगे*–तुम उन्हें उनकी शिक्षाओं से जान जाओगे, जो भ्रष्ट–दूषित हैं, और उन्हें उस जीवन के द्वारा जान जाओगे, जिस प्रकार का जीवन वे व्यतीत कर रहे हैं; और ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे लोगों की जिन्दगी में पवित्रता का सन्देश स्थापित नहीं कर सकते हैं; और फिर भी वे दावा करते हैं, कि उनके पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है; फिर भी वे दावा करते हैं,

कि उनके पास सात गर्जन हैं, फिर भी वे दावा करते हैं, कि अगर लोग उनकी बात नहीं सुनेंगे, तो वे स्वर्गारोहण में जा नहीं सकते हैं। बच्चों, वह सारा का सारा काम जो आपको करना है, वह यह है, कि **आप आज रात्रि इस सबक को याद कर लें, और आप इस बात की चिन्ता न करें, कि कौन सा व्यक्ति उठ खड़ा होता है, आप चाहे दुनिया के किसी भी हिस्से में क्यों न हो, आप यह परखें और देखें, कि वह पवित्रता के उस सन्देश के साथ क्या कर रहा है; आप देखें, कि वह उन छोटी से छोटी बातों के साथ क्या कर रहा है जिन्हें भाई ब्रन्हम ने स्थापित किया था।** मित्र, मेरी बात कान लगाकर सुनो; अगर एलिय्याह इतना महान था, कि उसने मुरदों को जिलाया, उसने बीमारों को चंगा किया; उसने तूफान को रोक दिया; उसने मधुमक्खियों को उनके छत्तों में वापस भेज दिया; उसने जानलेवा सांड़ को उसके मार्ग में रोक दिया, उसने उन वर्षो में सारे विश्व भर में लाखों लोगों को चंगा किया, और अज़ीजों, उसे उसी पवित्रता के सन्देश के मुताबिक गुज़र-बसर करनी थी; उसे उसी पवित्रता के सन्देश का अपनी कलीसिया में प्रचार करना था, और उसे उसी मापदंड़ को कायम रखना था, जब तक कि वह गुजर न जाता; तो क्या कोई भी उस एलिय्याह से बढ़कर है? कोई भी उस एलिय्याह से बढ़कर नहीं है। वह तो सबसे महान था। उससे बढ़कर तो सिर्फ एक ही है, और वह मसीह है। क्या आप आज रात इन झूठे नबियों को पवित्रता के इस सन्देश के द्वारा पकड़ते हैं? (सभा कहती है,''आमीन'')

यह पवित्रता का सन्देश जिसके बारे में मैं बोल रहा हूँ, हर एक झूठे नबी को बेनकाब कर देगा। यही वह पैमाना है, जिसका उपयोग करने के लिए यीशु ने कहा था। जी हाँ! उसने कहा था, ''*तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे* ।'' जी हाँ, वही उनके जन्म को नापता है, वही उनके बपतिस्मे को नापता है, वही उनके प्रकाशन को नापता है; और वही उनके गर्जनों को नापता है। वे सारे गर्जन जिनका तुम सारे संसार भर में दावा करते हो, झूठे गर्जनों के तुम सारे प्रचारकों, तुम वो हो, जिन्होंने भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश को तबाह किया है, तुम बेनकाब हो गए हो। सच्चे गर्जन तो आप से ऐसा करवायेंगे, कि आप प्रभु में उच्च किस्म का जीवन व्यतीत करें। यह तो आप से ऐसा करायेगा, कि आप पाक-साफ जीवन व्यतीत करें। मगर तुम तो व्यभिचार में गिरते चले जा रहे हो, तुम तो दोगलेपन में गिरते चले जा रहे हो, और तुम ने मलाकी 4 का पवित्रता का सन्देश तबाह कर दिया है; तुम ढ़ोंगी-पाखंड़ी हो! तुम शैतान के दास हो! प्रभु ही न्याय में आ रहा है! मनुष्य का वह पुत्र जो एक दिन दया में प्रकट हुआ, एक दिन न्याय में प्रकट होगा, ताकि उन लोगों से पलटा ले, जिन्होंने इस सन्देश को ठुकराया है।

मनुष्य का पुत्र दया और न्याय में प्रकट होता है

*सांय-36 ''उन दिनों में जब मनुष्य का पुत्र स्वयं अपने को स्वर्ग से प्रकट करेगा...**वह ठीक इस समय खुद अपने को कलीसिया पर दया के लिए जाहिर कर रहा है। अगली बार वह खुद अपने को उन लोगों के सर्वनाश में जाहिर करेगा, जिन्होंने सन्देश को ठुकराया है।** (क्या कलीसिया क्लेश में से होकर गुजरेगी 09-01-58)*

वह कोई भी व्यक्ति जिसके पास गर्जन हैं, और जो इस बात का दावा करता है, कि उसके पास और भी ऊँचा प्रकाशन है, उसे अवश्य ही जीवन के उच्च मापदंड़ जीने चाहियें। उस मंड़ली में से अवश्य ही परमेश्वर का आत्मा बहता हुआ होना चाहिए, उनके गीत अवश्य ही एक आशीष होने चाहिएं; उनकी गवाहियाँ अवश्य ही एक आशीष होनी चाहिएं; और लोगों के जीवन अवश्य ही एक आशीष होने चाहिएं। जी हाँ! वहाँ पर आप ऐसे पाक-साफ लोग पायेंगे, जो किसी भी प्रकार के व्यभिचार और दोगलेपन में लिप्त नहीं हैं; आप सौम्य-सलौने वस्त्र पहने हुए लोग पायेंगे; आप ऐसे लोग पायेंगे, जिनका खेलकूद के मैदानों से तथा इन सब से जुड़े हुए कार्यकलापों से कोई नाता नहीं है। मैं कहता हूँ, कि उन पर गर्जनों का खुलासा नहीं हुआ है। यह तो मसीह का आगमन है। यह सात खूबियाँ (सद्गुण)नहीं हैं; ये वचन के अक्षर नहीं हैं; और यह शब्दों के रूप में मोहरों का खुलासा नहीं है। **यह तो मसीह का व्यक्तित्व है जो मनुष्य के पुत्र के रूप में, परमेश्वर के जीवते वचन के रूप में प्रकट हुआ है, और आप इसे प्रकाशन के द्वारा तब तक नहीं देख सकते हैं, जब तक कि आप के जीवन में पवित्रता कायम न हो; वरना आप उसे देखने के लिए अंधे हैं।** जब तक आप भाई ब्रन्हम के सन्देश को ग्रहण नहीं करते हैं, और उस पर अपनी मंज़ूरी नहीं देते हैं, तो आप बर्बादी में हैं! जी हाँ, मेरे मित्र! बहुत से ऐसे प्रचारक हैं, मेरे ऐसे बहुत से मित्र थे जिन्होंने एक बार को पवित्रता के इन मापदंड़ों को ऊपर उठाये रखा था, लेकिन अब उन्होंने ही पवित्रता के सन्देश का सत्यनाश कर डाला है। उनका विवेक, उनकी अंतरात्मा उन्हें पीड़ित करती रहती है, और वे जानते भी हैं, कि वे गलत हैं; मगर यदि वे उसे अपनी मंड़ली में छूते हैं, तो उन्हें दसवें-अंश से हाथ धोना पड़ जायेगा, यदि वे उसे अपनी मंड़ली में स्पर्श भी करते हैं, तो उनमें से तीन-चौथाई लोग उसे छोड़ कर चले जायेंगे, और वे ''गजनों वाले किसी दूसरे गिरजे'' में चले जायेंगे। आप मुझे बताना चाहते हैं, कि वह परमेश्वर का जन है? तुम तो नाज़ुक-कोमल, हड्डीरहित प्रचारक हो! और भाई ब्रन्हम ही यहाँ पर तुम्हारे बारे में उल्लेख करने जा रहे हैं। कितने ऐसे लोग हैं, जो भाई ब्रन्हम को ही उन के बारे में उल्लेख करते हुए सुनना चाहते हैं?(*सभा कहती है, ''आमीन''*)

बहुत से नाजुक–कोमल हड्डीरहित प्रचारक हैं– हॉलीवुड़नुमा बहुत ज्यादा प्रचारकार्य है

''और आज मामला यह है, कि हमारे पास ऐसे कम उम्र के बहुत से प्रचारक हैं, जो नाजुक–कोमल हड्डीरहित हैं, और पूरे देश भर में हॉलीवुड़नुमा प्रचारकार्य को लिये हुए जा रहे हैं, बजाये इसके कि वे बाइबल का पुराने किस्म का प्रचार करें, और सत्य का भी प्रचार कर रहे हों। आज मामला यही है। जी हाँ, श्रीमान! मैं जानता हूँ, कि यह एक कठिन बात है; और मैं बहुत ज्यादा कठोर नहीं बनना चाहता हूँ, और मुझे आप में से हर एक की मौजूदगी में न्याय के कटघरे में जवाब देना होगा। अगर आप इसे पहले नहीं जानते थे, तो आप इसे अब जानते हैं। *(परमेश्वर अपना वायदा निभा रहा है 19/2/56)*

इस सन्देश में दिक्कत क्या है? वह दिक्कत लोग नहीं है, वह दिक्कत सन्देश के विश्वासी नहीं हैं; वह दिक्कत भाई लोग नहीं हैं; वह दिक्कत तो नाजुक–कोमल हड्डीरहित प्रचारक हैं। यही तो सबसे बड़ी परेशानी है!

प्रचारक बिना रीढ़ की हड्डी के हैं–उन्हें पवित्रआत्मा की आवश्यकता है

''और कुछ नाजुक–कोमल हड्डीरहित प्रचारक प्रचारमंच पर खड़े होते हैं; और वे अपनी गायन–मंड़ली को गीत गाने देते हैं, और वे दोपहर बाद बाहर निकलते हैं, और फिर वे जाकर उन दुनियावी कामों में लिप्त हो जाते हैं। ***तुम जो अपने आपको परमेश्वर का जन कहते हो, तुम्हें शर्म आनी चाहिए। तुम्हारे पास तो अपनी ही इच्छा को पूरी करनेवाली हड्डी है, तुम्हारे पास कोई रीढ़ की हड्डी नहीं है। यदि तुम्हारे पास पवित्र आत्मा होता, तो तुम उससे अलग ही काम कर रहे होते, और तुम उससे अलग ही बाते कर रहे होते, और तुम काले को काला, और सफेद को सफेद कह रहे होते।*** *जी हाँ, श्रीमान! परन्तु यही इसकी परेशानी है...ओह मेरे खुदा!* ***कैसे भी हो, तुम इतने ज्यादा औरतो के जैसे हो, तुम इतने ज्यादा नाजुक–कोमल हड्डीरहित हो! क्यों, तुम्हारे पास तो कोई रीढ़ की हड्डी नहीं है, तुम्हें तो पवित्र आत्मा प्राप्त करने की आवश्यकता है।*** *पवित्र आत्मा पाने वालों में यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला पहला था, और वह हेरोद के सम्मुख चलकर गया था, और उसने उससे कहा था, ''तेरे लिए यह उचित नहीं है, कि तू अपने भाई की पत्नी को रखे।''* ***भाई, इसी किस्म का इंसान ही पवित्र आत्मा से भरा हुआ होता है। जब वह कोई गलत बात देखता है, तो वह उसे गलत बताता है। यह बिलकुल सच बात है। निश्चय ही ऐसा है! (घाटी को गडहे से भरा हुआ बना रहे हो 28/7/5..)***

कितनो को वह अच्छा लगता है? इस सन्देश में समस्या क्या है? नाजुक–कोमल हड्डीरहित! औरत–सरीखे! इच्छापूर्ण करने वाली हड्डी बजाये इसके कि उनके पास रीढ़ की हड्डी हो, उनके पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है, वे परमेश्वर के बुलाए हुए नहीं हैं; यही है वह जहाँ इसकी समस्या है!

परमेश्वर के जन के बजाए कोमल–नाजुक हड्डीरहित ऐल्विसनुमा प्रचारक

79 ''और तुम बहुतेरे पिन्तेकोस्तल लोगों, तुम रात को घर पर ही रुके रहते हो, और टेलीविज़न देखते रहते हो, तथा इसी प्रकार के कार्यकलाप करते रहते हो, और अपनी प्रार्थना–सभाओं में नहीं जाते हो; ऐसा इसी लिए है, ***क्योंकि तुम्हारी सैमनरियाँ नाजुक हड्डीरहित ऐल्विसनुमा प्रचारकों में बदलती चली जा रही हैं, बजाये इसके कि वहाँ पर परमेश्वर के ऐसे जन होते, जो खड़े होते और सत्य बताते। यह बिलकुल ठीक बात है।''(letting off the pressure 18/5/65)***

भाई ब्रन्हम ने हमें बताया है, कि समस्या क्या है, और वह समस्या कोमल–नाजुक हड्डीरहित प्रचारकों का झुंड़ है,अपनी ही इच्छा को पूरी करनेवाली हड्डी वाले प्रचारकों का झुंड़ है, मुर्गियों का झुंड़ है। जी हाँ! **स्त्री–सरीखे! उन में से कुछ तो ऐसे है, कि जिन्हें ज़ोर ज़ोर से सत्य बताना चाहिए, वे बस दबी आवाज़ में बोल रहे होते हैं, क्योंकि वे अपनी पत्नियों को काबू में नहीं रख सकते हैं, वे अपने बच्चों को काबू में नहीं रख सकते हैं। बजाये इसके कि वे प्रचारमंच से दबी आवाज़ से सत्य बतायें उन्हें तो अपनी आवाज़ बुलन्द करके सत्य बताने की आवश्यकता है। वे वैसा इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन में कोमल–नाजुक हड्डीरहित आत्मा है, उनमें औरतों वाली आत्मा है।** जी हाँ! परमेश्वर का असली–सच्चा जन काले को काला, और सफेद को सफेद कहता है। जी हाँ, श्रीमान!

ऐसे बहुत से कोमल–नाजुक हड्डीरहित प्रचारक हैं, जो उन बातों को अनदेखा कर देते हैं

''एक बार एक प्रचारक की पत्नी बड़ा ही भद्दा पहरावा पहने हुए बैठी हुई थी; वह बड़ी ही भंयकर सी दिखाई पड़ रही थी। आप कहते हैं, ''आपको उन्हें कुछ कहने का कोई हक नहीं है।'' मुझे उन्हें कहने का हक है; वचन ऐसा ही बताता है, कि इस सब का प्रचार कर।तुम बहुत से कोमल–नाजुक हड्डीरहित प्रचारकों, तुम उन बातों को अनदेखा करते हुए आगे निकल जाते हो; क्योंकि

तुम में हिम्मत नहीं है...हो सकता है, कि सबसे पहली बात तो यह हो, कि उन्हें परमेश्वर के द्वारा प्रचार करने के लिए बुलाया ही ना गया हो। यह सही बात है। परन्तु परमेश्वर का सच्चा सेवक तो उस वचन के साथ ही टिका रहेगा। यह सच है। ***उस प्रचारक की पत्नी उस तंग-चुस्त पहरावे में बैठी हुई थी और वह उसके बदन पर बहुत ही ज्यादा चुस्त था, उसने कानों में बालियाँ पहनी हुई थी, और श्रृंगार किया हुआ था, और उसके बाल लड़के के जैसे छोटे छोटे कटे हुए थे, जबकि परमेश्वर इस सब की घृणित काम के रूप में भर्त्सना करता है। और फिर भी आप कहते हैं, कि आप के पास पवित्र आत्मा है?*** *अधिक समय नहीं हुआ है, कि मैं ऐसे ही किसी विषय पर फीनिक्स में प्रचार कर रहा था, और उस प्रचारक की पत्नी ऊपर प्रचारमंच पर बैठी हुई थी, और उसके बाल ऐसे छोटे छोटे कटे हुए थे जैसे कि इन लड़कों में से कुछ के कटे हुए होते हैं, और उसने ऐसा पहरावा पहना हुआ था, कि वह अपने अन्दुरूनी कपड़े भी छिपा कर नहीं रख सकती थी, कि वे न चमकें(वह अपने घुटनों पर नीचे नहीं हो सकती थी, उसका वह पहरावा उसके घुटनों से चार या पाँच इंच ऊपर था, और वह वहाँ पर ऐसी हालत में बैठी हुई थी) वह आगे-पीछे को उछलती-कूदती हुई गीत गाने में अगुवाई कर रही थी।* ***मैं उसे जितनी ज़ोर से डाँट सकता था, मैंने उसे उतनी ज़ोर से डाँटा। वास्तव में वह प्रचारक मुझे फिर से नहीं बुलायेगा। मैं उससे इसकी उम्मीद भी नहीं करता हूँ; लेकिन वह जानता है, कि क्या सही है, और क्या गलत। जब मैं न्याय के कटघरे में खड़ा होऊँगा, तो यह मेरे हाथों पर बिलकुल भी नहीं होगा। (एक सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13/5/62)***

और अगर इन बातों को नहीं जानते थे, जो मैंने आज रात्रि कहीं हैं, तो आपका लोहू भी मेरे कंधों पर नहीं है! मैं तो आपको परमेश्वर का वचन ऐलान करके बता चुका हूँ। अब यह मेरे कंधो से हट चुका है।

समस्या तो वे कोमल-नाजुक हड्डीरहित प्रचारक हैं, जो सच्चाई बताने से डरते हैं

आप एक बार परमेश्वर को अपने हृदय के भीतर समा जाने दें, उसके बाद आप उस जैसी अश्लील-भद्दी चीज के लिए रेडियो या टेलीविज़न को बंद कर देंगे। यह सच बात है। यकीनन, आप ऐसा ही करेंगे। वे सारी गंदी-फूहड़ चुटकुलेबाज़ी तथा ऐसी ही और दूसरी बातें जो वे हंसी-ठट्ठा करनेवाले करते हैं, ऐसे कार्यक्रमों को बिना सेन्सर किये हुए टेलीविज़नों पर कैसे दिखाने दिया जाता है...और तुम लोग जो खुद अपने को मसीही कहते हो, उन जैसे

अश्लील-फूहड़ कार्यक्रमों को देखने के लिए गिरजे को छोड़ देते हो। मैं कहता हूँ, लॉस ऐन्जिल्स के जैसे ही शेष अमेरीका को एक बेदारी की जरूरत है, आपको एक बेदारी की जरूरत है। और इसकी समस्या यह है, कि बहुत सी बार प्रचारमंचों के पीछे कोमल-नाजुक हड्डीरहित प्रचारक होते हैं, जो लोगों को सच्चाई बताने से डरते हैं। ***वे डरते हैं, कि कलीसिया उनके खाने-पीने का भुगतान नहीं करेगी, या उन्हें लात मार कर बाहर निकाल देगी।*** (यहोवा-यिरे 17/4/59)

बिलकुल ठीक यही चीज सफर करते हुए सन्देश के अंदर भी आ गई है, सन्देश में कोमल-नाजुक हड्डीरहित प्रचारकों का झुंड़,अपनी ही इच्छा को पूरी करनेवाली हड्डी वाले प्रचारकों का झुंड़, आ गया है, जिनके पास रीढ़ की हड्डी होने के बजाये यह सब है, और जब वे अपनी पत्नियों को काबू में नहीं रख सकते हैं, तो फिर वे कलीसिया को भी काबू में नहीं रख सकते हैं, यही वह बात है, जो सन्देशवाहक ने कही थी; और ये लोग तो सिर्फ अपने पेट की भूख के लिए ही काम में लगे हुए हैं। यही तो बात है।

तुम कठपुतली-तुम कैसे एक प्रचारक या डीकन बन सकते हो

45 *‘‘* ***वह सारी पवित्रता जो बाइबल में है, जिसका तुम्हें प्रचार कर दिया गया है, और वे सारी बातें जिनकी तुम्हें शिक्षा दी जा चुकी है, उसके बाद भी तुम स्त्रियों, अपने को उघाड़ कर रखती हो, और अर्द्धनग्न हालत में बाहर जाती हो। और तुम पुरुषों, तुम उल्टे ही काम करते हो।*** *तुम यहाँ-वहाँ चारों ओर बुत के जैसे बैठ जाते हो, और अपनी पत्नी को उस प्रकार के काम करने देते हो, और उसे उस प्रकार के पहरावे पहनने दते हो, और इसके बारे में उससे कुछ भी नहीं कहते हो। खैर, तुम तो कठपुलती ही हो। तुम कैसे कभी एक प्रचारक बन सकते हो? तुम कैसे एक डीकन बन सकते हो? अगर तुम अपना ही घर काबू में नहीं रख सकते हो, तो फिर तुम ऐसा परमेश्वर के भवन में कैसे करोगे?* ***यही कारण है, कि परमेश्वर के भवन आज ऐसी हालत में है, जैसी कि हालत में वह आज है।*** *हमें तो फौलादी हिम्मत वाले ऐसे पुरुषों की ही जरूरत है,ताकि सुसमाचार का धड़ल्ले से प्रचार करें, ताकि पाप को बेनकाब करें, और उसे वहाँ पर उज़ागर करें जहाँ पर वह है, और वे किसी छोटी-मोटी हल्की-फुल्की बात का प्रचार न करें।’’(हृदय के लिए द्वार 02-03-58)*

जी हाँ! मैं कह रहा हूँ, कि आज इस सन्देश में जो परेशानी लोगों को हो रही है, वह विश्वासी जन नहीं हैं, यह तो प्रचारमंच ही हैं, जिसकी वजह से

परेशानी हो रही है, ये तो प्रचारक हैं, जो कि नाजायज़ लोगों का एक झुंड़ हैं, ये तो कुछ झूठे अभिषिक्त हैं जो प्रचारमंचों के पीछे हैं, ये वे कुछ लोग हैं, जो चुपके से रेंगते हुए अंदर घुस आये हैं, ये तो वे लोग हैं, जो इस नाश के लिए ठहराये हुए हैं, जिनकी वजह से यह परेशानी हैं। ये परमेश्वर के लोग नहीं हैं, जिनके कारण ऐसा है। आप उन्हें ज़रा एक बार यहाँ पर तो लेकर आ जायें, और यदि उनका नाम मेमने के जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ है, तो वे सत्य से चिपक जायेंगे, और उसी से ही चिपके रहेंगे; और इसी कारण ही तो आप भी जीवन की सभी चालों और क्षेत्रों से, और संस्थाओं से, पिन्तेकोस्तल, बैपटिस्ट संगतियों से और विभिन्न संगंठनों से निकलकर आए हैं। आप ने सच्चाई सुनी। आप इसके लिए पहले से ही जुड़े हुए थे। कितने लोग हैं, जो यह सुनना चाहते हैं, कि सन्देश में परेशानी क्या है? मैंने आपको बताया है, कि ये प्रचारकगण हैं, जो परेशानी हैं। जी हाँ! इस पर कान लगाइए!

कमजोर प्रचारमंच– कलीसिया को सुस्ती–ढिलाई और बेकायदे से चलने दिया जाता है

''आज दिक्कत क्या है। हमारे पास बहुत से कमजोर प्रचारमंच है, कि प्रचारक जलती हुई अनन्त नरक के बारे में प्रचार करने से और लोगों को ऐसी ही बातों के बारे में चेताने से डरते हैं, और वे कलीसिया को सुस्ती–ढिलाई और बेकायदे से चलने देते हैं, जितना कि वह चल सकती है। (जीवन के लिए प्यासे हो रहे हैं 30/6/57)

भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि प्रचारक नरक और न्याय के बारे में प्रचार करने से डरते हैं, और वे कलीसिया को सुस्ती और ढिलाई में और बेढ़ंगेपन में चलते रहने देते हैं। क्या आप सुनते हैं, कि यहाँ पर नरक का प्रचार होता है? **कितनों ने यहाँ पर नरक का, आग और गंधक के बारे में, पवित्रता और नरक के बारे में प्रचार होते हुए सुना है?** *(सभा कहती है, ''आमीन)* यही कारण है, कि परमेश्वर का आत्मा यहाँ पर है। यहाँ पर हमारी कोई परेशानी–दिक्कत नहीं है। आज परेशानी–दिक्कत तो कमजोर प्रचारमंच हैं।

प्रचारमंचों की कमजोरी– उन्होंने बाड़े गिर जाने दिये

''अब तुम औरतो और पुरुषों के लिए उन सारी आज़ादी के बारे में प्रचार कर सकते हो, जिनके बारे में तुम प्रचार करना चाहते हो; लेकिन वह सब बाइबल को कदापि नहीं बदल पायेगा। परमेश्वर का कलाम सच्चा है, और वह तुम पिन्तेकोस्तल लोगों के लिए भी सच्चा है। जी हाँ, श्रीमान! ***ओह, किसी न किसी तरह से तुमने उन बाड़ों को गिर जाने दिया, कुछ न कुछ तो घटित हुआ ही था। जिस तरह से यह अब है, यह उस तरह***

***का न हुआ करता था। ऐसा केवल प्रचारमंच की कमजोरी के कारण ही हुआ है, और ऐसा इसी लिए हुआ है, कि तुम दुनियायी रंग–ढ़ंग में रिल–मिल गए हो। अगर पवित्र आत्मा ने ही उस पिछले समय में तुम्हारी माताओं को तथा तुम्हारे लोगों को बेहतर शिक्षा दी थी, तथा उसी ने ही ऐसा ही सब कुछ किया था, और उसके बाद आज तुम इन सब कामों को करने लगे हो, लेकिन पवित्र आत्मा तो बदलता नहीं है। (व्यवस्था की एक परछाई होती है 21/06/56*)

अगर एक बार को लोग सही व भले काम किया करते थे, और सन्देश में पवित्रता का पालन किया करते थे, और आज उन्होंने उन कामों को करना बंद कर दिया है, तो ये यही दिखाता है, कि पवित्र आत्मा बदलता नहीं है। अतः यह तो कोई और आत्मा ही है, जिसके चलाये वे उन कामों को आज कर रहे हैं।

लोग एक दूसरे की आत्मा ले लेते हैं

''बहुत सी बार लोग पवित्र आत्मा पाने की बजाये, एक दूसरे की ही आत्मा ले लेते हैं। *जिस प्रकार से वे आचार–व्यवहार और काम करते हैं, आप ज़रा उस पर निगाह तो डालकर देखें। आप किसी उस कलीसिया में जायें, जहाँ का पास्टर मनमौज़ी और जंगली–गुस्सैल और मोआबी किस्म का है, आप देखेंगे, कि मंड़ली भी उसी किस्म की ही है।* (***व्यवस्था की एक परछाई होती है 21/06/56***)

क्या आप उसे देखते हैं? लोग पास्टर की आत्मा ले लेते हैं। आप किसी झूठे भविष्यद्वक्ता और झूठे अभिषिक्त के आगे काफी पर्याप्त समय तक बैठे रहें, और आप पर भी उसकी बदरूह आ जायेगी; आप उसकी पत्नी के जैसे कपड़े पहनने लगेंगी; आप उसके बच्चों के जैसे कपड़े पहनने लगेंगे; आप उसके जैसे जीवन व्यतीत करने लगेंगे; और आप व्यभिचार तथा अन्य सभी कुछ करने लगेंगे। जी हाँ, आप उसकी बदरूह अपने ऊपर ले लेते हैं।

कमजोर प्रचारमंच– ना तो सीधे खड़े रहे और ना ही वचन के साथ खड़े रहे

''और आज हमें बिलकुल ठीक वैसी ही तुलनात्मक स्थिति देखने को मिलती है, जैसी की यिर्मयाह के दिनों में थी; कि ***कुल मिलाकर लगभग सारी की सारी कौम थोड़ा–बहुत मूर्तिपूजा में चले गई थी; मैं कहूँगा, कि वे एक किस्म से परमेश्वर से ही दूर चले गए थे। और ऐसा प्रचारमंच की कमजोरी के कारण ही हुआ था। क्योंकि अगर प्रचारमंच सीधा खड़ा रहता और परमेश्वर के वचन के साथ ही टिका रहता, तो परमेश्वर ठीक वैसे ही हर एक कलीसिया में होता, जैसे वह यहाँ पर हमारे मध्य में चल–फिर रहा है।*** *मगर उन्हें तो इससे दूर भटका दिया गया था।* (***टूटे हुए हौद 23/1/65***)

भाई ब्रन्हम कह रहे हैं, कि पवित्र आत्मा ने अपनी उड़ान भर ली और वह कलीसियाओं को छोड़कर चला गया, और पवित्र आत्मा उनकी कलीसियाओं में वैसे चल-फिर नहीं रहा था, जैसा कि वह टेबरनिकल में सन्1965 में चल-फिर रहा था; और ऐसा केवल प्रचारमंच की दुर्बलता के कारण ही हुआ है। और क्योंकि आपको उन संगतियों में ढूँढें से भी पवित्र आत्मा नहीं मिलता है, जब आप उन में जाते हैं, और आपके लिए वहाँ पर डेढ़ या एक घन्टा बैठना भी मुश्किल को जाता है? ऐसा इसी लिए होता है, क्योंकि परमेश्वर का आत्मा वहाँ पर नहीं है। उन्होंने तो सन्देश के मापदंड़ों को ही नीचा कर दिया है, और यही कारण है, कि पवित्र आत्मा वहाँ से अपनी उड़ान भर चुका है। जी हाँ! अब आप अंत में मुझे यह बात कहने दें; जब प्रभु का आत्मा किसी मंड़ली को, किसी पास्टर को छोड़कर चला जाता है, तो उसे लोगों को समेट कर रखने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना पड़ता है। यही वह काम है जो पिन्तेकोस्तल संस्था ने किया, जब पवित्र आत्मा उन्हें छोड़कर चला गया; वे बैन्को खेल(एक ऐसा खेल जिसमें लोग मिलकर अजनबी को लूटते हैं) अंदर लेकर आ गए। ठीक वैसे ही मलाकी 4 के अनुयायियों ने पवित्रता के मापदंड़ों को नीचा कर दिया है, और वे कलीसियाओं के अंदर कुपंथ लेकर आ गए हैं; परमेश्वर का आत्मा उनके मध्य में नहीं है; अतः उन्होंने अवश्य ही इसके विकल्प के तौर पर और दूसरे कार्यक्रम अपना लिये हैं। वे कार्यक्रम जो वे इस समय कर रहे हैं, वे हैं-कैम्प मीटिंग,सैर-सपाटा, और वे वैसे ही कार्यकलाप कर रहे हैं जैसे तथाकथित पिन्तेकोस्तल कर रहे हैं; और वहाँ पर उनके सैर-सपाटों में युवा लोगों के द्वारा व्यभिचार और दोगलापन होता है। उनकी कैम्प मीटिंग होती हैं, ताकि वे उन्हें समेट कर रख सकें, वे उन्हें वापस टेलीविज़नों के पास भेजते हैं, वे उन्हें खेल के मैदानों में भेजते हैं; और इसके बाद एक कलीसिया दूसरी कलीसिया से प्रतियोगिताओं में मैच खेलती है। उन्होंने पवित्र आत्मा के विकल्प के तौर पर कार्यक्रम अपना लिये हैं। ऐसा ही हुआ है, बिलकुल ठीक ऐसा ही हुआ है। अतः इस समय जो कोई भी खेलकूदों में शामिल होता है, और वापस टेलीविज़नों के सामने जाता है, और कैम्प और सैर-सपाटों का आयोजन करवाता है, और उन सारे पिन्तेकोस्तल कार्यक्रमों का आयोजन कराता है, वे यह सब अपनी मंड़ली को उन कार्यक्रमों के द्वारा समेट कर कर रखने की कोशिश करने के लिए करता है, बजाये इसके कि वह पवित्र आत्मा को ही अपनी मंड़ली को समेट कर रखने दे। भाई ब्रन्हम ने ऐसे कार्यक्रमों का कदापि आयोजन नहीं कराया था; वो तो वचन और परमेश्वर के आत्मा पर ही निर्भर रहे थे। मैं परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, और हमें परमेश्वर का अवश्य ही धन्यवादित होना चाहिए, कि हमारे यहाँ उस प्रकार के कार्यक्रम नहीं हो रहे हैं; यह तो पवित्र आत्मा ही है जो यहाँ पर काम कर रहा है। यह तो प्रभु का ही

वचन है जो यहाँ पर काम कर रहा है। हमारे यहाँ इस प्रकार के कोई खेलकूद-खेलतमाशे नहीं होते हैं, हमारे यहाँ उस प्रकार के कोई कार्यक्रम नहीं होते हैं; हमारे यहाँ युवाओं की कोई सभा नहीं होती हैं; हमारे यहाँ सन्डे स्कूल का कार्यकलाप जैसा कोई काम नहीं होता है; हम तो बस आगे को बढ़े चले जा रहे हैं; और मेरी सुनिए, हमारा आनन्द तो सिर्फ पवित्र आत्मा ही है।

<u>सन्डे स्कूल- वह तो एक मैथोडिस्ट शिक्षा है</u>

33-3 ''हर एक कलीसिया सन्डे स्कूल के मामले में एक दूसरे को पिछाड़ने की कोशिश में लगी हुई हैं। और यहाँ तक कि सन्डे स्कूल का जिक्र तो बाइबल में पाया भी नहीं जाता है। वह तो एक मैथोडिस्ट शिक्षा है। पहले पहल यह फटीचर-स्कूल(ragged school) कहलाता था। इस समय हर कोई सन्डे स्कूल जाता है, चाहे वह गिरजे के लिए न रुकता हो; क्योंकि वहाँ पर वे कुछ उन से अलग बातें लेते हैं, जो परमेश्वर ने कही थीं। यह सही बात है। और स्मरण रखिए, ***मैंने कभी भी अपने जीवन में आत्मा की प्रेरणा में होकर कुछ भी ऐसा नहीं प्रचारा है, जो मुझे वापस लेना पड़े,*** *जैसे कि आप जानते हैं, कि मैंने ऑल्टर कॉल तथा ऐसे ही और दूसरे काम और दूसरे दिन किए हैं।* ***सर्पवंश या उस प्रकार की कोई भी बात के लिए कोई ऐसा तो करे, कि वह आये और उसकी परमेश्वर के*** *वचन से भर्त्सना तो करे। (श्रीमान, हम यीशु से मिलना चाहते हैं 24/12/61)*

लोगों को समेट कर रखने की सामर्थ तो वचन ही है; लोगों को समेट कर रखने की सामर्थ तो पवित्र आत्मा ही है, जो यहाँ भीतर पायी जाती है। कितने लोग इस बात का विश्वास करते हैं; कितने लोग इन बातों के गवाह हैं? (सभा कहती है, ''आमीन'') हमने पवित्रता के इस सन्देश के मुताबिक ही काम किये हैं, और हमें इसके लिए परमेश्वर के अनुग्रह के लिए धन्यवादित होना चाहिए। जी हाँ! हमें परमेश्वर का उसके आत्मा के लिए धन्यवाद करना चाहिए। यह जीवन हमारे लिए कोई बोझ नहीं है। जी नहीं! यह तो यह आनन्द है। पवित्र आत्मा ही हमारा आनन्द है, और मसीहियों का आनन्द पवित्र आत्मा ही होना चाहिए; और प्रभु का आनन्द ही हमारी ताकत है। जब आप प्रभु का आनन्द खो देते हैं, क्योंकि आत्मा वहाँ पर नहीं है, तो आपको जाकर दुनियावी सुख-विलासों में भागी होना पड़ता है। अतः जो भी वैसे कामों को कर रहा है, वे सारे प्रचारक जो सारे संसार भर में ऐसे ही कामों को कर रहे हैं, ना तो उनके अपने जीवनों में, और ना ही उनकी कलीसियाओं में और ना ही उनके लोगों के जीवनों में परमेश्वर का आत्मा है। यह तो ठेठ पिन्तेकोस्तल है। आप यह जानते हैं। आप जो पुराने पिन्तेकोस्तल हैं, आप जानते हैं, कि वह कलीसिया एक बार को अग्नि से भरी हुई थी, लेकिन जब वे पिछड़ने लगे, तो उन्हें लोगों को समेट कर रखने

के लिए कार्यक्रम आयोजित करने पड़े, वरना लोग छोड़कर चले जाते। अतः अब उन्हें दुनिया के कार्यकलाप लेकर आने पड़े हैं, वे कलीसिया में अपवित्रता लेकर आ गए हैं, और अब वे इन पर समझौता करते हैं, ताकि उनकी कलीसिया चलती रहे। बिलकुल ठीक इसी प्रकार से मलाकी 4 के माननेवाले हो गए हैं, वे ठीक इसी रीति से ही भटक गए हैं।

सुसमाचार के विकल्प के तौर पर मनोरंजन अपना लिया

सं.–22 ''परन्तु हमारे पास टेलीविज़नों के बहुत ज्यादा कार्यक्रम हैं, और हमारे पास रेडियो के बहुत ज्यादा कार्यक्रम हैं, और हमारे पास बहुत ज्यादा मनोरंजन है। एक सच्चा मसीही तो अपना मनोरंजन पवित्र आत्मा के द्वारा ही करना चाहता है। और बहुत ज्यादा दुनियादारी कलीसिया में रिसकर (leak) आ गई है। और उन्होंने सुसमाचार के प्रचार के बदले मनोरंजन को विकल्प के तौर पर अपना लिया है। ***वह पुराने चलन का सुसमाचार जिसने आपके माता और पिता का उद्धार किया, वह आज रात्रि भी वैसा ही भला और अच्छा है जैसे वह उस दिन में था, और यह वैसा सर्वदा ही रहेगा। यह अभी भी मसीही हृदय के लिए ठीक वैसा ही उत्साह और ज़ोश है जैसे यह संत पौलुस के लिए था, जिसने अपनी गवाही पर अपने ही लोहू से मोहर की थी।*** ***(Mighty Conquerer - 8-8-57)***

पवित्रता का सन्देश भ्रष्ट प्रचारकों के द्वारा दूषित किया गया

''उन चरवाहों, पर हाय, जो मेरी चराई की भेड़–बकरियों को तितर–बितर करते और नाश करते हैं, यहोवा यह कहता है।

इसलिए इस्राएल का परमेश्वर यहोवा अपनी प्रजा के चरवाहों से यूँ कहता है, तुम ने मेरी भेड़–बकरियों की सुधि नहीं ली, वरन उनको तितर–बितर किया और बरबस निकाल दिया है; इसकारण यहोवा की यह वाणी है, कि मैं तुम्हारे बुरे कामों का दंड़ दूँगा।

तब मेरी भेड़–बकरी, जो बची हैं, उनको मैं उन सब देशों में से जिन में मैंने उन्हें बरबस भेज दिया है, स्वयं ही उन्हें लौटा लाकर उन्हीं की भेड़शाला में इकट्ठा करूँगा, और वे फिर से फूले–फलेंगी।

मैं उनके लिए ऐसे चरवाहे नियुक्त करूँगा, जो उन्हें चरायेंगे; और तब वे न तो फिर डरेंगी, न विस्मित होंगी, और न उन में से कोई खो जाएगा; यहोवा की यह वाणी है।''

(यिर्मयाह 23:1–4)

''क्योंकि सकेत है वह फाटक और सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुँचता है, और थोड़े हैं, जो उसे पाते हैं।

झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अन्दर से वे फाड़ खानेवाले भेड़िए हैं।

उनके फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे, क्या झाड़ियों से अंगूर, वा ऊँटकटारों से अंजीर तोड़ते हैं?

इसी प्रकार हर एक अच्छा पेड़ अच्छा फल लाता है, और निकम्मा पेड़ बुरा फल लाता है।

अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता, और न निकम्मा पेड़ अच्छा फल ला सकता है।

जो जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा और आग में डाला जाता है

सो उन के फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।''

(मत्ती 7:14–20)

अतः हम इस विषय पर हैं, कि सन्देश को माननेवाले विश्वासी लोग इस समय के सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों से भटक कर दूर चले गए हैं। हम इस विषय पर उन प्रश्नों के उत्तर के लिए काम में जुट गए हैं, कि कैसे क्यों, और किस के द्वारा ऐसा भंयकर काम हुआ है। एलिय्याह भविष्यद्वक्ता की सेवकाई, और यूहन्ना की सेवकाई और आज के एलिय्याह विलियम ब्रन्हम की सेवकाई के दो भाग थे, और उन में से एक भाग तो पवित्रता का सन्देश लेकर आना था, ताकि लोगों के मनों को मसीह के आगमन के लिए तैयार किया जाए, क्योंकि बगैर पवित्रता के कोई भी मनुष्य प्रभु को नहीं देखेगा। फिर जब वह तैयारी हो जाती है, तो उनकी सेवकाई का दूसरा भाग था, कि मसीहा की उन लोगों से मुलाकात करायी जाए, जो तैयार थे। वे जो यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के तहत तैयार हुए थे, उन्होंने दिव्य प्रकाशन के द्वारा प्रभु को देखा था। वे जो तैयार नहीं थे, वे जिनके नाम जीवन की पुस्तक में लिखे हुए नहीं थे, उन्होंने उसे सिर्फ एक मनुष्य के रूप में देखा, और उन्होंने उसे बालजबूल और दुष्टात्माओं के प्रधान के रूप में सताया। वे उसे नहीं देख पाये थे। उसे तो अवश्य ही दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही देखा जाता है। चाहे वह यहाँ पर उसी लबादे को पहने हुए वापस क्यों न आ जाए, और वह उसी रूप में वापस क्यों न आ जाए, कि उसके मुखमंड़ल पर दाढ़ी हो, जैसा कि आप उसे यहाँ पर पीछे उन तस्वीरों में देखते हैं, जिन्हें कलाकारों ने अपनी कल्पनाओं के द्वारा साकार किया है, लेकिन फिर भी आप उसे दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही समझ पायेंगे, और आपका हृदय पाक–साफ होना चाहिए, ताकि आप परमेश्वर को मानव परदे की आड़ में देख पायें। ''धन्य हैं, वे जो मन के शुद्ध हैं, वे परमेश्वर को देखेंगे।''

अतः मैंने जो एलिय्याह की सेवकाई पर यह वक्तवय दिया है, कि उसकी सेवकाई के दो भाग हैं, बुद्धिजीवियों के द्वारा, उनके उस सारे ज्ञान के द्वारा जो उनके पास इस समय के

सन्देश में है, थोड़ी सी आलोचना हो सकती है। इस पर कुछ ''किन्तु–परन्तु'' और ''कैसे–क्यों'' आ सकते हैं; परन्तु मैं आलोचकों के मुँह बंद करने के लिए यहाँ पर कोई बात कहना चाहता हूँ; और वह यह है, कि अब जैसा कि मैंने कहा है, कि भाई ब्रन्हम की सेवकाई के दो भाग थे, हो सकता है, कि इस पर वे यह कहना चाहें, कि भाई ब्रन्हम की सेवकाई में पहला खिंचाव, दूसरा खिंचाव और तीसरा खिंचाव था, जो कि उनकी सेवकाई के तीन भाग थे; और वे यह भी कह सकते हैं, कि भाई ब्रन्हम तीन आत्माओं में आए, और वह मूसा का आत्मा थी, एलिय्याह की आत्मा थी, और मसीह की आत्मा थी। मैं यह कह कर आलोचकों का मुँह बंद करूँगा, कि इस समय मेरा वह विषय नहीं है। इसलिए भाई ब्रन्हम की वह त्रिमुखी–सेवकाई जिसमें पहला खिंचाव, दूसरा खिंचाव और तीसरा खिंचाव है, उसका मेरे इस वर्तमान समय के सन्देश से सम्बंध नहीं है, और ना ही मूसा की आत्मा, एलिय्याह की आत्मा और मसीह की आत्मा का, जो भाई ब्रन्हम की सेवकाई में मौजूद थीं, उस विषय से सम्बंध है जिस पर मैं इस समय प्रचार कर रहा हूँ। मैं अग्रदूत के सन्देश को अलग– अलग हिस्सों में बा।ट रहा हूँ, और इन प्रतिचित्रणों और नमूनों को यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की सेवकाई से मेल खाना चाहिए; और मैं इस खास किस्म के भाग में, जिस पर मैं भाई ब्रन्हम पर विचार ममन कर रहा हूँ, और उनकी तुलना पुराने नियम के यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले से कर रहा हूँ–मैं यह उल्लेख कर रहा हूँ, कि उनके सन्देश के दो भाग थे–ऐ तो पवित्रता का सन्देश, और दूसरा यह, कि उसी पवित्रता के सन्देश को लोगों को प्रभु के आगमन को प्रकाशन के द्वारा देखने के लिए तैयार करना। भाई ब्रन्हम पवित्रता का एक सन्देश जगत में लेकर आए। अगर मैं यहाँ पर उनकी तुलना मूसा से करता हूँ, तो इससे केवल आपको ही लाभ पहुँचेगा, और तब तो मुझे भाई ब्रन्हम की सेवकाई की तुलना मूसा की सेवकाई से करनी होगी, जैसा कि मूसा एक व्यवस्था का देनेवाला था, वैसे ही भाई ब्रन्हम की सेवकाई थी, और उनके पवित्रता के सन्देश का सम्बंध लोगों के पास एक व्यवस्था लाना से है; और व्यवस्था अनुग्रह के आगे आगे आती है; इसलिए हम मूसा की सेपवकाई की तुलना उस सेवकाई से कर सकते हैं, जो सेवकाई भाई ब्रन्हम के पास थी, जैसाकि वे पवित्रता और धार्मिकता के मामले में व्यवस्था लेकर आए। लेकिन यह हमारा विषय नहीं है।

हम इन दो भागों के बारे में बात कर रहे हैं; और ये दो भाग हैं– पहला तो, पवित्रता का सन्देश है, और दूसरा मसीहा का परिचय कराया जाना है। यकीनन, भाई ब्रन्हम ने मसीह का परिचय कराया था, लेकिन जैसा कि वे एक बलवई घराने, एक बलवई देश, और एक बलवई पीढ़ी के पास आए थे, इसलिए उन्होंने मोहरों के खुलने के वक्त यह कहा था, कि

लोग प्रकाशन से चूक गए; और ऐसा इसलिए भी हुआ था, क्योंकि लोगों ने अपने जीवनों में भविष्यद्वक्ता के पवित्रता के सन्देश को पूरी तरह से लागू नहीं किया था। यही कारण था, कि वे'' प्रभु के आगमन'' के प्रकाशन से चूक गए थे। हालांकि उन्होंने कहा था, कि यह फिर से आएगा। उन्होंने कहा था,''नम्र बने रहना; यह फिर से आएगा'', और उन्होंने कहा था,''साधारण–सरल सन्देश के साथ ही आगे बढ़ते रहना।'' और वह साधारण–सरल सन्देश पवित्रता का ही सन्देश था, जिस पर लोगों को चलना था और जिसके मुताबिक लोगों को काम करना था, जब तक कि वह प्रकाशन फिर से नहीं आ जाता है। **हम पवित्रता के सन्देश में ही पूरी तौर में स्थापित हैं, और यही कारण है, कि प्रभु का आत्मा और उपस्थिति हमारे मध्य में हैं, जिसके लिए हम परमेश्वर के धन्यवादित हैं।**

वे लोग अर्थात् इस सन्देश का विश्वास करने वाले वे विश्वासी लोग,जिन्होंने इस सन्देश के मुताबिक जीवन बिताया है, हर एक बेदारी के जीवन और मरण के चक्र के अनुसार वे उस रूप के प्रति सच्चे रहकर आगे बढ़े हैं। जैसाकि हमने इफिसुस कलीसियायी काल के पृष्ठ 88 से हवाला भी दिया था, कि हर एक युग में बेदारी की अग्नियाँ रहीं, और वह आगे चलकर बुझ सी जाती हैं, और उसी को दूसरी पीढ़ी ले लेती हैं। इसके बाद आपको मसीहियों की दूसरी पीढ़ी मिलती है, और वे पिछड़ने लगते हैं, और वे उन कामों को नहीं कर रहे होते हैं जिन्हें वे एक बार को किया करते थे। अतः वे बस एक रूप धारण कर लेते हैं। यह सच्ची रहकर ही आगे बढ़ी। मलाकी 4 ने जो सात कलीसियायी कालों की पुस्तक के पृष्ठ 88 पर बताया है, उसके अनुसार तो इस सन्देश के मानने वाले उस दौड़ तक तो सच्चे रहकर ही दौड़े। उसके बाद जब बेदारी की आग बुझने लगीं, तो वे सन्देश को ही बिगाड़ने लगे, और वे सन्देशवाहक के सन्देश में वैसे ही रद्दोबदल करने लगे, जैसे हर एक दूसरे युग में हुआ था; और यह इस बात का एक चिन्ह है, कि एक और बेदारी अपनी राह पर है।

अतः आज जो हालत हमें मलाकी 4 के माननेवालों में दिखाई दे रही है, जहाँ उन्होंने सन्देश को ही बिगाड़ कर रख दिया है और पवित्रता के सन्देश को लगभग तबाह कर दिया है, यह इस बात का एक चिन्ह है, कि दुल्हन की बेदारी अपनी राह पर है, और हम वे ऐसे लोग हैं, जिनसे मोहरों की पुस्तक के पृष्ठ संख्या 253 पर यह वायदा किया गया था, कि'' दुल्हन को अभी तक बेदारी नहीं मिली है; लेकिन वही एक ऐसी है जिससे उस बेदारी का वायदा किया गया है।''जी हाँ; और हम दुल्हन की ही बेदारी का इंतज़ार कर रहे हैं, और जैसा कि हम दुल्हन की बेदारी का इंतज़ार कर रहे हैं, हम परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा,

परमेश्वर के आत्मा के द्वारा पवित्रता के सन्देश के मुताबिक ही कार्य करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि जब कभी वह बेदारी आती है, तो हम उस बेदारी का एक भाग बन सकें। क्या परमेश्वर का वचन स्पष्ट व साफ नहीं है?

मैं यहाँ पर आपको कोई बात दिखाना चाहता हूँ, हो सकता है, कि वह कुछ लोगों के लिए थोड़ी सी हैरतभरी बात हो। जबकि भाई ब्रन्हम कई वर्षों से प्रचार कर रहे थे, विश्वास में यह पिछड़ा जाना उनके दिनों में भी विद्यमान था; और उस पिछड़ने पर उन्होंने भी ध्यान दिया था, और उन्होंने समझ लिया था, कि लोग विश्वास में पिछड़ रहे हैं, और वे पतन की ओर अग्रसर होते चले जा रहे हैं, और मृत्यु उनके अंदर पैंठती चली जा रही है। मैं इस बात का आपको हवाला बताऊँगा, और मैं अपने उन विदेशी श्रोताओं से यही कहूँगा, कि वे जैसा चाहे वैसा इसका अर्थ निकाल लें; परन्तु यह बात बहुत ही ज्यादा कठोर है, लेकिन मैं तो केवल नबी का ही हवाला दूँगा, और इसे आपके लिए छोड़ दूँगा, ताकि आप इसे दिव्य प्रकाशन के द्वारा समझ जाएं।

उन्होंने इसे सूअर के दड़बे में तबदील कर दिया है

''और मुझे वो सुबह याद है, जब मैं जगा उठा था, और मैं सातवीं स्ट्रीट में ही अपने ऊपर के कमरे में लेटा हुआ था, और किसी ने मुझ से कहा था, '' अपने पैरों पर खड़ा हो जा।'' और मैं जाग कर खड़ा हो गया। और मैंने देखा, कि जैसे मानो यह एक बहुत बड़ी जगह थी; और यह एक ऐसी सी जगह थी, जहाँ एक घाटी में से होकर एक नदी बहती थी। *और मैं वहाँ उस नदी पर पहुँचा, और मैंने यह समझा, कि यह वह स्थान था जहाँ पर यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला लोगों को बपतिस्मा दिया करता था; और लोगों ने उसे सूअर के रहने की एक बहुत बड़ी जगह में तबदील कर दिया है। और मैं उस के कारण बड़ी ही भयंकर हालत में था, मैं बस यह कह रहा हूँ, कि* ***ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। और जबकि मैं वहाँ पर था, वहाँ पर एक शब्द था जिसने मुझसे बात की और वह मुझे ऊपर उठाकर ले गया; और मैंने टेबरनिकल पर दृष्टि डाली जैसाकि वह इस समय अपनी हालत में है, परन्तु वहाँ पर इतने ज्यादा लोग थे, कि वे सारे के सारे इसी हालत में टेबरनिकल में खचाखच भरे हुए थे, जैसा कि यह इस समय अपनी हालत में है। और मैं खुश था, और मैं प्रचारमंच के पीछे खड़ा हुआ कह रहा था,*** *''हे परमेश्वर, आप मुझे एक टेबरनिकल देने के लिए कितने भले हैं!'' और ठीक उसी समय प्रभु के दूत ने मुझ से बात की और कहा, ''मगर ये तेरा टेबरनिकल नहीं है।'' (मेरी सेवकाई की वर्तमान स्थिति 08/09/62)*

ब्रन्हम टेबरनिकल– उतना ही दोषी है जितना कि बाकी दोषी हैं

''मेरे मित्रों, मैं आपकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता हूँ, और मैं सन्देश के लिए उत्तरदायी हूँ, और वह सन्देश यह है, कि ''उस गड़बड़ी में से बाहर निकल आओ।'' *और अगर मैं आप से बाहर निकलने के लिए कहता हूँ, तो मैं आपकों कहाँ पर लेकर जा रहा हूँ? क्या मैं आपको ब्रन्हम टेबरनिकल में लेकर जाऊँगा? यह तो उतना ही गुनहगार है, जितना कि और बाकी गुनहगार हैं।* ***परन्तु केवल एक ही ऐसा स्थान है जहाँ मैं आपको ले जा सकता हूँ, जहाँ पर आप सुरक्षित हैं, और जहाँ पर आप मौत से बचे हुए हैं, और वह स्थान यीशु मसीह में है, जो कि परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान है।''*** *(परमेश्वर का चुना हुआ आराधना का स्थान 20/02/65)*

तेरा टेबरनिकल जीवन की रोटी और ज्यादा नहीं खायेगा

''यह सन् 1945 के मार्च महीने की सुबह का लगभग तीन बजे का समय था, कि हमारे प्रभु यीशु मसीह ने मुझे एक दर्शन दिया। उसने ऐसा बहुत सी बार किया है, और मैं बड़ी ही नम्रतापूर्वक इसके लिए उसका स्तुति–गुणगान करता हूँ। मैंने अपने बांये ओर दृष्टि डाली, और मैंने पकी हुई चिकनी छोटी रोटी का ढ़ेर देखा। उसी के पास सफेद छोटे छोटे परिन्दे खड़े हुए थे, लेकिन उन्होंने उस में से बहुत ज्यादा नहीं खाया था। इसके बाद प्रभु ने मुझ से कहा, ''क्या तू उन्हें जानता है?'' मैंने कहा, ''जी नहीं!'' मैं उसे बहुत ज्यादा नहीं जानता था। इसके बाद उसने मुझ से कहा, ''वह तेरा टेबरनिकल है और वे आगे को जीवन की रोटी बिलकुल भी न खायेंगे। मैं ही तुझे इस और भेज रहा हूँ।'' इसके बाद मैं पश्चिम की ओर यात्रा पर निकल पड़ा। ***इसके बाद मुझे उस सपाट जगह पर लाया गया जहाँ पर एक मंच खड़ा किया गया था। ऐसा प्रतीत होता था, कि मानो वह एक विशाल तम्बू या एक सभागार के तले था। वहाँ पर मंच के पीछे परदे नीचे को डाले हुए थे। इसके बाद प्रभु ने मुझ से उन परदों को ऊपर उठाने के लिए कहा, और जब मैंने ऐसा किया, तो मैंने जीवन की रोटी का एक बहुत बड़ा पहाड़ देखा। उसके बाद वह बोला, ''इन्हें भोजन खिला।'' और जब मैंने पीछे मुड़ कर देखा, तो मैं श्वेत वस्त्र पहने हुए लोगों को सभी जगहों से आते हुए देखा, जो एक बहुत बड़ी भीड़ बना रहे थे।''*** *(मैं स्वर्गीय दर्शन के प्रति अवज्ञाकार नहीं रहा हूँ)*

तू एक पुराने चलन वाली एक बेदारी की ओर बढ़ रही है, या कहीं और नहीं बढ़ रही है

''इस समय लोग निर्णय लेने की घड़ी पर हैं; तुम्हें तो अपना मन बनाना ही होगा। इस कलीसिया को अपना मन बनाना ही है। हर एक इंसान एक ऐसे मुकाम पर आता है, जहाँ पर ऐसी विकट स्थिति होती है। एक ऐसा समय आया था जब आपको अपने दिमाग को तैयार करना था, आप न्याय के स्थल पर थे। आपको कहना था, '' मैं गुनहगार हूँ, या मैं गुनहगार नहीं हूँ।'' जब आप न्यायाधीश के सामने खड़े होते हैं, तो आपको अपना मन बना लेना होता है। और आज रात्रि ब्रन्हम टेबरनिकल को अपना मन बना लेना है। ***या तो हम आगे को बढ़ रहे होंगे, या हम पीछे लौट रहे होंगे। यह सही बात है। या तो आप म्रिस के लहसुन, और चटपटे मसालों और भोज्यपदार्थों की ओर लौट रहे होंगे, या आप स्वर्गदूतों का भोजन खाते हुए उस प्रतिज्ञा किये देश में जा रहे होंगे, जिसके लिए परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी।*** *या तो तुम पवित्र आत्मा वाली पुराने चलन की बेदारी की ओर बढ़ रहे होगे, या तुम ढुल-मुल किस्म के हो जाओगे, और यहाँ वहाँ चारों ओर भटकते फिर रहे होगे और रॉबिन चिड़िया के जैसे ही उस दिन तक सेब पर ही चोंच मार रहे होगे, जब तक कि तुम मर नहीं जाते हो।* ***आपको अपना निर्णय तो लेना ही होगा; आप ऐसे ही आगे नहीं बढ़ सकते हैं।***(कादेश-बर्निया पर 27/05/56)

मैं तो आपको परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता का उसके अपने निज टेबरनिकल के सम्बंध में ही दिया गया हवाला बतला रहा हूँ, जिसे उसने उस समय से पहले तक उसके ऊँचे वैभव में ऊपर उठाये रखा था। उसने कहा था, कि यह देश में सर्वोत्तम स्थल है, और उसने एक जगह यह भी कहा था, क्योंकि देश में यह सर्वोत्तम स्थल है, अगर मुझे कहीं पर कोई ऐसी जगह विद्यमान मिल जाती है, जो इससे भी बेहतर है, तो मैं इस टेबरनिकल को वहाँ ले जाऊँगा और इसे उस में ही मिला दूँगा, क्योंकि यह सर्वोत्तम है। और मेरे अज़ीजों मैं इस टेबरनिकल के बारे में ठीक ऐसी ही बात कह सकता हूँ, ठीक इस समय जिस वचन का हम प्रचार करते हैं और जिन मापदंड़ों को हम ऊपर उठाए हुए हैं, और जो प्रभु की उपस्थिति हमारे मध्य में हैं, उस के आधार पर मैं कह सकता हूँ, कि यह देश में सर्वोत्तम स्थल है; और दुनिया के कई भागों में यह सर्वोत्तम स्थान है, हम इस जैसा स्थान और कोई ढूँढ़ नहीं सकते हैं। **हालांकि , मैं अपने ह्रदय में सत्यनिष्ठा लिये हुए और तुम लोगों के लिए यह चाहत लिये हुए,**

कि आप अपने जीवन में परमेश्वर और सिद्ध पवित्रता को लिये हुए आगे बढ़ें, अगर मुझे यहाँ इस ज़मीन पर कहीं कोई ऐसा टेबरनिकल मिल जाता है, तो मैं इस वाले टेबरनिकल को वहाँ पर ले जाऊँगा, और इसे ठीक वहाँ पर उसमें एक साथ मिला दूँगा,और अगर वहाँ पर एक ऐसी सेवकाई है, जो उस से भी बढ़कर है जो हमारे पास यहाँ पर है, तो मैं आपकी खातिर उस सेवकाई के तले बैठ जाऊँगा, और मैं कोई ईर्ष्या नहीं रखूँगा, वरन मैं परमेश्वर का ही धन्यवाद करूँगा, क्योंकि मैं एक बात पहचान चुका हूँ, और वह यह है, कि हम परमेश्वर के राज्य की संतान हैं, और हम एक ही उद्देश्य के लिए कार्य कर रहे हैं, और अगर परमेश्वर ही किसी ऐसे पुरुष को भेजता है जिसके पास उससे अधिक है जितना कि यहाँ पर हमारे पास है, तो मैं उस के प्रति अपने आप को नम्र बनाऊँगा, और उस पुरुष के चरणों तले बैठ जाऊँगा, और ''आमीन'' कहूँगा। कैसे भी हो, मुझे आराम की बड़ी आवश्यकता है! अतः मैं वैसा करना चाहूँगा, लेकिन अभी तक तो मुझे वह मिला नहीं है। यह परमेश्वर का ही अनुग्रह है, और यह अत्युत्तेजित होकर कही गई कोई शेखी नहीं है; वरन यह तो तम्बू में महाराजा की चिल्लाहट है। खुदा की मौज़ूदगी ही हमारा मार्ग दर्शन प्रतिज्ञा किये देश की ओर कर रही है। जी हाँ! हम एक और बेदारी की आशा संजोय हुए हैं। केवल एक ही तरीका है, जिससे आपको एक और बेदारी मिल सके, और वह यह है, कि आप पवित्रता और धार्मिकता के उसी पथ पर चलते रहें। आप गौर फरमाते हैं, कि चाहे मैं यहाँ पर ना भी होऊँ, परमेश्वर की उपस्थिति इस भवन में मौजूद रहती है, वह गीतों में मौजूद रहती है, वह भाइयों के मध्य में मौजूद रहती है, वह दूसरे प्रचारकों के संग मौजूद रहती है; और यहाँ तक कि यह सब किसी मनुष्य की वजह से नहीं है, यह तो परमेश्वर ही है जिसकी वजह से ऐसा है। **मैं परमेश्वर का धन्यवादित हूँ, और परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा जो मैं हूँ सो हूँ; और मैं परमेश्वर का अपने उन भाइयों और बहनों के लिए जो यहाँ पर हैं और दूसरे मुल्कों में हैं और जहाँ कहीं पर भी लोग इस सन्देश में परमेश्वर के वचन के लिए खड़े होते हैं, मैं परमेश्वर का उन में से हर एक के लिए धन्यवाद करता हूँ। जी हाँ! हम परमेश्वर के राज्य के लिए ही काम कर रहे हैं।**

अतः इस समय के सन्देश के अनुसार अब जो यह भटकाव शुरू हुआ, वह यहाँ तक कि विश्व की सबसे बड़ी सहभागिता या ऐसम्बली, ब्रन्हम टेबरनिकल से ही शुरू हुआ। भाई ब्रन्हम का वह दर्शन कहता है, कि यह''सूअरों

के स्थान'' में तबदील हो गया था, बिलकुल ठीक यही है, वह जहाँ पर यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला बपतिस्मा दे रहा था। इसने यह भी कहा था, कि वे जीवन की रोटी और ज्यादा न खायेंगे; मैं तुझे पश्चिम की ओर भेज रहा हूँ। इस ने यह भी कहा था, कि यह तेरा टेबरनिकल नहीं है, और यह कोई अस्पष्ट–अनिश्चित बात नहीं थी, यह तो प्रभु का ही दूत था, जो बोल रहा था। हालांकि ऐसा बोला गया था, लेकिन जब भाई ब्रन्हम पश्चिम की ओर गए, तो वहाँ पर एक बहुत बड़ा परदा गिरा हुआ था, , और जब उन्होंने उस परदे को खोला, तो वहाँ पर रोटी का एक पहाड़ था, और श्वेत वस्त्र पहने हुए लोग सभी जगह से वहाँ पर आ रहे थे, और तब प्रभु के दूत ने उन से कहा था, कि इन्हें भोजन खिला। अज़ीजों, मैं विश्वास करता हूँ, कि हम उन लोगों का ही एक भाग हैं जो श्वेत वस्त्र पहने हुए थे, और मैं विश्वास करता हूँ, कि प्रभु के पास सारे संसार भर में ऐसे लोग हैं जिन्होंने श्वेत–वस्त्र पहना हुआ है, और यदि उनके नाम पुस्तके में लिखे हुए हैं, तो वे पवित्रता के सन्देश को ऊपर उठाए रखेंगे, और दिव्य प्रकाशन के द्वारा प्रभु की आमद देखेंगे। मैं सचमुच में इस बात का विश्वास करता हूँ।

अतः हम यहाँ पर इसलिए नहीं है, कि हम इस बात का दावा करें, कि सिर्फ हम ही चुने हुए हैं और सिर्फ हम ही दुल्हन के सदस्य हैं। यह तो एक निरर्थक बात होगी। हम इस बात का भी दावा नहीं करते हैं, कि प्रत्येक जन को यहाँ इसी टेबरनिकल में आना चाहिए इससे पहले कि उसका उद्धार हो, या हम ऐसी कोई भी बात नहीं कहते हैं। हम तो बस यही कह रहे हैं, कि आपको मसीह के पास आना चाहिए; आपको पवित्रता कायम करके रखनी चाहिए, आपको प्रभु की खोज में लगे रहना चाहिए, और आपको यीशु मसीह का दूसरा आगमन समझना चाहिए, और इससे पहले कि स्वर्ग पर उठाया जाना हो, उस समय में परमेश्वर हर उस व्यक्ति को जो चुना हुआ है, उस दिव्य प्रकाशन पर लेकर आएगा। अतः हुआ यह था, जैसे बेदारी की आग बुझ गई थीं, अब ऐसी ही बातें साठ के दशक में तब हुई थीं, जब वे भटक कर दूर होने लगे थे। अब आप कल्पना करें, एक पीढ़ी तो गुजर चुकी है, और आज जो आप यहाँ पर सन्देश और सन्देश के उत्पाद के रूप में देख रहे हैं, वह लोगों की एक पीढ़ी है (चालीस साल और उससे भी ज्यादा वर्ष बीत चुके हैं), और जो आप देख रहे हैं, वह तो सन्देश के अल्पांश तक से मेल नहीं खाता है, सिवाये उन थोड़े से झुंड़ों के, जिन्होंने सत्यनिष्ठापूर्वक परमेश्वर को अपनाया, और सत्यनिष्ठापूर्वक उसके सन्देश को अपनाया, और सत्यनिष्ठापूर्वक इस सन्देश का पालन किये चले जा रहे हैं। परन्तु इस सम्पूर्ण बात की साधारण–सरल बात वही है,जो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कही थी, कि या तो तुम एक और बेदारी पर निकल पड़ोगे, या तुम मर जाओगे। और उन में से कुछ तो एक बेदारी के पथ

पर आगे बढ़ने की बात का विश्वास तक नहीं करते हैं, वे यहाँ तक कि पवित्र आत्मा की एक और बारिश के होने का भी विश्वास नहीं करते हैं; वे तो पवित्र जीवन व्यतीत करने में भी विश्वास नहीं करते हैं; वे तो बस नीचे बैठ जाते हैं और स्वर्गारोहण के लिए इंतज़ार करते हैं। वे तो शैतान के द्वारा बहकाये हुए हैं!

अब मैं आपको और दूसरे वचन के लेखों में यह स्मरण दिलाना चाहता हूँ, कि लोग खुद अपने में अपनी उस हालत के लिए जिम्मेदार नहीं हैं जिसमें वे हैं; इसलिए मैं यहाँ पर अपने इस सन्देश को यह शीर्षक देना चाहूँगाः ''भ्रष्ट प्रचारकों के द्वारा पवित्रता के सन्देश को बिगाड़ा गया।'' प्रचारकों और उनकी सेवकाई ने परमेश्वर के लोगों के साथ विश्वासघात किया है, ठीक जैसा कि मैंने यह बात यिर्मयाह में से पढ़ी थी, कि यहोवा ने उन चरवाहों पर स्राप की घोषणा करी थी, क्योंकि उन्होंने भेड़ों को तितर–बितर कर दिया था, और उन्होंने वह नहीं किया था जो उन्हें करना चाहिए था। क्या ऐसा व्यक्ति विशुद्ध तौर पर एक पास्टर, एक चरवाहा कहलाया जाना चाहिए, जो गलत काम करता हो और परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह खो चुका हो, और परमेश्वर ने उसे नाकार दिया हो? जी हाँ; यिर्मयाह के अनुसार तो ऐसे पास्टरों पर खुदा की फटकार पड़ी हुई है, और तब प्रभु ने कहा था, ''*मैं उनके लिए ऐसे चरवाहे नियुक्त करूँगा, जो मेरी भेड़ चरायेंगे* ।'' बिलकुल ठीक यही काम हर एक युग में हुआ है; और मैं यहाँ पर आपको यह स्मरण दिलाना चाहता हूँ, कि हम प्रचारकों–सेवादारों के तीन वर्गों पर बातचीत कर रहे हैं–

1. पहला वर्ग तो वह है, जो परमेश्वर के सच्चे दास कहलाते हैं।
2. दूसरा वर्ग उन लोगों का है जो सेवकाई करने के लिए अभिषिक्त किये हुए नहीं हैं, यद्यपि हो सकता है, कि वे बुलाए हुए हों; और उनके पास इच्छा रखने वाली हड्डी है और उनके पास कोई रीढ़ की हड्डी नहीं है; और वे कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित लोगों का एक झुंड़ है।
3. और इसके बाद हम प्रचारकगणों के उस एक झुंड़ के बारे में बातचीत कर रहे हैं, जो अंत समय के वे झूठे अभिषिक्त हैं, जिनके लिए भविष्यवाणी की गई थी, कि वे यहाँ पर मोहरों के खुलासे के बाद उठ खड़े होंगे।

हमेशा ही यह ऐसा ही वर्गीकृत रहा है।ये चरवाहे जिन्हें यहोवा ने यिर्मयाह 23 के द्वारा – डाँटा–फटकारा था, वे असली चरवाहे थे। वे भविष्यद्वक्ता जिन्होंने अहाब के लिए नबूवत की थी, वे जन्मे हुए भविष्यद्वक्ता थे, वे इस्राएली भविष्यद्वक्ता थे; परन्तु बाइबल में आपकोऐसे याजक–पास्टर मिलते हैं जो पिछड़ गये थे और आपको ऐसे भविष्यद्वक्ता मिलते हैं जो पिछड़ गये थे। ''परमेश्वर के वरदान और बुलाहट बिना प्रायश्चित के ही मिल जाते हैं।''अतः

उन में से कुछ के पास असली–सच्चे वरदान होते हैं, लेकिन उन्होंने कभी प्रायश्चित नहीं किया होता है, उनका कभी पवित्रीकरण नहीं हुआ होता है, उनका कभी नये सिरे से जन्म नहीं हुआ होता है, उन्होंने कभी पवित्र आत्मा नहीं पाया होता है, यही कारण है, कि वे परमेश्वर की कलीसिया की अगुवाई करने के लिए अयोग्य हैं। और फिर यह भी है, कि परमेश्वर का एक और दास–सेवक होता है, जो असली–सच्चा होता है और वह पवित्र आत्मा की बाट जोहता है, और वह अपने स्वभाव के बदल जाने की प्रतीक्षा करता है, ताकि वह परमेश्वर के लोगों की अगुवाई कर सके। (रोमियों 12वाँ अध्याय) और इसके बाद वे भी हैं, जो शैतान की पाँच प्रकार की सेवकाइयों को अंजाम देते हैं। भविष्यवाणी के अनुसार शैतान की पाँच–प्रकार की सेवकाई है, जो ठीक इस समय सन्देश के अर्न्तगत होकर ही काम कर रही है; और हम आपको इस बारे में बताने के लिए काफी आगे तक जा सकते हैं, कि एक पुरुष था, जिसने सफेद वस्त्र पहने हुए थे, जो कि बीज बोता था, और वहीं पर एक और पुरुष था जो काले वस्त्र पहने हुए आया और उसने कड़वे दाने बोये। एक तो मनुष्य के पुत्र की सेवकाई थी, जिसने अच्छे दाने बोये थे, और जो उसके बाद वाला था, वह शैतान की पाँच प्रकार की सेवकाई थी–भविष्यद्वक्ता, आठवें दूत, शिक्षक तथा इसी प्रकार के और दूसरे; और उन्होंने संसार में चारों ओर जाकर अपने कड़वे दाने बो दिये।

अतः ठीक इस समय जो सन्देश है, वह इनका मिला–जुला मसौदा है, लोग सेवकदारों–प्रचारकों की इन तीन श्रेणियों को अलग अलग नहीं कर सकते हैं।अतः अब जब आप उस झूठे अभिषिक्त को छूते हैं, तो आप पायेंगे, कि कुछ निश्चित लोग अपने पास्टर से इतना प्यार करते हैं, कि वे कहते हैं,''तुम्हें कभी भी हमारे पास्टर के बारे में बुरी बातें नहीं करनी चाहिए।'' अगर उसकी आँख काली हैं, तो वह काली ही तो रहेंगी; अगर उसकी आँख सफेद हैं तो वह सफेद ही रहेंगी। अगर किसी मनुष्य के पास यह परखने की समझ है, कि वह पुरुष या वह पास्टर परमेश्वर के वचन से भटक गया है, तो उसे चाहिए, कि वह उसे डाँटे–फटकारे। अगर उसके पास यह जानने का एक प्रकाशन है, कि वह तो प्रत्यक्ष रूप से शैतान का ही दास–सेवक है, तो उसे इस बात की जरूरत है, कि वह उसे डाँटे। अब, हो सकता है, कि आप के पास–मंड़ली के पास परखने की वह समझ न हो, यही कारण है, कि परमेश्वर ने आपके ऊपर एक चरवाहे को ठहरा कर रखा है और उसे अवश्य ही भेड़ियों को, और इन झूठे अभिषिक्तों को जान जाना चाहिए। अब इस सेवकाई के अच्छे और बुरे दोनों ही पहलू हैं। शैतान की एक सेवकाई है; और यीशु ने भविष्यवाणी करके कहा था, कि झूठे नबी उठ खड़े होंगे, और वे तुम्हारे पास भेड़ की खाल ओढ़े हुए आयेंगे, और उसने कहा था,'' झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु अंतर में फाड़खानेवाले भेड़िये हैं।''

अतः अब, ये झूठे नबी, पास्टर, शिक्षक, मिशनरी, या वे जो कोई भी हैं, वे कोमल से दिखाई देनेवाले, मृदुल, चेहरे पर मुस्कराहट धरे हुए और भले सज्जन के रूप में आते हैं। ऊन बढ़िया, शानदार, मुलायम चीज होती है। वे भेड़ की खाल ओढ़े हुए आपके पास आते हैं, वे बड़े ही बढ़िया से लगते हैं, वे बड़े ही भले–सज्जन से लगते हैं, वे मुस्करा सकते हैं, और उनका बड़ा ही शानदार व्यक्तित्व होता है। जी हाँ! अब यदि आप के पास शैतान को और उस मसीह विरोधी आत्मा को परखने की आत्मा नहीं है, जो कि मोहरों के समय से खुली छोड़ दी गई थी, तो आप उस उत्तमता को ही निहराने लगेगें, कि वह ऊन कितना ऊतम है। मगर चरवाहे के पास उस मसीह–विरोधी आत्मा को परखने का एक प्रकाशन है, जो मोहरों के खुलासे से ही प्रकट हो गई थी; हो सकता है, कि आप भेड़ की खाल में भेड़िये को न देख सकते हों, मगर पास्टर ठीक वहीं पर ऊपर खड़ा होता है और कहता है,'' वह भेड़िया है। उस पोटली में एक भेड़िया है, वहाँ उस भेड़ की खाल में एक भेड़िया है।'' इसके बाद वह चरवाहा एक लाठी लेकर उस खाल की पिटाई करता है, और वह उस भेड़ की खाल को तब तक पीटता है, जब तक कि उस में से भेड़िया कूद कर बाहर नहीं निकलकर भाग जाता।

अतः अब चाहे जो कोई वैसा करता हो, उजियाला उसे प्रकट कर देता है। अतः अब आप उन बढ़िया प्रचारकगणों को देख सकते हैं, जो कहते हैं,''ओह, वे वचन लेने जा रहे हैं।'' भाई, आप उस रीति से भेड़ियों को नहीं जानते हैं। आपको तो चरवाहे वाली लाठी का इस्तेमाल करना होता है, और जब आप चरवाहे वाली लाठी लेकर उस पर एक ज़ोर का प्रहार करते हैं, तो वह वैसी आवाज़ करता है जैसे खाली चीज पर चोट करने पर आवाज़ निकलती है, क्योंकि वह लाठी उस भेड़ियों को नहीं लगी है, अतः यह उस पर लगी हो, जो वहाँ पर खाली जगह होती है और आपको एक खास किस्म की आवाज़ सुनायी पड़ती है; आप सुनेंगे, कि उन्होंनें कुड़कुड़ाना शुरू कर दिया है, आप सुनेंगे, कि वे प्रकाशन को ग्रहण नहीं कर सकते हैं; और इसके बाद जब आप एक और लाठी मारते हैं, तो यह पिटाई–यह ताड़ना, ऐसा करेगी, कि वह भेड़िया पोटली में से फुदक कर कर बाहर निकल आये और वह दौड़ लगाने लगे, और तब भेड़ देखेंगी और कहेंगी,'' मगर रुको; यह तो एक भेड़िया है।'' अतः आप देखते हैं, कि भाइयों आप खुद अपनी अगुवाई नहीं कर सकते हैं, आपको एक चरवाहे की जरूरत होती है। यही कारण है, कि परमेश्वर ने आपको एक चरवाहा दिया है, क्योंकि आप खुद अपनी अगुवाई नहीं कर सकते हैं। जी हाँ! अतः चरवाहे के पास अवश्य ही परखने की समझ होनी चाहिए, कि वह भेड़िये को जान जाये; और यही कारण है, कि मैं कह रहा हूँ, कि अगर चरवाह असलियत में परमेश्वर का बुलाया हुआ, परमेश्वर की आत्मा

से अभिषिक्त किया हुआ, नया जन्म पाया हुआ है, और उसके पास मोहरों के खुलने का प्रकाशन है, जो कि मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है, और पाप के पुत्र का प्रकाशन है, तो फिर यह पूरी तौर से असम्भव हैं, कि उसे भरमा दिया जाये; क्योंकि वह तो परमेश्वर की आवाज़ सुनता है और वह किसी पराये के पीछे नहीं चल सकता है। और सन्देह की किसी भी छाया से परे यह बात है, कि आप ठीक उसी प्रकार की सेवकाई के तले बैठे हुए हैं। हो सकता है, कि आप उन चरवाहों, उन सेवकगणों के आधीन बैठे हुए हों, जिनके पास शैतान का अंक हो, और आप उन कुछ निश्चित बातों के लिए जिनके लिए हम डाँटते–फटकारते हैं, आप अपने दुनियावी दिमाग से यह सोचते हों, कि हमें उस बारे में कदाचित प्रचार नहीं करना चाहिए। एक व्यक्ति इसलिए परेशान हो गया था, क्योंकि एक झूठे प्रचारक को यहाँ से बाहर निकाल दिया गया था। और ऐसा करना तो सेवकाई का फर्ज़ है। यह आपका काम नहीं है।(सभा कहती है, ''आमीन'') हमें उसके लिए जवाब देना होगा। वह पुरुष उन तथा–कथित गर्जनों का वर्षो तक प्रचार करने के बाद भी व्यभिचार करने में लगा रहा, और वह दस या बारह साल व्यभिचार में ही जीवन व्यतीत करता रहा, और उसके बावजूद बिना प्रायश्चित किये प्रचारमंच पर फिर से खड़ा होना चाहता था; और उसके बाद भी वह खुद अपने को यहाँ ऊपर दिखलाना चाहता था और परमेश्वर के संतों के बीच में बैठना चाहता था। जी नहीं, ऐसा नहीं हो सकता! ऐसा नहीं हो सकता है, कि कोई इंसान इतनी भ्रष्टता में जीये, और फिर भी प्रचारमंच पर फिर से खड़ा होना चाहे, और उसे एक प्रचारक के रूप में स्वीकार भी कर लिया जाए। यह तो पवित्रता के मापदंड़ों के खिलाफ है; और मैं यह बात आपको आज रात्रि परमेश्वर के वचन में से दिखलाऊँगा। जी हाँ!

''हे ***प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यंत परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं, तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना,*** *कि उस विश्वास के लिए पूरा यत्न करो, जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था। क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य चुपके से हम में आ मिले हैं, जिनके इस दंड़ का वर्णन पुराने समय में पहले से ही लिखा गया था;* ***ये भक्तिहीन हैं, और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते हैं, और हमारे अद्वैत स्वामी और प्रभु यीशु मसीह का इंकार करते हैं।''***(यहूदा 1–4)

अब, बिलकुल ठीक यही काम इस सन्देश के अन्तर्गत दोहराया गया है। परमेश्वर के सन्देश के अन्तर्गत हमारे पास ऐसे पुरुष हुए हैं जो चुपके से अंदर घुस आये हैं। ये वे झूठे अभिषिक्त हैं, जिनके बारे में भाई ब्रन्हम ने भविष्यवाणी करी थी। आप झूठे अभिषिक्तों को

नहीं जानते हैं। इसके लिए तो आपके चरवाहे के प्रकाशन की जरूरत होती है, कि उन झूठे अभिषिक्तों को जान लिया जाएं। सच्चे चरवाहे के बगैर आप नाश हो जायेंगे। इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप कितना ज्यादा पढ़ सकते हैं; आप कितना ज्यादा लिख सकते हैं; आप कितना ज्यादा अध्ययन कर सकते हैं, आप कितनी ज्यादा जाँच–पड़ताल कर सकते हैं, आप कितनी ज्यादा जासूसी कर सकते हैं, मेरे अज़ीजों, इसके लिए तो परमेश्वर के अनुग्रह की ही आवश्यकता होती है, कि आप पर इसकी गवाही दे, कि वह परमेश्वर का ही एक चरवाहा है, और यदि आप उस चरवाहे का अनुकरण करते हैं, तो आप बिलकुल ठीक बाहर निकलकर आयेंगे। यह बिलकुल ठीक बात है।

''परन्तु जिस प्रकार उन लोगों में झूठे भविष्यद्वक्ता थे, उसी प्रकार तुम में भी झूठे उपदेशक होंगे, जो नाश करनेवाले पाखंड़ का उद्घाटन छिप छिपकर करेंगे, और उस स्वामी का जिस ने उन्हें मोल लिया है, इंकार करेंगे और अपने आप को शीघ्र विनाश में डाल देंगे। और बहुतेरे उनकी नाई लुचपन करेंगे, जिन के कारण सत्य के मार्ग की निन्दा की जायेगी। और वे लोभ के लिए बातें गढ़ कर तुम्हें अपने लाभ का कारण बनायेंगे, और जो दंड़ की आज्ञा उन पर पहले से हो चुकी है; उसके आने में कुछ देरी नहीं होगी, और उनका विनाश ऊंघता नहीं...''(2पतरस 1–3)

और उपरोक्त पंक्तियाँ इन भ्रष्ट लोगों के बारे में ही उल्लेख करती हैं, जो उस सन्देश के अन्तर्गत चले आ रहे थे। अब शैतान की योजना बदलती नहीं है। ठीक इसी सन्देश के तहत हमारे पास शैतान की एक पाँच प्रकार की सेवकाइयाँ हैं; मैं उसके लिए अफसोस जाहिर नहीं करता हूँ; और हमारे पास परमेश्वर के बुलाए हुए ऐसे पुरुष हैं जो बिना रीढ़ की हड्डी के हैं; और वे जैली फिश और हड्डीरहित प्रचारकों के ही झुंड़ हैं; और जो उन्हें ऐसा बनाता है, वह यह है, कि उन में परमेश्वर के आत्मा की कमी पायी जाती है, उनमें नये जन्म की कमी पायी जाती है; और उन में शैतान को परखने की समझ की कमी पायी जाती है, और शैतान उन पर फुटबॉल के जैसे लात मारता रहता है। लेकिन प्रभु ने कहा था, कि वह ऐसे चरवाहों को, ऐसे पास्टर–याजकों को हटा देगा, और वह अपने लोगों के लिए सच्चे चरवाहे लेकर आयेगा। ठीक इस समय प्रेरितों, शिक्षकों, प्रचारकों, याजकों और भविष्यद्वक्ताओं की ट्रेनिंग चल रही है; ठीक इस समय पृथ्वी पर उनकी ट्रेनिंग चल रही है; लेकिन आपकोअपनी स्थिति तब तक पता नहीं चलेगी, जब तक कि पवित्र आत्मा की वह बारिश आ नहीं जाती है; अतः आप ऊपर न खड़े हों और मेरे लिए यहाँ पर किसी भविष्यद्वक्ता की भूमिका न निभाएं, मेरे यहाँ पर किसी भविष्यद्वक्तनी की भूमिका न निभाएं। इस समय पर किसी भी

मनुष्य का यह दावा करना, कि वह एक भविष्यद्वक्ता है, एक मूर्खतापूर्ण बात ही होगी, जब तक कि परमेश्वर उसे एक सुनायी देने वाली आवाज़ के द्वारा न बुलाए और उसे उसके बारे में न बताए; बगैर ऐसे तो वह एक निरा मूर्ख ही ठहरेगा; वह मूर्ख ही बनेगा। यही कारण है, कि मैं आपको बताता हूँ, कि ठीक इस समय अगर मैं दावा करूँ, कि मैं एक भविष्यद्वक्ता या ऐसा ही कुछ हूँ, तो मैं एक बहुत बड़ा मूर्ख ही ठहरूँगा। ये यही दिखायेगा, कि मैं परमेश्वर का प्रकाशन नहीं समझता हूँ। परमेश्वर के पुत्रों को उनके स्थान पर ठहराया जाता है और इन कार्यस्थितियों को ठहराया जाता है, जब पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना **देह** में होता है। यही है वह जहाँ पर ''पुत्रों का उनके यथोचित स्थान पर ठहराया जाना'' होता है।

प्रेरितों पर दृष्टि डालिए; उन में से कोई भी पिन्तेकुस्त के दिन तक यह नहीं जानता था, कि कौन क्या है; जब तक कि ऊपर की कोठरी में पिन्तेकुस्त न आ गया उन में से कोई नहीं जानता था, कि कौन क्या है; उन में से कोई नहीं जानता था, कि वे क्या थे। परन्तु इससे पहले वे लड़-झगड़ रहे थे और कह रहे थे,'' परमेश्वर के राज्य में कौन सबसे बड़ा है?'' यीशु ने कहा था, जब तक कि तुम अपने आपको नम्र न करो, तुम्हें कुछ प्राप्त नहीं हो सकता है। जब वे ऊपर की कोठरी में जा चुके थे, तो उसी के बाद ही पतरस ने यह कहना शुरू कर दिया था,'' पतरस, जो यीशु मसीह का एक प्रेरित है''; और उसके बाद ही यहूदा ने कहा था,'' यहूदा, जो परमेश्वर का दास है।'' ठीक इस समय जो धरती के मुख मंड़ल पर यह गड़बड़ी पायी जाती है, उसे केवल एक ही चीज सुधार पायेगी, और वह है–नये नियम के प्रेरितों का झुंड़; और परमेश्वर ही उन से इस गड़बड़ी का सुधार करवायेगा। एक और बेदारी होने जा रही है, जो उन्हें दृश्य पर लेकर आयेगी, और मित्र, ये प्रेरित मार्ग पर चले आ रहे हैं। सारे के सारे बर्बादी में नहीं हैं। वह सब कुछ जो हम मलाकी 4 के माननेवालों के मध्य में देख रहे हैं, उन में परमेश्वर के लोग हैं, और परमेश्वर अपने लोगों से प्रेम करता है, और उनकी छुड़ौती की खातिर ही परमेश्वर नये नियम के कुछ प्रेरितों को आज़ाद करेगा। क्या आप नहीं जानते हैं, कि परमेश्वर की यह योजना है, कि वह अपनी कलीसिया का सुधार करे? परमेश्वर की जो कलीसिया का सुधार करने के लिए सर्वदा योजना रही है, वह उसके प्रेरित ही हैं, जिनके द्वारा वह उसका सुधार करता है। आप ज़रा नये नियम पर दृष्टि डालकर देखें, अगर कभी कलीसिया में कोई गड़बड़ी हुई तो उन्होंने पतरस के पास बुलावा भेजा; उन्होंने पौलुस के पास बुलावा भेजा; और प्रेरित को वहाँ पर आना होता था, और उसे उस गड़बड़ी का सुधार करना होता था। ठीक इस समय संसार के विभिन्न भागों में परमेश्वर के लोगों के मध्य में ये वरदान कायम होते चले जा रहे हैं, और कुछ समय में उनका साक्षात् प्रकटीकरण होगा। मैं वर्षा के बहुत बड़े जल का शब्द होते हुए सुन रहा हूँ। जल्द ही कुछ न कुछ घटित होने वाला है! जी हाँ!

अतः आज सन्देश का विश्वास करने वाले लोगों के मध्य में विश्वासी जन सबसे बड़ी समस्या नहीं हैं, वे तो हमारे भाई और बहन हैं; सबसे बड़ी समस्या तो प्रचारकगणों की मिली–जुली भीड़ है। आप के पास तो परमेश्वर के सच्चे वरदान हैं, कि उन्हें सचमुच में परमेश्वर ने ही बुलाया है, और वे सत्यनिष्ठ हैं। दूसरे ऐसे भी लोग हैं, जो सचमुच में बुलाये हुए हैं, लेकिन बुलाहट और वरदान बिना प्रायश्चित के ही मिल जाते हैं; और इसके बाद लोगों का एक और ऐसा झुंड़ है, जो प्रत्यक्ष रूप से झूठे अभिषिक्त हैं; वे चुपके से घुस आने वाले वे लोग हैं, जिन्हें इस दिन के लिए पहले से ही ठहराया गया था;''वे अधोलोक से आये हैं और वे अधोलोक को ही लौट जायेंगे।'' इस किस्म के लोगों को जानने के लिए और इन दूसरी श्रेणियों से परमेश्वर के सच्चे दास–सेवकों को अलग करने के लिए तो इस बात की जरूरत होती है, कि आपको मसीह–विरोधी के बारे में प्रकाशन मालूम हो, और आप को मनुष्य के पुत्र का भी प्रकाशन मालूम हो।

अतः वह असली दिक्कत जिसने आज इन समस्याओं को उत्पन्न किया है, वह ये झूठे अभिषिक्त ही हैं, और वे परमेश्वर के जन हैं जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया तो सही, परन्तु उन में कुछ भी भला नहीं पाया जाता है; उनके पास कोई प्रकाशन नहीं है; उनके पास कोई स्टैमिना या अन्दरूनी–बल नहीं है। सारी दुनिया की खिलाफत में आप खड़े रह सकें, ऐसा स्टैमिना या अन्दरूनी बल तो सिर्फ एक ही वस्तु दे सकती है, और वह है नये सिरे से लिये हुए जन्म का अनुभव। वह एक मात्र वस्तु जो आपको ''मार्ग के बीचोबीच'' रख सकती है, कि आप सालों साल पवित्रता के सन्देश पर चलते रहें; वह है –नये सिरे से लिये हुए जन्म का अनुभव; और यह एक प्रकाशन है। अज़ीजों, जैसाकि पिछली रात को एक भाई ने बिलकुल सही बात कही थी; उसने कहा था,'' अगर आपके पास घर में दो बच्चे हैं, तो उनको काबू में रखना कठिन होता है; और यहाँ पर तो आपके पास लगभग आठ सौ लोग हैं; और यह कलीसिया बिलकुल ठीक चल रही है; सब कुछ बिलकुल कायदे में चल रहा है।'' प्रिय, यह तो केवल आम समझ है। अगर कोई मनुष्य सत्यनिष्ठ और ईमानदार है, ; और मेरा यकीन है, कि वह भाई इस बात में ईमानदार है, कि यहाँ पर आये और उस बात को परखे और उसे समझे। उसने कहा था,'' भाई, घर में दो बच्चों को ही सम्भालना मुश्किल हो जाता है; और इसके लिए , कि आपके पास यहाँ पर इस प्रकार के मापदंड़ हों, परमेश्वर को ही यहाँ पर होना होता है। इसके लिए तो अवश्य ही प्रभु के आत्मा को यहाँ पर होना होता है। होने पाये प्रभु उस भाई को उसकी ईमानदारी और संज़ीदगी के लिए आशीष प्रदान करे। मैंने उस भाई में एक सत्यनिष्ठ आत्मा और भावना परखी है।

कुपन्थीय अनुच्छेद 42

प्रचारमंच के पीछे भ्रष्ट प्रचारक–झूठे गर्जनों ने ऐसे बहुत से पैदा किये

अतः ठीक इस समय जो हमारे पास है, हम उसका इन हवालों के द्वारा अध्ययन कर चुके हैं। भाई ब्रन्हम ने कहा था,'' लोगों की ऐसी हालत प्रचारमंच की कमजोरी के ही वज़ह से है।'' उन्होंने कहा था,'' ऐसा इसी लिए है, क्योंकि उन में से कुछ तो कोमल–नाजुक हड्डीरहित हैं।'' उन्होंने कहा था,'' उन में से कुछ के पास तो रीढ़ की हड्डी की बजाये इच्छा रखने वाली हड्डी ही है।'' एक और हवाले में उन्होंने कहा था, कि'' वे तो हड्डीरहित प्रचारक हैं। और यही उन्हें जैलीफिश बनाती है; वे जैलीफिश–प्रचारक हैं। एक और टिप्पणी में उन्होंने कहा था,'' वे औरत–सरीखे हैं।'' परमेश्वर के दास के रूप में मैं आज ठीक उसी स्थिति में हूँ, कि बिलकुल ठीक उसी रीति से इस सेवकाई की खूब धुनाई करूँ; कि सफेद को सफेद कहूँ; और काले को काला कहूँ, क्योंकि ठीक ऐसा सन्देश में ही है। जी हाँ! परन्तु उनके पास तो सन्देश के चौगिर्द बहुत ज्यादा प्रेम सुसमाचार हैं, कि वे कहते हैं,'' उस टेबरनिकल के विरोध में कुछ न कहों; इस भाई के विरोध में कुछ न कहो; कुछ भी न कहो।'' अगर वे गलत हैं, तो वे गलत ही हैं; अगर उनकी आँख काली हैं, तो वे काली ही हैं; अगर वह सफेद है तो वह सफेद ही है। ठीक इसी रीति से ही तो सच्ची कलीसिया मार्ग के बिलकुल बीचोबीच चलने जा रही है। अगर वे कोमल–नाजुक हड्डीरहित हैं, तो वे कोमल–नाजुक हड्डीरहित ही हैं। अगर वे हड्डीरहित हैं, तो वे हड्डीरहित ही हैं; अगर वे जैलीफिश हैं, तो वे जैलीफिश ही हैं। अगर उनके पास इच्छा रखने वाली हड्डी है, तो उनके पास इच्छा रखने वाली हड्डी ही है। अगर वे व्यभिचारी हैं, तो वे व्यभिचारी ही हैं; अगर वे धोखेबाज़ हैं तो वे धोखेबाज़ ही हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के लोगों को परगंदा कर रहे हैं।

अतः इस समय ये भ्रष्ट प्रचारक जो इस सेवकाई के तहत अंदर आ गए हैं, एक बड़ी समस्या हैं। लेकिन संसार में चारों और परमेश्वर के कुछ–एक ऐसे असली–सच्चे सेवक हैं, जो सचमुच में इस सन्देश से प्रेम करते हैं, और नबी के सन्देश की पवित्रता को ऊपर उठाये रखने के लिए पुरज़ोर कठिन मेहनत–मशक्कत करते हैं; लेकिन मैं आपको बताता हूँ, कि इस समय इस सेवकाई में ज्यादा तादाद में भ्रष्ट प्रचारक ही हैं। अगर आप अपने आसपास की स्थानीय जगहों पर नज़र डालकर देखें, और आप उन प्रचारकों का इतिहास मालूम करें, जो इस समय इस देश में सन्देश की बागडोर अपने हाथों में थामे हुए हैं, उन में से तीन–चौथाई तो ऐसे हैं, जो किसी न किसी समय व्यभिचार और कामुक अनैतिकताओं में लिप्त रहे थे। मेरे पास इसका इतिहास है। मैं जानता हूँ, कि वे कब सन्देश में आए, और मैं जानता हूँ, कि ठीक

इस समय वे कहाँ पर काम कर रहे हैं, और मेरे पास उनका इतिहास है। अतः इस समय ये भ्रष्ट प्रचारक ही वह सबसे बड़ी समस्या हैं, जिनकी वजह से लोग आज इस दशा में हैं; और मैं आपको कुछ दिखाना चाहता हूँ। जब कोई व्यक्ति इस प्रचार मंच पर या किसी भी प्रचारमंच पर आने के बाद व्यभिचार में जिन्दगी बिताता है...हम यहाँ पर इसे अनदेखा नहीं करते हैं...जब वह व्यभिचार–दोगलेपन में जीवन व्यतीत करता है, व्यभिचार में जीवन व्यतीत करता है, जब वह बच्चों के साथ छेड़खानी करनेवाला बन जाता है, जब उसपर हत्यारे का आरोप लगा हुआ होता है, जब कि वह इस बात का दावा करता है, कि वह एक मसीही है, और परमेश्वर के वचन का प्रचार करता है, और दावा करता है, कि उसकी सेवकाई तो पाँच प्रकार की सेवकाइयों में से एक है, तो परमेश्वर के वचन के अनुसार वह इस सन्देश के लिए एक तौहीन है, और वह प्रचारमंच पर खड़े होने के लिए पूरी तरह से अयोग्य है। ये इस किस्म के लोग हैं जिनकी वजह से ही लोग आज ऐसी हालत में हैं। उन्हें तो उनके ही हाल पर छोड़ दिया जाए; खुद लोग ही वचन पढ़ें, और सन्देश में दृष्टि डालकर देखें, तो वे समझ जायेंगे, कि पवित्रता क्या है। परन्तु ये अभागे–कंगाल दुराचारी, दोगले, झूठे अभिषिक्त सन्देश के अंदर दुबक कर चुपके से रेंगते हुए अंदर आ गए हैं, मगर उनका स्वभाव नहीं बदला है। वे सुसमाचार का तो प्रचार करने के बिलकुल भी काबिल नहीं हैं। और आज रात्रि मैं यहाँ पर किसी बात का ऐलान करना चाहता हूँ,और वह यह है–किसी भी समय उस किस्म के भ्रष्ट पुरुषों को जिन्होंने इस सन्देश का प्रचार करने के बाद भी व्यभिचार, दुराचार, बच्चों से छेड़खानी की, और जो पिछले समय में हत्यारे रहे और जो पिछले समय में रुपये–पैसों की धांधली करने वाले रहे वो इस प्रकार के नीच किस्म के पापों को करने के दोषी रहे हैं, और वे ऐसे लोग रहे हैं, जिन्होंने इस सन्देश का प्रचार करने के बाद भी ऐसे ऐसे कामों को किया, और वे पाप के ऐसे नीच कामों में लिप्त रहे, फिर भी प्रचारकगण उन्हें प्रायश्चित के आधार पर प्रचारमंच के पीछे लेकर आते हैं, और उस किस्म के पाप को माफ कर देते हैं, जो दाऊद ने किया था, तो मैं कह रहा हूँ, कि यह एक निन्दनीय कुपंथ है। मैं यह ऐलान करता हूँ, कि वह एक कुपंथ ही है। वह कोई भी जो उस किस्म के पाप करता है या परमेश्वर के लोगों की गलत अगुवाई करता है, या परमेश्वर के लोगों को वैसे ही तितर–बितर कर देता है, जैसा कि यिर्मयाह 23 में पाया जाता है... गौर फरमाएं, जब वे याजक, जिन्हें हालांकि परमेश्वर के द्वारा ही बुलाया गया था, और उन्होंने अपने जीवन में परमेश्वर की बुलाहट महसूस की थी, जब उन निश्चित कामों की किया, कि भेड़ों को तितर–बितर कर दें, उन्हें भटका दें, और वे कभी भी उनकी सुधि लेने नहीं गए, और कभी भी उनकी तलाश में नहीं निकले और उन्हें भेड़शाला में वापस लेकर नहीं आए, तो परमेश्वर के न्याय उन पर हैं, कि वह उन पास्टरों–

याजकों का इंसाफ करे, और दूसरे चरवाहों को भेड़ों के लिए चुने, और परमेश्वर ने कहा भी था,'' मैं जाऊँगा और उन्हें ढूँढ़ निकालूँगा, और उन्हें विभिन्न देशों से लेकर आऊँगा और उन्हें भेड़शाला के अंदर लेकर आऊँगा।'' मैं विश्वास करता हूँ, कि यह भविष्यवाणी आज के लिए बिलकुल उपयुक्त है, क्योंकि वह खुदा है, जो बदलता नहीं है। इन व्यभिचारियों–दुराचारियों ने, इन झूठे अभिषिक्तों ने, धन–दौलत के इन चाहनेवालों ने परमेश्वर की भेड़ों को तितर–बितर किया है, और परमेश्वर ही चरवाहों को बाहर भेजेगा और वह अपनी भेड़ों को एक ही भेड़शाला के अंदर इकट्ठा करेगा।

यह एक बहुत ही भंयकर कुपंन्थीय कार्य है, कि उस किस्म के पुरुष को प्रायश्चित के आधारों पर प्रचारमंच के पीछे बुलाया जाए; और मैं तो यह कहूँगा; कि कोई भी प्रचारक गिर सकता है, कोई भी डीकन पाप में गिर सकता है, और वह प्रायश्चित कर सकता है और परमेश्वर उसे अनुग्रह प्रदान कर सकता है, और उस मनुष्य को प्रायश्चित किये हुए पापी के रूप में बचा सकता है; लेकिन उसे इस बात की जरूरत है, कि वह मंड़ली में लोगों के साथ बैठे, और दया के लिए परमेश्वर से भीख माँगे, और परमेश्वर के वचन की वैसी नामधराई करवाने के कारण अपने जीवन के सारे दिन दया के लिए भीख माँगता रहे और परमेश्वर को पुकाराता रहे। मैं आपको नीति वचन 6:32–33 का हवाला दे रहा हूँ। बाइबल कहती है,''***परन्तु जो परस्त्रीगमन करता है, वह निरा निर्बुद्ध है।***'' वह जो ऐसा करता है, बाइबल उसके बारे में कहती है, कि'' ***वह अपने प्राणों को नाश करता हैऔर उसकी नामधराई कभी नहीं मिटेगी।''कोई भी मनुष्य जिसने इस प्रकार के पापों में जीवन व्यतीत किया; वह कोई भी पुरुष जो झूठी शिक्षा लेकर आता है, वह कोई भी पुरुष जो झूठे मत–सार लेकर आता है, कि परमेश्वर के भेड़ें तितर–बितर हो जायें, चाहे कोई भी प्रचारक, कोई भी पास्टर, कोई भी तथाकथित भविष्यद्वक्ता वचनविरोधी शिक्षा लेकर आता है और किसी निश्चित शिक्षा का, किसी भी निश्चित कुपंथ का पालन करवाने के लिए परमेश्वर की सन्तानों को गुमराह करता है, तो मेरे अज़ीजों, वह खुद अपने आपको अयोग्य साबित कर चुका है। उसने खुद साबित कर दिया है, कि वह नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है।*** उसने खुद ही साबित कर दिया है, कि उसके पास परमेश्वर का आत्मा नहीं है; और उस आधार पर वह अपने कर्त्तव्यों में नाकाम रहा है, और वह जो अपने कर्त्तव्यों में नाकाम रह रहा है, उसे अपने जीवन में फिर कभी प्रचारमंच पर चढ़ना नहीं चाहिए, क्योंकि उसकी नामधराई कभी नहीं मिटेगी, और पहले तीमुथियुस 3 के अनुसार,बाइबल कहती है, '' डीकन या सेवक अवश्य ही निष्कलंक हो; वह एक ही पत्नी का पति हो।'' वह अवश्य

ही निष्कलंक हो। और जब कोई पुरुष ऐसे ऐसे पाप करता है और परमेश्वर की सन्तानों को परमेश्वर के वचन से ही दूर ले जाता है, तो वह कलंकित है, और उसकी नामधराई हरगिज दूर ना होगी। उस जैसे इंसान को तो बस अपनी ही जगह पर बैठे रहना चाहिए।

इस देश में ऐसे ही पुरुष हैं; और मेरे पास उनका इसके बारे में कच्चा–चिट्ठा है , कि जबकि वे प्रचारमंचों पर थे...मैं पच्चीस साल और तीस साल वाले प्रचारकों के बारे में बोल रहा हूँ; जब कि वे प्रचारमंचों पर थे, वे किशोरियों के साथ भी रंगरलियाँ मना रहे थे। मैं आपको बता रहा हूँ। एक पुरुष तो सॉन्ग–लीडर की बेटी के साथ ही रह रहा था, और जब यह बात खुली, तो उसने उस छोटी लड़की से ब्याह रचा लिया। ओह, जी हाँ, और उसने उस छोटी लड़की से ब्याह रचा लिया था, और उसने इसे ढक दिया था और शायद यह बात जग–ज़ाहिर नहीं हुई थी; लेकिन वचन के अनुसार तो यह बात है, कि शादी–ब्याह रचने से आपका स्वभाव नहीं बदल जाता है। ***अगर आप इतनी ज्यादा कुकर्मता और दुष्टता में जीवन व्यतीत करते हैं, तो आप एक घिनौने–बदनुमा इंसान है, और तुम ने परमेश्वर के आत्मा से नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, और तुम्हारे पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है, जिसके लिए तुम दावा करके कहते हो,*** कि तुमने इसे तथाकथित पिन्तेकुस्त में पाया था। तथा–कथित पिन्तेकुस्त किसी परमेश्वर की छाप नहीं दे सकता है। ऐसा होना पूर्णतः असम्भव है।

एक और शख्स मेरे पास रोता हुआ आया था, और उसने मुझे बताया था,''भाई, क्या आप सोचते हैं, कि यह सही है? मेरी बेटी एक पास्टर के घर में रह रही है, और वह वहाँ पर उसके साथ दिन और रात अकेले रहती है। महीने बीतते चले गए, और मुझे यह मालूम हुआ, कि उन दोनों ने शादी कर ली। ऐसे ही घिनौने हाथ इस सन्देश को थाम रहे हैं, और संसार भर में चारों ओर ऐसा ही नमूना देखने को मिलता है।

अभी हाल ही में हमने उसके लिए चुनौती दी थी, जिसे तुम पीडोपाइल कहते हो। यह पीडोपाइल बच्ची या बच्चे के साथ की जाने वाली छेड़खानी होती है, जो कि वर्षों से प्रंचारमंचों पर और इस सन्देश के अर्न्तगत होती रही है, वे जो युवा लड़कियों के साथ छेड़खानी कर रहे हैं, वह ही खुद अपने लिए दावा कर रहा है, कि वे मिशनरी है, और परमेश्वर ने उसे चीन के लिए बुलाया है। यहीं पर वह प्रचारगणों की एक सभा में मौजूद था, और पवित्र आत्मा ने ही उससे बात की, और उसे यह सब जानने दिया था, कि'' श्रीमान मिशनरी, तुम एक तौहीन हो।'' मैं ठीक उसी मामले का इस पुस्तक में उल्लेख करने जा रहा हूँ, और यह हो, कि ठीक यहाँ पर यह इस बात की मिसाल बन जाये, कि लड़कियों के साथ छेड़खानी करने वालों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए, इन

व्यभिचारियों के साथ, छेड़खानी करने वालों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए; इन दोगलों के साथ, इन दुराचारियों के साथ, छेड़खानी करने वालों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए, और इन घिनौने हाथ वाले पुरुषों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए, जो इस सन्देश को थामे हुए हैं। मेरे पास उसकी अपनी गवाही है, जहाँ उसने हम सारे प्रचारकगणों के सामने अंगीकार किया था, कि वह ऐसा करने का दोषी है, और इन सब बातों के बावजूद वह यह तर्कसंगत करने का प्रयास कर रहा था, कि उसे एक प्रचारक बने रहना चाहिए। मैंने उसे बताया, कि तुम एक तौहीन हो; तुम एक अपमान हो, और तुम्हारी नामधराई दूर नहीं होगी, और तुम्हारे लिए केवल एक ही तरीका है, कि तुम बचे रहो, और वह यह है, कि तुम कहीं पर किसी पास्टर-याजक के आधीन नीचे बैठो। मगर वह तो इस बात पर ही अडियल बना हुआ था, कि वह तो एक सेवादार है। मैंने कहा,'' हमारा तुम से किसी भी प्रकार का कोई सम्बंध या कोई लेना देना नहीं है।'' उस प्रकार की आत्मा से निपटने का सिर्फ यही एक तरीका है। भाई ब्रन्हम ने भी उन जैसों के साथ ठीक ऐसा ही करने की सलाह दी है।

अनैतिक जीवन जीने के कारण बाहर निकाल दिया जाए

591-506 ''***मैं सोचता हूँ, कि अगर किसी को संगति में से बेदखल किया जाना है, तो अनैतिक जीवन जीने के कारण या ऐसा ही कुछ काम करने के कारण किया जाए,*** क्योंकि ऐसा करने वाला व्यक्ति संगति के बिलकुल भी योग्य नहीं है, ऐसा व्यक्ति जैसाकि कोई यहाँ अंदर आकर हमारी लड़कियों की बेइज्ज़ती कर रहा हो या हमारी स्त्रियों के साथ गाली-गलौच कर रहा हो, और इसी प्रकार के काम कर रहा हो, और ***फिर भी वह यहाँ पर हम में से एक होने का ढ़ोंग कर रहा हो***..समझे? अब, यदि वह कहीं और बाहर रहता है, और यहाँ अंदर आ रहा है, तो हमें इसके बारे में कुछ करना होता है; ***मगर जब मामला यह आ जाता है, कि कोई उस प्रकार का व्यक्ति आता है, जो अनैतिक है, और हमारी पत्नियों से प्रेम का चक्कर चलाने का या हमारी बेटियों को बेइज्ज़त करने का प्रयास कर रहा है, या आप जानते हैं, कि वह इसी किस्म का कुछ और कर रहा है, या हमारी स्त्रियों के इर्द-गिर्द कुछ अनैतिक-अश्लील हरकतें कर रहा है,*** या हमारे छोटे-छोटे युवा लड़कों को बाहर ले जा रहा है और उनको बिगाड़ने का प्रयास कर रहा है, या ऐसा ही कुछ और करने का प्रयास कर रहा है, तो उन बातों को गम्भीरता से लेना चाहिए और उ***स व्यक्ति को संगति में से बेदखल करके बाहर निकाल देना चाहिए,*** और उसे संगति के साथ प्रभु-भोज लेने की भी इज़ाजत नहीं देनी चाहिए; क्योंकि हम से यह अपेक्षा नहीं की जाती है, कि हम ऐसा करें। हमें ऐसा नहीं करना है। लिखा है,'' अगर वह अयोग्य रीति से खाता है, तो वह प्रभु के लोहू और देह का दोषी है''; उस व्यक्ति पर इस बात का गुनाह होगा।(प्रश्न और उत्तर 12-01-61)

कामवासना वाले अनैतिक''मिशनरी'' पर लगाम कसी गई

प्रिय मिशनरी

आपको मसीही अभिवादन! आपको यह चिट्ठी लिखना अत्यंत आवश्यक हो गया है, जैसाकि आप प्रचारकगणों की सभा में मौज़ूद नहीं हुए, जिसमें आने के लिए तुम्हें हमारे डीकनों में से एक डीकन, भाई फ्रेंक डीओ के द्वारा मध्य मार्च 2002 में आमन्त्रित किया गया था। उस सभा का मकसद उन निश्चित संवेदनशील मुद्दों पर विचार-विमर्श करना था, जिनसे तुम भली-भाँति परिचित हो, और जो तुम्हारी सेवकाई पर तथा तुम्हारे झुंड़ के कुछ लोगों पर प्रभाव डाल रहे हैं। इसके अलावा एक और सभा 8 अप्रैल को हुई थी, जिसमें लगभग 25 सेवादार और डीकन उपस्थित थे। आपके मामले को प्राथमिकता दी गई, और आपके मामले पर पवित्र वचनों और सन्देशों के द्वारा निष्कर्ष निकाले गए, और फैसले लिये गए, और उनपर सभी प्रचारकगणों ने अपनी सहमति प्रकट की। यह सेवकाई आपको इस चिट्ठी के द्वारा उस महत्वपूर्ण फैसले की जानकारी दी रही है।

हम ने जो विचार-विमर्श किया, उस में आप परमेश्वर के वचन के द्वारा, और उसके अभिषिक्त दास-सेवकों के द्वारा इस बात के लिए पूर्णतः अयोग्य पाये गए, कि आप एक पास्टर या एक मिशनरी के रूप में(जैसा कि आपने खुद ही अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनकर अपना ढ़िंढ़ौरा पीटा हुआ है, कि आप एक मिशनरी हैं) किसी भी प्रचारमंच पर फिर से जायें। हमारे ध्यान में इस बात को भी लाया गया, कि अभी हाल ही में आपने अपने घर में ही प्रार्थना-सभाएं करना चालू कर दिया था, जबकि आपके गिरजे को बंद हुए भी कई साल हो गए हैं, तब आपकी टांगे टूट गई थीं, और ऐसा आपके अपने ही पापमय विवेक के द्वारा आप पर दोष लगाने के द्वारा हुआ था।

सेवकाई ने आपको किसी भी मंड़ली में किसी भी कार्यभार पर तैनात रहने के लिए अयोग्य पाया है; क्योंकि हमारे पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं, कि आप कामोत्तेजक अनैतिक किस्म के इंसान हैं; बच्चों के साथ गंदी गंदी हरकतें करनेवाले इंसान हैं। आप ने अपनी कामवासना वाली हरकतों के द्वारा कई लेपालक बेटियों को तथा दूसरे कई लोगों को यौन-उत्पीड़न के द्वारा सताया है, जबकि आप ने कई वर्ष तक प्रचारमंच का इस्तेमाल किया। आपके इन अपराधों की जानकारी आपके अड़ोस-पड़ोस और कलीसिया, और उन लोगों को भी हो गई है, जिनके आप पास्टर बने बैठे थे। उन में से कई इस बात के गवाह हैं, और खुद आप ने भी आंशिक तौर पर अपने इन गुप्त अपराधों का इकरार किया, और आप हमारे पास हमारे कार्यालाय में आकर इसका विस्तृत ब्यौरा देने में नाकामयाब रहे हैं।

सेवकाई को आपके उन दुष्टता भरे, अनैतिकपूर्ण व्यवहार और अपराधों की भी जानकारी है, जो आप ने मासूम– निर्दोष बच्चों के खिलाफ किये हैं, और उनकी वजह से आपको उम्र कैद की भी सज़ा हो सकती है; लेकिन उन्होंने इस बाबत सम्बन्धित अधिकारियों से रिपोर्ट नहीं की, जैसाकि अब यह बात आप भी समझते हैं, क्योंकि उन्हें इस बात का डर था, कि ऐसा करके, कहीं वे पाप न कर लें, और पाप के दोष–भाव ने ही उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। लेकिन कुछ भी हो, हमने सावधानी बरती, कि हमने आपको अपनी बेथेल कलीसिया में प्रचारमंच का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी; जैसाकि हम ने आपके मामले की फाइलों की जाँच–पड़ताल कर ली थी। कुछ भी हो, फिर भी हम ने पवित्र वचन और उस दया और माफी के आधार पर, जो यीशु मसीह के क्रूस से आती है, आपको और आपके झुंड़ को इस बात की अनुमति दी, कि आप हमारी प्रार्थना–सभाओं का आनन्द लें। जैसाकि आप किसी भी प्रचारमंच का उपयोग करने के लिए पवित्र–वचनों की माँगों को कतई पूरा नहीं करते, आपको प्रचारमंच का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी गई; और इसके अतिरिक्त हमारी दया और क्षमा–भाव ने ही ऐसा नहीं करने दिया, कि आपको उन गुप्त अपराधों के विषय में याद दिलाते जो आपने किये हैं; क्योंकि हम यह जानते थे, कि परमेश्वर पवित्र आत्मा की निन्दा करने को छोड़ कर किसी भी पाप को क्षमा कर सकता है; और अपने स्वार्थपूर्ण मकसदों की खातिर वर्तमान समय में प्रकट सत्य को ठुकराना और उसे झूठ कहना ही पवित्र आत्मा की निन्दा करना है। (इब्रानियों 6:4–6; 10:26)हम आपको आपके इस बड़े पाप के लिए चिताते हैं, जैसाकि हम ने आपकी बाबत उन निन्दापूर्ण टिप्पणियों के बारे में सुना है, जो आपने मसीह की सेवकाई के विषय में की हैं।

वचन के अनुसार जो प्रचारक की या सेवादार की योग्यताएं होनी चाहिऐं, उनका ब्यौरा पहले तीमुथियुस की पत्री के तीसरे अध्याय के 1 से 7 पद तक में तथा तीतुस की पत्री के पहले अध्याय में भी पाया जाता है; और वचन के उन लेखों के आधार पर सेवकाई ने आपको किसी भी प्रचारमंच के पीछे खड़े होने के अयोग्य पाया है। परमेश्वर की माँग तो यही है, कि अध्यक्ष निर्दोष हो, और वह परमेश्वर के भवन में और ना बचे हुए लोगों में सुनाम हो। नीतिवचन 6:32–33 यह कहता है,''परन्तु जो परस्त्रीगमन करता है, वह निरा निर्बुद्ध है; जो अपने प्राणों को नष्ट करना चाहता है, वह ऐसा ही करता है। उसको घायल और अपमानित होना पड़ेगा; और उसकी नामधराई कभी न मिटेगी।'' तुम जैसाकि खुद अपने आप नियुक्त हुए एक ऐसे पास्टर और मिशनरी हो, जिसने मासूम–निर्दोष बच्चों के खिलाफ गुनाह करके अत्यंत अपमानजनक रूप में पवित्र वचनों को तोड़ा है; और आपके क्षेत्र में बहुत से लोग इस बात से परिचित हैं; और आपको तो ऐसी नामधराई का बोझा उठाना

पड़ेगा, जो मिट नहीं सकती है। इसलिए आप जैसे निर्लज्ज, ढ़ोंगी–पाखंड़ी के लिए अपने जीवन में फिर कभी प्रचारमंच के पीछे खड़ा होना, शर्मिन्दगी, और अशोभनीय बात होने के साथ साथ दूसरों के लिए ठोकर का कारण और निन्दनीय काम होगा। हमारी तो आपको यही सलाह है, कि आप परमेश्वर की वेदी के पाये पकड़ कर परमेश्वर से रहम की भीख माँगते रहें, ताकि परमेश्वर आपको ऐसे क्रूर अपराध के लिए क्षमा कर दे। आप तो खुद ही अपने प्राण के सर्वनाश पर तुले हुए हैं; और न तो आपने नये सिरे से जन्म पाया है, और न ही आप पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुए है। आप तो अभी भी अपने पापों के अंदर बर्बादी में ही हैं।

आपकी ये अनैतिक आत्माएं आपकी कलीसिया में कुछ और दूसरे सदस्यों पर भी उतर आयी हैं। आप पूरी तरह से इस बात के लिए जिम्मेदार हैं, और परमेश्वर आप से गलत नमूना स्थापित करने के लिए और अपनी अनैतिक–भद्दी आत्मा को मासूम–निर्दोष लोगों पर स्थानान्तरित करने के लिए जवाब माँगेगा। उन बहुत से लोगों ने, जिनपर आपकी आत्मा का प्रभाव पड़ गया था, अपने अपने गुनाह कबूल किये हैं।

हमारे ध्यान में इस बात को लाया गया था, कि आप अपनी साली का चुम्बन करते हो और उसके नितम्बों पर हाथ मारते हो, और उसके सामने मुँह भिचका कर तरह तरह के मुँह बनाते हो, और तुम एक हास्य कीड़ा के रूप में ऐसा करते हो। कुछ लोगों को तो यह भी शक है, कि आप एच. आई. वी. पॉजीटिव हो, जैसाकि आपकी साली भी एड्स की मरीज़ है। इसी प्रकार आपका मसख़रा–स्वभाव बेथेल कलीसिया में साक्षात् प्रकट हो गया था, जिसे बहुत से भाइयों ने आपकी उम्र के कारण अनदेखा कर दिया था। आप ने बच्चों को देखकर तरह–तरह के मुँह बनायें, जो कि एक प्रकार का मूर्खतापूर्ण मसख़रापन है; और इसने बच्चों को इतना ज्यादा डरा दिया था, कि वे डर के मारे आप जैसे पिशाच से दूर भागने की वजह से अपने आप को लगभग चोट पहुँचा लेते। यह सब करने का आपका क्या उद्देश्य था? आपके चरित्र को जानकर यही पता चलता है, कि आपके अंदर छोटे छोटे बच्चों को विभिन्न प्रकार के तौर–तरीकों से सताने की एक आत्मा है; और हमें यकीन है, कि यदि आपको मौका मिल गया होता, तो आपने इन छोटी छोटी बच्चियों, जिन्हें आपने अपने मूर्खतापूर्ण मसखरेपन से सताया; परगंदा कर दिया होता, जबकि आप इस असम्बली में आए थे।

हम जानते हैं, कि आपको धार्मिक और वैधानिक अधिकार है, कि आप अपने जीवन के इस क्रूर–लम्पट, घिनौने–नापसंद किये जानेवाले और घृणित कार्यकलापों में होकर फिर से अपना गिरजा खोल लें, और प्रचारमंच पर चढ़ जाएं; इसलिए हम सिर्फ आपको वचन के आधार पर ही सलाह दे सकते हैं, और आपको प्रायश्चित पर ला सकते हैं, जैसाकि प्रचारकगण आपके विषय में और परमेश्वर की भेड़ों के विषय में सचेत व गम्भीर हैं। अगर आप उसी पथ पर, जो वचन के अनुसार नहीं है और जिस पर आप चल रहे हैं, चलना ज़ारी रखते हैं, तो इस नोटिस के तीस दिन बाद इस चिठ्ठी को सार्वजनिक तौर पर बेथेल कलीसिया में पढ़ दिया जाएगा, और आपको हमारे मध्य में सहभागिता करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परमेश्वर की जिन भेड़ों ने आपकी सेवकाई के अन्तर्गत बैठने से मना कर दिया है, उनका हमारे मध्य में सहभागिता करने के लिए स्वागत है। कृपया यह ध्यान कर लिया जाए, जो कोई भी निवेदन स्वरूप इस चिठ्ठी की बाबत जानकारी हासिल करना चाहता है, तो इसका मैंने अपने पास अधिकार सुरक्षित रखा है–खासतौर पर यह बात उन समूहों के लिए लागू होती है, जिन्हें आप बेथेल कलीसिया के सन्त लोगों के मध्य में से बेदखल होने की अपनी झूठी रिपोर्ट दे रहे हो। होने पाये, आप मसीह में होकर अपना चैन पायें, यही हमारी प्रार्थना है।

मसीह के लिए आपका दास

बेथेल कलीसिया के सेवादार तथा अन्य प्रतिनीधि

तुम उस बात का तीस दिन के अंदर सुधार कर लो वरना तुम हमारे में से एक न रहोगे

*196 अगर किसी भाई ने कोई गलती की है, तो उसके पास जाओ, और देखो, कि क्या आप उससे उस गलती का सुधार करवा सकते हो...**और तब यदि वह आपकी नहीं सुनता है, तो आप अपने साथ किसी को एक गवाह के रूप में ले जाएं। और तब यदि वह उस गवाह को भी अनदेखा कर दे, तो इसके बाद मैं कहूँगा,कि मैं आपके पास्टर साहब को ले कर जाऊँगा। इसके बाद आप उससे कहें, ''मैं इसे कलीसिया को बताऊँगा, और अब से तीस दिन के अंदर, यदि यहाँ पर यह भाई इस मामले का सुधार करने की इच्छा रखे। लेकिन आप ऐसा करना नहीं चाहते हैं।** और यदि आप तीस दिन के भीतर उसका सुधार नहीं करना चाहते हैं, तो उसके बाद यह होगा; कि आप हम में से एक बिलकुल भी ना रहेंगे।'' बाइबल कहती है, **''यदि वह कलीसिया की भी नहीं सुनता है,** तो फिर वह तुम्हारे लिए एक मूर्तिपूजक या समाज के एक आम इंसान के जैसा हो।'' (हम क्यों एक नामधारी कलीसिया नहीं है? 27/09/58)*

ऐसा व्यक्ति नये सिरे से जन्म पाया हुआ नहीं है; मैं यहाँ पर भाई ब्रन्हम का हवाला बताऊँगा–

किसी पुरुष की पत्नी को परगंदा करते हो– तुम नये सिरे से जन्म पाये हुए नहीं हो

'' और अगर अभी भी तुम में दुनिया की बातें मौजूद हैं, तो तुम ने नये सिरे से ***जन्म नहीं पाया हुआ है...और तुम वापस बाहर निकलकर जाते हो, और किसी पुरुष की पत्नी को परगंदा करते हो,*** *और उस पुरुष के घर को तोड़ देते हो....तो तुम अभी तक दुनिया के लिए मरे नहीं हो, तुम उसी के साथ जिन्दा रहते हो, और तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है...**वह जो परमेश्वर से जन्मा है, तुम उसे पाप के सड़े–गले कचरे में फिर से वापस नहीं बुला सकते हो। वह तो उसके लिए मर चुका है, और वह तो नया जन्म पा पुका है। वह तो एक नई सृष्टि है।**(तुम्हें नये सिरे से जन्म लेना अवश्य है 31/12/61)*

इस सन्देश के अनुसार तो यही बात है, कि जब कोई व्यक्ति संसार के पापों की इस गिरावट में गिरता है, तो ये यही दिखाता है, कि उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है।

अविश्वास ही अपवित्रता का बीज है

*15–2 **उस अदन में कोई मौत ना थी...**वहाँ ऐसा कुछ नहीं था––वहाँ और कुछ __नहीं,* वरन पवित्रता, शुद्धता, और अनन्त जीवन ही था। अब, परमेश्वर के सम्पूर्ण वचन पर अविश्वास करना ही शैतान के अदन में अपवित्रता लेकर आया। (शैतान की अदन की वाटिका 29/08/65)

तुम इसलिए व्यभिचार करते हो, क्योंकि तुम विश्वास नहीं करते हो

25 अविश्वास करना ही पाप है। आप वैसा क्यों करते हैं? ऐसा इसी लिए है, क्योंकि आप विश्वास नहीं करते हो...आप झूठे बोलते हो, चोरी करते हो, व्यभिचार करते हो, ऐसा इसीलिए है, क्योंकि तुम विश्वास नहीं करते हो...अब, तुम वैसा इसी लिए करते हो, क्योंकि तुम एक अविश्वासी हो। अगर तुम वैसा करते हो, और तुम कहते हो, कि तुम एक विश्वासी हो, तो तुम एक विश्वासी बिलकुल भी नहीं हो। तुम्हारी खुद अपनी गवाही ऐसा बताती है, तुम्हारे फल ही यह साबित करते हैं, कि तुम विश्वासी नहीं हो। इससे पहले कि तुम एक विश्वासी हो, तुम्हें उससे छुटकारा पाना होता है। (कल्पना में ही मान लेना 08/04/62)

व्यभिचार में जीवन बिताते हो–तुम्हें पवित्र आत्मा नहीं मिला है

193 आप ने उन लोगों को देखा है, जो दावा करते हैं, कि उन्हें पवित्र आत्मा मिला है,

*और **वे व्यभिचार में जीवन बिता रहे होते हैं, और शराब पी रहे होते हैं,** तथा ऐसा ही अन्य सब कुछ कर रहे होते हैं; **उनको यह मिला ही नहीं है।** (दृढ़ता 18/02/62)*

तुम व्यभिचार करते हो–तुम ऐसा इसीलिए करते हो, क्योंकि तुम एक अविश्वासी हो

46 तुम सिगरेट पीते हो–धूम्रपान करते हो, झूठ बोलते हो, चोरी करते हो, शराब पीते हो, व्यभिचार करते हो–तुम यह सब इसीलिए करते हो, क्योंकि तुम एक विश्वासी नहीं हो। एक विश्वासी तो ऐसे काम करता ही नहीं है। (आत्मा के चलाये चलना 07-04-59)

मैं इस बात के खिलाफ हूँ, कि मसीही जन व्यभिचार करे

मेरे पास इसके विरोध में कुछ नहीं है, कि एक पापी शराब पी रहा है। मेरे पास इसके विरोध में कुछ नहीं है, कि एक पापी व्यभिचार कर रहा है, मेरे पास इसके विरोध में कुछ भी नहीं है, कि एक पापी ऐसे काम कर रहा है। परन्तु मैं तो इन लोगों के बारे में ही बोल रहा हूँ, जिन से अपेक्षा की जाती है, कि वे मसीही हों, और फिर भी वे उन कामों को करते हैं। (परम आलौकिक 29/01/56)

''जो कोई परमेश्वर से जन्मा है, वह पाप (अविश्वास) नहीं करता; क्योंकि उसका बीज उसमें बना रहता है; और वह पाप कर ही नहीं सकता; क्योंकि वह परमेश्वर से जन्मा है। (पहला यूहन्ना 3:9)। **परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के अनुसार वह मनुष्य जो व्यभिचार करता है, चाहे वह एक प्रचारक हो, या वह कलीसिया का एक आम सदस्य हो, वह नये सिरे से जन्म पाया हुआ नहीं है, और उस में पवित्र आत्मा का नामोनिशान तक नहीं है। वह तो एक अविश्वासी है। इसलिए ये यही साबित करता है, कि उसके पास कभी कोई दिव्य प्रकाशन नहीं था, और अविश्वास करने वाला स्वभाव अभी भी उसके भीतर ही था; और परमेश्वर के नबी ने कहा था, कि अविश्वास ही अपवित्रता का बीज है।**

मैं इस बात को भविष्यद्वक्ता के शब्दों के द्वारा और पवित्रशास्त्र के द्वारा दोहरा साबित कर रहा हूँ, कि ऐसा व्यक्ति जो बाहर गया और उसने व्यभिचार किया, और तो और ऐसा उसने तब किया जब वह एक प्रचारक था, तो उसका नये सिरे से कदापि जन्म हुआ ही नहीं था;

उसका स्वभाव तो अभी भी भ्रष्ट है; और यीशु ने कहा था, कि उस भ्रष्ट पेड़ के लिए यह पूरी तौर से असम्भव है, कि वह कभी अच्छे फल लगाये। आपके फल ही साबित करते हैं, कि आप एक विश्वासी नहीं हैं; परमेश्वर के नबी ने ऐसा ही कहा था। अगर चाहे तो कोई इस पर शक कर सकता है। इसके बाद यह बात है, कि वह व्यक्ति जिसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, और संसार उसके अंदर है, तो वह कलीसिया की अुगवाई कैसे कर सकता है? वह उद्धार का प्रचार कैसे कर सकता है? वह लोगों को नये सिरे से जन्म कैसे दिलवा सकता है? यदि कोई पुरुष खुद शैतान के द्वारा किसी धर्मसार या कुपंथ के माध्यम से बहकावे में हैं, और वह खुद दो या तीन या चार विभिन्न शिक्षाओं के चलाये चलता है, तो वह परमेश्वर की सन्तानों की मार्ग के बिलकुल बीचोबीच कैसे अगुवाई कर सकता है? यह तो पूर्णतः असम्भव है! यह तो पूर्णतः असम्भव है। अतः अब, ऐसे प्रचारक-सेवादार तो वास्तव में फालतू सेवादारों के कचरे के ही ढ़ेर में होने चाहिएं। प्रचारकों-सेवादारों का एक फालतू ढ़ेर है, जब ये पुरुष ऐसी गिरावट में गिर जाते हैं, और जब वे अपने कर्त्तव्यों से गिर जाते हैं, तो परमेश्वर के पास फालतू-बेकार की चीज के लिए एक ढ़ेर है, जिसके अंदर वह इन प्रचारकों को फेंक देता है। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि ऐसे लोगों का सम्बंध फालतू -बेकार चीजों के उसी ढ़ेर से है। तुम हड्डीरहित प्रचारकों, तुम कह रह हो। तुम कोमल-नाजुक हड्डीरहित प्रचारकों, तुम कह रह हो, तुम बिना हड्डी वाले प्रचारकों, हड्डीरहित प्रचारकों, तुम कह रह हो, कि उनका सम्बंध तो प्रचारमंच से ही है। भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि उनका सम्बंध फालतू-बेकार चीजों के उसी ढ़ेर से है; और मैं उसका विश्वास करता हूँ, जो मलाकी 4 ने कहा था। यही है वह जिससे उनका सम्बंध है।

ऐसे प्रचारक-सेवादारों वाला फालतू-बेकार का ढ़ेर
जो मार्ग में ही ठोकर खा जाते हैं

*23-2 परन्तु हम में से बहुतेरे तो ऐसे हैं जो मसीह के कामों को करने का प्रयास करते हैं, इससे पहले कि हम में से मसीह की छवि दिखाई दे। अब, यहीं तो समस्या है। हम उन बातों को घटित होते हुए देख रहे हैं। आप इसे जानते हैं। मैं इसे जानता हूँ। हम देखते हैं, कि वे मार्ग में ही ठोकर खा जाते हैं। हम प्रचारक-सेवादारों वाला, **मसीहियों वाला फालतू-बेकार का ढ़ेर देखते हैं, जिसके मार्ग में ही ढ़ेर के ढ़ेर लगे हुए हैं। ऐसा इसी***

कारण है, कि वे इसके अंदर सही से नहीं आए। (सिद्ध मनुष्य का डील-डौल14-10-62)

क्या यह शानदार बात नहीं है? परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि वे सुसमाचार का प्रचार करने का प्रयास करते हैं, इससे पहले कि वे अपने जीवन से मसीह की छवि दिखला सकें, और वे उस फालतू-बेकार के ढ़ेर से ताल्लुक रखते हैं, जिसे आप मार्ग में देख सकते हैं। जी हाँ! आइए मैं तीस सेकंड़ों के लिए उसी फालतू-बेकार के ढ़ेर के बारे में उल्लेख कर दूँ-वे कहते हैं,'' तुम जानते हो कि मैं सुसमाचार का प्रचार किया करता हूँ। मैं सन्देश का पालन किया करता हूँ।'' ''मेरे पास कैगोनस नामक स्थान पर एक कलीसिया है।''' तुम जानते हो, कि मैं गर्जनों का प्रचार करता हूँ।''' तुम जानते हो,मैं ही वह पहला शख्स हूँ, जो यहाँ पर गर्जन लेकर आया।''' तुम जानते हो, कि मैं ही वह शख्स हूँ, जिसने एक्सोडस लीडर को बपतिस्मा दिया था।'' जी हाँ, तुम ढ़ोंगी-पाखंड़ी; तुम उसी कचरे के ढेर के बारे में बातें कर रहे हो, जिससे तुम्हारा ताल्लुक है। तुम्हें तो उसी कचरे के ढ़ेर में मौजूद रहना चाहिए, और अगर तुम उसी कचरे के ढ़ेर में मौजूद रहो, तो तुम पर और भी ज्यादा दया हो जायेगी; मगर तुम जो प्रचारमंच के पीछे आ रहे हो, इसके लिए तुम पर परमेश्वर के न्याय आ रहे हैं। गलतियों 5:16, 19, सुसमाचार का प्रचार करने के लिए तुम्हारी भर्त्सना करता है।''...पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे;....शरीर के काम तो प्रकट हैं, अर्थात् व्यभिचार, गंदे काम, लुचपन।''पहला यूहन्ना3:9 भी तुम्हारी भर्त्सना करता है। पहला यूहन्ना 2:16, 19 भी तुम्हारी भर्त्सना करता है। '' क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा, और जीविका का घमंड़; वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार की ही ओर से है। ''अगर तुम यह जानते हो, कि वह धर्मी है, तो तुम यह भी जानते हो, कि जो धर्म के काम करता है, वह उसी से जन्मा है।'' और मत्ती 16:17 कहता है, कि अगर तुम्हारे पास दिव्य प्रकाशन है, तो अधोलोक के फाटक तुम पर प्रबल नहीं हो सकते हैं।अगर किसी भी समय कोई झूठा भविष्यद्वक्ता यहाँ अंदर चलकर ऊपर आ जाता है, और ब्रूस को बहका लेता है, और मैं उसके पंथ के पीछे चलने लगता हूँ, तो ये यही दिखाता है, कि मैंने नया जन्म नहीं पाया है। यही कारण है, कि वे सारे शैतान जिन्होंने मेरे पथ को पार किया, बेनकाब हो गए; क्योंकि आप के पास एक ऐसा पुरुष है, जिसने नये सिरे से जन्म पाया हुआ है, और जो परमेश्वर के आत्मा से अभिषेक पाये हुए है, और जिसे आत्मा के द्वारा वरदान मिला हुआ है, और जिसके पास मोहरों के खुलने के द्वारा एक प्रकाशन है, कि आपकी मार्ग के बीचोबीच अगुवाई करे। यही तो इसका भेद है। जी हाँ! यह मेरी अपनी मंड़ली के लिए है। अगर कोई

कुछ अलग ही विश्वास करता है, तो वह आगे बढ़े और कुछ अलग ही विश्वास करता रहे; लेकिन आप सब उसके गवाह हैं। (सभा कहती है,''आमीन'')

यहाँ पर कभी भी कोई ऐसा झूठा भविष्यद्वक्ता नहीं उठ खड़ा हुआ, जिसने कभी इस मंड़ली में अपनी घुसपैठ बनायी हो। वे इसके अंदर अपनी शिक्षा का अंतक्षेपण करने में कदापि कामयाब नहीं हुए। कोई भी चुनौती यहाँ पर ऐसी नहीं रही, जो हमें दी गई हो, और उसे परमेश्वर के वचन के द्वारा पराजित न किया गया हो। जी हाँ! यहाँ तक कि ऐसा इसी लिए हुआ है, क्योंकि परमेश्वर ही हमारी अगुवाई कर रहा है; और यहाँ पर आपके पास वे लोग हैं जो ठीक वैसे ही प्रशिक्षित हैं। यहाँ पर आपके पास प्रचारकगण, डीकन तथा ऐसे ही पुरुष हैं, जिन्होंने उसी रीति से प्रशिक्षण पाया हुआ है। शैतान को यहाँ पर कोई मौका नहीं मिलता है। जी हाँ! आप अपने प्राण उस पर टिका लें जिसकी मैं आपको शिक्षा देता हूँ, और जिसका मैं आपको प्रचार करता हूँ, क्योंकि मैं आप से दिव्य प्रकाशन के माध्यम से बातें करता हूँ। अतः उन झूठे प्रचारकों को कचरे के ढ़ेर से वापस लाकर प्रचारमंच के पीछे लाना, आपके लिए एक कुपंथ ही होगा। जी हाँ! आप उन पुरुषों को उस फालतू कचरे के ढ़ेर से नहीं ला सकते हैं। प्रचारक की एक योग्यता होती है; डीकन की एक योग्यता होती है; इन कार्यभारों के लिए कुछ ऐसे योग्यताएं होती हैं, जो आसान पर अत्यंत जरूरी हैं। अगर किसी भी समय किसी पुरुष की पत्नी का चाल-चलन ठीक नहीं है, और उसके बच्चों का चाल-चलन ठीक नहीं है, तो अयोग्य ठहरता है। बाइबल इस बात का तीतुस की पत्री के पहले अध्याय के एक से सात पद में और दूसरे तीमुथियुस के तीसरे अध्याय में इसका उल्लेख करती है। बाइबल कहती है, कि सेवादार का घराना अवश्य ही विश्वास में होना चाहिए; और डीकन का घराना अवश्य ही विश्वास में होना चाहिए। क्या यह सही है? (सभा कहती है,''आमीन'') और अगर किसी भी समय किसी प्रचारक-याजक(सेवादार)के घर में पुत्र या पुत्री विश्वास में पिछड़ जाते हैं, तो वह अपनी छत के तले रहते हुए सुसमाचार का प्रचार करना ज़ारी नहीं रख सकता है। यही तो बाइबल है; और हमारे पास इसका भविष्यद्वक्ता का उदाहरण है। बिली पॉल की खुद अपनी गवाही ऐसा बताती है। बिली पॉल ने बताया था, कि जब वह विश्वास में पिछड़ गया था, तो उसके डैडी ने उसे बुलाया, और उसे घर से बाहर निकाल दिया। ओह, हाँ! भाई ब्रन्हम परमेश्वर के जन थे। उन्होंने बिली पॉल से कहा था,''बेटे, परमेश्वर ने मुझे यह घर तुम बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए तथा ऐसा ही काम करने के लिए दिया। अगर तुम उस प्रकार जिन्दगी को ही चलाए रखते हो, तो फिर मैं हमेशा ही तुम्हारा डैडी तो रहूँगा, लेकिन तुम यहाँ नहीं रह सकते हो, मुझे तो सुसमाचार का प्रचार करते

रहना है।'' और वो सुसमाचार का प्रचार करते रहे। क्या आप ने ठीक उसी मिसाल को यहाँ पर उसी रीति से देखा है?(सभा कहती है,''आमीन'') मुझे इससे कोई मतलब नहीं है, चाहे वह मेरी माँ हो, या मेरा पिता हो, या मेरी पत्नी हो, वह चाहे जो कोई भी क्यों न हो; सुसमाचार तो सुसमाचार ही है। जी हाँ! चाहे वह प्रचारक, सेवादार, डीकन, प्राचीन कोई भी हो, जो परमेश्वर के भवन में किसी कार्यभार पर तैनात है, उसे अवश्य ही इस के लिए योग्य होना चाहिए।

अब ये झूठे भविष्यद्वक्ता और झूठे शिक्षक और झूठे पास्टर–याजक ही वे हैं, जो पवित्रता के सन्देश में रद्दोबदल करने के लिए जिम्मेदार है; **और मैं आप पर साबित करना चाहता हूँ, कि यह कितना सहज है। यीशु ने कहा था,''जब तुम बुरे होकर अच्छे फल पैदा नहीं कर सकते हो। निकम्मा पेड़ तो बुरे फल ही लगायेगा, और भला पेड़ अच्छे फल ही लगायेगा।'' और उसने कहा था,''...अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता, और न निकम्मा पेड़ अच्छा फल ला सकता है।'' अगर मैंने सचमुच में नया जन्म पाया हुआ है, अगर मैं इस कार्य को करने के लिए सचमुच में परमेश्वर का बुलाया हुआ और अभिषेक पाया हुआ हूँ, तो आपको दिन और रात इस प्रकार से परमेश्वर से ना तो प्रार्थना करनी होगी, और ना ही परमेश्वर से यह माँगना होगा, कि'' हे खुदा, भाई ब्रूस को विश्वास में पिछड़ने मत देना।'' जी नहीं! एक भला वृक्ष बुरा फल नहीं ला सकता है; यही तो वह बात है जो यीशु ने कही थी। आप किस बात से डरते हैं? परमेश्वर ही इस सब का ध्यान रख रहा है। आप तो बस यही प्रार्थना करें, कि परमेश्वर मुझे और भी ज्यादा अभिषेक दे, आप तो बस यही प्रार्थना करें, कि परमेश्वर मुझे और भी ज्यादा अपना अनुग्रह प्रदान करे; आप तो बस यही प्रार्थना करें, कि परमेश्वर मुझे आगे बढ़ते रहने के लिए और भी ज्यादा अन्दुरूनी–बल और हिम्मत–साहस प्रदान करे। मुझे तो आपके प्रोत्साहन की आवश्यकता है; मुझे तो सब चीजों की आवश्यकता है; लेकिन जहाँ तक विश्वास में पिछड़ने की बात है; मैं विश्वास में पिछड़ नहीं सकूँगा; मैं आपको इस बात का आश्वासन देता हूँ, क्योंकि अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं लाता है, और मैं विश्वास करता हूँ, कि मैं एक अच्छा पेड़ हूँ। बाइबल कहती है, कि यदि तू इन बातों को भाइयों को याद दिलाता रहे, और उन्हें परमेश्वर के वचन से पोषित करता रहे, तो तू एक अच्छा सेवक ठहरेगा; और अगर ये बातें तुझ में बनी रहें, तो तू**

कभी नहीं गिरेगा। एक ऐसे लोग हैं जो कदापि ना गिरेंगे। आप बैठकर उनके गिरने और विश्वास में पिछड़ने की बिलकुल भी फ्रिक न करें। मेरे भाई,'' अधोलोक के फाटक आप पर कभी प्रबल न होंगे।'' महाराजा की चिल्लाहट छावनी में है।

यीशु ने कहा था, ''तुम बुरे होकर अच्छे फल कैसे ला सकते हो।'' अब आइये मैं थोड़ा सा धीमा हो जाता हूँ, और मैं आपको दिखा दूँ, कि समस्या कहाँ पर है। ये बुरे–टुष्ट पुरुष जो इस सन्देश के अन्तर्गत चुपके से रेंगते हुए अंदर आ गए, और जो ये परमेश्वर के दास–सेवक कहलाते हैं, वे ना तो नये सिरे से जन्म पाये हुए हैं, और ना ही उनके पास परमेश्वर का आत्मा है; और बाइबल ऐसों के बारे में कहती है, कि उन में अभी भी पाप का मन है। क्योंकि जब एक बार को पापी (पवित्र आत्मा के द्वारा, नये सिरे से जन्म लेने के अनुभव के द्वारा, मसीह के लोहू के द्वारा) शुद्ध हो गया, तो फिर उस में पाप का विवेक या पाप करने की इच्छा बिलकुल भी नहीं रहनी चाहिए। अतः अब आप देखते हैं, कि आपके पास यहाँ पर ऐसे पुरुष हैं जिन्होंने सन्देश लिया, जिन्होंने बाइबल ली, और मंड़ली के सम्मुख लोगों को प्रचार करने के लिए जा पहुँचे, जब कि वे ऐसे थे, जिनका उनके पापों से, उनकी अभिलाषों से, उनके प्राणों का और संसार की वस्तुओं के लिए जो उनका प्रेम था, उससे उनका कोई शुद्धिकरण नही हुआ था,और उनके दिमाग दुनियावी ही होते हैं। (क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है। क्योंकि शरीर पर मन लगाना तो परमेश्वर से बैर रखना है, क्योंकि वह न तो परमेश्वर के आधीन है और न हो सकता है।) वह तो एक पक्का पापी है, उसने कोई नया जन्म नहीं पाया हुआ है, उसमें पवित्र आत्मा के द्वारा कोई बदलाव नहीं आया है, फिर भी वह बाइबल लेता है और सन्देश लेता है और प्रचार करता है। अज़ीजों, सबसे पहली बात तो यह है, कि जब तक कोई नये सिरे से जन्म न ले, वह परमेश्वर के राज्य को समझ भी नहीं सकता है। वह तो सन्देश समझता ही नहीं है। वह तो परमेश्वर के आत्मा के बारे में कुछ नहीं जानता है; और ठीक ऐसा ही पुरुष यहाँ पर ऊपर आता है, और मंड़ली को प्रचार कर रहा होता है, और जबकि उसका स्वभाव बदला हुआ भी नहीं होता है। क्या वैसा पेड़ अच्छा फल ला सकता है? क्या मैं आपकी आवाज़ें सुन सकता हूँ?(मंड़ली कहती है, ''जी नहीं!'') सभा का इस पर जवाब''नहीं'' है, क्योंकि उसका स्वभाव तो भ्रष्ट व बुरा है, और आप सब जानते हैं, कि ऐसा इसी लिए है, क्योंकि वह एक झूठा अभिषिक्त है; और आप सब जानते हैं, कि ऐसा इसी लिए है, क्योंकि वह शैतान

का एक बीज है। मैं आपको भाई ब्रन्हम के सन्देश'' तुझे अवश्य ही नये सिरे से जन्म लेना चाहिए'' नामक सन्देश से हवाला बताता हूँ, कि उन्होंने कहा था, कि झूठे भविष्यद्वक्ता झूठा वचन लेकर आते हैं, और झूठा जन्म उत्पन्न करते हैं।

झूठे भविष्यद्वक्ता झूठा वचन लेकर आते हैं, और उनके पास झूठी संवेदनाएं होती हैं

120 '' परन्तु **सच्चा वचन सच्चे भविष्यद्वक्ता के पास ही आता है, और वह आपको सच्चा वचन ही बताता है। आप उस सच्चे वचन का पालन करें, और आपको वचन का सच्चा तज़ुर्बा ही प्राप्त होता है; क्योंकि वह वचन आपके अंदर देहधारी हो जाता है, और आप परमेश्वर के एक बेटे बन जाते हैं**....मगर झूठे भविष्यद्वक्ता झूठे वचन लेकर आते हैं। उनके पास क्या होता है? उनके पास झूठी संवेदनाएं होती हैं।**(तुम्हें अवश्य ही नये सिरे से जन्म लेना चाहिए 31–12–61)**

अब बात यह है, कि आत्मिक तौर पर इंसान के अंदर जो भी होता है, वह उस से ज्यादा तो लोगों को बांट नहीं सकता है। अब अगर इस इंसान के पास एक भ्रष्ट व बुरा स्वभाव है, तो वह इसी को आपको बांटेगा। अगर उस व्यक्ति का स्वभाव दोहरे किस्म का है, तो वह इसे ही लोगों को बांटेगा। अगर कोई इंसान व्यभिचारी है, तो वह इसी स्वभाव को आपको बांटेगा, और यही वह बात है, जो परमेश्वर के नबी ने कही थी; और उसने कहा था,'' मंड़ली पास्टर की आत्मा ग्रहण करती है; और लोग पवित्र आत्मा ग्रहण करने की बजाए पास्टर की बदरूह ग्रहण करते हैं।'' जी हाँ! अतः हमारे पास यहाँ पर कुछ है। **अतः वे सिर्फ भ्रष्टता और दुराचार ही उत्पन्न कर सकते हैं। अतः इस मामले में मोटे तौर पर बात यह है, कि विश्वव्यापी तौर पर भ्रष्ट स्वभाव वाले लोग इस सन्देश को लोगों को दे रहे हैं।** अब आप कहते होंगे,''भाई ब्रूस, अब आप ऐसी बात कैसे कह सकते हैं?'' ***मैं ऐसा उन्हीं फलों के कारण कह सकता हूँ, जिन्हें वे उत्पन्न कर रहे हैं। तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे।*** क्या यीशु ने नहीं कहा था, कि ''तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे''?तो फिर हम किस बात से डरें? जब आपका पास्टर यहाँ पर खड़ा होता है, और परमेश्वर का वचन लेता है, और किसी बात को परखता है, तो मैं उसे उन फलों से परख रहा होता हूँ, जो फल उस पर लगे हुए होते हैं। क्या यीशु ने नहीं कहा था, कि ''तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे''? अतः लोग ऐसा कैसे कह सकते हैं, कि तुम यह नहीं जान सकते हो, कि कौन सच्चा है, कौन झूठा है, कौन यह है, कौन वह है; और हमें इस बात

में सचेत नहीं होना चाहिए कि हम कैसे बोल रहे हैं? ये मुझे यही दिखाता है, कि आपके पास कोई दिव्य प्रकाशन नहीं है, और आपको इस बात की जरूरत है, कि आप मुँह बंद करके नीचे बैठ जायें, और परमेश्वर का कोई वह जन बोले, जिसके पास प्रकाशन है। जी हाँ! यीशु ने कहा था,''***तुम उन्हें जान लोगे***''; और उसने आपको बताया है, कि आप उन्हें कैसे जान लेंगे–''''*तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे।*''और मैं उन फलों से जो उन पर लगे हैं, उनके बारे में कुछ जान सकता हूँ। मेरे अज़ीज, अगर आप यहाँ पर ट्रीनिडाड–वासी हैं, और अगर मैं आपको यह कह कर बाहर भेजूँ, ''जाकर देखो और मुझे बताओ, कि वह किस किस्म का पेड़ है?'' हो सकता है, कि आप उसके पत्ते देखकर उलझन में पड़ जायें, लेकिन आप फल पर दृष्टि डालते हैं। आप कहेंगे,'' यह तो आम का पेड़ है।'' आप ऐसा क्यों जानते हैं? क्योंकि आपके पास उसका ज्ञान है। अगर मैं किसी भाई को संयुक्त राज्य अमेरिका से ले आऊँ, और उससे पूछूँ,'' वह किसका पेड़ है?'' तो वह कहेगा, कि ''मैं नहीं जानता हूँ।'' खासतौर पर उसके साथ ऐसा तब हो सकता है, जब मैं उसे काजू के पेड़ के पास ले जाकर ऐसा प्रश्न पूछूँ; जो वहाँ स्कूल में है। वह कहेगा,'' वहाँ वो क्या है?'' हो सकता है, कि वह अमेरिका में हर रोज़ ही काजू खाता हो, परन्तु जब वह इस बड़े फल को यहाँ पर देखता है, उस बड़े फल को पेड़ पर लटका हुआ देखता है, तो वह कहेगा,'' मैं नहीं जानता हूँ।'' कोई वह व्यक्ति जिसके पास उस पेड़ का प्रकाशन है, वह उसे बतायेगा, कि वह किस किस्म का पेड़ है। और इसी काम के लिए ही तो कलीसिया में चरवाहे होते हैं।

कुपन्थीय अनुच्छेद 43
स्त्रियों को अनैतिक–भद्दे पहरावे पहने के लिए भ्रष्ट प्रचारकों ने और झूठे गर्जनों ने प्रोत्साहित किया

अतः अब आप इसे ध्यानपूर्वक सुनें; इस पुरुष का यह भ्रष्ट स्वभाव, दुनियावी स्वभाव, और शारीरिक स्वभाव ऐसा है, कि वह परमेश्वर की बातों को समझ नहीं सकता है। ***ऐसा स्वभाव सन्देश की पवित्रता के अनुरूप अपने आप को ढ़ाल नहीं सकता है, क्योंकि उसका स्वभाव तो अपवित्र है। वह सदोम और अमोरा के अनुरूप अपने आप को ढ़ाल सकता है। वह दुनिया के चलनों और स्टाइलों केअनुरूप तो अपने को ढ़ाल सकता है। वह संसार के फैशनों के साथ तो तालमेल बैठा सकता है। वह संसार के संगीत के अनुरूप तो अपने को ढ़ाल सकता है, क्योंकि जो उसका स्वभाव है, वह भ्रष्ट है।*** क्या आप देखते हैं, कि क्या हो रहा है?

अब, वह इस कलीसिया का पास्टर है, और एक बहन जो सदोम से आती है, वह हमारे प्रिय भविष्यद्वक्ता की आवाज़ सुनती है, और वह एक किताब पढ़ती है, और वह पढ़ती है, कि परमेश्वर ने एक भविष्यद्वक्ता भेजा; और वह इस भेड़िये पास्टर के पास आती है और भेड़िये पास्टर से उन बातों के बारे में पूछती है; अब वह अपना मिनी–स्कर्ट और ऊँची ऐड़ी के जूते पहनकर आती है, उसके बाल लड़कों के जैसे ही छोटे छोटे कटे हुए होते हैं, और वह सदोम के स्टाइल और बुराइयों से सजी हुई आती है। अत' वह इस भेड़िये पास्टर के पास आती है, और इस भेड़िये पास्टर से पूछती है,'' क्या यह पहरावा गलत है?'', और वह कहता है,'' बहन, तुम इसे थोड़ा सा और नीचे करा सकती हो।'' भाई उसका स्वभाव ही यह ज़ाहिर कर रहा है, कि वह क्या है। पवित्रता और सौम्यता के बारे में जो उसकी समझ है, वह बिलकुल गलत है , क्योंकि वह तो आरम्भ से ही एक भ्रष्ट पेड़ है। वह कलीसिया को पवित्रता और धार्मिकता के भीतर लेकर नहीं आ सकता है, और जब वह भाई ब्रन्हम का पवित्रता का सन्देश स्थापित नहीं कर सकता है, तो ये यही दिखाता है, कि उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, और उसके पास इस समय के सन्देश का कोई प्रकाशन नहीं है और वह मसीह के बारे में कुछ नहीं जानता है। अब क्या आप देखते हैं, कि यह क्या ही आसान सी बात है? अतः इस प्रकार से यह दूसरा कुपंथ, जिसके बारे में मैं आप से चर्चा करूँगा, सन्देश के अंदर कैसे आया, और जो भाई ब्रन्हम ने नैतिक पहरावों के बारे में निर्देश दिये थे, उन्होंने उन्हें कैसे बदल डाला। **भाई ब्रन्हम ने जो सन्देश में स्त्रियों के पहरावों के बारे में निर्देश दिये थे, वे समान्यतः बदल चुके हैं। यह एक कुपंथ ही तो है,** और मैं आपको सलौने पहरावों के बारे में भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं से भली भाँति अवगत कराना चाहता हूँ। कितने लोग हैं, जो मेरे साथ हैं?(सभा कहती है, ''आमीन'')

अब, मैं आप से एक मंड़ली के रूप में यह चाहता हूँ, कि आप उस पर कान लगाएं, जो भाई ब्रन्हम ने स्त्रियों के पहरावों के विषय में कहा था; मैं आप से यह चाहता हूँ, कि जो भाई ब्रन्हम ने कहा था, आप उसकी तुलना उससे करें, जो आज हम मलाकी 4 के मानने वालों के मध्य में देखते हैं; और आप इसकी तुलना उससे भी करें, जो आप यहाँ पर बेथेल में देखते हैं, जबकि मैं इसे पढ़ता हूँ। बिलकुल ठीक है, सबसे पहली बात तो यह है, कि जब कोई शख्स खड़ा होता है, और उस प्रकार से पवित्रता का प्रचार करता है, तो लोग उस पर ''सिद्धांतवादी'' का तमगा लगा देते हैं, क्योंकि ये दुनियावी दिमाग पवित्रता का सन्देश समझ नहीं सकते हैं, और वे ऐसे शख्स पर, जिसके अन्तर्गत लोग परमेश्वर के बड़े ही डर–भय में रहते हैं, और वह उन से व्यवस्था के द्वारा उन कामों को करवाता है, ''सिद्धांतवादी''

का ठप्पा लगा देते हैं। वे झूठ बोलते हैं। ''यह पवित्रता का सन्देश है।'' मैं इसे यहाँ पर पढ़ रहा हूँ।

पास्टर–वे स्त्रियों को आम शिष्टाचार से आज़ादी दिला रहे हैं

सांय–40 ''किसी और दिन एक मसीही स्त्री प्रचारक ने एक लड़की को हमारे पास भेजा था, जो ऐसी दिखाई पड़ती थी, कि मानो ***उसे उसके कपड़ों में ठूंस दिया गया हो।*** वह बोली,'' ओह, भाई ब्रन्हम, आप तो पुराने स्कूल से हैं। हमारी पास्टर तो हमें आज़ादी देती है।'' मैंने कहा,'' किससे आजादी देती है?'' वे उन्हें मसीह से और आम शिष्टाचार से आज़ादी दिला रहे हैं। ओह, वह स्त्री बड़ी ही सुविख्यात है...निश्चय ही! ***परन्तु वह कोई भी जो वैसा करता है, अधोलोक की ही सन्तान है।*** ''तुम उन्हें उनके फलों से जान जाओगे।'' (दीवार पर हस्तलेख 9/3/58)

अब लोग सोचते हैं, कि मैं एक कठोर प्रचारक हूँ! आप उस पर तो नज़र डालें, जो भाई ब्रन्हम ने यहाँ पर कहा था। उन्होंने कहा था,''वे प्रचारक जो पवित्रता का सन्देश स्थापित नहीं कर रहे थे और वे उसे स्त्रियों के लिए आज़ादी कहते हैं, कि जब तक कि वे स्त्रियाँ उन लम्बी लम्बी पोशाकों को पहन रही हैं, तथा ऐसे ही और दूसरे काम कर रही हैं, वे बिलकुल ठीक हैं'';और ऐसी ही एक स्त्री भाई ब्रन्हम के पास आयी, और वह भाई ब्रन्हम से कहने लगीं,''हमारी पास्टर तो स्त्रियों को आज़ादी देती है।'' क्या आप जानते हैं, कि एक आज़ादी वाला प्रबंध है, जो कि इस समय सन्देश में काम कर रहा है ? वे काम जो वे सालों साल करते रहे, लोगों में स्त्रियों के लिए आदर भाव था, स्त्रियाँ सौम्यता से रहा करती थीं, और स्त्रियाँ रसोई का कामकाज सम्भालती थीं, और नौकरियों से दूर रहा करती थीं, लेकिन अब उनका आज़ादी वाला कार्यक्रम चल रहा है; और आजादी वाला कार्यक्रम यह है, कि उन्होंने सलौने पहरावों को तज़ दिया है। जी हाँ! सुनिए भाई ब्रन्हम ने इससे क्या निष्कर्ष निकाला। उन्होंने कहा था,''*...परन्तु वह कोई भी जो वैसा करता है, अधोलोक की ही सन्तान है। तुम उन्हें उनके फलों से जान जाओगे।*'' ज़रा कोई मलाकी 4 से इस पर धक्कामुक्की तो करे। अगर मैं यहाँ पर खड़ा होता हूँ, और इस संध्या को मैं यह कहता हूँ, कि ये सारे पुरुष जिन्होंने किसी मकसद से स्त्रियों के लिए सन्देश के नैतिक मापदंड़ों में परिवर्तन किया है, अधोलोक की सन्तानें हैं, तो इससे बहुत से लोग मेरे खिलाफ हो जायेंगे, लेकिन मैं इसी बात को भाई ब्रन्हम को ही फिर से कहने दूँगा।''*....परन्तु वह कोई भी जो वैसा करता है, अधोलोक की ही सन्तान है। ''तुम उन्हें उनके फलों से जान जाओगे।*'' आप अधोलोक की सन्तान को उन फलों से जान जाते हो, जो फल उस पर लगे हुए होते हैं।

उनके पास पुराने फैशन(चलन) वाला वह धर्म नहीं है, जो उनके पास हुआ करता था

सांय–85 ऐसा समय आ गया है, जब पादरीवर्ग के लोग रंगरलियाँ मनाने में फिल्म कलाकारों के जैसे बनते चले जा रहे हैं। आज मामला क्या है ?***उनके पास पुराने फैशन(चलन) वाला वह धर्म नहीं है, जो उनके पास हुआ करता था।*** आज आपके पास बहुत ज्यादा हॉलीवुडनुमा प्रचारकार्य हो गया है, कि कोई कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित व्यक्ति अपने बालों को खूब बढ़िया से सैट करवा कर उन औरतों के झुंड़ के सामने खड़ा होता है, जिनके कानों में बड़ी बड़ी बालियाँ ऐसे झूल रही होती हैं, जैसे मानो शैतान का कोई छल्ला उनके कान में लटका हुआ हो, और उनके चेहरों पर इतनी ज्यादा लीपा–पोती होती है, कि उन रंगों से तो किसी दड़बे पर रंग हो जाए, और उनके बाल लड़कों के जैसे ही छोटे छोटे कटे हुए होते हैं...होलीनस वाले लोगों यह सब कुछ तुम्हारे मध्य में पाप हुआ करता था। तुम्हें क्या हो गया है? तुम दौड़े तो ठीक थे। बाइबल कहती है, कि यह एक पाप है। यह सच बात है। (समय के पाँच पड़ाव 22–01–56)

परमेश्वर नहीं बदलता है–तुम बदल गए हो

सांय– 49 क्यों, तुम पुराने चलनवाले मैथोडिस्टों; सालों पहले तुम्हारी कलीसियाओं में नियम–कायदे तथा ऐसी ही और दूसरी बातें हुआ करती थीं; और आज तुम्हारी स्त्रियाँ जो अपने आप को पवित्र लोग–संत लोग कहती हैं, वे जो कहती हैं, कि वे पवित्र आत्मा से भरी हुई हैं, वे ही सड़कों पर आधे–अधूरे छोटे छोटे कपड़े पहनकर घूमती फिरती हैं; और उनकी लड़कियाँ सारी सारी रात भर समुंद्र के किनारे पड़ी हुई सिगरटें फूंकती फिरती हैं, और ***फिर भी तुम अपने आपको मसीही कहते हों। तुम्हें शर्म आनी चाहिए। ''जैसे फल पेड़ पर लगते हैं, उसी से वह जाना जाता है।'' और उस पर तुम हैरान होते हो, कि तुम्हारी कलीसिया में और तुम्हारे जीवन में सामर्थ क्यों नहीं है।*** ऐसा है...मामला क्या है? हुआ क्या है? यह वैसी नहीं रही है, जैसी कि यह हुआ करती थी। खैर, ***परमेश्वर तो बदलता नहीं है। सुसमाचार तो बदलता नहीं है। कुछ तो बदला जरूर है; और ये तुम ही हो, जो बदले हो।*** (परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर रहा है 09–12–56)

बिलकुल ठीक ऐसी ही नाव है, जिसमें सवार होकर मलाकी 4 के अनुयायी सफर कर रहे हैं। एक समय वे पवित्रता से भरे काम किया करते थे। आज क्या हो गया है? प्रचारकों के विवेक के साथ कुछ न कुछ तो गड़बड़ है। जी हाँ! जो अधोलोक की वास्तविक सन्तानें हैं,

उन्होंने बाइबल अपने हाथों में ले ली हैं, और वे सन्देश का प्रचार करने लगे, और वे कह रहे हैं, कि हम स्त्रियों को ब्रन्हम वाले फैशन से आज़ादी दिला रहे हैं; और जब हम यहाँ पर बेथेल में पवित्रता के सन्देश का पालन करते हुए, उसे ऊँचा उठाये हुए हैं, तो वे हमारे पहरावों को यूनीफॉर्म कहते हैं। ये ठीक वही पहरावे हैं, जिन्हें वे लोग भी कुछ सालों पहले पहना करते थे। वे इसे यूनीफार्म कहते हैं, और हमारी बहनों पर ताने कसते हैं, और उन्हें चिढ़ाते हैं; और उन पर हंसते हैं, और उन्हें''पवित्रता वाले लोग'' कहते हैं।

रंगों की लीपा–पोती करती हैं–सुश्री कुत्ते का गोश्त(रातब)– परमेश्वर उन्हें कुत्तों को दे देता है

सांय–61 ***अतः जब आप किसी ऐसी स्त्री को देखते हैं, जिसने अपने चेहरे पर रंगों की लीपा–पोती की हुई है,*** तो आप यह जान लें, कि वह सुश्री कुत्ते का गोश्त(रातब) है; परमेश्वर उसे कुत्तों को दे देता है; वह तो सिर्फ कुत्ते के रातब के लिए ही अच्छी है। (आरम्भ में ऐसा नहीं था 11–04–61)

क्या आप सोचते हैं, कि भाई ब्रन्हम कोई मधु सी मीठी बातें करने वाले प्रचारक थे ?अगर कभी कभार यहाँ पर प्रचारक के मुँह से कोई छोटी सी कठोर–रूखी सी बात निकल जाती हैं, तो उस पर उससे जवाबतलब कर लिया जाता है। भाई ब्रन्हम लोगों को उनके आपे में तथा उनके पापों में उन्हें झंझोड़ने के लिए कुछ ऐसी बात बोलते थे, कि आप को उन पर हैरानी हो जाए। क्या कभी आप ने इस संज्ञा को सुना था,''सुश्री कुत्ते का गोश्त(रातब)''? क्या आप जानते हैं, कि वे किसका हवाला दे रहे हैं? बाइबल में इज़ाबेल ही सिर्फ एक ही ऐसी स्त्री है, जो अपने चेहरे पर रंगों की लीपा–पोती करती थी, और जब भाई ब्रन्हम उस जैसी स्त्री को देखते थे, तो वे कहते थे''सुश्री कुत्ते का गोश्त(रातब)।''

बिना सैन्सर किये हुए कार्यक्रम–हॉलीवुड की वेश्याएं अधोलोक में

सांय–34 अब आप अपने रेडियो को चलाते हैं; और ***आपको उन पर ऐसे गंदे–भद्दे, और अश्लील कार्यक्रम सुनने को मिलते हैं, जिनकी उन्होंने अनुमति दी हुई है, और जो बिना सैन्सर के दिये जाते हैं....आप क्या सोचते हैं, कि हॉलीवुड़ की वे वेश्याएं जो आज अधोलोक में हैं, अगर वापस आ सकती होंगी, तो वे क्या करेंगी? उन्होंने इसे अलग ही बना डाला होता।*** परन्तु उनका प्रभाव दुनिया पर अभी भी है, और उन्होंने संसार को भ्रष्टाचार की ज्वाला पर बैठा दिया है। (दीवार पर हस्तलेख 09–03–58)

ये एक बड़े ही गम्भीर मामले हैं। मैं इन्हें आपके सम्मुख प्रस्तुत करूँगा, और फिर आप ही न्याय करें।

गंदे–भद्दे पहरावों से आपकी देह की झलक दिखाई देती है

314 *'' बहन...क्या आप उन पुराने छोटे छोटे स्कर्टों को तथा ऐसे ही और दूसरे पहरावों को तथा उन अनैतिक–भद्दे पहरावों को पहनेंगी, जो वे आज पहन कर सड़कों पर घूमती फिरती हैं, जिनमें से उनकी देह की झलक दिखाई देती है? क्या आप जानती हैं, कि हर एक वह पुरुष जो आप पर नज़र डालता है, वह आपके साथ अपने मन में व्यभिचार करता है?* और तुम खुद अपने आप को ऐसा पेश करती हो। *स्त्रियों, तुम जो बनाव–श्रृंगार करती हो, क्या तुम जानती हो, कि बाइबल में सिर्फ एक ही ऐसी स्त्री है, जिसने कभी बनाव–श्रृंगार किया था? और परमेश्वर ने उसे कुत्तों को खिलवा दिया था।* (भविष्यवाणी द्वारा पूरी हुई आज की घटनाएं 06–12–65)

भाई ब्रन्हम इस बात की पूरी तरह से घोषणा करते हैं, कि स्त्री को ऐसे वस्त्र बिलकुल भी नहीं पहनने चाहियें, जिनसे उनके अन्दर के कपड़ों की झलक दिखाई दे।

स्त्रियाँ अपना तन ढकने के लिए वस्त्र पहनती थीं–वे नहीं चाहती थीं, कि पुरुष उन्हें वासनाभरी दृष्टि से देखें

स्त्रियाँ और भी ज्यादा आकर्षित करने वाले कपड़े पहनती हैं। जहाँ स्त्रियाँ उन बड़े बड़े लम्बे लम्बे पहरावों को पहनती थीं, लम्बी लम्बी आस्तीनों वाले पहरावे तथा लम्बी स्कर्ट पहना करती थीं, और अपने तन को ढ़ांक कर रखती थीं, क्योंकि वे नहीं चाहती थीं, कि पुरुष उन्हें वासनाभरी दृष्टि से देखें..(वे तो सिर्फ उसी एक पुरुष के लिए जिन्दगी बिताती थीं, जिसने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में चुना था)..*वहीं आज स्त्रियाँ अपने आप को छोटे छोटे वस्त्रों में घुसाती हैं, और अनैतिकता और दुराचार इतना बढ़ता चला जा रहा है, कि यह सब कुछ सोच से भी परे है।* (परमेश्वर और शैतान के बीच संग्राम 31–05–62)

देखें, कि वे कैसे कपड़े पहनते हैं–नये जन्म का कोई तो असली प्रमाण पाया जाए

आप अपने चारों ओर भली–भाँति दृष्टि डालें। लोगों के चाल–चलन को

परखें, जबकि वे चलते हैं। उस भीड़ की भीड़ में, जिसे आप देखते हैं, क्या आप उनमें उनको देख सकते हैं, जो मसीहियों के जैसे लगते हैं? देखिए, कि वे कैसे कपड़े पहनते हैं, *देखिए, कि वे कैसे व्यवहार करते हैं; उस पर कान लगाएं, जो वे बातें करते हैं; देखिए, कि वे कहाँ जाते हैं। उन आने–जाने वाले लोगों में जिन्हें हम देखते हैं, उन में निश्चित रूप से नये जन्म का कोई असली प्रमाण तो पाया जाना चाहिए। परन्तु उन में मात्र ही कुछ ऐसे होते हैं, जिनके पास यह होता है। फिर भी आज सैद्धान्तिक कलीसियाएं यह कहने में लगी हुई हैं, कि हमने दसयों लाखों का उद्धार करवाया है; और पवित्र आत्मा से भी उन्हें परिपूर्ण करवाया है। क्या वे आत्मा से भरे हुए हैं? क्या आप उन स्त्रियों को आत्मा से भरा हुआ कह सकते हैं, जो यहाँ पर छोटे छोटे कटे हुए बालों में आधे–अधूरे कपड़े और चुस्त चुस्त पज़ामे पहने हुए, छोटे और पट्टे के से ब्लाऊज पहने हुए–इजाबेल की तरह पूरी तरह से रंगी–पुती हुई यहाँ वहाँ घूमती–फिरती हैं?* यदि इस प्रकार का पहरावा ही आज मसीही स्त्रियों के लिए एक सादगी की बात बन गया है, तो मैं यह सोचकर भी घृणा करूँगा, कि मुझे निर्लज्जा के इस प्रस्तुतिकरण के विषय में बताना होगा। (लौदीकियायी कलीसियायी काल)

तुम्हें वे पहरावे पसंद नहीं आते हैं, जो ढीले–ढाले होते हैं

सांय–46 *आप ने कहीं दूर मारथा सूसेना को उन दूसरे किस्म के पहरावों को पहने हुए नहीं देखा था।* समझे? स्त्रियाँ उस किस्म के पहरावे नहीं चाहती हैं।तुम्हें वे पहरावे पसंद नहीं आते हैं, जो ढीले–ढाले होते हैं। तुम्हें तो ऐसे चुस्त पहरावे ही पसंद आते हैं, जिनमें तुम्हें ठूंस दिया जाए, ऐसा इसीलिए है, क्योंकि *तुमने तो टेलीविज़न पर सूसी को देखा है, तथा रेडियों और पत्र–पत्रिकाओं में उसी की चर्चा सुनी है।* (रंगों से लिपे–पुते चेहरे वाली इजाबेल 05–01–56)

क्या भाई ब्रन्हम ने ढीले–ढाले कपड़े स्थापित नहीं किये थे? क्या वो चुस्त–तंग कपड़ों के खिलाफ थे? *(सभा कहती है, ''आमीन'')* और मैं ठीक यहीं पर यह बात जोड़ना चाहूँगा, कि यदि अगर कोई स्त्री ढीले–ढाले कपड़े पहनती है; तो उसे उन कपड़ो को कुछ ढीला और कुछ चुस्त सा नहीं बनवाना चाहिए, वे तो ढीले–ढाले ही होने चाहियें , यहाँ तक कि उस पहरावे में इतना ज्यादा कपड़ा लगा हो, कि जहाँ कहीं भी वह चले, उसे उसकी देह कटाव को भी नहीं दिखाना चाहिए। अगर वह झुक रही है, तो इसे उसके बदन की झलक नहीं दिखानी चाहिए; और ऐसा ही और सब कुछ नहीं होना चाहिए जो ऐसे में होता है। यह बिलकुल ठीक बात है।

ऐसा इसीलिए हुआ, क्योंकि कुछ प्रचारक अपने फर्ज़ को निभाने में नाकामयाब हुए हैं

149 यह क्या है, जो एक भली स्त्री से ऐसा करवा डालता है, कि वह उन भद्दे-वाहियात कपड़ों को पहनकर बाहर जाए?...ऐसा इसीलिए है, क्योंकि...उस बच्ची के कारण ऐसा नहीं है; वह बच्ची तो कुछ भी बेहतर नहीं जानती है; लेकिन ऐसा इसीलिए है, क्योंकि कुछ प्रचारक प्रचार मंच पर अपने फर्ज़ को निभाने में नाकामयाब हुए हैं। ***यह बिलकुल सच बात है। यकीनन, ऐसा ही है। स्त्रियाँ सड़कों पर बाहर जाती हैं; और वे ऊपर से लेकर नीचे तक पूरी की पूरी कामोत्तेजक पहरावे पहने हुए होती हैं, तथा ऐसे ही और दूसरे वस्त्र पहने हुए होती हैं; और पापी पुरुष उन पर कुदृष्टि डालते हैं; और वे नहीं जानती हैं, कि वे सचमुच में उतनी ही गुनहगार हैं, जैसे कि वे उस पुरुष के साथ रही हों*** (सकरा है वह मार्ग 01-03-59)

क्या आप देखते हैं, कि समस्या कहाँ पर है? समस्या तो प्रचारमंच के पीछे ही है। अगर पास्टर-याजक के पास रीढ़ की हड्डी होती, उसके पास पर्याप्त हिम्मत होती, और यदि वह सचमुच में परमेश्वर का बुलाया हुआ होता, और उसके भीतर पवित्र आत्मा होता, तो वह सन्देश का ही प्रचार करता; वह लोगों को नये जन्म पर लेकर आता; और वे खुद बा खुद पवित्रता को अपने जीवन में लागू कर रहे होते, क्योंकि सुसमाचार तो जबरन ऐसा ही करायेगा, कि हमारे लिए पहनना-ओढ़ना कोई महत्वपूर्ण मामला नहीं रह जाता है। हमारे लिए तो जीवन का महत्वपूर्ण मामला बन जाता है; और अगर मैं अनन्त जीवन पाना चाहता हूँ, और मैं वहाँ पर प्रचार सुनता हूँ, जहाँ पर मैं इस बात के लिए अंदर से कायल हो गया हूँ, कि मुझे तो अवश्य ही अनन्त जीवन मिल जाना चाहिए, तो मैं खुद बा खुद उन कामों को करूँगा, जो सही हैं। ठीक ऐसा ही हिसाब-किताब यहाँ इस मंड़ली में हैं। मैं यहाँ-वहाँ चारों ओर एक बड़ी छड़ी लेकर नहीं जाता हूँ! जी नहीं! मैं तो परमेश्वर का वचन ही प्रचार करता हूँ, और लोग परमेश्वर का वचन सुनते हैं, और इसके बाद सब बातों से बढ़कर उनकी दिलचस्पी अनन्त जीवन हासिल करने में होती है; और उनके लिए कपड़े तथा और दूसरी वस्तुऐं दूसरे दर्जे की(secondary) बन जाती हैं। जी हाँ!

प्रचारक की पत्नी उस तंग-चुस्त पहरावे में बैठी हुई थी-

मैंने उसे उतनी ज़ोर से डाँटा

*प्रचारक की पत्नी उस तंग-चुस्त पहरावे में बैठी हुई थी और वह उसके बदन पर बहुत ही ज्यादा चुस्त था...उसने ऐसा पहरावा पहना हुआ था, कि वह अपने अन्दुरूनी कपड़े भी छिपा कर नहीं रख सकती थी, कि वे न चमकें(***वह अपने घुटनों पर भी नहीं हो सकती थी, उसका वह पहरावा उसके घुटनों से चार या पाँच इंच ऊपर था, और वह वहाँ पर ऐसी हालत में बैठी हुई थी)*...मैं उसे जितनी ज़ोर से डाँट सकता था, मैंने उसे उतनी ज़ोर से डाँटा। वास्तव में वह प्रचारक मुझे फिर से नहीं बुलायेगा। मैं उससे इसकी उम्मीद भी नहीं करता हूँ; लेकिन वह जानता है, कि क्या सही है,* और क्या गलत। (सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13-05-62)

इसी सन्देश में ऐसे लोग हैं, जो इस प्रकार की अश्लीलता के काम करते हैं, और जो यहाँ पर और दूसरी कलीसियाओं से इस में आये हैं; और वे दावा करते हैं, कि वे सन्देश में हैं। यह एक अशोभनीय बात है।

पुराने छोटे तंग-चुस्त पहरावे पहनती हैं- वे नहीं जानती हैं, कि शालीनता का क्या मतलब होता है

46-5 ***वे नहीं जानती हैं, कि शालीनता का क्या मतलब होता है।*** *वे यहाँ बाहर पुराने छोटे तंग-चुस्त पहरावे तथा ऐसे ही और दूसरे पहरावे पहन कर घूमती फिरती हैं, और पुरुष उन पर वासना भरी दृष्टि से देखते हैं; और वे सोचती हैं, कि वे तो सुशील-सलौनी हैं। **बहन, हो सकता है, कि आप ने कुछ भी गलत ना किया हो; लेकिन मैं आपको कोई बात बताये देता हूँ; आप शैतान का एक औज़ार हैं। और यह यहोवा यूँ फरमाता है, वाला वचन है; कि न्याय के कटघरे में आपको व्यभिचार करने के लिए उत्तर देना होगा; और आपका प्राण नाश हो जाएगा। आपके लिए बेहतर होगा, कि कैसे भी हो, आप यह बात ठीक अभी जान जाएं।*** (सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13-05-63)

पुराने फैशन वाला मदर हबर्ड स्कर्ट- वे उन पहरावों को नहीं खरीदेंगी

79 अगर मैं आज स्त्रियों को वे पुराने फैशन वाले मदर हबर्ड स्कर्ट बेचूँ, तो क्या आप सोचते हैं, कि वे उन्हें खरीद लेंगी? यकीनन, बिलकुल भी नहीं! ***उन्हें तो कुछ ऐसे पहरावे ही चाहिये, जिस में वे अपने आप को ठूंस सकें, और वे ऐसे दिखाई पड़ें, कि मानों वे कपड़े उन के बदन से उनकी खाल पर चिपके हुए हों। जब वे सड़क पर***

चलती हैं, तो वे चाहती हैं, कि उन्होंने इतने चुस्त-तंग कपड़े पहने हुए हों, कि जब वे आगे पीछे को चलें, तो उन के बदन के चार या पाँच डिग्री के विभिन्न कोण बनें, और वे ऊँची ऐड़ी के जूते पहने हुए ऐसे मटक मटक कर चलती हैं, कि उनके सिर आगे को निकले रहते हैं। मैं यह बात चुटकुलेबाज़ी करने के लिए नहीं कह रहा हूँ...अब, यह सच है। अब वे उन पहरावों को नहीं खरीदेंगी। *किसी दूसरी रात को एक हिन्दुस्तानी महिला प्रचारमंच पर चलकर आयी थी। मैं उस युवती से हाथ मिलाना चाहता था। हम भाई ग्रूमर के गिरजे में थे*; उसने वैसा सा ही पहरावा पहना हुआ था, जैसा मेरी माँ पहना करती थी। मैंने सोचा, ''अच्छा, हे महिला, परमेश्वर ही तुम्हारे ह्रदय को आशीष दे।'' और खुदा ने उस महिला को ठीक वहीं पर चंगा कर दिया था, इससे पहले कि वह मेरे पास तक भी आती। (सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 19-01-63)

क्या आप देखते हैं, कि भाई ब्रन्हम ने किसका शालीनता के रूप में हवाला दिया? क्या आप देखते हैं, कि पवित्रता को अपनाने के कारण इस स्त्री के साथ क्या हुआ था? भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि इससे पहले कि वह महिला उनके पास पहुँचती वह चंगी हो गई थी। अमरीका ने अपनी सदोमी हालत के द्वारा, हॉलीवुड़ के अपने फैशनों तथा वस्तुओं के द्वारा, अपने टेलीविज़नों के द्वारा समस्त संसार को बिगाड़ कर रख दिया है; और वहाँ पर ऐसी स्त्रियाँ हैं, जो उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक प्रचार कर सकती हैं; लेकिन अगर आप उन्हें शालीनता-सादगी के बारे में बतायें, तो वे बस नहीं जानती हैं, कि यह शालीनता क्या होती है। वे तो उसी प्रबंध में पली-बढ़ी थीं। वे सिर्फ किसी निश्चित चाल-चलन के बारे में ही सोच सकती हैं। मुझे उन पर दया आती है। मैं यह बात उन बहनों के सन्दर्भ में नहीं कह रहा हूँ, जो कनैक्टिकट में रहती हैं। वे तो वैसे ही पहरावे पहनती हैं जैसे आप सब पहनती हैं ; और आप जानते हैं, कि अमेरीका किस हालत में है। उन्हें एक कीमत चुकानी है; और मैं उन बहनों की सराहना करता हूँ, जो वहाँ पर हैं।

आधे-अधूरे कपड़े हमारी गवाही को बिगाड़ते हैं-कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है

949प्र. 244 प्रश्न संख्या 244-''भाई ब्रन्हम, आप इस बारे में क्या सोचते हैं, कि कलीसिया में हमारी बहनें वैसे आधे-अधूरे कपड़े पहन रही हैं? क्या यह हमारी गवाही को नहीं बिगाड़ता है, और हमारी इस कलीसिया में हमारे युवा बच्चों के लिए

एक गलत मिसाल नहीं ठहराता है? ऐसा लगता है...किसी युवती को जो बढ़ रही है, देखा जाए..जिसने इतने छोटे कपड़े पहने हुए हैं, कि उसके घुटने तक दिखते हैं जब वह चलती है।''

मैं आपकी बात से शत प्रतिशत सहमत हूँ। यह एक अशोभनीय बात है, लेकिन मैं आपको बताता हूँ, कि इसके बारे में क्या करना है। मैं इसके बारे में जितनी ज़ोर से प्रचार कर सकता हूँ, उतनी ज़ोर से प्रचार करता हूँ; लेकिन फिर भी वे वैसे ही काम करती हैं। अतः उनका तो न्याय होना ही है; क्योंकि वचन तो आगे जा चुका है। जी हाँ, मैं निश्चित रूप से, बदन से चिपके उन तंग-चुस्त छोटे छोटे कपड़ों के खिलाफ हूँ....मेरी इस पर अपने बच्चों से, बैकी और सारा से निरन्तर तकरार होती रहती है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वे कितनी छोटी हैं...मेरी उन से इस बाबत हर समय तकरार होती रहती है...और मैडा ही बैकी को हर रोज़ इस विवाद पर मुझ से दूर लेकर जाती है। समझे? वे कपड़े जो ऊपर को हैं...क्योंकि वे बच्चे हैं, अतः आप उसकी बच्चों में तो उम्मीद कर सकते हैं, और आपको उन्हें सुधरना होता है ; लेकिन जब कोई स्त्री को ऐसे पहरावे पहनती है, तो उस में कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। (प्रश्न और उत्तर 23/8/64)

कामोत्तेजक पहरावे दुष्टात्माऐ ही हैं

996-15 और मैं आपको बताता हूँ, कि ये स्त्रियाँ जब उन कामोत्तेक वस्त्रों को पहनती हैं--जब वे अपने आपको उन पहरावों में कामोत्तेजक दिखाना चाहती हैं, तो **व्यभिचार करने के लिए परमेश्वर उन से जवाब माँगेगा...आप कान लगाकर ध्यान से सुनें, और याद रखें, कि वे पोशाकें दुष्टात्माएं ही हैं।** (प्रश्न और उत्तर 23-08-64 संध्या)

स्लिट स्कर्ट

भाई ब्रन्हम ने स्कर्टों में डाले जाने वाले चीरों का जिक्र किया है, परन्तु उन्होंने उस प्रकार के स्कर्ट को ''स्कैन्डल स्कर्ट'' कहा था; जैसा कि उस समय इसे नाम दिया गया था, स्त्रियाँ अपने स्कर्ट में लम्बा सा एक चीरा लगवा लिया करती थीं, जिससे उनके अंदर के कपड़ो की झलक दिखती रहे। उन्होंने कहा था, कि एक मसीही नारी उस जैसे स्कर्ट का क्या करना चाहती है, और उन्होंने उस मसीही बहन से जिसने यह पूछा था, कि क्या उसे पहनना ठीक है, कहा था, कि यह परमेश्वर की दृष्टि में बिलकुल भी ठीक नहीं है। आज यह

वाला स्टाइल सन्देश की कलीसिया में बड़ा ही ज़ोर पकड़े हुए है, और खासतौर से तथाकथित गर्जनों वाले लोगों के झुंड़ों में।

स्कैन्डल(कलंकित) स्कर्ट-वह उनके अन्दरूनी वस्त्र की झलक दिखाता है

1008-66 क्या आप स्त्रियों को याद है, कि अधिक समय नहीं हुआ है, कि जब यहाँ पर उनके पास वह हुआ करता था, जिसे वे ''स्कैन्डल स्कर्ट'' कहा करती थीं? मैं सोचता हूँ, कि वह फिर से बाहर निकलकर आ रहा है, या उन्हें वह मिल भी चुका है...ऐसा हुआ करता था...अब वे कलंकित की बजाये लज्जाजनक हो गये हैं..और वे उन स्कर्ट को अपने पाँव तक ऊपर तक कटवा लेती थीं, और फिर वे उसके नीचे कोई ऐसा अन्दरूनी कपड़ा पहनती थीं, जो सुन्दर सा दिखाई दे। और जब भी वे कदम रखती हैं, तो यह अन्दरूनी कपड़ा लेस सहित दिखार्द देता है। (प्रश्न और उत्तर 23/08/64)

स्कैन्डल(कलंकित) स्कर्ट-आप में परमेश्वर का प्रेम तक नहीं है

58 किसी दूसरे दिन एक लड़की ने मुझ से कहा था,'' भाई ब्रन्हम, वे स्कैंडल स्कर्ट पहनने लगीं हैं।'' मैंने पूछा,'' यह क्या होता है?'' ....वह बोली,'' लड़कियाँ ऐसे स्कर्ट पहन रहीं हैं, जो नीचे से ऊपर तक कटा हुआ होता है, और उस में से उनके अन्दुरूनी कपड़ों की भी झलक दिखाई पड़ती है। क्या आप सोचते हैं, कि एक लड़की के लिए उन्हें पहनना गलत है?'' मैंने कहा,'' बहन, पवित्र आत्मा से भरी हुई पिन्तेकुस्तीय लड़की के लिए जगत में उस जैसे कपड़े से क्या काम, जिस में से उसके अन्दरूनी कपड़ों की भी झलक दिखाई दे।'' अगर उसका सम्बंध परमेश्वर से ठीक रहा होता, तो उसने ऐसी बात पूछी तक न होती...मैंने कहा,'' ऐसे मूर्खतापूर्ण प्रश्न मुझ से मत पूछो...बाइबल कहती है,' यदि तुम संसार या संसार की वस्तुओं से प्रेम करते हो, तो ऐसा इसीलिए है, क्योंकि परमेश्वर का प्रेम तुम में है ही नहीं।' और तुम्हारा अपना जीवन ही इसके बारे में बताता है...''तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे।'' (क्यों 13/04/61)

उस प्रकार के पहरावे पहनें, जिसमें आप सुनिश्चित हों-
कोई जोखिम न उठाएं

''अगर यह एक प्रश्न है, तो इसे बस छोड़ दो। आप सुनिश्चित नहीं हो सकती हैं। उस प्रकार के पहरावे पहनें, जिसमें आप सुनिश्चित हों। समझी? कोई जोखिम न उठाएं।'' (अस्पष्ट शब्द 14-07-62)

भाइयों और बहनों, क्या हम उस प्रकार के पहरावों को क्रूर, अशिष्ट-अभद्र पहरावे कह सकते हैं...आप जो यहाँ पर बाहर से आते हैं, उसके गवाह हैं, और आप सन्देश के और

दूसरे लोगों के यहाँ भी गए हैं, क्या आप कह सकते हैं, कि क्या उस प्रकार के पहरावे भाई ब्रन्हम की शालीनता और शिष्टता वाली समझ से कोई मेल खा सकते हैं? **(सभा कहती है,''जी नहीं'') असम्भव! मैं कह रहा हूँ, कि यह तो प्रत्यक्ष अवज्ञाकारिता है, और जो उन्हें उसकी (उन पहरावों को पहनने की)आज़ादी देते हैं, और जो उन्हें पहनने की सलाह देते हैं, वे भ्रष्ट प्रचारक हैं, जिनकी आँखें व्यभिचार से भरी हुई है। आप क्या सोचते हैं, कि एक व्यभिचारी प्रचारक जिसकी आँखें व्यभिचार से भरी हुई हों,वह क्या सलाह दे सकता है? क्या आप सोचते हैं, कि वह स्त्रियों को शालीन-सलौने वस्त्रों के बारे में बिलकुल ठीक ढ़ंग से प्रचार कर सकता है? (सभा कहती है,''जी नहीं'') यह तो पूर्णतः असम्भव है! उसे तो औरतों के बदन की बनावट देखना अच्छा लगता है। उसकी आँखें तो व्यभिचार से भरी हुई हैं। वह तो उन्हें उनके तंग-चुस्त कपड़ों में देखना पसंद करता है। यह पवित्रता का सन्देश उसके लिए कुछ भी नहीं है। वह तो उन्हें आधे-अधूरे कपड़ों में देखना पसंद करता है। उसे उनके अन्दरूनी कपड़ों की छपाई की झलक देखना अच्छा लगता है। क्यों? क्योंकि उसका स्वभाव अश्लील है, और वह व्यभिचार से भरा हुआ है, और उसमें सदोम की बुराइयाँ रची-बसी हैं;अतः वह तो आरम्भ से ही कुपंथ पर चलने वाला इंसान है; और उसने कलीसियाओं में कुपंथों का पेड़ बोया है। यही है वह जो हमने ध्यान देकर देखा है; और मैंने पिछले कई महीनों से उन पर पैनी नज़र लगा कर रखी है;** और मैं यहाँ पर यह कहना चाहता हूँ, कि सन् 1974 से उन झूठे गर्जनों ने विश्वव्यापी तौर पर स्त्रियों के मामले में यही उत्पन्न किया है। उनकी लम्बी लम्बी पोशाकें तो होती हैं, और उन में से कुछ तो घुटनों से भी नीची होती हैं, लेकिन हुआ यह है- कि वे पोशाकें उनके नितम्बों (hips) पर बहुत ज्यादा तंग-चुस्त होती हैं। **क्या आपने इस बात पर ध्यान दिया है? (सभा कहती है,''आमीन'') वे उनके नितम्बों पर चुस्त होती हैं, और वे बड़ी ही महीन कपड़ों की बनी होती हैं। मैं उसे मरमेड वाली पोशाक कहता हूँ, ऐसा इसीलिए है, क्योंकि उस पोशाक में स्त्रियाँ मरमेड़(नारी-मछली) के जैसी लगती हैं, और आपको उस पोशाक में स्त्री की हर एक हरकत(movement)दिखती हैं, उसमें आपको उसकी बनाटव-रूप आकार दिखता है। यह एक अशोभनीय-निन्दनीय बात है, यह एक सड़ाहट है, यह एक दुराचार है, और यह झूठे गर्जनों की उपज है। यह व्यभिचारी प्रचारकों की, दुराचारी प्रचारकों की, किशोर-किशोरियों से छेड़खानी करनेवाले प्रचारकों**

की ही उपज है। यह तो एक स्वभाव है जो उस प्रकार के पहरावों को दिशा-निर्देशन दे रहा है। और मैं यह कहना चाहता हूँ, कि ठीक उन्हीं पुरुषों में से कुछ की मंड़लियों में स्त्रियाँ ठीक वैसे ही सही पहरावे पहना करती थीं, जैसे कि आप बहनें यहाँ पर पहनती हैं। मैं तकरीबन उन सभी कलीसियाओं में प्रचार किया करता था, जब तक कि वे कुछ पंथों और वादों और अपवित्रता पर भटक कर दूर न हुए। वे मुझ जैसे प्रचारक को फिर से अपने यहाँ पर नहीं चाहते हैं। उन के लिए मैं तो सिद्धांतवादी बन गया हूँ। एक लम्बे अरसे तक भाई ब्रन्हम उन पहरावों को भद्दे-झंगोले(**Sacks**) कहते रहे थे। ये झंगोले वाला स्टाइल लगभग 1963-1964 में निकलकर आया था। क्या आपको वे दिन याद हैं? (एक भाई कहता है,''जी हाँ!'') अभक्त-दुराचारी लोगों ने उस स्टाइल की खूब धूम मचायी, और देश भर में इस बात की चर्चा हुई, कि वे बुरी स्त्रियाँ किस किस्म का पहरावा पहन रही थीं। वो एक झंगोला है; और मलाकी 4 के वे अनुयायी जो उन प्रचारकों के आधीन बैठते हैं, जिन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, और जिनके पास पवित्र आत्मा नहीं है, और जिनमें रीढ की हड्डी नहीं है, उनके यहाँ स्त्रियाँ झंगोलेनुमा पहरावे पहनती हैं, और भाई ब्रन्हम ने इन झंगोलों की भर्त्सना की थी।

<u>स्त्रियाँ झंगोलेनुमा भद्दे पहरावे पहन रही हैं-</u>
<u>उन के पास उस प्रकार के प्रचारक हैं</u>

सांय-29 *इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, कि स्त्रियाँ झंगोलेनुमा भद्दे पहरावे तथा आधे-अधूरे कपड़े और छोटी छोटी नीकरें तथा ऐसे ही और दूसरे पहरावे पहन रही हैं; और ऐसा इसीलिए है, क्योंकि उन के पास उसी प्रकार के प्रचारक तथा डीकन हैं। अतः तब तो यह परमेश्वर की ओर से मिली सेवकाई के बजाये पेट भरने का ही साधन है।* (समय का चिन्ह 20-05-58)

इसके बाद मैंने एक और किस्म के कपड़े पर गौर फरमाया, कि वह बहुत ही महीन होता है, और उस में से स्त्रियों के अंदर के कपड़े भी साफ नज़र आते हैं।

<u>महीन कमीज़-अंदर के वस्त्र भी साफ नज़र आते हैं- ऐसा नहीं करना चाहिए</u>

608-62 *मैं निश्चय ही उससे सहमत नहीं हूँ; आप जानते हैं, वह स्कर्ट दो*

भागों में होता है; उन में से एक हिस्सा तो यहाँ नीचे को होता है, और दूसरा हिस्सा यहाँ ऊपर को होता है; और यह कुछ कमीज़नुमा होता है जिसे वे पहनती हैं।'' और अतः यह बहुत ही महीन होता है, और उस में से अंदर के वस्त्र भी साफ नज़र आते हैं, जो उन्होंने उसके नीचे पहने हुए होते हैं। मैं सोचता हूँ, कि...कि *ऐसा नहीं करना चाहिए*। मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे यह सचमुच में बिलकुल भी पसंद नहीं है। (प्रश्न-उत्तर, परमेश्वर को गलत समझा गया23-07-61)

<u>वे छोटे छोटे स्कर्ट जो आपके बदन के अंगों का प्रदर्शन करते हैं</u>

314 *क्या आप वे पुराने छोटे छोटे भद्दे स्कर्ट पहनेंगी तथा ऐसे ही और दूसरे पहरावे पहनेंगी जो आज की भद्दी-अनैतिक पोशाकें हैं, जिसमें से आपके बदन के अंगों का प्रदर्शन हो रहा होता है, जब आप बाहर सड़क पर जा रही होती हैं?* (भविष्यवाणी द्वारा स्पष्ट हुई घटनाएं 06-12-65)

स्त्री को अवश्य ही उस प्रकार की बातों में-उस प्रकार के पहरावों के मामले में सचेत होना चाहिए। पास्टर अवश्य ही इस सब को देख रहा होता है। दूसरी स्त्रियाँ अवश्य ही इसे देख रही होती हैं। यह कैसे होता है, कि जब हम उन के सम्पर्क में आते हैं; और वे यहाँ पर कुछ घन्टों के लिए आते हैं, और आपको अपने अपने अध्यक्ष बदलने पड़ जाते हैं? और यह आपके प्राण के लिए एक बड़ी निराशा होती है; और यदि आप इसे खुद सहन नहीं कर सकते हैं-अगर इससे आपका जी उकता गया है, तो आप जाकर उन्हें उनकी उस अश्लील कुदृष्टि के बारे में बतायें, जो उनकी है। वे पूरी तरह से सच्चे हैं, लेकिन मैं आपको बताऊँगा, कि क्या घटित हुआ है; उस प्रचारक के भीतर पाप के प्रति कोई विवेक बिलकुल भी नहीं है। उसकी आँखें तो व्यभिचार से भरी हुई हैं; और उसे तो वही सब कुछ अच्छा लगता है। उसका स्वभाव बदला नहीं है । यही है, वह जिसकी वजह से पवित्रता के मापदंड़ छिन्न-भिन्न हुए; ऐसा परमेश्वर के दास-सेवकों के द्वारा नहीं हुआ, ऐसा तो विश्वास में पिछड़े प्रचारकों के द्वारा ही हुआ है। ये पुरुष जो वहाँ पर हैं; वे झूठे अभिषिक्त हैं-उन्हें एक उद्देश्य के साथ मंड़ली में भेजा गया है, कि वे पवित्रता का सन्देश नष्ट करें।

आइये मैं एक मिनट के लिए यहीं पर रुक जाता हूँ। आप कहते होंगे,'' भाई ब्रूस, शैतान भला क्यों, झूठे अभिषिक्तों को पवित्रता का सन्देश नष्ट

करने के लिए भेजेगा?'' आपको ही मुझे इस बात का उत्तर देना चाहिए। क्या आप आज रात्रि मुझे इसका जवाब दे सकते हैं? अगर आपको उत्तर मालूम है, तो आप ''आमीन'' कहें। (सभा कहती है,''आमीन'') ठीक है, काश आप ने कल का सन्देश सुना होता!

मुझे बताएं, कि क्यों ऐसा हुआ है? शैतान भला क्यों झूठे अभिषिक्तों को पवित्रता का सन्देश नाश करने के लिए भेजता है? क्योंकि वह लोगों को प्रभु का दर्शन पाने से रोकना चाहता है। क्या आप शैतान की रणनीति देख रहे हैं? अगर शैतान पवित्रता का सन्देश नष्ट कर सकता है, तो वह लोगों को दिव्य प्रकाशन के द्वारा प्रभु का दर्शन पाने से रोक सकता है; क्योंकि फिर वे बिलकुल भी पाक-साफ नहीं रहते हैं।''और धन्य हैं, वे जो मन के शुद्ध हैं, वे परमेश्वर को देखेंगे।''

अतः अब जो ये सेवक हैं, वे कोई हंसी-ठट्ठा करनेवाले सेवक नहीं हैं, वे तो भ्रष्ट नारियों के लिए शैतान की ओर से अभिषेक पाये हुए हैं। जब वे स्त्रियों को भ्रष्ट कर देते हैं, तो वे कलीसिया को ही भ्रष्ट कर देते हैं। नारी किसी भी देश की रीढ़ की हड्डी है; नारी किसी भी समाज की रीढ़ की हड्डी है, नारी किसी भी घर-परिवार की रीढ़ की हड्डी है; और जब ये झूठे अभिषिक्त अंदर आते हैं, ताकि कलीसिया में और भी ज्यादा सदस्यों की बढ़ोतरी कर लें, तो उन्होंने पवित्रता के उन मापदंड़ ही तोड़ डाले, जो पहनने-ओढ़ने के विषय में थे। वे फिर से बेथेल में आना नहीं चाहते हैं। जी नहीं! ये तो दुराचारी, ढ़ोंगी-पाखंड़ी, और नीच-गिरे हुए हैं--वे इसे स्त्रियों के लिए सुगम व आसान बना डालते हैं, और जबकि वे जानते हैं, कि यह सब गलत है। वे इसे भाई ब्रन्हम के सन्देश में पढ़ते हैं। उनके पास ये सारे हवाले हैं; उन पास कम्प्यूटर हैं; उनके पास हवालों की पुस्तकें हैं। वे जानते हैं, कि यह गलत है; लेकिन उनके पास कोई रीढ़ की हड्डी नहीं है।

लोग नरक में जायेंगे, क्योंकि पास्टर ने सुसमाचार का प्रचार नहीं किया

सांय-31 *पास्टर-याजक, मामला यही है। मामला यह है*, कि हमारे लोग नरक में जायेंगे, क्योंकि तुम ने प्रचारमंच से सुसमाचार का प्रचार नहीं किया है; ***बिलकुल ठीक ऐसा ही तो हुआ है। अगर तुम ने सुसमाचार का प्रचार किया होता, लोगों के मध्य में परमेश्वर की उद्धार करने वाली सामर्थ होती, और तुम्हारे यहाँ पुराने-***

चलन वाली ऑल्टर कॉल होतीं, और लोगों ने अपने अपने जीवन को पाक-साफ कर लिया होता, और फिर यह बात ही अलग होती; और इसने मसीहियत में मिसालें कायम कर दी होतीं। यह बिलकुल सच बात है। परन्तु हम ने कहीं न कहीं बाड़ों को गिरा दिया है। (आशा 01-10-55)

अगर वह उन्हें सुसमाचार नहीं बताता है- वह मसीह का सेवक होने के योग्य नहीं है

126 और तुम याजकों...यदि उसके हृदय में मसीह के लिए कोई सम्मान नहीं है, तो फिर आप उसका मामला मंड़ली को सौंप दें, कि बिना किसी...के ही...अब वह...कि वे उसके पीछे इस मामले को बाहर कर दें, ***लेकिन यदि वह प्रचारक या पादरी उन्हें इसके बारे में (सुसमाचार के बारे में) नहीं बताता है, तो वह यीशु मसीह का सेवक होने के योग्य नहीं है। यह पूर्णतः सच है। वह मसीह का सेवक होने के योग्य नहीं है। यदि कोई मामला बाइबल पर आता है, तो उसे मसीह का एक निर्भिक सेवक होना चाहिए।*** निश्चय ही ऐसा ही होना चाहिए! (हम क्यों एक नामधारी कलीसिया नहीं हैं 27-09-58)

कोमल-नाजुक हड्डीरहित पादरी-याजक अपनी कलीसिया को उन कार्यकलापों को करते रहने देते हैं

सांय-84 और एक पादरी-याजक जो, अपनी कलीसिया को उन कार्यकलापों को करते रहने देता है, बजाये इसके कि वह उन्हें इसके लिए प्रचारमंच से ज़ोरदार डाँट लगाए, वह एक कोमल-नाजुक हड्डीरहित पादरी-याजक ही है। ***हमें तो ऐसे असली मर्द की आवश्यकता है, जो वचन का प्रचार रबड़ के दस्ताने पहनकर नहीं, बल्कि वचन का प्रचार पवित्र आत्मा की सामर्थ और प्रकटीकरण में होकर करता है***...बाइबल कहती है, कि ये कार्यकलाप गलत हैं। ***लोगों के लिए उस प्रकार के काम करना गलत है, उस प्रकार का आचार-व्यवहार करना गलत है।*** वचन का तो प्रचार किया जाना चाहिए, उसे सब जगह जीना चाहिए। ऐसा ही करना चाहिए...***कलीसिया को तो एक शुद्धिकरण की, उसे पाक-साफ किये जाने की आवश्यकता है।*** (मेमने का विवाह 21-01-62)

वे तो हड्डीरहित प्रचारकों का समूह हैं, और चूँकि वे अपनी अपनी पत्नी को काबू में नहीं रख सकते हैं, इसी लिए उनकी पत्नी कलीसिया में स्टाइल लेकर आती हैं, और उनकी

बेटियाँ स्टाइल लेकर आती हैं; और वे जानते हैं, कि अगर उन्होंने इस मामले में अपनी पत्नी को छूआ भी; तो इससे फूट पड़ जायेगी; और इस कारण वे अपने मुँह पर ताला लगाये रहते हैं। और जब वे अपनी कलीसिया, या अपनी मंड़ली में उन कामों को करने के लिए मना कर चुके होते हैं, और अगर उसके बाद वे अपनी अपनी पत्नी को और अपनी बेटियों को उन कामों को करने के लिए मना नहीं कर सकते हैं; तो इससे कलीसिया के टुकड़े हो जायेंगे।

पादरी-याजक अपनी पत्नी को कमोत्तेजक वस्त्र पहनने देता है- स्त्रियाँ नमूना अपना लेती हैं

परन्तु हम तो अंदर को रेंगने लगे, और हमने बाड़ों को गिरा दिया है। हम ने गलत नमूने अपना लिये हैं। स्त्रियाँ पास्टर की पत्नी के जैसे आचार-व्यवहार करती हैं। पादरी अपनी पत्नी को बाल कटवाने के लिए जाने देता है, वह उसे बाल कटवाने देता है, उसे किसी भी प्रकार के कामोत्तेजक वस्त्र पहनने देता है; और उसपर इस प्रकार के कार्यकलाप करने के लिए कदापि कोई डाँट नहीं लगाता है। और दूसरी महिलाएं कहती हैं,'' अगर अमुक-अमुक स्त्री ऐसा कर सकती है, तो मैं भी ऐसा ही कर सकती हूँ।'' आप उसे अपना आदर्श ना बनायें। परमेश्वर ने आपको बताया है, कि आपको क्या करना है, आप उसी पर ही टिके रहें। मगर जब आप उन कार्यकलापों को करते हैं, तो आप परमेश्वर को नाकाम करते हो, आप परमेश्वर के लोगों को नाकाम करते हो। जब आप उन्हें असफल करते हैं, तो आप परमेश्वर को ही असफल करते हैं। परमेश्वर ने आपको वहाँ पर एक पहरूवा होने के लिए ठहराया; और जब तुम पाप को रेंग कर अन्दर आते हुए देखते हो, तो तुम्हें चाहिये, कि तुम उस जैसी चीज के काटकर टुकड़े टुकड़े कर दो, वरना वह लोगों को भरमा देगा। (हे प्रभु! बस एक बार और!20-01-63)

उससे आपकी माफी नहीं हो जाती है

55 ***परन्तु मैरीलिन मोनरे या ऐसी ही कोई और शख्सियत अपने बालों को बॉब-कट कटवा लेती है।*** और उसके बाद तो किसी प्रचारक की पत्नी को ठीक वैसा ही काम करना होता है; और आप सोचती हैं, कि आप के पास तो ऐसा करने का अधिकार है। ***इससे आपकी परमेश्वर के वचन से माफी नहीं हो सकती है।***

कोमल-नाजुक हड्डीरहित पुरुष- तुम्हारे पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है

51 *और तुम पुरुषों, तुम बेचारे, कोमल-नाजुक हड्डीरहित पुरुषों, तुम जो अपनी पत्नी को उस जैसे काम करने देते हो, ये यही दिखाता है, कि तुम किस से बने हुए हो। यही कारण*

है, कि तुम्हारे पास वह कोई पवित्र आत्मा नहीं है, जिसके होने का तुम ढ़ोंग करते हो, वरना ***तुम में कुछ न कुछ तो ऐसा पर्याप्त होता, कि कैसे भी हो तुम उससे एक शिष्ट महिला के जैसे कार्यकलाप करवाते, जब तक कि वह तुम्हारे साथ रहती है। आमीन! इस प्रकार की कटाई-छटाई करना पुराने चलन की बात लगती है। परन्तु आज कलीसिया को तो पुराने चलन की ही, पवित्र आत्मा द्वारा की जाने वाली धुलाई की, और धोकर लटकाने की और सुखाने की और पवित्र आत्मा के द्वारा इस्तरी किये जाने की ही आवश्यकता है। निश्चय ही!*** (कलीसिया और उसकी स्थिति 5/8/56)

मैं इस बात को यहाँ पर जोर देकर बताना चाहूँगा, कि उन में से बहुत सी स्त्रियाँ अपने अपने पतियों को प्रचार करती हैं; और उन स्त्रियों में प्रचार करने की एक दुष्टात्मा है। परन्तु वे यह बात खुद भी जानती हैं, कि उन्हें प्रचारमंच के पीछे नहीं आना है। अतः वे अपने अपने पतियों पर प्रचार करती हैं; और उसके बाद उनके पति प्रचार करने का काम करते हैं। अतः हमारे पास इस सन्देश में स्त्री-प्रचारक हैं। लेकिन वे शयन कक्ष(बैडरूम)में ही प्रचार करती हैं; और वे अपने अपने पतियों पर कलह और मन-मुटाव का प्रचार करती हैं, और उसके बाद उनके पति प्रचारमंच के पीछे से उसी का प्रचार करते हैं। इस प्रकार शैतान इसे आगे बढ़ाता जाता है। इस प्रकार शैतान अपना एक घेरा बनाता है। शैतान स्त्री-प्रचारक में एक घेरा बनाता है; और वह अपने पति पर शयन कक्ष के भीतर प्रचार करती है। तब वह पति बहुत ही ज्यादा कोमल-नाजुक हड्डीरहित है, और कुल मिलाकर बात तो यह है, कि उसके पास तो कोई सन्देश नहीं होता है; और वह इस बात के लिए खुश होता है। और इसके बाद वह प्रचार मंच पर आता है, और कलह और मन-मुटाव का ही प्रचार करता है। जब कोई उसकी पुत्रियों के मामले में दख़ल देता है; जब कोई उसकी पत्नी के मामले में दख़ल देता है, जब कोई उसके बच्चों के मामले में दखल देता है; तो उसके बाद वह प्रचारमंच पर आता है, और इस बात का ढ़ोंग करता है, कि उसके पास मन के विचारों को परखने की समझ है; और वह उन लोगों पर खूब ताने कसता है, जिन्होंने उसके परिवार के खिलाफ, उसके दोस्तों के खिलाफ, उसके रिश्तेदारों के खिलाफ कुछ कहा होता है; अतः सारा का सारा मामला एक घरेलू मामला ही बन जाता है। यह एक घरेलू मामला बन जाता है।

तुम प्रचारकों, तुम अपनी पत्नी को ऐसा करने देते हो, कि वह तुम्हारी यहाँ-वहाँ अगुवाई करे

55 तुम प्रचारकों, तुम अपनी पत्नी को ऐसा करने देते हो, कि वह तुम्हारी यहाँ-वहाँ अगुवाई करे। यह क्या ही शर्म की बात है...मसीह का जो दास अपने निज घर-परिवार को काबू में नहीं रख सकता है, तो वह भला परमेश्वर के भवन को काबू में कैसे रखेगा? ***आप कहते होंगे, '' अच्छा, भाई ब्रन्हम, ये तो बस कुछ छोटी छोटी बातें ही हैं।'' बिलकुल ठीक है; तो आइये हम सबसे पहले छोटी छोटी बातों का ही सुधार करें; इसके बाद ही हम किसी बड़ी बात पर आयेंगे। इसके बाद ही हम पवित्र आत्मा के बारे में तथा किस प्रकार से दिव्य वरदान प्राप्त किये जाते हैं, इसके बारे में बातें करेंगे।*** (लाभ के लिए धन का निवेश 26-01-63)

बिलकुल ठीक बात है, बात फिर से पहरावे पर ही आ जाती है। तब आपके पास ऐसे तंग-चुस्त पहरावे होते हैं, जो नारियों की रूप-बनावट दिखा रहे होते हैं। मैं उन प्रचारकों के बारे में कह रहा हूँ, जिनकी पत्नियाँ उस प्रकार के ही पहरावे पहनती थीं, जैसे कि पहरावे आप पहनती हैं, जब कि वे मेरे प्रचार के अन्तर्गत रहा करती थीं। वे यहाँ-वहाँ चारों ओर चुटकुलेबाजी नहीं कर सकती थीं। उन दिनों में मुझमें थोड़ा सा और ज्यादा जोश हुआ करता था। मैं मंड़ली के भीतर ही ठीक उनके पास जाकर, उनके मुँह के सामने ही उस बात को बता दिया करता था, और कह दिया करता था, कि आप इस कलीसिया के लिए एक तौहीन हैं। और इस बात के लिए वे मेरे विरोधी हो गए। एक व्यक्ति जो मेरे विरूद्ध हो गया था, वह इस समय काँव काँव करता फिरता है, और वह कहता था, ''मैं नहीं जानता हूँ, कि क्यों तुम हमेशा ही मेरी पत्नी के पीछे पड़े रहते हो?'' '' मैं नहीं जानता हूँ, कि क्यों?'' और आज वह उसे बिलकुल चुस्त कपड़े पहनने देता है, जैसे किसी चीज पर बिलकुल चिपका हुआ डिब्बा होता है। वह ठीक परमेश्वर के भवन में उस प्रकार के तंग-चुस्त कपड़े पहनती है, जैसे कोई बिलकुल तंग डिब्बा होता है।

प्रचारक की पत्नी ने अनैतिक-अभद्र कपड़े पहने हुए थे- भविष्यद्वक्ता ने उसे डाँटा

29-2 एक बार एक प्रचारक की पत्नी बड़ा ही भद्दा पहरावा पहने हुए बैठी हुई थी; वह बड़ी ही भंयकर सी दिखाई पड़ रही थी। आप कहते हैं, ''आपको

उन्हें कुछ कहने का कोई हक नहीं है।'' मुझे उन्हें कहने का हक है; वचन ऐसा ही बताता है, कि इस सब का प्रचार कर।तुम बहुत से कोमल-नाजुक हड्डीरहित प्रचारकों, तुम उन बातों को अनदेखा करते हुए आगे निकल जाते हो, क्योंकि तुम में हिम्मत नहीं है...हो सकता है, कि सबसे पहली बात तो यह हो, कि उन्हें परमेश्वर के द्वारा प्रचार करने के लिए बुलाया ही ना गया हो। यह सही बात है। परन्तु परमेश्वर का सच्चा सेवक तो उस वचन के साथ ही टिका रहेगा। यह सच है। ***उस प्रचारक की पत्नी उस तंग-चुस्त पहरावे में बैठी हुई थी और वह उसके बदन पर बहुत ही ज्यादा चुस्त था, उसने कानों में बालियाँ पहनी हुई थीं, और श्रृंगार किया हुआ था, और उसके बाल लड़के के जैसे छोटे छोटे कटे हुए थे, जबकि परमेश्वर इस सब की घृणित काम के रूप में भर्त्सना करता है। और फिर भी आप कहते हैं, कि आप के पास पवित्र आत्मा है?*** *अधिक समय नहीं हुआ है, कि मैं ऐसे ही किसी विषय पर फीनिक्स में प्रचार कर रहा था, और उस प्रचारक की पत्नी ऊपर प्रचारमंच पर बैठी हुई थी, और उसके बाल ऐसे छोटे छोटे कटे हुए थे जैसे कि इन लड़कों में से कुछ के कटे हुए होते हैं, और उसने ऐसा पहरावा पहना हुआ था, कि वह अपने अन्दुरूनी कपड़े भी छिपा कर नहीं रख सकती थी, कि वे न चमकें(वह अपने घुटनों पर भी नहीं हो सकती थी, उसका वह पहरावा उसके घुटनों से चार या पाँच इंच ऊपर था, और वह वहाँ पर ऐसी हालत में बैठी हुई थी) वह आगे-पीछे को उछलती-कूदती हुई गीत गाने में अगुवाई कर रही थी।* ***मैं उसे जितनी ज़ोर से डाँट सकता था, मैंने उसे उतनी ज़ोर से डाँटा। (एक सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13/5/62)***

प्रचार मंचों पर इन प्रचारकों में से तीन-चौथाई तो ऐसे प्रचारक हैं, जो कभी न कभी व्यभिचार के दोषी थे। उनका स्वभाव ही बिगड़ा हुआ है। ये तंग-चुस्त पहरावे कुछ ऐसे हैं, जिनमें कुछ रद्दोबदल की गई है। अतः वे उन तंग-चुस्त पहरावों को पहनती हैं, और अपने शरीर की बनावट का प्रदर्शन करती हैं। जब वे चलती हैं, तो वे पहरावे उनके बदन पर और भी चुस्त हो जाते हैं। अगर वे ऊपर खड़ी हो जाती है, तो यह एक छोटे स्लैक(बहुत ही ज्यादा चुस्त पज़ामा) होता है। वे परमेश्वर पर तरकीबें चला रही हैं। अतः जब वे सीधी खड़ी होती हैं, तो वह पहरावा बिलकुल ठीक लगता है। और उन में से कुछ को तो यह भी नहीं मालूम, कि कैसे चला जाता है; जब उन में से कुछ लम्बे लम्बे कदम रखती हैं, तो उनकी देह की झलक दिखाई पड़ती है। जब वे

झुकती है, यह बड़ी ही शर्म की बात होती है। आप उसे शालीनता कहना चाहते हैं। तुम कहना चाहते हो, कि वह भाई ब्रन्हम की शिक्षा से मेल खाती है; तुम झूठ बोलनेवाले प्रचारक! क्या तुम कहना चाहते हो, कि वह भाई ब्रन्हम के हवालों से मेल खाती है? असम्भव! उन्होंने तो कहा था, कि मसीही पहरावा ढीला-ढाला होता है।

ठीक ऐसे ही भ्रष्ट पुरुष अपने भ्रष्ट स्वभाव के कारण ही अपनी मंड़ली के शादी-शुदा लोगों के मध्य में अशुद्ध जीवन के जिये जाने की इजाजत और अनुमति-रज़ामंदी दे देते हैं, और इस सब को सहन भी कर लेते हैं। मसीहियों के मध्य में किसी भी प्रकार के नापाक-अशुद्ध जीवन जीने के मामले में (चाहे वह शादी-शुदा ही क्यों न हो) बाइबल और सन्देश दोनों ही उन के खिलाफ हैं; चाहे वह लौंड़ेबाज़ी ही क्यों न हो, चाहे वह किसी प्रकार की लीलाक्रीड़ा क्यों न हो, या उन घिनौने कार्यकलापों में से कोई क्यों न हो, जिन्हें आज सदोम में स्वीकार किया जाता है। वह तो गंदा-भद्दा, घिनौना, सड़ाहटयुक्त, दुर्गंधयुक्त, और जानवरों के स्वभाव वाला ही है, और बहुत ही गिरा हुआ है; और भाई ब्रन्हम ने इसकी भर्त्सना की थी। परमेश्वर के नबी ने उन्हें आत्मा की परख के अन्तर्गत देख लिया था। मैं उन प्रचारकगणों के बारे में बोल रहा हूँ, और उन्होंने अपनी सदोमी दुष्टात्मा को अपनी मंड़ली में भी स्थानान्तरित कर दिया है। रोमियों 1:24-28 ऐसे नापाक जीवन की भर्त्सना करता है।

शादी-शुदा लोगों के मध्य में-प्रचारक-सेवदारों के मध्य में घिनौना जीवन जिया जाता है

1128-306 ***मैं इस बात का यकीन नहीं करता हूँ, कि पिन्तेकोस्तल लोगों के मध्य में, होलीनस वाले लोगों के मध्य में नापाक जीवन जीया जा रहा हो; चाहे वे शादी-शुदा ही क्यों न हों। मैं यह यकीन नहीं करता हूँ, कि उन में ऐसा होता हो।*** जी नहीं, श्रीमान! ये जो कुछ गंदी-घिनौनी हरकते हैं–ये बहुत ही भंयकर हैं...मैंने प्रचारकगणों और सेवादारों से वहाँ पर मुलाकात की थी, जहाँ पर मैं मन के विचारों की परख कर रहा था, मुझे ऐसा महसूस हुआ, कि मैं उन्हें अपने घुटनों पर झुका दूँगा, और उन्हें ''सुसमाचार की प्रोटोप्लाज़म वाली स्फूर्ति दूँगा।'' जी हाँ, श्रीमान! यह देखना, कि एक व्यक्ति अपनी युवा पत्नी को लेकर ऐसी जगह जायेगा, जहाँ गंदे, और घिनौने....आप जानते हैं, कि मेरा क्या तात्पर्य है? मैं सोचता हूँ, कि परमेश्वर के जन के रूप में आपको शर्म

आनी चाहिए...आप बस एक असली पति बनें; एक सच्चे प्रिय बनें। आप अपनी पत्नी का वैसा ही आदर करें जैसा कि आप हमेशा ही उसका आदर करते हैं। आप इन पर...***इन कुछ नॉन-सैक्सी किताबों पर, या इन अश्लील किताबों की गन्दगियों पर तथा उन बातों पर, जिनके बारे में आप पढ़ते हैं, तथा उन सब गंदी-घिनौनी बातों पर तथा इसी किस्म की सभी बातों पर कोई ध्यान न दें।*** आप उस प्रकार की गंदी-अश्लील बातों को अपने दिमाग से निकाल बाहर करें। बाइबल कहती है, जब तुम पवित्रता का खुले आम प्रदर्शन करते हो, तो तुम्हारे बीच में कोई गंदी बातचीत नहीं होनी चाहिए। इस छोटी सुसभ्य महिला के साथ ऐसा व्यवहार करें, जैसे वह आपकी छोटी प्रियसी हो। अगर वह साठ साल की भी हो जाये, तौभी आप उसके प्रति वैसे ही बने रहें; आप उसके वैसे ही पुरुष-मित्र बने रहें, जैसे कि आप हैं। ***आप इन नई नई हरकतों में से किसी को भी अपनाने की कोशिश न करें***....और मैं जानता हूँ, कि मैं क्या कह रहा हूँ....आप बस एक असली पति हों, एक असली-सच्चे भाई हों, एक असली-सच्चे मसीही हों। मैं जानता हूँ, कि ये बातें ऐसी लगती हैं, जैसे...लेकिन...मुझे वह कहने का हक है, जो मैं कहना चाहता हूँ। तुम समझे? तुम मेरे बच्चे हो; तुम सही किस्म का जीवन जियो। और तुम जो स्त्री हो, तुम अपने पति के प्रति एक सही किस्म का जीवन व्यतीत करो। और तुम जो पति हो; तुम अपनी पत्नी के प्रति सही किस्म का जीवन व्यतीत करो। एक दूसरे के प्रति असल में बहुत ही अच्छे, मधुर बने रहो, और एक दूसरे की इज्जत-सम्मान करो...और तुम्हारे परिवारिक सम्बंध तथा इसी प्रकार के और दूसरे रिश्ते ऐसे हों, कि वे श्रृद्धाभाव और ईश्वरीय भाव से भरे हुए हों, और तुम एक दूसरे की रजामंदी में तथा हर एक बात में सहमति में हो, जितना कि तुम हो सकते हो। ***कभी भी एक दूसरे को दरकिनारे करने की, और नीचा दिखाने की, और एक दूसरे के प्रति गंदे और घिनौने व भद्दे बनने की कोशिश न करें।*** (प्रश्न और उत्तर 30-08-64)

क्या ये भ्रष्ट प्रचारक जिनका स्वभाव ही भ्रष्ट है,अपनी अपनी मंड़लियों में शालीनता वाले वस्त्र पहनने ओढ़ने के मामले में, पवित्रता के इन मापदंड़ों को स्थापित कर सकते हैं? जी नहीं, श्रीमान! यीशु ने कहा था,''***निकम्मा पेड़ अच्छे फल नहीं लगा सकता है।***'' ऐसे पास्टर याजक स्त्रियों की और इन पुरुषों की बहकावे की ओर अगुवाई करते हैं। जी हाँ! अतः वे लोग वहाँ पर ऐसी ही स्थिति में हैं। मैं अब ठीक इसी समय यहाँ पर एक बड़े ही जरूरी मुद्दे पर बोलने जा रहा हूँ। **मैं स्त्रियों के टॉप्स के विषय में बोलने जा रहा हूँ। हमारे पास ये अति तंग-चुस्त टॉप हैं, और ये टॉप नीचे की तरफ आते-**

आते बिलकुल सकरे हो जाते हैं, जहाँ ये स्त्रियों के पेट को साफ दिखाते हैं; और ये स्तन वाले हिस्से पर, अर्थात् वक्षस्थल पर बहुत ही तंग हो जाते हैं। ये सन्देश के खिलाफ है। यह शालीनता–सौम्यता के खिलाफ है; यह परमेश्वर के आत्मा के खिलाफ है। ये सारे पहरावे टेलीविज़न से आये हैं; ये सारे पहरावे हॉलीवुड से ही निकलकर आते हैं। आइये मैं इसे थोड़ा सा खुलकर समझा देता हूँ। आज एक चलन है–एक स्टाइल है; इस समय कई सालों से एक स्टाइल है–और वह है, कि स्त्रियों को अपने वक्षस्थल का एक भाग का प्रदर्शन करना अच्छा लगता है। क्या आपने ध्यान दिया है, कि संसार में यह स्टाइल कहाँ से आया है? कभी कभी वो अपने वक्षस्थल का चौथाई भाग दिखाना चाहती हैं, कभी कभी वो अपने वक्षस्थल का आधा भाग दिखाना चाहती हैं, और कभी कभी वो अपना पूरे का पूरा ही वक्षस्थल दिखाना चाहती हैं। इसके बाद वह अपना पेट–कमर उ घाड़ती हैं; और वो उसे पब्लिक को दिखाना चाहती है। ऐसा तो अश्लील नारी ही करती है; ऐसा तो एक अश्लील माँ ही या एक अश्लील बाप ही, एक भ्रष्ट–दुराचारी बाप ही, एक भ्रष्ट–दुराचारी माँ ही अपनी बेटी को उस प्रकार के पहरावे पहनने दे सकती है; और उसे उस प्रकार के पहरावे पहनकर घर से बाहर घूमने दें सकती है। तुम बेशर्म माँ–बाप! तुम बेशर्म ढ़ोंगी–पाखंड़ी! परमेश्वर तुम्हें आग से भस्म करने जा रहा है। अगर मेरे पास उसके विरूद्ध चिल्लाने के लिए बली दूत की आवाज़ होती, तो मैं चाहता, कि सारी दुनिया मेरी बात सुन ले। जी हाँ! यह बुरा, दुष्ट, नीच, दुराचार से भरा हुआ कृत्य है! जी हाँ, श्रीमान! दुष्टता की बात करते हैं। उनकी दिलचस्पी तो अपना पेट–अपनी कमर दिखाने में होती है। और उनकी दिलचस्पी तो अपना वक्षस्थल दिखाने में होती है। **मैं आपको दिखाने जा रहा हूँ, कि कहाँ पर परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने इस बात की भर्त्सना की थी; चाहे ऐसा बहुत ही मामूली ढ़ंग से ही क्यों न किया जाये...चाहे एक मसीही विश्वासी ने अपने सारे कपड़े पहने हुए हों, लेकिन अगर वह अपने वक्ष को हल्का सा भी उघाड़ कर दिखाती है, और ऐसा करती है, कि वह हॉलीवुड की किसी अभिनेत्री के जैसी दिखे, तो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने इसकी एक बुराई के रूप में भर्त्सना की थी। हमें एक मसीही के रूप में दुनिया के चलन पर कदापि नहीं चलना चाहिए।**

अतः कुछ वे महिलाएं जो ब्लाऊज पहनती हैं, और वे उसे अपने वक्षस्थल पर नीचे को खुला रखती हैं; और वे किसी किस्म का वेस्ट या किसी किस्म का कोई कपड़ा पहनती हैं, जिससे उनका वक्षस्थल बड़ा ही कसा सा हो जाता है। आप मुझे इस प्रकार की अभिव्यक्ति के लिए क्षमा करें। कुछ इसे नहीं समझते हैं; कुछ तो खेल से रहे हैं; और कुछ तो इन बातों

से अनभिज्ञ हैं। अतः मुझे स्पष्ट अंग्रेज़ी भाषा बोलनी है। जी हाँ! वे अपने उस पहनावे में अपने वक्षस्थल को कसा हुआ सा रखती हैं, और उसके कुछ अंश–भाग का प्रदर्शन करती हैं। मसीहियों को अवश्य ही दुनिया के चाल–चलन को अपनाना नहीं चाहिए; और इसे परमेश्वर के भवन में लाना नहीं चाहिए, और ना ही उस प्रकार के चलन, या स्टाइल के पहरावों में किसी प्रकार का थोड़ा बहुत बदलाव करके उन्हें पहनना चाहिए। बाइबल कहती है, कि ***''तुम संसार के सदृश न बनो, वरन तुम्हारा चाल–चलन बदलता चला जाए'***; आपको दुनिया के जैसा नहीं दिखना चाहिए। **स्त्री अपने शरीर के ऊपरी भाग को ढ़ांक कर रखने के लिए उतनी ही जिम्मेदार है, जितनी कि वह अपने शरीर के निचले भाग को ढ़ांक कर रखने के लिए जिम्मेदार है। जी हाँ! परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने उसकी भर्त्सना की थी।** बिलकुल ठीक है, सबसे पहले मैं यहाँ पर उसी को आपके लिए पढ़ने जा रहा हूँ।

स्त्रियाँ अपने वक्षस्थल उघाड़ रही है, ताकि कामोत्तेजक दिखें– यह निरईश्वरीय है

*925–23 मैं अपने कुछ मित्रों से किसी दूसरी रात्रि को वहाँ बातचीत कर रहा था, जहाँ हम सुदूर पहाड़ों में ऊपर थे, और एक...एक युवा नारी...और हमने वहाँ पर ध्यान दिया..कुछ भाइयों और मैंने ध्यान दिया; कि वह नारी अपने बच्चे को दूध पिला रही थी।उसने बस अपनी ...से ...अपनी पोशाक से अपना स्तन निकाला, और अपने बच्चे को दूध पिलाने लगी; और यह एक मिनट के लिए बड़ा ही स्तब्ध करने वाला था। इसी प्रकार मेरी माँ ने मुझे दूध पिलाया था। यह बिलकुल सच है। **मैं उस प्रकार की एक स्त्री का उससे कहीं अधिक आदर–सम्मान करता हूँ, जो मैं इन स्त्रियों का, जो उन छोटे छोटे पहरावों को खुद अपना प्रदर्शन करने के लिए पहनती है, करता हूँ।** वे तो एक मनुष्य के जैसी भी नहीं लगती हैं। **उनका ऐसा करने में एक मकसद होता है, जो कि कामोत्तेजक, अभक्तिपूर्ण है। एक स्त्री जो हमेशा ही बहुत अधिक कपड़े पहनती है, और अपने आप को ऐसा बनाने की कोशिश करती है, जैसे वो ऐसी दिखाई दे, जो कु छ वह खुद नहीं है।** क्यों, **वे स्त्रियाँ सचमुच में उस प्रकार की नहीं हैं।** ये तो हॉलीवुड़ की किसी प्रकार की गंदगी ही है। **और उन स्त्रियों पर यह शैतान की ही आत्मा है, जो उन से कामोत्तेजना के द्वारा पुरुषों का ध्यान अपनी ओर खींचने की चेष्टा करती है।** स्त्री को स्तन अपने बच्चे को दूध पिलाने के लिए ही दिये गए थे ।.....यह बिलकुल सच है। मेरे पास उसके लिए, उस प्रकार की स्त्री के लिए और भी ज्यादा इज्जत है, क्योंकि..ठीक उसी प्रकार से ही तो उसकी माँ ने उसे पाला–पोसा*

था... परन्तु ***जब आप बाहर जाने के लिए आती हैं, और शायद कभी इतना वाला ब्लाऊज या कोई ऐसा ही पहरावा पहनती हैं, और फिर आप बाहर खुद अपने को पट्टी नुमा कपड़ों से तथा ऐसे ही पहरावों से प्रदर्शित करती हैं; जो अभक्त, भद्दा दिखाई देता है;*** *और यह पुरुषों से कराता है...क्या आपको महसूस होता है, कि शैतान की आत्मा आप पर है? ओह हाँ! बहन, आप वैसा नहीं करना चाहती हैं–आप वैसा न करें।* ***वह तो हॉलीवुड़ का दिखावा और शैतान का फंदा है। जब आप वैसा करती हैं, तो आप पुरुषों से ऐसा करवाती हैं, कि वे आप के बारे में गलत सोचें। और जब आप वैसा करती हैं,तो आप उस पुरुष के साथ व्यभिचार करने की दोषी होती हैं,*** *क्योंकि आपने खुद अपने को उसके आगे इस प्रकार से पेश किया है। परन्तु बस जाइये और* ***ठीक वैसी ही बनी रहें, जैसा परमेश्वर ने आपको बनाया है। समझीं? आप स्वयं को कुछ ऐसा बनाने की चेष्टा न करें, जो आप हैं, ही नहीं। आप बस एक इंसान ही बनी रहें। वह क्या ही भंयकर बात है!*** (प्रश्न और उत्तर, प्रातः 23–8–64)

यह एक आत्मा है

119 *और जब उन्होंने इस व्यक्ति को टेक्सस से लिया, और उन स्त्रियों को बाहर लिया, तो* ***उन के अंदर के वस्त्रों का उपयोग उन्हें ऐसा बनाने के लिए किया गया, कि वे कुछ ऐसी दिखाई दें, जो वे हैं ही नहीं,*** *तथा वे कुछ इसी प्रकार की लगें। और उन्हें इसी के साथ आगे बढ़ने में सफल होने दिया। और अब वे क्या करते हैं? यह रेंगती हुई अंदर चली गई है।* ***यह एक आत्मा ही तो है।*** *(हम क्यों एक नामधारी कलीसिया नहीं हैं? 27–09–58)*

स्त्रियों के अंदर के कपड़े जो उन्हें ऐसा बना देते हैं, कि वे कामोत्तेजक दिखाई दें

सांय–34 उन्होंने इसे कब शुरू किया था? आप ज़रा इतिहास में अतीत में जाकर देखें। ऐसा क्लारा बो के दिनों में शुरू हुआ था। और ***इस दुराचारी, अभक्त टेक्सस के रहने वाले के साथ ही यह चलन बाहर निकल कर गया, और उसने ही स्त्रियों के अंदर के ऐसे कपड़े बनाये, कि वे उन्हें ऐसा बना दें, कि वे कामोत्तेजक दिखाई दे।*** (दीवार पर हस्तलेख 09–03–58)

हो सकता है, कि कुछ लोगों ने सोचा हो, कि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने उन मुद्दों पर कभी भी चर्चा नहीं की थी; लेकिन उसने उन मुद्दों पर चर्चा की थी; और जिसके विषय में

मैं बोल रहा हूँ, और ***जिसके विषय में भविष्यद्वक्ता ने बोला था, वह यह है, कि–स्त्री को अवश्य ही अपने शरीर का ऊपरी भाग शालीनता–सौम्यतापूवर्क ढ़ांक कर रखना चाहिए; और उसे इस प्रकार के तड़क–भड़क से परिपूर्ण कार्यकलापों से कोई सरोकार नहीं रखना चाहिए।*** और मुझे क्षमा करना; मुझे तो बहुत ही स्पष्ट बोलना है। हॉलीवुड ने एक किस्म की अँगिया का अविष्कार किया है, और उसमें एक प्रकार की पट्टी सी लगी होती है, जो स्त्री के वक्ष वाले भाग को बाहर की ओर उभारती है–ताकि वह हॉलीवुड की किसी अभिनेत्री के जैसी लगे। उसके बाद स्त्रियाँ उसके ऊपर कोई तंग किस्म की चोली या पहरावा पहनती हैं; और इससे उनके वक्ष का भाग और भी भिचा हुआ हो जाता है, जिससे उनके दोनों उभारों की लकीर दिखाई पड़ती है। यह अभक्तिपूर्ण है! यह शैतान का ही काम है। किसी भी मसीही बहन को वैसा नहीं करना चाहिए। सन्देश के माननेवाले विश्वासियों को वैसा नहीं करना चाहिए। आप वैसा क्यों कर रही हैं? आप सही प्रकार के वस्त्र पहनें; आप ऊपर से लेकर नीचे तक ऐसे कपड़े पहनें की आपके अंदर के वस्त्र बिलकुल भी न दिखाई दें। अगर किसी भी जन को आप इस टेबरनिकल में वैसा करते हुए देखते हैं, तो वे उससे बेहतर जानते हैं, और उन्हें वैसा नहीं करना चाहिए।

अतः इन टॉप अर्थात् चोली–अँगिया के ऊपर प्रश्न आया है। तुम तो स्टाइल पर ही मरे जा रही हो, और कुछ स्त्रियाँ तो उस प्रकार के एक गज़ के कपड़े के लिए तीन सौ डॉलर की कीमत अदा कर रही हैं।जी हाँ! दो सौ पचास डॉलर! इसी वज़ह से तो तुम्हारे पति को दिन और रात मेहनत–मशक्कत करनी पड़ती है। यहाँ तक कि कोई करोड़पति भी अपनी पत्नी को या अपनी बेटी को इतनी दौलत खर्च करने की अनुमति नहीं देगा। और एक करोड़पति तो उन से भी ज्यादा समझदार है। और इसीलिए तो वह करोड़पति है। ये तो लोग ही हैं, जिनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई की फिज़ूल खर्ची के कारण ही वैसा होता है। उन्हें देखकर भी अक्ल नहीं आती है। **बाइबल कीमती–चमकीले अंगरखों के विषय में कहती है; आपको कीमती वस्त्र, कीमती वस्तुएं नहीं पहननी चाहिए।** अगर आप उन दिनों में रहे होते, जब वे आटे की बोरियों को सिलकर कपड़े बनाते थे, तो आप जान जाते, कि एक एक कौड़ी कैसे बचायी जाती है। यही कारण है, कि कुछ स्त्रियाँ अपने पतियों से दिन–रात मेहनत–मज़दूरी कराती हैं। वो उन्हें घर के राशन इत्यादि के लिए पैसे देता है, और वो जाकर उन पैसों को मंहगे कपड़ों को खरीदने में उड़ा देती हैं। उस कपड़े का एक गज़ टुकड़ा ही ढ़ाई सौ डॉलर में मिलता है , और उन्हें उस कपड़े का तीन–या चार गज़ का टुकड़ा पहनना होता है। क्या ही मूर्खता है! आइये मैं आपको कोई बात बताये देता हूँ। आप जानते

हैं, कि कोई भी मुझसे मेरा पैसा इस प्रकार की फिजूल खर्ची के लिए नहीं ले सकता है; मेरी पत्नी बेहतर जानती है; मेरे बच्चे बेहतर जानते हैं। वे उससे बेहतर जानते हैं। मैं बड़ी ही किफायत से चलने वाला इंसान हूँ। मैं फिजूल में एक दमड़ी तक खर्च नहीं करना चाहता हूँ। मैं हमेशा ही यह महसूस करता हूँ, कि हर एक वह पैसा जो मैं बचाता हूँ, मैं उसे अपने किसी गरीब भाई को दे दूँ। मेरी तो ऐसी सोच है। जी हाँ! ऐसा इसलिए नहीं है, क्योंकि मैं कंज़ूस हूँ। मैं तो ऐसा शख्स हूँ, जो अपना सारा माल लेकर दूसरों को दान कर दे। लेकिन मैं किफायत से पैसा खर्च करने में विश्वास करता हूँ। मैं बचत करने में विश्वास करता हूँ। मैं फिजूल खर्ची करने में–या व्यर्थ में ही पैसा लुटाने में विश्वास नहीं करता हूँ। मैं इस बात में विश्वास नहीं करता हूँ, कि रोटी के दो टुकड़े करूँ; और उसका एक टुकड़ा तो खा लूँ, और दूसरा टुकड़ा बाहर फेंक दूँ। मैं इस बात में यकीन नहीं करता हूँ, कि घर में पके फल रखे हों, और मैं उन्हें सड़ जाने दूँ। जी नहीं, श्रीमान! इससे मेरे दिल पर चोट लगती है, कि अफ्रीका में कहीं कोई भूखा है, और वे भूख के मारे बिलख रहे हैं, और आपके पास फिजूल खर्ची करने के लिए पैसे हैं, कि तीन सौ डॉलर की एक पोशाक खरीद लें। आप तो हर साल ही एक नया फ्रिज लेना चाहती हैं। तुम तो इस संसार के लिए ही जी रहे हो। अगर हम मसीही हैं, तो हम मसीहियों के जैसी चाल चलें। जी हाँ; परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने इसकी निन्दा की थी।

जब युवा महिलाएं उस किस्म के कपड़े का उपयोग अपनी पोशाक बनवाने के लिए करती हैं, कि उनकी पोशाक और भी ज्यादा मक्खन जैसी चिकनी बन जाए और बदन से और भी ज्यादा चिपक जाए; और वे उसको थोड़ा सा ऊपर चढ़ा लेती हैं; और उसका निचला भाग कटवा लेती हैं–और उसे उस प्रकार का बनवा डालती हैं; तो तुम यह करने की चेष्टा कर रही हो, कि तुम अपनी कमर व पेट का प्रदर्शन करो। तुम तो इस संसार के सदृश्य ही बनना चाहती हो; और तुम किसी वेश्या से कम नहीं हो। डीकनों को तुम्हारे पीछे आना होता है, और तुम से कहना होता है, कि तुम्हारा पहरावा बहुत ही ज्यादा चिकना है; तुम्हारी अँगिया–चोली बहुत ही ज्यादा चिकनी है; और तुम्हारा स्कर्ट बहुत ही ज्यादा चिकना है। एक स्त्री होने के नाते तुम्हें तो उससे ज्यादा नैतिक मूल्य पता होने चाहियें, और तुम्हें तो शर्म–ओ हया से पानी–पानी हो जाना चाहिए, जब कोई पुरुष तुम्हें वैसी बात बताता है।

आपको यह बताने के लिए, कि नैतिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ गयी है; मैं आपको एक वाक्या बताता हूँ। मैं किसी समय कुछ और प्रचारकगणों तथा और दूसरे भाइयों के साथ किसी निश्चित स्थान पर था। एक स्त्री जो सन्देश के माननेवाली किसी दूसरी कलीसिया से वहाँ पर आयी थी..इन चार पुरुषों के पास आयी, जबकि वहाँ पर पीछे ही स्त्रियों का एक

झुंड़ भी था, तथा और दूसरे लोग भी थे; और वह उनके पास आकर बोली,'' माफ करना; क्या आप मुझे बता सकते हैं, कि शौचालय कहाँ पर है?'' तुम एक वेश्या हो! तुम तो सारी की सारी नैतिकता ही खो चुकी हो। देखने में तो वह एक शिष्ट–मसीही महिला लगती थी, लेकिन वह तो एक सच्ची मसीही बिलकुल भी नहीं है, उसका यही भेद है। मैं एक पुरुष होकर भी, अगर किसी से––किसी और पुरुष से मूत्रालय या शौचालय के लिए पूछूँ, तो मुझे शर्म महसूस होती है; और वह तो इससे भी आगे ही निकल गई; कि वह उन सारी स्त्रियों को जो वहाँ पर चारों ओर पीछे खड़ी हुई थीं, छोड़ कर सीधे ही इन चार पुरुषों के पास चली आयी। इससे तो मैं सिर्फ एक ही बात का निष्कर्ष निकाल सकता हूँ, कि आप किसी पुरुष की तलाश कर रही थीं। अगली बात यह है, कि आप तो मुझे ही शौचालय में अपने साथ आने का आमंत्रण दे डालेंगी। तुम पर अश्लीलपने की–वासना की आत्मा है। मैंने हालात की छानबीन की, और मुझे मालूम हुआ, कि दुनिया में उसकी चार नाज़ायज औलादें हैं। मैंने कहा, ओह, यही है वह जहाँ से वह आत्मा आती है! और मैंने उसे एक विश्वासी के साथ कूल्हे से कूल्हा मिलाकर मटकते हुए देखा था। जी हाँ, श्रीमान! उस प्रकार की आत्माएं इस सन्देश के पीछे पीछे चली आती हैं।

फिर यह है, कि उनके पहरावों के गले नीचे को कटे हुए(low neck) होते हैं। इस समय संसार में स्त्रियाँ अपने वक्ष स्थल का आधा भाग प्रदर्शित कर रही हैं, और वे अपनी कमर–पेट का भी प्रदर्शन कर रही हैं। मसीही महिलाएं अपने वक्षों का थोड़ा सा भाग प्रदर्शित करना चाहती हैं। **जी हाँ! वे इसके साथ साथ अपनी चेन भी दिखाना चाहती हैं। अतः वे अपने गले ऐसे कटवाती हैं, कि वे नीचे को हों, और वह उनकी गर्दन से होकर उनके वक्ष वाली धारी तक जाए, और फिर वे ऐसे पहरावे पहनकर इस ढ़ंग से अपनी चेन पहनती हैं, कि उनकी चेन के साथ साथ उनके वक्ष की भी कुछ झलक दिखाई देती रहे।**

अपनी गरदन से लेकर अपने घुटनों तक कायदे के कपड़े पहनें

*20 सम्पूर्ण जगत ही अनैतिकता का एक सड़ाहट भरा बड़ा पुलिन्दा बन गया है। मैंने किसी दूसरे दिन सुना था, कि फ्लोरिडा में कुछ पुरुष एक ऐसा कानून पारित करने जा रहे थे, कि स्त्रियों को सड़क पर आने के लिए **अपनी गरदन से लेकर अपने घुटनों तक कायदे के कपड़े पहनने चाहिए**। अगर ऐसा ही है, तो मैं फ्लोरिडा की तरफ ही चला जाऊँगा। जी हाँ, श्रीमान! (राजकुमार 15/8/56)*

तुम एक अश्लील महिला हो। तुम नये सिरे से जन्म नहीं पा सकती हो। तुम्हारे अंदर तो नैतिकता का विवेक है ही नहीं। जिससे तुम नैतिकता भरे काम करो, इसके लिए तो तुम्हारे पास नैतिकता का विवेक होना जरूरी होता है। एक प्रचारक को आपको यह बताने की कभी जरूरत पड़नी ही नहीं चाहिये, कि आपको बताये कि आपको कैसे वस्त्र पहनने हैं। स्वभाविक विवेक ही स्त्री को बता देगा, कि वे नंगी है; और जब तुम उसी विवेक को ही लांघ जाती हो, तो तुम्हारे साथ अवश्य ही कुछ न कुछ गड़बड़ है।

तुम आधुनिक बनने के चक्कर में ही अपने बदन को उघाड़ने की कोशिश में लगी हुई हो

76. वे स्त्रियाँ जो पिछले पाँच मिनट पहले तक यह नहीं जानती थीं, कि वे नग्न हैं, और ज्यों ही पवित्र आत्मा ने लोगों के उस झुंड़ को छूआ, उन स्त्रियों ने अपने बदन को छिपाने के लिये अपने हाथों को सिकोड़ लिया, और उस जगह से चली गईं। ***अब, तुम मुझे यह बताना चाहते हो, कि तुम्हारी आधुनिक कलीसिया में यही मसीहियत है; तुम अपनी अपनी औरतों को पुरुषों के सामने अधनंगी होने देते हो, और तुम मुझे बताना चाहते हो, कि यही मसीहियत है? यह तो मूर्तिपूजकों से भी बदतर है। एक मर्तिपूजक को एहसास हो सकता है, और वह मसीह को ग्रहण कर सकता है; वे तो अपनी नग्नता को ढ़क लेंगे, और तुम हो, कि आधुनिक बनने के चक्कर में ही अपने बदन को उघाड़ने की कोशिश में लगी हुई हो।*** *(खमोश खड़ा हो 18/5/57)*

घुटनों से ऊपर चुस्त–तंग बदन से चिपके पहरावे पहनती हैं – जब वे चलती हैं, उनके उन हर एक कटाव–बनावट को दिखाते हैं

और इन स्त्रियों में से कुछ स्त्रियाँ घुटनों से ऊपर चुस्त–तंग बदन से चिपके पहरावे पहने हुए थे, जब वे चलती हैं, उनके उन हर एक कटाव–बनावट को दिखाते हैं, और उन पहरावों में से होकर उनके अंदर के कपड़े भी दिखते हैं; ***ऐसे पहरावों को पहनना वैसे ही बुरा है, जैसे छोटी छोटी नीकरें, बिकनी, या ऐसा ही और कुछ पहनना।*** *(विचारशील मनुष्य की छन्नी 22/8/65)*

स्त्री को तो अवश्य ही यह जान लेना चाहिए, कि उसके अंदर के कपड़ों की झलक लोगों को दिखाई दे रही है। **अगर आपके अंदर विवेक है; और यहाँ तक कि यह**

बात तो पुरुष में भी होती है, कि अगर आप कुछ ऐसा–वैसा पहरावा पहन लेते हैं, तो आपको खुद बा खुद ही अज़ीब सा लगता है। यह एक नैतिक विवेक होता है, जिसके कारण ऐसा होता है।परन्तु हुआ यह है, कि इन लोगों के पास तो कोई नैतिक विवेक भी नहीं है।इसकी पुनःबहाली नहीं हुई। अब बस हम समाप्त करने जा रहे हैं। अतः मैं यह कह रहा हूँ, कि यह एक कुपंथ है; ये सब कुपंथ ही हैं। इस देश में और यहाँ तक कि विदेशों में भी ''तथाकथित गर्जनों'' वाले इन प्रचारकों में से अधिकतर ने खुद अपने को व्यभिचार में पड़ा हुआ पाया है, और ये ही वे लोग हैं, जो इन स्टाइलों को लेकर आए। उन में से बहुत से ऐसे हैं, जो झूठे गर्जनों का प्रचार करते हैं, और वे अभी भी एक मापदंड़ को–एक कसौटी को कायम रखने का प्रयास करते हैं, लेकिन फिर भी उनकी स्त्रियों के मध्य में यह अनैतिकता पायी जाती है, क्योंकि न्यू यॉर्क में जो उनका बिग बॉस है, वह उन स्टाइलों को–उन चलनों को लेकर आया; और उसी ने कहा था, कि इन में कोई बुराई नहीं है। परमेश्वर ही उस पुरुष से निपटेगा। उसने दुनिया भर में चारों ओर लोगों को दूषित किया है।

अतः भाई ब्रन्हम के सन्देश की पवित्रता का जिन्होंने नाश किया, उन में से बहुत से भ्रष्ट प्रचारक तो उन झूठे गर्जनों से ही सम्बंध रखते हैं, जिनका आरम्भ न्यू यॉर्क तथा दूसरे स्थानों पर हुआ था। उन्होंने पवित्रता के सन्देश का नाश किया, और उन्होंने लोगों के जीवनों को नाश किया; और वे कचरे के फ़ालतू ढेर वाले प्रचारक हैं, चाहे वे यहीं के स्थानीय प्रचारक हों, या चाहे वे विदेशी प्रचारक हों। अब संगीत बजाने वाले आगे आ जाएं। वे कचरे के फ़ालतू ढेर वाले प्रचारक–सेवादार हैं, और वे कभी कभार उस कचरे के ढ़ेर से बाहर निकलकर आते हैं, और प्रचारमंच पर पुनः प्रवेश करते हैं। वे मुझ से चाहते हैं, कि मैं उस पर समझौता कर लूँ। हम किसी भी कीमत पर उस पर कोई समझौता नहीं करेंगे। यही कारण है, कि हम ने उस सेवकाई को बेनकाब किया। मैंने कहा,''तुम एक अपमान हो; और इस असेम्बली में तुम्हारा आना–जाना तुरन्त ही बंद कर दिया जाना चाहिए, जब तक कि तुम यह ऐलान करके न कहो, कि तुम किसी प्रकार के कोई मिशनरी या किसी प्रकार के कोई सेवादार नहीं हो। तुम तो एक तौहीन हो।''

उन्होंने लोगों की जिन्दगी तबाह कर डालीं हैं। ऐसे प्रचारक, चाहे वह स्थानीय प्रचारक हों, या चाहे वह सुमंद्रपार का कोई विदेशी प्रचारक ही क्यों न हो, वह तो कचरे के फ़ालतू ढेर

वाला प्रचारक ही है। वे स्त्रियों को ऊँची ऐड़ी-ऊँची हील की जूतियाँ-चप्पलें पहनने देते हैं, और उन्हें उन सारे पहरावों को पहनने देते हैं, जिनके लिए वे सोचते हैं, कि वे तो शालीनता से भरे हुए पहरावे पहन रही हैं, जबकि वे पहरावे शालीनता से भरे हुए उन पहरावों से बिलकुल भी मेल नहीं खाते हैं, जिनके बारे में भाई ब्रन्हम ने कहा था। क्या आप सोचते हैं, कि शालीनता-सौम्यता के सम्बंध में जो उनका विचार(आइडिया) और समझ है, वह भाई ब्रन्हम से मेल खाती है? जी नहीं! और ऐसा इसीलिए है, क्योंकि उन पर कोई दूसरी ही आत्मा है। उन सभों के पास तो उस आत्मा से अलग ही कोई और ही आत्मा है जो एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के पास था; और यही कारण है, कि उनके साथ यह मामला है। उनकी आत्मा तो उससे पूरी तरह से अलग है। वे प्रचारकगण तो उन स्टाइलों को कलीसियाओं में लेकर आए, चाहे उन्होंने ऐसा स्थानीय कलीसियाओं में और चाहे उन्होंने बाहर विदेशों में ऐसा ही क्यों न किया हो; वे एक बार को तो सही पहरावों के लिए खड़े हुए थे, जब परमेश्वर के कुछ ऐसे जन उनके चारों ओर थे, जिन्होंने पवित्रता और धार्मिकता के मापदंड़ स्थापित किए थे। परन्तु जब से वे शैतान के बहकावे में आये; और उन झूठे नबियों और उन कुपंथों के पीछे चलने लगे, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न पुरुषों के आने के द्वारा आये; तो सब कुछ ही बदल गया। ये तो यही दिखाता है, कि उनका नये सिरे से कभी जन्म हुआ ही नहीं था। जब कभी कोई व्यक्ति इस बात का दावा करता है, कि उसने नये सिरे से जन्म पाया है, और वह किसी मत, और या किसी कुपंथ के पीछे पीछे चलता है, तो ये यही साबित करता है, कि उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है। जब कभी वे पवित्रता के सन्देश की कसौटियों में परिवर्तन करते हैं, तो ये यही साबित करता है, कि उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है।

कुपंथीय अनुच्छेद संख्या-44
ऊँची एड़ी के जूते-चप्पल पहने जाते हैं, झूठे गर्जनों ने इनके लिए बहाने प्रदान किये.

अभी भविष्यद्वक्ता की एक और शिक्षा है–जो कि ऊँची एडी की जूतियों-चप्पलों के बारे में है; उन्होंने उस शिक्षा को भी एक कुपंथ और मत में बदल डाला है। वे ऊँची एड़ी और नुकीली ऊँची एड़ी (spike heel) में भी फर्क बतलाने की चेष्टा करते हैं। एक बार को इस देश में सारी स्त्रियाँ ठीक वैसी ही जूतियाँ पहना करती थीं, जैसे कि यहाँ पर हमारी ये बहनें पहनती हैं, जिन्होंने पवित्रता का मापदंड़ कायम करके रखा हुआ है। जब झूठे गर्जन अंदर आये, और पवित्रता के सन्देश को बिगाड़ा, तो देश की बहुत सी स्त्रियाँ न्यू यॉर्क के उस गॉड फादर के पास जा पहुँचीं, जिसने उनके दिलों में इस विरोध के बीज को बोया था।

ये स्त्रियाँ ट्रीनिडाड लौटीं, और उन्होंने डीकनों को एक सभा में बुलाया, और इस बात की माँग की, कि भविष्यद्वक्ता का अभिप्राय तो नुकीली ऊँची एड़ियों से ही था, ना, कि ऊँची एड़ियों से। तुमने एक झूठ बताया है। ***परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने तो उन दोनों की ही भर्त्सना की थी;*** और हमें तो कोई भी कहीं पर यह नहीं दिखा सकता है, कि भविष्यद्वक्ता ने कहाँ पर उन में फर्क बताया था, जैसाकि यह कुपंथ सलाह दे रहा है। उसने ऊँची एडियों और नुकीली ऊँची एडियों दोनों को ही गलत ठहराने के लिए यशायाह 3 में पाये जानेवाले वचन के एक ही लेख का उपयोग किया था; और मैं ठीक उसी हवाले को आपको दिखाने जा रहा हूँ, कि क्या उसने ऊँची एड़ी और नुकीली ऊँची एड़ी वाली जूतियाँ कहा था; उसने तो वचन के ठीक उसी लेख का हवाला दिया था--उसने विभिन्न समयों पर उन दोनों के लिए उन लेखों का अपरिवर्तनीय तौर पर उपयोग किया था।

यशायाह 3 ऊँची एड़ी की जूतियों के बारे में बताता है

116 बाइबिल यशायाह 5 में बताती है, कि कैसे वह ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहनकर ठुमुक-ठुमुक कर इठलाती हुई चली, जबकि वह चलकर गई। (उसके आने का लाल चमकता प्रकाश 23-06-63)

यशायाह 3 ऊँची एड़ी की जूतियों के विषय में बताता है (स्त्री राज मार्ग पर चलती है)

खैर, वहाँ से होकर एक स्त्री गुजरी, उसने वैसी ही ऊँची एड़ी की बड़ी बड़ी जूतियाँ पहनी हुई थीं, जैसाकि वे आज पहनती हैं, वह नुकीली-ऊँची एड़ी की जूतियाँ थीं। और वह आयी, और मैंने उससे कहा, '' बहन, ज़रा एक मिनट रुको। आप उसे पहनकर उस राजमार्ग पर नहीं चल सकती हैं।' *...आप जानते हैं, कि बाइबिल यशायाह के ३वें अध्याय में क्या कहता है...ठुमुक-ठुमुक कर चलती हैं..(कुछ इठलाती-बलखाती सी चलती हैं)....****अंत के दिनों में सिय्योन की बेटियाँ उन ऊँची एड़ियों की जूतियाँ पहनकर ठुमुक ठुमुक कर चलती हैं।*** *(यह सूर्य का उदित होना है* 8-04-65)

ऊँची एड़ी की जूतियाँ (पहने हुए एक स्त्री राजमार्ग पर)

163 ***परमेश्वर ने कहा, ''मूसा, यहाँ ऊपर चोटी पर चला आ। तू मेरा एक वफादार सेवक रहा है।*** (जैसे स्त्री ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहनकर चलती हैं। ''तू ऊपर चढ़ आया है..''समझे?) ***वहाँ दूर दृष्टि डालकर देख। क्या तू प्रतिज्ञा किया देश देखता है?*** (क्या परमेश्वर अपना विचार बदलता है 18-04-65)

आप कहते हैं, ''प्रचारक, अब आप ऊँची एड़ी के लिए कहाँ से वचन का लेख ले रहे हैं?'' वह सब कुछ जो हमें जानने की आवश्यकता है, वह इस बाइबल में ही है। सुनिए, कि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने क्या कहा था। बिलकुल ठीक है, क्या यह आपको ऊँची एड़ी की जूतियों के बारे में नहीं लगता है। यशायाह 3:16-22 कहता है,''*यहोवा ने यह भी कहा है, क्योंकि सिय्योन की स्त्रियाँ (सिय्योन की पुत्रियाँ)घमंड़ करती हैं....*''(ये सिय्योन की पुत्रियाँ मसीही कलीसियाएं हैं। संसार में तथाकथित मसीही लोग घमंड़ी-अहंकारी हैं।) *....और सिर ऊँचा किये* (आगे को गर्दन निकाले हुए)*..और आँखें मटकातीं*....(ऐसी स्त्री जिसने नैन निकाले हुए हैं; और उसका एक पति भी है, लेकिन वह तो किसी और को ही निहार रही होती है)''*आँखें मटकातीं*'' ऐसी आँखें वासना भरी आँखें हैं... *''आँखें मटकाती, घुंघरूओं को छमछमाती हुई, ठुमुक-ठुमुक कर चलती है...* ''वह ठुमुकती और इठलाती हुई सी चलती है। क्या आपको वह ऐसा नहीं लगता है, कि उसने ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहन रखी हों?(*सभा कहती है, ''आमीन''*) यह ऊँची एड़ी ही है। ये यही दिखाता है, कि अंत समय की मसीही कलीसिया ऊँची एड़ियों की जूतियाँ पहनेगी, और उसकी आँखों में वासना भरी हुई होगी। अब, ध्यान दीजिए, कि ठुमुक ठुमुक कर चलने का और ऊँची एड़ियों का सम्बंध वासना भरी दृष्टि से ही है। कोई स्त्री उस प्रकार से क्यों करना चाहती है? क्योंकि वह ठुमुक ठुमुक कर- इठला कर चलना चाहती है। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि कोई अनैतिक, बदचलन स्त्री और साँप एक जैसे ही बलखाते हैं।

वह सर्प के जैसे इठलाती-बलखाती है

93 वह सुंदर नहीं है, ***वह तो सर्प ही है*** *(यह सही बात है)* ***वह उसी के जैसे ही इठलाती-बलखाती है;*** *वह उसी के जैसे ही कार्यकलाप करती है; वह उसी के जैसे ही डसती है। उससे दूर ही रहो।* (विचारशील मनुष्य की छन्नी 22/8/65)

अतः यहाँ पर आपका यह वचन का लेख है....''वह घुंघुरुओं को छमछमाती हुई ठुमुक ठुमुक कर चलती है।'' अतः ये ऊँची एडी की ही जूतियाँ हैं, जो ठक-ठक की आवाज करती हैं, बल्कि उन्हें पहनकर चलने पर ठुमुक-ठुमुक कर चलने वाली चाल हो जाती है; अब हो सकता है, कि आपकी जूती की एडी चौड़ी सी हो, और उस पर एक छोटी सी ही नुकीली हील लगी हो; लेकिन अगर वह आकर्षित करने के लिए उस प्रकार की आवाज़ निकालती है, तो फिर कुछ न कुछ गड़बड़ है। वह कोई भी नारी जो अपने पाँव से उस प्रकार की आवाज निकालना चाहती है, वह लोगों का ध्यान अपनी ओर

आकर्षित करना चाह रही है। अब सुनिए, कि परमेश्वर इस पीढ़ी को उस प्रकार के कार्यकलाप के लिए- वासना से भरी नज़रों के लिए, घमंड़ी-अहंकारी आत्मा के लिए, बाहर की ओर निकालकर ऊँची की गई गर्दन के लिए किस प्रकार का न्याय करेगा।

''....इसलिए प्रभु सिय्योन की पुत्रियों के सिर को(उनके सिर के ताज को) गंजा करेगा, और प्रभु उनके तन को उघड़वाएगा। उस समय प्रभु घुंघुरुओं (पाँव को सजाने वाले आभूषणों की-उन वस्तुओं की शोभा को दूर करेगा, जिनसे ठुमुक ठुमुक कर चला जाता है)जालियों, चन्द्रहारों, झुमकों, कड़ों, घुंघटों, पगड़ियों, पैकरियों, पटुकों, सुगंध पात्रों, गण्डों, अंगूठियों...बुन्दियों....और बालियों'' आप कहते हैं,'*'कहाँ पर बालियों के लिए वचन का लेख है?*'' ठीक यहाँ पर! ''....प्रभु कहता है, कि वह इन सभों की शोभा को दूर करेगा। ''...अंगूठियों और नत्थ...'' क्या आप सोचते हैं, कि बाइबल...यह बाइबल कोई चुटकुला है? क्या आप नहीं देखते हैं, कि लोग अपनी नाक छिदवा रहे हैं, और उस में नत्थ पहन रहे हैं? क्या कोई जानता है, कि हम यहाँ पर उस बाली या नत्थ को कहाँ पर पहनाते हैं? बैल की नाक में! अतः अब जब आप बलियाँ या नत्थ अपनी नाक में पहन लेते हैं, तो आप एक जानवर ही हैं; आप एक पशु ही हैं। और आपके अंदर जानवरों वाला ही चरित्र **है।''....सुंदर वस्त्रों, कुर्तियों, चादरों, बटुओं....'' यह सब यही दिखा रहा है, कि इन सब सजने-सवरने वाली वस्तुओं का अपना अपयश-अहंकार दिखाने के लिए उपयोग किया जाता है। मैं नहीं कह रहा हूँ, कि स्त्री को बाली या ऐसी किसी चीज को पहनना नहीं चाहिए; परन्तु हम तो वासना और अंहकार-अपयश के लिए इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं के बारे में बोल रहे हैं । और बिलकुल ठीक ऐसा ही ज़ोर मैं चेन के मामले में देता हूँ; अगर आप गले की जंजीर या चेन किसी स्टाइल के लिए पहन रही हैं, तो आप इसका दिखावा कर रही हैं, कि आप किस किस्म की स्त्री हैं। और मैंने कुछ पुरुषों को भी चेन पहने हुए देखा है। मगर परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने तो स्त्रियों को ही छोटा सा कंठहार अर्थात् नेकलस पहनने की अनुमति दी थी। लेकिन पुरुष तो कुत्तों की जंजीर जैसी मोटी मोटी चेन पहन रहे हैं। ठीक है, हो सकता है, कि तुम एक बहन हो। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि उसने बहनों को ही छोटा सा कंठहार अर्थात् नेकलस पहनने की अनुमति दी थी, अगर उनका लड़का-मित्र उन्हें वह**

देता है। लेकिन इस सन्देश में तो पुरुषों ने भी जाकर जंजीरें पहन लीं। ये कैसे हुआ, कि तुम उस प्रकार से महिलाओं के साथ शामिल हो गए?

''*...दर्पणों, मलमल के वस्त्रों और ओढ़नियों, और दुपट्टों...*'' और आगे चलकर प्रभु कहता है, कि वह उनके तन को उघड़वाएगा।''*...और ऐसा होगा, कि सुगंध के सन्ती सड़ाहट होगी...*" आपने बनाव–श्रृंगार की वस्तुओं और सुगन्धित द्रव्यों का ऐसा युग कभी नहीं देखा होगा?''*....कर्धनी के सन्ती बंधन की रस्सी; गुंथे हुए बालों की सन्ती गंजापन;सुदर पटुके की सन्ती टाट की पेटी; और सुन्दरता की सन्ती दाग होंगे। तेरे पुरुष तलवार से और शूरवीर युद्ध में मारे जायेंगे।*''अब यह उस न्याय को दिखा रहा है, जो इन संस्थाओं पर, इन सारी तथाकथित कलीसियाओं पर जिन्होंने इन सब वस्तुओं को बढ़ावा दिया है, आने वाला है। ये यही दिखाता है, कि वे क्लेश में से होकर गुजरेंगे, वे पहनना–ओढ़ना भूल जायेंगे। अब, यहाँ पर ये सारी वस्तुएं ना केवल गलत हैं, अपितु आपको उनका अपयश और अंहकार भी दिखा रही हैं, कि वे कैसे खूब सजे–धजे हैं, और सोचते हैं, कि वे तो बहुत बढ़िया और सुंदर दिखाई दे रहे हैं।

मिस यूनीवर्स (बह्रमाण्ड़ सुन्दरी)

एक बार इस देश की किसी महिला ने ''बह्रमाण्ड़ सुन्दरी'' का खिताब जीता था। मैं सचमुच में यह जानना चाहता हूँ, कि इस महिला में ऐसा क्या था, जो वह इतनी सुन्दर थी। मैं इसके बारे में सोच रहा था; यह सुन्दरता नहीं है, जिसके लिए यह सब किया जा रहा हो। आप इस सदोम और अमोरा की हालत को देखते हैं; कि जो अपने आपको जितना अधिक निर्वस्त्र कर सकती है, वही इस खिताब को जीत सकती है; और इस बात के लिए ही तो उस महिला ने उस खिताब को जीता था। उस महिला ने कोई निश्चित किस्म का पहरावा पहना था, और मैने इसे अखबारों में देखा था; और उसकी नंग्नता का आंशिक तौर पर प्रदर्शन हो रहा था; और यही है वह जिसके लिए उसने उस खिताब को जीता था। वह खिताब''बह्रमाण्ड़ सुंदरी'' ही अपने आप में एक निन्दनीय बात है। जब आप बह्रमाण्ड़ कहते हैं, तो उसमें समस्त आकाश, पृथ्वी तथा सब कुछ शामिल हो जाता है। यह एक निन्दा है। उस महिला ने उस खिताब को इसीलिए जीता, क्योंकि उसने जाकर खुद अपने को आधा निर्वस्त्र

किया था, उसने अपने आप को 99 प्रतिशत निर्वस्त्र किया था। यही कारण है, कि उसने उस खिताब को जीता था। भाई, यह पापमय है; और परमेश्वर इसका न्याय करने जा रहा है। जहाँ तक परमेश्वर की बात है, परमेश्वर की दृष्टि में यह एक घृणित कार्य है; और सच्चे मसीही उस जैसे कार्यकलाप में शामिल नहीं होते हैं। नामचारे के मसीही लोग अखबार खरीद रहे हैं, और उसे निहार रहे हैं, और उस जैसी चीज की तारीफ कर रहे हैं। उनकी आत्मा के साथ कुछ न कुछ गड़बड़ है। क्योंकि आप ने उस जैसे घृणित काम को चर्चा का विषय बनाया हुआ है, और आप उसे एक ऊँचा दर्जा दे रहे हैं, इसलिए आप के अंदर संसार की ही आत्मा है। आपको तो उस जैसी बात का तिरस्कार करना चाहिए। आपको तो उस जैसी बात से नफरत करनी चाहिए। आपको तो उस जैसी बात की आलौचना करनी चाहिए। जी हाँ! आपको तो उसे शैतान के ही एक काम के रूप में पहचानना चाहिए। आप क्या सोचते हें, कि वह स्त्री परमेश्वर की दृष्टि में कैसी लगती है? बाइबल कहती है, कि वह परमेश्वर की दृष्टि में एक घृणित वस्तु है। और यदि वह परमेश्वर की दृष्टि में एक घृणित वस्तु है, तो वह मसीही की दृष्टि में भी एक घृणित वस्तु ही है। हमें उस जैसी बात का पक्ष नहीं लेना चाहिए। और आपको यह दिखाने के लिए दुनिया पाप से कैसा प्रेम करती है, और दुनिया पापी से कैसा प्रेम करती है, मैं आपको बताता हूँ, कि सरकार के सारे नेताओं ने और देश के सारे नेताओं ने उसकी तारीफों के खूब पुल बाँधे। परमेश्वर इसे जला डालेगा। और हम अपने सम्पूर्ण हृदय और अपने सम्पूर्ण प्राण से इसके विरोध में हैं।

उस स्त्री ने ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहनीं, वह उन सितारों में से किसी एक को छू सकती थी। उसने अपने कपड़े सरकाये, और उसने अपनी टांगों का प्रदर्शन किया, और मैं कहूँगा, कि उसने अपने अन्दर के कपड़ों का आधा प्रदर्शन किया और वह खिताब जीत गई। मेरे भाई, क्या ये यह साबित नहीं करता है, कि हम सदोम में रह रहे हैं; मैं जानना चाहता हूँ, कि क्या होगा। ये यही दिखाता है, कि हम सदोमियों से घिरे हुए हैं। और ये गंदे–दुराचारी सदोमी उसकी सराहना करते हैं। राष्ट्रपतियों और प्रधान मन्त्रियों पर सदोम वाली आत्मा हैं, और इस देश के लोगों पर सदोम वाली ही आत्मा है, ताकि उस जैसी बात के लिए तारीफों के उतने ज्यादा पुल बाँधें; और दुनिया के ऊपर

सदोमी आत्मा छायी हुई है, और परमेश्वर इसे आग और गंधक से जलाने जा रहा है। इसे तो एलिय्याह भविष्यद्वक्ता के द्वारा पहले से ही स्राप दिया जा चुका है। मैं आशा करता हूँ, कि आप में से कोई भी युवा बहन, उसकी सराहना नहीं कर रही है और आप ''बह्ममाण्ड़ सुन्दरी'' बनना नहीं चाह रही हैं। यह तो मौत ही है! और यह ऐसी कोई बात नहीं है, जिसके लिए अनुराग रखा जाए। यह तो कोई ऐसी बात है, जिसका तिरस्कार किया जाए। मैं उस जैसी युवती की भर्त्सना करता हूँ, और आप देखेंगे, कि वे उस स्त्री के प्राण का सर्वनाश कर देते हैं। वे तो उस बेचारी युवती को ही मार डालते हैं। कोई रेडियों पर जोर–जोर से शोर मचा रहा था, कि वह कैसे ''बह्ममाण्ड़ सुन्दरी'' बनी। लड़के, मैं उस की बातें ग्रहण नहीं कर सकता था, और इसलिए मैंने रेडियो ही बंद कर दिया। मैंने कहा,'' काश तुम सिर्फ यह जान सकते होते, कि तुमने अपनी बेटी के साथ क्या किया है?'' तुम ने अपनी बेटी को सारी दुनिया के सामने खुद अपने को निर्वस्त्र करने की ही शिक्षा दी है। ना जाने कितने लोगों ने उसे टेलीविज़नों पर देखा था, और ना जाने कितने पुरुषों ने उस पर काम–वासना से भरी दृष्टि डाली थी। उसे न्याय के दिन व्यभिचार और कुकर्म करने के लिए जवाब देना होगा। उन्होंने उस बेचारी युवा स्त्री के प्राण को बर्बाद कर डाला। वह बेहतर नहीं जानती है। जी नहीं! ये तो उसके माँ–बाप ही हैं, जिन्होंने उसकी उस किस्म से परवरिश की थी। वह घिनौनी हैं! मसीही उस जैसी बात की सराहना नहीं करते हैं। मसीही उस जैसी किसी बात की तारीफें नहीं करते हैं।

जी हाँ, ऊँची एड़ी की जूतियाँ! भाई ब्रन्हम ने ऊँची एड़ी की जूतियों की भर्त्सना की थी। ऊँची एड़ी की जूतियाँ शैतान की ही हैं! उन्होंने उस पर ही एक कुपंथ बना डाला। भाई ब्रन्हम ने किसी उस स्त्री के स्वप्न को समझाया था, जिसने कहा था, कि वह उन्हें दिखा सकती है, कि वह उन पतली–ऊँची एड़ी की जूतियों को पहनकर उस सकरे मार्ग पर चल सकती है। और वह एक गहरी–अंधकारमय खाई में जा गिरी थी।

तुम उसे पहनकर उस राजमार्ग पर नहीं चल सकती हो

33–5 *अब, मैं कह रहा था, कि किसी भी व्यक्ति को उस राजमार्ग पर चलने के लिए इन तीन चरणों से होकर गुजरना होता है। खैर, वहाँ पर एक महिला*

*आयी, उसने उन ऊँची एड़ी वाली बड़ी बड़ी जूतियाँ–नुकीली ऊँची एड़ी वाली जूतियाँ पहन रखी थीं। और वह आयी, और मैंने उससे कहा, '' बहन, ज़रा एक मिनट रुकिए। तुम उसे पहनकर उस राजमार्ग पर नहीं चल सकती हो।'' **और मैंने कहा, ''तुम ऐसा नहीं कर सकती हो।'' और वह बोली, ''आ–हा!''** उसने उन बाकी स्त्रियों को देखा जो वहाँ पर चारों ओर थीं, और वह बोली, '' इसकी बात का विश्वास मत करो। वह तो एक पागल इंसान है। उसका विश्वास मत करो। मैं तुम्हें दिखाऊँगी, कि मैं धर्मी ठहर सकती हूँ, मेरा पवित्रीकरण हो सकता है, और मैं पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो सकती हूँ, और अभी भी उन्हें पहनकर चल सकती हूँ....'' **मैंने उसे जाने दिया; मैं इसके विषय में और कुछ नहीं कर सकता था, मैं उसे रोक नहीं सकता था। और वह राजमार्ग पर कूदी, और उसने मुड़कर बहनों पर निगाह डाली, और बोली, ''देखा, मैंने तुम्हें बताया था ना!'' और वह दौड़ने लगी...आप जानते हैं, कि बाइबल यशायाह के 5वें अध्याय में क्या कहती है, वहाँ पर कहा गया है, कि वे सिर ऊँचा किये हुए–– गर्दन बाहर को निकाले हुए..(उन्हें तो ऐसा ही करना है; वे तो अभिमान से भरी हुई हैं)...ठुमुक–ठुमुक कर चलती हैं...(उन्हें तो ऐसा ही करना है, वे इठलाती–बलखाती हैं)..जब वे चलती हैं, तो वे अर्थात् सिय्योन की पुत्रियाँ अंत के दिनों में ठुमुक–ठुमुक कर चलती हैं–वे अपनी ऊँची एड़ी की जूतियों से टख–टख की आवाज़ करती हुईं इठलाती हुई चलती हैं**।*और वह उस राजमार्ग पर जितनी ज़ोर से दौड़ सकती थी, वह उतनी ज़ोर से दौड़ी, और कुछ समय के बाद वह मार्ग तो सकरा और भी सकरा होता चला गया। वह उस प्रकार से बलखाने–इठलाने लगी और फर्की के जैसे चक्कर काटती हुई धड़ाम से गिर गई। और माँ बोली, '' वे सबसे भंयकर चीखें जो मैंने अपने जीवन में कभी सुनीं, वे उस स्त्री की चीखें थीं, जो उन आग की लपटों और धूँएं में उस प्रकार से गिरती ही चली जा रही थी।'' **बोला, कि मैं पीछे मुड़ा और बोला, ''देखा?''** *उसने सारी बात का पालन किया था, लेकिन उसने एक बात नहीं मानी थी; उसने सारी बात मानी थी, लेकिन एक ही वचन नहीं माना। **(यह सूर्य का उदित होना है 18/ 4/65)***

''गर्जन'' वाले लोग आज यह दिखाना चाहते हैं, कि वे गर्जनों का प्रचार कर सकते हैं, और ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहन सकते हैं। वे उस गहरी–अंधकारमय खाई में गिरने जा रहे हैं। झूठे गर्जन ही उन सारे कुपंथों को लेकर आए। वह सकरा मार्ग जीवन का मार्ग है। ''*सकेत है, वह फाटक और सकरा है वह मार्ग जो जीवन को पहुँचाता है।*'' और वह उन आग की लपटों और धूँएं

में गिर पड़ी थी, और उसका सर्वनाश हो गया था। आप ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहनकर स्वर्ग में नहीं जा सकती हैं। और मैं कहता हूँ, इस सन्देश में जो लोग हैं, आज उन्हें उन सब बेहूदी वस्तुओं को निकालकर बाहर फेंक देने की आवश्यकता है। वैसी जूतियाँ एक इंची एड़ी की, या आधा इंची एड़ी की हो सकती हैं, और अगर वे नीचे को पतली-सकरी होती चली जा रही हैं, और ऐसी सी होती जा रही हैं, तो आप उनको पहनकर इठलाती-बलखाती हैं। क्या यह सही बात है? *(मंड़ली कहती है, ''आमीन'')* और स्त्रियों को यह बात बेहतर जाननी चाहिये। और यदि कोई स्त्री अपने विवेक में बिलकुल सत्यनिष्ठ है, और चाहे वह खड़ाऊ ही क्यों ना पहने, अगर उन्हें पहनकर उसकी चाल वैसी सी हो जाती है, तो वह उन्हें बदल लेने का ही प्रयास करेगी। वह इस बात का इंतज़ार नहीं करेगी, कोई सेवादार उससे यह कहे,'' उन ऊँची एड़ी की जूतियाँ को उतार लीजिए।'' वह आध-इंची हो सकती है; वह एक इंच हो सकती है; और वह चीज नीचे को सकरी-पतली होती चली जा रही है, और वह किसी खास किस्म से बनी है, तो जब आप उसे पहनकर चलेंगी, तो आपकी चाल वैसी सी ही बिगड़ी हुई हो जायेगी। उसे पहनकर चलने पर तो आप की चाल अजीबो-गरीब हो जायेगी। जी हाँ! मैं कहता हूँ, कि आप ऊँची एड़ी की उन सारी जूतियों-चप्पलों से पूरी तरह से परहेज़ रखें। उसे पहनना बिलकुल बंद कर दें। उन उन ऊँची एड़ी की जूतियों को पहनकर आप स्वर्ग में नहीं जा सकती हैं।

तुम दूसरों के मार्ग में ठोकर रखती हो

सांय-69 *तुम दूसरों के मार्ग में ठोकर रखती हो। **देखिए, तुम जो स्त्रियाँ कभी कभी...उन ऊँची एड़ी की जूतियों को, जो तकरीबन उतनी ऊँची होती हैं, पहनकर सड़क पर ठुमुक-ठुमुक कर इठलाती हुई चलती हो।** (उसका वंश शत्रु के फाटक पर विजयी होगा 21/01/62)*

भाइयों और बहनों, हम आज रात्रि के अपने इस छोटे से सन्देश की समाप्ति पर आ पहुँचें हैं। और आज रात्रि मैंने आप पर पवित्रता के सन्देश में तीन कुपंथों को साबित किया है, और साबित किया है, कि उन्होंने इसे कैसे दूषित किया है। मैं इसी पर बोलना ज़ारी रखूँगा, और मैं टेलीविज़न पर तथा उन सारी बुराइयों पर जो इसके साथ साथ चलती चली जाती हैं, भविष्यद्वक्ता की

ही बातों में से बोलूँगा, कि आपको दिखाऊँ, कि झूठे गर्जन वालों ने अपने झूठे गर्जनों के द्वारा पवित्रता के सन्देश को हर एक दृष्टिकोण से तबाह कर डाला है; और उनकी अपनी निज शिक्षाएं हैं, उनके पास झूठे गर्जन हैं, और उनके पास बिगड़ा हुआ पवित्रता का सन्देश है। वह मूल सन्देश नहीं है। वह असली कसौटी नहीं है। यह तो दूसरी पीढ़ी ही है, जो आज झूठे अभिषिक्तों के पीछे पीछे चल रही है। यही है, वह जहाँ पर मलाकी 4 के मानने वाले बैठे हुए हैं, और यही है, वह जिसके बारे में भाई ब्रन्हम ने स्वप्न देखा था, कि वे लोग दस इंची मोटी सलाखों के पीछे कैद में थे, और यही है, वह जहाँ पर वे आज बैठे हुए हैं। परमेश्वर की सन्तानें इन सभी अस्मबलियों में पायी जाती हैं। ये परमेश्वर की ही सन्ताने हैं, जो इन सलाखों के पीछे कैद हैं, और अपनी छुड़ौती की प्रतीक्षा कर रही हैं, और वह छुड़ौती आयेगी। वह एक मात्र वस्तु जो उस छुड़ौती को लेकर आती है, वह है-पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना।

जब परमेश्वर उस कार्य के लिए किसी को लेकर आता है, तो वे परमेश्वर के चुने हुए होते हैं और परमेश्वर के द्वारा नियुक्त किये हुए होते हैं। यह कोई आसान बात नहीं है, कि आया जाए और कहा जाए, कि मित्र, मेरा सम्बंध इस मंड़ली से है। आपको उन पुलतों को पार करने के आना होता है,जो खेतों में पक्षियों के डराने के लिए लगाये जाते हैं- आपको तो बहुत से स्क्रेक्रॉ को पार करना होता है , और आपको अपनी मसीही जिन्दगी में सभी जगह काम करना शुरू करना होता है। आपको अपने घर-परिवार में कुछ निश्चित बातें ठीक करनी होती हैं। आपको अपने पहरावों में कुछ निश्चित बातों को ठीक करना होता है ; और यही है वह जो इसे मुश्किल बना देता है। अतः अब कोई भी शख्स कह सकता है, कि यह तो सत्य है, लेकिन मेरे मित्र, मैं आपको कोई बात बताये देता हूँ, क्या आप जानते हैं, कि क्यों आप लोगों को आता हुआ देखते हैं, और वे शपथपूर्वक कहते हैं, कि यही सत्य है, और उन लोगों को फिर दुबारा नहीं देखते हैं? जब वे उस कीमत को देखते हैं, जो उन्हें चुकानी है, और जब वे इस बात की. इस सत्य की कीमत देखते हैं, तो वे घर जाकर उस कीमत का मूलयांकन करने लगते हैं, और उन्हें इस बात का एहसास होता है, कि '' मैं इसकी कीमत नहीं चुका सकता हूँ। मेरे लिए तो यही बेहतर होगा, कि मैं अपनी ही मंड़ली में-अपनी ही असम्बली में वापस लौट जाऊँ, जहाँ पर

मुझे एक कौड़ी में ही चीज मिल जाती है, परन्तु इस बेथेल में तो इसकी कीमत एक डॉलर है, अतः मैं तो एक कौड़ी वाली ही मंड़ली के साथ ही टिका रहूँगा।'' तुम अपनी एक कौड़ी वाली मंड़ली के साथ ही टिके रहो, और दोस्त, तुम तो पीड़ाओं में से होकर गुजरोगे। तुम्हारे लिए बेहतर होगा, कि तुम अभी कीमत चुका डालो। भाई, आज रात हम मूल्य ही तो चुका रहे हैं। एक सोमवार की सुबह हम यहाँ पर लगभग दो या तीन घन्टे के लिए होंगे। हम कीमत ही तो चुका रहे हैं।

तुम्हारा समय व्यर्थ ही नहीं गया है। मेरा समय यहाँ पर व्यर्थ ही नहीं गया है। भाइयों, कलीसिया में आओ। उन दिनों में अपनी अपनी कलीसियाओं में आओ जब सभा होती है, परमेश्वर के वचन पर कान लगाओ। तुम्हें एक आकार में ढ़लना है। भाइयों और बहनों, बाहर निकल आओ। निरन्तर दुआ–प्रार्थना करते रहो। प्रभु के बच्चों का मुख ताकते रहो। होने पाये परमेश्वर की उपस्थिति तुम्हें नहला डाले। इसके लिए तो परमेश्वर की ही जरूरत होती है, कि आपको इस घड़ी में सम्भाले रखे। आप प्रार्थना सभाओं से कुछ एक दिन के लिए दूर रह लें, और आप देख लेंगे, कि कैसे शारीरिक भावनाएं आप महसूस करने लगते हैं। आप थोड़ी देर के लिए शहर जाते हैं, और आपके सिर में दर्द होने लगता है। आप उन पुरुषों के जैसे ही स्त्रियों पर कुदृष्टि डालने लगते हैं, जो वहाँ पर स्त्रियों पर कुदृष्टि डालते हैं; और उसके साथ ही आपके साथ ऐसा ही सब कुछ होने लगता है। मित्र, हम उस पथ पर नहीं चलना चाहते हैं। हम तो निरन्तर ही परमेश्वर की उपस्थिति में बने रहना चाहते हैं। भाइयों, मैं आपको बता रहा हूँ, कि हमें और भी खुदा की नज़दीकी में जाने की आवश्यकता है; और आपको परमेश्वर का उस अनुग्रह के लिए धन्यवादित होना चाहिए, जो उस ने आप पर किया है। आप उन भ्रष्ट प्रचारकों के तहत उन मंड़ियों में से किसी एक मंड़ली में फंसे हुए थे। और आप में से कुछ उन में फंसे हुए थे। आप में से कुछ तो दूषित–भ्रष्ट ही हो गए थे। आप उन भ्रष्ट प्रचारकों में से किसी के चक्कर में पड़ कर उन असम्बलियों में से किसी असम्बली में फंस सकते थे; परन्तु परमेश्वर के अनुग्रह ने ही आपको बाहर निकाला। फिर तो हम आएं, और खुदा को धन्यवाद दें, उसकी स्तुति–बड़ाई करें; यहाँ अंदर आयें और दुआ–प्रार्थना करें। **परमेश्वर को उसके लिए धन्यवाद दें, जो उसने किया है। मित्रों, इसे ऐसे ही न लें कि मानों यह आपको यूँ ही प्रदान कर दिया गया है। हम इस सन्देश पर बोलना ज़ारी रखेंगे। मैंने अभी तक अपनी बात पूरी नहीं की है, लेकिन अगली रात्रि को मैं उसे पूरा कर लूँगा।**

पवित्रता का सन्देश अपरिवर्तनीय है

हे प्रभु, आपकी शानदार–अद्भुत उपस्थिति के लिए, आपके शानदार–अद्भुत आत्मा के लिए, आपका धन्यवाद हो। आपकी उपस्थिति में ही हम बलवंत होते हैं। यह आपकी ही उपस्थिति है, जहाँ हमारे प्राण नम्र बन जाते हैं। आप हमें जीवन की रोटी खिलाएं, जो स्वर्ग से नीचे आती है। यह आपकी ही उपस्थिति है, जहाँ हम पूरी तरह से अनन्तता में होंगे। होने पाये आपका आत्मा और आपकी मौजूदी हमारे प्राणों के भीतर बेहिसाब मौजूद रहे। यही तो हमारा आनन्द है, यही तो हमारी शान्ति है, यही तो हमारी सन्तुष्टि है। हे प्रभु आइये! इस सुबह जीवन के वचनों को आशीषित कीजिए। अपने लोगों को आशीष दीजिए। होने पाये, जहाँ कहीं भी आपका वचन जाता है, आपके बच्चों के लिए आपका वचन उनके हृदयों में, उनके मस्तिष्कों में और उनके प्राणों में जीवन बन जाए। इस फलवंत बनायें। होने पाये, कि यह बहुतायत में फल लेकर आए। होने पाये इस अंधकारमय और धुंधले समय में बहुत से प्राण छुड़ौती पायें। प्रभु, इसे सम्पन्न बनायें। होने पाये, कि यह बहुतायत से फल उत्पन्न करे। पृथ्वी पर अंधकार छाया हुआ है, लोगों पर घोर अंधकार छाया हुआ है। परमेश्वर हम आपका धन्यवाद करते हैं, कि आपके पास एक चमकता हुआ उजियाला है; और हम उसी उजियाले में चल रहे हैं। आप अपने लोगों को आशीष दें और उन्हें अपने काबू में लें। आप अपने दास–सेवक को आशीष दें और उसे अपने काबू में लें।हम पर दृष्टि डालें। मुझे सही शब्द प्रदान करें, अपने लोगों की सहायता कीजिए, कि वे सही से वचन सुनें, क्योंकि वचन के सुनने से जीवन मिलता है, वचन के समझने से जीवन मिलता है। जैसा कि बुद्धिमान पुरुष ने कहा था,'' *जो कुछ भी तू हासिल कर रहा है, उस सब मे तुझे समझ प्राप्त हो*।'' और प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं, कि आप अपने लोगों की समझ को खोलें, ताकि वे मसीहविरोधी आत्मा को और मसीह की आत्मा को समझ जायें। क्योंकि इसी वजह से ही तो मोहरें खोली गई थीं। उस प्रकार के प्रकाशन को हासिल किये बगैर तो हम पीड़ा में से होकर गुजरेंगे।

हम नम्रतापूर्वक आपका धन्यवाद करते हैं, कि आज हमारे पास वैसा ही प्रकाशन है, हमारे पास वैसे ही प्रचारक, वैसे ही पुरुष हैं, ताकि वे जीवन के वचन को अपने हाथों में ले सकें। आप अपने उन लोगों को आशीष दें, जो उपवास रख रहे हैं और प्रार्थना कर रहे हैं, और आपके आत्मा के लिए बाट जोह रहे हैं। मैं नहीं जानता हूँ, कि मुझे ऐसा कहाँ पर मिल सकता है, कि वह आए, और उनके प्राणों को इन कुछ दिनों में, महीनें में एक बार या इससे पहले कि वे प्रभु भोज लें, उनके प्राणों का शुद्धिकरण हो। प्रभु, उन सभों को आशीष दीजिए, जो मेरी आवाज़ के तले हैं। होने पाये कि वे अनन्त जीवन पायें। इन सब बातों से

बढ़कर होने पाये, कि हम एक साथ मिलकर नये जगत में वास करें। हे प्रभु, एक खास ढ़ंग से लोगों को आशीष दीजिए, और जीवन के वचनों को आशीषित कीजिए। होने पाये कि ठीक वही मधुर आत्मा मंड़ली में विचरण करे, यहाँ तक कि वह हमारे जोड़ों और हड्डियों के मेरूरज्जा में, तथा हमारे हर एक रेशे में विचरण करे, और आपके बच्चों के पास अनन्त जीवन लेकर आए। हम इन सारी आशीषों को आपके पुत्र के नाम में होकर अर्थात् यीशु मसीह के नाम में होकर माँगते हैं। हे प्रभु, आप अपने बच्चों पर दृष्टि करें। प्रभु, हम आपका कलवरी के लिए धन्यवाद करते हैं हम इस अंधकार और धुंध भरी घड़ी में–उस बुलाहट के लिए धन्यवाद करते हैं, जिसमें होकर आप ने हमें बुलाया है। हम आपका अपने उद्धार के लिए बहुत ही धन्यवाद करते हैं। उसका धन्यवाद करो, कि उसने हमें बुलाया है। *(सभा आनन्दविभोर हो उठती है)* प्रभु, आपका धन्यवाद हो। उसके जीवन के लिए, परमेश्वर के उस प्रकट वचन के लिए, उस जबरदस्त सेवकाई के लिए जो उसने इस धरती पर मलाकी 4 के माध्यम से भेजी, धन्यवाद करो। वही काफी नहीं थी, अतः वह खुद आया, और मनुष्य का पुत्र (The Son Of Man)प्रकट हुआ।वही जीवन के वचन हमारे पास लेकर आया। हम नम्रतापूर्वक आपका धन्यवाद करते हैं। हम यीशु मसीह के नाम में आपको आदर, महिमा, प्रंशसा–बड़ाई देते हैं। और सभा कहे...(सभा कहती है,''आमीन) आमीन!

परमेश्वर का क्रोध तो उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रकट होता है, जो सत्य को अधर्म से दबाये रहते हैं। इसलिए, कि परमेश्वर के विषय का ज्ञान उन के मनों में प्रकट है, क्योंकि परमेश्वर ने उन पर प्रकट किया है।

क्योंकि उसके अनदेखे गुण, अर्थात् उसकी सनातन सामर्थ, और परमेश्वर जगत की सृष्टि के समय से उसके कामों के द्वारा देखने में आते हैं; यहाँ तक कि वे निरुत्तर हैं।

इस कारण, कि परमेश्वर को जानने पर भी उन्होंने परमेश्वर के योग्य बड़ाई और धन्यवाद न किया, परन्तु व्यर्थ विचार करने लगे, यहाँ तक कि उन का निर्बुद्धि मन अंधेरा हो गया।

वे अपने आप को बुद्धिमान जताकर मूर्ख बन गए।

और अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नाशमान मनुष्य, और पक्षियों, और चौपायों, और रेंगनेवाले जन्तुओं की मूरत की समानता में बदल डाला।

इस कारण परमेश्वर ने उन्हें उन के मन की अभिलाषों के अनुसार अशुद्धता के लिए छोड़ दिया, कि वे आपस में अपने शरीरों का अनादर करें।

क्योंकि उन्होंने परमेश्वर की सच्चाई को बदल कर झूठ बना डाला, और सृष्टि की उपासना और सेवा की, न कि सृजनहार की, जो सदा धन्य है। आमीन!

इसलिए परमेश्वर ने उन्हें नीच कामनाओं के वश में छोड़ दिया; यहाँ तक कि उनकी स्त्रियों ने भी स्वाभाविक व्यवहार को, उस से जो स्वभाव के विरूद्ध है, बदल डाला।

वैसे ही पुरुष भी स्त्रियों के साथ स्वाभाविक व्यवहार छोड़ कर आपस में कामातुर होकर जलने लगे, और पुरुषों ने पुरुषों के साथ निर्लज्ज काम करके अपने भ्रम का ठीक फल पाया।

और जब उन्होंने परमेश्वर को न पहचानना चाहा, तो इसलिए परमेश्वर ने भी उन्हें उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया, कि वे अनुचित काम करें।

सो वे सब प्रकार के अधर्म और दुष्टता, और लोभ, और बैरभाव से भर गए; और डाह, और हत्या, और झगड़े, और छल और ईर्ष्या से भरपूर हो गए;

और चुगलखोर, बदनाम करनेवाले, परमेश्वर के देखने में घृणित, औरों का अनादर करनेवाले, अभिमानी; डींगमार, बुरी बुरी बातों के बनानेवाले, माता–पिता की आज्ञा न माननेवाले।

निर्बुद्धि, विश्वासघाती, मायारहित और निर्दयी हो गए।

वे तो परमेश्वर की यह विधि जानते हैं, कि ऐसे ऐसे काम करनेवाले मृत्यु के दंड़ के योग्य हैं; तौभी न केवल आप ही ऐसे काम करते हैं, वरन करनेवालों से प्रसन्न भी होते हैं।

(रोमियों 1:18–32)

होने पाये प्रभु अपने पवित्र वचनों के पढ़े जाने पर अपनी आशीष प्रदान करे। कृपया आप बैठ जाएं। हमने जो वचन का लेख पढ़ा था, वह हमने रोमियों के पहले अध्याय में से 18 से लेकर 31वें पद तक लिया था।

इस दोपहर हमारे पास यहाँ पर ''पवित्रता का सन्देश अपरिवर्तनीय है'' नामक विषय पर एक और सन्देश है। **मैंने पवित्र वचनों में यह ध्यान देकर पाया, कि जब प्रभु अपने पहले आगमन पर आया, तो पुराने नियम से नये नियम में कई बातों में परिवर्तन हुए थे।** मैंने गौर फरमाया, कि पुराने नियम में कई नियम विद्यमान थे, जिनका लोगों को पालन करना होता था; वहाँ पर पर्वो–रिवाज़ों के नियम थे, सब्त के नियम थे, पैतृक सम्पत्ति के सम्बंध में नियम थे, पर्वो–त्यौहारों के नियम थे; और हम आपको उन विभिन्न नियमों–व्यवस्थाओं के बारे में बता सकते हैं, जो पुराने नियम में विद्यमान थे। वहाँ पर नियम–व्यवस्था एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग था, जो कि नैतिक–मूल्यों वाला नियम कहलाता था, जो कि पवित्रता का नियम था। और मैंने ध्यान देकर देखा, कि जब हमारे प्रभु यीशु मसीह का आगमन हुआ, तो इन नियमों में से कुछ नियम, जैसे कि सब्त से सम्बन्धित नियम, पैतृक सम्पत्ति से सम्बन्धित नियम, वे नियम जिनके द्वारा गुलामों पर हुकूमत की जाती थी, वे नियम

जिनसे हाकिम–प्रधान हुकूमत करते थे...मैंने ध्यान दिया, कि वे बदल गए थे, **परन्तु यदि आप पवित्र वचनों में ध्यान दें, तो आप देखेंगे, कि नैतिक मूल्यों से सम्बन्धित जो परमेश्वर का नियम पुराने नियम में था, उसमें कभी कोई परिवर्तन नहीं किया गया। परमेश्वर का नैतिक मूल्यों से सम्बिन्धत नियम अपरिर्वतनीय था, यही कारण था, कि परमेश्वर का नैतिक मूल्यों से सम्बिन्धत नियम नये नियम में भी शामिल किया गया।** ध्यान दीजिए, कि सब्त से सम्बन्धित नियम बदल दिया गया था, या उसमें और भी बढ़ोतरी कर दी गई थी। मैंने उन दस आज्ञाओं पर ध्यान दिया, जो कहती हैं, कि तू व्यभिचार न करना; तू चोरी न करना; तू हत्या न करना, तू झूठी गवाही न देना, तथा ऐसे ही और दूसरी आज्ञाएं हैं, जो इनके साथ साथ नये नियम में भी चली आयीं; परन्तु मैंने ध्यान दिया, कि सब्त से सम्बन्धित जो नियम था, वह चौथी आज्ञा थी; पुराने नियम में कई सब्त थे। वहाँ पर एक सब्त का वर्ष था, वहाँ पर भूमि के लिए एक सब्त था, और वहाँ पर एक सब्त का दिन था, जोकि शनिवार था, और हर सातवाँ वर्ष भूमि के लिए सब्त होता था, और आप उस सातवें वर्ष भूमि पर कुछ बो, या उगा नहीं सकते थे। लेकिन इन सब बातों को छोड़कर अगर आप आगे बढ़ें, **और पवित्रशास्त्र में खूब अच्छी तरह से ढूँढ़–ढ़ाँढ करें, तो आप देखेंगे, कि परमेश्वर का नैतिक मूल्यों से सम्बिन्धत नियम कभी नहीं बदला गया था। उस में बढ़ोतरी तो कर दी गई थी; उसे और भी ज्यादा कठिन बना दिया गया था, जबकि और दूसरे नियमों का आत्मिककरण कर दिया गया था,** परन्तु यह वाला नियम ज्यों का त्यों ही कायम रहा, और यहाँ तक कि यह और भी ज्यादा कठिन बना दिया गया था। अतः अब ये वे सारे नियम हैं जो पुराने नियम में मूसा के द्वारा व्यवस्थाविवरण 23 में, लैव्यव्यवस्था की पुस्तक में लिखे गए थे, जिसमें पशु के साथ जाने के बारे में, पुरुष का पुरुष के साथ जाने, स्त्रियों का स्त्रियों के साथ जाने के बारे में तथा काम–वासना की अनैतिकताओं की सारी भ्रष्टता के विषय में उल्लेख किया गया है; और उनमें कभी कोई रद्दोबदल नहीं की गई थी, यहाँ तक कि व्यवस्था इसी लिए आयी थी, कि पाप को पाप के रूप में ही उज़ागर करे। उस नैतिक मूल्य के सम्बंध में नियम तो व्यवस्था के आने से भी पहले मौजूद था, वह तो पाप के आने से भी पहले से मौजूद था , और हम इसे अदन की वाटिका में वापस जाकर देख सकते हैं। वह भले और बुरे के ज्ञान का वृक्ष था, और अगर आप ध्यान दें, तो आप देखेंगे, कि उस वृक्ष से जो बाहर निकलकर आया, वह काम–वासना से सम्बन्धित अनैतिकताएं थीं, और नैतिक–मूल्यों से सम्बन्धित नियम काम–वासना की अनैतिकता को घेरे रहता है; और उसमें ज़रा सा या उसमें बिलकुल भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया था, और जो कुछ भी उसमें परिवर्तन किया गया था, वह उसमें

की गई बढ़ोतरी ही थी, लेकिन भले और बुरे के ज्ञान के उस वृक्ष से जो बुराइयाँ निकलकर आयी थीं, उनके सम्बंध में वह स्वभाविक नियम ज्यों का त्यों ही अपरिवर्तनीय रहा, और यही है, वह जहाँ पर मानव–जाति की मुश्किल है।

मानव–जाति की मुश्किल, वे सारे लोग जो जीये, वे सारे लोग जो मरे, और वे सारे लोग जो आज जीते हैं, उन सभों की मुश्किल उसी अनैतिकता के वृक्ष में हुक के जैसे विद्यमान है। रोमियों का पहला अध्याय काम–वासना से सम्बन्धित अनैतिकताओं का बड़ा ही सुन्दर चित्रण करता है। **यहाँ बाइबल में परमेश्वर के पवित्रता के नियम रोमियों के पहले अध्याय के 18 से लेकर 32वें पद में लिपिबद्ध हैं, और यह आपको बताता है, कि उन लोगों पर परमेश्वर का न्याय आन पड़ेगा जो अपवित्रता के उन कामों को करते हैं। परमेश्वर की पवित्रता का लेखा–जोखा बाइबल के पन्नों में रिकॉर्ड है, जिसका हम पर प्रेरितों और भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा प्रचार किया गया, और यहाँ तक कि परमेश्वर ने आज एलिय्याह नाम का भविष्यद्वक्ता हमारे पास भेजकर हमें परमेश्वर की पवित्रता के मापदंड़ों को उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक स्मरण दिलाया है।** उनमें कोई रद्दोबदल नहीं हो सकती है; उन में कोई परिवर्तन नहीं हो सकता है; उनमें कोई काट–छाँट नहीं हो सकती है,क्योंकि यही वह एक ऐसी चीज है जिसने अदन की वाटिका में मनुष्य को परमेश्वर से अलग किया था। पाप, अपवित्रता, काम–वासना वाली अनैतिकताएं, दोगलापन, दूषित किया जाना, ये वे कुछ बातें हैं जिन्होंने अदन की वाटिका में मनुष्य को परमेश्वर से अलग किया था; और रोमियों की पुस्तक में इसका स्पष्ट रूप से ब्योरा पाया जाता है, कि परमेश्वर ने पीढ़ी पीढ़ियों में किस प्रकार से मानव–जाति को नाश किया, जगत के आरम्भ से ही ऐसा होता रहा, और हर एक पीढ़ी में मनुष्य कितना भ्रष्ट होता चला गया। जब काम–वासना सम्बन्धी अनैतिकताओं के ढ़ेर ऊँचाइयों पर पहुँच गए, तो उसके बाद परमेश्वर का न्याय स्वर्ग से मनुष्य की सारी अभक्ति के खिलाफ और सारी अधार्मिकता के खिलाफ–उन पुरुषों के खिलाफ जो अधार्मिकता में होते हुए भी परमेश्वर के वचन को अपने हाथों में लिये हुए थे, प्रकट हुआ। वे अधार्मिकता में होते हुए भी सत्य को अपने हाथों में थामे हुए थे। इसका साधारण सा तात्पर्य यही है, कि सन्देशवाहक के द्वारा, भविष्यद्वक्ता के द्वारा; प्रचारक के द्वारा सत्य को जान लेने के बाद भी...सत्य को जान लेने के बाद भी वे अभी भी अपने ही चाल–चलन पर चले; और वे तो बुरे, दुष्ट और अधर्मी थे; और उन्होंने जानबूझकर परमेश्वर को ही अपने दिमागों से बाहर निकाल दिया। यह एक सुंदर अध्याय है; और मैं जानता हूँ, कि मैं इस

मध्यान्ह यहाँ पर उन सभी वचन के लेखों पर चर्चा नहीं कर सकता हूँ; परन्तु यह वाला बहुत ही शानदार है, और यह सोचना बड़ी ही मनोहरम बात है, कि प्रेरित पौलुस ने कैसे इस बात को रखा, ''*इसलिए, कि परमेश्वर के विषय का ज्ञान उन के मनों में प्रकट है, क्योंकि परमेश्वर ने उन पर प्रकट किया है।*''वे कोई अनभिज्ञ–अज्ञानी लोग नहीं थे। ये वे लोग नहीं हैं, जो भला और बुरा न जानते हों। ये तो वे लोग हैं, जो भला और बुरा जानते हैं, और परमेश्वर ने खुद अपने को उन पर हर एक प्रकार से प्रकट किया है, उसने अपने को उन पर प्रकृति के द्वारा, सृष्टि के द्वारा, परिन्दों के द्वारा, पशुओं–जानवरों के द्वारा, सागर–सुमंद्रों के द्वारा, आसमानों के द्वारा, सितारों के द्वारा, चाँद और सूर्य के द्वारा प्रकट किया है। उसने अपने को उन पर इन सब वस्तुओं के द्वारा प्रकट किया है। उसने अपने को उन पर इन बातों के द्वारा प्रकट किया है। चाहे उन में से कुछ पढ़ या लिख भी न सकते हों, तौभी वे जानते हैं, कि परमेश्वर विद्यमान है, और वह पवित्र परमेश्वर है। उनका न्याय होगा। ''*जिसे ज्यादा दिया गया है, उससे ज्यादा ही लिया जाएगा।*'' इस पीढ़ी के बारे में क्या है, जहाँ लगभग हर एक घर में बाइबल है?

इस अध्याय पर खुल कर बात करने के लिए तो समय भी कम पड़ जायेगा। लेकिन जब वे सत्य को जान गए, तो उसके बाद भी वे उस सत्य को ठुकरा देते हैं, और वे अपने ही तौर–तरीकों पर चलना चाहते हैं, और बाइबल ऐसों के लिए कहती है, कि–''***परमेश्वर ने भी उन्हें उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया, कि वे अनुचित काम करें***''; और पुरुष पुरुष के साथ, स्त्रियाँ स्त्रियों के साथ ऐसे ऐसे अनुचित काम कर रहे हैं, जो ठीक नहीं लगते हैं । मनुष्य पूरी तरह से पाशविकता वाले जुनून की हद तक आ गया, और उसने इस भावना को खुद अपने मध्य में जाहिर किया; और जब हम उन बातों को धरती के मुखमंड़ल पर होते हुए देखते हैं,तो ये यही दिखाता है, कि परमेश्वर की जलजलाहट स्वर्ग से प्रकट हुई है।

मैं और आप एक वैसी ही पीढ़ी में रह रहे हैं। वह दुष्टता जो इंसान के हृदय में बसी हुई है, उसने तो हर एक युग की पीढ़ी की, जो इस धरती के मुखमंड़ल पर रही है, पाप और काम–वासना सम्बंधी अनैतिकताओं की हदें पार कर दी हैं, क्योंकि जो भविष्यवाणियाँ आज पूरी हुई हैं, वे नूह के दिनों और सदोम और अमोरा के दिनों की संयुक्त भविष्यवाणियाँ हैं। आज इस जगत में दुष्टता छः हजार वर्षों के बाद की ऊचाइयों तक पहुँच चुकी है। आप इसके विषय में बातें कर रहे हैं, कि अपवित्रता और अधार्मिकता इतनी ज्यादा बढ़ चुकी है, कि वे

अपनी परिपवक्ता तक आ पहुँची हैं, वे अपनी परिपूर्णता तक आ पहुँची हैं, और बढ़कर आसमानों की ऊँचाइयों तक ढ़ेर लगा चुकी हैं। यह परमेश्वर के नथनों में एक दुर्गन्ध है, और परमेश्वर अपने न्याय को रोक कर नहीं रख सकता है। यह तो उस वेदी पर ;यीशु मसीह का ही लोहू है, जो परमेश्वर की जलजलाहट को पीछे रोके हुए है। परन्तु यद्यपि उसका लोहू वहाँ पर है, तौभी मैं यह चाहता हूँ, कि आप यह जान लें, कि परमेश्वर का क्रोध स्वर्ग में प्रकट हो चुका है। शक्तिशाली एलिय्याह भविष्यद्वक्ता ने अपनी सेवकाई के दौरान किसी निश्चित दिन हवा में उस पत्थर को ऊपर फेंका था, और उसने कहा था, ''न्याय, न्याय, न्याय''; और आकाश से एक बवंडर आया, और उसने पेड़ों की चोटियों को काटकर अलग कर दिया, और उसने पहाड़ों पर से चट्टानों को काटकर अलग कर दिया, और वही बवंडर अलास्का पहुँचा, और उसने आलास्का हो लगभग डुबो सा दिया था, और यह थरथराहट सारे विश्व में पहुँची। यह मानव जाति के लिए इस बात का एक चिन्ह और चेतावनी थी, कि परमेश्वर इस पीढ़ी के साथ क्या करने जा रहा है। धरती के मुखमंड़ल पर छ सौ करोड़ लोगों की आबादी है। और ठीक जैसाकि जब हुआ था, जब परमेश्वर नीचे आया था, और उसने अब्राहम से सौदेबाज़ी की थी, और कहा था, ''अगर तुझे सदोम और अमोरा में दस धर्मी जन भी मिल गए, तो मैं उसे उन दस धर्मी जनों की खातिर छोड़ दूँगा।'' अज़ीजों, क्या परमेश्वर को उन शहरों में जो धरती पर हैं, उतनी ही संख्या में धर्मी जन मिल सकते हैं; मैं आपको बताता हूँ, जबकि आज पाप के गट्ठर आसमानों की ऊँचाइयों तक जा पहुँचे हैं, तो मुझे आज बहुत ज्यादा शक होता है, कि आज उसे किसी शहर में दस धर्मी जन भी मिल सकें। सारे विश्व भर में जो करोड़ों की संख्याँ में शहर हैं, क्या उसे उन में से हर एक शहर में दस धर्मी जन भी मिल सकते हैं?

इस दुनिया के पाप बहुत ही भंयकर हैं; और जब आप मसीहियों के रूप में सड़कों पर चलते हैं; अगर आपको लोगों की हालत देखकर और लोगों की हालत के बारे में सुनकर सुकून और चैन मिलता है...और सबसे बुरी बात तो यह है, कि आप उन के मध्य में रिल–मिल सकते हैं, और आपको सुकून–आराम मिल सकता है; तो आपके उद्धार के साथ कुछ न कुछ गड़बड़ है। निश्चय ही, कुछ तो गलत है! इस दुनिया के पापों को तो हमारे प्राणों को वैसा

ही खेदित करना चाहिए जैसे इसने धर्मी लूत के प्राण को सदोम में खेदित किया था।मित्र, ऐसा बस यूँ ही धारण कर लेने से नहीं होना चाहिए; मगर ऐसा तो अवश्य ही मानव-जाति की दुष्टता के लिए प्राणों के भीतर से एक गहरी पुकार और एक चिन्ह, और एक गुस्सा-क्रोध, एक नफरत और जलन और कड़वाहट के साथ ही होना चाहिए। उनके गीत, उनके पहरावे, उनके व्यभिचार, और उनके दोगलेपन, उनका अंहकार-अभिमान, उनका शेखीपना; यह सब कुछ हमारे प्राणों के लिए परेशानी का सबब होना चाहिए। जब हमारे साथ ऐसा होता है, तो ये यही दिखाता है, कि हम सदोम से बाहर जा रहे हैं,ये यही दिखाता है, कि परमेश्वर के दूत हमारे चारों ओर हैं, ये यही दिखाता है, कि हम बस इस जगह को छोड़ कर जा रहे हैं, और हम शेष जगत के साथ नहीं जलेंगे।इससे हमारे ह्रदय उत्साह से कितने भर जाने चाहिये! परन्तु इस सुबह हो सकता है, कि आप आराम महसूस कर रहे हों, लेकिन आप अपने प्राण के भीतर परेशान-खेदित हों। यह एक भंयकर, अति भंयकर समय है! हम दोगले-दूषित लोगों के बीच में रहते हैं! हम एक ऐसे युग और एक ऐसे दिन में रह रहे हैं, जहाँ सब कुछ ही दोगला और दूषित है। सब कुछ ही तो दोगला-दूषित है; पुरुष दोगले हैं; नारियाँ दोगली हैं, बच्चे दोगले हैं, और यहाँ तक कि प्रकृति भी दोगली हो चुकी है। लोग पेड़-पौधों को, जानवरों, पक्षियों को, मछलियों को दोगला करते चले जा रहे हैं। शैतान की तो उत्पत्ति से ही यही योजना और मंशा थी, और जब उसने अपने दोगलेपन के कार्य-योजन को अन्ज़ाम देना शुरु किया, तो इससे परमेश्वर क्रोधित हो उठा; और अदन की वाटिका में जो दोगलेपन की क्रिया की गई थी, जब पशु ने अपने बीज को मानव-जाति के अंदर संकरित कर डाला था, तो उसके लिए परमेश्वर अपना न्याय लेकर आया। इससे परमेश्वर का कोप भड़का और उसने आदम और हव्वा को अदन की वाटिका से ही बाहर निकाल दिया।

अज़ीजों, क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कि आज परमेश्वर के प्राण के भीतर कोप भड़क उठता है, जब वह नीचे दृष्टि डालता है, और देखता है, कि धरती पर प्रत्येक वस्तु दूषित व दोगली हो चुकी है। कोई भी वस्तु कुदरती नहीं रही है। अगर आप एक मसीही के रूप में धरती पर चलते हैं, और दृष्टि डालते हैं, और खबरें सुनते हैं, और सड़कों पर लोगों को देखते हैं, तो इससे यही पता

चलता है, कि सब कुछ दूषित व दोगला हो चुका है। क्या आप इस जैसी जगह में सुकून पा सकते हैं? (सभा कहती है, ''जी नहीं!'') मित्र, इसमें हमें कोई सकून और चैन नहीं मिल सकता है। हम एक बड़े ही भंयकर जगत में रह रहे हैं! शैतान की आत्माएं, दोगलेपन की आत्माएं, काम-वासना सम्बन्धी अनैतिकताओं की आत्माएं, परमेश्वर के वचन को दूषित करने वाली आत्माएं, मसीही लोगों को दूषित करनेवाली आत्माएं, कलीसियाओं को दूषित करने वाली आत्माएं, तथा ऐसी ही और आत्माएं भी यहाँ धरती पर मौजूद हैं। कुछ भी उससे अछूता नहीं है। मुठ्ठी भर लोगों को छोड़कर, कहाँ पर आप जा सकते हैं, जहाँ पर आपको एक ऐसी कलीसिया मिल सके , जो दूषित व दोगली नहीं हुई है? कहाँ आपको ऐसे प्रचारक मिल सकते हैं, जो दूषित नहीं हुए हैं? ये सारे कार्यकलाप जो हम इस धरती के मुखमंड़ल पर देखते हैं, उन पर सर्वशक्तिमान परमेश्वर का न्याय आने वाला है, क्योंकि उन्होंने मलाकी 4 को ठुकराया है। वह सब कुछ जो आप आज टेलीविज़नों पर, रेडियों पर और प्रचार-क्षेत्रों में सुनते हैं, सब कुछ दोगला और दूषित होने की राह पर अग्रसर होता चला जाता है। सदोमी लोग परमेश्वर के वचन का प्रचार कर रहे हैं; लेस्बियन(वे लड़कियाँ और नारियाँ जो आपस में लीलाक्रीड़ाऐं करती हैं) प्रचारमंचों के पीछे खड़ी हुई हैं। रोमियों 1 के अनुसार, वे सर्वशक्तिमान परमेश्वर के स्राप हैं- जहाँ परमेश्वर ने उन्हें उनके निकम्मे मनों पर छोड़ दिया, कि अनुचित काम करें; क्योंकि उन्होंने उस सत्य को कभी नहीं सराहा जिसे परमेश्वर ने उनके पास भेजा। मलाकी 4, विलियम ब्रन्हम, परमेश्वर का दास और भविष्यद्वक्ता, अन्तिम और सातवीं कलीसियायी काल का सुसमाचारदूत सात बार सारे विश्व भर में चारों ओर गया, और परमेश्वर ने ही उसके पास दिव्य चंगाई का एक वरदान भेजा था, कि यह साबित करे, कि वह जीवता परमेश्वर था, जो एक मनुष्य के अंदर था। उनके पास कोई बहाना नहीं है। '' तू कोई क्यों न हो; तू निरुत्तर है, क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है, उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है।'' जब कोई प्रचारक प्रचार-मंच पर आता है, तो वह न्याय करनेवाले के स्थान पर होता है। और वहाँ पर वह ''न्याय करने वाला'' शब्द उस प्रचारक के बारे में बताता है, जो प्रचारमंच के पीछे आता है। ''तू कोई क्यों न हो; तू निरुत्तर है, क्योंकि जिस बात में तू दूसरे पर दोष लगाता है, उसी बात में अपने आप को भी दोषी ठहराता है।''

परमेश्वर ने आज जगत में अपने भविष्यद्वक्ता के द्वारा पवित्रता का सन्देश भेजा, और अगर ये लोग जिन्होंने भविष्यद्वक्ता को एक या दो बार ही सुना, और परमेश्वर की सामर्थ को काम करते हुए देखा, निरुत्तर हैं, तो हम लोगों के विषय में क्या है, जो इसी सन्देश के तले पाये जाते हैं, और हमारे पास तो टेप हैं, और हमारे पास तो किताबे हैं, और हम पवित्रता के सन्देश के अंदर और बाहर के विषय में सब कुछ जानते हैं, और फिर भी हम उसे छोड़कर अपने ही कार्यकलापों में लगे रहते हैं, और वापस जाकर टलीविज़न के सामने बैठ जाते हैं, और खेलकूदों के मैदानों की तरफ दौड़ पड़ते हैं, जैसा चाहे आज़ादी का जीवन जीते हैं, युवा लोग दोगलेपने और व्यभिचार में भागे फिरते हैं, और पुरुष व्यभिचार करते हैं, स्त्रियाँ व्यभिचार करती हैं, जबकि तुम इस घड़ी के सन्देश के तले बैठ चुके होते हो? मैं आपको बताना चाहता हूँ, कि *''जिसे ज्यादा दिया गया है, उससे ज्यादा ही लिया जायेगा।''* **बेहतर तो यही होता, कि तुम ने सत्य जाना ही न होता, क्योंकि वचन कहता है, कि इसे जानने के बाद भी तुम बंधुवाई के जुए में ही जुत गए। *''और वह जो भला करना जानता है, और नहीं करता है, उसे कई कोड़े मारे जायेंगे।''* इस सन्देश के मानने वाले उन लोगों पर बड़े बड़े न्याय आने वाले हैं, जो भाई ब्रन्हम के सन्देश के पन्नों में ढूँढ़–ढ़ाँढ करते हैं, और टेप सुनते हैं, और बाइबल को जानते हैं, और पवित्रता के इस सन्देश के विषय में जानते हैं; और फिर भी उस सन्देश को ठुकरा देते हैं, और उसे बिगाड़ते हैं, और उसे दूषित करते हैं, और उसमें काट–छाँ ट करते हैं, और उसमें रद्दोबदल करते हैं; और तो और प्रचारक भी उस सन्देश में रद्दोबदल कर रहे हैं, और वैसा ही करने की लोगों को शिक्षा भी दे रहे हैं। *''थोड़े होंगे, जो उसे पायेंगे।''* जब आप इसे इस दृष्टिकोण से देखते हैं, तो यह सकरा होता चला जाता है। उन में से हर एक जो ''भविष्यद्वक्ता,भविष्यद्वक्ता, भविष्यद्वक्ता, सन्देश, सन्देश,सन्देश, प्रभु, प्रभु''कहता है, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं करेगा, वरन वह जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा को पूरा करता है, वही परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करेगा। वह हर कोई जो इस सन्देश के पीछे पीछे चलता है, दुल्हन नहीं है। एक मिली–जुली भीड़ है, जो इस सन्देश के पीछे पीछे चल रही है, और आज जो प्रचारकों ने लोगों को सबसे बड़े भ्रम दिये हैं, उन में से एक तो यह है, कि वे इस मिली–जुली भीड़ को ही ''दुल्हन'' सम्बोधित करते हैं। दुल्हन मिली–जुली भीड़ में तो है, लेकिन वह परमेश्वर के पवित्रता के सन्देश को अपने सिर–माथे पर रखती है, और उसका शब्द दर शब्द पालन करती है।**

हम वह पीढ़ी हैं, जो सदोम और अमोरा के इस युग तक आ पहुँचे हैं, जहाँ सब कुछ दोगला और दूषित है– स्त्री और पुरुष, पशु–जानवर, और खुद कुदरत भी दोगली व दूषित हो चुकी है; और यही वह पीढ़ी है जो परमेश्वर के एजेन्डा में है, कि इसे आग से जलाये। *''क्योंकि देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है, जब सब अभिमानी और सब दुराचारी लोग अनाज की खूँटी बन जायेंगे; और उस आनेवाले दिन में ऐसे भस्म हो जायेंगे, कि उनका पता तक न रहेगा..*(न तो उनकी जड़ और न ही उनकी डालियाँ बचेंगी)*..सेनाओं के यहोवा का यही वचन है। परन्तु तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य उदय होगा, और तुम उसकी किरणों के द्वारा चंगे हो जाओगे...''* (मलाकी 4:2) और हमें अवश्य ही परमेश्वर का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहिए, कि हम प्रभु के नाम का भय मानते हैं। *''और यहोवा का भय मानना ही बुद्धि का प्रारम्भ है।''* भजन संहिता 111:10) जब आप प्रभु का भय मानने लगते हैं, तो आप वही करेंगे, जो सही है, और आप खुदा का आदर सम्मान करेंगे। और यह वाला भय पीड़ा सहने से बचने के लिए नहीं होता है। जब आप उसका आदर–सम्मान करते हैं, जब आप उसके प्रति श्रृद्धाभाव रखते हैं, जब आप उसकी उस के लिए स्तुति–बड़ाई करते हैं जो उसने कलवरी पर किया था; जब आप उसकी उन सब बलिदानों के लिए स्तुति–बड़ाई करते हैं, जो उसने आपके लिए और मेरे लिए किया था, जब आप अनन्त जीवन की कीमत देखते हैं...यही कारण है, कि मैं आपको यहाँ पर एक लम्बी छड़ी से नहीं पीटता हूँ। कभी कभी तो मैं पवित्रता के इन पहरावों के बारे में भी प्रचार नहीं करता हूँ, या वर्षों तक इन पर किसी प्रकार का कोई प्रचार नहीं करता हूँ। अब, लेकिन इन सबसे बढ़कर मैं आप को जीवन की महत्ता के बारे में दिखाने का प्रयास करता हूँ, और अगर आप जीवन की महत्ता को देख सकते हैं, तो पवित्रता की ये बातें अपने आप ही आपके जीवन में होने लगती हैं। और मेरे अजीज़ों, हमारे पास यहाँ पर कुछ घटित हो रहा है, और वह यह है, कि हम वे लोग हैं, जो जीवन से प्रेम करते हैं। अनन्त जीवन और उसकी महत्ता के विषय में हम पर कई वर्षों के लिए प्रचार किया गया है। और यह प्रश्न उठ सकता है,''एक पास्टर के रूप में आप यह कैसे जानते हैं, कि इन सैकड़ों लोगों में से सभी सही किस्म का जीवन जी रहे हैं, और सही किस्म के काम कर रहे हैं, और सही किस्म का आचार–व्यवहार कर रहे हैं, और आप उन से महीने के हर शनिवार और रविवार को उपवास और प्रार्थना करवाते हैं, और अगर आप

उन्हें फिर से बुलाते हैं, तो वे फिर से आ जायेंगे?'' मेरे अज़ीजों, जो अनन्त जीवन के लिए प्रेम मेरे हृदय में है, मैंने उसका प्रचार परमेश्वर के लोगों को कर दिया है,और वे उस दर्शन को पकड़ चुके हैं, और अनन्त जीवन के दर्शन को पकड़ने के बाद पवित्रता के मापदंड़ काम खुद बा खुद ही करेंगे। और अगर आपको अनन्त जीवन से ही प्रेम नहीं है, तो आप बाहर जायेंगे, और कुत्ते के जैसे जीवन व्यतीत करेंगे। अगर आप जीवन से प्रेम नहीं करते हैं और इसकी सराहना नहीं करते हैं, तो आप व्यभिचार करने, दोगलापन करने, की सोच रहे होंगे, आप कामक्रीड़ा सम्बन्धी दोगले कार्यकलाप करने की सोच रहे होंगे। ये यही दिखाता है, कि आप ने जीवन का वचन सुना ही नहीं। आप ने उस की सराहना करी ही नहीं, जो मसीह ने आपके लिए कलवरी पर किया था। यीशु मसीह के लोहू को तुच्छ समझना एक बड़ी ही भंयकर बात है। वे जिन्होंने मूसा की व्यवस्था को तुच्छ जाना था, उन्हें दो या तीन गवाहों के तहत बिना दया के अपनी जान गंवानी पड़ी थी, और इब्रानियों 10:28–29 के अनुसार आप को तो और भी ज्यादा भंयकर दंड़ मिलेगा। मित्र, यह एक बड़ी ही भंयकर बात है। वे लोग जो सारे विश्व भर में इस सन्देश का पालन करते हैं, उन्होंने तो चीते को ही उसकी पूँछ से पकड़ा हुआ है। वे जानते हैं, कि क्या सही है और क्या गलत है, लेकिन युग के भंवरों के कारण, आत्मिक भंवरों के कारण वे तो आसान मार्ग ही ढूँढ़ निकालते हैं। मित्र, मेरी बात सुनो, क्योंकि जो आत्माऐं सदोम में थीं, उन्हें खुला छोड़ दिया गया है, शैतान के जबरदस्त अभिषेक को खुला छोड़ दिया गया है, इसलिए जब ये आत्माएं सन्देश का विश्वास करने वाले लोगों में मुक्के मारती हैं, तो वे लोग आसान मार्ग ही ढूँढ़ निकालते हैं। वे इन दोगलेपनों की खिलाफत में खड़े रहने की कीमत चुकाना नहीं चाहते हैं। वे एक पाक–साफ जीवन व्यतीत करने की कीमत नहीं चुकाना चाहते हैं। वे पीड़ाएं सहन नहीं करना चाहते हैं; लेकिन वे अनन्त जीवन की खव्वाहिश रखते हैं, और प्रचारक उसी कायरतापूर्ण रवैये के अंतरर्गत आयें, विश्वासी लोग उसी कायरतापूर्ण रवैये के अन्तर्गत आये।

विलियम ब्रन्हम का पवित्रता का यह सन्देश जो हमारे पास परमेश्वर के द्वारा भेजा गया है, उसका सदोम और अमोरा के घृणित कुकर्मों से सीधा मुकाबला है; और सिर्फ मुठ्ठी भर लोग ही ऐसे हैं, जो समस्त जगत के दोगलेपन,

पाप और उन स्रापित लोगों के खिलाफ पवित्रता के इस सन्देश को लिये हुए खड़े हैं, जो अपनी दुष्टता, अंहकार, और अपनी ही खुदी में कायम हैं। यह एक बड़ी चुनौती है। यह चुनौती बहुत ही बड़ी है। लेकिन परमेश्वर ने ही हमारे आगे आगे एक पुरुष को भेजा था। एक ही मनुष्य के रूप में उसने सदोम और अमोरा के समस्त जगत का मुकाबला किया था। उसने समस्त जगत के दोगले कामों का मुकाबला किया था। उसने हर एक वैज्ञानिक की खिलाफत की थी। उसने हर एक प्रचारक की खिलाफत की थी। उसने हर एक कलीसिया की खिलाफत की थी। एक मनुष्य के रूप में उसने स्त्रियों और पुरुषों की खिलाफत की थी, और वह उनके सामने बाइबल पढ़ता रहा और पवित्रता के सन्देश को लेकर आता रहा। वही तो निर्भीकता है! क्यों हमें उस जैसे भविष्यद्वक्ता का अनुकरण नहीं करना चाहिए? क्यों हमें उस जैसे सन्देश का अनुकरण नहीं करना चाहिए? इस सन्देश के प्रचारकों के रूप में क्यों हमें उस प्रकार के अभिषेक के तले नहीं आना चाहिए? हमारे ऊपर उन टेपों के माध्यम से ठीक वैसा ही प्रभाव पड़ना चाहिए। इस सन्देश से हमारे ऊपर अवश्य ही ठीक वैसा ही प्रभाव पड़ना चाहिए। इससे प्रत्येक पुरुष, प्रत्येक स्त्री, प्रत्येक लड़के, प्रत्येक लड़की पर ठीक वैसा ही प्रभाव पड़ना चाहिए; क्योंकि भाई ब्रन्हम ने एक निश्चित आत्मा के द्वारा ठीक ऐसा ही प्रभाव डाला था, और जिस आत्मा के द्वारा उन्होंने ऐसा किया था, वह उकाब वाला अभिषेक था; यह परमेश्वर की ही जयवंत करने वाली सामर्थ है। परमेश्वर ने हर एक युग में अपने बच्चों को जयवंत करने के लिए एक सामर्थ भेजी, और इस घड़ी में जो जयंवत करानेवाली आत्मा है, वह उकाब वाला अभिषेक है, आपको तो उसी आत्मा के अभिषेक के तले आना है।

आप कहते होंगे,'' प्रचारक–भाई, यह पवित्रता का सन्देश क्यों अपरिवर्तनीय है? हमें ज़रा फिर से याद दिलाओ।'' मेरे अज़ीजों, यह पवित्रता का सन्देश इसी लिए अपरिवर्तनीय है, क्योंकि यह परमेश्वर का वह नैतिक नियम है, जिसमें कोई रद्दोबदल नहीं की जा सकती है। यह इस अंत समय में दुल्हन को तैयार करने के लिए है, ताकि वह यीशु मसीह के दूसरे आगमन को देख सके, क्योंकि''*बिना पवित्रता के कोई भी मनुष्य प्रभु को नहीं देखेगा।*'' और सदोम के इस युग में, दोगलेपन के इस युग में, दुष्टता के इस युग में, हिंसा के इस युग में, डर–भय के इस युग में, एक ऐसे समय में मनुष्य का पुत्र **(the Son of Man)** प्रकट हुआ है। अगर आप एक सदोमी हैं, तो आप

परमेश्वर के पुत्र के प्रकट होने को नहीं देख सकते हैं। अगर आप एक हृदय-शुद्ध हैं, और आप उसी प्रकार अपना जीवन व्यतीत करना चाहते हैं, अगर आप एक हृदय-शुद्ध प्रचारक हैं, अगर आप संदेश के हृदय-शुद्ध अनुयायी हैं, अगर आप हृदय-शुद्ध पति हैं, अगर आप हृदय-शुद्ध पत्नी हैं, अगर आप हृदय-शुद्ध रहे हैं, और आपके अन्दर संसार और शरीर की आशा का आकर्षण है, तो फिर आप के लिए यह [illegible] से असम्भव है, कि आप के पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन हो। "जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; और जिसके पास पुत्र नहीं है, उसके पास जीवन नहीं है।" (पहला यूहन्ना 5:12) "जब तक मनुष्य के पुत्र का मांस न खाओ, और उसका लहू न पियो, तुम में कोई जीवन नहीं।" (यूहन्ना 6:53) और ठीक इसी तरह अपने को मनुष्य के पुत्र के रूप में उन्हीं पर प्रकट किया, जिन्होंने पवित्रता का संदेश ग्रहण किया है, जिन्होंने पवित्रता के उस संदेश का विश्वास किया है, और अपने हृदयों में इसे स्थान दिया है, कि वे उस संदेश के लिए [illegible] करें। और जैसा कि मैंने कहा था, उस प्रकाशन को हासिल करने के लिए आपकी इच्छा नहीं बनना चाहिए, और आपको उस प्रकाशन को हासिल करने के लिए [illegible] नहीं बनना चाहिए: क्योंकि परमेश्वर तो मनुष्य का हृदय ही देखता है: वह यह देख रहा होता है, कि आप किस बात पर अपना ध्यान लगा रहे होते हैं: वह देख रहा होता है, कि आपका मकसद क्या है, और क्या आपका मकसद यह है, कि "मुझे पवित्रता के उस संदेश को ग्रहण कर लेना है।" जैसे, आप [illegible] प्रवचन करें, कि मैं उसके हर मापदंड को शब्द पर शब्द याद कर सकूँ।" मेरे मित्र, जिस प्रकार आप ऐसा करते हैं, और आप सचमुच में उसके विषय में [illegible] होते हैं, तो परमेश्वर भी ठीक उसी तरह आपको मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन दे सकता है, और हो सकता है, कि अभी भी [illegible] आपके जीवन में [illegible] हो, और हो सकता है, कि अभी भी [illegible] आपके जीवन [illegible] हो। अतः आप मेरी बात गलत न समझें, मैं यह नहीं कह रहा हूँ, कि उस प्रकाशन को हासिल करने के लिए आपको [illegible] बनना होगा। मैं यह निश्चित कह रहा हूँ, कि आप खुद अपने को परमेश्वर को ही सौंप दें, आप खुद अपने को पवित्रता के संदेश को [illegible] सौंप दें, और आप [illegible] कहें, जैसा यीशु ने कहा था, "मेरी नहीं, बल्कि तेरी ही इच्छा पूरी हो।" हो सकता है, आपने अपनी इच्छा परमेश्वर को समर्पित कर दी हो, और हो सकता है, कि आप अभी भी अपने जीवन में [illegible] हों, और

आप उन बातों से नफरत करते हैं: और आप वो नहीं चाहते हैं, कि वो वहाँ पर रहें: क्योंकि आप मनुष्य के पुत्र के प्रकाशन के बिना नहीं रह सकते हैं। यही तो [illegible] करने वाली बात है। [illegible] होता है, तो पवित्रता के संदेश को ग्रहण करने की इच्छा नहीं रख रहे होते हैं: क्योंकि [illegible] को वे समझते थे, तो [illegible] पर पहुँचे थे, और जब उन्होंने उस [illegible] को देखा तो [illegible] प्रतीक्षा कर रहे थे, [illegible] कि "हम उस रूप को [illegible] नहीं हैं।" मैं कह रहा हूँ, कि हम उस रूप को [illegible] के लिए कहीं [illegible] हैं। मैं कह रहा हूँ, कि हम परमेश्वर को [illegible] करने में [illegible] हैं: क्योंकि ऐसा [illegible] में नहीं है, [illegible] तो हम ऐसा कर सकते हैं। वह सब [illegible] जो परमेश्वर चाहता है, वह है, एक विशेष हृदय, एक विशेष दिमाग, और एक विशेष [illegible] जो परमेश्वर को ही समर्पित हो: और वही आपको [illegible] प्रवचन करना, कि आप इसको छोड़ से छोड़ [illegible] को भी ठीक करें। हम किसी भी बात में अपनी मान्यता पर आश्रित नहीं हो रहे हैं, परन्तु हम [illegible] मान्यता पर आश्रित हो रहे हैं: और हमारी मान्यता मसीह है। आज जो [illegible] हैं, जो संसार और शरीर को [illegible] के विषय में [illegible] सकते हैं, [illegible] मार्ग था।

[illegible] में [illegible] के लिए प्रचार करना रोक देता हूँ। अगर आप [illegible] उसके पास में जाना चाहते हैं, तो इसकी एक कीमत है। आपको अपना दिमाग इस बात के लिए तैयार करना होगा, कि आपको संसार और शरीर के हर एक [illegible] में [illegible] होना है, और खुद अपने को उस से [illegible] नहीं बनाना है, और संसार और शरीर की उस आशा के पास नहीं आना है, और संसार और शरीर को उस आशा से आकर्षण नहीं लगता है। अगर आप कमज़ोर पड़ जाते हैं, और फिर भी [illegible] हैं, तो आप फिर से उठ खड़े होंगे, और फिर से [illegible]। यह [illegible] हृदय-[illegible] के बिना [illegible] और संसार और शरीर की उन [illegible] के पीछे जाता है, तो [illegible] और आप खुद अपने [illegible] में उस से [illegible] नहीं करते हैं, [illegible] में वो उस [illegible] के [illegible] हैं, [illegible] और आप एक [illegible] हैं, [illegible] में [illegible] हूँ, कि आप एक अभी [illegible]।

जो इस सन्देश का पालन कर रहे हैं, और वे क्लेश में से होकर गुजरेंगे, क्योंकि उन्होंने उस कीमत को चुकाने के लिए अपने मनों में नहीं ठाना है। प्रचारकों ने अपने दिमागों में यह नहीं ठाना हुआ है, कि वे सदोम में बैरी की ताकतों का डट कर मुकाबला करें; और अगर उन प्रंचारकों ने अपने दिमागों में यह नहीं ठाना हुआ है, कि पवित्रता और धार्मिकता के लिए डटकर खड़े रहें और लोगों के जीवनों में और कलीसिया में सदोम और अमोरा की भर्त्सना करें, तो वे लोगों की अगुवाई क्लेश की ओर करेंगे, और आप उन पर एक बेहतर प्रभाव नहीं छोड़ सकते हैं। आइये मैं भाई ब्रन्हम के हवाले देना शुरू करूँ; हमारे पास कई हवाले हैं। बिलकुल ठीक है!

हमें तो फौलादी हिम्मत वाले ऐसे पुरुषों की ही जरूरत है, ताकि सुसमाचार का धड़ल्ले से प्रचार करें

45 *'' **वह सारी पवित्रता जो बाइबल में है, जिसका तुम्हें प्रचार कर दिया गया है, और वे सारी बातें जिनकी तुम्हें शिक्षा दी चुकी है, उसके बाद भी तुम स्त्रियों, अपने को उघाड़ कर रखती हो, और अर्द्धनग्न हालत में बाहर जाती हो। और तुम पुरुषों, तुम उल्टे ही काम करते हो।** तुम यहाँ–वहाँ चारों ओर बुत के जैसे बैठ जाते हो, और अपनी पत्नी को उस प्रकार के काम करने देते हो, और उसे उस प्रकार के पहरावे पहनने देते हो, और इसके बारे में उससे कुछ भी नहीं कहते हो। खैर, तुम तो कठपुलती ही हो। तुम कैसे कभी एक प्रचारक बन सकते हो? तुम कैसे एक डीकन बन सकते हो? अगर तुम अपना ही घर काबू में नहीं रख सकते हो, तो फिर तुम ऐसा परमेश्वर के भवन में कैसे करोगे? **यही कारण है, कि परमेश्वर के भवन आज ऐसी हालत में है, जैसी कि हालत में वह आज है।** हमें तो फौलादी हिम्मत वाले ऐसे पुरुषों की ही जरूरत है,ताकि सुसमाचार का धड़ल्ले से प्रचार करें, ताकि पाप को बेनकाब करें, और उसे वहाँ पर उज़ागर करें जहाँ पर वह है, और वे किसी छोटी–मोटी हल्की–फुल्की बात का प्रचार न करें।''(हृदय के लिए द्वार 02-03-58)*

इसी किस्म का ही तो प्रचारक होता है, जो इस सदोम और अमोरा, और इन सारी दुष्टात्माओं के खिलाफ अडिग खड़ा रहता है। अगर आपके पास उस किस्म का पुरुष प्रचारमंच के पीछे नहीं है, तो आप क्लेश में से होकर गुजरेंगे। अगर आप किसी ऐसे पास्टर, किसी ऐसे सेवादार की छत्रछाया में बैठे हुए है, जिसका सम्बंध किसी ऐसी कलीसिया से है,

जहाँ पर वह प्रचारक नियत रूप से पाप को उजागर करके नहीं बता सकता है, और सदोम और अमोरा को बेनकाब नहीं कर सकता है, तो वे दुष्टात्मा ठीक आप पर ही बैठ जायेंगी। आपको तो फौलादी हिम्मत वाले ऐसे प्रचारकों की ही आवश्यकता है, जो सदोम और अमोरा की किसी भी छोटी से छोटी बात पर समझौता न करें। आज यह समस्या कहाँ पर है? यह समस्या तो यह है, कि हमारे पास प्रचारमंचों के पीछे उस प्रकार के प्रचारकों की कमी पायी जाती है। आज ठीक इस सन्देश में ,जो सन्देश के विश्वासियों की आज हालत है, उसकी वजह यही है, क्योंकि हमारे पास उस किस्म के पुरुषों की कमी है, जो उस रीति से सुसमाचार का प्रचार कर रहे हों।

हमें ऐसे प्रचारकों की आवश्यकता है, जो उन बातों पर पीछे नहीं हटेंगे

सांय– 59 ***आज हमें वैसे ही पुरुषों की आवश्यकता है। हमें सुसमाचार का प्रचार करने वाले प्रचारकों की आवश्यकता है। और कोई भी ऐसा प्रचारक जो प्रचार मंच पर खड़ा होगा, और उन बातों पर पीछे हट जायेगा, मेरे पास उसके लिए परमेश्वर के बुलाये हुए जन के रूप में बहुत थोड़ा ही सम्मान होगा।*** *यह सही बात है। कोई भी वह पुरुष जो प्रचारमंच पर खड़ा होकर परमेश्वर की सच्चाई बताने से लजाता है, जबकि वह जानता है, कि किसी भी स्त्री के लिए अपने बालों को कटाना एक अनैतिक बात है, मेरे पास उसके लिए परमेश्वर के बुलाये हुए जन के रूप में बहुत थोड़ा ही सम्मान होगा। पुरुष को अधिकार है, कि वह ऐसी पत्नी को त्याग दे और उससे तलाक ले ले, जब वह अपने बाल कटवाती है। बाइबल ऐसा ही कहती है। स्त्री का सिर कौन है? उसका पति। और बाइबल कहती है, ''अगर कोई स्त्री अपने बाल कटाये, तो वह अपने सिर का अपमान करती है।'' और ऐसी स्त्री के साथ नहीं जीना चाहिए, जो अपमान करती हो। (परमेश्वर की छाप 16/02/61)*

आपके लिए अपने घर का पति (स्वामी) न होना गलत बात है

क्या आप जानते हैं, कि आपके लिए अपने घर का पति (स्वामी) न होना गलत बात है; आपकी पत्नी थोड़ा सा गुस्सा हो जाती है, और आपको घर से बाहर खदेड़ देती है, और आप कहते हैं, ''हाँ, प्रिया, तुम्हारा हृदय आशीष पाये, मैं वापस आ जाऊँगा।'' क्या तुम जानते हो... कि तुम परमेश्वर के भवन में कैसे टहलुवा या चरवाहा हो सकते हो, जबकि तुम अपने निज घर को अपने काबू में नहीं रख सकते हो? यह बिलकुल ठीक बात है। बहन, क्या आप जानती हैं, कि आपका पति सिर्फ आपका पति ही नहीं है, वरन वह आपका स्वामी भी है? परमेश्वर ने ऐसा ही कहा था। *क्योंकि पति बहकाया न गया था, वरन स्त्री ही बहकायी गई थी। (मसीह में स्थिति 22/05/60)*

आज सन्देश में यही तो आपकी समस्या है। आपकी समस्या भी ठीक वैसी ही है, जैसे परमेश्वर के आखिरी उस बहाव में थी, जो जब 1906 के बाद पिन्तेकोस्तल में थी, कि वे भाई ब्रन्हम के सन्देश को ग्रहण नहीं कर सकते थे, जब वह सन्देश आया था। ठीक वही समस्या आज मलाकी 4 के अनुयायियों के साथ है। आज आप के पास प्रचारमंचों के पीछे ऐसे प्रचारकों के झुंड़ हैं, जो समझौता कर रहे हैं। जी हाँ! आप के पास प्रचारमंचों के पीछे ऐसे प्रचारकों के झुंड़ हैं, जो कोमल-नाजुक हड्डीरहित हैं। आप के पास ऐसे पुरुष हैं, जो पूरी तौर से परमेश्वर के नहीं हैं। उन में से कुछ तो परमेश्वर के द्वारा बुलाए हुए भी नहीं हैं, और जो बुलाए हुए हैं, उन्होंने उस काम को करने के लिए अभिषेक पाया हुआ भी नहीं है। उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, और उनके पास पवित्र आत्मा नहीं है, उन में से बहुतेरों के पास तो पवित्र आत्मा है ही नहीं। और अगर आप उसी दुनियावी स्वभाव को लिये हुए प्रचारमंच पर प्रवेश करते हैं,....तो जैसाकि मैंने कहा था, वह बुरा-दुष्ट स्वभाव जिसे शुद्ध करके सदोम और अमोरा से दूर नहीं किया गया था, तो आप उसी स्वभाव से दूषित व भ्रष्ट हो चुके हैं, और आप सदोम और अमोरा की ही भ्रष्टता का एक उत्पाद हैं। ऐसा कैसे हो सकता है, कि एक दोगली-भ्रष्ट आत्मा और दोगला-भ्रष्ट इंसान परमेश्वर के वचन को अपने हाथों में ले, और उसे दोगला न बनाये? इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, कि क्यों आप पवित्रता का सन्देश नहीं समझते हैं! इसमें कोई आश्चर्य नहीं है, कि क्यों वे उस क ख ग को भी नहीं समझते हैं, क्योंकि उनकी आत्माएं दोगली व दूषित हो चुकी हैं। जी हाँ! यीशु ने ऐसे लोगों के बारे में कहा था, और उसने कहा था, ''*उन झूठे नबियों से सावधान रहना, जो तुम्हारे पास भेड़ की खाल ओढ़े हुए आते हैं, पर वे अंदर से फाड़ खाने वाले भेड़िये हैं। तुम उन्हें उनके फलों से जान जाओगे।*'' **और मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि इस समय के सन्देश को कौन पुरुष अपने हाथ में थामे हुए है, वह तो अपने फलों से जाना जाता है। आइये हम देखें, कि वह पवित्रता के सन्देश के साथ क्या कर रहा है।** यही कारण है, कि मैं इन''गर्जनों'' से सहमत नहीं हो सकता हूँ, जो सन् 1973 के बाद आये। वे ''गर्जन'' जो सन् 1973 के बाद आये, उन्होंने पवित्रता के सन्देश का पृथ्वी पर पाये जाने वाले किसी भी प्रचारक से ज्यादा नाश किया; और वे अपने फलों से जाने जाते हैं। अगर यही सच्चे गर्जन थे, तो इन्हें लोगों को पवित्रता के मापदंड़ तक लेकर आना चाहिए था। सच्चे गर्जन तो लोगों को प्रकाशमान करेंगे, और उन से यह करवायेंगे, कि वे अपने जीवन में पवित्रता का सन्देश स्थापित करें, क्योंकि *बिना पवित्रता के कोई भी प्रभु को नहीं देखेगा*। परन्तु ये झूठे गर्जन जो 1973 में उदय हुए, उन्होंने पवित्रता के सन्देश को तबाह किया। जी हाँ! नीचे की ओर लुढ़कते रहने का एक चलन था; और यह चलन तो भाई ब्रन्हम

के समय से ही शुरू हो गया था;लेकिन तब फिर भी लोग पवित्रता के सन्देश को अपने सिर-माथे से लगाकर रखने का प्रयास कर रहे थे। परन्तु जब से वे झूठे गर्जन आये, तब से तो ढलान की ओर लुढ़कने का और भी चलन हो गया, और ऐसा सालो साल होता गया, और उन्होंने भाई ब्रन्हम के सन्देश के पवित्रता के सारे मापदंड़ों को लगभग तबाह कर दिया है। क्या वह परमेश्वर का काम है? यह तो शैतान का ही है!

उन झूठे गर्जनों के द्वारा लोगों के दिमाग ऐसे सातवें आसमान पर पहुँचे, कि उनके पाँव जमीन पर बिलकुल भी न टिके, और जब कभी भी किसी मसीही का दिमाग ऐसे सातवें आसमान पर जा पहुँचता है, कि उसके पाँव जमीन पर बिलकुल भी नहीं टिकते हैं, तो वह नरक की ओर बढ़ता चला जा रहा होता है, और वह क्लेश में से गुजरेगा। वे झूठे गर्जन लोगों को अंहकार की किसी ऐसी ऊँचाई पर ले गए, और उन्हें किसी ऐसे निश्चित आयाम में ले गए, कि सारे लोग''गर्जन, गर्जन, गर्जन,गर्जन, गर्जन'' ही सुन रहे थे, और सारे प्रचारक,''गर्जन,गर्जन,गर्जन,गर्जन,गर्जन'' ही प्रचार रहे थे। जी हाँ, और उन्होने सोच लिया, कि वे तो इतने ज्यादा आत्मिक हो गए हैं, कि उन के पास तो भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश को बदलने का, उसमें रद्दोबदल करने का और उसमें काट-छाँट करने का, उसे बिगाड़ कर दूषित करने का अधिकार है; और बिलकुल ठीक यही काम न्यू यॉर्क में शुरू हुआ था। जी हाँ! **जिस पहले पुरुष ने इस बात का दावा किया था, कि उसके पास गर्जन हैं, उसी ने ही पवित्रता के सन्देश में रद्दोबदल करना शुरू किया था।** मैं जानता हूँ, कि उस पुरुष के पीछे पीछे चलने वाले लोगों को यह बात अच्छी नहीं लगती है, और तुम सब जो''उन गर्जनों'' के प्रचारकों हो, जब इन टेपों को सुनोंगे, और इस पुस्तक को पढ़ोगे, तो तुम्हें यह बात अच्छी नहीं लगेगी; लेकिन यही सच्चाई है। यह तो परमेश्वर के वचन की ही सच्चाई है। मैं उस बात का गवाह हूँ, और ठीक यहाँ पर हमारे पास उसी बात के गवाह हैं। लोग ठीक इसी देश में मेरे प्रचार के अन्तर्गत और मेरी प्रेरणा के अन्तर्गत इसी पवित्रता के सन्देश के अनुसार काम किया करते थे, जब तक कि वे ''झूठे गर्जन'' अंदर न आये; और जब वे झूठे गर्जन इस देश में आये, तो उन्होंने लोगों के सिरों को निगल लिया; और इसने उनकी बुद्धि ही भ्रष्ट कर डाली; और वे तो सिर्फ यही सब कुछ सोचने लगे, कि उन्हें जिस पर आश्रति होना है, वह है''गर्जन,गर्जन,गर्जन,गर्जन''; और उसके बाद वे शीघ्र ही पवित्रता के मापदंड़ों से छुटकारा पाने के लिए उसमें बदलाव करने लगे, और उसे बिगाड़ने लगे, ताकि सच्ची कलीसिया से ही दूर भाग जायें। वे जो पवित्रता के मापदंड़ों को थाम कर ऊपर उठाये रखने का प्रयास कर रहे थे, उन्होंने उन पर ''सिद्धांतवादी'' का ठप्पा

लगा दिया; और उन्होंने यही मेरा नाम रख दिया, उन झूठे भविष्यद्वक्ताओं में से बहुतेरों ने मुझ पर यही इलज़ाम लगाया, कि मैं तो एक सिद्धांतवादी हूँ। लेकिन मैं आपको कोई बात बताना चाहता हूँ, दोस्त; मैं तो अपने उसी सिद्धांतवाद को थामे रहा, और मैं अभी भी परमेश्वर के वचन के साथ खड़ा हुआ हूँ, और तुम जो''सिद्धांतवादी'' नहीं थे; तुम तो ''धूल चाटने वाले'' बन गए। तुम व्यभिचारी, दुराचारी, दोगलापन करने वाले बन गए, और तुम झूठे नबियों के पीछे पीछे चले, तुम ने पुनरुत्थान की एक शिक्षा का पालन किया, और तुम सभी किस्म के बहकावों के पीछे पीछे चलें, और उन में से कुछ ने तो चार या पाँच साल के लिए अपने गिरजों पर ताला भी लगा दिया था। ये ठीक वो हैं, जो मुझ पर ''सिद्धांतवादी'' का ठप्पा लगाते हैं। अगर सिद्धांतवाद ही सच्ची कलीसिया को उसके मार्ग पर लेकर चलेगा, तो फिर हमें तो सिद्धांतवाद ही दे दो। (*सभा कहती है, ''आमीन''*) तुम ढ़ोंगी–पाखंड़ियों, तुम पवित्रता के सन्देश पर ''सिद्धांतवाद''का ठप्पा लगाते हो! तुम परमेश्वर के सच्चे प्रचारकों पर''सिद्धांतवादी'' का ठप्पा लगाते हो, और यहाँ तक कि तुम ऐसा इसी लिए करते हो, कि जब मैं उन के मध्य में था, तो वे बुरे व गलत काम ना कर सके थे। मैं तो गलत कामों के लिए प्रचारक की पत्नी को फटकार दिया करता था, बहनों को फटकार दिया करता था, भाइयों को फटकार दिया करता था; और मैं उनके मध्य में भाई ब्रन्हम का ही सन्देश स्थापित किया करता था, और मैं सफेद को सफेद; और काले को काला कहा करता था। जी हाँ, श्रीमान! उन तैंतीस–चौतीस सालों के बाद भी मेरा सिद्धांतवाद मुझे इस समय तक थामकर ऊपर उठाए हुए है, और तुम ने दावा किया था, कि तुम औरतों को आज़ादी दे रहे हों, और तुम आज़ाद ख्यालात वाले हो। **तुम ने उन्हें इतना आज़ाद छोड़ा, कि तुम ने उनकी अगुवाई व्यभिचार के भीतर ही कर डाली, तुम ने उनकी अगुवाई दोगलेपन के भीतर..कुमारीमन के भीतर ही कर डाली, और तुम ने उनकी अगुवाई परमेश्वर के वचन से ही दूर कर डाली, तुम पाखंड़ियों! जब तुम ने परमेश्वर के उन दासों के साथ नाइंसाफी की, जो पवित्रता के इस सन्देश के लिए अडिग खड़े रहने का यत्न कर रहे थे, उसके बाद से परमेश्वर के न्याय तुम पर हैं।**

मैं एक गवाह के रूप में यह कह रहा हूँ, कि सन् 1973 के बाद जब वे झूठे गर्जन कलीसियाओं में आए, तो उसके बाद तो उन्होंने पवित्रता का ही सन्देश बिगाड़ कर रख दिया। यही कारण है, कि ये सारे तथाकथित गर्जन जो न्यू यॉर्क में आरम्भ हुए और विश्व भर में चारों ओर फैले, शैतान के हैं। मुझे ऐसा कहते हुए कोई अफसोस नहीं होता है। और मैं उन प्रचारकों से जो आज ''गर्जनों'' पर प्रचार करते हैं, अभी भी वही प्रश्न पूछ रहा हूँ; मैं उन

से पूछ रहा हूँ, ''**उस दस साल की चुप्पी के बाद तुम्हें कहाँ से अपने गर्जन मिले थे**?''अगर वे अपनी वंशावली को अतीत के झरोखें में पीछे जाकर देखें, तो इस बात को स्वाकार करना ही होगा..उन्हें इसके लिए न्यू यॉर्क तक पीछे जाना होगा, या उन्हें खोजबीन करके यह पता चल ही जायेगा, कि किसी झूठे नबी ने आठवें सुसमाचारदूत के रूप में इनकी शुरूआत की थी। वे इसका भाई ब्रन्हम के सन्देश के द्वारा उल्लेख नहीं कर सकते हैं, क्योंकि ऐसा भाई ब्रन्हम का सन्देश था ही नहीं। यह तो शैतान का ही है! वह कोई भी जो पवित्रता के सन्देश में परिवर्तन करता है, वह कोई भी जो पवित्रता के सन्देश में रद्दोबदल करके उसके रूप को बदलता है, वह शैतान का ही जन है! और यदि मादी और फारसी के नियम न तो बदले जाते हैं, और ना ही उन में कोई रद्दोबदल की जाती है..(और जबकि वे तो इंसान के ही बड़बोल हैं) ...तो मैं कह रहा हूँ, सर्वशक्तिमान परमेश्वर और उसके पुत्र यीशु मसीह के वचनों में ना तो कोई रद्दोबदल की जा सकती है, और ना ही उन्हें बदला जा सकता है, पुराने नियम से लेकर नये नियम तक उनमें ऐसा कुछ भी नहीं किया जा सकता है, और ना ही पवित्रता के सन्देश में ऐसा कुछ किया जा सकता है; और **कोई मनुष्य इतना बड़ा नहीं हैं, कि उन में बदलाव कर दे, और वह नरक में न जा सके**। मेरी बात सुनिए, हमारा आदर्श भविष्यद्वक्ता की पत्नी नहीं है, हमारा आदर्श भविष्यद्वक्ता की पुत्री नहीं है, हमारा आदर्श भविष्यद्वक्ता का पुत्र नहीं है; वरन **हमारा आदर्श तो भविष्यद्वक्ता ही है**। ''***उन भविष्यद्वक्ताओं को अपना आदर्श मानो, जिन्होंने तुम से प्रभु के नाम में बात की है।***'' यही है वह जहाँ पर हमारी मिसाल, हमारा आदर्श है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि कोई शख्स कितना ऊँचा आत्मिक काम करता है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि भविष्यद्वक्ता का बेटा क्या करता है, या भविष्यद्वक्ता की बेटी क्या करती है; या भविष्यद्वक्ता की पत्नी क्या करती है; या कोई व्यक्ति जो भविष्यद्वक्ता के बहुत नज़दीक रहा था, क्या करता है; मैं तो सिर्फ वही मानूँगा, और उसी का अनुकरण करूँगा जिसकी खुद भविष्यद्वक्ता ने शिक्षा–तालीम दी थी; और उसने बहनों को शिष्टाचार और सौम्यता से भरे हुए और ढीले–ढाले पहरावे पहनने की शिक्षा–तालीम दी थी। यही है वह जिसकी उसने शिक्षा–तालीम दी थी। मैं तो उसी का विश्वास करता हूँ। *(सभा कहती है, ''आमीन'')*हम उसी का विश्वास करते हैं। जी हाँ! **वह कोई भी मनुष्य जो उस में परिवर्तन करता है, वह नरक के पथ पर बढ़ता चला जा रहा है। वह कोई भी जो पवित्रता के सन्देश में रद्दोबदल करता है, वह नरक के पथ पर बढ़ता चला जा रहा है। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि वह कौन है।**

अतः ***झूठे गर्जनों के ये कुपंथ*** ही परमेश्वर की पवित्रता के सन्देश में बदलाव लेकर आये, और पवित्रता का सन्देश तो बहुत ही सरल था, उस में किसी प्रकार का कोई व्यभिचार, कोई दुराचार–दोगलापन, कोई समलैंगिकता, कोई स्त्रीसमलैंगिकता, कोई लैंगिक भ्रष्टता, और कोई अनैतिक–अश्लील पहरावे नहीं हैं। यही है वह जिससे हम व्यवहार कर रहे हैं। कोई अनैतिक–अश्लील पहरावे नहीं पहनने हैं , कोई ऊँची एड़ी की जूते–जूतियाँ नहीं पहननी हैं, अपने घर–परिवार को कायदे में रखना है, कोई स्पोर्ट–खेलकूद नहीं खेलना है, कोई टेलीविज़न नहीं देखना है, और स्त्री को अपनी जगह पर ही तैनात रहना चाहिए, और उसे आत्मिक मामलों में अपनी सलाह देने के लिए अपनी आवाज़ नहीं उठानी चाहिए; और पुरुष को एक पुरुष के रूप में अपने स्थान पर तैनात रहना चाहिए। पवित्रता का सन्देश तो बहुत ही सरल है, यह तो अत्याधिक सरल व सहज है। यही है वह जिसके अनुसार हम अपने जीवन व्यतीत कर रहे हैं। और मैं यहाँ पर उसे ले रहा हूँ जो लोगों ने इसके बारे में अर्थ बतलाये हैं, या जो उन्होंने इसमें काट–छाँट करके बदलाव किया है, जो इसमें परिवर्तन किया है, या जो इसमें बिगाड़ किया है; और मैं उसकी तुलना उससे कर रहा हूँ, जिसकी भाई ब्रन्हम ने हमें शिक्षा व तालीम दी थी, और इसे तो बिलकुल ठीक ठीक ही बाहर निकलकर आना है।

लोगों ने तो जानबूझ कर अपनी आँखें मूंद ली हैं। उन्होंने सन्देश में काट–छाँट की है और उन्होंने समझौता किया है। मैं आपको बताऊँगा, कि उन्होंने कैसे समझौता किया, और उन्होंने कैसे इसे बदला, और कैसे इसमें काट छाँट करके इसमें रद्दोबदल की। उन्होंने इसे इसलिए बदला, उन्होंने इसपर इसलिए समझौता किया,उन्होंने इस में काट–छाँट करके रद्दोबल इसलिए की, ताकि यह सदोम के दुराचारों और घृणित कामों और स्टाइलों के अनुरूप फिट हो सके; और यहाँ तक कि ऐसा इसीलिए हुआ, क्योंकि उन में सदोम और अमोरा के दोगलेपन और भ्रष्टता की ताकत के खिलाफ डटे रहने के लिए हिम्मत– साहस नहीं था। अतः उन्होंने पवित्रता के सन्देश को ही मोड़ दिया, ताकि सदोम के घृणित कामों, सदोम के स्टाइलों–चलनों, और सदोम के संगीत के अनुरूप फिट हो सकें। गलतियों 1:8 उन पर स्राप देता है। *''चाहे हम या स्वर्ग से कोई दूत भी आ जाये और कोई दूसरा ही सुसमाचार सुनाए, तो वह स्रापित हो।''*और मैं कहता हूँ, कि वचन का उक्त लेख आज के लिए भी सच्चा है, और अगर कोई भी इस सन्देशवाहक के सन्देश को किसी छोटी से छोटी बात के लिए भी बदलता है, तो परमेश्वर के स्राप उसके ऊपर हैं। **ना तो कोई मनुष्य, ना तो कोई गर्जन, ना तो कोइ बड़ा प्रकाशन, ना तो कोई महान बड़ा इंसान जो**

भाई ब्रन्हम के पीछे पीछे चला, इस बात में सामर्थी है, कि वह इस घड़ी के सन्देश में परिवर्तन कर दे। आप इस बात में सामर्थी नहीं हैं, कि आप पवित्रता के मापदंड़ में परिवर्तन कर दें। जी हाँ, श्रीमान! बेहतर होगा, कि आप अभी अपने भोजन के विषय में भूल जाएं। आप यहाँ पर अपना ध्यान सिर्फ परमेश्वर के वचन पर ही लगाकर रखें। मित्र, हम उन बातों के विषय में बोल रहे हैं, जिन से आपको अपने रोज़मर्रा के जीवन में लड़ना होता है, आपको अपने जीवन में उन से प्रतिदिन जूझना पड़ता है – आपको अपने स्कूल में, अपने नौकरी पर, सड़क पर, रेडियो पर, और कभी कभी तो कलीसिया में भी आपको इन से जूझना पड़ता है। ओह, हाँ! आपको जद्दोजहद करनी पड़ती है। आप यह न सोचें,कि आप बिना लड़े ही ''स्वर्ग में ऊपर उठाये जाने'' में चले जायेंगे? आपको तो लड़ना होगा। आपको तो जद्दोजहद करनी होगी। आपको तो अपनी भूख मारनी पड़ेगी। आपको अपनी बुरी बुरी लालसाओं को बलि करना होगा। आपको अपनी लालची–भूख को बलि करना होगा, और आपको अपनी एक ही पत्नी से सन्तुष्ट रहना होगा, आपको अपने एक ही पति से सन्तुष्ट रहना होगा; जी हाँ, आपको सन्तुष्ट रहना होगा– *''सन्तोष सहित भक्ति बड़ी कमाई है।''* जी हाँ, श्रीमान! आपको तो इस शरीर को मारना–कूटना होगा, और उसे अपने काबू में रखना होगा। आपको तो अपने शरीर के कामों को छोड़ने के लिए बुलाया गया है; आपको सुसमाचार में काट छाँट करने के लिए नहीं बुलाया गया है। लेकिन क्या प्रचारकों ने काट–छाँट करने का ठीक यही काम सन्देश में नहीं किया है? उन्होंने इस में काट–छाँट की है। भाई पौलुस ने काट–छाँट करने के लिए नहीं कहा था, उसने तो अपने शरीर को मारने–कूटने के लिए कहा था। जी हाँ, मगर इन भ्रष्ट–दुराचारी प्रचारकों ने क्या किया है? यह सारा का सारा दोष लोगों का नहीं है, यह दोष तो उन प्रचारकों का है, जो बुलाए हुए भी नहीं हैं, ये दोष तो उन झूठे अभिषिक्तों का है, जो आज के दिन में प्रचारमंच के पीछे खड़े होकर प्रचार कर रहे हैं। आज ऐसे ही भेड़िये तो प्रचारमंचों के पीछे आ गए हैं। ये रेंग कर घुस आने वाले प्रचारक ऊपर आ गए हैं। आज वे सन्देश को सम्भालने में लगे हुए हैं। जी हाँ! और क्या आप जानते हैं, कि वे किस तरह से लोगों को बंधुवाई में बाँध कर रखते हैं; और वे किस तरह से परमेश्वर के उन असली–सच्चे पुरुषों पर काली छाया ढ़कते हैं जो पवित्रता के मापदंड़ों को ऊँचा उठाये रखने का यत्न करते हैं? वे उस काली छाया को उन पर एक ***'प्रेम–सुसमाचार'*** के द्वारा ढ़कने का प्रयास करते हैं, और वे कहते हैं, ''हमें किसी दूसरे झुंड़ की कदापि निन्दा या आलोचना नहीं करनी चाहिए; हमें किसी भी प्रचारक की कदापि आलोचना नहीं करनी चाहिए; हमें किसी की कदापि आलोचना नहीं करनी चाहिए; हम में से हर एक की कमजोरियाँ हैं।'' मैं कमजोरियों के विषय में बातें नहीं कर रहा हूँ,

लेकिन मैं तो भ्रष्टता के विषय में ही बातें कर रहा हूँ। पवित्रता के सन्देश में जो भ्रष्टता लायी गई है, मैं तो उसी के विषय में बातें कर रहा हूँ। यही है वह जिसके विषय में मैं बातें कर रहा हूँ। यह ''प्रेम सुसमाचार व्यभिचारियों को पनाह देने का प्रयास करता है; और इन तथाकथित गर्जनों के बीसियों और सैकड़ों प्रचारकों ने व्यभिचार और दुराचार में जीवन बसर किया है। वे दर्जनों और बीसियों की तादाद में गिरने लगे थे, और जबकि वे यह दावा कर रहे थे, कि उनके पास दुल्हन वाली बेदारी है। परमेश्वर ही उनके मुँह पर ताले लगाए। दुल्हन की तो एक असली–सच्ची बेदारी होने जा रही है। दुल्हन की बेदारी के लिए तो इस बात की ही आवश्यकता है, कि पवित्र आत्मा का एक बार फिर से उंड़ेला जाना हो। जी हाँ! यही वह दुष्टता है जो इन तथाकथित गर्जनों वालों ने की है; उन्होंने पवित्रता के सन्देश को तबाह कर डाला है। जी हाँ, उन्होंने पवित्रता के मापदंड़ों पर समझौता किया; उन्होंने शिक्षाओं और सिद्धांतों पर समझौता किया, और उन्होंने इसे ''कमजोरी'' का नाम दिया। व्यभिचारी और अनैतिक–दुराचारी प्रचारकों ने सन्देश को अपने हाथों में लेकर सम्भाने का प्रयास किया, और उन्होंने भाई ब्रन्हम के नाम को और इस समय के सन्देश को बदनाम और कलंकित किया। जी हाँ! भाई ब्रन्हम ने..परमेश्वर के नबी ने उस आत्मा के खिलाफ लड़ने के लिए पसीना बहाया; और ठीक यही काम आपको भी करना होगा। मित्र, आप यह न सोचें, कि आप मौज में हैं? जी नहीं! आपको तो इस दोगली–भ्रष्ट आत्मा के विरूद्ध शयनकक्ष से लेकर सड़क तक लड़ना होगा। ये वे आत्माएं हैं, जिन्हें आज़ाद छोड़ दिया गया था। उन्हें छूना मत, और ना ही उन्हें अपने ऊपर अभिषेक देने देना; वरन आप इस घड़ी में अपने प्राण को गवां बैठेंगे।

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या–45

हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ बड़ी ही चालाकी से सन्देश को और वचन को अपने हाथों में कब्जाये हुए हैं

बच्चों, मैं आशा करता हूँ, कि आप समझते हैं, कि मैं क्या कह रहा हूँ। मित्रों, इस प्रकार के भ्रष्ट और दुराचारी पुरुषों ने नये सिरे से जन्म पाने का तज़ुर्बा हासिल किये बगैर ही परमेश्वर के वचन और इस घड़ी के सन्देश को अपने हाथों में लेकर प्रचार करना शुरू कर दिया था, जबकि वे अभी भी अपने बुरे स्वभाव की ही गिरफ्त में थे, इसलिए उन्होंने अपनी बदरूह को लोगों तक भी पहुँचा दिया। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, ''झूठे नबी झूठा वचन लेकर आते हैं, और झूठा नया जन्म पैदा करते हैं।'' यह बात ''***तुम्हें अवश्य ही नये सिरे से जन्म लेना चाहिए***'' सन्देश में से ली गई है। उसने ''***आत्मा भविष्यद्वक्ता में से होकर बोलता है***'' सन्देश में यह भी कहा था, कि लोग पवित्र आत्मा लेने की बजाये

किसी और ही आत्मा को ले लेते हैं। और उसने कहा था, कि वे किसी दुष्टात्मा को ही लेते हैं, और दसयों लाखों लोग ऊपर जाते हैं, और इन दुष्टात्माओं से ग्रस्त हो जाते हैं, जबकि वे इसी किस्म के ही पुरुषों के पीछे पीछे चलते हैं। आप के लिए बेहतर होगा, कि आप आज पाक–साफ प्रचारकों के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें। आपके लिए बेहतर होगा, कि आप परमेश्वर का उन पुरुषों के लिए धन्यवाद करें, जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया है और जो पवित्रता के मापदंड़ों को ऊपर उठाए हुए हैं, और उन्होंने अपनी आत्मा और अपनी बदरूह आप पर स्थानान्तरित नहीं की है, दोस्त, वरन उन्होंने तो आप पर पवित्र आत्मा ही स्थानान्तरित किया है। उन्होंने तो आपके पास परमेश्वर का वचन स्थानान्तरित किया है। एक भ्रष्ट–दुराचारी प्रचारक भ्रष्टता और निकम्मेपन से ज्यादा और क्या उत्पन्न कर सकता है, मत्ती के सातवें अध्याय के अनुसार तो *एक निकम्मा पेड़ अच्छे फल नहीं लगा सकता है।* **और यदि लोग इन भ्रष्ट–निकम्मे प्रचारकों की छत्रछाया में बैठते हैं, तो वे निकम्मे फल से ज्यादा और कुछ उत्पन्न नहीं कर सकते हैं।** यही है वह सब कुछ जो वे उत्पन्न कर सकते हैं। वे निकम्मे–भ्रष्ट फल पैदा करते हैं; वे दोगले मसीही पैदा करते हैं। जी हाँ! **उन्होंने समझौता करने वाले पुरुष ही तो पैदा किये हैं; उन्होंने समझौता करने वाली स्त्रियाँ ही तो पैदा की हैं। उन्होंने हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ ही तो पैदा की हैं। इसी प्रकार की ही तो कलीसिया उस प्रकार के प्रचारक उत्पन्न करेंगे; और इसी प्रकार का ही घर–परिवार उस प्रकार के प्रचारक उत्पन्न करेंगे।** जी हाँ! वे हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ पैदा करेंगे। वे उस प्रकार की मंड़ली पैदा करेंगे, जिसमें उस किस्म की आत्मा होगी। वे किसी किस्म के भद्दे पहरावे पहनेंगे। उनके बीच मनमुटाव और कलह होंगे।

हुकूमत करनेवाली स्त्री; आइये हम इसी पर आते हैं। मैं कुछ देर के लिए उसी पर रुकूँगा, जिसके विषय में मैं बातें कर रहा हूँ। **जिस किसी पर वह हुकूमत करने वाली आत्मा है, चाहे वह बहन हो, या पत्नी हो, या वह शादी–शुदा नारी–महिला हो या अनब्याही नारी–महिला हो, वह चाहे जो कोई भी हो, उस पर यह सदोम और अमोरा की ही आत्मा है,** क्योंकि सदोम में ही ऐसी दोगली आत्मा थी, और इस सदोमी युग में ही लोगों के ऊपर वे आत्माएं हैं, जो दोगली और भ्रष्ट हैं। यह युग ही दोगलेपन का युग है। यह युग ही भ्रष्टता का युग है। अतः अब, यह हुकूमत करने वाली या आज्ञा चलाने वाली स्त्री कोई आम बात नहीं है। **अगर आप अपनी आत्मा को अपने पति के आधीन नहीं कर सकते हैं–उसे अपने पति के काबू में नहीं कर सकती हैं, और आप यह जानती हैं, कि आप के ऊपर एक हुकूमत करने वाली आत्मा है, और**

आप हुकूमत करनेवाली एक स्त्री हैं, चाहे आप कुँवारी हों, या आप शादीशुदा हों, आप पर पुरुषों वाला स्वभाव है, कि आप अपने ही तौर तरीके चाहती हैं, और आप अपनी ही इच्छा और मर्ज़ी से काम करना चाहती हैं, और आप हुकूमत करनेवाली एक स्त्री हैं, आप किसी भी मामले को धीमी और नीची आवाज में नहीं निपटा सकती हैं, तो आपको इस बात की बड़ी ही जरूरत है, कि आप उस आत्मा से छुटकारा पा लें। वह तो सदोम में शैतान का ही दोगलेपने का काम है, और आप शैतान के उसी किस्म के अभिषेक के तले हैं। अगर आप एक स्त्री होकर भी बिना वापस उल्टा जवाब दिये अपना सुधार नहीं कर सकती हैं, अगर आप अपनी पति को कोई फैसला नहीं लेने देती हैं, जब तक कि आप उससे बदला ना ले लें, तब तक आप रगड़ा–झगड़ा, कलह न कर लें, जब तक कि आप अपने हाथ पैर न चला लें, जब तक कि आप मुक्के न मार लें; अगर आप अपने पति के प्रति आज्ञाकारी नहीं हैं; अगर आप अपने पिता के प्रति आज्ञाकारी नहीं हैं; तो आप के ऊपर वह भ्रष्ट और दोगली आत्मा है, और वह आत्मा सदोम की ही है। भाइयों, आपको तो उससे छुटकारा पाने की ही आवश्यकता है। और हमारे पास यहाँ पर परमेश्वर का अनुग्रह है, कि हम आपकी सहायता करें। ऐसे लोग होते हैं, जो उन बातों से अलग ही करने की इच्छा तो लिये रहते हैं, पर उनके पास ऐसा पास्टर नहीं होता है, जो उनकी मदद करे, क्योंकि उनके पास्टर के पास जो आत्मा है, वह तो आरम्भ से ही दोगली और भ्रष्ट है, और उसे तो खुद भी मदद की जरूरत है, क्योंकि वह तो खुद अपनी पत्नी के काबू में रहकर काम कर रहा है, वह तो अपनी बेटियों के काबू में रह कर काम कर रहा है। ऐसे पास्टर अपनी मंड़ली की कोई सहायता नहीं कर सकते हैं। आइये मैं जल्दी से आपको इसे हवाले बताये देता हूँ।

जो स्त्री प्रभुत्व करती है, या शासन करती है, वह संसार में सबसे बड़ा अभिशाप है

214–3 यह सबसे ज्यादा ध्यान देने योग्य बात है, कि ''थुआतीरा'' शब्द का अर्थ होता है,''प्रभुता करनेवाली स्त्री।'' ...**अब, जो स्त्री प्रभुत्व करती है, या शासन करती है, वह संसार में सबसे बड़ा अभिशाप है** ...नाकही बात(unquode)–संसार में सबसे बड़ा अभिशाप कौन बनना चाहता है? कोई नहीं! लेकिन सदोम की आत्माएं हैं जो लोगों को परगंदा कर रही हैं। पौलुस ने कहा था, '' मैं आज्ञा देता हूँ, कि स्त्री शिक्षा न दे'', और या यू. एस. यू. आर. पी. अथॉरटी न बने... '' ***अदन की वाटिका से ही स्त्री सदा ही निरन्तर और सफलतापूर्वक यही चेष्टा करती रही है, कि वह पुरुष पर अपना अधिकार प्राप्त कर ले, और ठीक आज यह एक स्त्री–प्रधान देश ही है,***

जिसकी अमेरिका की देवी एक नग्न स्त्री है...अब देखिए, स्त्री के लिए यह नहीं है, कि वह लोहे के समान व्यवस्था या प्रबंध रखे। पवित्रशास्त्र के अनुसार तो उसे पुरुष के आधीन ही रहना चाहिए। यही उसे आज्ञा दी गई थी। एक स्त्री जो सचमुच में एक ऐसी नारी है...सभी नारियाँ इसी व्यवस्था की आधीनता में होंगी। *वह कोई पायेदान नहीं है। ना ही कोई असली पुरुष स्त्री को पायेदान बनाकर रखता है।* ***परन्तु वह तो यही होगी, कि वह आधीनता में रहे, और पुरुष पर हुकूमत न करे; क्योंकि पुरुष तो घराने का सिर है। यदि वह उस स्वरूप को जो परमेश्वर ने उसके लिए बनाया है, तोड़ती है, तो वह दूषित हो जाती है। कोई भी पुरुष जो स्त्री को हुकूमत करने देता है, वह भी उस स्वरूप को तोड़ता है और वह भी दूषित हो जाता है। यही कारण है, कि वह उन पहरावों को नहीं पहन सकती है, जो पुरुष के हैं; और ना ही वह बाल कटवा सकती है। उसे कभी भी उन पहरावों को नहीं पहनना है, जो पुरुष के हैं; और ना ही कभी भी अपने बाल कटवाने हैं।*** *जब वह ऐसा करती है, तो वह पुरुष के अधिकार–क्षेत्र में घुसपैठ करके अधिकार को ले रही है, और स्वयं अपने को भ्रष्ट कर रही है। और जब कोई स्त्री प्रचार–मंच पर अपना अधिकार जमाती है–जबकि उसे यह आज्ञा दी गई है, कि उसे अवश्य ही ऐसा नहीं करना चाहिए; तो वह यही दिखाती है, कि उसके अंदर किस प्रकार की आत्मा है। एक शासन करने वाली, या प्रभुता करने वाली स्त्री होने के कारण वह एक मसीहविरोधी है, और रोमन कैथालिक कलीसिया का बीज उसके अंदर है; चाहे वह इस बात का जोर देकर खंड़न क्यों न करती हो।* ***परन्तु जब वचन की बात आती है,*** *तो हर एक मनुष्य की बात झूठी और परमेश्वर का वचन सच्चा ठहरे। आमीन!* (थुआतीरा कलीसियायी काल, कलीसियायीयी काल की पुस्तक)

बच्चों, यह एक बड़ी ही भंयकर बात है; चाहे आप संसार के किसी भी भाग में पायी जाने वाली कोई बहन ही क्यों न हों, चाहे आप किसी भी मंड़ली में ही क्यों न हो, चाहे आप इस समय यहीं पर मौजूद क्यों न हों, अगर आप एक ऐसे युवती हैं जो बड़ी हो रही हैं, और चाहे आप एक शादी–शुदा महिला ही क्यों न हों, और आप देखती हैं, कि आपकी आत्मा आपको पुरुष के आधीन नहीं होने देती है, आपकी आत्मा आपको अपने पास्टर के आधीन नहीं होने देती है, जो आपको परमेश्वर का वचन प्रचारता है, और **आपकी आत्मा पुरुष के अधिकार को पहचानने नहीं देती है, तो अज़ीज बहन, आपके ऊपर तो सदोम और अमोरा की ही आत्मा है। आप उस आत्मा को लिये हुए स्वर्ग पर उठाये जाने में नहीं जा सकती हैं।** आप अपने पति पर गुर्राये बिना नहीं रह सकती हैं,

और अगर वह आपको कोई एक बात कह दे, तो जब तक आप उसे पाँच या दस बातें सुना नहीं देती हैं, आप चुप नहीं बैठ सकती हैं। आप अपने पति से एक भले सज्जन के जैसे बातें नहीं कर सकती हैं, तो आप जिस आत्मा की तस्वीर दिखला रही हैं, वह आत्मा सदोम और अमोरा की ही है। आप उस आत्मा के साथ ही क्लेश में से होकर गुजरेंगी, और ऐसे में तो आपको क्लेश से होकर गुजरना ही होगा, ताकि आप उस आत्मा से शुद्ध हो सकें, जो आत्मा आपके अंदर है। परमेश्वर की सन्तानों, मुझे क्षमा करना, हम सभी सदोम और अमोरा से ही आये। हमारा उसी युग में जन्म हुआ, और एक स्त्री होने के नाते आपको अवश्य ही अपनी आत्मा जाननी चाहिए। आपको यह अवश्य ही जानना चाहिए, कि आप कितनी दीन व नम्र हैं, आप कितनी काबू में रहने वाली हैं। आपको अवश्य जानना चाहिए, कि आप कितना ज्यादा काबू में रखनेवाली स्त्री हैं। आपको अवश्य ही जानना चाहिए, कि आप कितनी उदंड़ व उपद्रवी हैं। आपको अवश्य ही जानना चाहिए, कि आप कितना ज्यादा ''कहना ना माननेवाली'' हैं। हम उसी के साथ जन्मे थे। हम उसी किस्म के वातावरण में आये और हम उसी वातावरण में बढ़े, परन्तु आपको उस किस्म के स्वभाव को, उस किस्म के माहौल को परमेश्वर को समर्पित कर देना चाहिए। आप रातों–रात नये तो नहीं बन जायेंगे, मित्रों, लेकिन जबकि मैं यहाँ पर परमेश्वर के वचन का प्रचार कर रहा हूँ, आपको उसे परमेश्वर को ही समर्पित कर देना चाहिए। परन्तु ऐसे भी लोग हैं, जिनपर उस किस्म की आत्माएं हैं, और वे अपने आपको परमेश्वर को समर्पित करने के लिए इच्छुक नहीं रहते हैं, जी हाँ; और अगर आप अपने आपको परमेश्वर को समर्पित करने के लिए इच्छुक नहीं हैं, तो आप समय ही व्यर्थ गवां रहे हैं। आप तो क्लेश में से होकर गुजरेंगे, और यह बात वैसे ही सुनिश्चित है जैसे यह जगत।

मैं आपको यह बताता हूँ, कि जब आप पर अपने घर में अपने पति पर हुकूमत करने वाली आत्मा होती है, तो आप उस आत्मा का प्रकटीकरण अपने पास्टर पर करती हैं, क्योंकि यहाँ पर यह पुरुष वाली आत्मा है, जो यहाँ पर परमेश्वर का वचन प्रचार रही है, और वह तो आपके उन दानों को कुचलेगा। वह तो आपकी पसंद के विरपरीत ही कुछ करेगा। वह तो बच्चों के लिए उन तौर–तरीकों के बारे में बोलेगा, जो आपको पसंद नहीं हैं, जी हाँ, आपको अपने बेटे के बारे में, अपनी बेटी की बारे में सुनना अच्छा नहीं लगता है, और इसके बाद होता यह है, कि आप गुस्से से भर कर झुंझला उठती हैं, और आप झुंझलाहट से भर कर मेढ़क के जैसे फूल जाती हैं। जी हाँ, आप उसके बाद उससे किसी प्रकार का कोई सलाह–मशविरा नहीं चाहती हैं। उसके बाद आप

उसके कार्यालय में फिर कभी वापस नहीं आती हैं, क्योंकि वह तो परमेश्वर के वचन पर एक सीधी रेखा में अडिग डटा हुआ है, और आप के अंदर जो एक पुरुषों वाली आत्मा है, वह पास्टर की पुरुष–वाली आत्मा का ही प्रतिरोध कर रही है। वह तो आप के पास्टर से तकरार ही करेगी। और जब आप अपने घर में अपने पति पर हुक्म चलाना चाहती हैं, और आपका पास्टर आपको उससे अलग ही कुछ सलाह देता है, तो आपके साथ क्या होता है? वह आत्मा झगड़े पर उतारू हो जायेगी, क्योंकि आपका पति तो आपके पास्टर की बात सुनना चाहेगा, और जबकि आप अपने पास्टर की बात सुनना नहीं चाहेंगी। अब वह सदोम की आत्मा को ही प्रतिबिम्बित कर रही है। वह एक दोगली–भ्रष्ट आत्मा को ही प्रतिबिम्बित कर रही है। इसी किस्म की ही तो वे स्त्रियाँ होती हैं, जो अपना एक अलग बैंक एंकाऊन्ट चाहती हैं। वह अपनी एक निज मोटरकार चाहती हैं, वह अपना एक निज मकान चाहती हैं। वह जहाँ चाहे वहाँ जाना चाहती हैं, और वह जब चाहे तब वापस आना चाहती है; क्योंकि उस पर तो पुरुषों वाली आत्मा है। मित्र, अब क्या आप देखते हैं, कि क्या हो रहा है? और पुरुषों वाली उस आत्मा के कारण ही, वह पुरुष पर हुकूमत करना चाहती है, वह परमेश्वर के बेटे पर हुकूमत करना चाहती है, और अगर पुरुष के अंदर कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित पुरुष वाली आत्मा है, तो वह उस किस्म की स्त्री की गुलामी करने लग जाता है, और वह आत्मा उसे अपनी हुकूमत में ले लेगी।

और उस पास्टर के बारे में क्या बात है, जिसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है और जिसके पास पवित्र आत्मा नहीं है, और जिसकी पत्नी के ऊपर ठीक उसी किस्म की हुकूमत करने वाली आत्मा है? क्या आप देखते हैं, कि कलीसिया में परेशानी कहाँ पर है? यही है वह जहाँ कलीसिया में परेशानी–दिक्कत आती है, क्योंकि वह तो उसकी फैसले लेने में भी मदद करेगी। वह उसे बतायेगी, कि उसे क्या करना है। और तब वह शयनकक्ष में एक प्रचारक–स्त्री होगी, और उसका पति उसे प्रचारमंच से प्रचार करेगा। जी हाँ! उस स्त्री के परमेश्वर की कलीसिया में रगड़े–झगड़े होने लगेंगे। वह डीकनों पर रौब जमायेगी, वह भाइयों के संग बखेड़ा करेंगी। वह कलीसिया में स्त्रियों पर रौब जमाने लगेगी, क्योंकि वह तो एक अभिशाप है। वह तो स्त्रियों पर अपना रौब

जमाना चाहेगी-वह उन्हें अपनी धौंस में रखना चाहेगी। वह इस बाता का दावा करना चाहेगी, कि वह तो किसी भी जन से ज्यादा आत्मिक है, और तब पास्टर भी उसे उसी तरह का समझने लगता है। वह पास्टर के लिए भी मन-मुटाव और रगड़े-झगड़े लेकर आयेगी, और पास्टर उसी का बात का प्रचार कर रहा होगा। अगर उसका पति खड़ा होता है, और वह खड़े होकर कलीसिया में कुछ भांप लेता है, तो उस स्त्री का कलीसिया की और दूसरी बहनों से विरोध शुरू हो जाता है। और इसके बाद ठीक उसी किस्म की आत्मा उसकी बेटियों पर भी आ जाती है। जी हाँ!

मैं नहीं सोचता हूँ, कि उन जैसे पुरुषों को अपनी उन जैसी पत्नियों का फायदा उठाना चाहिए। और बल्कि उन्हें तो उस जैसी स्त्री को लगातार दिन और रात डाँटते-फटकारते रहना चाहिए, वह ऐसा इसलिए न करें, क्योंकि वह सही से उत्तर नहीं देती है, क्योंकि वह नम्र नहीं है, वरन वह ऐसा इसलिए करें, ताकि उसे अपनी जगह मालूम हो जाए। आप ऐसा न कर दें, कि वह स्त्री मोटी मोटी बातें कहते हुए आँखों से पानी बहा रही हो। आप को तो प्रायश्चित की ही जरूरत है। जी हाँ, वही उस जैसे काम को सन्तुलन में रखता है। मित्र, यही है वह जो कलीसियाओं में हो रहा है।

कुपन्थीय अनुच्छेद .46

कोमल-नाजुक हड्डीरहित पुरुष, हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ

अब अगर आप वैसे ही पुरुष हैं, जैसे सदोम और अमोरा में होते हैं, अगर आप में कोई रीढ़ की हड्डी नहीं है-आप में कोई हिम्मत नहीं है, तो स्त्रियों की हुकूमत करनेवाली ये आत्मा आपको धर-दबोच लेगी; और आप अपनी पत्नी के डर के दासत्व में आ जायेंगे। आप उसके झगड़ालू रवैये के डर से उसके दासत्व में आ जायेंगे, और आप एक पुरुष होते हुए भी वैसे ही बंदिश में होंगे, जैसे खूँटे से बन्धी गाय। और जब तक आप वैसा करते हैं, आप पुरुष रूप को तोड़ते हैं, और आप क्लेश में से होकर जायेंगे। और मुझे इस बात का डर है, कि यही है वह जो सन्देश के मानने वालों में चारों ओर हुआ है। दूषित-दोगले प्रचारकों ने अपनी दूषित-दोगली बदरूह को पुरुषों पर स्थानान्तिरत किया है; और यह एक कुपंथ है। यह शैतान का ही है। मलाकी 4 ने इसकी भर्त्सना की थी।

वह इतना ज्यादा कोमल-नाजुक हड्डीरहित है, कि वह नहीं जानता है, कि उसका सम्बंध किससे है

59. आप कहते हैं, ''आप तो हर वक्त स्त्रियों को ही भला-बुरा कहते रहते हो।'' बिलकुल ठीक है, पुरुषों, मैं कभी कभार तुम्हारी भी सफाई-मंझाई करूँगा। मैं तुम्हें कोई बात बताये देता हूँ। वह कोई भी पुरुष जो अपनी पत्नी को सिगरेट पीने देता है, और उसे आधे अधूरे कपड़े पहनने देता है, मैं उसका एक पुरुष के रूप में बहुत थोड़ा ही आदर करता हूँ। ***वह इतना ज्यादा कोमल-नाजुक हड्डीरहित है, कि वह नहीं जानता है, कि उसका सम्बंध किससे है। यहाँ तक कि वह तो एक मर्द भी नहीं है।*** *यह सही बात है। ओह, हाल्लिलूय्याह! यह सही बात है।* ***वह तो मर्द के लिए एक अभाग्यपूर्ण बहानेबाज़ी है।*** *ओह, हो सकता है, कि वह छः फीट लम्बा हो, उसका वजन दो सौ पौंड़ हो, लेकिन फिर भी* ***वह मुझे एक पुरुष के जैसा नहीं लगता है। यह यही दिखाता है, कि घर में चारों ओर कौन तुम पर हुकूमत करता है। वह बस अपना पांव भी पटक दे,*** *तो वह कहेगा''मैं ठीक इसी समय इस काम को करता हूँ।'' और तुम* ***उसके आगे बिल्ली के बीमार बच्चे के जैसे झुके चले जाते हो।*** *आखिर मामला क्या है? आज हमें पुरुषों की आवश्यकता है। (परमेश्वर की छाप 16/2/61)*

बेचारे,कोमल-नाजुक हड्डीरहित पुरुष, तुम्हारे पास वह कोई पवित्र आत्मा नहीं है

51 और तुम पुरुषों, तुम बेचारे,कोमल-नाजुक हड्डीरहित पुरुषों, तुम जो अपनी पत्नी को उस जैसे काम करने देते हो, ये यही दिखाता है, कि तुम किस से बने हुए हो। यही कारण है, कि तुम्हारे पास वह कोई पवित्र आत्मा नहीं है, जिसके होने का तुम ढ़ोंग करते हो, वरना ***तुम में कुछ न कुछ तो ऐसा पर्याप्त होता, कि कैसे भी हो तुम उससे एक शिष्ट महिला के जैसे कार्यकलाप करवाते, जब तक कि वह तुम्हारे साथ रहती है। आमीन! इस प्रकार की कटाई-छटाई करना पुराने चलन की बात लगती है। परन्तु आज कलीसिया को तो पुराने चलन की ही, पवित्र आत्मा द्वारा की जाने वाली धुलाई की, और धोकर लटकाने की और सुखाने की और पवित्र आत्मा के द्वारा इस्तरी किये जाने की ही आवश्यकता है। निश्चय ही!*** (कलीसिया और उसकी स्थिति 5/8/56)

बिलकुल ठीक ऐसा ही काम सन्देश में झूठे गर्जनों के कारण हुआ है। उन्होंने ही स्त्रियों को पत्र–पत्रिकाओं में, इन्टरनेट पर तथा कलीसिया में तथा सब जगह अपनी राय और सलाह देने का अधिकार दिया। और उन्होंने ही इस घड़ी के सन्देश को बिगाड़ा है, और दूषित किया है, और यह भाई ब्रन्हम की शिक्षा और तालीम के विपरीत है। भाई ब्रन्हम की तो यही शिक्षा है, कि स्त्रियाँ परमेश्वर के भवन में मुँह बंद करके बैठें। लेकिन अब वे इन्टरनेट पर सैकड़ों की तादाद में अपनी अपनी राय देकर, अपना मुँह खोल रही हैं। जी हाँ, वे कलीसिया के मामले में अपनी राय देकर, अपना मुँह खोल रही हैं। वे अपने अपने पतियों को राय देने में अपनी आवाज़ बुलंद कर रही हैं, और उनके पति उनकी ही बातों का प्रचार कर रहे हैं। **जी हाँ! तुम तो पुरुषों के नाम पर धब्बा हो। तुम तो कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित इंसान हो, जिसमें कोई हिम्मत नहीं है। यही बात तो हमारे भविष्यद्वक्ता ने कही थी। जी, हाँ; और क्या तुम यह दावा करना चाहते हो, कि तुम्हारे पास पवित्र आत्मा है?** लेकिन तुम्हारे पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है।और इसी सन्देश में ये ऐसे पुरुष हैं, जिन्हें कलीसिया में किसी न किसी कार्यभार को सम्भाले हुए दस–बीस साल हो गए हैं, और उनकी पत्नियाँ पैन्ट पहन रही है, अपने होंठों पर लिपस्टिक लगा रही हैं, अपने बालों को लड़कों के जैसे छोटे छोटे कटवा रही हैं, और वे उन्हें मेलों–ठेलों में जाने की भी अनुमति दे रहे हैं, और इसके बाद वे वापस आती हैं, और इस बात का दावा करती हैं, कि वे तो सन्देश पर ही चल रही हैं। **तुम** हड्डीरहित ढ़ोंगी–पाखंड़ी, तुम तो क्लेश में से होकर गुजरोगे। तुम्हारे पास तो लेशमात्र भी पवित्र. आत्मा नहीं है। तुम ने पवित्र आत्मा से जन्म पाया ही नहीं है।वह कोई भी पुरुष जो उस प्रकार की इजाजत देता है, वह तो आरम्भ से ही कमोल–नाज़ुक हड्डीरहित है, और वह बिलकुल भी मसीही नहीं है। **ठीक इस समय वे इस सन्देश में चल रहे हैं। ऐसे भी पुरुष हैं, जिनकी पत्नियाँ अमेरिका में छः महीनों के लिए नौकरी करती हैं, और उनके पति को उन से मिलने के लिए हर छः महीने में जाना पड़ता है। उनके बच्चे इधर–उधर भटक जाते हैं, और उन्हें नशा करने, मैरीजुआना जैसा नशा करने की, धूम्रपान करने की लत पड़ जाती है, और युवा लड़कियों के पेट निकले रहते हैं; और वे ही दावा करते हैं, कि वे तो परमेश्वर के भवन में रख–रखाव करनेवाले हैं, वे दावा करते हैं, कि वे तो परमेश्वर के भवन के डीकन हैं। यही है वह जो यह सन्देश बन गया है। क्या यह उसके उलट है, जो भाई ब्रन्हम ने कहा था? (सभा कहती है,''आमीन'') वह कोई भी बात जो उसके विपरीत है जो भाई ब्रन्हम ने कहा था, वह एक कुपन्थ ही है। यही**

कारण है, कि वे इस बेथेल कलीसिया से सहमत नहीं हो सकते हैं। यही कारण है, कि मैं उनके लिए बलि का बकरी बन गया हूँ, क्योंकि मैं पवित्रता और धार्मिकता के लिए अडिग खड़ा हुआ हूँ। वह कोई भी बात या वह कोई भी शख्स जो भाई ब्रन्हम के सन्देश को दूषित करेगा, या उसे बिगाड़ेगा, वह शैतान का ही जन है। वह कोई भी बात जो पवित्रता के मापदंड़ों के विपरीत है, वह कुपन्थ ही है, और मैं कहता हूँ, कि वह एक कुपन्थ ही है।

पुरुषों, तुम से अपेक्षा की जाती है, कि तुम घर के प्रधान हो

113 *मुझे इस बात में हैरानी है, कि क्या स्त्रियाँ अपने बालों को बढ़ने देंगी? **मुझे इस बात में हैरानी है, कि क्या पुरुषों में इतनी हिम्मत है, कि वे उसे ऐसा करने के लिए कह सकें? तुम से अपेक्षा की जाती है, कि तुम घर के प्रधान हो। वह तो गर्दन है, और वह तुम्हें घुमाएं फिरती है। यह उलट बात है।*** (हे प्रभु, बस एक बार और! 20/01/63)

पुरुष खड़े होने से डरते हैं और वे अपनी पत्नी की वजह से डरते हैं

140 *उन दिनों में आपको ऐसे पुरुष कदापि नहीं दिखते थे, जो डरते थे, और जो अपनी पत्नी की वजह से डरते थे, कि **कहीं वह उन्हें छोड़कर न चली जाए, या उनके साथ कुछ कर न बैठे, अगर वे कोई कदम उठा लें।** खैर, आपको उन दिनों में इस किस्म के पुरुष नहीं मिलते थे। वे बोलते थे; वे मर्द थे; **वे अपने घर–परिवार को अपने काबू में रखते थे। वे अपने घर–परिवार के मुखिया थे।** लेकिन यह तड़क–भड़क से भरा हुआ अमेरिका...!(हे प्रभु, बस एक बार और! 20/01/63*)

मैं कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित पुरुषों के बारे में बोल रहा हूँ। एक बड़ी संख्या में इसी किस्म के ही लोग इस सन्देश में हैं, जो इस बात का दावा कर रहे हैं, कि वे सन्देश का अनुकरण कर रहे हैं। मैं कह रहा हूँ, कि उनकी पत्नी अमेरिका में जैसा चाहे वैसा रहती है, और पुरुष को साल में एक बार अपनी पत्नी से मिलने के लिए जाना होता है; और ऐसे ही पुरुष इस बात का दावा कर रहे हैं, कि वे सन्देश का अनुकरण कर रहे हैं। तुम एक बड़े ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो, और इस सब से बढ़कर तुम फरीसियों के जैसे बातें बनाते हो, और ऐसे बातें बनाते हो, कि मानो तुम्हारे में ही सारा का सारा दिव्य प्रेम भरा हुआ है, और जैसे मानो तुम इस सन्देश को जी रहे हो। तुम ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो! जी हाँ!

छुईमुई हड्डीरहित पुरुषों का एक बड़ा झुंड़ हो गया है- ऐसा लगता है, कि वे बिलकुल भी आदमी नहीं हैं

131 *लम्बे बाल रखना-बाल न कटाना स्त्रियों के लिए नाज़ीर होने की एक वाचा होती है। ये यही दिखाता है, कि आप ने वचन का कहा मानने के लिए खुद अपने को संसार से अलग कर लिया है। आमीन! शिमशौन ने अपने बाल उसी नाज़रीन वाचा के लिए बढ़ने दिये थे।* अब, हमें इन बातों का आभास होता है...स्त्रियाँ बेहूदे पहरावे पहन रही हैं, और बेहूदी हरकते कर रही हैं, और ऐसे ही कार्यकलाप कर रही हैं, और पुरुष ही उन्हें ऐसा करने की इजाजत दे रहे हैं, वह छुईमुई हड्डीरहित पुरुषों का एक बड़ा झुंड़ है...और ऐसा लगता है, कि वे बिलकुल भी आदमी नहीं हैं । पुरुष गुलाबी रंग के जूते पहन रहे हैं, और ***ऐसे प्रचारक प्रचार मंच पर हैं, जो उस किस्म के कार्यकलाप करते हैं। यह एक बड़ी ही अशोभनीय बात है।*** मैं तो ऐसे पुरुषों को फिर से देखना चाहता हूँ, जो सचमुच में पूरी तरह से मर्द हों। ऐसा लगता है, कि कोई ऐसी ताकत है, जो उन से उन जैसे बुरे कामों को करवा रही है, और वह ताकत शैतान की और इस दिन के दबाव की है। यह सच है। कभी कभी तो किसी पुरुष का वजन दो सौ पौंड़ होता है, और उसके खूब बढ़िया डोले-शोले (मांसपेशियाँ) होते हैं, लेकिन उस में आदमी वाली ज़रा भी हिम्मत नहीं होती है; और वह किसी उस बड़े छुईमुई के जैसे आचार-व्यवहार कर रहा होता है, जो यहाँ बाहर होते हैं। यह हो, कि पुरुष पुरुष ही रहें। स्त्रियाँ स्त्रियों के जैसी ही रहें; वे शिष्ट महिलाओं के जैसी रहें। जब वह चिन्ह उन पर आ जाता है, तो ऐसे मुकाम में पहुँच जाते हैं, कि पुरुष असली पुरुष और स्त्रियाँ शिष्ट महिलाएं बन जाती हैं। परमेश्वर ही उन्हें कुछ अलग ही बना डालता है, और वे तो अलग ही हैं। मगर ***पुरुष चाहते हैं, कि स्त्रियों के जैसे दिखें; और स्त्रियाँ चाहती हैं, कि पुरुषों के जैसी दिखें।*** ये यही दिखाता है, कि दोगलापन व्याप्त है, एक अंधकार की आत्मा लोगों पर छाती चली जा रही है; लोगों के ऊपर घोर अंधकार छाया हुआ है। ***यही वह घड़ी है जब बाहर बुलाया जाना होता है। इससे पहले कि मिस्र में अंधकार छाता, एक बुलाहट हुई थी, और उसके बाद वह चिन्ह अर्थात् टोकन लगाया गया था। यही वह समय है जब कलीसिया अपने ऊपर उस टोकन को लगा ले, जबकि लोगों के ऊपर घोर अंधकार छाया हुआ है। घोर अंधकार छाया हुआ है...*** (चिन्ह अर्थात् टोकन 08-02-64)

पुरुष के नाम पर धब्बा-इस बात की कम ही उम्मीद है, कि वह पुरुष भी हो

89 ***वह पुरुष जो अपनी पत्नी को बाहर जाने देगा, और उसे सारी रात भर पियक्कड़ों के साथ यहाँ-वहाँ चारों ओर अवारागर्दी करने देगा, और जब वह अगली सुबह आये, तो उससे कहे, ''ओह, हाँ; मेरी प्रिय, मुझे उम्मीद है, कि तुम्हारा एक अच्छा समय बीता होगा''; तुम तो पुरुष के नाम पर धब्बा हो। कोई भी वह पुरुष जो अपनी पत्नी को बाहर अवारागर्दी करने देगा, और उसे छोटे छोटे कपड़े-आधे अधूरे कपड़े पहनने देगा, और उसे इन पुराने बाथिंग सूट को पहनने देगा, उन बिकनियों को या वे जो कुछ भी होते हैं, पहनने देगा, और उसे उन पुरुषों के बीच में लेटा रहने देगा, ऐसे पुरुष के लिए तो मुझे इस बात की कम ही उम्मीद है, कि वह पुरुष भी हो।*** यह सही बात है। एक पुरुष की पहचान इस बात से नहीं होती है, कि उसकी छाती कितनी चौड़ी है, और उसके डोले कितने ज्यादा हैं, उसकी पहचान तो उसके चरित्र से ही होती है। यह बिलकुल सच बात है। ***और चरित्र परमेश्वर के वचन से और सिर्फ परमेश्वर के वचन से ही आता है।*** (परमसत्य 27-01-63)

ओह, हाँ! क्या आप सोचते हैं, कि भाई ब्रन्हम मधु सी मीठी लगने वाली रोटी के जैसे प्रचारक थे? मित्र, आप सोचते हैं, कि वे तो ऐसा अमेरीका के लोगों से ही बोल रहे थे; आप सोचते हैं, कि वो तो ऐसा हॉलीवुड के इन अभिनेताओं और राजनेताओं के लिए ही ऐसा बोल रहे थे। आप सोच रहे हैं, कि वो ऐसा पवित्रशास्त्र के ज्ञाताओं के लिए बोल रहे थे। आप सोच रहे हैं, कि वो तो ऐसा पढ़े-लिखे ज्ञानवान लोगों के लिए बोल रहे थे। वे तो जहाँ कहीं भी गए, उन्होंने तो ऐसा ही बोला था। और इस पर कान लगाएं। हो सकता है, कि यह तो आपको स्तब्ध कर दे।

आपका पति तो एक हड्डीरहित छुईमुई विकल्प है- वह तो मानव जाति के लिए ही एक अपमान है

46 ***उन्होंने स्त्रियों को यहाँ पर पब्लिक वर्क पर लगा दिया। और उस समय के दौरान ठीक यहीं न्यू यॉर्क में उससे कहीं ज्यादा नाज़ायज बालक पैदा हुए थे, जितने कि वैश्याओं के द्वारा पैदा होते हैं; और जबकि उनके पति समुंद्र पार लड़ाई में गए हुए थे; और उस चार साल के युद्ध में सैनिक मारे गए थे। जब कोई स्त्री रसोई से बाहर निकलती है, तो वह अपने स्थान से ही बाहर निकल जाती है।***

वह चाहे जहाँ कहीं भी प्रचार कर रही हो, या वह चाहे जो कुछ भी कर रही हो; वह अपने स्थान से बाहर है...पौलुस आप से बातें करते हुए कह रहा है, कि आपको अपने पति का हुक्म मानना चाहिए...लेकिन तुम्हारा पति तो इतना ज्यादा दब्बू है...

बहन, आप मुझे इस प्रकार की अभिव्यक्ति के लिए क्षमा करें। मैं आपको यह दिखाने का प्रयास कर रहा हूँ, कि आप यह जान जायें, कि भाई ब्रन्हम ने इस दोगलेपन के विरूद्ध लड़ाई लड़ी, और उन्होंने इस में अपनी मेहनत और ताकत झोंक दी थी। क्या आप सोचती हैं, कि भाई ब्रन्हम उस प्रकार की कोई बात कहेंगे? जी हाँ! ये रहा भाई ब्रन्हम का ही हवाला–

*...आपका पति तो एक मसीही के रूप में हड्डीरहित छुईमुई विकल्प है–वह तो मानव जाति के लिए ही एक अपमान है। यह तो सिर्फ परमेश्वर का राज्य ही है, जो आप से परमेश्वर के वचन के मुताबिक कामों को करवाये। वह ऐसा इसीलिए है, क्योंकि वह परमेश्वर से ज्यादा आप से डरता है। **वह डरता है, कि कहीं आप उसे लात मार कर घर से बाहर ही न निकाल दें; मगर वह इस बात की चिन्ता नहीं करता है, कि कहीं परमेश्वर उसे लात मार कर बाहर न निकाल दे; चाहे वह प्रेसबीटेरियनों के पास जा सकता हो, चाहे वह मैथोडिस्टों के पास जा सकता हो। लेकिन उसे तो यही डर सताता रहता है, कि अगर आप उसे लात मार कर घर से बाहर निकाल देंगी, तो उसका क्या होगा? ओह, मेरे खुदा! .....तुम देवी हो, और तुम उस देवी के प्रेमी,** क्यों नहीं तुम अपने में रीढ़ की हड्डी धारण कर लेते हो? (पशु की छाप 15/7/56)*

भाइयों और बहनों, यह एक बड़ी ही भंयकर बात है, जिसके विषय में मैं आप से बातें कर रहा हूँ। यह अमेरिका का दोगलापन है, यह हॉलीवुड का दोगलापन है, और यह सदोम और अमोरा का दोगलापन है, जिसके खिलाफ भाई ब्रन्हम लड़ रहे थे; और उन्हें इन दोगलेपनों के खिलाफ लड़ना पड़ा था, और उन्होंने कहा था, कि जो कोई पुरुष अपनी पत्नी को उस प्रकार के काम करने देता है, वह परमेश्वर के राज्य के लिए एक अपमान है; वह मानव जाति के लिए एक अपमान है।

पुरुष स्त्रियों के जैसे पहरावे पहन रहे हैं

110 *वे पुरुषों के जैसे पहरावे पहनती हैं; और पुरुष स्त्रियों के जैसे पहरावे पहनते हैं। वे **ठीक वैसे ही अपने बाल कटवाती हैं...केवल एक ही तरीका है, कि आप***

उन में फर्क जान सकें, और वह यह है, अगर आप कोई गंदा–भद्दा चुटकुला सुनाते हैं, तो पुरुष तो उस पर ठहाके मारेगा, लेकिन स्त्री ऐसा नहीं करेगी। (जब उनकी आँखें खुली 12/2/64)

पुरुष चाहते हैं, कि वे औरतों के जैसे दिखें– यह तो एक दोगलापन है

52 *परमेश्वर बदलता नहीं है। परमेश्वर का स्वभाव बदलता नहीं है। उसने स्त्रियों को पुरुष से अलग बनाया था; और उसने पुरुषों को स्त्रियों से अलग बनाया था। उसने उन्हें अलग अलग किस्म के वस्त्र पहनाये, और वह उन से चाहता है, कि वे उसी प्रकार रहें। **स्त्रियाँ चाहती हैं, कि वे पुरुषों के जैसी दिखें, और पुरुष चाहते हैं, कि वे औरतों के जैसे दिखें। ओह मेरे ख़ुदा!यह तो एक दोगलापन है।*** (चिन्ह की आवाज 21/3/64)

पुरुष अपने कानों में बालियाँ और बुन्दें पहन रहे हैं

179 ***किसी दूसरे हफ्ते मैं न्यू यॉर्क में था...मीलों तक सड़कों पर और कोई नहीं, वरन ये किशोरावस्था वाले आवारागर्द लड़के थे जिन्होंने अपने कानों में बालियाँ और बुन्दें पहने हुए थे, और उन्होंने अपने बाल ऐसे बनाये हुए थे जैसे मानो चुहिया ने उनके बाल कुतर दिये हों, उन्होंने किसी किस्म के भद्दे पहरावे पहने हुए थे, और लड़कियों ने बिकनी पहनी हुई थीं, जैसाकि लोग इस पहरावे को ऐसा कहते हैं, वे उसे पहनकर उस प्रकार से बाहर सड़कों पर थीं...ओह, इस देश के साथ क्या गड़बड़ है?*** ऐसा इसीलिए है, क्योंकि यह तो नैतिक पतन का एक चिन्ह है; यह तो परमेश्वर के द्वारा ठुकराया हुआ एक राष्ट्र है। *(संसार अपना अस्तित्व खो रहा है 27/11/63)*

पुरूष तो बहुत बड़े छुईमुई बन चुके हैं; वे छोटी छोटी नीकरें पहने हुए इधर–उधर घूम रहे हैं

142 ***तुम्हारा सदोम और अमोरा का ईश्वर तुम्हारे मध्य में आ गया है....” यहाँ तक कि हमारे छोटे छोटे बच्चे भी तरह–तरह के बाल कटवा रहे हैं, और अपने चेहरे पर लटें लटका रहे हैं; छोटी छोटी गंदगियाँ शुरू हो रही हैं। हमारी स्त्रियाँ तो बर्बाद हो चुकी हैं। वे छुटकारे से परे हैं!*** *हमारे पुरूष तो बहुत बड़े छुईमुई बन चुके हैं; वे छोटी छोटी नीकरें पहने हुए इधर–उधर घूम रहे हैं, और लड़कियों के जैसे आचरण–व्यवहार कर रहे हैं, और उनके बाल उनकी गर्दन तक झूल रहे हैं, और....**हम***

सदोमी हैं, और परमेश्वर की जलजलाहट की आग हमारी प्रतीक्षा करती है। (परमेश्वर की सेवा बगैर उसकी मर्जी के करना 18/7/65)

छुईमुई हड्डीरहित बनने की चेष्टा न करो और स्त्रियों के पहरावे मत पहनो

1167–प्र. सं. 408 *और मैं सोचता हूँ, कि यह वह ''सर्वाधिक घिनौना–भद्दा'' नजारा है, कि इन पुरुषों को जो सड़क पर चले आ रहे थे; जो कि जवान और बूढ़े सभी तरह के थे, इन बिकनियों को, या ये जो कुछ भी होती हैं, पहने हुए चले आ रहे थे।* ***मैं सोचता हूँ, कि यह वह सबसे ज्यादा घिनौना–भद्दा नजारा था, जो मैंने कभी देखा। यह सच बात है। मैं सोचता हूँ, कि ऐसा पुरुष नहीं जानता है, कि वह मानवजाति के किस लिंग–पक्ष से सम्बन्धित है...और आप जानते ही क्या है? मैंने कुछ महीने पहले सुना था, कि अमेरिकन फौज़ उसी किस्म के पहरावे पहनने जा रही है। जी हाँ! अगले साल या उससे अगले साल अमेरिकन फौज़ उसी किस्म के छोटे छोटे पहरावे पहने हुए बाहर निकलकर आ रही है। हमारे पास छुईमुई हड्डीरहित पुरुषों का क्या ही बड़ा दस्ता है! परमेश्वर ने पुरुष बनाया, कि वह पुरुष जैसा दिखाई दे और पुरुष के जैसे ही काम करे, और पुरुष के जैसे ही वस्त्र पहने...*** *और पुरुषों; तुम पुरुषों वाले ही पहरावे पहनो; छुईमुई हड्डीरहित बनने की चेष्टा न करो और स्त्रियों के पहरावे मत पहनो।* ***और तुम स्त्रियों, तुम पुरुषों के जैसे बनने की और पुरुषों के पहरावे पहनने की चेष्टा मत करो; क्योंकि परमेश्वर ऐसा बिलकुल भी नहीं चाहता है। बाइबल ऐसा करने के लिए मना करती है।*** *(प्रश्न और उत्तर सी. ओ. डी. सांय 30/8/64)*

पुरुष आंगनों में आगे पीछे अध नंगे चल फिर रहे हैं

ये दुष्टात्माऐं ही हैं, जो आप से वस्त्र उतरवाती हैं, आप नंगी हो जायें। ***बाइबिल में सिर्फ एक व्यक्ति को छोड़कर कभी कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हुआ, वरन केवल एक ही ऐसा व्यक्ति हुआ है जिसने अपने ऊपर से कपड़े उतार कर फेंक दिये थे; और वह व्यक्ति दुष्टात्माओं से ग्रस्त था।*** *और वह आज मृदुल या सौम्य रूप में आता है और कहता है, ''यह एक ठंड़ा मौसम है; और वे––यदि तुम अपने कपड़े उतार देते हो, तो तुम्हें इससे और भी ठंड़क पहुँचेगी।'' पुरुष आंगनों में आगे पीछे अध नंगे चल फिर रहे हैं, ठीक वैसे ही औरते भी कर रही हैं। क्यों,* ***तुम ऐसे होते चले जा रहे हो; कि तुम में एक दूसरे के प्रति उससे अधिक सम्मान नहीं है जितना कि कुत्तों में एक दूसरे के प्रति होता है। मामला क्या है? मैं आपको आघात पहुँचाने की चेष्टा नहीं***

कर रहा हूँ। मैं तो आपको केवल यह बताने का यत्न कर रहा हूँ, कि यह तो दुष्टात्मा से ग्रस्त होना है, और ऐसा है, आप भरमानेवाली आत्मा की बात पर कान लगा रहे हैं जो आपको यह बता रही है, "यह बिलकुल ठीक है!" परन्तु यह एक झूठ ही है। (भरमाने वाली आत्माएं 24/7/55)

पुरुष अपनी पत्नी के अन्दरुनी वस्त्र पहने हुए हैं

189 ***मैं तो बस एक असल–सच्चे पुरुष को ही देखना चाहता हूँ, जबकि वह एक पुरुष ही है। मुझे यह देखना बिलकुल बुरा लगता है, कि कोई पुरुष अपनी पत्नी के अन्दरुनी कपड़े पहनकर बाहर हो, और एक कोने में को अकेला खड़ा*** हुआ हो, और बालों में लगाने वाले रोलर उसके चेहरे पर आगे को लटके हुए हों, और उसके बालों के दो गुच्छे चुटियों के जैसे उसके चेहरे पर लटके हों, और उसके बाल कुछ इसी किस्म के कटे हुए हों। उसे...मैं उसे पुरुष नहीं कह सकता हूँ। *वह तो यह भी नहीं जानता है, कि वह मनुष्य जाति के किस पक्ष का है। समझे? पुरुष अपनी पत्नी के अंदर वाले कपड़े पहन रहा है,* ***और उसकी पत्नी उसके लबादे वाले पहरावे पहन रही है। समझे? यह तो सिर्फ दोगलापन ही है, जो चारों ओर व्याप्त है। और बिलकुल ठीक ऐसा ही इस देश, लोग, और कलीसियाओं तथा सब लोगों के साथ हुआ है। ओह, मेरे परमेश्वर! इन सब बातों का अंत कहाँ पर है? प्रभु यीशु मसीह का आगमन ही इसका अंत है।*** (प्यास 19–9–65)

उनकी जीन्स उनके नितम्बों (**hips**) पर नीचे को खिसकी रहती है

42 ***एक प्रेसबीटेरियन कलीसिया में ऐसा हुआ, कि उस कलीसिया में संगीत की धुन पर यीशु मसीह का सलीब पर चढ़ाया जाना, नाटक के माध्यम से दिखाया जा रहा था। उनके पास एक लड़का था, जिसने धारीवाली छोटी सी ऐसी कमीज़ पहनी हुई थी, जो ऊपर को होती है, और उसकी जीन्स उसके नितम्बों (hips) पर नीचे को खिसकी हुई थी;*** *और वह लड़का उस नाटक में यीशु बना हुआ था।* (वह महानतम् समाचार जो इतिहास में दिखाई दिया 24/4/61)

उनकी पैंन्ट नीचे की खिसकी रहती हैं

और यहाँ पर ऐसे लड़कों का एक झुंड़ था....उन्होंने बीटनिक्स या यह जो कुछ भी होता ***है...उनके सिर पर सपाट से दिखाई देने वाले ऐसे स्टाइल के बाल कटे हुए थे, जैसे मानो उनकी गर्दन के पीछे कोई बत्तख बैठी हुई हो, या उनके बाल कुछ***

ऐसे से ही कटे हुए होते हैं, और उन्होंने जैकट पहनी हुई थीं, और उन्होंने ऐसी पैन्ट पहनी हुई थीं, कि उनकी पैंन्ट नीचे की खिसकी हुई थीं। लड़कों, पुरुष बनो। तुम्हें तो उससे बेहतर बनना है। (अस्पष्ट शब्द 15/4/61)

वे अपने पहरावों को अपने नितम्बों (hips) पर नीचे को खिसका कर रखते हैं

आप उन छोटे छोटे बच्चों पर दृष्टि डालकर देखें, जो स्कूल जाते हैं, वे अपने पहरावों को अपने नितम्बों (hips) पर नीचे को खिसका कर रखते हैं, और वे गुंड़ों के जैसे अपने बालों की जुल्फों को अपने चेहरों पर लटके रहने देते हैं, ताकि वे एल्विस प्रेसली के जैसे लगें। (दीवार पर हस्तलेख 9/3/58)

दोगलापन-जैसा सदोम के दिनों में था

यीशु ने कहा था,' 'जैसा सदोम और अमोरा के दिनों में हुआ था....यह क्या था? यह एक ऐसा ही दिन है जैसा दिन वह था। आप दोगलेपन पर दृष्टि डालकर देखें, पिछले साल समलैंगिकता के मामलों में चालीस प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। लड़के, पुरुषों आपस में एक साथ रह रहे हैं, वे होटलों के कमरों में एक साथ रह रहे हैं। दोगलापन स्वभाविक जीवन वाली इच्छाएं दोगली हो गई हैं, क्योंकि स्त्रियों ने खुद अपना इतना ज्यादा नैतिक पतन किया और अपने आप को इतना ज्यादा आम बना डाला, कि इसने पुरुषों को ही दोगला बना डाला; इसने दिमाग दोगले बना डालें; स्त्रियाँ स्त्रियों के संग रह रही हैं; और पुरुष पुरुषों के संग रह रहे हैं। *बिलकुल ठीक वैसा ही हो रहा है जैसा परमेश्वर ने कहा था। ''जैसा सदोम के दिनों में हुआ था, वैसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।* (*परमेश्वर के प्रति आश्वस्त होना 08/07/59*)

लोग तो ऐसे किसी रिक्की को चाहते हैं, जिसके बाल हॉलीवुड़ स्टाइल में कटे हुए हैं

57. और आज ज्यादातर लोग ऐसे इंसान को पसंद नहीं करते हैं, जो खड़ा होता है और इसके विषय में सत्य बताता है। लोग तो ऐसे किसी रिक्की को चाहते हैं, जिसके बाल हॉलीवुड़ स्टाइल में कटे हुए हैं, और *उसने अपने पूरे बदन पर इत्र छिड़का हुआ हो, और वह ठीक ऊपर चलकर आए, और उन्हें कोई वह थियोलॉजी बताये जो उसने किसी मुरदाघर से या किसी सैमनेरी से सीखी*

है....परन्तु, अब आप मुझे क्षमा करें। यह अर्थात् सैमनेरी सारा का सारा बिलकुल ठीक वैसा ही स्थान है, यह तो मुरदों की लाशों का ही भवन है। (मत डर 07-06-63)

पुरुषों के बाल स्त्रियों के स्टाइल में कटे हुए हैं- यह दोगलापन है

82 *उन के पुरुषों के जैसे बाल कटे हुए हैं, और वे पुरुषों के पहरावे पहन रही हैं; और पीछे फिर कर पुरुषों को देखिए, वे स्त्रियों के पहरावे पहन रहे हैं, और उन के बाल स्त्रियों के स्टाइल में कटे हुए हैं- **देखिए, यह दोगलापन ही है; सारी की सारी चीज ही दोगली हो चुकी है! आपका भोजन दोगला हो गया है। आपका जीवन दोगला हो गया है। आपकी प्यास दोगली हो गयी है। आपकी अभिलाषा दोगली हो गयी है। यह तो दोगलेपन का ही दिन है।*** (*प्यास 19-9-65*)

कुपन्थीय अनुच्छेद सं.47

उपद्रवी बच्चे/गुनहगार माँ-बाप

यही है वह जो हमें देखने को मिलता है, कि इसी किस्म के लोग ही इस सन्देश के अनुयायी हैं, भाइयों और बहनो; इस में ऐसे छुईमुई हड्डीरहित पुरुषों का झुंड़ आ गया है, जो अपने घर को काबू में नहीं रख सकते हैं। और मित्र, क्या आप जानते हैं, ऐसे लोग जो बाहर हैं, जो इसी सन्देश में हैं, वे क्या बहानेबाज़ी करते हैं? वे कहते हैं,''**अच्छा, मेरी पत्नी ने तो उद्धार पाया हुआ नहीं है, अतः वह जैसा चाहे वैसा जीये, और वह ठीक उसी घर में है। मेरे बेटी और मेरा बेटा तो उद्धार पाया हुआ नही है, अतः वे घर में संगीत बजा सकते हैं; वे रास्टा संगीत, रॉक एन रोल संगीत बजा सकते हैं, और वे घर के अंदर जो चाहे वह कर सकते हैं-वे घर में आकर शराब पी सकते हैं और सिगरेट फूंक सकते हैं।**'' और ये कोमल-नाजुक हड्डीरहित, डरपोक किस्म के पुरुष अपनी अपनी पत्नियों को और अपने अपने बच्चों को उन कामों को करने की मंज़ूरी देते हैं, क्योंकि उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। उनके पास परमेश्वर का आत्मा नहीं है। आप ज़रा इस पर कान लगाएं।

मुझे खुद अपने को बदल लेना होगा, और मुझे खुद अपने को दोगलेपन में ढ़ाल लेना होगा,कि मैं अपनी पत्नी के संग रहूँ, जबकि वह उन कामों को कर रही होती है

316-157 *और तुम पुरुषों, तुम जो अपनी अपनी पत्नियों को उस किस्म के कामों को करने दोगे, मुझे आप से इस बात में बहुत थोड़ी ही उम्मीद है, कि*

तुम एक पुरुष हो। *और यह बिलकुल सच बात है। कोई भी पुरुष जो अपनी पत्नी को बाहर सड़क पर आवारा घूमने और उस प्रकार के कार्यकलाप करने देगा, भाई,* ***उसे तो अवश्य ही अपनी ही पत्नी के कपड़े पहन लेने चाहिएं।*** *यह सही बात है।* ***मैं नहीं कहूँगा, कि मेरी पत्नी वैसा नहीं करेगी, लेकिन मुझे खुद अपने को बदल लेना होगा, और मुझे खुद अपने को जैसा इस समय मैं हूँ, उससे अगल दोगलेपन में ढ़ाल लेना होगा,कि मैं अपनी पत्नी के संग रहूँ, जबकि वह उन कामों को कर रही होती है।*** *(इब्रानियों का अध्याय 7, भाग 1, 15/9/57)*

यह वह दिन होगा, कि उसके बाद वह फिर कभी श्रीमती ब्रन्हम नहीं रहेगी

32 *और तुम पुरुषों, तुम अभागे, हड्डीरहित–बगैर हिम्मत वाले डरपोक किस्म के घर के पीछे दुबक कर रहने वाले इंसान, तुम अपनी औरत को, अपनी पत्नी को इधर–उधर अवारा घूमने देते हो, और वह सिगरेट फूंकती हुई अपने नथनों में से धूंआ निकल रही होती है, और वह छोटे छोटे आधे–अधूरे कपड़े पहनती है, और घर के आप–पास चारों ओर ऐसे ही कार्यकलाप करती है, तुम तो पुरुष तक नहीं हो...****तुम तो परमेश्वर के पुत्र के एक क्षीण–बेचारे किस्म के ही विकल्प हो। मैं नहीं कहता हूँ, कि मेरी पत्नी ऐसा कदापि नहीं करेगी। अगर कभी उसका झुकाव ऐसे कामों की तरफ हो जाता है,*** *और शैतान उसे अपने काबू में कर लेता है, और वह उन कामों को करेगी, तो* ***यह वह दिन होगा, कि उसके बाद वह फिर कभी श्रीमती ब्रन्हम नहीं रहेगी।*** *यह सही बात है। यह सच है। ज़रा पुरुष बन जाओ।परमेश्वर ने पुरुष में दब्बू किस्म का स्वभाव नहीं डाला है। परमेश्वर ने पुरुषों में अभिलाषा करनेवाली हड्डी नहीं डाली है; उसने तो पुरुषों में रीढ़ की हड्डी डाली है, उस में सुसमाचार की हड्डियाँ ही डाली हैं, कि वे सत्य के लिए खड़े हों।* (पशु की छाप 15/7/56)

यह एलिय्याह ही है, जो ऐसा बोल रहा है, और परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि वह यह नहीं कह रहा है, कि उसकी पत्नी उन कामों को कदापि नहीं करेगी। उसने तो कहा था, ***''लेकिन मुझे खुद अपने को बदल लेना होगा,***

और मुझे खुद अपने को दोगलेपन में ढ़ाल लेना होगा,कि मैं अपनी पत्नी के संग रहूँ, जबकि वह उन कामों को कर रही होती है, और यह वह दिन होगा, कि उसके बाद वह फिर कभी श्रीमती ब्रन्हम नहीं रहेगी। अतः प्रचारक, अतः

डीकन, अतःकलीसिया में रखरखाव देखनेवाले, अतःवे लोग जो इस सन्देश पर चलते हैं, यह समझ लें, अगर एलिय्याह के लिए यह बात ऐसी थी, तो किसी के लिए भी यह बात ऐसी ही होगी, जबकि आप अपनी पत्नी के संग रह रहे होते हैं, और जबकि वह उन कामों को कर रही होती है, जो कि गलत हैं, तब आप अपने को बदल लेते हैं और आप दोगले बन जाते हैं। **भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि केवल एक ही तरीका है, कि परमेश्वर के एक जन के रूप में वह ऐसा कर सकते थे, कि उन्हें अपने उद्देश्य को बदलना होगा और खुद को दोगला बनाना होगा। इसलिए मैं इब्रानियों की पुस्तक के सातवें अध्याय में से लिये गये हवाले से यह साबित कर रहा हूँ, कि आप जो अपनी पत्नी को उस प्रकार के कामों को करने देते हैं, आप दोगले हैं और आपने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है। केवल यही एक तरीका है, कि आप के पास उस प्रकार की पत्नी हो सकती है, और आपके पास उस प्रकार के बच्चे हो सकते हैं, जो आपके घर में रॉक एन रोल संगीत बजा रहे हों, और उस प्रकार की जीवन व्यतीत कर रहे हों, जिस प्रकार का वे जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जी हाँ!**

उसका पूरा का पूरा परिवार उसके काबू में, और विश्वास में होना चाहिए

354–7 ***बाइबल इस बात की माँग करती है, कि डीकन एक शादी–शुदा पुरुष हो। उसे अवश्य ही एक ही पत्नी का पति होना चाहिए। और तब कोई दूसरा पुरुष जो कि उससे भी ज्यादा सम्मानित व्यक्ति था, जो उस कार्य के लिए बिलकुल काबिल था, और ईमानदारी से उस कार्य को करता, एक भाई के जैसे उसे सलाह–मशविरा देता है*** *.....और उसके बाद उसके मामले की खोजबीन करने पर पता चलता है, कि वह भाई तो अभी हाल–फिलहाल में ही विश्वास में आया है, और उसकी पत्नी विश्वास में नहीं है, तो इसके बाद यह बात उस व्यक्ति को उस कार्यभार को सम्भालने के लिए अयोग्य ठहराती हैं, क्योंकि अवश्य ही उसका पूरा का पूरा परिवार उसके काबू में होना चाहिए। इसके अलावा उन्हें विश्वास में भी होना चाहिए,* ***वरना ऐसे तो एक तकरार ही होती रहेगी।*** *(डीकनों को उनके स्थान पर ठहराया जाना 20/7/58)*

परमेश्वर के नबी ने ''तीन प्रकार के विश्वासी''(24/11/63) नामक सन्देश में भी **कहा था, कि डीकन को अपने घर–परिवार को अच्छी तरह से काबू में रखना**

चाहिए। भाइयों और बहनों, वे सारी की सारी बातें जो भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश में परिवर्तन करती हैं,वे कुपन्थ हैं, और जो ऐसे काम करता है, वह कुन्पथ पर चलने वाला; और जब कभी आप बाइबल की शिक्षाओं–बाइबल के सिद्धांतों से दूर चले जाते हैं, आप कुपन्थ पर चलने वाले बन जाते हैं।

उपद्रवी बच्चे–उसे तो पुराने चलन वाली सुधारात्मक पिटाई की जरूरत है

अधिक समय नहीं हुआ है, जब मैं यहाँ पर एक घर में किसी बीमार को देखने के लिए गया था, और वहीं पर एक महिला बैठी हुई थी। और वहीं पर एक छोटा ओस्वल्ड (उदंड़–उपद्रवी) लड़का आया, और उसने अपने सिर पर एक टोपी पहनी हुई थी, और वह बोला, '' माँ क्या खाना तैयार है?'' उसकी माँ बोली, '' प्रिय, इस सुबह हमारे पास बिलकुल भी समय नहीं था, कि हम रात का भोजन तैयार भी कर सकते होते। मैं तुम्हारे लिए एक सैन्डविच बना रही हूँ, और वहाँ पर कुछ सन्तरे रखे हुए हैं।' *वह चलकर वहाँ गया, और उसने एक सन्तरा उठाया, और उसने उस पर दृष्टि डाली, और उस में एक बुडक मारा, और उसने उसे दीवार पर उतनी जोर से देकर मारा, जितनी जोर से वह उसे दे कर मार सकता था, और उसका रस दीवार पर बह गया, और उसके बाद वह बोला, '' अगर तुम्हारे पास यहाँ आस–पास यही सब कुछ है, मैं बाहर चला जाऊँगा।'' और उसने इसी प्रकार का बर्ताव किया। मैंने सोचा, हे परमेश्वर, उसे तो लगभग पाँच मिनट के लिए मेरा होना चाहिए!'' मैं उसकी खाल को ऐसे उधेड़ देता, कि मानो उसे कभी मालूम ही नहीं होता, कि कभी उसके कोई खाल भी रही थी। परन्तु वहाँ तो ऐसे बच्चे पड़े हुए हैं, जिनपर तरस आये।* ***उसे तो इस बात की जरूरत है, कि उस को पुराने चलन वाली सुधारात्मक पिटाई लगे। यही है, वह जिसकी हमें आज आवश्यकता है; कि हमारे पास फिर से पुराने फैशन वाले घर–परिवार हों, और कुछ ऐसे प्रचारक हों, जो प्रचारमंच के पीछे खड़े होकर सत्य का प्रचार करें, और इस सत्य को वहाँ पर रखें, जहाँ पर इसे होना चाहिए। आमीन! यह सच है! ओह, मेरे खुदा!*** (कलीसिया और उसकी स्थिति 5/8/56)

क्या भाई ब्रन्हम अनुशासन में विश्वास रखते थे? उन्होंने कहा था, कि वह बच्चा ज़रा पाँच मिनट के लिए मेरा तो होता। मैं उसकी खाल उधेड़ कर रख देता। आप खाल उधेड़ना जानते हैं, ना! उन्होंने कहा था, कि मैं उसकी खाल को ऐसे उधेड़ देता, कि मानो उसे कभी मालूम ही नहीं होता, कि कभी उसके कोई खाल भी रही थी। उन्होंने कहा था,'' सिर्फ

पाँच मिनट के लिए वह मुझे मिल जाए''; और मैं उसी भविष्यद्वक्ता का विश्वास करता हूँ। जी हाँ, जब बिली पॉल विश्वास में पिछड़ गया था, और उसने गलत व्यवहार किया था, तो भाई ब्रन्हम ने बिली पॉल को बुलाया, और उससे कहा,'' बेटे, परमेश्वर ने मुझे यह घर इसलिए दिया है, कि मैं बच्चों की परवरिश करूँ।'' और उन्होंने उससे ऐसी ही बातें कहीं, और उन्होंने उससे कहा,'' अगर तुम उस किस्म का ही जीवन जीते रहना चाहते हो, तो फिर तुम यहाँ पर नहीं रह सकते हो।'' **मगर आज तो ऐसे प्रचारक हैं, जिनके बेटे मैरीजुआना नशा फूंक कर पी रहे हैं, बदगोइयाँ कर रहे हैं, और शराब पीकर नश में धूत हो रहे हैं, और रॉ एन रोल संगीत बजा रहे हैं; और वे ऐसों को परमेश्वर के भवन के भीतर आने का और प्रचारमंच के पीछे खड़े होने का भी हक दे रहे हैं। मैं कहता हूँ, कि तुम पिछड़ चुके हो। मैं कहता हूँ, कि यह एक कुपन्थ है। तुम पुरुष नहीं हो।**

अपनी एक छड़ी ले लो और उसकी खाल उधेड़ दो–छड़ी मत उठा, बच्चे को बिगाड़ दे

70. ***अपनी एक छड़ी ले लो और उसकी खाल उधेड़ दो। यही है वह*** **जिसकी हमें जरूरत है।** *तुम ने उस ''जूनियर, हनी'', की परवरिश करके क्या बनाया है।* ***आप जानते हैं, कि नन्हीं मारथा अपने पाँव ज़ोर से पटकेगी और अपनी माँ पर ज़ोर से चीख कर कहेगी, ''तुम अपना मुँह बंद रखो। मैं वह नहीं करूँगी।''*** *उनके पास वह अच्छी वस्तु नहीं है जो मेरे पिता के पास थी। आपके पास ये सारी छड़ी व संटियाँ नहीं हैं, और आप देखिए, कि आपको क्या मिला है?* ***अपराधी किशोर–किशोरियों का झुंड़ जिनकी बुद्धि भ्रष्ट है।*** *बिलकुल ठीक यही है वह जो आपको मिला है।* ***पागल–भ्रष्ट बुद्धिवाले!*** *बिलकुल ठीक यही तो आपको मिला है। पागलखाने उन से भरे पड़े हैं। आधुनिकता ने ही उस ''जूनियर, प्रिय'' के साथ ऐसा करवाया है।* ***बाइबल कहती है, अगर तू छड़ी न उठाए, तो तू अपने पुत्र को बिगाड़ देगा।*** (अस्वीकृत राजा 10/6/60)

माँ और बाप, तुम्हें शर्म आनी चाहिए

27 ***तुम जो अपने बच्चों को, अपनी जवान बच्चियों को इन अवारागर्द लड़कों के साथ इन आधुनिक रॉक एन रोल तथा ऐसे ही संगीत के कार्यक्रमों में जाने देते हो...माँ और बाप, तुम्हें शर्म आनी चाहिए।*** *तुम कहते हो, '' ठीक है, वे तो वैसा ही करते हैं जैसा वे करना चाहते हैं।'' तुम्हारे पास तो अभी भी डंडे–संटियाँ हैं। मेरे पास घर में दो हैं; मैं नहीं जानता हूँ, कि वे क्या होंगे, परन्तु अगर यह बूढ़ा इंसान ब्रन्हम काफी*

समय तक जिन्दा रहता है, और इसका दिमाग सही रहता है, तो ***हो सकता है, कि वे वहाँ चले तो जाएं, लेकिन उनके बदन पर मार के निशान पड़े हुए होंगे, जबकि वे वहाँ पर होंगे। यह एक अपमान है।*** (दीवार पर हस्तलेख 9/3/58)

यह तो माँ–बापों का ही अपराध है

60 ***तुम सब किशोर–किशोरियों के अपराधों के बारे में बातें बनाये चले जा रहे हो....मैं सोचता हूँ, कि यह तो उनके बजाये...माँ–बापों का ही अपराध है....बाइबल कहती है, अगर तू छड़ी न उठाए, तो तू अपने बच्चे को बिगाड़ देगा।*** *और यह बिलकुल ठीक बात है। आपको इससे बेहतर कभी कोई चीज नहीं मिलेगी।* ***ओह, मेरे घर में दरवाजे के ऊपर एक मोटी व लम्बी छड़ी पर दस हुक्म टंगे रहते थे। और भाई, लगभग रोज़ ही वे दसों के दस मेरी पीठ पर और मेरे पाँव पर ऊपर से लेकर नीचे तक छप जाया करते थे। हालांकि इसने मेरे लिए काफी कुछ अच्छा किया है। मेरे पापा मुझे घर के पिछवाड़े ले जाया करते थे, और मैं ''आई–आई'' कहते हुए थोड़ा सा नाँच सा किया करता था। लेकिन जब वे मेरी धुनाई कर लिया करते थे, तो मैं अच्छी तरह से जान जाया करता था, कि मुझे वैसा अगली बार बिलकुल भी नहीं करना है। ऐसा ही हो, तो सारा का सारा जीवन ही बेहतर न बन जाए; अगर आज वैसा करने के लिए, काश हमारे पास आज वैसे ही और भी कुछ बाप हों।*** *(देखो, यहाँ वह है जो सुलैमान से बढ़कर है 21/7/62*)

आज रात हमें इसी बात की अवश्यकता है, कि ऐसा ही किया जाए

20 *और अब, आप में से कुछ लोग कन्टकी में रहने वाले अनपढ़–गंवार लोगों के अशिक्षित होने के विषय में बातें बनाते हैं....****वे तुम जैसे शहरी लोगों को सिखा सकते हैं, कि तुन्हें किस प्रकार का आचार–व्यवहार करना चाहिए। आपकी छोटी मारथा, आपकी जवान बच्ची जो रात के समय घर में आती है, और उसके चेहरे पर उसके बाल उलझे–सुलझे से पड़े हुए होते हैं, और वह आधी सी शराब के नशे में धुत होती है, और सिगरेट पी रही होती है, और अपने नथनों में से धूंआ उड़ा रही होती है, और अपने पाँव ज़ोर ज़ोर से पटक रही होती है, और आप पर ज़ोर ज़ोर से चीख–चिल्ला रही होती है। आप ज़रा उसे एक बार ऐसा ही उन कन्टकीवासी पुरानी माँओं में से किसी एक के सामने तो करने दें। लड़के, वह उस मोटी छड़ी को या ऐसी ही कोई चीज लेकर या बेलन लेकर उसकी***

अच्छी तरह से धुनाई कर देगी। *जब वह उसकी अच्छी तरह से धुनाई कर लेगी, तो उस लड़की को भी पता चल जाएगा, कि वह माँ क्या थी, जो वहाँ आसपास थी। अगर तुम ने वैसा किया होता, तो तुम्हारे पास आज रात संसार में इतने ज्यादा गलत लोग, गलत लड़के, गलत लड़कियाँ न हुई होतीं।* ***ज़रा उनमें से कोई तो अपना तन इन गंदे–भद्दे कपड़ों को पहनकर उघाड़ता, जैसे कि इन कपड़ों को, इन आधे अधूरे कपड़ों को आप इन बच्चों को पहनकर बाहर जाने देते हो...और ज़रा वे एक बार को तो ऐसा करते; और आपको मालूम हो जाता, कि वे कितने अनपढ़ थे। वह अपनी लड़की को तब तक पीटती जब कि उसके पूरे बदन पर ही नील न पड़ जाते। आप उनसे उन के बदन पर ऐसे कपड़े नहीं पहनवा सकते थे, जिनसे उनका बदन दिखे। आज रात हमें इसी बात की ही तो आवश्यकता है। यह सही बात है।*** (घाटी को गडढ़ों से भर रहे हैं 28/7/56)

क्या भाई ब्रन्हम अनुशासन में विश्वास रखते थे? (सभा कहती है, ''आमीन!'') जी हाँ, श्रीमान! उन्होंने कहा था, वे अनपढ़–गंवार उन्हें शर्मिन्दा कर सकते हैं, क्योंकि वे अपने बच्चों को अनुशासन में रखते हैं। **आज यही है, वह जो हमारे पास है, जो इस सन्देश पर चल रहे हैं – हमें इस सन्देश में दोगले बच्चे, दोगली पत्नियाँ, दोगले प्रचारक, हुकूमत करनेवाली स्त्रियाँ, बेलगाम–बेकायदा बच्चे, बेकायदा प्रचारक, तथा ऐसे ही और दूसरी बातें मिली हैं, जो इसके साथ साथ चलती हैं। जिस प्रकार के घर–परिवार आज इस सन्देश को दर्शा रहे हैं, वे तथाकथित पिन्तेकोस्तलों के घर–परिवार के ही जैसे हैं** –वे अपने बच्चों को जैसा वे चाहे वैसा ही करने देते हैं, अगर आप उनकी शिकायत लेकर जाएं, तो वे पागलों के जैसे आप पर चीखे–चिल्लायेंगे। **जब कभी आप उस बच्चे की उसकी गलती में तरफदारी लेते हैं, जबकि आप जानते हैं, कि वह गलत है, तो आप उस पर शैतान की आत्मा लेकर आ जाते हैं। जब कभी आप घर का पुरुष अर्थात् घर के मुखिया बनने का प्रयास नहीं करते हैं, तो हर बार आपकी आत्मा और भी दूषित होती चली जाती है। बहन, जब कभी आप अपने पति को उल्टा जवाब देती हैं, और आप उस आत्मा को अपने से दूर करने का कोई प्रयत्न नहीं करती है, तो हर बार वह आत्मा आप पर और भी मज़बूत होती चली जाती है।** आप के पास तो उदंड़–उपद्रवी बच्चे हैं, आप के पास नाजुक–कोमल हड्डीरहित पुरुष हैं; परन्तु मैं तो आपको उसी एक विषय पर लेकर आने का प्रयत्न कर रहा हूँ, मैं पुरजोर यही प्रयत्न कर रहा हूँ, कि आपको इस विषय पर लेकर

आऊँ, कि जब तक हमारे यहाँ तथाकथित गर्जन नहीं आए थे, जब तक इन प्रचारकों ने यह नहीं सोचा था, कि वे एक ऊँचे वातावरण में ऊपर चढ़ रहे हैं और उन्हें यह मिल गया है; जब तक कि न्यू यॉर्क ने संसार को अपने गर्जनों से प्रभावित नहीं किया था, बड़ी संख्या में लोग बिलकुल ठीक थे। और यह क्या है, जो घटित हुआ है? जैसे ही ये पुरुष अपने गर्जनों को विश्व के इस भाग में लेकर आए, उसके कुछ समय बाद ही पवित्रता के मापदंड़ छिन्न–भिन्न कर दिये गए; प्रचारकगण व्यभिचार में गिरने लगे। उन गर्जनों से पहले कभी कभार ही इक्का–दुक्का ऐसा हुआ करता था, जो व्यभिचार में गिरा हो। लेकिन जब से शैतान के गर्जनों का प्रकाशन आया, जब से शैतान के गर्जनों ने इस ओर अपना रूख किया, इसने पवित्रता के ही सन्देश को छिन्न–भिन्न कर दिया, और ऐसा सालों साल तक चलता रहा, कि आप यह तक नहीं जान सकते हैं, कि कौन सन्देश का अनुकरण कर रहा है, और कौन सन्देश का अनुकरण नहीं कर रहा है। **और वे लोग जो अंदर आए, उन्होंने लोगों को उस प्रकार के पहरावे पहने हुए देखा; और उन्होंने उस प्रकार के तंत्र–प्रबंध को देखा; और उन्हें उस प्रकार के लोग मिले; और उन्होंने जो सब कुछ जाना, वह यही है, कि उन्होंने उसे ही सन्देश के रूप में और सन्देश के मापदंड़ों के रूप पहचाना। मैं आपको बिलकुल सही मापदंड़ दे रहा हूँ।** जो मापदंड़ उनके हैं, वे सही मापदंड़ नहीं हैं। तंग–चुस्त बदन से चिपके पहरावे सही मापदंड़ नहीं हैं। ऊँची एड़ी के जूते–चप्पल पहरावे के सही मापदंड़ नहीं हैं। उसे तो न्यू यॉर्क में दूषित कर दिया गया और उन्होंने स्त्रियों को ऊँची एड़ी की जूतियाँ पहनवा दीं; उन्होंने ही स्त्रियों को तंग–चुस्त बदन से चिपके पहरावे पहनवा दिये, और उन्होंने ही स्त्रियों को न्यू यॉर्क के लेटस्ट फैशन के पहरावे पहनवा दिये। ये सारी बेहूदी–वाहियात चीजें ये तथाकथित गर्जन ही लेकर आए। क्या आप मुझे बताना चाहते हैं, कि वह परमेश्वर का है ? वह कोई भी जो पवित्रता के उस सन्देश को तबाह करता है, जिसके लिए परमेंश्वर के भविष्यद्वक्ता ने दुख–मुसीबत उठायी थीं, वह शैतान का ही है। **कोई भी वह कार्यकलाप जो इन सदोम और अमोरा के दोगलेपनों के अन्तर्गत आता है, वह शैतान का ही है।** आपको उससे कोई सरोकार नहीं रखना है। परन्तु हमें अवश्य ही असली–सच्चे गर्जन मिलेंगे। इन दिनों में से किसी एक दिन उनका जन–साधारण पर खुलासा होगा। तब आप देखेंगे, वह दुल्हन को तैयार करेगा। इन झूठे गर्जनों ने दुल्हन को कदापि तैयार नहीं किया है। इन्होंने तो उसको तैयार होने से वंचित रखा है। इसने तो उसे वहीं पर धकेल दिया है जहाँ पर वह पहले थी। लेकिन वह आ रहा है; बहुत ही जल्द उसका खुलासा जन–साधारण पर होगा।

अपने हाथ परमेश्वर की ओर उठाओ। भाइयों और बहनों, आप उसे धन्यवाद दें, कि आप आज उस जाल में फंसे हुए नहीं हैं। हे उद्धारकर्त्ता, आपका धन्यवाद हो; हे परमेश्वर, आपका धन्यवाद हो। उसे महिमा दो, और उसे आदर–सम्मान दो, आप आज उस जाल में फंसे हुए नहीं हैं । ओह, मैं अपनी सड़ी–गली आत्मा स्थानान्तरित कर सकता था ।लेकिन मेरे अज़ीजों, मेरे पास तो पवित्र आत्मा ही है। हमारे पास तो यहाँ पर पवित्र आत्मा के ही मापदंड़ हैं। हे छोटी बहन, अगर आप आज रात यहाँ पर हैं, और आप जानती हैं, कि आप का स्वभाव हुकूमूत करने वाला स्वभाव है, तो क्यों नहीं आप इसे परमेश्वर को समर्पित कर देती हैं? भाइयों, आप इसे त्याग दें, बहनों, आप इसे त्याग दें। भाई, अगर आप का अपनी पत्नी के प्रति ऐसा रवैया है, कि आप उसे पाँवदान(डोरमैट) समझते हैं, और हर समय उसके साथ गाली–गलौच करते रहते हैं, आप उसे चोट पहुँचाने वाली बातें ही कहते रहते हैं, तो आप उस आत्मा को तज दें। अज़ीजों, अगर आप अपने घर के स्वामी नहीं हैं, तो आप एक दोगले इंसान हैं, और आप अपना रवैया आज ही बदल डालें। ऐसे तो आप खुद अपने को तबाह कर देंगे, आप अपनी पत्नी को तबाह कर देंगे, आप अपने बच्चों को तबाह कर देंगे, और आप पीड़ा–क्लेश में से होकर गुजरेंगे। आइये हम इसे परमेश्वर को ही समर्पित कर दें। और मेरे अज़ीजों, मुझे इस बात का विश्वास है, कि उसकी उपस्थिति में ठीक आज ही इसे दूर कर दिया जाएगा। हे पिता, आपका आपके वचन के लिए धन्यवाद हो। भाइयों, मैं आपके लिए प्रार्थना करना चाहता हूँ। हे खुदा, हम एक भंयकर युग में रह रहे हैं , और प्रभु, हम इस युग के लोग हैं। हम उसी किस्म की ही पृष्ठभूमि से आये हैं। सदोम की बहुत सी बातें हमारे प्राण और हमारे हृदय को खेदित करती हैं। और प्रभु, मैं आपके उन लोगों के लिए प्रार्थना करता हूँ, जिन्हें इन दुष्ट आत्माओं और सदोम के दुष्कर्मो के ऊपर जयवंत होने के लिए तथा, प्रभु, उन बहुत सी बुराइयों पर जयवंत होने के लिए, जिनका यहाँ पर उल्लेख किया गया है, प्रार्थना और सामर्थ की आवश्यकता है। मैं प्रार्थना करता हूँ, कि आपकी उपस्थिति और आपका आत्मा ठीक इसी समय इन लोगों के प्राणों के ऊपर मंड़रायें, और बैरी के उस जुए को तोड़ डालें। प्रभु, आप अपने बच्चों को आशीष दें। आप उनकी मदद करें, कि वे विश्वास के द्वारा उसे ग्रहण करें, और उस युद्ध पर ज़ोर लगाते हुए आगे को बढ़ते चले जाएं। प्रभु, आप उनकी सहायता करें, कि वे असली–सच्चे पुरुष बन जायें। आप स्त्रियों की सहायता करें, कि वे एक असली–सच्ची बहनें बन जाएं। मैं प्रार्थना करता हूँ, कि जहाँ कहीं भी यह सन्देश जाता है, आप संसार भर में अपने लोगों की सहायता करें। और प्रभु, आप उन्हें सदोम और अमोरा से दूर लेकर आएं। आप उन्हें स्वर्ग पर उठाए जाने के लिए तैयार करें। हम इस प्रार्थना को और इन आशीषों को यीशु मसीह के नाम में माँगते हैं। आमीन!

पवित्रता या अधोलोक

हे पितरों, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा है, कि जो आदि से है तुम उसे जान गए हो; हे जवानों, मैंने तुम्हें इसलिए लिखा, कि तुम बलवंत हो, और परमेश्वर का वचन तुम में बना रहता है, और तुम ने उस दुष्ट पर जय पायी है।

तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो; यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं है।

क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका पर घमंड़, वह पिता की ओर से नही; परन्तु संसार ही की ओर से हैं।

और संसार और उसकी अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है। **(पहला यूहन्ना 2:14–17)**

अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अंधकार की क्या संगति?

और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता?

और मूरतों के साथ परमेश्वर के मन्दिर का क्या सम्बंध? क्योंकि हम तो जीवते परमेश्वर के मन्दिर हैं; जैसा परमेश्वर ने कहा है, कि मैं उन में बसूंगा और उन में चला–फिरा करूँगा, और मैं उनका परमेश्वर हूँगा, और वे मेरे लोग होंगे।

इसलिये प्रभु कहता है, कि उन के बीच में से निकल आओ और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छुओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूँगा।

और तुम्हारा पिता हूँगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियाँ होंगे; यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है। **(दूसरा कुरिन्थियों 6:14–18)**

होने पाये प्रभु अपने पवित्र वचनों के पढ़े जाने पर अपनी आशीष प्रदान करे।

इस सुबह इस सन्देश का शीर्षक है,''पवित्रता या अधोलोक''। **पवित्र वचन यह घोषणा करके कहता है, कि बिना पवित्रता के कोई मनुष्य प्रभु को नहीं देखेगा, और यदि आप परमेश्वर के अनुग्रह और दया के द्वारा उस कसौटी तक नहीं आते हैं, तो आपके लिए केवल एक ही स्थान बाकी रह जाता है, और वह है, कि आप क्लेश में से होकर या अधोलोक में से होकर गुजरेंगे; अतः यह या तो पवित्रता है, या अधोलोक है जिससे होकर आपको गुजरना है; और प्रभु के**

मुखमंड़ल का दर्शन पाने के लिए और दिव्य प्रकाशन के द्वारा मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन समझने के लिए वह पवित्रता इतनी ज्यादा महत्वपूर्ण है। स्वर्गारोहण में जाने के लिए आपको अवश्य ही प्रभु का दर्शन पाना चाहिए, और यह किसी भौतिक–शारीरिक रूप में नहीं है, क्योंकि वह आज धरती पर भौतिक–शारीरिक रूप में नहीं है। वह तो अपने वचन के रूप में है, वह तो अपनी थियॉफेनी(Theophany) के रूप में है, और अगर वह यहाँ पर भौतिक–शारीरिक रूप में होता भी, तौभी आप उसे स्वभाविक आँखों से नहीं देख सकते थे, और आप प्रभु को स्वभाविक आँखों से नहीं देख सकते हैं और स्वर्ग पर उठाए जाने में नहीं जा सकते हैं। परमेश्वर की ऐसी योजना नहीं है। भाई पतरस ने उसे साढ़े तीन साल तक स्वभाविक आँखों से देखा था, और फिर भी यीशु ने उससे पूछा था,''*लोग क्या कहते हैं, कि मैं मनुष्य का पुत्र क्या हूँ?*'' वह पीछे मुड़ा, और बोला,'' *पतरस तू क्या कहता है, कि मैं मनुष्य का पुत्र क्या हूँ?*'' और भाई पतरस ने बिलकुल सटीक शब्दों का उपयोग किया, और यीशु ने उससे कहा,'' *पतरस, ये बात तुझ पर माँस और लोहू ने प्रकट नहीं की है, वरन मेरा पिता जो स्वर्ग में है, उसी ने यह बात तुझ पर प्रकट की है*।'' अतः मसीह को तो दिव्य प्रकाशन के द्वारा ही जाना जाता है। मसीह को थियॉलोजी के द्वारा या थियॉलोजी के स्कूल के द्वारा नहीं जाना जाता है। वह तो नम्र और सत्यनिष्ठ ह्रदय पर दिव्य प्रकाशन के द्वारा प्रकट होता है, चाहे आप पढ़े–लिखे हो या ना हो; और नये सिरे से जन्म पाना मनुष्य के पुत्र के प्रकाशन में ही जुड़ा हुआ है। मैं यहाँ पर भाई ब्रन्हम का ही हवाला दूँगा, उन्होंने कहा था,'' आप कहते हैं, अच्छा, भाई ब्रन्हम, यह नये सिरे से जन्म लेना क्या है?'' यह तो व्यक्तिगत तौर पर आप पर यीशु मसीह का प्रकाशन है। (मसीह परमेश्वर का प्रकट भेद है 28–7–63) वह अन्यजातियों पर परमेश्वर के पुत्र के रूप में और मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकट हुआ है। यही कारण है, कि ऐसा नहीं हो सकता है, आप के पास यीशु मसीह का दाऊद के पुत्र के रूप में प्रकाशन हो और आप ने नये सिरे से जन्म न पाया हुआ हो; और ना ही यह हो सकता है, कि आप के पास यीशु मसीह का मनुष्य के पुत्र के रूप में प्रकाशन हो, और आप ने नये सिरे से जन्म न पाया हुआ हो; क्यों कि यह तो कलीसियायी कालों से होता हुआ आया है, और यही कारण है, कि उन्होंने एक त्रिएकता बना डाली। यही कारण है, कि मनुष्य के पुत्र को उस समय के अंत पर प्रकट होना था, जब

संसार फिर से सदोम और अमोरा की हालत में लौट आता है। और हम वह पीढ़ी हैं, जो इस वक्त सदोम और अमोरा के उसी युग में रह रहे हैं। कितने लोग इस बात में आश्वस्त हैं, कि हम ठीक उसी युग में रह रहे हैं?(सभा कहती है,''आमीन'') तो फिर आप ने''आमीन'' कह कर खुद ही यहाँ पर किसी बात का इकरार किया है; और वह बात यह है, कि–आप ने यह स्वीकार किया है, कि वह मनुष्य का पुत्र जिसे प्रकट होना चाहिए था, आपके लिए एक वास्तविकता है; क्योंकि संसार सदोम और अमोरा की हालत में आ चुका है; और ठीक ऐसे ही समय में मनुष्य के पुत्र को प्रकट होना था। अतः कोई भी वह शख्स जो यह प्रचार करता है, कि हम सदोम और अमोरा के युग में रह रहे हैं, उसे लूका 17:30 के वचन के लेख के द्वारा अवश्य ही यह भी स्वीकार करना चाहिए, कि मनुष्य का पुत्र प्रकट हो गया है; और जैसाकि वह प्रकट हो चुका है, क्या आपको मनुष्य के पुत्र का प्रकाश्न प्राप्त हो गया है, कि वह कौन है? वह कहाँ पर है? वह कैसे आया है? और वह कब आया है? ये बड़े ही जरूरी सवाल हैं। जब आप उस प्रकाशन को सुनते हैं, तो आप उसकी तस्वीर रचने का प्रयास न करें; आप उस पर खींचा–तानी न करें; आप उस पर जद्दोजहद न करें; और आप विचलित न हों। अज़ीजों, आप भाई ब्रन्हम पर विश्वास करें; आप उनके सन्देश पर विश्वास करें। परमेश्वर आपको आशीष दे। लेकिन भाई ब्रन्हम ने ठीक अपने सन्देश में कहा था, कि मनुष्य के पुत्र को अवश्य ही प्रकट हो जाना चाहिए; और भाई ब्रन्हम तो गुजर चुके हैं; लेकिन मनुष्य का पुत्र तो अभी भी खुद अपने को प्रकट कर रहा है; और वह खुद अपने को तब तक प्रकट करता रहेगा, जब तक कि वह स्वयं अपने को इस्राएल पर दो भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से प्रकट नहीं कर देता **है।** अतः ठीक इस समय धरती के मुख मंड़ल पर मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है, और खुदा ही उस प्रकाशन को उन साधारण, नम्र लोगों पर प्रकट करेगा, जिन्होंने अपने सम्पूर्ण हृदय से, अपने सम्पूर्ण प्राण से,ईमानदारी और सत्यनिष्ठा में होकर पवित्रता के सन्देश को अपनाया और पवित्रता के उस सन्देश को पूरा करने के लिए दृढ़संकल्पी हैं। **जैसाकि मैंने इस सुबह यहाँ पर हिम्मत बढ़ानेवाली रीति पर कहा था, चाहे आप पर बहुत सी बुराइयाँ लदी हुई हों, आपको उस प्रकार के प्रकाशन को पाने के लिए सिद्ध नहीं बनना होता है; वो सब कुछ जो परमेश्वर चाहता है, कि आप करें– वह यही है, कि आप उस पवित्रता के सन्देश पर ही न्यौछावर हो जाएं और पवित्रता के उस सन्देश को पहचान लें; और जैसे जैसे समय बीतता चला**

जाएगा, जबकि आप अपनी दुर्बलताओं पर जयवंत होने के लिए जद्दोजहद और संघर्ष करते हैं, तो परमेश्वर ही आपको यीशु मसीह के प्रकाशन के द्वारा ऐसा परमालौकिक अनुग्रह प्रदान करेगा, कि अधोलोक के फाटक आप पर प्रबल नहीं हो सकते हैं; यह आप से ऐसा नहीं करवा सकता है, कि आप फिर से वापस लौट जाएं, और नापाक जीवन बितायें, और व्यभिचार में जीवन बितायें, और शैतान से धोखा खायें। कोई भी वह व्यक्ति जिसने शैतान के, अनुवादों, पन्थों और मतों–वादों के द्वारा धोखा खाया हुआ है, और व्यभिचार और दोगलेपन में, धन–दौलत सम्बंधी योजनाओं में, तथा ऐसे ही और नाना प्रकार के कामों में विलिप्त है, और दावा करता है, कि उसके पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है; उसने तो अभी तक नये सिरे से जन्म भी नहीं पाया है; क्योंकि ये यही साबित करता है, कि अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल हो चुके हैं। **और यह बात सीटी की आवाज के जैसी ही सुस्पष्ट है।**

अतः या तो यह पवित्रता है, वरना यह अधोलोक है। अगर आपने यीशु मसीह का प्रकाशन नहीं पाया है, तो आप पीड़ाओं में से होकर गुजरेंगे, और सम्भवतः अधोलोक में भी चले जाएं, ताकि आपको वह प्रकाशन हासिल हो जाए, चाहे आप ने यहाँ कलीसिया में जन्म ही क्यों न लिया हो; और चाहे आप एक मसीही होने का दावा क्यों न करते हों–आपको तो पवित्रता के उस सन्देश को पूरा करने के लिए अवश्य ही अभिलाषा संजोकर रखनी चाहिए। और जैसाकि मैंने कहा था, कि पवित्रता का सन्देश बहुत ही सरल है, यह तो संसार की वस्तुओं के प्रति मोह त्यागने वालों कामों से ही निर्मित हुआ है। आपको अवश्य ही सही पहरावे पहनने चाहिएं; आपको अवश्य ही सही ढ़ंग से काम करने चाहिएं–स्त्रियों और पुरुषों दोनों को ही ऐसा करना चाहिए। पुरुषों को अपने घर–परिवार में सही रीति से आचार–व्यवहार करना चाहिए। लोगों को अवश्य ही अपने घरों में से टेलीविज़न को निकाल बाहर कर देना चाहिए; उन्हें खेलकूद के मैदानों से बाहर निकल जाना चाहिए। ये सारे कार्यकलाप मिलकर ही पवित्रता का सन्देश बनाते हैं। आपको अवश्य ही सही किस्म के गीत सुनने चाहियें। आपको सही किस्म के गीत गाने चाहियें। जी हाँ! और इस प्रकार से ये सारी बातें इसके साथ साथ चलती हैं। **अतः हम पवित्रता के इन मापदंड़ों में से कई का तो अपने पिछले सन्देशों में अध्ययन कर चुके हैं, और अभी भी उन में से कुछ–एक बाकी हैं। लेकिन मैं इन वालों को बिलकुल भी अनदेखा नहीं करना चाहता हूँ, क्योंकि हम तो इसकी हर एक छोटी से छोटी बात को भी लेना चाहते हैं, और अगर आप कोई शक करते हैं, तो आप इन सन्देशों से भी सहमति ले सकते हैं। अतः यह पवित्रता या अधोलोक है।**

और बिलकुल ठीक ऐसा ही यह हमें **यूहन्ना 1** में बताता है, और वचन का यह लेख उस बात की पुष्टि करता है, जिसके बारे में मैं कह रहा हूँ; और जो बाइबल कह रही है, वह उस सब की पुष्टि करती है जो मलाकी 4 ने अर्थात् विलियम ब्रन्हम ने परमेश्वर के पवित्रता के सन्देश के रूप में प्रचारा था—यह सब यहाँ पर ठीक इस वचन के लेख में पाया जाता है। **यहाँ पर जो यह वचन का एक लेख है, वही परमेश्वर के पवित्रता के सम्पूर्ण सन्देश को अपने में समेट लेता है;** और हालांकि जगत में बहुत सी नई नई बुराइयाँ आ गई हैं, जिनकी भर्त्सना भाई ब्रन्हम के द्वारा भी नहीं की गई थी, या उनकी भर्त्सना बाइबल के द्वारा भी नहीं की गई थी; लेकिन फिर भी जिन लोगों के पास मसीही–विवेक है, और जो पवित्र आत्मा से अभिषेक पाये हुए हैं और नये सिरे से जन्म पाये हुए हैं, उनको यही मसीही–विवेक उन बातों से पार लगाएगा; और वही उन कामों और बातों की भर्त्सना करेगा। जी हाँ! पवित्र आत्मा ही उन कार्यकलापों को निकम्मा ठहराएगा।

अतः मुझे वचन का यह लेख बहुत ही प्रिय लगता है—''***तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो;*** *यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उस में पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका पर घमंड़, वह पिता की ओर से नही; परन्तु संसार ही की ओर से हैं। और संसार और उसकी अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है।*''**(पहला यूहन्ना 2:14–17)** मैं कह रहा हूँ, कि या तो आप पवित्रता का सन्देश अपनायेंगे, या आप अधोलोक में जायेंगे। ऐसा है, या तो हम पवित्रता के सन्देश को अपने गले का हार बनायेंगे, या हम नाश हो जायेंगे। जी हाँ; यही वह बात है, जिसकी घोषणा करके बाइबल कहती है।''*पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है।*''हम ऐसी ही स्थिति में हैं। '' *वह सर्वदा बना रहता है।*''

अतः अब यह बात है, यह संसार जो कुछ भी पेश कर सकता है, उस सब को तीन बातों में ही समायोजित किया जा सकता है–''*क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, और आँखों की अभिलाषा और जीविका पर घमंड़।*'' सम्पूर्ण जगत को, और उन समस्त लोगों को जो कभी धरती के मुखमंड़ल पर विद्यमान रहे और जो अब धरती के मुखमंड़ल पर विद्यमान हैं, और वे समस्त लोग जो कभी धरती के मुखमंड़ल पर विद्यमान रहेंगे, उन सभों को इन्हीं तीन बातों के अन्तर्गत समायोजित किया जा सकता है, जिनके बारे में यहाँ पर उल्लेख किया गया है। ''**शरीर की अभिलाषा**'' के

अन्तर्गत वे सारी अनैतिकताएं और कुकर्मताएं शामिल हैं, जो कभी की गई थीं, और जो आज संसार में की जा रही हैं। ''**आँखों की अभिलाषा**'' के अन्तर्गत वे समस्त ख्वाहिशें और इच्छाएं शामिल हैं, जो हम इस जीवन में भौतिक या दुनियावी वस्तुओं के लिए कर सकते हैं–इसमें अनैतिक–दुराचार से भरे काम, कार पाने की अभिलाषा, घर–मकान पाने की अभिलाषा, यहाँ तक कि आम का पेड़ पाने की, कुत्ता पाने की अभिलाषा, किसी दूसरे की पत्नी के लिए बुरी कामना करना; धन–दौलत का लालच करना; घर–मकान का लालच करना; किसी बहन से उसके कपड़ों के कारण डाह–ईर्ष्या करना आदि शामिल है। यह सब कुछ आँखों की अभिलाषा ही तो है। और सबसे आखिरी वाली बात है–''**जीविका पर घमंड़**।'' आप जीविका के घमंड़ की बात करते हैं। अज़ीजों, क्या हम वचन के इन्हीं लेखों पर प्रचार करना खत्म कर सकते हैं? हम वचन के इन लेखों पर प्रचार करना खत्म नहीं कर सकते हैं, क्योंकि प्रेरित यूहन्ना, जो पवित्र आत्मा के चलाये चला था, उसने सम्पूर्ण मानवता और सम्पूर्ण जगत के कार्यकलापों का–सम्पूर्ण कॉसमॉस का, सम्पूर्ण संसार के प्रबंध का, इन्हीं तीन बातों में संक्षिप्त रूप में वर्णन कर दिया है। जी हाँ, उसने ठीक उसी में सम्पूर्ण जगत को समेट कर रख दिया है। ओह मेरे, ख़ुदा! भाइयों और बहनों, परमेश्वर का वचन अति मधुर है। जी हाँ, वह मेरे प्राण के लिए तो मधुर अति मधुर है। कितने लोग अपनी अपनी बाइबल नहीं पढ़ेंगे, मैं नहीं समझ सकता हूँ। और वह इससे आगे बढ़ता है, और कहता है,''*..और संसार और उसकी अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है।*'' यह संसार तथा जो कुछ भी इस में है, वह नाश हो जाएगा; संसार का तंत्र–प्रबंध सब कुछ नाश हो जाएगा। वह सब कुछ जो आप शिक्षा के क्षेत्र में हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं, वह सारा धन, जिसका आप ढ़ेर लगाते हैं, वे सारे बढ़िया बढ़िया वस्त्र जो आपके पास हैं, वे सारे बड़बोल जो आप अपने बच्चे के विषय में बोलते हैं, वे सारे बड़बोल जो आप अपने घर–मकान के विषय में बोलते हैं, वे सारे बड़बोल जो आप अपनी सुन्दरता के विषय में बोलते हैं, आप कितने रूपवान हैं, आप कितने पढ़े–लिखे हैं, आप कहाँ पर नौकरी करते हैं, ये सारी बातें नाश हो जाएंगी; पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है। और परमेश्वर की इच्छा क्या है? कि उसके वचन का पालन किया जाए।जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह परमेश्वर के वचन का पालन करेगा; वह प्रायश्चित करेगा, वह यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेगा; वह धार्मिकता के पथ पर चलेगा, वह नये सिरे से जन्म लेगा, वह पवित्र आत्मा हासिल करेगा, और वह सर्वदा बना रहेगा। हे मेरे परमेश्वर! क्या आप उस बात का मूल्यांकन कर सकते हैं? वह सर्वदा बना रहता है। मैं लाखों और करोड़ों सालों तक जिन्दा रहूँगा, और इसकी तो अभी तक

शुरूआत भी नहीं हुई है; और उस अनन्तता का कभी अंत नहीं होगा; और हम जिन्दा रहने के कारण उकतायेंगे नहीं; और बहन, आपकी खूबसूरती में कभी कोई कमी नहीं आयेगी; आप वहाँ पर सर्वदा एक सी ही खूबसूरत रहेंगी। यहाँ पर तो कुछ सालों के बीतते ही आप खुद अपने को आइने में हिकारत की निगाह से देखते हैं। मैंने कई बहनों से मुलाकात की है, और मैंने उन से पूछा है,''आपकी उम्र कितनी है?'' और इस पर उन के चेहरे पर लज्जा के कारण लाली छा जाती है। मेरे भाई, मानव जीवन के सम्बंध में कोई बात है, कि जब आप बूढ़े होने लगते हैं, तो आप पर उदासी छा जाती है। वे अपनी उम्र ज़ाहिर नहीं करना चाहती हैं। जी नहीं! आप देखते हैं, कि आप का इसलिए जन्म नहीं हुआ था, कि आप बूढ़े होते चले जाते। अब ऐसा क्यों होता चला जाता है। यह तो मानव जीवन में कोई ऐसी बात होती है, जो इंसान को बताती है, कि उसे तो सदा–सर्वदा जिन्दा रहना है।

मुझे यह अच्छा लगता है, कि प्रेरित यूहन्ना ने इसे एक साथ कैसे समेट कर रख दिया है। उसने कहा था,''*.और संसार और उसकी अभिलाषाएं दोनों मिटते जाते हैं, पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलता है, वह सर्वदा बना रहता है।*'' और इस सुबह तथा और दूसरे दिनों में, और उन सारे दशकों में जो गुजर चुके हैं, और जो यहाँ पर युगों की पुरानी चट्टान के जैसे रहे हैं, हमारा यहाँ पर जमा होने का यही मकसद है—हमारा यही मकसद है, कि हम परमेश्वर की इच्छा पूरी करें; और इस सुबह हम यहाँ पर एक साथ फिर से इसी लिए एकत्र हुए हैं, ताकि हम यह मालूम कर सकें,कि परमेश्वर की इच्छा क्या है, कि हम क्या करें। मैं आप को सर्वशक्तिमान परमेश्वर की इच्छा से अवगत कराने का प्रयास कर रहा हूँ, मैं प्रयास कर रहा हूँ, कि आप पर यह अवगत कराऊँ, कि परमेश्वर की संतानों के रूप में परमेश्वर आप से किस बात की अभिलाषा कर रहा है। कभी–कभी तो हम इससे चुपके से कतरा जाते हैं, कभी–कभी तो हम इसके प्रति अनजान बन जाते हैं, और कभी–कभी तो हम इसे भूल ही जाते हैं, और कभी कभी तो हम आज़माइशों के कारण बड़े बोझ के तले दबे हुए होते हैं; और कभी कभी तो हम कमज़ोर पड़ जाते हैं और गिर जाते हैं; और कभी कभी हमें यह मालूम ही नहीं होता है, कि हम आखिर क्या कर रहे हैं; लेकिन अगर हमारा मकसद परमेश्वर की इच्छा पूरी करना है, तो हमें कोई डर–भय नहीं लगता है। वही आपको पार लगाएगा। उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। जिसने हम से प्रतिज्ञा की है, वह विश्वास के काबिल है।''..शिमौन, हे शिमौन, देख, शैतान ने तुम लोगों को माँग लिया है, कि गेहूँ की नाई फटके। परन्तु मैंने तेरे लिए विनती की है, कि तेरा विश्वास जाता न रहे..''(लूका 22:31–32)। ओह, पतरस का विश्वास कभी भी जाता न रहा था, मेरे मित्र! जी नहीं, पतरस तो विश्वास धरे हुए था। उसके पास तो एक

प्रकाशन था, और चूँकि उसके पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन था, इसलिए अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न हो सके थे , और इसी कारण उसका विश्वास कदाचित जाता न रहा था। जी नहीं, मगर पतरस कुछ कमज़ोर तो पड़ गया था, और उसने प्रभु का इंकार भी कर दिया था, लेकिन उसने तुरन्त ही प्रायश्चित भी कर लिया था।

धोखा खाये हुए कुछ प्रचारक जो खुद किसी एक बहकावे, या दो बहकावे, या तीन बहकावे के पीछे पीछे चल रहे हैं, अपनी सम्पूर्ण कलीसिया को ही बहकावे की ओर प्रशस्त कर देते हैं, वे उनको प्राणों को सभी प्रकार के ताने–बाने की ओर प्रशस्त कर देते हैं, वे कलीसिया में होनें वाली इबादत को बंद कर रहे हैं, और इसी प्रकार के सभी कामों को कर रहे हैं, और वे उसी किस्म का बहाना बनाते हैं, और कहते हैं,'' आप देखिए, कि पतरस भी तो बहकावे में आ गया था; इसलिए हम भी तो उसी रीति से ही बहकावे में आ गए थे, लेकिन हम ने नये सिरे से जन्म पाया हुआ था।'' जब कभी आप यह दावा करते हैं, कि आप के पास प्रकाशन है, और आप किसी अजनबी के पीछे पीछे चलते हैं, तो आप ने वह आवाज़ कभी सुनी ही नहीं थी। ''मेरी भेड़ मेरा शब्द अर्थात् मेरी आवाज़ सुनती है, और वह किसी अजनबी के पीछे नहीं चलेगी।'' **और जब कभी आप परमेश्वर द्वारा प्रदान किये हुए चरवाहे को छोड़ देते हैं, जब कभी आप परमेश्वर द्वारा प्रदान किये हुए सुसमाचारदूत को और भविष्यद्वक्ता को छोड़ देते हैं, तो आप किसी सनकी–झक्की, किसी पन्थवादी, किसी झूठे भविष्यद्वक्ता, किसी झूठे मसीह के पीछे पीछे ही चल रहे होते हैं, और ये यही साबित करता** है, **कि आप ने कभी नये सिरे से जन्म पाया ही नहीं था, और अधोलोक के फाटक आप पर प्रबल हो गए थे।** अगर उसके बाद आप कभी भी व्यभिचार करते हैं, तो इसका मतलब है, कि आप ने कभी भी नये सिरे से जन्म पाया ही नहीं था। अगर आप –कुमारीगमन –व्यभिचार करते हैं, अगर आप समलैंकिगता का शिकार हैं, अगर आपने कलीसिया की अगुवाई फिर से संसार की ओर तथा अभक्ति की ओर की है, और उसकी अगुवाई फिर से टेलीविज़न की ओर, वापस खेलकूद लाने की ओर, तथा सदोम के दुराचारों को वापस लाने की ओर की है, तो ये यही दिखाता है, कि आप एक भ्रष्ट प्रचारक हैं; और पेड़ को उसके फलों से जाना जाता है; यीशु ने कहा था, ''*तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे।*''

तुम जितना चाहे उतना दावा कर सकते हो, और तुम जितना चाहे उतना दावा कर सकते हो, कि तुम ने नये सिरे से जन्म पाया है, लेकिन मैं तो उन्हीं फलों पर नज़र डालूँगा जो

आप पर लगे हुए हैं। वह फल जो उन लोगों पर लगा हुआ है, वह है– टेलीविज़न को फिर से घर में वापस लाना, फिर से खेलकूदों को वापस लाना; अश्लील और वाहियात पहरावों को वापस लाना। तुमने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है। हे सन्देश के अनुयायियों, जब कि तुम सही पथ पर स्थापित हो चुके थे, लेकिन उसके वर्षों बाद तुम ने उसी को ठुकरा दिया, और तुम उस प्रकार की किसी वस्तु के पीछे पीछे चलने लगे, तुम तो कुपंथ के माननेवाले ही हो; और यही है वह जिसके बारे में मैं बातचीत कर रहा हूँ। वह कोई भी शख्स जो सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ में रद्दोबदल करता है, वह कुपंथ को माननेवाला इंसान है, और पवित्रता के सन्देश में किया गया कोई भी बदलाव कुपंथ है।

यूहन्ना की पहली पत्री का वचन का यह लेख सम्पूर्ण जगत को अपने में समेटे हुए हैं, और इस लेख को सदोम और अमोरा के युग में भी फिट किया जा सकता है, और यह सदोम और अमोरा के दुराचारों के विषय में वर्णन करने के लिए एक सटीक वचन का लेख है, क्योंकि यह सदोम के दिनों को समेट लेता है, यह नूह के दिनों को समेट लेता है; यह हमारे युग के दिनों को भी समेट लेता है। **''वह सब कुछ जो संसार में है, वह शरीर की अभिलाषा ही तो है।'' वह सदोम और अमोरा के ही तो दुराचार हैं।''और वह आँखों की अभिलाषा ही तो है।'' आपकी आँखें दूरदर्शन के कार्यक्रमों के लिए ललचाती हैं। आप पूछ सकते हैं, कि ''टेलीविज़न के लिए कहाँ पर वचन का लेख है?'' वह ठीक यहीं पर, यूहन्ना की पहली पत्री में है।** ठीक वहीं पर इसका हवाला पाया जाता है, जहाँ पर आँखों की अभिलाषा के लिए लिखा हुआ है, वही तो टेलीविज़न के लिए वचन का लेख है। और अगर आप दूरदर्शन अर्थात् टेलीविज़न के कार्यक्रमों से मोह रखते हैं, तो आप के अंदर संसार का एक आइटम तो है ही; और यही तो आँखों की अभिलाषा है। और***''जीविका पर घमंड़''***; यह है इस संसार का व्यर्थ का अभिमान! आप कहते हैं,'' तुम जानते हो, कि मैं कौन हूँ?'' तुम एक कुत्ते से ज्यादा और कुछ नहीं हो। ''क्या तुम जानते हो, कि मैं कहाँ नौकरी करता हूँ?'' जी हाँ, चाहे आप कूड़ा ही क्यों न ढ़ो रहे हों, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। बहुत ज्यादा अभिमान है! इंसान शिक्षा का थोड़ा सा भूसा अपने दिमाग में क्या भर लेता है, कि वह कहता फिरता है,'' तुम जानते हो, कि मैं कौन हूँ?'' तुम कौन हो? एक कुत्ते! बगैर मसीह के तो तुम एक कुत्ते ही हो। जी हाँ! हमारे अंदर जो एक मात्र अच्छी वस्तु है, वह परमेश्वर का वचन ही तो है,***''परमेश्वर के अलावा किसी को भला मत कह***।'' वचन का लेख जो यहाँ पर है, वह पूरी तरह से सदोम और अमोरा पर फिट बैठता है। और इसके बाद आप इससे रोमियों के पहले अध्याय को भी जोड़ सकते हैं, जो आपको इस संसार के कुकर्म दिखा रहा है।

इस संसार के कार्यकलाप तो कूड़े के समान ही हैं। मेरे अज़ीजों, जब आप इन दिनों में से किसी एक दिन यहाँ से बाहर निकल जाते हैं, और उस देह के भीतर प्रवेश कर जाते हैं, और उसके बाद आप पीछे मुड़ कर उसे देखते हैं, जिससे आप निकलकर आए हैं, तो आपको इस बात का एहसास हो जायेगा, कि आप किसी शहर के एक बहुत बड़े कूड़े के ढ़ेर के भीतर रह रहे थे, जिसमें सभी किस्म के कीड़े–मकोड़े पड़े हुए थे, जिसमें मरे हुए कुत्ते, और मरे हुए इंसान थे, जिनमें से कीड़े बाहर निकल रहे है, और ये सब आपके चारों ओर थे। आप उस में फिर कभी वापस आना नहीं चाहते हैं। और बिलकुल ठीक ऐसा ही परमेश्वर वहाँ से, जहाँ पर है , देख रहा है। वह संसार को इसी हालत में देख रहा है। आप कह सकते हैं, कि भाई ब्रूस, यह तो एक गैरजिम्मेदारना, व्यक्तवय है।, ठीक है, तो भविष्यद्वक्ता के साथ क्या हुआ था जब वह अपनी देह में से बाहर निकल गया था, और दूत उससे बातचीत करने लगा था; और भविष्यद्वक्ता ने कहा था,'' क्या तुम्हारा यह मतलब है, कि मैं उस लोथ में, उस सड़ाहट में फिर से वापस लौट जाऊँ?'' तब वह ना तो अपनी पत्नी के लिए रो रहा था, और ना ही वह अपने बच्चों के लिए रो रहा था।''क्या तुम्हारा यह मतलब है, कि मुझे उस में वापस लौट जाना चाहिए?'' ''जी हाँ, तुम्हें वापस लौटना है, क्योंकि मेरे पास तुम से करवाने के लिए एक काम है। तुम्हें उस लोथ में ही तब तक रहना है, जब तक कि समय नहीं आ जाता है।'' लेकिन एक दिन वह उस लोथ को छोड़कर फिर से चला गया, और दूत ने उससे कभी नहीं कहा, कि उसे फिर से उस में जाना होगा। उसने तो उससे कहा, ''तू अपनी घूमनेवाली कुर्सी ले लें, और उस कुर्सी पर बैठकर आनन्द करता रह, जब तक कि बाकी दुल्हन अपनी लोथ यहाँ इस धरती पर से छोड़ नहीं देती है और बदल नहीं जाती है। ओह, परमेश्वर की महिमा होवे! एक मसीही जीवन तो एक खुशहाल जीवन है। यह एक खुशहाल सुबह है। जहाँ परमेश्वर का आत्मा है, वहाँ स्वतंत्रता है। परमेश्वर की उपस्थिति में आनन्द की भरपूरी है, और उसके दाहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहेगा। इस सुबह किसी को भी उदास या मायूस नहीं होना चाहिये। अगर आप उदास हैं, तो या तो आप संसार की वस्तुओं की अभिलाषा कर रहे हैं, या आप इसलिए मायूसी के बोझ के तले दबे हुए हैं, क्योंकि आप विभिन्न प्रकार की आज़माइशों में पड़े हुए हैं; मैं कहता हूँ, कि आप आज़माइशों को अपने पीछे छोड़ दें। आप परेशानियों और दिक्कतों को अपने पीछे छोड़ दें। जी हाँ, श्रीमान! आइये हम आगे को कूच करें; हमारे पास तो कोई ऐसी वज़ह है, कि हम आनन्दित हो सकते हैं। हमारे पास तो कोई ऐसी बात है, जिसके विषय में हम आनन्द–मगन हो सकते हैं। अगर इस सुबह यहाँ पर कोई आँसू हों, तो वे कृतज्ञता के आँसू हों, वे खुशी के आँसू हों, और वे परमेश्वर की स्तुति–बड़ाई के आँसू हों; और परमेश्वर को यह भाता है। जी हाँ! यह तो परमेश्वर की इबादत करने

का समय है, और यह तो परमेश्वर से दुआ–प्रार्थना करने का समय है। आप शैतान के द्वारा बोझ से न दबें। काफी लम्बे अरसे से शैतान परमेश्वर के लोगों को लात मारे चला जा रहा है। अब यह वह समय है, कि हम उस पर फुटबॉल के जैसे लात मारें। मैं कहता हूँ, कि इस सुबह आप अपनी सारी परेशानियाँ भूल जाएं; आप अपनी सारी आज़माइशें भूल जाएं;आप अपनी सारी कमजोरियाँ भूल जाएं। यह शैतान ही है, जिसने आपसे कुछ गलत करवाया है, और उसके बाद वही आप पर मुक्के मारता रहता है, और आप से कहता रहता है, ''तू ढ़ोंगी है; तू यह है, तू वह है।'' मैं कहता हूँ, कि आप शैतान को झंझोड़ कर बाहर कर दें। आप शैतान को झंझोड़ कर अपने से दूर कर दें। जी हाँ! आप उस प्रकार के ख्याल निकालकर बाहर कर दें; आप अपने सन्देह दूर कर दें। आप के पास ऐसा पास्टर नहीं है, जैसा इस सुबह यहाँ पर है। क्या कभी आप ने मुझे इस प्रचारमंच पर ऐसे प्रवेश करते हुए देखा है, कि मैं उदास और मायूस सा यहाँ पर आता हूँ, और कहता हूँ, ''हे भाई, क्या आप सोचते हैं, कि मैं इसे कर लूँगा।'' मैं परेशान नहीं हो रहा हूँ, चाहे मैं इसे कर पाऊँ, या ना कर पाऊँ। मैं तो ऐसा पहले ही कर चुका हूँ। जी हाँ, श्रीमान! मेरी थियॉफनी तो वहाँ ऊपर है। वहाँ ऊपर तो एक और भाई डॉलटन ब्रूस है; और भाई वहाँ ऊपर एक और आप भाई हैं, जब तक तक कि आप प्रभु से प्रेम करते हैं, और जब तक कि पिता का प्रेम आपके अंदर है। मैं कहता हूँ, आप सन्देह निकाल कर बाहर कर दें। ''आप अपने ही सन्देहों पर शक करें।'' यही वह बात है, तो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कही थी। जी हाँ, श्रीमान! उसे स्तुति–बड़ाई का बलिदान चढ़ाओं। (सभा आत्मा में होकर परमेश्वर की स्तुति–बड़ाई करती है–सम्पा.) जी हाँ! शैतान ही उसे आपके पास लेकर आता है, और आपको एक मसीही के रूप में बाँध डालता है, कि आप प्रार्थना नहीं कर सकते हैं; आप आराधना नहीं कर सकते हैं। आप परमेश्वर की महिमा के गीत नहीं गा सकते हैं; आप चल–फिर नहीं सकते हैं, आप मुस्करा नहीं सकते हैं; और आप परमेश्वर के विषय में बातचीत नहीं कर सकते हैं। भाइयों और बहनों, आप उसी हालत में वैसे ही न पड़े रहेंगे जैसे एक गाय खूँटे से बन्धी रहती है। जी नहीं, श्रीमान! चाहे जहाज एक तरफ को झुक क्यों न जाए, तौभी झंड़ा तो ऊँचे पर लहराता रहता है। हम तो किनारे तक पहुँचेंगे। परमेश्वर की महिमा होवे! यह बात सुनिश्चित है, कि हम इसे किनारे तक ले आयेंगे।

ठीक है, **अगर आप एक ऐसे मुरदा–निर्जीव ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं, कि आप वचन के विषय में कोई परवाह नहीं करते हैं;** आप जीवन के विषय में कोई परवाह नहीं करते हैं; और आप उद्धार के विषय में कोई परवाह नहीं करते हैं; तो फिर तो बस आप टूटी हुई किश्ती में ही हिलौरें खाये चले जा रहे हैं, जब तक कि आप दुनिया के किसी काम को

अंज़ाम नहीं दे डालते हैं–और ऐसे में तो मैं आपका कोई हिसाब नहीं दे सकता हूँ। परन्तु हम तो वे लोग हैं, जो खुदा से मुहब्त करते हैं; हम तो वे लोग हैं, जो परमेश्वर का वचन चाहते हैं।हम तो वे लोग हैं, जो जीवन चाहते हैं। हम कई बलिदान अपर्ति करते हैं–हम ने कई त्याग किये हैं। आप शैतान से यह ग्रहण न करें, कि आप उस(उस थिफॉनी) को हासिल करने में कामयाब नहीं हो सकते हैं। आप उसे हासिल करने में कामयाब हो सकते हैं। आपका इससे क्या मतलब है, कि आप उसे हासिल करने में कामयाब नहीं हो सकते हैं? शैतान तो कहता ही है, कि तुम्हारे पास यह नहीं है, तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है; और तुम तो यह हो, और तुम तो वह हो। ऐसा क्यों नहीं हो सकता है, कि आप उसे हासिल करने में कामयाब न हों? आप को तो इसके लिए बस परमेश्वर के वचन के प्रति सत्यनिष्ठ होने की ही जरूरत है। आप अपने कान खोलें, और परमेश्वर का वचन समझें, और जो कुछ भी आप इससे प्राप्त कर रहे हैं, आप उससे समझ हासिल करें; और जो कुछ आप के पास नहीं है, परमेश्वर ही आपको वह प्रदान करेगा। आप भयभीत न हों, आप केवल विश्वास करें। वे जो विश्वास करते हैं, उन के लिए सब कुछ सम्भव है। ओह, लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद करते रहें!

हम दोगलेपनों के युग में रह रहे हैं, हम उस युग में रह रहे हैं, जब बिगाड़े जाने का काम ज़ोरों पर चल रहा है। परमेश्वर के वचन और सच्चे प्रकाशन को छोड़कर सब कुछ ही दोगला हो चुका है। कलीसियाएं दोगली हो चुकी हैं। प्रचारक दोगले हो चुके हैं। और वे जो उस सन्देश के विश्वासियों के रूप में, जिस सन्देश को परमेश्वर के द्वारा मलाकी 4 के माध्यम से भेजा गया था, संस्थाओं में से बच निकलकर बाहर आए, वे दौड़े तो ठीक थे, लेकिन खुद उन पर ही जादू चल गया– उन्होंने खुद अपने को ही मोह लिया। जैसा कि भाई पौलुस ने कहा था, ''*तुम दौड़े तो सही थे, लेकिन तुम्हें किसने मोह लिया?*'' और हमने यह ज्ञात किया है, कि वे प्रचारक जिन्हें परमेश्वर के द्वारा बुलाया भी नहीं गया था, और जो झूठे अभिषिक्त हैं, सन्देश के अंदर आए, और उन्होंने परमेश्वर के लोगों को मोह लिया। उन्होंने पवित्रता के सन्देश को छिन्न–भिन्न करके लोगों को मोह लिया, और फिर भी वे दावा करते हैं, कि वे गर्जनों का प्रचार कर रहे हैं। और जब से वे उन झूठे गर्जनों को अंदर लेकर आये हैं, तब से हम में पतन की ओर बढ़ते रहने का प्रचलन शुरू हो गया है। लोगों का ध्यान इन झूठे गर्जनों की तरफ भटक गया, और वे बस इन झूठे गर्जनों को अपने दिमागों में घुसाये चले जा रहे हैं, और एक ख्याली दुनिया में जी रहे हैं। वे एक ख्याली मसीही जीवन बिताते हैं, और इसके बाद उन्होंने उस पवित्रता के सन्देश को ही नज़रान्दाज कर दिया, जिसके मुताबिक

उन्होंने कई साल जीवन बिताया था। जी हाँ! उन्होंने इन भ्रान्तियों द्वारा लोगों पर जादू चला दिया, और जब वे ''सात गर्जनों'' की भ्रान्तियों के द्वारा लोगों पर जादू चला चुके, तो उसके बाद उन्होंने परमेश्वर के पवित्रता के सन्देश को ही नज़रान्दाज कर दिया। वे तो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता की साधारण–सरल शिक्षाओं को छोड़कर आगे निकल गए; और सन्देश की साधारण–सरल शिक्षाओं को छोड़ने के द्वारा वे उन्हीं वस्तुओं को, उन्हीं कार्यकलापों को परमेश्वर के भवन में लेकर आ गए, जिनकी परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने नापाक और वचन विरोधी कार्यकलापों के रूप में भर्त्सना की थी।

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 48

टेलीविजन ने वीडियों के साथ घरों में पुनःप्रवेश किया– झूठे गर्जनों ने इसे प्रोत्साहित किया

अतः मैं यहाँ पर एक तथ्य को लूँगा, और वह एक वह कुपन्थ है जो सन्देश के भीतर आ गया, और इसका सम्बंध टेलीविज़न से है। परमेश्वर का नबी तो टेलीविज़न के पूरी तरह से विरूद्ध था। एलिय्याह भविष्यद्वक्ता ने टेलीविज़न के विरोध में इतनी कठोर बातें क्यों बोली थीं? मेरे पास यहाँ पर तकरीबन एक सौ बीस हवाले हैं, जो भाई ब्रन्हम ने टेलीविज़न के विरोध में बोले थे। वे इतनी बुरी तरह से टेलीविज़न के विरूद्ध क्यों रहे थे? अज़ीजों, इस बात को समझना बड़ा ही सहज है। पृथ्वी पर सदोम और अमोरा में जो सारे बिगड़े कार्यकलाप होते हैं, उनको दूसरे स्थानों तक पहुँचाने का टेलीविज़न एक बड़ा ही कारगर साधन है। पुरुषों के बीच जो घिनौने बिगड़े काम होते हैं, स्त्रियों के बीच जो घिनौने बिगड़े काम होते हैं; लैंगिक जीवन में जो घिनौने बिगड़े काम होते हैं, बच्चों में जो घिनौने बिगड़े काम होते हैं, पहरावों के मामले में घिनौने बिगड़े काम होते हैं, संगीत के मामले में घिनौने बिगड़े काम होते हैं, हर एक वह दूषित–दोगला काम जो इस पीढ़ी में होता है, उसे शेष जगत तक पहुँचाने का टेलीविज़न एक बड़ा ही कारगर साधन बन गया है। अतः टेलीविज़न शैतान का ही एक अविष्कार है, ताकि वह उसके माध्यम से अपनी दुष्टता, अपने पाप, अपनी अपवित्रता, अपनी अधार्मिकता, हॉलीवुड़ से निकलने वाला अपना वाहियातपना और अश्लीलता, जी हाँ, दुनिया के सबसे नीच–गिरे हुए देश से इन्हें संसार के विभिन्न भागों में भेजे। **इस पृथ्वी पर जो सबसे ज्यादा घमंड़ी और सबसे ज्यादा भ्रष्ट देश है, वह अमेरिका ही तो है; और वही सम्पूर्ण जगत को उन भ्रष्टाताओं और कुकर्मताओं के द्वारा शिक्षा देता है, जो हॉलीवुड़ से निकल आती हैं। और जबकि मैं तो टेलीविज़न के बारे में ही बोल रहा हूँ; अगर भाई ब्रन्हम यहाँ पर इस समय हुए होते, तो वे जान गए होते, कि इन्टरनेट**

पर क्या क्या है; घिनौने पाप और दुष्कर्म ही तो इन्टरनेट पर है, और वे इस इन्टरनेट के भी उतने ही खिलाफ होते, जितना कि वे टेलीविज़न के खिलाफ थे। उन्होंने उन वीडियों के खिलाफ प्रचार किया होता, जो कुछ मसीही लोग लेते हैं और उन पर उतना ही ज्यादा समय गँवाते हैं, जितना कि लोग टेलीविज़न पर गँवाते हैं; और उन में से कुछ तो ब्लू फिल्मों पर अपनी आँखें गड़ाये रहते हैं। मैं इसके विषय में बातें कर रहा हूँ, कि सन्देश को माननेवाले विश्वासी ब्लू फिल्मों पर अपनी आँखें गड़ाये रहते हैं, और वे फिल्मी वीडियों पर अपनी आँखें गड़ाये रहते हैं, और वे इस पर अपने कई घन्टे फिज़ूल में गवाँ देते हैं। अतः यह भी ठीक वैसा ही बुरा है जैसाकि भाई ब्रन्हम ने टेलीविज़न के बारे में बोला था। वो तो टेलीविज़न के उस युग में रहे थे, जब इन्टरनेट का अविष्कार भी नहीं हुआ था; अतः उन्होंने उस टेलीविज़न के विरोध में ही बोला था। उन्होंने चलचित्र और सिनेमा के विरोध में बोला, और उन्होंने टेलीविज़न के विरोध में बोला। परन्तु टेलीविज़न की भ्रष्टता ऐसी है, बहुत से लोगों ने तो इसका मूल्यांकन भी नहीं किया है। **यह तो शैतान का अश्लील–वाहियात, दुष्ट भ्रष्टता और कुकर्मता को उन नम्र और पाक–साफ लोगों तक पहुँचाने का एक साधन मात्र है, जो अफ्रीका में, चीन में, और भारतवर्ष में तथा शेष विश्व भर में हैं। यह उसके संचार का एक साधन है।**

मेरी बात सुनिए, अगर आपको उस टेलीविज़न या दूरदर्शन की बुराई नहीं दिख सकती हैं, जिनके बारे में मैंने कहा था, कि वे उस पर होती हैं, तो आप एक अंधे शख्स ही हैं। यह शरीर की अभिलाषा एक जगह से दूसरी जगह ले जाता है; यह आँखों की अभिलाषा एक जगह से दूसरी जगह ले जाता है; यह जीविका पर घमंड़ एक जगह से दूसरी जगह ले जाता है। दूरदर्शन अर्थात टेलीविजन ये सारी बुराइयाँ एक जगह से दूसरी जगह ले जाता है, और यह इसे संसार भर में ले जाता है। और अगर आप इस बात का दावा करते हैं, कि आप सन्देश पर विश्वास करने वाले विश्वासी हैं, और आप जाकर छुपके ब्लू फिल्में देखते हैं, तो आप दुष्टात्मा से ग्रस्त हैं। अगर आप अपनी आँखें उस पर गड़ा कर रखते हैं, तो आप एक अश्लील मसीही हैं, और आप में पवित्र आत्मा का नामोनिशान तक नहीं हैं, और आप ने नये सिरे से जन्म पाया हुआ नहीं है। आप तो सिर्फ एक मुरदा ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने तो उस सब

के खिलाफ पवित्रता के मापदंड़ को स्थापित किया, और फिर भी आप एक ऐसी भंयकर दुष्टात्मा से ग्रस्त हैं, कि आप अपने घर में केबल टी.वी लगवा कर रखते हो; आप चाहे बूढ़े हो या जवान आप भंयकर दुष्टात्मा से ग्रस्त हैं। वे तो केबल टी. वी चाहते हैं, ताकि वे उन पर ब्लू फिल्मे देख सकें। जी हाँ! और वे सोचते हैं, कि चूँकि वे अपने बच्चों को वैसी फिल्में नहीं देखा रहे हैं, और वे तो खुद ही उन्हें देख रहे हैं, अतः यह सब बिलकुल ठीक है। जी नहीं! आप ने तो नये सिरे से जन्म पाया ही नहीं है। आप तो एक मसीही हैं ही नहीं। आप के ऊपर तो शैतान सवार है, और आप खुद ही सदोम और अमोरा को इस बात की अनुमति दे रहे हैं, कि वे आपको निगल जाएं। उन चलचित्रों को देखने के लिए और उन ब्लू फिल्मों को देखने के लिए आपको तो कामवासना से भरा हुआ होना होता है, कि उन चलचित्रों में उन ब्लू फिल्मों में उन काम क्रीड़ाओं को देखें जो पुरुष और उसकी पत्नी के बीच हो रही होती हैं, वे ऐसी लीलाक्रीड़ाएं रूपहले परदे में कर रहे होते हैं, और वे वैसे ही नंगे होते हैं, जैसे वे नंगे पैदा हुए थे। उन्हें देखने के लिए तो आप को एक अश्लील–वाहियात विश्वासी बनना होता है, उन्हें देखने के लिए तो आप को एक अश्लील–वाहियात मसीही बनना होता है। आप को तो एक पूरा ढ़ोंगी–पाखंड़ी बनना होता है। आप दुष्टात्मा से ही ग्रस्त हैं, तभी तो आप उन्हें देख रहे हैं। **और मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि कौन सा प्रचारक मंड़ली में उन कामों को करने की अनुमति देता है । मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वे भविष्यद्वक्ता के कितने करीब थे। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वे कितने लम्बे अरसे से सन्देश में हैं; और वे कितना ज्यादा कहते हैं, कि वे तो टेलीविज़न पर उन्हीं कार्यक्रमों को देख रहे हैं, जो सैंन्सर हैं; प्रचारक महोदय, आपके अंदर तो एक दुष्टात्मा ही है , और आप ने लोगों के साथ विश्वासघात किया है।** और ''सात गर्जनों'' वाले प्रचारक ही एक ऐसे हैं, जिन्होंने टेलीविज़न को विश्वासियों के घरों में फिर से प्रवेश करवाया। **ठीक यहीं पर हमारे पास इस बात के गवाह हैं। हमारे पास यहाँ पर एक सेवादार है, जो उनके साथ ही प्रचार किया करता था। हमारे पास वे लोग हैं, जो उनके पीछे पीछे चला करते थे। हमारे पास वे डीकन हैं, जो उनके पीछे पीछे चला करते थे।** उन में से हर एक के घर में टेलीविज़न था। लेकिन जब उन्होंने पवित्रता का सन्देश सुना, तो उन्होंने प्रायश्चित किया, और वे आज इस सुबह यहाँ पर बैठे हुए हैं। जी हाँ!

भाई ब्रन्हम इसके पूरी तरह से खिलाफ थे, और वह कारण, जो वे इसके पूरी तरह से खिलाफ थे, यह है, क्योंकि यही हर एक उस काम को जो अनैतिक

और भद्दा है, और हर एक उस काम को जो भ्रष्ट है, सभी जगह लेकर गया है। संसार की हर एक बात, संसार का हर एक काम आप उस पर देख सकते हैं। और अगर आपके पास इन्टरनेट है, और आप इन्टरनेट लगाकर उन कार्यकलापों को छिप–छिप कर देखते हैं, तो आप पूरी तरह से एक मुरदा ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं। **स्त्री द्वारा बच्चा जनन की सम्पूर्ण प्रक्रिया इन्टरनेट पर उपलब्ध है। वह ठीक उस पर एक शिशु के बनने की सम्पूर्ण प्रक्रिया को दिखा रही है, जिससे कोई भी इसे देख सके। उस पर वह पूरी तरह से नग्न है, और एक शिशु के बनने की सम्पूर्ण प्रक्रिया को दिखा रही है, जिससे सम्पूर्ण जगत इसे इन्टरनेट पर देख ले। तुम सड़ी–गली,भ्रष्ट–भद्दी इजाबेल! उस स्त्री के सामने तो इजाबेल भी एक पाक रानी है। जी हाँ, श्रीमान! यह एक बहुत ही भंयकर बात है। और मैं आपको बताता हूँ, जिससे आप उस जैसे कार्यकलाप को इन्टरनेट पर देख सकें, आपके पास एक दुष्ट आत्मा का होना अवश्य है।** और आप जो उन फिल्माों को खरीदते हैं, और उन्हें अपने घरों में रखते हैं, और उन्हें छिप–छिप कर देखते हैं, यह तो ठीक वैसा ही है, जैसे कि टेलीविज़न को देखा जाना। जी हाँ, आप के भीतर तो ठीक वैसी ही एक दुष्टात्मा है। जी हाँ!

उस टेलीविज़न ने ठीक उस समय में लोकप्रियता हासिल की, जब संसार में वह मुक्त–प्रेम का जमाना आया। यह मुक्त–प्रेम का जमाना साठ के दशक में लगभग उस समय में आया था, जब मोहरें खोली गई थीं, और जब उन दुष्टात्माओं को पृथ्वी पर खुला छोड़ दिया गया था। और वही दूरदर्शन अर्थात् टेलीविज़न शेष जगत के पास मुक्त–प्रेम को लेकर गया, ताकि सम्पूर्ण पीढ़ी को उसके दीदार कराये, और उन्हें समलैंगिकता के विषय में शिक्षा दे, उन्हें कुमारीगमन के बारे में शिक्षा दे, उसी ने ही उन्हें उन व्यर्थपूर्ण कार्यकलापों को दिखाया जिन्हें लोगों द्वारा अपना लिया गया। वे उन कार्यकलापों को लेकर आए, जिनका सम्बंध सिर्फ शयनकक्ष से था, मगर उन्हें तो उन्होंने लोगों को रूपेहले परदे पर दिखलाया। और इस प्रकार से टेलीविज़न लोगों का गुरु बन गया। वह टेलीविज़न लोगों को शिक्षा देता है, वह उन्हें इस बात की शिक्षा देता है, कि वे किस प्रकार से कार–पार्किंग में खुले में तथा पब्लिक में खुले में प्रेम–क्रीड़ा करें। **वे सारे लोग जो वेस्ट इन्ड़िज़ में बहुत ही ज्यादा पिछड़े हुए थे, वे सारे लोग जो अफ्रीका में बहुत ही ज्यादा पिछड़े हुए थे, अमेरिकनों से भी ज्यादा और हॉलीवुड के कलाकरों से भी ज्यादा वाहियात व्यवहार करते हैं। वह बदबूदार शैतान उन पर सवार हो गया। वे मॉल में, वे उन व्यापारिक–स्थलों में कुत्तों के जैसे आचार–व्यवहार कर रहे हैं। वे तो बदबूदार ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं! ये दुनिया; परमेश्वर इसे आग से भस्म करने जा रहा है। जी हाँ,**

श्रीमान! उसने इसे आग से भस्म से करने की प्रतिज्ञा की है। *''क्योंकि देखो, वह धधकते भट्टे का सा दिन आता है, जब* ***सब अभिमानी और सब दुराचारी लोग अनाज की खूँटी बन जायेंगे; और उस आने वाले दिन में ऐसे भस्म हो जायेंगे, कि उनका पता तक न रहेगा;*** *सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।''(मलाकी 4:1)* और वह क़ोई भी ढोंगी–पाखंड़ी जो इस सन्देश के तहत पाया जाता है, वह भी इसके साथ ही भस्म हो जायेगा। जी हाँ, श्रीमान! ऐसे लोग जो इस सन्देश में हैं अपने प्राण के लिए जोखिम उठा रहे हैं, और बड़े ही पवित्र बनने का स्वांग रच रहे हैं। ऐसा कैसे हो सकता है, कि आप टेलीविज़न में अपना सिर घुसाकर रखें, और वहाँ से बिलकुल सही निकलें। जी नहीं; वैसा करने के लिए तो आपको अवश्य ही दुष्टात्मा से ग्रस्त होना होता है। जी हाँ, श्रीमान!

अतः भाई ब्रन्हम उस टेलीविज़न के अपने सम्पूर्ण हृदय से खिलाफ थे, क्योंकि वह ज़माना मुक्त–प्रेम का था, और उस मुक्त–प्रेम वाले ज़माने को दूरदर्शन के माध्यम से और पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से संसार भर में पहुँचाने के लिए संचार के इन माध्यमों का इस्तेमाल किया गया, और इसने सारे संसार भर में हिन्दुस्तानियों को भ्रष्ट कर डाला, इसने चीनियों को भ्रष्ट कर डाला, इसने नीग्रो लोगों को भ्रष्ट कर डाला, और इसने गोरे लोगों को भ्रष्ट कर डाला। क्या तुम मुझे बताना चाहते हो, कि वह––वह वस्तु परमेश्वर की ओर से ही है? **और जब इन प्रचारकों को, जब इनको ''गर्जन'' मिल गए, जब इनको अपने गर्जन मिल गए, तो इन्होंने लोगों से उस को अपने घरों में वापस लाने के लिए कह दिया। तुम तो भ्रष्ट हो। जी हाँ! और उन्होंने इससे एक कुपंथ बना डाला। उन्होंने भाई ब्रन्हम का एक हवाला ढूँढ़ निकाला जिसका वे अपने पक्ष के लिए उपयोग करते हैं, और मैं उसी हवाले को पढ़ने जा रहा हूँ।** ''गर्जन'' वाले सारे प्रचारक तथा वे सारे लोग जो टेलीविज़न देखते हैं, वे टेलीविज़न देखने के पक्ष में भाई ब्रन्हम के एक ही हवाले पर आश्रित होते हैं। और मैं आपको दिखाना चाहता हूँ, कि यह सर्प ही है जो वचन को और सन्देश को तोड़–मरोड़ रहा है। यह तो दुष्ट स्वभाव ही है जो किसी उस काम को करने के लिए जो सही नहीं है, किसी किस्म की बहानेबाज़ी करने के लिए किसी एक ही हवाले को थामना चाह रहा है, और वह उन सब हवालों को नज़रान्दज कर रहा है जो भविष्यद्वक्ता ने कहे थे, और वह तो सिर्फ एक ही हवाले को थामे रहना चाहता है। **मैं आपको 1959 में भाई ब्रन्हम द्वारा प्रश्न और उत्तर के दौरान दिये गये हवाले को बताना चाहता हूँ।**

<u>टेलीविज़न– यह मानव जाति के सर्वाधिक निन्दनीय वस्तु में से एक है</u>

428. प्र. सं. 93. ***आज रात्रि पहला प्रश्न यह है: ''भाई ब्रन्हम, मैं सोचता हूँ, कि टेलीविज़न संसार के लिए एक अभिशाप है। आप इसके विषय में क्या सोचते हैं?''*** *ठीक है, जिस किसी ने यह लिखा है, मैं आप से सहमत होने जा रहा हूँ। लोगों ने इसे जगत के लिए एक अभिशाप बना डाला है।* ***यह संसार के लिए एक आशीष हो सकता था, लेकिन उन्होंने तो इसे एक अभिशाप बना दिया है। मेरे प्यारे लोगों, जो कुछ भी आप खुद अपनी दृष्टि से देख सकते हैं, यह वही है। यदि टेलीविज़न एक अभिशाप है, तो अखबार भी तो एक अभिशाप ही है, रेडियो भी तो एक अभिशाप ही है; और बहुत सी बार टेलीफ़ोन भी एक अभिशाप ही होता है। देखिए, देखिए, समझिए, समझिए? यही है वह जो आपने उससे बनाया है। परन्तु जैसाकि किसी भाई ने किसी और रात को कहा था, कि टेलीविज़न पर मुश्किल ही कोई अच्छा कार्यक्रम होता हो; और उसके लिए बहुत अधिक धन व्यय किया जाता है। गरीब प्रचारक, जो फ़ुलगॉपल संस्था को प्रचार करते हैं, टेलीविज़न पर कार्यक्रम देने का खर्चा नहीं उठा सकते हैं। अतः यही कारण...मैं सोचता हूँ, कि किसी और रात को किसी भाई ने यहीं पर या कहीं पर यह कहा था, '' अपने रेडियो पर से धूल झाड़ दो।'' या किसी ने कहा था, ''उसे कोने में से बाहर निकाल लो, और उन कार्यक्रमों पर कान लगाओ। यह सच है।*** *परन्तु, प्रिय जन, आप जो कोई भी है, मैं निश्चित रूप से आप से सहमत हूँ। यह मानव जाति के लिए सर्वाधिक निन्दनीय वस्तुओं में से एक है, जो बनायी गई है।* ***(पवित्र आत्मा पर प्रश्न और उत्तर 19–12–59)***

वे इसी हवाले पर आश्रित होते हैं, जहाँ भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वे उस भाई के साथ *सहमत थे, कि यह सम्पूर्ण जगत के लिए एक अभिशाप है, और भाई ब्रन्हम ने कहा था, ''ठीक है,* ***यह संसार के लिए एक आशीष हो सकता था, लेकिन उन्होंने तो इसे एक अभिशाप बना दिया है।'' उन्होंने कहा था, '' परन्तु आप जानते हैं,जो कुछ भी आप खुद अपनी दृष्टि से देख सकते हैं, यह वही है; और इसके अलावा यह है, कि यही है वह जो आपने उससे बनाया है, और टेलीविज़न पर मुश्किल ही कोई अच्छा कार्यक्रम होता हो, जो आप देख सकते हों।'' उन्होंने कहा था, ''प्रचारक इतने निर्धन हैं, कि टेलीविज़न पर कार्यक्रम देने का खर्चा नहीं उठा सकते हैं।'' अतः उन्होंने इस हवाले को तो अपना लिया, कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, '' तुम ने ही इसे ऐसा बना डाला है।'' मगर उन्होंने उन सैकड़ों हवालों को अनदेखा कर***

दिया है, जहाँ भाई ब्रन्हम ने इसकी भर्त्सना की है। दूसरे शब्दों में तो बात यह है, कि वे दुनिया के अभिशाप को अपनाना चाहते हैं, और उससे कोई भली वस्तु बनाना चाहते हैं; ***जबकि खुद भाई ब्रन्हम ने कहा था, टेलीविज़न पर मुश्किल ही कोई अच्छा कार्यक्रम होता हो, जो आप देख सकते हो। अब मैं कह रहा हूँ, कि वह कोई भी व्यक्ति जो इस हवाले को तोड़ता–मरोड़ता है, वह कुपन्थ पर चलनेवाला शख्स है, और जो कोई टेलीविज़न को घर में वापस लेकर आता है, और उसे घर में वापस लाने के बारे में प्रचार करता है, वह कुपन्थ पर चलनेवाला शख्स है, और वह परमेश्वर की कलीसिया में कुपन्थ की मंज़ूरी दे रहा है।***

अब आपको सिर्फ एक ही हवाला नहीं पढ़ना है, मगर आपको तो उन सारे हवालों को ही पढ़ना चाहिए, जो भाई ब्रन्हम ने टेलीविज़न के बारे में दिये हैं। आइये मैं उन एक सौ बीस हवालों में से कुछ को ही ले लूँ, वरना मुझे आपको यहाँ पर कुछ घन्टों के लिए फिर से बुलाना पड़ेगा। मैं उन में से कुछ को आप के लिए पढ़ सकता हूँ, और जब आपको उन से तसल्ली हो जायेगी, कि– वह भाई ब्रन्हम की ही शिक्षा है, तो फिर हम रुक जायेंगे। अब मैं ''टेलीविज़न घर में वापस लाने'' वाले कुपन्थ पर ही बोल रहा हूँ। मैं पढ़ता हूँ–

ऐल्विस प्रेसली, वह तो 1947 के यहूदा इस्करियोती का एक रूप है

एल्विस प्रेसली पर दृष्टि डालिए, वह तो 1947 के यहूदा इस्करियोती का एक रूप है, ***वह गॉड ऑफ असम्बलीज़ में, पिन्तेकोस्तल कलीसियाओं में शामिल होता है, वह पवित्र आत्मा के लिए अन्यान्य भाषाओं में बोल रहा है, और उसने उससे कहीं ज्यादा प्राणों को पीड़ा और क्लेश सहने के लिए भेज दिया है, जितने कि सारे शराबखानों ने मिलकर पिछले पचास वर्षों में प्राण भेजे हों। उसने सारे संसार भर में छोटे छोटे किशोर–किशोरियों; छोटे–छोटे बच्चों के दिमागों को ऐसा दूषित कर दिया है, कि छोटी छोटी लड़कियाँ अपने अंदर के कपड़े उतार कर उसके ऊपर मंच पर फेंक देती हैं, और वह उन पर अपना ऑटोग्राफ देता है, इतना वाहियात–अश्लील है,*** *कि वे उसे टेलीविज़न पर उसकी कमर के नीचे वाले भाग से ज्यादा दिखा नहीं सकते हैं...वह इस तरह से..अपना बदन ...(क्या यही पवित्र आत्मा है, जो प्रमाण के लिए अन्यान्य भाषाओं में बोल रहा है?)* ***ओह, भाई, अगर पवित्र आत्मा वहाँ पर होता, तो यह उस प्रकार के काम ही नहीं कर रहा होता। आप तो इससे बेहतर जानते हैं। वह निश्चय ही ऐसा न कर रहा होता! परमेश्वर तो पाकीज़गी–स्वच्छता और शुद्धता और पवित्रता से ही प्रेम करता है।*** *(इब्रानियों का अध्याय 6, 08–09–57)*

वे टेलीविज़न के द्वारा आकर्षित होते हैं– उन्होंने सचमुच में नये सिरे से जन्म नहीं पाया है

29 *और ठीक यही मामला तो आज है; सारा का सारा देश पाप की ओर दौड़ा चला जाता है;* ***जगह–जगह शराबखाने खुले हुए हैं, लोग ठंड़े और गुनगुनने होते चले जा रहे हैं, रेडियो पर बिना सैन्सर किये कार्यक्रम आ रहे हैं, टेलीविज़न पर बिना सैन्सर किये कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। और यह इतना ज्यादा मनमोहक और लुभावना है, और पाप इतना ज्यादा खूबसूरत है, कि यह लोगों को आकर्षित करता है।*** *और अगर उन्होंने सचमुच में नये सिरे से जन्म न पाया हुआ हो, और उनका ध्यान मसीह पर न लगा हुआ हो, और उनका ध्यान मसीह पर एकाग्र न हो, तो वे उस व्यर्थपूर्ण वस्तु के पीछे चले जायेंगे।* ***वे उन लोगों के जैसे ही कार्यकलाप करेंगे।*** *और उस किस्म की आत्मा उन के ऊपर आ जायेगी। पुराने पिन्तेकोस्तल ऐसे हुआ करते थे, कि वे अपने बच्चों को पिक्चर का शो देखने की भी अनुमति नहीं देते थे, लेकिन शैतान ने उनकी आँखों पर पट्टी बाँध दी, और वे पिक्चर के शो ही अपने घर के अंदर लेकर आ गए।* ***यह सही बात है।*** *(गिलाद में बालाम 18–02–61)*

क्या यह सही है? हम ऐसी ही हालत में हैं। वह कोई भी जिसका मन टेलीविज़न में लगा हुआ है, और उसने अपना सिर टेलीविज़न में घुसाया हुआ है, तो भविष्यद्वक्ता के अनुसार उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। मैं अभी हाल ही में ठीक इसी हवाले पर आने वाला हूँ। आप का नये सिरे से जन्म नहीं हुआ है। अगर आप मौके भुना रहे हैं, और आप टेलीविज़न देख रहे हैं, और आप इन्टरनेट और पत्र–पत्रिकाओं में लगे हुए है, या आप ऐसा जो कुछ भी कर रहे हैं, तो ये यही दिखाता है, कि आप ने परमेश्वर के आत्मा से जन्म नहीं पाया है। अतः वे भ्रष्ट दोगले प्रचारक जो ऐसी वस्तुओं की अपनी अपनी कलीसियाओं में अनुमति देते हैं, उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। उस जैसी वस्तु को परमेश्वर के भवन में लाने के लिए आप नये सिरे से नहीं जन्मे हैं। कुछ लोग सोचते हैं, कि वे बस टेलीविजन लगायेंगे, और वे तो बस उसे इसलिए लगायेंगे, कि बच्चे ही उसे देखें, और वे तो कुछ निश्चित ही कार्यक्रम देखेंगे; तो आप खुद अपने को ही धोखा दे रहे हैं, और आप खुद अपने हृदय में एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं। आप उससे बेहतर जानते हैं। आप कभी न कभी गंदे–भद्दे कार्यक्रम देख रहे होंगे। ठीक है, मैं इसे यहाँ पर पढ़ूँगा–

तुम सिर्फ कल्पना ही कर रहे हो, कि तुम्हारे पास पवित्र आत्मा है

तुम जो यह दावा करते हो, कि तुम्हारे पास पवित्र आत्मा है, और तुम्हारे बाल तो लम्बे लम्बे बढ़े हुए हैं, और तुम साफ-सुथरे वस्त्र पहनते हो, और इसी प्रकार के काम करते हो; और जबकि तुम बुद्धवार की रात को एक कार्यक्रम देखने के लिए, टेलीविज़न का एक कार्यक्रम देखने के लिए घर पर ही रुके रहते हो, बजाये इसके कि तुम प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए गिरजे जाओ; उस टेलीविज़न पर अपनी आँखें गड़ाये रखने के लिए अपने घरों पर रुके रहते हो, ***तुम्हारे पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है, तुम तो सिर्फ कल्पना ही कर रहे हो, कि तुम्हारे पास पवित्र आत्मा है। अगर तुम्हारे अंदर पवित्र आत्मा है, तो तुम परमेश्वर के प्रेम के प्रति इतने ज्यादा समर्पित होते, कि तुम उसके लोगों से बिलकुल भी दूर नहीं रह सकते। तुम पर तो प्रार्थना सभा में आने के लिए ज़ोर डाला जाता है।*** *(कल्पना कर रहे हैं 17/1/62)*

भाई ब्रन्हम के सन्देश के अनुसार तो आप के पास पवित्र आत्मा है ही नहीं, चाहे आप लम्बे लम्बे लबादे क्यों न पहनती हों, और चाहे आपके बाल लम्बे क्यों न हो, और चाहे आप साफ-सुथरे वस्त्र क्यों न पहनते हों, अगर आप उस टेलीविज़न पर ही आँखे गड़ाये रखने के लिए अपने घर पर रुके रहते हैं, तो आपके पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है। और कोई भी ढ़ोंगी-पाखड़ी एक टेलीविज़न खरीद कर उसे अपने घर में छिपा कर रखेगा, और वह टेलीविज़न देखने की खातिर घर पर ही रुका रहता है, जबकि उसके आसपास के लोग प्रार्थना सभा में जाने की वज़ह से वहाँ पर नहीं होते हैं; ऐसा व्यक्ति तो शैतान की ही गिरफ्त में है। तुम ने ने सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, तुम्हारे पास पवित्र आत्मा नहीं है, और जैसा कि तुम ने इसके बारे में भाई ब्रन्हम के सन्देश में पढ़ा है, और यहाँ पर पवित्रता के मापदंड़ों का प्रचार होते हुए सुना है, और अगर फिर भी तुम अपने शयन कक्ष में टलीविजन को छिप-छिपकर देखते हों, तो तुम टेलीविज़न को अपने शयन कक्ष में छिपा कर रखने और उसे छिप-छिपकर देखने के लिए एक मृत ढ़ोंगी-पाखंड़ी हो, तुम एक अश्लील-कामवासना से भरे हुए ढ़ोंगी-पाखंड़ी हो; और तुम्हारे भीतर कामवासना ही भरी हुई है; तुम्हारे भीतर दुनियादारी ही भरी हुई है। केवल यही एक तरीका है, जो आप ऐसा कर सकें। यह बिलकुल ठीक बात है।

ये यही दिखाता है, कि आप के अंदर किस प्रकार की आत्माएं हैं

देखिए, कि हम चाहते क्या है। हम टेलीविज़न अर्थात् दूरदर्शन पर अपनी नज़रें गड़ाये रखना चाहते हैं।यही है वह जो हम चाहते हैं। हम चाहते हैं, कि उन टेलीविज़नों पर इन हास्य-कलाकारों में से कोई खड़ा हुआ हो, और वह सभी प्रकार के गंदे-भद्दे चुटकुले सुना रहा हो, और इसके लिए तो हम बुद्धवार की प्रार्थना-सभा को छोड़कर अपने घर पर टेलीविज़नों के आगे बैठे रहते हैं, और या प्रचारक हमें जल्दी छोड़ देगा, जिससे हम जाकर उस कार्यक्रम को देख सकें, जिसमें कोई पुरानी वाहियात, गंदी-भद्दी वेश्या जिसने पाँच या छः बार शादी की हुई होती है, गंदे-वाहियात चुटकुले-व्यंग आदि छोड़ रही होती है, और उसने कामोत्तेजक पोशाक पहनी हुई होती है, और वह इसी प्रकार का सब कुछ कर रही होती है, और *आप उससे परमेश्वर के भवन से कहीं ज्यादा प्रेम करते हो। ये यही दिखाता है, कि आप के अंदर किस प्रकार की आत्माएं हैं।* (एक सच्चे भविष्यद्धक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13-5-62)

मैं कठोर-निष्ठुर नहीं रहा हूँ; मैं कोई सिद्धांतवादी नहीं रहा हूँ। अगर तुम मेरी एक सिद्धांतवादी के रूप में भर्त्सना करते हो, तो भाई ब्रन्हम भी एक सिद्धांतवादी ही थे। और मैं तो वहीं कह रहा हूँ, जो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था। **उस टेलीविज़न पर निगाहें गड़ाये रखने के लिए तो आप के अंदर एक वाहियात-गंदी, अश्लील आत्मा होनी होती है, और इसमें बहुत ज्यादा देरी नहीं लगती है, कि टेलीविज़न आपको बिगाड़ कर रख दे, क्योंकि शीघ्र ही आप उन फैशनों और स्टाइलों की ख्वाहिश कर रहे होते हैं, आप उस महिला के जैसे रहना चाहेंगी, जिसे आप टेलीविज़न पर निगाह जमाये देखती हैं, और वे दुष्टात्माऐं आपको अपनी गिरफ्त में ले लेंगी। जी हाँ!**

ये यही दिखाता है, कि लोगों के हृदय कहाँ पर लगे हुए हैं

52 ***हमें तो वचन के साथ साथ ही आगे बढ़ना चाहिए।*** *और हम आज बहुत ही सुस्त और आलसी होते चले जा रहे है।, कलीसिया बहुत ही दुनियावी और उदासीन व नीरस होती चली जा रही है, और उनकी बुद्धि तो टेलीविज़न से बहुत ही ज्यादा भ्रष्ट हो गई है, और वे* ***''वी लव सूसी'' तथा इसी प्रकार का कोई पुराना वाहियात कार्यक्रम टेलीविज़न पर देखने के लिए घर पर ही रुके रहते हैं। ये यही दिखाता है, कि***

लोगों के हृदय कहाँ पर लगे हुए हैं। अगर आप उन्हें बता सकते हैं, कि ये बातें गलत हैं, तो वे सोचते हैं, कि आप सनकी–झक्की हैं। *यह क्या है? ''वे परमेश्वर से ज्यादा सुख–विलास ही के चाहने वाले हैं।'' समझे?* ***ओह, वह सबसे बड़ा सुख जो मैं जानता हूँ, वह है– कि मैं तब तक प्रार्थना में लगा रहूँ, जब तक कि मुझे इस बात का एहसास नहीं हो जाता है, कि मैं परमेश्वर की उपस्थिति में हूँ, और मैं उसकी इस उपस्थिति को पहचान नहीं जाता हूँ। मैं सोचता हूँ, कि पवित्र आत्मा की उपस्थिति ही कलीसिया को आनन्द और खुशी देनेवाली बात होनी चाहिए।*** *(परमेश्वर की उपस्थिति न पहचानी गई 18–06–64)*

मुझे यह बात बहुत ही प्रिय लगती है। भाइयों और बहनों, यह टेबरनिकल उसकी एक मिसाल है, और ज्यादातर लोग उसकी मिसाल हैं जो भाई ब्रन्हम ने यहाँ पर कहा था। हमारा आनन्द ना तो टेलीविज़नों के कार्यक्रमों से आता है, और ना ही खेलकूदों से आता है, और ना ही दुनियावी गीत–संगीत से आता है, और ना ही ऐसी इन सब वस्तुओं से आता है। हमारा आनन्द तो परमेश्वर की उपस्थिति ही है। यही कारण है, कि हम तो परमेश्वर की उपस्थिति में बैठकर लगभग दो दिन बिता सकते हैं।यही कारण है, कि हम ''मैं हूँ उसकी उपस्थिति में'' गीत को पौन घन्टे या घन्टे भर बिना उबे या थके गा सकते हैं। जी हाँ! और गीत लिखनेवाला कहता है,'' उसकी उपस्थिति में, होता हूँ, मज़बूत मैं''; और हमारे लिए यह गीत कदाचित पुराना नहीं हुआ है। यह हमारा आनन्द है, यह हमारा सुख–चैन है; और जब आप उस प्रकार की प्रार्थना–सभा में परमेश्वर की उपस्थिति का आनन्द ले सकते हैं, तो आप उसके एक भाग बन जाते हैं, और आप तो बस परमेश्वर की आराधना–उपासना करते हैं, और उसके सम्मुख अपने आँसू बहा देते हैं, और यह आपके दिल को चूर–चूर कर डालता है, और ऐसे में ही आप बाहर आकर यह कह सकते हैं, कि'' वह एक बड़ी ही जबरदस्त सभा थी;'' और आप परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभव करते हैं, और जानते हैं, कि वह हमारे मध्य में खड़ा हुआ है, और तब आप परमेश्वर के जन होते हैं, और उसके बाद आप पवित्रता के सन्देश का पालन करने के लिए भूखे–प्यासे हो रहे होते हैं। लेकिन मसीह वहाँ पर नहीं आ सकता है, जहाँ पर लोगों ने पवित्रता के इन मापदंड़ों को ही बदल डाला है; उन बहुत सी सगंतियों और मंड़लियों में से तो पवित्र आत्मा अपनी उड़ान भर कर जा चुका है। वे तो पवित्र आत्मा को ही शोकित कर चुके हैं, और उन्हें अब तो लोगों के लिए कोई नया मनोरंजन ढूँढ़ लेना चाहिए। अगर वे लोगों के लिए मनोरंजन नहीं ढूँढ़ेंगे, तो लोग उस कलीसिया को छोड़कर चले जायेंगे; अतः उन्हें लोगों को उन के टेलीविज़न वापस देने होंगे, क्योंकि प्रचारक नापाक

हैं, और लोग भी नापाक हैं, लोग भी भ्रष्ट व बिगड़ैल बन चुके हैं, और प्रचारक भी भ्रष्ट व बिगड़ैल बन चुके हैं। यही कारण है, कि **जब परमेश्वर के भवन में पवित्र आत्मा नहीं है, तो आपको मनोरंजन के कार्यक्रमों की जरूरत पड़ती है,** आपको लोगों को खेलकूद के मैदानों में लेकर जाने की जरूरत पड़ती है; आप को उन डीकनों में से किसी एक को कप्तान बनाने की जरूरत पड़ती है। जी हाँ! आपको उनके लिए सैर–सपाटे अयोजित करने पड़ते हैं; आपको उनके लिए कैम्प मीटिंग आयोजित करनी पड़ती हैं; और आपको उन्हें टेलीविज़न देने पड़ते हैं। अतः अब आप पवित्रता के सन्देश के उल्ट ही जीवन बसर करते हैं, और पवित्र आत्मा को परमेश्वर के भवन से ही दूर भगा डालते हैं, और इस सब के लिए प्रचारक को कार्यक्रमों को विकल्प के रूप में अपना लेना पड़ता है। **जब वे झूठे गर्जन वाले कुपंथ को अंदर लेकर आए, तो उन्होंने परमेश्वर का सामना पृथ्वी पर जो सबसे बड़ा प्रकाशन है, उसको बिगाड़ने वाली दुष्ट शिक्षा के द्वारा किया, और ऐसे में पवित्र आत्मा अपनी उड़ान भर कर चला गया,** और उसके बाद उन्हें लोंगों को कलीसिया में समेट कर रखने के लिए दुनियादारी को भीतर वापस लेकर आना पड़ा, ताकि प्रचारकों की गुज़र–बसर चल सके, ताकि इन ढ़ोंगियों–पाखंड़ियों की गुजर–बसर चल सके। वे चाहते हैं, कि उन्हें दसवांश मिलता रहे, वे चाहते हैं, कि उन्हें दान और भेंट मिलती रहें; लेकिन वे परमेश्वर के लोगों की अगुवाई अधोलोक की ओर ही करना चाहते हैं। और यह बात भी सच है।

शैतान ने कलीसिया को टेलीविज़न के द्वारा धोखा दिया है

18–1 *और वैसा ही ठीक आज भी हो रहा है।* ***आज उसे टेलीविज़न,*** *पत्रिकाओं, लोगों और उन सभी मनभावने कार्यकलापों* ***के द्वारा धोखा दिया जा रहा है,*** *जो आज खुलकर सड़कों पर किये जा रहे हैं। आधुनिक लड़कियाँ पत्रिकाओं में उन तस्वीरों को देखती हैं, और उसी तरह के वस्त्र पहने सड़कों पर चलतें हुए लोगों को देखती हैं, और उन्हीं अश्लील वस्त्रों को दुकानों में बिकते देखती हैं। किस प्रकार उस शैतान ने जो, नरक तक पहुँचने का बड़ा माध्यम है, लोगों के बीच घुसकर उन्हें इन बातों से धोखा दिया है। और महिलाएं सोचती हैं, कि वे ठीक काम कर रही हैं,* ***परन्तु वे मृत हैं, और नहीं जानती हैं, कि वह मृत हैं।*** *वे तो परमेश्वर से दूर हैं।* ***(मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप*** *25–11–65)*

टेलीविज़न, अधोलोक के गड्ढ़े

243 *और हम तो किसी भी उस चीज को अपना लेते हैं जो बुरी है और हम उसे धर्म का*

नाम दे डालते हैं। लोग कहते हैं''ओह, हम तो गिरजे जाते हैं।'' तुम ठीक वापस घर जाते हो, और बुद्धवार को घर पर ही रुक रहते हो, और ***टेलीविज़न, जो कि अधोलोक के गड्ढ़े हैं, उन पर अपनी निगाहें जमाएं रहते हो।*** (**सात कलीसियायी काल** 12/5/54)

जब आप टेलीविज़न पर अपनी निगाहें जमाये रहते हो, तो तुम अधोलोक के गडढ़े ही देख रहे होते हो।

मेरे घर में कोई टेलीविज़न कदापि नहीं होगा– परमेश्वर ने ही मुझे उसे रखने के लिए मना किया था

241 **हमारे पास टेलीविज़न नहीं है। और मेरे घर में कोई टेलीविज़न कदापि नहीं होगा।** अगर आप उन्हें अपने घर में रखना चाहते हैं, यह आप पर ही निर्भर करता है। लेकिन **परमेश्वर ने ही मुझे उसे रखने के लिए मना किया था।** (परमेश्वर की रूपान्तरण करने वाली सामर्थ 31/10/65)

मैं उस दुराचारी वस्तु को अपने घर में नहीं चाहता हूँ

हमने उस स्त्री का मकान किराये पर लिया, जिसके घर में एक टेलीविज़न था। ***मैंने कभी इस बात की इच्छा नहीं रखी, कि मेरे घर में कोई टलीविज़न हो। जी नहीं, श्रीमान! मैं तो उस पर अपनी बंदूक से गोली मार कर टुकड़े टुकड़े कर दूँगा।*** *मैं उस जैसी दुराचारी वस्तु से कोई सरोकार नहीं रखना चाहता हूँ। जी नहीं, श्रीमान! लेकिन ले लिये....*(**परमेश्वर की रूपान्तरण करने वाली सामर्थ** 11/09/65)

जी हाँ, श्रीमान! परमेश्वर ने ही अपने भविष्यद्वक्ता से कहा था, कि वह कोई टेलीविज़न ना रखे। उसने तो कहा था, कि वह अपनी बंदूक से उसी गोली मारकर टुकड़े टुकड़े कर देगा ; लेकिन झूठे गर्जन वाले प्रचारक तो उसे घरों के भीतर लेकर आते हैं। वे उसे कलीसिया के भीतर लेकर आते हैं। ये प्रचारक उसे लोगों के घरों के भीतर लेकर आते हैं। ओह, हाँ! अब इसके सम्बंध में कई हवाले हैं, सिर्फ टेलीविज़न पर ही यहाँ पर तकरीबन एक सौ बीस हवाले हैं। मैं बस उन में से कुछ की ही मुख्यपंक्ति बताता जाऊँगा, जहाँ पर भाई ब्रन्हम ने टेलीविज़न के विरूद्ध बोला है। उन्होंने कहा था, मैं उसे अपने घर में से बाहर निकालकर बंदूक की गोली से उड़ा दूँगा। उन्होंने कहा था, कि यह दोगलापन उत्पन्न करेगा(अस्पष्ट शब्द 18/12/60)उन्होंने कहा था, इस पर शैतान का ही नियन्त्रण है (इब्रानियों अध्याय 3, 6/10/57) टेलीविज़न हमारे बच्चों को भ्रष्ट करता है(हम क्यों एक नामधारी कलीसिया नहीं है? 27/9/58) टेलीविज़न दुनिया को भ्रष्ट करता है (परमेश्वर के वचन को सुनना, पहचाना, और उस पर काम करना 21/2/62)। उन्होंने कहा था, कि टेलीविज़न मौत है

(जीवन के लिए प्यासे हो रहे हैं 30/6/57) टेलीविज़न–दूरदर्शन एक गंदा भोजन है (जैसे उकाब अपने घोंसले को हिलाता है 2/4/60) जो कुछ भी आप दूरदर्शन पर देखते हैं, वे सारे के सारे गंदे कार्यक्रम ही तो हैं(प्रश्न और उत्तर 3/1/54) उन्होंने कहा था, कि आपको उस टेलीविज़न का बलिदान करने की जरूरत है (उसके आने का लाल चमकता प्रकाश 23/6/63; बस एक बार और 28/6/63) ऐल्विस प्रैसली आधुनिक यहूदा है (इब्रानियों का छठवाँ अध्याय, भाग–2, 8/9/57) और यह झूठा सुकून और झूठी तसल्ली देता है(इब्रानियों अध्याय 3, 1/9/57) उन्होंने कहा था, कि अगर आप दूरदर्शन के पीछे भागे चले जाते हो, तो ये यही दिखाता है, कि तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, और तुम्हारे पास पवित्र आत्मा नहीं है (गिलाद में बालाम 18/2/61; अन्दाज़ा लगा रहे हैं 17/1/62) **उन्होंने कहा था, कि लोग कहते हैं, कि तुम टेलीविज़न के माध्यम से एक बड़ी सफलता हासिल कर सकते हो, लेकिन बड़ी सफलता तो परमेश्वर की सामर्थ और पवित्र आत्मा के साक्षात् प्रकटीकरण के द्वारा ही हासिल होती है, ना कि टेलीविज़न के द्वारा।** (दुनिया के द्वारा धोखा खाई हुई कलीसिया 28/6/59; ईस्टर की सच्ची मोहर 2/4/61)टेलीविज़न तो हैलीविज़न है, अर्थात् दूरदर्शन तो अधोलोक का दर्शन ही है(संगति के आधार 14/2/61) यह परमेश्वर की आशीषें आने से रोकता है(उसके आश्चर्यकर्म जो होते हैं 12/1/58) हॉलीवुड ने प्रचारमंचों पर कब्ज़ा जमा लिया है(प्रभाव 30/11/63) **और बिलकुल ठीक ऐसा ही हुआ है, कि टेलीविज़नों ने इस सन्देश के माननेवाले लोगों की मंड़लियों में अपना कब्ज़ा जमा लिया है।** उन्होंने कहा था, कि टेलीविज़न की वजह से ही पवित्र आत्मा बाहर निकल गया है (परमेश्वर की वह सर्वोत्तम रचना जिसकी पहचान करायी गई 5/12/64) उन्होंने कहा था, कि मेरे पास कोई टेलीविज़न नहीं है (जीवन के लिए प्यासे हो रहे हैं 30/6/57) कलीसिया फिल्मी कलाकारों के पहरावों और हेयर स्टाइलों की नकल कर रही है (तेरी प्रेममयी करूणा 28/2/58) हर एक घर में टेलीविज़न है(जलने रखने वाला भविष्यद्वक्ता 25/11/56) यह आपके प्राण पर असर डालता है (नेतृत्व 7/12/65) मैं कभी भी दूरदर्शन के कार्यक्रम में नहीं गया (अंत समय का प्रचारकार्य 3/6/62) उन्होंने कहा था, कि अपने आप को दूरदर्शन से दूर रखना(परमेश्वर की रूपान्तरण करनेवाली सामर्थ 11/9/65) मसीह पर दृष्टि लगाये रहो, ना कि दूरदर्शन पर (जलन रखनेवाला भविष्यद्वक्ता 25/11/56) लोग टेलीवज़नों के कार्यक्रमों से प्रेम रखते हैं, और वे उन्हीं पर अपनी आँखें गड़ाये रहते हैं, और वे दूरदर्शन से परमेश्वर से ज्यादा प्रेम करते हैं (एकत्व का मेल 28/1/58, स्मुरना कलीसियायी काल,6/12/60, सुलैमान से बढ़कर 28/6/63, इस समय का चिन्ह 13/11/63)

दूरदर्शन पागलपना पैदा करता है, वह बीमारियाँ और मानसिक मूर्खाता पैदा करता है (परमेश्वर का आराधना का प्रदत्त किया हुआ स्थान 25/4/65) यह बच्चों में दिमागी कुरीतियाँ पैदा करता है(दस लाख में एक 25/4/65; परमेश्वर की रूपान्तरण करनेवाली सामर्थ) मैथोडिस्टों की दूरदर्शन पर रॉक एन रोल पार्टी होती है(अगली और पिछली वर्षा 3/3/60)उन्होंने कहा था, अब तुम्हारे घर में ही चलचित्र व फिल्में चलती हैं, जबकि पिन्तेकोस्तल थियेटर हाऊस भी नहीं जाया करते थे (सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13/5/62, सांझ के समय का सुसमाचारदूत 16/1/63)उन्होंने कहा था, जब भी तुम अपना सिर टेलीविज़न में घुसा कर रखते हो, तो हर बार तुम अपना आत्मिक आनन्द खोते चले जाते हो (गिलाद में बालाम 18/2/61) पास्टर-याजक अपनी मंड़ली को दूरदर्शन देखने की अनुमति दे देता है, ताकि इसे अपनी पगार मिलती रहे(वफादार अब्राहम 15/4/59) जब पास्टर कलीसिया को जल्दी नहीं छोड़ता है, कि वे जाकर अपना पसंदीदा कार्यक्रम दूरदर्शन पर देख सकें, तो वे पास्टर को ही खरी-खोटी सुनाने लगते हैं (इफिसुस का कलीसियायी काल 5/12/60)उन्होंने कहा था, टेलीविज़न ने पिन्तेकोस्तलों की परमेश्वर से दूर अगुवाई कर डाली है(भविष्यवाणी द्वारा स्पष्ट की गई आधुनिक घटनाएं 6/12/65) लोग दूरदर्शन के कार्यक्रमों के जाल में फंसे हुए हैं (शालोम 12/1/64, दस लाख में एक 25/4/65) दूरदर्शन के कार्यक्रम लोगों को बिगाड़ते हैं, उन्हें दूषित करते हैं (शैतान की अदन की वाटिका 29/8/65) उन्होंने कहा था, लोग को तो टेलीविज़न के कार्यक्रम ही चाहिएं, वे प्रार्थना करना नहीं चाहते हैं(हे प्रभु! बस एक बार और! 20/1/63) यह अशुद्ध-नापाक फल पैदा करता है(मिलाप का एकत्व 28/1/58) उन्होंने कहा था, कि मैं दूरदर्शन के खिलाफ हूँ(कटनी का समय 12/12/64) वेश्याओं को दूरदर्शन पर ऐसा पेश किया जाता है, कि लोग उनकी मूर्तिपूजा करते हैं(मूसा पर शिक्षा 13/5/56) दूरदर्शन ने प्रार्थना-सभाओं को हटा दिया है (दीवार पर हस्तलेख 8/1/58) इसने कलीसियाओं में से प्रार्थना सभाओं को दूर कर दिया है(कलीसिया और उसकी स्थिति5/8/56, जब उनकी आँखें खुलीं 21/4/57) अपने आप को टेलीविज़न से अलग कर लो(टोकन अर्थात् चिन्ह 28/11/63) फिल्मी सितारे लोगों के लिए बुत बन चुके हैं, जिनकी वे पूजा करते हैं (परमेश्वर के प्रति आश्वस्त होना 25/1/59) दूरदर्शन के कार्यक्रम सड़ेगले हैं (जब उनकी आँखें खुलीं; इब्रानियों का दूसरा अध्याय 25/8/57) उन्होंने कहा था, कि एक पिशाच ने उन्हें दबोच लिया है(चिन्ह की आवाज़ 21/3/64) लोग टेलीविज़नों के कार्यक्रम देखने में बहुत ही ज्यादा व्यस्त हैं (जब उनकी आँखें खुलीं16/4/64) उनके पास तो दूरदर्शन के बहुत ज्यादा कार्यक्रम हैं(जैसे उकाब अपने घोंसले को हिलाता है 2/4/64) वे दूरदर्शन के उन कार्यक्रमों को देख रहे हैं,

जो सैन्सर भी नहीं हैं(प्रश्न और उत्तर 28/6/59) दूरदर्शन के कार्यक्रम नापाक-अशुद्ध हैं, आप केवल वाहियात चीजें ही देख रहे हैं(प्रश्न और उत्तर3/1/54)उन्होंने कहा था, अगर आप दूरदर्शन के कार्यक्रम देख रहे हैं, तो आप सिर्फ उन के कलाकारों का ही महिमागान कर रहे हैं (परमेश्वर की रूपान्तरण करनेवाली सामर्थ 11/9/65) दूरदर्शन के कार्यक्रमों को देखना इस बात को प्रकट करता है, कि आप में किस किस्म की आत्मा है(सच्चे भविष्यद्वक्ता का कार्य करने का ढ़ंग 13/5/62, चिन्ह की आवाज़ 13/3/64) **जी हाँ! अगर आप टेलीविज़न के** कार्यक्रम देख रहे हैं, तो आप दुष्टात्माओं से ग्रस्त हैं, और आपके अंदर संसार का प्रेम है और आप संसार के कामों को ही दूरदर्शन पर निहार रहे हैं। वह सब कुछ जो टेलीविज़न पर है, वह सिर्फ शरीर की अभिलाषा, आँखों की अभिलाषा और जीविका पर घमंड़ ही तो है। जी हाँ, यह सच है, कि यह सब कुछ ही तो उस पर होता है, कि आप अपना सिर टेलीविज़न में घुसाए बैठे रहते हो और आप उस पर गंदी-नंगी मूवी देखते हो, आप उन अश्लील कार्यक्रमों को देखते हो, और उन्हीं से आप अपने पहरावों के नमूने और स्टाइल चुनते हो, उसी से तुम अपने बोलने चालने का स्टाइल ग्रहण करते हो, और तुम उसी से अपने बाकी कार्यकलापों के लिए भी नमूना हासिल करते हो; तुम्हारे अंदर तो एक शैतान पैंठा हुआ है। पवितत्रा या अधोलोक! भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि टेलीविज़न स्त्रियों को धोखा दिये बैठा है(मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप25/11/65) वह अपना जन्मसिद्ध अधिकार टेलीविजन के कार्यक्रमों के लिए नहीं बेचेगा(जीवन के लिए प्यासे हो रहे हैं 30/6/57) और उन्होंने कहा था, तुम्हारा आदम वाला पुराना स्वभाव दूरदर्शन की ओर झुकता चला जा रहा है(नेतृत्व 7/12/65)

अब आप मुझे बतायें, कि क्या आप परमेश्वर के वचन को तोड़े बगैर ही अपने घर में टेलीविज़न रख सकते हैं? मेरे अज़ीजों, जो मैंने तकरीबन एक सौ तीस हवाले दिये हैं, उन्हें भाई ब्रन्हम के 1957से लेकर 1965 तक के सन्देशों में से, तथा तकरीबन चार सौ टेपों में से ही लिया गया है और उन लोगों के पास सिर्फ एक ही ऐसा हवाला है, जिसकी वजह से वे सोचते हैं, कि **उनके पास अपनी बात को तर्कसंगत करना के तर्क हैं, और वह यह हवाला है, जहाँ भाई ब्रन्हम ने कहा था, *''यही है वह जो आपने उससे बनाया है।''* मैं इस कुपंथ की शैतान के कुपंथ के रूप में भर्त्सना करता हूँ। मैं इसकी संसार के कार्यकलाप के रूप में भर्त्सना करता हूँ, वह कोई भी प्रचारक चाहे वह जो कोई भी हो, और चाहे वह इस बात का दावा करें कि वह गर्जनों का प्रचार करता है, या चाहे वह इस बात का दावा करे, कि वह गर्जनों का प्रचार नहीं करता है, अगर वह लोगों के घरों में टेलीविज़न वापस लेकर आता है,**

और खुद उस प्रचारक के घर–परिवार में एक टेलीविज़न है, कि उसके घराने के लोग दूरदर्शन देखें, तो वह प्रचारक दुष्टात्मा से ग्रस्त है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, वाहे वह एक भविष्यद्वक्ता हो, चाहे वह एक पास्टर–याजक हो, चाहे वह एक शिक्षक हो, या चाहे वह प्रचारक ही क्यों न हो, और चाहे वह यह क्यों न कहता हो,'' परमेश्वर ही नीचे उतरकर आता है''; आप तो दुष्टात्मा से ग्रस्त हैं। जबकि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने लगभग चार सौ टेप पर इसके खिलाफ बोला है, उसके बाद भी तुम मुझे यह बताना चाहते हो, कि ये लोग एक ही हवाले को बाहर ले सकते हैं, और उसी पर आश्रित हो सकते हैं, और उस हर एक व्यक्ति से लड़ाई कर सकते हैं, जो टेलीविज़न के विरोध में प्रचार करता है। मेरे प्रिय, ये यही दिखाता है, कि एक प्रचारक के रूप में आप ने नये सिरे से जन्म नहीं लिया है, ये यही दिखाता है, कि आप के पास पवित्र आत्मा नहीं है; ये यही दिखाता है, कि आप एक भ्रष्ट प्रचारक हैं और और ठीक वहाँ पर आप सिर्फ निकम्मा फल ही पैदा कर सकते हैं। ठीक है, बच्चों, मैं तुम से एक प्रश्न पूछता हूँ, क्या तुम सोचते हो, कि वे प्रचारक जो इस सन्देश का संसार भर में चारों ओर प्रचार कर रहे हैं, और जो प्रचारक गर्जनों का संसार भर में चारों ओर प्रसारण कर रहे हैं, क्या उन में से बड़ी संख्या में प्रचारक प्रचारमंच पर आकर इन हवालों को ठीक वैसे बता सकते हैं, जैसा कि इस सुबह आप मुझे इन्हें यहाँ पर बताते हुए सुनते हैं? आइये मैं आपकी आवाज़ें सुनूँ।(*सभा कहती है, ''जी नहीं''*) जी नहीं! वे उन हवालों को उस प्रकार बता ही नहीं सकते हैं, इससे तो वे खुद ही ढ़ोंगी–पाखंड़ी के रूप में बेनकाब हो जायेंगे, यह उन्हें सन्देश के बिगाड़नेवालों के रूप में बेनकाब कर देगा। यह उनके गर्जनों को अधोलोक के गडढ़े से आये हुए गर्जनों के रूप में बेनकाब कर देगा। **वे कोई भी गर्जन जो लोगों के घरों में, लोगों के जीवनों में और पास्टर के घर में टेलीविज़न को वापस लेकर आता है, वह अधोलोक से ही आता है।** जी हाँ, श्रीमान! आपने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है।

हॉलीवुड के ये बदबूदार, घिनौने कलाकार अपने शयन–कक्ष की लीलाक्रीड़ाओं को फिल्मी परदे पर खुल्लमखुला लेकर आते हैं, और युवा पुरुषों और युवा स्त्रियों को इस बात की शिक्षा देते हैं, कि वे भी ऐसा ही पब्लिक में खुले में करें, वे पुरुषों को शिक्षा देते हैं, कि वे एक दूसरे के मुँह पर चुम्बन करें; ये घिनौने–बदबूदार समलैंगिक पुरुष ठीक आपके टेलीविज़नों पर, ब्लू मूवी में गंदी–भद्दी हरकतें करते दिखाई देते हैं। मित्र, मैं लीलाक्रीड़ा के विषय में बोल रहा हूँ। मैं अपने जीवनकाल में एक बार न्यू यॉर्क गया था, कि देखूँ, वह कैसा दिखाई देता है, और मैंने एक बहुत बड़े विज्ञापन बोर्ड पर यह लिखा देखा,'' स्टेज पर समलैंगिकता का सीधा प्रसारण।'' **परमेश्वर तो अमेरिका को जल डालेगा; परमेश्वर**

का भविष्यद्वक्ता इसकी पहले ही भविष्यवाणी कर चुका है। उसके दो इमारत आगे ही नीचे की तरफ जाने पर एक और विज्ञापन बोर्ड पर यह लिखा हुआ था,''नंगी औरत को देखने के लिए पच्चीस सैन्ट लगेंगे।'' जी हाँ, मित्र, नग्न महिला के लिए पच्चीस सैन्ट;'' स्टेज पर समलैंगिकता का सीधा प्रासरण देखने के लिए पच्चीस सैन्ट।'' जी हाँ, श्रीमान! मुझे एक और स्थान पर ले जाया गया, और वहाँ पर सिर्फ समलैंगिक किस्म के ही लोग रहते हैं। पुरुष पुरुष को ही बांहों में लेकर चूम रहे थे; वे आपस में एक दूसरे को चूम रहे थे, और एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए सड़क पार कर रहे थे; वहाँ पर सिर्फ पुरुष ही थे; वह एक बहुत बड़ा इलाका था, जहाँ पर सिर्फ समलैंगिक पुरुष ही रह रहे थे। इसके बाद वह मुझे एक और स्थान पर ले गया, जहाँ पर सिर्फ समस्त्री–लैंगिकता पायी जाती है, वह भी एक बहुत बड़ा इलाका था; वहाँ पर स्त्री स्त्री को बाहों में लेकर चूम रही थीं; वे एक दूसरे का चुम्बन कर रही थीं, और ऐसी ही हरकतें करती हुई सड़कों पर चल रही थीं। इसके बाद वहे मुझे एक और स्थान पर ले गये, और बोले,'' यह वेश्याओं का इलाका है।'' बोले,'' यही वह जगह है जहाँ पर ट्रीनिडाड के लोग आते हैं,और अपने रोगों को हासिल करते हैं, और इन बीमारियों और रोगों को लेकर वापस कैरीबियन में चले जाते हैं।'' क्या आप सोचते हैं, कि जिस हालत में यह संसार है, यह उसी हालत में यूँ ही चलता रहेगा? परमेश्वर तो इसे जलाने जा रहा है; और जो कोई भी ढ़ोंगी–पाखंड़ी उन कामों को करता है, इसी संसार के साथ जल जायेगा, चाहे आप इस बात का ही दावा क्यों न करते हों, कि आप इस सन्देश का विश्वास करते हैं, चाहे आप इस बात का ही दावा क्यों न करते हों, कि आप एक मसीही हैं, परमेश्वर तो आपको सदोम और अमोरा के साथ ही जला डालेगा; जैसाकि उसने लूत की उन पुत्रियों को जला डाला था, जो सदोम में से बाहर निकलकर आना नहीं चाहती थीं। जी हाँ, और जो हम आज देख रहे हैं, वह सदोम और अमोरा वाली ही तो हालत है। क्या आप सदोम और अमोरा की उसी आत्मा को नहीं देखते हैं? हालांकि वे सदोम में से बाहर निकल आए थे, तौभी लूत की बेटियों पर सदोम और अमोरा की वही आत्मा सवार थी? क्या कभी आपने इसके विषय में सोचा था? वे सदोम से बाहर तो निकल आए थे, तौभी उन पर अभी भी सदोम की ही आत्मा थी। लोग संस्थाओं में से बाहर निकलकर आए, लेकिन अभी भी उन पर सदोम की ही आत्मा है। लोग सन्देश के पीछे पीछे चलते हैं, लेकिन अभी भी उन पर सदोम की ही आत्मा है। आप क्या सोचते हैं, कि यह क्या था, जिसने उन दोनों लड़कियों से ऐसा करवाया, कि वे अपने बाप के साथ रहें। यह सदोमी आत्मा ही थी, यह घर–कुटुम्ब में व्यभिचार करवाने वाली ही आत्मा थी, जिसने उन से वैसा करवाया था; और वह कोई भी व्यक्ति जो घर–कुटुम्ब में व्यभिचार करता है, वह दुष्टात्मा से ग्रस्त है; तुम में तो किसी ढ़ीट

से भी ज्यादा बेहयाई और बेशर्मी है, कि तुम अपनी निज बेटी के साथ लेटो। तुम तो एक निरे अश्लील पुरुष हो। जब तुम अपनी ही निज बेटी के साथ रह सकते हो, तो मुझे इसके बारे में सोच कर ही उल्टी आने को हो जाती है। और जो माँ अपने निज बैटे के साथ ऐसे रहती है.....मुझसे इस बाबत समुंद्र पार के लोगों ने अपने पाप के अंगीकार किये हैं; एक विशालकाय पुरुष मेरे पास आया और मुझ से बोला,''भाई ब्रूस, मुझे कोई बात कहनी है, कि मै अपनी सारी जिन्दगी भर अपनी....के साथ रहा हूँ....मैं इस बोझ को अपने सीने पर से उतार देना चाहता हूँ।'' मैंने उससे कहा,''आप ज़ारी रखें।'' वह बोला,'' मैं अपनी ही माँ के साथ रहा हूँ।'' मैंने उससे पूछा,'' यह ऐसा क्या था, जिसकी वजह से तुम अपनी माँ के साथ रहे?'' वह बोला,'' मेरा बाप तो फौज़ में चला गया था, और तब मैं 17 साल का था; और वह मुझे बिस्तर पर ले गई और मुझ से कहा, कि मैं उसके साथ रहूँ।'' मेरे भाइयों, हम इसी किस्म के जगत में रह रहे हैं। यही तो सदोमी हालत है। वह एक आत्मा ही तो थी, जिसने इस युग को अपने कब्ज़े में ले लिया है। लड़के, मैं आपको बताता हूँ! इसके लिए तो अत्याधिक बेहयाई और बेशर्मी की, और कई हजारों दुष्टात्माओं से भर जाने की जरूरत होती है, कि आप अपनी ही निज माँ के साथ रहें। ऐसा करने के लिए तो आप को एक अश्लील–वाहियात मनुष्य बनना होता है, और ऐसे में आप इस ज़मीन पर रहने के भी काबिल नहीं हैं, आप तो सिर्फ नरक जाने के लिए ही बर्बाद हो चुके हैं। बिलकुल ठीक ऐसी ही बात उस पुरुष के लिए लागू होती है, जो अपनी ही निज बेटी के साथ रहेगा। आप एक अश्लील–वाहियात मनुष्य हैं। पवित्रशास्त्र में इन सब कामों को दंड़ के लायक ठहराया गया है, और पुराने नियम की नैतिक व्यवस्था में कभी कोई रद्दोबदल नहीं हुई थी; ऐसे कामों का दंड़ था–सज़ा–ए–मौत। जी हाँ, श्रीमान! इन सारी बातों का उल्लेख परमेश्वर की व्यवस्था में किया गया है; घर–कुनबे में किये जाने वाले व्यभिचारों का भी उल्लेख उस में किया गया है। मेरे पास वे भी अंगीकार हैं, जिनमें लोगों ने जानवरों के साथ सहवास करने के अपने गुनाह कबूल किये हैं, जी हाँ, श्रीमान; और यह दुराचार व्यापक रूप में फैला हुआ है। आप उन दुष्टताओं और दुराचारों के बारे में बात करते हैं, जो टेलीविज़न के माध्यम से आती हैं।

ऐसा हुआ था, कि किसी और दिन मुझे अखबार पर सरसरी निगाह डालने का मौका मिला था; और उस में एक स्क्रीन स्टार के बारे में छपा था, और कह रही थी, कि वह कुँवारी है; और वह शादी करने वाली थी; और जब उन्होंने उससे साक्षात्कार किया, तो उन्होंने उस से पूछा था,'' क्या आप सचमुच में एक कुँवारी हैं?'' वह बोली,'' जहाँ तक शारीरिक प्रमाणों की बात है, मैं एक कुँवारी ही हूँ; लेकिन फिर भी मैं यौन–क्रियाओं के कई अनुभव

अपने लड़के–मित्र से प्राप्त कर चुकी हूँ।'' मेरे भाइयों और बहनों, क्या आप जानते हैं, कि वे आज अपने कुँवारेपन को सुरक्षित रखने के लिए क्या करते हैं? मैं यह सुनकर भौंचक्का रह गया, कि जवान लड़कियाँ पुरुषों को पीछे से लीलाक्रीड़ाऐं करने की अनुमति देती हैं; वे उनके साथ अप्रकृत मैथुन करते हैं; और वे उनके साथ मुख–मैथुन करते हैं; और यह दुष्कर्म यहाँ हमारे देश में भी व्याप्त होता चला जा रहा है। मैंने उस एक भाई से बातें सुनी थीं, जो समाज के ऊँचे तबके के कई लोगों को तथा ऐसे ही और दूसरे लोगों को जानता है। मैं उस बात पर यकीन नहीं कर सका, कि वही उनका अपने कुँवारेपन को सुरक्षित रखने का तरीका है। आप लोग जो वहाँ पर हैं, इन अभिभावों के लिए मुझे क्षमा करे, लेकिन आपको यह सब जानना है। वे ऐसी लीलाक्रड़ाएं करते हैं, जो कुदरती नहीं हैं। आप ने उन बलात्कार के मामलों के बारे में तो सुना होगा; आप ने उनके बारे में समाचार–पत्रों में तो पढ़ा होगा, और अगर आप यह जानना चाहते हैं, कि आज संसार में क्या हो रहा है, तो आप यह सुनेंगे, कि एक पुरुष ने न केवल एक महिला से बलात्कार किया, वरन उसके साथ अप्रकृत मैथुन भी किया। यह वह संसार है, जो धसता चला जा रहा है। यह उस हालत में कब तक चलता रह सकता है? परमेश्वर तो इसे जलाने के लिए तैयार हो रहा है, और अगर आप यहाँ पर एक पापी हैं, तो आपके लिए यही बेहतर होगा, कि आप इस सुबह प्रायश्चित कर लें। अगर आप यहाँ पर बैठे हुए ऐसे शख्स हैं, कि आप एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी है, तो आपके लिए यही बेहतर होगा, कि आप इस सुबह प्रायश्चित कर लें।आप के लिए यही बेहतर होगा, कि आप उन दुष्टात्माओं को अपने भीतर से बाहर निकाल दें। परमेश्वर उसे स्रापित कर देगा; वह उसे जला डालेगा; यही है वह जो बाइबल कहती है। मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूँ। कितने ऐसे लोग हैं, जो परमेश्वर पर विश्वास करते हैं?(सभा कहती है,''आमीन'') मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूँ। एलिय्याह तो पहले ही आ चुका है। वह अपना सन्देश पहले ही प्रचार कर चुका है। अब इससे अगला काम जो परमेश्वर के ऐजेन्डा में है, वह संसार को जलाया जाना है। और टेलीविज़न के कार्यक्रमों पर दृष्टि डालिए, वे ही इन दुष्कर्मों को सारे जगत में भेजते हैं। लोग उस शिक्षा को हासिल करते हैं, जो उन्हें टेलीविज़न से मिलती है। लोगों को यह शिक्षा फिल्मी कलाकारों के द्वारा मिलती है। लोग इससे पहले ऐसा कदापि नहीं किया करते थे। जी नहीं! उन्हें तो इन दुष्कर्मों की शिक्षा

ठीक उस में से हासिल होती है, और वे आपको केबल टी.वी. दिखाते हैं, वे आपको ब्लू फिल्में दिखाते हैं। परमेश्वर आपका शुक्र हो, कि मैंने अपने जीवन में उन में से किसी एक को भी कदापि नहीं देखा है, और मैं उन में से किसी को कदापि देखने की परवाह भी नहीं करता हूँ। पुरुष को तो अश्लील–वाहियात बनना होता है, स्त्री को तो अश्लील–वाहियात बनना होता है,ताकि एक घन्टे के लिए, या दो घन्टे के लिए उस टेलीविज़न के सामने बैठकर उन यौन–क्रियाओं को देखें, जो स्त्री और पुरुष के बीच होती हैं। आप के अंदर कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। आप के अंदर तो वैसे ही गंदगी भरी हुई है जैसे किसी गिद्ध के पेट के अंदर गंदगी भरी हुई होती है। मित्र, उन सब को देखने के लिए आप को तो अश्लील–वाहियात पुरुष बनना होता है।

उस पर इसी किस्म के सभी बुरे काम देखने को ही मिलते हैं; वे बहुत ही अश्लीलता से एक दूसरे का चुम्बन करते हैं। उन्होंने ये सब बातें उन देशों के लोगों को सीखा डाली हैं, जो अपने हाथ तक ऊपर नहीं उठाते थे और अपनी पत्नी तक का हाथ आम लोगों के बीच सरेआम नहीं पकड़ा करते थे, लेकिन अब तो वे इतने निडर हो गए हैं, कि वे उन कामों को ही सरेआम कर रहे हैं, जिनकी जगह शयन–कक्ष थी। जी हाँ! और परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के द्वारा इसकी भर्त्सना की गई थी। मैं इसे आपके लिए पढ़ने जा रहा हूँ। इस समय इस सन्देश के अन्तर्गत लोगों को इन्हें करने की मंज़ूरी दी जा रही है। जी हाँ, ऐसा कुछ भी नहीं किया जाना चाहिए। मैं उन्हें यहाँ पर भी कोई बात बताऊँगा।

कलीसिया को तो आत्मिक गुप्त अंगों से सम्बन्धित रोग (venereal) खा चुका है

कलीसिया को तो आत्मिक गुप्त अंगों से सम्बन्धित रोग(venereal) खा चुका है, उस में तो सभी प्रकार के पन्थ और मत–वाद तथा ऐसा ही अन्य सब कुछ आ चुका है। यह गलत है। (प्रभु का दूसरा आगमन 17/4/57)

और सन्देश के अनुयायियों को तो गर्जनों पर बने मतों–वादों के आत्मिक गुप्त अंगों से सम्बन्धित रोग(venereal) के द्वारा खाया जा चुका है; अतः यही है वह जिसने मलाकी 4 के अनुयायियों को अपने गिरफ्त में जकड़ लिया है। झूठे गर्जन के प्रचारक जो कुछ भी प्रचारते हैं, उस सब से आपको मतों–वादों का आत्मिक गुप्त अंगों से सम्बन्धित रोग(venereal)ही होता है; और आप अपनी इस बीमारी के कीटाणु सभी जगह छोड़ते चले जाते हैं।

कुपन्थीय अनुच्छेद –49

विवाह से पहले चुम्बन करते हैं, तो आप इस बात के लिए बाध्य हैं, कि आप उससे विवाह करें

पुरुष स्त्रियों का चुम्बन कर रहे हैं–ऐसा बिलकुल न करें– हाथ मिलाएं

671–134 ***लगभग कुछ समय पहले किसी ने मुझे बताया था, कि उन्होंने यहीं मेरी कलीसिया में ऐसा दो या तीन बार देखा है....और इस सुबह आप यहीं पर बैठे हुए हैं, तो मैं इस बात को आपके लिए अच्छे से सुधारने जा रहा हूँ।*** *समझे? स्त्रियाँ, जवान स्त्रियाँ ऊपर आ रही होती हैं, और ये पुरुष उन स्त्रियों का चुम्बन कर रहे होते हैं। आप ऐसा बिलकुल न करें।* ***आप ऐसा बिलकुल भी न करें...आप खुद को वहाँ से दूर रखें। आप यह याद रखें। अगर वह जवान है, और वह बिनब्याही है, या वह जो कोई भी है, वह किसी न किसी दिन तो किसी की पत्नी होगी। और वैसा करने का आपका कोई काम नहीं है। आप उससे दूर रहें।*** *अगर आप उसका अभिवादन ही करना चाहते हैं, तो आप परमेश्वर के बेटे बने रहें, उससे सिर्फ हाथ मिलाएं, और कहें, ''बहन, आप कैसी हैं।'' और यह हो, कि यह बात ठीक वहीं पर निपट जाए। समझे?* ***आप उन बातों से बिलकुल दूर रहें; वह गंदी–भद्दी हैं। और वैसा करके तो आप शीघ्र ही मुसीबत में फंस जायेंगे....पाप इतना ज्यादा आसान व सहज, और भूख बढ़ानेवाला, और मनमोहक होता है; कि उस में गिर जाना बहुत ही आसान होता है। इसके मामले में जो सर्वोत्तम काम किया जाए, वह यह है, कि जैसे ही पाप की हल्की सी भी झलक दिखाई दे, आप उससे बिलकुल दूर रहें। आप उससे पीछे हट जाएं। एक असली–सच्चे*** **मसीही बने रहें।** (सी. ओ. डी. के प्रश्न और उत्तर प्रातः, 15/10/61)

अभिवादन स्वरूप स्त्रियों और पुरुषों में किये जाने वाले किसी भी प्रकार के चुम्बन की भाई ब्रन्हम ने कड़ी भर्त्सना की है। यह एक गंदगी है, और हम यहाँ पर इसकी बिलकुल भी अनुमति नहीं देते हैं। ***एक बार को लोगों ने इसे टेबरनिकल के आस–पास करना शुरू कर दिया था, और भाई ब्रन्हम ने इसकी कड़ी भर्त्सना की थी।***

किसी भी पुरुष के होंठों पर बिलकुल भी चुम्बन न करें– यह केवल दोगलापन ही आरम्भ करता है

671–137 *और पुरुष एक दूसरे का चुम्बन करें, इसके लिए यह बात है,* ***अगर आप अपने भाई के गले पर चुम्बन करते हैं, और अगर आप ऐसा करना चाहते हैं, तो यह बिलकुल ठीक है।*** *लेकिन पुरुष पुरुष के होंठों पर बिलकुल भी चुम्बन न करे,* ***वह***

उसके मुँह पर बिलकुल भी चुम्बन न करे, या ऐसा ही कुछ भी न करे; क्योंकि ऐसा करना ठीक नहीं है। *जी नहीं, यह तो यही दिखाता है, कि सबसे पहली बात तो यह है, कि आप में कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। समझे?* ***अतः आप बस वहाँ से दूर रहें; आप ऐसे कामों से बिलकुल दूर रहें।*** *यहाँ इस टेबरनिकल के आसपास ऐसा करना बिलकुल भी शुरु न करें। जी नहीं! हम उस जैसे किसी भी कार्यकलाप को बिलकुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। समझे? आप पुरुषों से मुँह से मुँह मिलाकर बिलकुल भी चुम्बन न करें; क्योंकि वह बिलकुल सही काम नहीं करेगा; ऐसा करना बिलकुल भी ठीक नहीं है।* ***और यह तो सिर्फ दोगलापन अर्थात् बिगाड़ ही आरम्भ कर देगा; यह तो सिर्फ समलैंगिकता और ऐसे ही कार्यकलाप को ही शुरु करवा देगा।*** *मैंने कलीसियाओं में देखा है, कि प्रचारक अंदर आयेगा, और जब वह अंदर आ जाता है, तो वह हर एक बहन को बांहों को ले लेता है, और उन्हें अपनी बांहों में भर कर उनका चुम्बन करता है; और उसका चुम्बन करने के बाद वह उसे नीचे बैठा देता है।* ***इसके बाद वह किसी और बहन के पास जाता है, और कहता है, '' हाल्लिलूय्याह! बहन, आप कैसी हैं?'' वह उस वाली के पास पहुँचता है, और उसे अपनी बांहों में भर लेता है, और उसका चुम्बन करता है, और वह ऐसा करते हुए गिरजे में आगे तक जाता है। मेरे समझ में तो यह बिलकुल गलत है।*** *(सी. ओ. डी. के प्रश्न और उत्तर, प्रातः15/10/61)*

हम इसका प्रचार नहीं करते हैं। ईमानदारी से कहूँ, तो मैने सन्देश के लोगों में यहाँ आसपास होते हुए नहीं देखा है। मुझे तो ईमानदार ही बने रहना है; और यह एक सराहनीय बात है। अगर ऐसा कहीं पर हो रहा है जहाँ मेरी निगाह नहीं पहुँची है, तो मैं इसकी भर्त्सना करता हूँ; यह नापाक है और ऐसा करना वचन के अनुसार नहीं है। अब आप इस पर कान लगाएं। यह किसी और बात के अंदर चली जाती है।

कभी चुम्बन न करें, जब तक कि विवाह न हो जाए, यह सम्भावित–स्वाभाविक तौर पर व्यभिचार है

किसी दूसरी रात्रि को मैं किसी जगह पर कुछ भोजन वस्तु लेने के लिए गया था, और वहाँ पर छोटे छोटे लड़के और लड़कियाँ ऐसे प्रेमालिंगन और चुम्बन कर रहे थे, कि मैं नहीं जानता हूँ, कि यह क्या है। **और मेरी छोटी बहन, क्या आप जानती हैं, कि यह सम्भावित–स्वाभाविक तौर पर व्यभिचार है? जब कोई पुरूष आपका चुम्बन करता है, तो वह सम्भावित तौर पर आपके साथ व्यभिचार कर चुका है। आप उसे अपना चुम्बन तब तक न करने दें जब तक कि आपका उसके संग विवाह न**

हो जाये; क्योंकि ग्रन्थियाँ...क्योंकि नर और मादा ग्रन्थियाँ होंठों में ही होती हैं। क्या आप इसे समझ गये हैं? और जब नर और मादा ग्रन्थियाँ एक दूसरे के सम्पर्क में आती हैं, तो आप सम्भावित तौर पर व्यभिचार कर चुके हैं, चाहे यह चुम्बन कहीं क्यों न लिया जाये। **और आपको एक लड़के को तब तक अपना चुम्बन नहीं करने देना चाहिए, जब तक कि वह परदा (VEIL) आपके चेहरे पर से न हट जाये, और आप उसकी पत्नी न बन जायें। आप ऐसा न करें। यह तो व्यभिचार करना है। यह तो नर और मादा ग्रन्थियों का मिलना है। क्यों एक पुरुष पुरुष के होंठों पर और स्त्री स्त्री के होंठों पर चुम्बन नहीं करती है? क्योंकि ऐसे विपरीत ग्रन्थियों का मिलन नहीं होता है। विपरीत ग्रन्थियों के मिलने के द्वारा ही सन्तान उत्पन्न होती है। अतः तब तो यह सब जगह लगभग पूरी तौर से सार्वजनिक तौर पर खुल्लमखुल्ला व्यभिचार है। आप रूपहले परदों पर तथा सब चीजों पर नज़र तो डालें, कि कैसे चूमा–चाटी और इसी प्रकार का सब कुछ चलता रहता है। इस में कोई आश्चर्य नहीं है, कि अनैतिकता अपनी चरम सीमा पर है। वे ऐसा कैसे कर सकते हैं;और उन स्त्रियों को मुँह में चूमने के द्वारा वे शुक्राणु ऊपर को आने लगते हैं....वे जान रहे होते हैं, कि यह व्यभिचार है।** ***और परमेश्वर इसे तब तक क्षमा नहीं करेगा, जब तक कि आप प्रायश्चित न कर लें।*** (विचित्र प्राणी 14/6/64)

भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि जब कोई युवती, जब कोई बिनब्याही नारी किसी पुरुष को अपने अधरों पर चुम्बन करने की अनुमति देती है, तो यह सम्भावित–स्वाभाविक तौर पर व्यभिचार है, क्योंकि ग्रन्थियाँ...क्योंकि नर और मादा ग्रन्थियाँ होंठों में ही होती हैं। अब बहुत से ऐसे लोग हैं, जो कुमारीगमन तथा व्यभिचार में एक बहुत बड़ा फर्क दिखाते हैं। मैं आपको यहाँ पर उस हवाले को बताने जा रहा हूँ, ताकि आप यह देख लें, कि भाई ब्रन्हम ने कहा था, कि वे जवान लड़कियाँ जो बिनब्याही हैं, वे वहाँ बाहर पुरुषों का चुम्बन कर रही थीं, और यह सम्भावित–स्वाभाविक तौर पर व्यभिचार है। यह शब्द जो कुमारीगमन(Fornication) है, इसका उपयोग व्यभिचार के सन्दर्भ में भी कर लिया जाता है, और इसका अर्थ तो वेश्यागमन ही है; और कभी कभी इस शब्द का उपयोग अविवाहित लोगों के लिए कर लिया जाता है, और कभी कभी इसका उपयोग विवाहित लोगों के लिए कर लिया जाता है। भाई ब्रन्हम ठीक इसी बात का ठीक इसी सन्दर्भ में यहाँ पर उपयोग कर रहे हैं। जी हाँ, जो कोई उस पर अपने सींग मारना चाहे वह उस पर अपने सींग मारे।

चुम्बन करने की एक बड़ी सड़ाहट पनप रही है– यह तो सार्वजनिक तौर पर किया जाने वाला व्यभिचार है

115. **लोग घर पर ही रूके रहते हैं, और वे खुद अपने आप को मसीही**

कहते हैं, और जबकि वे पैट बून जैसे चरित्रों को सुन रहे होते हैं और उन कार्यक्रमों को देख रहे होते हैं; वे उन्हें उन औरतों का चुम्बन करते हुए देखते हैं, और उन कार्यकलापों को देखते हैं, जो वहाँ बाहर होते हैं। जबकि किसी भी पुरुष को किसी भी स्त्री का तब तक चुम्बन नहीं करना चाहिये, जब तक कि वह उससे विवाह न कर ले। **ऐसा करने से नर और मादा ग्रन्थियों में आदान–प्रदान की क्रिया होती है। यह चाहे जहाँ कहीं भी किया जाए, यह गलत है।** यह सम्भावित–स्वाभाविक तौर पर काम क्रीड़ा है। **जब नर ग्रन्थी और मादा ग्रन्थी मिलती हैं, तो यह एक काम क्रीड़ा ही होती है।** पुरुष पुरुष के मुँह से मुँह मिलाकर चुम्बन करते हैं, या स्त्री स्त्री के मुँह से मुँह मिलाकर चुम्बन करती है, तो इससे मुझे उल्टी ही आ जाती है। **क्यों यह अलग है? क्योंकि यह सम्भावित–स्वाभाविक तौर पर काम क्रीड़ा है। यह सही बात है। यह उस बात की प्रतिछाया है, कि मसीह अपनी दुल्हन का चुम्बन कर रहा है। समझे? आप को वैसा कदापि नहीं करना चाहिए। परन्तु आज इस पर नज़र तो डालिए, ये सारी फिल्में तथा ये सारे ऐसे ही कार्यक्रम ऐसे हैं,** कि चुम्बन करने की और प्रेमांलिगन करने की एक बड़ी सड़ाहट पनप रही है–और तकरीबन हर जगह ही सार्वजिनक तौर पर व्यभिचार हो रहा है; और लोग तो इतने ज्यादा अंधे हैं, कि उन्हें यह दिखाई नहीं देता है। **यह सच बात है। सब कुछ सदोम की ही हालत में है, और हर जगह सदोमी हैं, जैसा कि बाइबल ने कहा था।** (परमेश्वर की उपस्थिति जिसे न पहचाना गया 18/6/64)

मसीही स्त्रियों और पुरुषों को एक दूसरे का अभिवादन करते वक्त चुम्बन नहीं करना चाहिए

669 प्रश्न– 156.क्या मसीही स्त्रियों और पुरुषों के लिए यह सही है, कि वे एक दूसरे का अभिवादन करते समय एक दूसरें का चुम्बन करें? जी नहीं, श्रीमान; बिलकुल भी नहीं! भाई, आप तो सिर्फ एक ही स्त्री का चुम्बन करें, जो कि आपकी पत्नी है(समझे?) या आप अपने बच्चे को या यह जो...समझे? ऐसे काम की तो कभी शुरूआत भी न करें। जी नहीं, श्रीमान! आप अपने को औरतों से दूर रखें। आप खुद अपने को उन से दूर रखें। यह बिलकुल ठीक बात है...कि इस काम ने अपने पाँव पिन्तेकोस्तलों में भी पसार दिये हैं, और वे इसे ''मुक्त–प्रेम''(Free Love) कहते हैं।और जब आप ऐसा कोई भी कार्यकलाप देखते हैं, तो आप अपने को उससे दूर ही रखें। यह सही बात है...मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि आप कितने पाक–साफ हैं, आप अभी भी एक पुरुष ही तो हैं। और मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि वह कितनी पाक–साफ है, वह अभी भी एक स्त्री ही तो है। **आप उस कार्यकलाप से दूर रहें जब तक कि आपका विवाह नहीं हो जाता है।** आप बस ऐसा करें...स्त्री के अंदर स्त्री वाली ग्रन्थी होती है, उस में स्त्री वाली लैंगिक ग्रन्थी होती है। पुरुष की नर ग्रन्थी होती हैं, यह लैंगिक ग्रन्थी होती है। और वे ग्रन्थियाँ मानव होंठों में पायी

जाती हैं। **यह सच है। और यहाँ पर एक और बात है, जो हो सकता है, कि उभर कर आयी हो,** वह यह है, कि पुरुष एक दूसरे के मुँह से मुँह मिलाकर चुम्बन कर रहे हैं। यह गन्दा–भद्दा काम है। यह घिनौना काम है। और यह क्या करता है? यह तो नर–समलैंगिकता(homosexuals) की ही शुरूआत कर देता है।आप ऐसी बातों से दूर रहें। अधिक समय नहीं हुआ है, कि एक व्यक्ति ने मुझसे कोई बात पूछी थी...उसने मुझे कोई बात बतायी थी, उसने कहा था,'' **भाई ब्रन्हम, क्यों, वे तो एक पवित्र अभिवादन के तहत ही एक दूसरे का चुम्बन करते हैं।'' ऐसा तो हाथ मिलने की रस्म के आने से पहले ही हुआ करता था। यह एक अभिवादन था। वे एक दूसरे के हाथ पर चुम्बन नहीं किया करते थे; वे तो एक दूसरे के चारों ओर अपनी बांहे डालकर एक दूसरे की गर्दन के पीछे चुम्बन किया करते थे;** वे एक दूसरे के चेहरे पर या एक दूसरे के होठों पर चुम्बन नहीं किया करते थे। वह एक किस्म की कामविकृति को ही जन्म दे डालेगा। आप उससे दूर रहें। आप वैसा कदापि न करें। आज काल हम एक दूसरे से हाथ मिलाते हैं। अगर आप ऐसा करना चाहते हैं...आप अपने भाई के चारों ओर अपनी बांहें डालें और उसकी गर्दन के पीछे उसका चुम्बन करें, और वह भी आपकी गर्दन के पीछे ही चुम्बन करे; और यह बिलकुल ठीक है। लेकिन आप ऐसे स्त्री का चुम्बन न करें; और न ही उसे अपना ऐसे चुम्बन करने दें....**जब भी आप पहली बार ही इस मामले में कोई हेर–फेर देखें, तो आप उससे दूर हो जाएं; आप ऐसी बातों से दूर रहें। वह ऐसा स्थान हो, कि आप उससे दूर ही रहें। शैतान तो आपको कोई ऐसी बात पेश करेगा, जिससे आपका प्राण नाश हो जाए, और वह आपको नरक में भिजवा दे। आप उससे दूर रहें। बुराई की पहली झलक देखते ही आप उससे दूर हो जाएं।** (सी. ओ. डी. के प्रश्न और उत्तर, प्रातः 15/10/61)

नैतिक तौर पर आप उससे विवाह करने के लिए कर्त्तव्यबद्ध हो जाते हैं

क्या आप यह जानते थे, कि वह पुरुष जो किसी स्त्री का चुम्बन करता है, वह नैतिक तौर पर उससे विवाह करने के लिए कर्त्तव्यबद्ध हो जाता है? **क्योंकि यह सम्भावित–स्वाभाविक रूप से एक कामक्रीड़ा ही है। निश्चय ही, यह ऐसी ही बात है। जी हाँ, श्रीमान! यह क्या है? इससे उस नर ग्रन्थी और स्त्री ग्रन्थी का आपस में मिलन होता है, जो होंठों में ही पायी जाती हैं। और जब नर ग्रन्थी और स्त्री ग्रन्थी आपस में मिलती हैं, तो यह एक कामक्रीड़ा ही होती है।** (परमेश्वर द्वारा प्रदान किया गया आराधना का स्थान 25/4/65)

जैसाकि यह बात इस कलीसिया और सन्देश के विश्वासियों के लिए है, चाहे वे जवान हों, या बूढ़ें हों, या शादीशुदा लोग हों, अगर वे बाहर जाकर

दूसरे पुरुष का चुम्बन करते हैं, और वे एक दूसरे का चुम्बन करते हैं, तो यह साम्भावित–स्वाभाविक तौर पर व्यभिचार ही है। और अगर आप बाहर जाते हैं, और किसी बिनब्याही बहन का चुम्बन करते हैं, और आप चुम्बन करने की क्रिया में तथा ऐसी ही दूसरी क्रियाओं में लिप्त होते हैं, तो आप इस बात के लिए बाध्य हो जाते हैं, कि आप उस युवती से विवाह करें। क्या इसी बात की शिक्षा परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता नहीं देता है? उसने कहा था, कि वह आपकी पत्नी बन जाती है। वे बच्चियाँ जो परमेश्वर के भवन में ही परवरिश पाकर बढ़ी हुई हैं, और परमेश्वर के भवन में पलने–बढ़ने के बाद भी अगर वे बाहर जाती हैं, और वे किसी ऐसे पुरुष के साथ लेटती हैं, जो उद्धार पाया हुआ नहीं है, या उसके साथ कुमारीगमन में रहती है, तो इसके लिए तो पहले से ही इसी बात की आवश्यकता होगी, कि वह दुष्टात्माओं से ग्रस्त हो।ऐसा करने के लिए तो आपको अपनी अन्तर्रात्मा को–अपने विवेक को दसयों लाखों बार लाँघना होता है। ऐसा करने के लिए तो आपको एक अश्लील–वाहियात किशोरी बनना होता है। ऐसा करने के लिए तो आपको दुष्टात्मा से ग्रस्त होना होता है। उतना ज्यादा गिरने के लिए तो आपको पूरी तरह से एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी बनना होता है, कि वहाँ बाहर जाओ और किसी पुरुष को अपने साथ वैसा करने दो जैसा वह करना चाहता है—एक अभक्त ऐसे पुरुष को जो सिगरटें फूं कता फिर रहा है, और दारू–शराब पीता फिर रहा है, अपने साथ वैसा करने दो। एक युवती जो परमेश्वर के भवन में परवरिश पाकर पली बढ़ी है, और जिसे उसकी माँ ने शिक्षा दी है, जिसे उसके पिता ने शिक्षा दी है, कि '' मेरी प्यारी बच्ची, तुम ऐसा न होने देना, कि कोई पुरुष तुम्हें छू भी लें। तुम ऐसा न होने देना, कि कोई पुरुष तुम्हें किसी तरह की अनाप–शनाप बातें बतायें। अगर कोई पुरुष तुम्हारे साथ कुछ भी करे, तो तुम आकर हमें बताना।'' और वह अभागी–कंगाल उन सब बातों को दरकिनारे करके उस अभक्त पुरुष के पास जायेगी, और उसके सामने अपने सारे कपड़े उतार देगी और उसके साथ लीलाक्रीड़ाऐं करेगी। ऐसा करने के लिए तो तुम्हें एक अपमानजनक मसीही बनना होता है! तुम तो अशोभनीय ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो! ऐसा करने के लिए तो तुम्हें दुष्टात्मा से ग्रस्त होना होता है। जब तुम कुत्ते के जैसे उतने नीचे गिर जाती हो, तो तुम अपनी उस माँ को ही मार डालती हो, तुम अपने उस बाप को ही मार डालती हो।

*आप जानते हैं, कि एक माँ के लिए अपनी जवान लड़की की परवरिश करना कैसा कठिन होता है, उसे तब से ही शिक्षा–तालीम देना कैसा कठिन होता है, **''तुम ऐसा न होने देना, कि कोई पुरुष तुम्हें छू भी ले।''** आपकी माँ को अवश्य ही ऐसा काम करते रहना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं कर रही है, तो वह अपना फर्ज़ नहीं निभा रही है। आपकी माँ को तो अपना वह फर्ज़ अवश्य ही निभाना चाहिये। आपको तो अपनी बच्चियों को बताना चाहिए, ''ऐसा न होने पाये; ऐसा मत होने देना; अगर कोई भी पुरुष तुम्हें छूता है, तो तुम आकर मुझे बताओ। अगर कोई भी पुरुष तुम्हारी टांगों को छूने की चेष्टा करता है, अगर कोई भी पुरुष तुम्हें चूमने की चेष्टा करता है, तो तुम आकर मुझे बताओ।'' और अगर आप ऐसा नहीं कर रही हैं, तो आप सही किस्म की माँ बिलकुल भी नहीं है। मैं एक पिता हूँ, और मैंने अपने बच्चों की परवरिश इसी रीति से की है। जी हाँ, अगर वे मुझसे कोई बात मालूम करना चाहते हैं, तो वे मेरे पास आते हैं और मुझसे उसके बारे में पूछते हैं। मैं यह नहीं चाहता हूँ, कि वे जाकर एक वेश्या से काम(sex) के बारे में मालूम करें, और वे उन से इसके, और उसके बारे में मालूम करें। वे मेरे पास आने के लिए आज़ाद हैं। वे युवा लड़कियाँ जो यहाँ पर हैं, अगर वे मुझ से कुछ पूछना चाहती हैं, मुझे कोई चिट्ठी–पत्री लिखना चाहती हैं, वे मेरे पास आयें और मुझ से अपनी बात पूछें। उन्हें बाहर जाकर किसी पुरुष से पूछने की कोई जरूरत नहीं है। उन्हें बाहर जाने की और उसका अनुभव हासिल करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे पास यहाँ पर जवानों को सलाह–मशवरा देने के लिए एक काउन्सिल है।*

जी हाँ, अतः जब आप अपना सिर टेलीविज़न में घुसाती हैं, और किसी ब्लू फिल्म को देख रही होती हैं; जबकि आप बैठकर परमेश्वर के वचन का प्रचार होते हुए सुन चुकी हैं, और अगर तुम्हारे पास कोई भक्त–धर्मी, प्यारा पास्टर याजक है, उसके बावजूद भी तुम इतने नीचे गिर जाओगी, कि इतनी दुष्ट, वाहियात–अश्लील हो जाओ, कि एक इंसान के रूप में बाहर जाओ, और अपने सारे कपड़े किसी अभक्त–अधर्मी पुरुष के सामने उतार दो, और उसके साथ लीलाक्रीड़ाओं में मगन हो जाओ, ऐसा करने के लिए तो तुम्हें दुष्ट–क्रूर इंसान ही बनना होता है। जी हाँ; और परमेश्वर तुम्हें ठीक वहीं पर उन क्रीड़ाओं के करते वक्त ही स्राप से मार सकता है, क्योंकि तुम उससे बेहतर जानती हो। अज़ीजों, और वे युवा पुरुष, अब आप चाहे जो कोई भी हैं, वे जो परमेश्वर के वचन के चौगिर्द बैठते हैं और सन्देश का अनुसरण करते हैं, और उनके पास एक भक्त–धर्मी किस्म का पास्टर–याजक हैं, और फिर भी आप इधर–उधर भागे फिरते हो और कलीसिया में जाकर किसी लड़की का चुम्बन करते हो या पब्लिक में जाकर किसी लड़की का चुम्बन करते हो, तो मेरे अज़ीज, किसी दूसरे पुरुष की बेटी को परगंदा करने के लिए आप एक बदबूदार इंसान हैं, और अगर वह एक मसीही है, तो आप इस बात के लिए कर्त्तव्यबद्ध हैं, कि आप उससे विवाह करें। यही वह बात है जो वचन कहता है। यही वह बात है जो सन्देश कहता है।

आप उस का अपने जीवनसाथी से अंगीकार करें
(व्यभिचार और कुमारीगमन)

और जब आप एक युवती के रूप में किसी युवक या पुरुष का चुम्बन करती हैं, या

कुमारीगमन में जीती हैं, या आप एक विवाहित महिला के रूप में या आप एक विवाहित पुरुष के रूप में बाहर जाते हैं, और अपने जीवनसाथी के प्रति बेवफाई का जीवन जीते हैं, यहाँ तक कि आप किसी दूसरे पुरुष को अपने चुम्बन करने देती हैं, जबकि आप शादीशुदा स्त्री हैं, या आप किसी दूसरे की पत्नी को या किसी युवती को चुम्बन करते हैं, जबकि आप एक शादीशुदा पुरुष हैं, तो आप अपने विवाह की वाचा को तोड़ चुके हैं, और इस बात का आपको अपने जीवन–साथी से इकरार करना चाहिए, अगर आाप कभी स्वर्ग राज्य में जाने की इच्छा रखते हैं। आप कहते होंगे,''प्रचारक, मैं तो उस बात का परमेश्वर से पहले ही अंगीकार कर चुका हूँ।'' परमेश्वर के भविष्द्वक्ता ने कहा था, कि आपको अवश्य ही उस बात का अपने जीवन–साथी से अंगीकार करना चाहिए। तीन पवित्र या पुनीत भरोसे (scared trusts) हैं, जो किसी भी नारी को दिये गये हैं, और उन भरोसों में से एक है आपकी शुद्धता या पाकीज़गी; अ ौर जब कभी आप अपने आपको किसी भी पुरुष से विवाह करने से पहले परगंदा कर लेती है, तो आपको अवश्य ही उस पुरुष से उन बातों का अंगीकार करना चाहिए, इससे पहले कि वह आपका हाथ विवाह में थामें। और अगर आप ऐसा नहीं करती हैं, और उसे यह सब कुछ मालूम हो जाता है, तो वह आपको तलाक दे सकता है और किसी दूसरी स्त्री से विवाह कर सकता है।

तुम्हें इसका अपने पति से अंगीकार करना है

401–प्रश्न संख्या 91, ***भाई बिल, कुमारीगमन (Fornication)और व्यभिचार(Adultery) में क्या फर्क है, जैसाकि मत्ती 19:9 इसका वर्णन करता है? यीशु ने मत्ती 19:9 में कहा था,*** *'' जो कोई व्यभिचार(कुमारीगमन–Fornication) को छोड़ और किसी कारण से अपनी पत्नी को त्याग कर, दूसरी से ब्याह करे, वह व्यभिचार(Adultery) करता है। कुमारीगमन और व्यभिचार में फर्क करने के लिए ये शब्द इन में से किसी के लिए भी लागू किये जा सकते हैं। परन्तु इस बात को* ***और भी स्पष्ट करने के लिए, कि वह वहाँ पर किस बारे में बातें कर रहा था, वह यह है–*** *एक स्त्री जो बिनब्याही है वह व्यभिचार नहीं कर सकती है, क्योंकि उसका कोई पति नहीं है जिसके विरूद्ध वह व्यभिचार करे। यह उसके लिए अशुद्धता है। अगर उसने ऐसा किया है, तो उसे इस बात को अपने पति से स्वीकार करना है, इससे पहले कि उनका आपस में विवाह हो। अगर वह उसका उससे अंगीकार नहीं करती है, और आगे चलकर उसके पति को यह मालूम हो जाता है, तो वह उसे तलाक देकर छोड़ सकता है, क्योंकि उसने झूठी वाचा खायी है। क्योंकि* ***बाइबल कहती है,''तुम यह भली–भाँति जान लो....'' या रीति ऐसा कहती है। ''तुम यह भली–भाँति जान लो..****(यह बात मेरी वाली में तो है) अगर कोई युगल परममेश्वर के वचन के अतिरिक्त किसी और रीति से विवाह के बंधने में जुड़ें, तो उसका विवाह व्यवस्था के मुताबिक नहीं है....'' **अधिक समय नहीं*

हुआ, कि एक महिला मेरे पास आयी थी, और उसने मुझसे कहा था,''ओह, मैं उस सब का अंगीकार कर चुकी हूँ।'' वह अधीर या नर्वस थी, और उसकी हालत बड़ी ही ज़रजर थी, और वह बोली,''मैं इस सब का परमेश्वर से अंगीकार कर चुकी हूँ।'' मैंने उससे कहा, *'' आपको इसे आपने पति से स्वीकार करना होगा। यह परमेश्वर नहीं है, जिसके खिलाफ आपने व्यभिचार किया था; यह तो आपका पति ही था, जिसके खिलाफ आपने ऐसा किया था।''* ***और यह बिलकुल ठीक बात है। और अगर कोई पुरुष किसी युवती से विवाह करता है, और उस युवती ने उस से विवाह करने से पहले नापाक जिन्दगी बितायी थी, तो वह युवती उस पुरुष के पास आए, अगर उनकी शादी को काफी समय हो गया है, वह उस के पास आये और उससे कहे,'' प्रिय, मैं तुम्हें कोई बात बताना चाहती हूँ। मैं किसी दूसरे पुरुष के संग भाग गई थी; और मैंने यह बात तुम्हें कभी नहीं बतायी।''*** *यीशु ने कहा था, कि उसे उस युवती को त्याग देने का और किसी दूसरी स्त्री से विवाह करने का अधिकार है, क्योंकि सबसे पहली बात तो यह है, कि वे शादी–शुदा ही नहीं हैं; क्योंकि उस युवती ने उस पुरुष के खिलाफ गलत रीति से झूठ बोला था। (सी. ओ. डी. के प्रश्न और उत्तर, संध्या, 28/6/59*)

उसे उस युवती को त्याग देने का और किसी दूसरी स्त्री से विवाह करने का अधिकार है

13–*6. स्त्री को उसके प्रभु की ओर से गुणों का एक पवित्र कार्यभार सौंपा गया, जो उसके अलावा किसी और को नहीं दिया गया, और यह एकदम सच बात है।* ***वह गुण उसे परमेश्वर ने ही दिया था; और किसी भी प्रकार उसे दूषित नहीं करना था।*** *यदि उस से कोई गलती भी हो जाती, तो उसे उस गलती का इकरार अपने पति के सामने करना था, ताकि वह भूल सुधार सके---और यदि वह ऐसा नहीं करती है, और वह अपने पति के साथ दस सालों तक रहती है, और उसके बाद वह उसका अंगीकार करती है, तो उसके पति को उसे छोड़कर दूसरी स्त्री से विवाह करने का अधिकार हो जाता है। पवित्रशास्त्र ऐसा ही बताता है। कुमारीगमन का अर्थ होता है–दूषित जीवन जीना।* ***''हे यूसुफ, दाऊद की संतान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहाँ लाने से मत डर, क्योंकि जो उसके गर्भ में है, वह पवित्र आत्मा की ओर से है। आप देखें, कि वह मरियम को चुपके से त्याग देने के बारे में सोच रहा था (समझे?) जिससे उसकी मंगनी हो चुकी थी।*** *आप जब दुल्हन के रूप में चुने जाकर अनुबंधित हो चुकी हैं, तो जहाँ तक परमेश्वर का प्रश्न है, आप का विवाह उससे हो चुका है। (मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप 25/11/65*)

ठीक सन्देश के तले आपको यह मुक्त–प्रेम देखने को मिलता है। आप के पास ऐसे लोग

हैं, जो सीधे ही बाहर निकलकर जाते हैं, और कुत्ते के जैसे जिन्दगी बिताते हैं, और वह सारा का सारा काम जो प्रचारक करता है, यह है, कि वह प्रचारमंच पर जाता है, और कुमारीगमन और व्यभिचार के विरोध में प्रचार करता है। फिर भी उन में किसी प्रकार का बिलकुल भी कोई अनुशासन नहीं होता है। भाइयों, मैं आपको कोई बात बताये देता हूँ, यहाँ पर तो डीकन आप के पीछे पीछे लगे रहते हैं, क्योंकि वे ये नहीं चाहते हैं, कि आप यहाँ पर एक व्यभिचारी या कुमारीगमन करने वाले के रूप में या वेश्यागमन करने वाले के रूप में आयें, और इस टेबरनिकल से परमेश्वर के आत्मा को दूर कर दें। वह कोई भी सेवकगण जो परमेश्वर के भवन में ऐसा होने की अनुमति देता है, अगर वे किसी भी समय इन कामों की परमेश्वर के भवन में अनुमति देते हैं, तो वे परमेश्वर के आत्मा को ही शोकित करके दूर कर देते हैं। और बिलकुल ठीक यही काम उन संगतियों में हुआ है जो इस सन्देश का अनुसरण करती हैं। वे समझौता करते हैं। वे जो''गर्जनों'' पर बहुत ज्यादा हल्ला मचाते हैं, वे पवित्रता के सन्देश पर समझौता करते हैं। हम ऐसी ही स्थिति में हैं।

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 50

सन्देश के विश्वासी अविश्वासी से विवाह कर सकते हैं, और समान जुए में जुत सकते हैं

अब हम उस असमान जुए वाले कुपन्थ पर आते हैं, जिसकी सन्देश के विश्वासियों को परमेश्वर के भवन में इजाजत दी जा चुकी है। उन्होंने स्त्रियों को अनुमति दी, उन्होंने पुरुषों को अनुमति दी, कि वे बाहर संसार में जा सकते हैं, और उद्धार न पायी हुई स्त्रियों को पकड़ सकते हैं, और उद्धार न पाये हुए लड़कों को पकड़ सकते हैं, परमेश्वर के भवन में वापस आ सकते हैं और वे दोनों विवाह कर सकते हैं। यह बात वचन के अनुसार बिलकुल भी नहीं है। ऐसे इजाजत देने वाले प्रचारक, आप एक पापी प्रचारक हैं, जब आप किसी उस लड़की या लड़के को लेते हैं जिसने उद्धार पाया हुआ नहीं और आप एक मसीही लड़की या लड़के को लेते हैं, और उनकी आपस में शादी कर देते हैं। आप एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं! जी हाँ! यह तो एक असमान जुआ है। आपको इसके लिए परमेश्वर के सम्मुख जवाब देना होगा; और ऐसा काम परमेश्वर के भवन में डीकनों के बच्चों, सेवकगणों के बच्चों के द्वारा किया जा रहा है। भविष्यद्वक्ता ने इसकी भर्त्सना की थी। **जब भी आप एक सेवक के रूप में किसी अभक्त पुरुष और एक मसीही नारी के लिए या अभक्त नारी और मसीही पुरुष के लिए उनका विवाह कराके उन्हें आशीर्वाद देते हैं, तो आप परमेश्वर के वचन का ही उल्लंघन करते हैं। यह एक असमान जुआ है,** और हम इस पर परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के ही वचनों को सुनना चाहते हैं।

प्रचारकों यह ऐसी बात है; जिसे आप भविष्यद्वक्ता की पुस्तकों में पढ़ सकते हैं, और तुम इसी बात को टेपों पर सुन सकते हो, और फिर भी तुम उस प्रकार से इस के लिए मंज़ूरी देना और परमेश्वर के वचन पर समझौता करना ज़ारी रखते हो, जबकि पहले कुरिन्थियों 6:14–18 ठीक पवित्रशास्त्र में तुम्हें यह बताने के लिए विद्यमान है, कि ''***अविश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतो; क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल–जोल? या ज्योति और अंधकार की क्या संगति?***''जी हाँ, परमेश्वर का वचन भी इसकी भर्त्सना करता है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि आपको एक पति के लिए कितना इंतज़ार करना पड़ता है। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि आपको एक पत्नी के लिए कितना इंतज़ार करना पड़ता है।

और वह कारण जो कुछ स्त्रियाँ एक लम्बे अरसे तक पति के लिए इंतज़ार करती है, वह यह है, कि उन्हें तो कोई फिल्मी कलाकार चाहिये होता है। जी हाँ, उन्हें कोई ऐसा नवयुवक नहीं चाहिये जो मेहनत–मशक्कत करता हो। उन्हें तो खुबसूरत सा दिखाई देने वाला पुरुष चाहिये होता है। और बिलकुल ठीक ऐसा ही मामला पुरुषों के बारे में भी है, वे पत्नी के लिए एक लम्बे अरसे तक इंतज़ार करते हैं, क्योंकि वे तो कोई ऐसी लड़की ढूँढ़ रहे होते हैं, जो फिल्मी अभिनेत्री सी लगती हो। तुम ढ़ोगी–पाखंड़ी जिसकी तुम तलाश कर रहे हो, वह तुम्हें मिल जाएगा। जी हाँ! यह वह घड़ी नहीं है, कि सुन्दरता के पीछे भागा जाए; यह वह समय नहीं है, कि ढूँढ़ा जाए, कि समाज क्या चाहता है; आपको तो परमेश्वर की ही मर्ज़ी मालूम करनी चाहिए। ऐसे तो तुम्हें कोई ऐसा युवक मिल जाएगा, जो बहुत ही ज्यादा गिरा हुआ है; ऐसा करना तो एक ढ़ोंगबाज़ी ही होगी; यह तो ढ़ोंगबाज़ी ही है, कि एक युवती इतनी नीचे गिर जाती है, कि वह विवाह के सम्बंध में इतनी गिर जाती है, कि वह अभक्त पुरुष की लालसा करती है, कि उससे विवाह कर ले, और फिर उन जैसे लोगों को परमेश्वर के भवन में लेकर भी आ जाती है, कि वे बपतिस्मा ले लें। जबकि आप कुमारीगमन में जीवन व्यतीत करते हैं, जबकि आप व्यभिचार में जीवन व्यतीत करते हैं; जबकि आप कुत्ते के जैसे जीवन व्यतीत करते हैं; तुम सड़क पर उस स्त्री के चारों ओर दुम हिलाते फिरते हो, और कोई भी यह नहीं जानता है, कि कलीसिया में उस स्त्री का मामला कैसा है, लेकिन फिर भी वह परमेश्वर के भवन में कुछ पानी के लिए इंतज़ार कर रही होती है, कि वे उसे बपतिस्मा दे डालें।

आप कहते होंगे,''भाई ब्रूस, मैं महसूस करता हूँ, कि आप इस मामले में कुछ ज्यादा ही निष्ठुर हो गए हैं।'' तुम पाखंड़ी, मैं तो तुम्हारा जीवन बचाने का ही प्रयास कर रहा हूँ। तुम तो कामवासना से भरे हुए हो, और तुम्हारी कामवासना तुम्हें अपने कब्जे में लेती चली जा रही है। तुम्हें तो इस बात की जरूरत है, कि तुम अपने घुटनों पर आ जाओ, और प्रार्थना और उपवास करो, और कहो,'' हे परमेश्वर, मुझे शक्ति दीजिए, कि मैं इस इच्छा पर जय पा

सकूँ; मुझे शक्ति दीजिए, कि मैं इस कामवासना पर जय पा सकूँ ।आप किसी लड़के की या किसी लड़की की सुन्दरता की खातिर, धन–दौलत की खातिर, घर–मकान की खातिर और जमीन–जायदाद की खातिर तलाश न करें। आपको तो परमेश्वर की मर्ज़ी ही तलाशनी चाहिये। जी हाँ! आप किसी खास किस्म की लड़की के लिए उम्मीद पालकर न बैठे रहें और फिर यहाँ वहाँ उस जैसी लड़की की तलाश न करते फिरें। आप किसी खास किस्म के लड़के के लिए उम्मीद पालकर न बैठी रहें और फिर यहाँ वहाँ उस जैसे लड़के की तलाश न करती फिरें। आप तो एक फूहड़–कुल्टा स्त्री ही हैं! जी हाँ,श्रीमान! आपको तो परमेश्वर की मर्ज़ी के लिए ही प्रार्थना करनी चाहिए।

पापियों और विश्वासियों के आपस में विवाह करने से बिलकुल भी कोई भला नहीं होता है

16. *लड़के, जो मैं तुम्हें आज रात बता रहा हूँ, तुम जानते हो; और तुम जो युवा महिलाएं हो, तुम्हें इस बात में सावधान रहना चाहिए, कि तुम किस से विवाह कर रही हो; अगर पापी और मसीही आपस में शादी–ब्याह कर भी लें, तो* ***सबसे पहली बात आप जानते हैं, इससे उनका कोई भला नहीं होता है, और आपको एक टूटा हुआ घर–परिवार ही मिलता है। आपस में असमान जुए में ना जुतो; क्योंकि ऐसा करके अहाब को यही मिला था।*** *जी हाँ, वह एक खूबसूरत सुन्दरी थी, वह अपने चेहरे पर रंगों की लीपा–पोती करती थी, वह छिपकली के जैसे अपने नैन निकाला करती थी...क्या आप जानते हैं, कि यीशु मसीह को छोड़कर जो बाइबिल में सबसे ज्यादा बुद्धिमान व्यक्ति हुआ था, वह खूबसूरत औरतों के एक झुंड़ के कारण ही एक बुतपरस्त –मूर्तिपूजक के रूप में मरा था? वह व्यक्ति सुलैमान था। इसने उसे परमेश्वर से दूर कर दिया था।* ***तुम खुद अपने को असमान जूए में ना जोतो।*** *और मैंने ऐसे बहुत से लोग देखें हैं, जो प्रचारमंच पर आते हैं,* ***और चंगे होंते हैं, और बाहर जाकर अविश्वासियों के संग मिल–जुल जाते हैं, और उनकी बीमारियाँ उनके पास फिर से वापस आ जाती हैं।*** (अपने को अविश्वास से अलग कर लो 28/2/55)

किसी भी विश्वासी को एक अविश्वासी से कदापि विवाह नहीं करना चाहिए

5 .*और फिर उसने अपने विवाह के मामले में भी ऐसा ही किया था;* ***वह अपने लोगों में विवाह करने के बजाये दूसरे लोगों में गया; और उसने एक पापिन, और मूर्तिपूजक; मूर्तियों की पूजा करने वाली से विवाह किया।*** *उसने इजाबेल से विवाह किया। और वह विश्वासी नहीं थी।****और किसी भी विश्वासी को किसी भी परिस्थिति में किसी भी अविश्वासी से कदापि विवाह नहीं करना चाहिए।*** *विश्वासियों को तो हमेशा ही विश्वासियों में ही विवाह करना चाहिए। (परमेश्वर के प्रति आश्वस्त होना 5/12/59*)

क्या यह मैं हूँ जो इस मामले में इतना निष्ठुर हो रहा हूँ; या क्या ये भविष्यद्वक्ता के शब्द हैं? क्या बाइबिल भी ऐसा ही नहीं बताती है? क्या पौलुस ठीक इसी बात के लिए खड़ा नहीं हुआ था? जी हाँ, श्रीमान! पवित्रता वरना अधोलोक!

अब्राहम अपने बेटे का विवाह अविश्वासी से नहीं करना चाहता था

13. ***अब्राहम इस बात में दृढ़–संकल्पी था, कि वह अपने बेटे का विवाह अविश्वासी से नहीं करना चाहता था। आज मसीहियों के लिए ऐसा फैसला लेना अच्छा होगा,*** *जो अब्राहम के बेटे और बेटियाँ हैं, उनके लिए अपनी औलादों के सम्बंध में ठीक वैसा ही फैसला लेना बहुत अच्छी बात है। अब, अब्राहम पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ा था, कि वे अविश्वासी लड़कियाँ कितनी सुन्दर थीं, और वे कितनी भली नारियाँ थीं;* ***मगर अब्राहम यह नहीं चाहता था, कि उसके बेटे का सम्बंध उस किस्म के लोगों से हो।*** (फैसले की घड़ी 11/6/59)

भाइयों और बहनों, अब्राहम अपने बेटे का विवाह अविश्वासी से नहीं करना चाहता था, क्योंकि वह परमेश्वर का एक मित्र था। जी हाँ! और ऐसे भी लोग हैं, जो दावा करते हैं, कि वे सन्देश से सम्बद्ध हैं, लेकिन जब उनके लड़के या लड़की को परमेश्वर के भवन में थोड़ी बहुत देर में जीवन–साथी नहीं मिल पाता है, तो वे चुपके से किसी अविश्वासी–उद्धार न पाये हुए के पास चले जाते हैं, और उसे बहलाने–फुसलाने में लग जाते हैं, और उसके घर के चक्कर काटने में लग जाते हैं। जी हाँ! इसके बाद वे उन्हें लेकर आने के लिए और बपतिस्मा दिलवाने के लिए एड़ी–चोटी का ज़ोर लगा देते हैं, ताकि वे उस पुरुष को अपनी लड़की के लिए हासिल कर सकें, या अपने बेटे के लिए उस नारी को हासिल कर सकें। तुम तो एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो! जी हाँ, श्रीमान; और आप अब्राहम के पुत्र के जैसे बिलकुल भी काम नहीं कर रहे हैं। तुम जो बाप हो, आपको उस शैतान को अपने से दूर भगा देना चाहिए; आप जो माँ हैं, आपको उस शैतान को अपने से दूर भगा देना चाहिए। आप कहते हैं, ''पास्टर, आप इसका कहाँ पर प्रचार करते हैं?'' ठीक यहीं पर! यही कारण है, कि यह मंड़ली इतनी सुधरी हुई है।

परमेश्वर चाहता है, कि उसके लोग अविश्वासियों से अलग रहें

138. **परमेश्वर चाहता है, उसके लोग अविश्वास और अविश्वासी से अलग हो जायें।** इस मामले में आप में से बहुतेरे लोग एक गलती करते हैं, वे इस पर गलती करते हैं; कभी कभी आप अपने बच्चों को बाहर छोटे ऑसवाल्ड के साथ खेलने देते हैं। समझे? परन्तु आप अनुमति दे देते हैं...**आपको सुनिश्चित होना चाहिए, कि आपकी बेटी रात के समय किसके साथ बाहर जाती है।** देखा, समझे? हो सकता है, कि आप ने उसकी `कलीसिया के इर्द–गिर्द ही एक भक्त लड़की के रूप

में परवरिश की हो; और पहली बात आप जानते हैं, कि वह ऑसवाल्ड, या उन में से किसी के साथ जाती है, और..और वह लड़का एक नास्तिक, अविश्वासी है; और आपकी लड़की की जिन्दगी बर्बाद हो जायेगी और आप नहीं जानते हैं, कि वह लड़का क्या है। समझे आप? **उसके बाद वह उससे विवाह कर लेगा,** और देखिए, तब आपके बच्चे, आपके नाते–नाती कहाँ पर हैं। समझे आप? आप सावधान रहें! **परमेश्वर चाहता है, कि उसके लोग अलग हों।** (अंत–समय का प्रचारकार्य 03–06–62)

जब वह एक पत्नी का चुनाव करता है, तो

ये यही दिखाता है, कि उसके भीतर क्या है

10–2. *अतः आपको अवश्य ही सही चुनाव करना चाहिए। फिर, **एक मनुष्य जिस प्रकार की महिला को अपनी पत्नी के लिए चुनेगा, उससे उस मनुष्य की इच्छाएं व चरित्र प्रकट होते हैं। यदि एक मनुष्य गलत किस्म की स्त्री को चुनता है, तो वह उसके चरित्र को उजागर करता है। और जब वह अपने को उसके साथ विवाह के बंधन में बाँधता है, तो ये निश्चित रूप से यही दिखाता है, कि उसके भीतर क्या है। एक स्त्री स्वयं ही यह बताती है, कि उस को पत्नी के रूप में चुनने वाला व्यक्ति कैसा है। उसी से मालूम हो जाता है, कि वह मनुष्य भीतर से क्या है। इससे कुछ मतलब नहीं है, कि वह बाहर से क्या कहता है–बस आप यह देखें, कि उसने विवाह किस से किया है।** (एक दुल्हन का चुना जाना 29/4/65)*

जब कोई पुरुष किसी स्त्री को अपनी पत्नी के रूप में चुनता है, उससे उसका वह चरित्र उजागर हो जाता है, कि उसके भीतर क्या है। जी हाँ! और जब आप जाकर संसार में से किसी ऐसी स्त्री को अपनी पत्नी होने के लिए चुनते हैं, जो कि एक वेश्या है, जो कि एक अभक्त–अधर्मी स्त्री है, ऐसी स्त्री है जो दुनियादारी में अपना जीवन बिता रही है, और हो सकता है, कि वह दस पुरुषों के साथ व्यभिचार भी कर चुकी हो; और आप जाकर उसे अपनी पत्नी के रूप में हासिल करना चाहते हैं, और उसे इसके लिए बपतिस्मा दिलवाने भी ले आते हैं; आप तो पूरी तरह से एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं। ये यही दिखाता है, कि आप के भीतर कुछ भी नहीं है। ये तो यही दिखाता है, कि इस मामले में ढ़ोंग किया जा रहा है; और आपके भीतर एक सर्प ही है। आप ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है; आपका चरित्र तो अश्लील और वाहियात है। आपकी भूख तो गिद्ध के जैसी ही है, जो कूड़े के ढ़ेर पर जाकर उस में से कुछ भी उठा लेता है, और फिर आप उसी को परमेश्वर के भवन में भी लेकर आ जाते हो, और उसे कुछ पानी में डाल देते हो, और फिर उसी का सेवन कर लेते हो। आप तो एक गिद्ध ही हैं। आप तो असमान जुए में जुते हुए हैं।

अगर वह उस प्रकार की स्त्री से विवाह करता है,

तो वह परमेश्वर के अनुग्रह से गिर चुका है

25–4. परन्तु उसका आत्मिक चरित्र उस पारिवारिक दुल्हन से कोसो दूर है, जिसे लेने के लिए मसीह आ रहा है। अगर कोई मसीही जन उस प्रकार की स्त्री से विवाह करता है, तो **ये यही दिखाता है, कि वह परमेश्वर के अनुग्रह से गिर चुका है। जब वह इस तरह की स्त्री को चुनता है, तो परमेश्वर के प्रति और अपने होने वाले घर के प्रति उसकी पसंद (कि उसका घर–परिवार कैसा होना चाहिए)बहुत दूर चली जाती है।** जी नहीं, श्रीमान; यकीनन वैसी लड़की मसीही पसंद में जम नहीं पायेगी। *(एक दुल्हन का चुना जाना 29/4/65)*

मैं इस बात में विश्वास नहीं करता हूँ, कि कोई मसीही जन अभक्त–अधर्मी पुरुष या स्त्री से विवाह करे। और ऐसा बाहर सन्देश के मानने वालों में ही हो रहा है। वे बाहर जाते हैं और दुनिया में से अपने लिए अपना जीवन साथी चुनते हैं, और वे उसे अपने साथ लेकर आते हैं, और पास्टर उन्हें आशीर्वाद देता है। जी हाँ!

ओह परमेश्वर! मैं रेडियों पर खबरें सुन रहा हूँ, और एक बच्चा भूख से मर रहा था; और एक स्त्री अपने बच्चे के साथ भूख से बिलख कर रो रही थी, और एक पुरुष भूख के मारे तड़प रहा था। लड़के, इसे तो आपके हृदय को चीर कर रख देना चाहिए। इस दोपहर–बाद आप उन कुछ चिट्ठियों को सुनने जा रहे हैं, जिन में लोग मुझे अपनी भूख और भूख से तड़प कर मरने की दर्द भरी दास्तां लिख रहे हैं, चार या पाँच प्रान्तों में एक करोड़ लोग भूख से बेहाल हैं। एक भाई ने मुझे लिखा था, उसने कहा था, ''गाँव में चौंतीस लोग भूख से मर गए हैं।'' उसने कहा था, हे परमेश्वर! भाई, मेरे लिए कुछ पैसे भेज दीजिए। मैं कुछ मक्का खरीदना चाहता हूँ।'' जी हाँ, भाई; मैंने उसके पास कुछ पैसे भेजे; लेकिन मैं नहीं जानता हूँ, कि उसके पास वे पहुँच भी पायेंगे, या नहीं। अकाल पीड़ित क्षेत्र में, वे हर एक चिट्ठी को फाड़ कर देखते हैं, जी हाँ; वे उन में से हर एक कोड़ी ले लेना चाहते हैं। उसने कहा था,'' भाई, केवल दस लोग ही गिरजे आए, उन में से बाकी भूखे हैं और वे भूख के मारे अपने घर में तड़प रहे हैं।'' मैं आपको बताता हूँ, कि आपके लिए बेहतर होगा, कि आप अपने भोजन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें। मैं भाइयों को बता रहा था, कि मैंने अपने जीवन में कभी किसी को भूख से मरते हुए नहीं देखा है। हम ऐसे लोग हैं, जो खुश हैं। और मुझे शक है, कि आप में से किसी ने ऐसा देखा हो। मैंने अपने जीवन में एक ही ऐसे व्यक्ति से मुलाकात की है, जो भूखों मर रहा था। वह ठुकराया हुआ था, वह एक बूढ़ा इंसान था, और मैं और मेरा एक मित्र उसके पास गए, और हमने उसे भोजन दिया; और उस बुज़ुर्ग में कई दिनों के बाद जी

में जी आया। भाइयों आप नहीं जानते हैं; भाइयों आप नहीं जानते हैं, कि तड़प क्या होती है...ओह लड़के, वह बच्चा रोता है, और माँ बिलखती है, और आप भोजन के लिए उस रोने और बिलखने के पीछे कई और आवाज़ें सुनते हैं। एक करोड़ ऐसे लोग हैं, जिन्हें रोटी की बहुत ही जरूरत है। और वे रोटी के लिए लाइन में लगे हुए हैं। **और आपके पास तीन सौ डॉलर की ड्रेस खरीदने के लिए पैसे हैं।** तुम तो हर साल एक नया फ्रिज चाहती हो। तुम तो इस संसार के लिए ही जी रही हो।

जब यह बाहर जाती है, तो ऐसे प्रचारक बेनकाब हो जायेंगे। हम हर तरह से इस अनैतिक आत्मा के खिलाफ हैं , और मुझे निराशा होगी, अगर यहाँ अंदर कोई ऐसा शख्स है, जिस पर इस सुबह यह प्रचार बिलकुल फिट बैठ रहा है, जो अपने सिर को टेलीविज़न में, इन्टेरनेट में घुसाए रहता है, और उन वीडियों पर अपना समय बर्बाद किये जा रहा है, और प्रार्थना करने में दिलचस्पी खो रहा है, वचन में दिलचस्पी खो रहा है, और उन लोगों से दोस्ती गाँठ रहा है जिन्होंने उद्धार पाया हुआ नहीं है। वह कोई भी शख्स जो उन बातों का कसूरवार है, जिनका मैंने प्रचार किया है, तो वह शख्स एक तौहीन है। भाइयों, यहाँ पर कोई भी ऐसा शख्स नहीं है जो इन बातों का कसूरवार हो, क्योंकि मैं उन बातों का तब से प्रचार कर रहा हूँ, जब आप बच्चे ही थे। आप में से कुछ तो माँ और दादीमाँ बन गईं; और आपके पास कोई बहाना नहीं है। **सुसमाचार के एक प्रचारक के रूप में मैं इन बातों का पिछले पैंतीस वर्षों से ऐलान करता चला जा रहा हूँ,** और मैंने पवित्रता का प्रचार किया, इससे पहले कि मैं भाई ब्रन्हम को कभी जानता भी; इससे पहले कि मैं सन्देश को जानता भी, मेरे पास यहाँ पर स्त्रियाँ ठीक वैसे ही पहरावे पहन रही थीं, और फिर भी अगर आप ऐसा कहते हैं, कि आप नहीं जानते थे, कि आपको अभक्त–अधर्मी किस्म के इंसान के साथ रहना नहीं चाहिए था; अगर आप ऐसा कहते हैं, कि आप नहीं जानते थे, कि किसी उस शख्स से, जो उद्धार पाया हुआ नहीं है, शादी करना,टेलीविज़न देखना और खेलकूद में भाग लेना, या ऐसे ही किसी भी कार्यकलाप को करना गलत है, तो आप एक मरे हुए ढ़ोगी–पाखंड़ी हैं। आप को पसीने की हर एक बूँद का जवाब देना होगा। मेरी हिम्मत आप जैसे वफादार स्त्री और पुरुषों के कारण बढ़ती है, जो घन्टो–घन्टों बैठे रहते हैं और जीवन का वचन सुनते हैं। यद्यपि वे इन कामों के गुनहगार नहीं हैं, फिर भी वे प्रसन्न हैं, कि पाप बेनकाब हुए हैं; वे खुश हैं, कि सुसमाचार का प्रचार हुआ है, वे खुश हैं, कि कोई और इन बातों को सुन रहा है, और कुछ ऐसे लोग होंगे, जो इन बातों को सुन रहे होंगे, और अपनी छुटकारे की प्रतीक्षा कर रहे होंगे। परमेश्वर आप से जवाब माँगेगा; परमेश्वर पहले ही बहुत सों को उनके मनोभाव के कारण स्रापित कर चुका है। **क्योंकि आप उस जैसे पास्टर–याजक को सुनते है, जो आपकी जीवन की ओर अगुवाई करने के लिए खुद अपने को मार डालता है, और फिर भी आप वहाँ पर कुढ़नेवाले शैतान और घृणा करने वाली आत्मा**

और आलोचना करने वाले मुँह को लिये हुए बैठे रहते हैं, और अपने प्रचारकगणों की अपने बच्चों से, अपने पति से, अपनी पत्नी से, अपने भाइयों से, अपनी बहनों से, अपने पड़ोसियों से आलोचना कर रहे होते हैं, तो इसके लिए तो आपको पूरी तरह से एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी बनना होगा; और सम्भवतः एक यहूदाह बनना होगा। यही काम तो यहूदाह ने किया था। परमेश्वर के वे लोग जो पहले से ही चुने हुए हैं, उस जैसे चरवाहे से प्रेम करते हैं। वह चरवाहा जो उनकी जीवन की ओर अगुवाई करता है, वे उसका सम्मान और आदर करते हैं। जी हाँ; वे उसको अपने सिर–माथे पर रखते हैं; वे नहीं चाहते हैं, कि उस चरवाहे को कुछ हो जाए। जी नहीं! क्योंकि उस जैसे चरवाहे को खोना, उनके लिए एक बड़े ही दुख की बात होती है, वे तो इधर–उधर भटक जाने के डर से परेशान हो उठते हैं।' ***'चरवाहे का वध कर दो और भेड़ें तितर–बितर हो जायेंगी।''***

और तुम जो परमेश्वर की उपस्थिति में बैठते हो और फिर भी व्यभिचार और कुमारीगमन करते हो, तुम एक शैतान हो। तुम जो परमेश्वर की उपस्थिति में बैठते हो और फिर भी ब्लू फिल्में देखते हो, तुम एक शैतान हो। जी हाँ! ऐसा बहुत ज्यादा सम्भव है, कि अधोलोक की संतान उद्धार न पायी हुई किसी स्त्री के साथ चारों ओर भागी फिरे, उद्धार न पाये हुए किसी पुरुष के साथ चारों ओर भागी फिरे, आप को ऐसा बनने के लिए दुष्टात्मा से ग्रस्त होना पड़ता है। आप तो एक अविश्वासी हैं, और आपने परमेश्वर का वचन कभी सुना ही नहीं है। आप इस सन्देश का विश्वास नहीं करते हैं। आप अपने पास्टर का विश्वास नहीं करते हैं। तुम तो उन रॉक एन रोल संगीत को ही सुन रहे हों, जो दिन बा दिन बाहर निकलकर आ रहे हैं; तुम तो पूरी तरह से एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो। तुम तो अपने पास्टर के मुखमंड़ल के सामने ही पसर जाते हो, नीचे बैठ जाते हो और नींद निकाल लेते हो। तुम इसीलिए नींद से भरे हुए होते हो, क्योंकि तुम्हारे भीतर दुष्टात्मा है। *जिसे बहुत दिया गया है, उससे बहुत लिया जाएगा। वह जो भला करना जानता है और नहीं करता है, उसे कई कोड़े लगाये जायेंगे।* आपको हिसाब देना होगा।

आपने उससे कहीं ज्यादा सत्य सुना है जितना कि सारे संसार भर में किसी व्यक्ति ने कभी सुना हो; और दोस्तों, मैं व्यर्थ में ही कोई शेखी नहीं बघार रहा हूँ। आप मिसालें देख चुके हैं, आप उन भक्त मिसालों को उससे कहीं अधिक देख चुके हैं, जो किसी और व्यक्ति ने कभी देखी हों।मेरे अज़ीजों, आप मसीहियत और निस्वार्थभाव का प्रकटीकरण उससे कहीं ज्यादा देख चुके हैं, जितना कि सारे संसार भर में किसी व्यक्ति ने कभी देखा हो। और आपको इसके लिए जवाब देना होगा।

पवित्रता के लिए सिद्ध बनतें चले जा रहे हैं– झूठे गर्जन इसमें विफल हुए हैं

''इस कारण अपनी अपनी बुद्धि की कमर बान्धकर, और सचेत रहकर उस अनुग्रह की पूरी पूरी आशा रखो, जो यीशु मसीह के प्रकट होने के समय तुम्हें मिलनेवाला है। और आज्ञाकारी बालकों की नाई अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृश न बनो...

मैं इसे थोड़ा सा समझाना चाहता हूँ, और मैं इसे तार्किक नहीं बना रहा हूँ।,''आज्ञाकारी बालकों की नाई अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृश न बनो ...'' दूसरे शब्दों में यह है, कि जिस प्रकार से तुम पहले जीवन व्यतीत करते थे, जिस प्रकार से तुम अपनी पुरानी अभिलाषाओं के अनुसार चला करते थे, जिस प्रकार से आपकी रूचि, आपका स्वाद संसार के लिए होता था, तुम अपनी अज्ञानता के समय की पुरानी अभिलाषाओं के सदृश न बनो। जैसाकि तुम तब थे जब तुम परमेश्वर के वचन के प्रति अनभिज्ञ थे, तुम अपने आप को वैसा न बनाओ, जैसाकि तुम तब थे।''''...पर जैसा तुम्हारा बुलानेवाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो। क्योंकि लिखा है, कि पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ।''(पहला पतरस 1:13-16) अब वचन की यह बात हमेशा ही एक रूपान्तरित गवाही रही है, और इसके बारे में बोलने की कोई आवश्यकता नहीं है।

''सो प्यारों, जब कि ये प्रतिज्ञाएं हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आप को शरीर और आत्मा की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें।'' (दूसरा कुरिन्थियों 7:1)

होने पाये प्रभु अपने पवित्र वचनों के पढ़े जाने पर अपनी आशीषें प्रदान करे। मेहरबानी करके आप बैठ जाएं। ओह, मेरे भाइयों और बहनों; परमेश्वर का वचन अति मूल्यवान है, जी हाँ; जैसा कि पवित्रशास्त्र में यह लिखा हुआ भी है,'' और उन दिनों में परमेश्वर का वचन बड़ा ही कीमती था।'' और यदि यह उन दिनों में बड़ा कीमती था, तो मैं विश्वास करता हूँ, कि इसे आज तो उससे और कहीं ज्यादा कीमती होना चाहिए; अब जबकि मोहरों की वह पुस्तक खुल चुकी है;अतः हमारे लिए तो परमेश्वर का वचन उससे कहीं ज्यादा कीमती होना चाहिए; और ऐसा होना चाहिए, कि जब हम अपनी बाइबल पढ़ते हैं,तो हमारे हृदय में से अवश्य ही परमेश्वर के लिए प्रेम उमड़ रहा हो, और हमें बाइबल के पढ़ने पर अवश्य ही मधुरता का एहसास होना चाहिए। हमें बाइबल को वैसे नहीं पढ़ना

चाहिए, जैसे कि हम कोई उस साधारण से कहानी की किताब पढ़ रहे हों, जिसे हम जानते हैं। ऐसे बहुत दिन हो जाते हैं, कि मैं आपनी बाइबल नहीं उठाता हूँ और उसे पढ़ता नहीं हूँ, मैं ऐसा इसलिए नहीं करता हूँ, कि मैं विश्वास में पिछड़ गया हूँ; लेकिन ऐसा तो इसीलिए होता है, क्योंकि मैं बाइबल को उस संज़ीदगी और सत्यनिष्ठा से उठाकर पढ़ने का अनुभव नहीं करता हूँ, जैसे कि मैं जिस संज़ीदगी और सत्सनिष्ठा से बाइबल को थामना चाहता हूँ। मैं महसूस करता हूँ, कि किसी नियम या आज्ञा के कारण मुझे स्वभाविक रीति से ही अपनी बाइबल को उठाना नहीं चाहिए। मैं महसूस करता हूँ, कि जब मैं अपनी बाइबल उठाता हूँ, और मैं परमेश्वर के वचनों को खोलता हूँ, तो मुझे अवश्य ही इस बात का एहसास होना चाहिए, कि परमेश्वर ही मुझ से बातें कर रहा है; और बाइबल पढ़ने का यही एक सही तरीका है; और उसके बाद पवित्र आत्मा अवश्य ही परमेश्वर के वचनों में से होकर प्रवाहित होता है; और आप महसूस करते हैं, कि आप पवित्र आत्मा से अशीषित हुए हैं। अतः आज रात्रि जो हमारा छोटा सा विषय है, वह है'' पवित्रता के लिए सिद्ध बनते चले जा रहे हैं''; और मैंने उपशीर्षक के लिए यह लिया है-'' झूठे गर्जन विफल हुए''। पवित्रशास्त्र में हम से कहा गया है, कि हम पवित्रता को सिद्ध बनाते चले जायें। पवित्रशास्त्र में हम से कहा गया है, कि ''तुम वैसे ही पवित्र बनो, जैसे मैं पवित्र हूँ।'' परमेश्वर अपने बच्चों से पवित्रता की माँग कर रहा है। पवित्र वचनों में हम से कहा गया है, कि हम परमेश्वर के जैसे बनें,'' तुम वैसे ही सिद्ध बनो, जैसे तुम्हारा स्वर्गीय पिता सिद्ध है।''(मत्ती 5) हमें इसलिए बुलाया गया है, कि हम सिद्ध बनें, और इब्रानियों के छठवें अध्याय में भाई पौलुस ने कहा था,''इसलिए आओ, मसीह की शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़कर हम सिद्धता की ओर बढ़ते जाएं।'' उस मुख्य रचेयता ने अपने दिनों में इसे बोला था। हम खुद अपने आप से ही इस पवित्रता और इस सिद्धता को हासिल नहीं कर सकते हैं; आप खुद अपने को सिद्ध नहीं कर सकते हैं; या आप खुद अपने को पवित्र नहीं बना सकते हैं। यह ऐसे आती है, कि यीशु मसीह के लोहू के द्वारा आपके स्वभाव के बदलने के द्वारा आपके भीतर अवश्य ही पवित्र परमेश्वर ही अपने आत्मा के द्वारा वास कर रहा हो, और उसके बाद खुद बा खुद ही पवित्रता आप में से होकर प्रकट हो रही होती है, क्योंकि उसने कहा था,'' *जैसे मैं पवित्र हूँ वैसे ही तुम भी पवित्र बनो।*'' और यदि पवित्र आत्मा ही आपके भीतर है, तो आपको अवश्य ही पवित्रता प्रकट करनी चाहिए। अतः ऐसा इससे नहीं होता है, कि आप कितने भले काम करते हैं, और आप अपने प्रयास के द्वारा कितने भले काम करते हैं, या आपने अपने जीवन में कितनी ज्यादा उपलब्धियाँ हासिल की हैं, लेकिन ऐसा तो इसी से होता है, कि आपने खुद अपने को परमेश्वर को कितना समर्पित किया है।

आपको तो अपना जीवन उसे समर्पित कर देना चाहिए, और आपको इससे कोई मतलब नहीं होना चाहिए, कि उसकी माँगे, उसके नियम, उसके कायदे, उसकी आज्ञाऐं

जो पवित्र वचनों में हैं, कितनी कठिन हैं, और आपके लिए जो उसकी मर्ज़ी है, वह कितनी कठिन है; आपको परमेश्वर की उस मर्ज़ी पर खुद अपने को वैसे ही न्यौछावर कर देना चाहिए, जैसे प्रभु यीशु ने खुद अपने को पिता की मर्ज़ी पर न्यौछावर कर दिया था। उसके लिए क्रूस पर जाकर उस सलीबी मौत को सहना कठिन था, लेकिन उसने कहा था,'' *मेरी नहीं, वरन तेरी ही इच्छा पूरी हो।*''और हमें तो हर रोज़ ही सलीब पर मरना चाहिए, और भाई पौलुस ने कहा था,'' *मैं अपने को हर रोज़ मारता हूँ।*''आपको तो एक क्रूस उठाना है; और यीशु ने कहा था,'' *जो कोई मेरे पीछे आना चाहे, वह अपना क्रूस उठाए, और मेरे पीछे हो ले।*'' और जिस प्रकार से यीशु मसीह ने अपने क्रूस पर जान दी, वैसे ही आपको अपने क्रूस पर अपनी जान दे देनी चाहिए; आपका पुराना स्वभाव उसी क्रूस पर मर जाना चाहिए। यह कोई ऐसा मामला नहीं है, कि आप सिद्धांतवादी हो गए हैं, या आप किसी बात का अभ्यास करते चले जा रहे हैं, यह मामला तो परमेश्वर की इच्छा के प्रति समर्पित होने का है। यह मामला तो ऐसा है, कि ''अगर परमेश्वर, आपकी मेरे लिए यही इच्छा है, कि मैं आपके जैसे सिद्ध बनूँ, तो प्रभु, मैं अपने इस पात्र को आपको समर्पित करता हूँ।'' और इसके बाद जब आप गिरजे में आते हैं, तो आपको चिन्ता–फ्रिक करने की आवश्यकता नहीं होती है, आप कलीसिया में आते हैं, और आप कलीसिया में ऐसा पास्टर–याजक पाते हैं, जिसके पास वैसा दर्शन है, आप उस उपयुक्त पास्टर को पाते हैं, जिसके पास उसके अंदर पवित्र आत्मा है, और उसके बाद आप उस सेवकाई के अन्तर्गत बैठते हैं, और जब आप उस सेवकाई के आधीन बैठते हैं, और जीवन के वचन को सुनते हुँ, तो आप अपने जीवन में उस सिद्ध पवित्रता को कायम करते चले जा रहे होते हैं।

बस अभी हाल ही में मेरे जहन में वचन का एक छोटा सा लेख कौंधा है, जो इफिसियों 4:11–15 में है; '*'परमेश्वर के भवन में पाँच प्रकार की सेवाएं स्थापित की गई हैं,ताकि पवित्र लोग सिद्ध बनें।*'' जब तक कि आप सच्चा वरदान तलाश नहीं लेते हैं, आप अपने जीवन में पवित्रता के इस मापदंड़ और सिद्ध पवित्रता तक नहीं पहुँच सकते हैं, क्योंकि परमेश्वर के भवन में पाँच प्रकार की सेवाएं इसीलिए स्थापित की गई हैं,ताकि पवित्र लोग सिद्ध बनें। जी हाँ, आपको यहीं से पवित्र आत्मा के उंड़ेले जाने तक एक ऐसे पास्टर–याजक की आवश्यकता है, जो आपको यह बताये, कि आपके कपड़े ठीक नहीं, आपके जूते ठीक नहीं है, आपके बालों का स्टाइल ठीक नहीं है, आपकी बातें ठीक नहीं हैं, आपके विचार ठीक नहीं हैं, आपका घर–परिवार ठीक नहीं है।''*जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाए, और सेवा का काम किया जाए, और मसीह की देह उन्नति पाए। जब तक कि हम सब के सब विश्वास, और परमेश्वर के पुत्र की पहचान में एक न हो जाएं, और एक सिद्ध मनुष्य न बन जाएं, और मसीह के पूरी डील–डौल तक न बढ़ जाएं।*'' परमेश्वर

के भविष्यद्धक्ता ने ''सिद्ध मनुष्य का डील–डौल'' नामक सन्देश में कहा था, कि ऐसा ही व्यक्ति स्वर्ग पर उठाये जाने में जायेगा। वह व्यक्ति जो स्वर्गारोहण में जाता है, वह विश्वास, सद्गुण, समझ, संयम, धीरज, भक्ति, और भाईचारे की प्रीति वाला इंसान होगा, और उस पर पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना हो रहा होता है, और चोटी का पत्थर उस पर आता है, और उसके बाद उसके जीवन में ऐसी पवित्रता होती है, जिसे सिद्ध बनाया गया है।

अतः अब आप को इस पवित्रता को सिद्ध करने के लिए मेहनत करते रहना चाहिए, और पवित्रता के मापदंड़ों तक ऊपर आना चाहिए, क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको मसीह का प्रकाशन भी नहीं हासिल होगा, क्योंकि कोई भी परमेश्वर को नहीं देख सकता है, जब तक कि वह पवित्र न हो। ''*बगैर पवित्रता के कोई भी परमेश्वर को नहीं देखेगा।*'' अब अगर आप सुसमाचार सुनते हैं और अपने मन में सोचते हैं,'' ठीक है, लड़के, मैं इन बातों के मुताबिक अपना जीवन जीने की कोशिश करूँगा, लेकिन इसकी और बातें तो ऐसी हैं, कि मैं सोचता हूँ, कि मैं उन्हें कर नहीं सकता हूँ।'' ऐसे तो आपका कभी भी नये सिरे से जन्म नहीं होगा, आप स्वर्गारोहण में कदापि नहीं जायेंगे, जब तक कि आप अपनी उस अवधारणा को ही नहीं बदल देते हैं। आप कहते हैं,''अच्छा, हर किसी को इस बात को समझना चाहिए, कि मैं एक कमजोर इंसान हूँ।'' बाइबल कहती है, कि'' *तुम उसकी सामर्थ में बलवंत होते चले जाओ।*'' *''हम यीशु मसीह में होकर विजेयताओं से बढ़कर हैं।*'' यह शैतान ही है, जो आप से कहता है, कि आप उसे नहीं कर सकते हैं। यह सच है, कि आप उस पहाड़ को समुंद्र में उठाकर नहीं फेंक सकते हैं; और वह पहाड़ आपका पुराना स्वभाव है।आप अपने उस पुराने स्वभाव पर जयवंत नहीं हो सकते हैं; उसके लिए तो परमेश्वर की ओर से किये जाने वाले परमालौकिक आश्यर्चकर्म की ही आवश्यकता होती है। जी हाँ! अतः आपको अपने जीवन में सिद्ध पवित्रता को हासिल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए।

अब देखिए, यीशु ने कहा था,'' *तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।*'' अब, अगर नये सिरे से जन्म पाने के अनुभव के द्वारा आपके भीतर पवित्र आत्मा है, और अगर आप प्रभु यीशु मसीह का दर्शन पा चुके हैं, तो एक मसीही के रूप में आप पर अवश्य ही वे फल लग रहे होने चाहिएं। आप उन फलों को बना नहीं सकते हैं। आम का पेड़ आम बनाता नहीं है और भेड़ ऊन बनाती नहीं है; उस पर तो ऊन लगती है; और आम के पेड़ पर तो आम लगते ही हैं। **इसीलिए यीशु ने कहा था, कि'' तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।'' और परमेश्वर के भविष्यद्धक्ता ने अपने सन्देश में होकर हर एक उस बात को जो मसीह के नाम से जानी जाती है, और जिसकी मसीहियत के रूप**

में पहचान होती है, पवित्रता के उसी मापदंड़ के द्वारा जाँचा–परखा; उसने उन्हें जाँचने–परखने के लिए वचन के उसी लेख का उपयोग किया था, कि, *''तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।''* यीशु ने ठीक उसी वचन के लेख का उपयोग किया था, और उसने विश्वासियों को उसी लेख का उपयोग करने की आज्ञा दी थी; भाई ब्रन्हम ने ठीक उसी वचन के लेख का उपयोग किया था; और उन्होंने विश्वासियों को आज्ञा दी थी, कि वे ठीक इसी पैमाने से जाँचे–परखें। *''तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।''* जी हाँ, अगर आप अपने पवित्र शास्त्र को पढ़ते हैं, और उसमें बड़े ही ध्यानपूर्वक गौर फरमाते हैं, तो आप देखेंगे, कि नये नियम के समय में प्रेरितों ने बिलकुल ठीक उसी पैमाने का उपयोग किया था, कि यह दिखा सके कि कौन सी कलीसिया सच्ची थी और कौन सी कलीसिया झूठी थी; वे उन भारी–भरकम प्रकाशनों का प्रचार नहीं कर सके थे।

अब, हम ज़रा संक्षेप में यहूदा पर विचार करें, और आप देखेंगे, कि कैसे उसने ठीक उसी कसौटी का, कि, *''तुम उन्हें उनके फलों से जान लोगे,''* उपयोग उन दुष्टात्माओं को बेनकाब करने के लिए किया था। उसने कहा था,'' कुछ निश्चित किस्म के लोग चुपके से अंदर घुस आए हैं। अगर आप पतरस की दूसरी पत्री के दूसरे अध्याय को पढ़ते हुए गौर फरमाएं, तो आप पायेंगे, कि उसने कहा था,*'' झूठे भविष्यद्वक्ता होंगे, जो तुम्हारे मध्य में निन्दायोग्य कुपंथ लेकर आयेंगे।''* परन्तु इसके बाद वह उन झूठे भविष्यद्वक्ता की बुराइयों का वर्णन करते हुए कहता है,*''उनकी आँखें व्यभिचार से भरी हुई हैं, और वे लोभ की बातें गढ़ कर तुम्हें अपने लोभ का कारण बनायेंगे।''* और वह उनकी उन बुराइयों का वर्णन करता चला जाता है, कि आपको यह दिखलाये, कि **इससे कोई मतलब नहीं है, कि वे क्या बोलते हैं; और वे कौन हैं; जब तक कि वे अपने जीवन में पवित्रता के उस मापदंड़ को स्थापित नहीं करते हैं, और पवित्रता के मापदंड़ को अपने जीवन से जाहिर नहीं करते हैं; उनके अंदर एक गलत आत्मा है, और वे झूठे भविष्यद्वक्ता हैं।**

ध्यान दीजिए, कि कैसे भाई यहून्ना ने ठीक उसी वचन के लेख को यूहन्ना की पहली पत्री में लिया, और उसने उन्हें उज़ागर किया था; जब ये मसीहविरोधी उनके समय में उठ खड़े हुए थे, तो उसने उन आत्माओं को बेनकाब कर दिया था, और उन्हें उज़ागर करके दिखला दिया था, कि अगर वे सच्चा मसीही जीवन व्यतीत नहीं कर रहे हैं, और पवित्रता के मापदंड़ों को अपने जीवन में स्थापित नहीं कर रहे हैं, तो फिर यह गलत ही आत्मा है, जो उन में हैं। जी हाँ! और भाइयों और बहनों, आप मुझे यहाँ पर यह बात कहने दें, **इससे कोई मतलब नहीं है, चाहे किसी प्रचारक में कितनी ही काबिलियत क्यों न हो, वह चाहे कितना ही बुद्धिमान क्यों न हो, चाहे वह**

कितने ही गुप्त भेदों का प्रचार क्यों न कर सकता हो, चाहे वह कितने ही चिन्ह और आश्चर्यकर्म क्यों न दिखा सकता हो, और चाहे उसका व्यक्तित्व कितना ही शानदार क्यों न हो, चाहे वह याजकों वाली कितनी ही बढ़िया वेशभूषा क्यों न पहनता हो, चाहे वह कितना बढ़िया और अच्छा क्यों न बोल सकता हो, चाहे वह कितना ही खूबसूरत क्यों न हो, चाहे वह बोलने में कितना ही वाक्पटु क्यों न हो, इससे कोई मतलब नहीं है, कि वे मसीह के नाम में और मसीहियत के नाम में धरती के मुखमंड़ल पर क्या क्या करते हैं, अगर वे अपने जीवन से पवित्रता का सन्देश प्रकट नहीं करते हैं, तो यह एक गलत ही आत्मा है, जो उन में है। मैं अपना जीवन और अपना विश्वास मत्ती 7:15–20 पर टिका रहा हूँ, जहाँ यीशु ने कहा था,*''झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं; परन्तु अन्तर में फाड़ खानेवाले भेड़िये हैं। उन के फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।''*वह ये बातें अपने चेलों से कह रहा था, वह ये बातें अपने प्रचारकों से कह रहा था, वह ये बातें अपने प्रेरितों से कह रहा था। इसके विषय में कोई अस्पष्ट बात नहीं है, कि जब भी परमेश्वर की सच्चाई और परमेश्वर का सन्देश धरती पर आता है, झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होते हैं; और **आज हमारे पास तो एक वह महान सन्देश है, जो भाई ब्रन्हम, मलाकी4, प्रकाशितवाक्य 10:7, प्रकाशितवाक्य 3:14 के द्वारा आया है, और यह बात तो अवश्य है, कि आप के पास झूठे भविष्यद्वक्ता अंदर चले आएं।** अब, अगर उन पिछले समय में, यीशु के दिनों में यही एक कसौटी थी, तो क्या यह आज भी एक कसौटी न होगी? अगर यही वह पैमाना था, जिसका उपयोग उन सारे प्रेरितों ने किया, तो क्या यह आज ठीक वही चीज नहीं होगी? और अगर भाई ब्रन्हम आये और उन्होंने भी ठीक उसी पैमाने का उपयोग किया, तो क्या आज यह ठीक वही पैमाना नहीं होगा? तो फिर यह क्या है, जो मुझे उस पैमाने का उपयोग करने से रोक कर रखता है?

इस सन्देश के मानने वालों में चारों ओर एक शिक्षा फैली हुई है, जो यह कहती है, कि हमें किसी को भी झूठा नहीं कहना चाहिए, और उन्हें ऐसा कदापि नहीं कहना चाहिए, कि कोई व्यक्ति झूठा प्रचारक है, या वह परमेश्वर के वचन का प्रचार नहीं कर रहा है। लेकिन यह वाला तो वचन का लेख ऐसा ही कर रहा है, और मैं तो वचन के उसी लेख पर टिका हुआ हूँ, कि यीशु ने कहा था, *''झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो, जो भेड़ों के भेष में तुम्हारे पास आते हैं; परन्तु अन्तर में फाड़ खानेवाले भेड़िये हैं। उन के फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।''*और वह लगातार मुझे इस बात की समझ प्रदान करता है, कि मैं कैसे जानूँ, कि कोई एक झूठा भविष्यद्वक्ता है, कि यह कैसे जानूँ, कौन सच्चा है, और यह कैसे जानूँ, कि कौन झूठा है। इसके बाद वह परमेश्वर की कलीसिया

की उन्नति के लिए बातें करता चला जाता है, और उसने कहा था,'*'एक अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता*'' ; वह ऐसा कर ही नहीं करता है, उसके लिए तो यह पूर्ण असम्भव है, कि वह बुरा फल ला सके। ''और न निकम्मा पेड़ अच्छा फल ला सकता है।'' **अतः इससे कोई मतलब नहीं है, कि कोई प्रचारक कितना क्या कुछ कर सकता है, और उसकी आत्मिक काबलियत क्या है; अगर उसका स्वभाव ही नहीं बदला है, चाहे उसने ऐसा करने का कितना ही पुरज़ोर प्रयास क्यों न किया हो; वह अपनी मंड़ली में पवित्रता स्थापित नहीं कर सकता है।** क्या पवित्रशास्त्र ऐसा ही नहीं बताता है?(सभा कहती है,''आमीन'')वह अपनी मंड़ली में पवित्रता स्थापित नहीं कर सकता है।वह अच्छा फल नहीं ला सकता है; उसे तो कहीं न कहीं पवित्रता के सन्देश को बिगाड़ना होता है; और यह बात तो वैसी ही सहज़ व सादी है जैसा कि हम अपने इन पिछले चार उपदेशों में पवित्रता के सन्देश का अध्ययन करते चले आ रहे हैं, और भाई ब्रन्हम के पवित्रता के इस सन्देश को सादगी में होकर देखते चले आ रहे हैं; मसीह की दुल्हन को तो इस बात में सक्षम होना चाहिए, कि वह हर एक व्यक्ति को, हर एक प्रचारक को, हर एक पुरुष को, हर एक नारी को, कलीसिया के हर एक सदस्य को जाँच–परख सके, कि उस व्यक्ति के अंदर किस प्रकार का जीवन है।

अगर कोई व्यक्ति इस बात का दावा करता है, कि वह परमेश्वर का पुत्र है, परमेश्वर का भविष्यद्वक्ता है, और चाहे परमेश्वर ही देह में क्यों न उतर आता हो, चाहे वह एकपास्टर–याजक, प्रचारक, मिशनरी ही क्यों न हो, चाहे उसने मुरदे को क्यों न जिला दिया हो, चाहे उसने बीमारों को चंगा क्यों न कर दिया हो; चाहे वह पहाड़ को हटा देता हो और उसे समुंर्द में फेंक देता हो, चाहे वह पेड़ को हटा देता हो, और उसे राजमार्ग पर ही क्यों न लगा देता हो, और केवल एक ही तरीका है, जिससे आप यह जान सकें, कि यह परमेश्वर का ही आत्मा है, जो उसके अंदर है और क्या उस व्यक्ति का स्वभाव बदल चुका है, और वह तरीका यह है, कि आपको यह देखना होता है, कि वह व्यक्ति किस प्रकार का जीवन जी रहा है, और वह पवित्रता के सन्देश पर किस प्रकार की शिक्षा दे रहा है। अगर आप यह जानना चाहते हैं, कि आप खुद व्यक्तिगत तौर पर क्या हैं और यह किस किस्म का जीवन है जो आपके अंदर है? ठीक है, उसके लिए यहाँ पर एक पैमाना है,''*उन के फलों से तुम उन्हें पहचान लोगे।*'' अगर आप एक ढ़ोंगी–पाखंड़ी है, कि आप बाहर जाकर कुमारीगमन और व्यभिचार करते हैं, और इस बात को विश्वासियों से छिपाते हैं, और आप वापस आ जाते हैं और वहाँ पर बड़े ही पाक–साफ बनकर बैठ जाते हैं, तो आपके भीतर एक दुष्टात्मा है। अगर आप व्यभिचार कर रहे हैं, और आप खुदा की उपासाना–

आराधना भी करते हैं और खुदा की स्तुति–बड़ाई में अपने हाथों को भी ऊपर उठाते हैं, और कहते हैं,'' मैं इस सन्देश का विश्वास करता हूँ''; तो आपके अंदर एक दुष्टात्मा है , और मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि आप कौन हैं; अगर आपने अपने बैडरूम में अपने देखने के लिए टेलीविज़न को ताला मार कर रखा हुआ है, तो आप एक निरे ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं। अगर आप बाहर जाकर खेलकूद के मैदानों में खेलकूदों में हिस्सा ले रहे हैं, तो आप एक निरे ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं। आप के अंदर परमेश्वर का प्रेम है ही नहीं । यही तो बात है।

अब इस सन्देश के माननेवालों के मध्य में एक कहावत बड़ी ही प्रचलित है...जब आप उन से बात करते हैं, तो वे कहते हैं,'' यह तो वचन है, यह तो वचन है।'' जी हाँ, वचन; आप झूठे भविष्यद्वक्ताओं को वचन से ही जानते हैं। जी हाँ! आप उन्हें वचन के किस वाले भाग से जानते हैं? अब यदि कोई व्यक्ति आ कर गर्जनों का प्रचार करता है, और कोई व्यक्ति आ कर बिजलियों के चकमने के विषय में प्रचार करता है, और कोई व्यक्ति आ कर जो चाहे वह प्रचार करता है, बिलकुल ठीक है, वह वचन है जिसका वह प्रचार कर रहा है, जो कुछ वह प्रचार करता है, आप उसे ''वचन'' कहते हैं।अतः अब, जो वे इस''वचन'' के बारे में कह रहे हैं, वह वो अनुवाद है जो वह प्रचारक लेकर आ रहा है, और वह उन भेदों के बारे में कितनी ऊँची ऊँची और जबरदस्त बातें कर सकता है। **लेकिन यीशु ही हमें यहाँ पर इस भविष्यद्वक्ता को जाँचने–परखने के लिए कुछ दे रहा है, जो इस बात का दावा करता है, कि वह परमेश्वर से प्रकाशन पा रहा है, जो इस बात का दावा करता है, कि वह गर्जन ला रहा है, जो इस बात का दावा करता है, कि वह बिजलियों का चमकना ला रहा है, जो इस बात का दावा करता है, कि वह भूकम्प भी ला रहा है, और कुछ भी हो, ये तो खुद आप ही हैं, जो भूचाल लाते हो; मगर जब तुम अपना भूचाल ला चुके हो, अपनी बिजलियों की कड़कड़ाहट ला चुके हो, जब तुम अपने गर्जनों की धूम मचा चुके हो, तो मुझे तो एक विश्वासी और एक प्रचारक के रूप में आपको यहाँ पर किसी चीज से जाँचना–परखना होता है, और वह एक मात्र चीज जिससे मैं आपको जाँचता–परखता हूँ, वह है, आपके फल; मैं तुम्हें तुम्हारे फलों से परखता हूँ, क्योंकि हम उन्हें उनके फलों से पहचान लेंगे। क्या मैं समझ की बात कह रहा हूँ?** मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, चाहे तुम मरे हुए को जिला उठाओ, चाहे तुम बीमारों को चंगा कर दो, चाहे तुम दुष्टात्माओं को बाहर निकाल दो, मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, चाहे तुम भाई ब्रन्हम के सारे गुप्त भेदों का प्रचार क्यों न कर सकते हो, लेकिन अगर तुम भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश का अनुसरण नहीं करते हो, तो तुम्हारे अंदर एक

शैतान ही है। तुम दुष्टात्मा से ग्रस्त हो! अगर पवित्र आत्मा ही तुम्हारे अंदर है, तो तुम्हें अवश्य ही पवित्रता के मापदंड़ों को साक्षात् प्रकट करना चाहिए। यीशु ने अपनी बात कहना ज़ारी रखी, और कहा,''*एक अच्छा पेड़ निकम्मा फल नहीं ला सकता।*'' मित्र, अगर पवित्र आत्मा ही मेरे अंदर है, तो मेरा स्वभाव बदल चुका है, और उसके बाद मैं एक अच्छा पेड़ बन गया हूँ। तब तो ऐसा नहीं हो सकता है, कि मैं यहाँ पर आऊँ और पवित्रता के सन्देश से दांये या बांये हो जाऊँ, और अपने पहरावे बदल दूँ, आपको वापस टेलीविज़न के सामने भेज दूँ। आपको वापस खेलकूद के मैदानों में भेज दूँ।जी नहीं; आम के पेड़ के लिए तो यह पूर्ण असम्भव है, कि उस पर खट्टी इमली लगे। अगर आपका पास्टर नये सिरे से जन्म पाया हुआ है, और अगर पवित्र आत्मा ही उसे थामे हुए हैं, तो आपको इस बात के लिए डरने की कोई आवश्यकता नहीं है, कि आपका पास्टर गिर जाएगा। जी नहीं, भाई, मैं इमली का पेड़ नहीं हो सकता हूँ। मैं तों एक भला वृक्ष हूँ। मैं इमली नहीं हो सकता हूँ। अब तो इसे आम का पेड़ रहते हुए पैंतीस साल हो गए हैं।

क्या कभी मैंने आपको गुमराह करके, आपकी अगुवाई झूठे नबी के पीछे पीछे चलने के लिए की? क्या कभी ऐसा हुआ, कि मुझे यहाँ पर आकर व्यभिचार करने का अंगीकार करना पड़ा? *(सभा उत्तर देती है,''जी नहीं'')* क्या कुमारीगमन का अंगीकार करना पड़ा?*(सभा उत्तर देती है,''जी नहीं'')*क्या कभी मैंने तुम से रुपया–पैसा ऐंठने के लिए तरकीबें चलीं? *(सभा उत्तर देती है,''जी नहीं'')*जी हाँ, मैं एक भविष्यद्वक्ता तो नहीं हूँ, मगर मैं इस मामले में शमूएल के जैसा ही हूँ। शमूएल वहाँ पर खड़ा हुआ था, और उसने कहा था,''क्या कभी मैंने किसी के साथ छल–कपट किया? क्या कभी मैंने तुम्हारा गधा चुराया? क्या कभी मैंने तुम्हारी बकरी या गाय चुरायी? क्या कभी मैंने ऐसा किया और क्या कभी मैंने वैसा किया?'' अब, शमूएल की एक साफ–सुथरी गवाही थी, ऐसा इसीलिए था, क्योंकि वह एक भला वृक्ष था, और वह निकम्मा फल नहीं ला सकता था।

जब कभी आप किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं, जो निकम्मा फल लाता है, तो आप यह जान लें, कि वह स्वभाव से ही निकम्मा है। अब मेरे मित्रों, आप खुद अपने को परखें। मेरी बात सुनें, जैसा तुम खुद अपने को जानते हो, वैसा तुम्हें कोई नहीं जानता है। खुद उस मनुष्य को छोड़कर कोई उस आत्मा को नहीं जानता है, जो आत्मा उस मनुष्य के अंदर होती है; और आप खुद अपने साथ किसी दूसरे से ज्यादा रहे हैं, और तुम अपने सारे राज जानते हो, तुम अपने उन सारे जोखिमों को जानते हो, जिन्हें तुम उठाते हो; इस सन्देश को सुनने के बाद, आज यहाँ पर जबकि तुम बैठे हुए हो, तुम्हारे उद्देश्य और ध्येय क्या हैं, उन्हें सिर्फ तुम ही जानते हो। अगर तुम्हारे पास

एक ऐसा हृदय है जो उस सन्देश के प्रति समर्पित है, कि तुम यह कह सकते हो,''प्रभु, मैं सही चलना चाहता हूँ; मैं उस सब को साक्षात् प्रकट करना चाहता हूँ, जो सही है।'' तब तो प्रभु ही आपके साथ है। **परन्तु वहाँ पर लोग हैं, जो बैठे हुए हैं, और उसे चुनते हैं जो वे जीना चाहते हैं और जो वे नहीं जीना चाहते हैं। मित्र आप इधर–उधर का अपना मामला नहीं रख सकते हैं! आप ऐसा नहीं कह सकते हैं, कि मैं निनांड़वे प्रतिशत तो ग्रहण करता हूँ और एक प्रतिशत छोड़ देता हूँ। इससे आपका कोई काम नहीं बनेगा, मैं तुम्हें पागल नहीं बना रहा हूँ; ऐसा करके तो तुम कहीं नहीं जा रहे हो।** जी हाँ! ''*मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, वरन हर एक उस वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, जीवित रहेगा।*'' *(मत्ती 4:4)*अतः **मैं इस बात पर ज़ोर डालकर फिर से बता देता हूँ, कि मेरे अज़ीजों, मैं पवित्रता के सैद्धान्तिक मापदंड़ों का प्रचार नहीं कर रहा हूँ, और लोगों के सिर पर डंड़ा लिये हुए उन से वह कराने का प्रयास नहीं कर रहा हूँ, जो सही है। जी नहीं; पवित्रता का एक मापदंड़ है, जिसे परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने रखा था।**

पवित्रता का एक मापदंड़ है, जिसे पुराने नियम और नये नियम में स्थापित किया गया था। जो पुराने नियम में पवित्रता के मापदंड़ थे, उन में से कुछ को नये नियम में शामिल किया गया था। पुराने नियम में मनुष्य व्यवस्था का पालन करने में नाकामयाब रहा था। **परमेश्वर ने ही अपने अनुग्रह में होकर एक मार्ग बनाया, ताकि वह अपना आत्मा मनुष्य के अंदर ला सके; और जब परमेश्वर ही अपना आत्मा मनुष्य के अंदर लेकर आता है, तो फिर चाहे आपका आकार बटन के जैसा छोटा ही क्यों न हो, मित्र, आत्मा ही आपकी मदद करेगा, कि आप पवित्रता को साक्षात् प्रकट करें, क्योंकि आप तो एक अच्छा पेड़ बन चुके हैं, और अच्छा पेड़ निकम्मा फल नहीं ला सकता है।** जी नहीं, आप पीछे को नहीं जाते हैं, आप तो आगे को ही बढ़े चले जा रहे होते हैं। आप एक भला पेड़ हैं, और यही कारण है, कि आप यहाँ पर हैं, और खुदा की सेवा करने का यत्न कर रहे हैं, और जयवंत होने का यत्न कर रहे हैं। जब आप गलती करते हैं, तो आपको अफसोस होता है, आप बेचैन होकर रात रात भर करवटें बदलते रहते हैं; आप अपनी कमज़ोरियों के लिए दुआएं करते रहते हैं; आप मजबूत होना चाहते हैं। जी हाँ, आप एक भला पेड़ हैं, यही कारण है, कि आप में वैसा करने की अभिलाषाएं होती हैं। आइये मैं इस बात पर एक बार फिर से ज़ोर देता हूँ, इससे कोई मतलब नहीं है, चाहे एक प्रचारक की काबलियत कितनी ही क्यों न हो, चाहे वह कितना ही बुद्धिमान क्यों न हो, चाहे वह कितने ही भेद क्यों न जानता हो, चाहे उसके पीछे पीछे कितने ही चिन्ह और आश्चर्यकर्म आ रहे हों, चाहे

उसने कितनी ही भेड़ की खाल क्यों न ओढ़ी हुई हो, अगर वे अपने जीवन से पवित्रता का सन्देश प्रकट नहीं करते हैं, तो यह एक गलत ही आत्मा है, जो उन में है। मैं यहाँ पर रुकूँगा, कि ''**यह भेड़ की खाल क्या है?**'' ''शानदार व्यक्तित्व, कोमल और मृदु; ऐसा सबसे बढ़िया इंसान जो कभी आपको मिला हो।'' जब मैं झूठे भविष्यद्वक्ताओं के बारे में बोलता हूँ, तो मैं भंयकर से दिखाई देने वाले लोगों के बारे में नहीं बोल रहा होता हूँ; मैं मनुष्य के व्यक्तित्व पर धावा नहीं बोल रहा होता हूँ। मैं नहीं कह रहा हूँ, कि वह कोई बुरा मनुष्य है। मैं कह रहा होता हूँ, कि जो उसके भीतर है, जो उसके भीतर उसका स्वभाव है, वह बदला नहीं है, और वह निकम्मा फल ही ला सकता है। जी हाँ, यही तो भेड़ की खाल है। वे तो अपने जीवनों के द्वारा ही बेनकाब हो जाते हैं। वे तो इस बात से ही बेनकाब हो जाते हैं, कि वे पवित्रता के सन्देश से ही विचलित हो रहे हैं, और अपने जीवनों में सन्देश के पवित्रता वाले मापदंड़ों को स्थापित नहीं कर रहे हैं।

कोई भी यीशु से बढ़कर नहीं है। कोई भी विलियम ब्रन्हम से बढ़कर नहीं है। **इस सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों में ज़रा भी रद्दोबदल करने का किसी भी मनुष्य को कोई अधिकार नहीं है। जो कोई भी ऐसा करता है, वह एक निकम्मा पेड़ है।** इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप कहाँ दौड़े चले जाते हैं। इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप कितने भेदों का प्रचार करते हैं, आपको तो अवश्य ही मत्ती के सातवें अध्याय पर वापस लौटना चाहिए, जहाँ यह कहा गया है, ''तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।'' यह बात कलीसिया के साधारण सदस्य पर फिट बैठती है, यह बात भविष्यद्वक्ता पर फिट बैठती है, यह बात पादरी–याजक या राजा पर भी फिट बैठती है। इसी रीति से ही तो आप उन हर एक भविष्यद्वक्ता और सन्देशवाहक को परखते हैं, जिन्हें आपके पास भेजा गया है। इसी रीति से ही उस हर एक बात को जाँचा–परखा जाता है, जो किसी भी उस सेवकाई से आती है, जो प्रचारमंच का उपयोग करती है। आप उसे एक मौका दें, **चाहे वे आकाश से आग ही क्यों न उतार लाते हों; आप उन्हें एक मौका दें और देखें, कि वे पवित्रता के सन्देश के साथ क्या कर रहे हैं। वे कैसे पवित्र जीवन व्यतीत कर रहे हैं?** वे कितना धार्मिकता का जीवन जी रहे हैं? यहाँ पर सुनिए, कि यीशु ने क्या कहा था, उसने कहा था, ''*यदि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों से बढ़कर न हो, तो तुम स्वर्ग के राज्य में कभी प्रवेश करने न पाओगे।*'' उसने कहा था, कि संसार में कोई ऐसा तरीका नहीं है, कि तुम पवित्र आत्मा की उस बारिश को हासिल कर सको, ''*जब तक कि तुम्हारी धार्मिकता शास्त्रियों और फरीसियों से बढ़कर न हो।*''यह होने पाये की ये बात आपके अंदर आत्मसाध हो जाए, मित्र! वह कोई भी जो पवित्रता के सन्देश से भटक जाता है; मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, चाहे उसने कितने ही गुप्त भेदों का प्रचार क्यों न किया हो; भाई पौलुस ने कहा था, ''*चाहे*

मेरे पास सब भेदों को समझने का ज्ञान हो, और मैं प्रेम न रखूँ, तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल और झनझनाती हुई झांझ हूँ।'' आप तो उस ढफली के जैसे ही है, जो शोर मचाती है। अतः यह बात कोई मायने नहीं रखती है, कि आप भाई ब्रन्हम के कितने हवाले बता सकते हैं, और उन कितने भेदों को समझ सकते हैं, जिनका खुलासा किया गया था। सचमुच में अनेकोनेक भेद खोले गये थे, और इस सन्देश के अन्तर्गत लोग बड़े बड़े ज्ञानवान बन गए हैं, बाइबल स्कूलों के अन्तर्गत लोगा बड़े बड़े ज्ञानवान बन गए हैं। वे धर्मशास्त्र के उन ज्ञाताओं को चुप बैठा सकते हैं, लेकिन आप उन्हें इससे न जाँचे–परखें, कि वह शख्स कितने भेद जानता है; उसे तो इस से जाँचना–परखना होता है, कि वह क्या जिन्दगी जीता है, और क्या वह अपनी मंड़ली में पवित्रता के मापदंड़ स्थापित करता है, क्योंकि ''तुम उन्हें उनके फल से जान जाओगे।'' अतः जो कोई उससे भटकाते हैं, उनका स्वभाव बदला नहीं है। अतः झूठे भविष्यद्वक्ता का स्वभाव बदला नहीं है; उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है। ये झूठे भविष्यद्वक्ता, जिनके विषय में आपको सचेत होने की आवश्यकता है, वे आपके मध्य में भेड़ की खाल ओढ़े हुए आ जाते हैं, परन्तु अंदर से वे फाड़ खाने वाले भेड़िये हैं, उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है; वे निकम्मा पेड़ हैं और निकम्मा पेड़ अच्छे फल नहीं लगाता है। '*'तुम उन्हें उनके फल से जान जाओगे।*'' अतः इस प्रकार से हम झूठे भविष्यद्वक्ता और सच्चे भविष्यद्वक्ता में फर्क जान सकते हैं; और इस प्रकार से हम अच्छे पास्टर और बुरे पास्टर में फर्क जान सकते हैं। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वे कितना मीठा बोलते हैं। मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि उनका व्यक्तित्व कैसा है, और वे अपनी कार यहाँ से टोको तक कैसे चला सकते हैं, आप चाहे उन्हें आधी रात को ही बुलाएं, वे तो ठीक उसी समय वहाँ पर हाज़िर हो जाते हैं, आप उन्हें किसी भी समय बुलाएं, और वे ठीक उसी समय वहाँ पर हाज़िर हो जाते हैं, ये तो वैसे ही हैं, जैसाकि परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने एक पुराने भले पादरी के बारे में बोला था; लेकिन उनका स्वभाव भ्रष्ट है। आप कैसे जानते हैं, कि उनका स्वभाव भ्रष्ट है? क्योंकि वे पवित्रता के सन्देश से भटक जाते हैं। यीशु ने कहा था, कि वे निकम्मा या भ्रष्ट पेड़ हैं, और वे अच्छा फल नहीं ला सकते हैं, और वे ना तो लोगों को पवित्रता के मापदंड़ों पर जीने की शिक्षा दे सकते हैं, और ना ही वे पवित्रता के मापदंड़ों को उनके जीवनों में स्थापित कर सकते हैं। उनके पास इस प्रकार की एक कलीसिया नहीं हो सकती है। उनके पास ऐसी स्त्रियाँ नहीं हो सकती है, जो पैंतीस सालों से ऐसे पहरावे पहन रही हों। वे कलीसिया को पाक–साफ नहीं रख सकते हैं। उस समय से ही उन में यह दिखाई पड़ जाता है, कि उन में अंदर या बाहर व्यभिचार व्याप्त है, या उन में अंदर या बाहर कुमारीगमन व्याप्त है। वे अपनी कलीसिया को साफ–सुथरा नहीं रख सकते हैं। उनके लिए ऐसा करना बिलकुल असम्भव है। वे कहते हैं, ''भाई ब्रूस परमेश्वर का एक दास है, लेकिन वह मनोविज्ञान का सहारा लेकर प्रचार करता है। वह शत प्रतिशत परमेश्वर के वचन पर

है, लेकिन आप देखते हैं, कि लोग उसकी एक मसीह के रूप में पूजा करते हैं।'' तुम झूठ बोलने वाले कुत्ते! तुम तो झूठ बोलने वाले कुत्ते हो, और सिर्फ अकेली यही बात ये दिखा देती है, कि तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, वरना तुम परमेश्वर के एक दास के लिए झूठी बात न उड़ाते।

इससे कोई मतलब नहीं है, कि वे कहाँ दौड़े–भागे फिरते हैं, वे कितनी ऊँची छलाँगें लगाते हैं, वे कितना जबरदस्त प्रचार करते हैं, वे कितने ज्यादा चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखाते हैं; मैं आप से यहाँ पर यह कह रहा हूँ, कि आप उस हर एक प्रचारक को जो कार्यक्षेत्र में है, हर एक सेवादार को, हर एक कलीसिया को, कलीसिया के हर एक साधारण सदस्य को, सन्देश में जो हर एक प्रचारक हैं, उन को तथा उस सब को जो यीशु मसीह के नाम का कहलाता है, इसी मापदंड़ पर लेकर परखें। यह उन्हें हमेशा ही बेनकाब कर देगा। इन चार या पाँच रात को जो कुछ मैंने पवित्रता के सन्देश पर प्रचारा है, और जो कुछ स्थापित है; और जो कुछ भी भाई ब्रन्हम ने तकरीबन तीस सालों तक प्रचारा था, हमेशा ही झूठे भविष्यद्वक्ता को बेनकाब करेगा। *''तुम उन्हें उन के फलों से पहचान लोगे।''* यह उन्हें हमेशा ही बेनकाब कर देगा, चाहे उनकी काबलियत और व्यक्तित्व कैसा ही क्यों न हो। अब इन पुरुषों में से अधिकतर का व्यक्तित्व बड़ा ही शानदार है; और भाई ब्रन्हम ने भी यीशु के व्यक्तित्व की तुलना फरीसियों के व्यक्तित्व से की थी। उन्होंने तुलना करते हुए कहा था, कि वह भला बुजुर्ग पुरोहित लोगों के प्रति बहुत ही बढ़िया था, और यह खानाबदोश यीशु, जैसा कि लोग उसे ऐसा कहते थे; मन्दिर में आया, और उसने रस्सियों को आपस में लपेट कर एक कोड़ बनाया, और पैसों का लेन देन करने वालों को लत मार कर बाहर कर दिया, पिंजरों को बाहर फेंक दिया और पुरोहित–याजको को कोड़े से मारा, और कहा,*''यह लिखा है, कि मेरे पिता घर प्रार्थना का भवन कहलाएगा।''* उन्होंने कहा था, अगर आप वहाँ पर हुए होते, तो आपने किस को परमेश्वर का सेवक सोचा होता, क्या उस निष्ठुर–कठोर व्यक्ति को जो वहाँ पर था या उस भले बुजुर्ग पुरोहित को? यह उसके द्वारा बिलकुल भी जाँचा–परखा नहीं जाता है। अब जब उसने कहा था, कि ''तुम उन्हें उन के फलों से पहचान लोगे,'' तो प्रचारक इस बात का अर्थ इस प्रकार से बताते हैं, कि इसका मतलब होता है, कि आप कितने कोमल और मृदु हो सकते हैं, आप कितने ज्यादा बढ़िया हो सकते हैं, आप कितने ज्यादा मुस्करा सकते हैं। जी नहीं, वह इसे इस प्रकार नहीं कह रहा था। यह केवल प्रेमपूर्वक खुश होकर बातचीत करने तथा ऐसा ही और सब कुछ करनें के बारे में नहीं कह रहा है। यह तो पवित्रता के मापदंड़ों के बारे में ही कह रहा है; और फिर **जब आप पवित्रता के मापदंड़ों पर चलते हैं, तो इसके साथ साथ कोई बात होती चली जाती है, और वह यह है, कि ये यह प्रमाणित करता है, कि आप सत्य का ही प्रचार कर रहे हैं।** अब,

आप इसे समझ लें। यह तो एक दूसरे के द्वारा होने वाली प्रक्रिया है। ये यही दिखाता है, कि सत्य का आत्मा आपके अंदर वास कर रहा है, और अगर सत्य का आत्मा आपके अंदर वास कर रहा है, तो आप सत्य के पुरुष हैं, और जैसा कि आप सत्य के पुरुष हैं, अब आप उस पवित्रता को अपने जीवन में स्थापित कर सकते हैं। यह बिलकुल ठीक बात है, लोगों को अच्छा नहीं लगता है, कि मैं यह बात कहूँ, लेकिन मैं फिर भी इस बात को कहूँगा, जैसा कि आप देखते हैं, चूँकि मैं उन पर––उन झूठे गर्जनों पर आश्रित हो कर नहीं जी रहा हूँ, अतः मैं यहाँ वहाँ जाकर प्रचार करने के लिए जगह माँगने के लिए भीख नहीं माँगता फिर रहा हूँ। वे सारे गर्जन जो न्यू यॉर्क से शुरू हुए और जो कोई भी भविष्यद्वक्ता होने का दावा करता है, उसे उसी पैमाने से नापा जाता है, जो पैमाना जाँचने–परखने के लिए यीशु ने हमें दिया था। **उन सात गर्जनों ने , जिनके लिए वे दावा करते हैं, कि उनका आगास 1974 में गर्जन की बेदारी के साथ ही हुआ था, भाई ब्रन्हम के पवित्रता के सन्देश को तबाह कर डाला है। अब मैं उन्हें उस आधार पर, जिसके लिए प्रभु यीशु ने कहा था, कि,''तुम उन्हें उन के फलों से पहचान लोगे,'' कैसे ग्रहण कर सकता हूँ, कि वे परमेश्वर की ओर से हैं, जबकि इन झूठे गर्जनों ने भाई ब्रन्हम के द्वारा सन्देश में स्थापित किये गए पवित्रता के मापदंड़ों को तबाह कर दिया है, उन पर समझौता कर लिया है, उन में रद्दोबदल कर दी है, और उनमें बुरी तरह से परिवर्तन कर दिया है। वे तो भ्रष्ट–निकम्मे प्रचारक हैं। उन्होंने उस पहरावे को बदल दिया जिसे भाई ब्रन्हम ने स्थापित किया था, वे हुकूमत करने वाली उन महिलाओं को अंदर लेकर आ गए, जो पत्र–पत्रिकाएं लिख रही हैं, और जिनकी अपनी वेबसाइट हैं, और वे अपने शयनकक्षों में अपने पति पर प्रचार कर रही हैं, और उनके पति प्रचार मंच पर आकर उसी का प्रचार करते हैं। इसने तो उन कोमल–नाजुक हड्डीरहित पुरुषों को उपजाया है, जो अपने घर–परिवार को अपने काबू में नहीं रख सकते हैं। उन गर्जनों ने लोगों को फिर से टेलीविज़न के सामने वापस भेज दिया है। प्रचारक व्यभिचार और कुमारीगमन में गिर गए और ठीक वैसा ही हाल उनकी मंड़ली का हुआ है। वे अपने लोगों के शादी–ब्याह उन लोगों में करते हैं जिन्होंने उद्धार पाया हुआ नहीं है।** क्या हम उसे ऐसे ग्रहण कर सकते हैं, जैसे वह परमेश्वर का हो? *(सभा कहती है, ''जी नहीं'')* अगर कोई भी ऐसी चीज जो इस बात का दावा करती है, कि वह ऊँची, जबरदस्त, बिजलियों की कड़कड़ाहट, गर्जन और भूचाल है, और दावा किया जाता है, कि वह तो गर्जन वाली एक बेदारी है; और अगर कोई उठ खड़ा होता है, और इस बात का दावा करता है, कि वह एक ऐसा भविष्यद्वक्ता है, जो संसार में चारों ओर जाकर फसल काटेगा, संसार भर में जो कई आठवें दूत उठ खड़े हुए हैं, और जबकि वे

अपने भारी–भरकम प्रकाशन का प्रचार कर चुके हैं, और भाई ब्रन्हम के पवित्रता के उस सन्देश को तबाह कर चुके हैं, जिसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत–मशक्कत की थी, अगर ऐसी बातें हमारी राह मैं आ जाती हैं, तो हम उस आधार पर जो यीशु ने कहा था, क्या हम उन जैसों को ऐसा कहेंगे, कि वे परमेश्वर की ओर से हैं? आइये मैं इस पर आपकी आवाज़ें सुन लूँ। (*सभा कहती है, ''जी नहीं'')* मैं कहता हूँ, कि वह सब कुछ शैतान का ही है। मैं कह रहा हूँ! वह एक झूठा भविष्यद्वक्ता है। मैं कह रहा हूँ, कि आप उन झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहें, जो आपके पास भेड़ की खाल ओढ़े हुए आते हैं।

जिससे वे खुद अपने को महाराजा की तलवार के वार से और सच्चे सेवकों के द्वारा बेनकाब होने से बचा सकें, क्या आप जानते हैं, कि इन झूठे भविष्यद्वक्ताओं ने क्या मूलमंत्र खोज निकाला? इन झूठे भविष्यद्वक्ताओं ने मूलमंत्र के तौर पर एक शिक्षा इज़ाद की, जो की ''प्रेम–सुसमाचार(love gospel) कहलाता है–''**छूओ मत, चखो मत, छेड़ो मत, बुरा न बोलो, किसी दूसरे भाई की शिक्षा को झूठी शिक्षा मत कहो; यह मत कहो, कि वह भाई एक झूठा भविष्यद्वक्ता है, तुम कभी किसी को''मसीहविरोधी'' मत कहो; तुम यह कभी न कहो, कि कोई सन्देश से भटक गया है। हमें तो एक दूसरे के साथ प्रेम और मेल में रहना चाहिए।''तुम झूठे ढ़ोंगी–पाखंड़ी! यह बिलकुल ठीक वही है जो यीशु ने कहा था,'' वे तुम में भेड़ की खाल ओढ़े हुए आते हैं।'' यही तो भेड़ की खाल है। तुम ये दिखा रहे हो, कि इस प्रेम और सत्य का प्रमाण आपके उस मृदुल व्यक्तित्व में, और आपके उस समझौता करने वाले व्यक्तित्व में, उस ढ़ोंगी व्यक्तित्व में हैं, जो पाप के विरूद्ध चिल्लायेगा नहीं, और जो भाई ब्रन्हम के सन्देश को पवित्रता के उन मापदंड़ों में स्थापित नहीं करेगा, जिन्हें भाई ब्रन्हम ने स्थापित किया था। क्या यह सही बात है?**

अब वे खुद ही अपने ऊपर इस भेड़ की खाल को ओढ़ रहे हैं, और वे उसे लोगों के लिए एक मापदंड़ स्वरूप पहन रहे हैं, ताकि लोगों को मालूम हो, कि कौन सच्चा है और कौन झूठा। दूसरे शब्दों में कहते हैं,''वह ब्रूस तो उतावला किस्म का इंसान है। तुम देखते हो, कि वह गर्जनों को कैसे झूठा बताता है। तुम देखते हो, कि वह न्यू यॉर्क के विषय में कैसे बातें बनाता है; और मैं जानता हूँ, कि वह न्यू यॉर्क में किसके के बारे में बोल रहा होता है। तुम देखते हो, कि वह इस पुरुष के विषय में, जो यहाँ पर है, और जो ''निमर्गन'' की शिक्षा देता है, और हर एक को तीसरे निगर्मन में लेकर चल रहा है,कैसी कैसी बातें करता है। तुम उस पुरुष का व्यक्तित्व

देख सकते हो। तुम इस पुरुष को देख सकते हो, तुम देख सकते हो, कि उसके पास कोई प्रेम नहीं है; उसका व्यक्तित्व तो सही किस्म का भी नहीं है।'' तुम तो सारे मामले को ही ''भले लड़के वाला'' मामला बनाते चले जा रहे हो; और यह कोई ''भले लड़के वाला'' मामला नहीं है; यह तो कुछ वैसा ही है जैसा यीशु ने मत्ती 23 में बोला था,''*हे फरीसियों और शास्त्रियों, तुम ढ़ोंगियों! तुम कटोरे और थाली को ऊपर ऊपर से माँजते हो, परन्तु वे भीतर अंधेरे और असंयम से भरे हुए हैं। हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों, तुम चूना फिरी कब्रों के जैसे हो; जो भीतर मुरदों की हड्डियों से भरी हुई हैं। तुम उन कब्रों के जैसे हो जो दिखाई तो नहीं देती हैं, और जो लोग तुम्हारे ऊपर चलते हैं, उन्हें मालूम ही नहीं होता है, कि वे कब्रों के ऊपर चल रहे हैं।''* जी हाँ! *''हे कपटी शास्त्रियों और फरीसियों, तुम विधवा का घर लूट लेते हो, और दिखावे के लिए लम्बी लम्बी दुआऐं करते हो।''* प्रेम सुधारता है, प्रेम लताड़ता है, प्रेम परमेश्वर के वचन का कहा मानता है। ऐसा ही प्रेम होता है। परन्तु अब इस झूठे भविष्यद्वक्ता ने जिसने भेड़ की खाल ओढ़ी हुई है, उसी भेड़ की खाल को ही मापदंड़ बना दिया है, जिससे आप यह समझ जायें, कि कौन सच्चा है और कौन झूठा है। यह भेड़ की खाल नहीं है, जो मापदंड़ हो। यह तो वह फल है जो पेड़ पर लगते हैं, जो मापदड़ है। यह तो वह है, कि इससे कोई मतलब नहीं है, कि अगर आप पवित्रता के मापदंड़ को ऊपर उठा कर रखना चाहते हैं, और पवित्रता के मापदंड़ों को स्थापित करना चाहते हैं, तो चाहे आप को कठोर हो जाना पड़े, चाहे आपको निष्ठुर हो जाना पड़े, चाहे आपको डाँटना–फटकारना पड़े, और चाहे आप को भाई ब्रन्हम के जैसे ही अतिवादी बनना पड़ जाये, अगर आप के अंदर पवित्र आत्मा है, तो आप ऐसा अवश्य ही करेंगे।

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पास तो अपनी माता के गर्भ से ही पवित्र आत्मा था, और **जब उसने उन पुरुषों को आते हुए देखा, तो उसने कहा था,''*तुम्हें किसने चिता दिया, कि तुम परमेश्वर के आने वाले क्रोध से भागो; इसलिए मन फिराव के योग्य फल उत्पन्न करो।''* क्या आपने सुना था, कि वह किस लिए बुलाया गया था? मित्र, उसने कहा था,कि ''अपना पादरी वाला लबादा पहनकर यहाँ मत आओ। तुम यहाँ पर धीरे धीरे और होले होले बोलते हुए मत आओ। तुम यहाँ पर अपने पुरोहित वाले स्वभाव को और अपने शानदार व्यक्तित्व को लेकर मत आओ।'' मित्र, वह तो पानी में खड़ा हुआ एक**

कठोर सा पुरुष था। अब उसने कहा था,''कुल्हाड़ा पेड़ की जड़ पर रखा हुआ है; जो पेड़ अच्छा फल नहीं लाता है, वह काटा और आग में झोंका जाएगा।''उसने कहा था, यहाँ पर तुम्हारे फल ही महत्वपूर्ण वस्तु हैं, ना कि तुम्हारे आँसू, और तुम्हारा इस सभा में आना, तुम्हारा प्रायश्चित करना;जो फल तुम पर लगते हैं, वे ही महत्वपूर्ण हैं। जी हाँ,'*'मन फिराव के योग्य फल उत्पन्न करो।'''तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।'*'उसने फल की माँग की थी। मित्र, फल कहने से अभिप्राय अच्छा व्यवहार नहीं है। फल कहने से मतलब यह नहीं है, कि आप पादरी–पुरोहित के जैसे चल रहे हों, और आप अपने पाँव तले कोई चींटी तक न रौंदते हों। क्या आप जानते हैं, कि यही है वह जिसने मेरे साथी प्रचारकों को मूर्ख बना दिया। जी हाँ। एक पुरुष यहाँ पर आया था, और उसने कहा था, कि वह एक किन्नर था, और आप जानते हैं, कि वह मेरे भले मित्रों को ही ले गया। वे कहते थे,''हम ने उस जैसा भाई कभी नहीं देखा है।'' उन्होंने कहा,''वह शख्स बिलकुल सही डील–डौल में है। हर एक वह शब्द जो वह बोलता है, वह उसे बोलते पर रो उठता है, और वह एक किन्नर है; वह आत्मिक और कुदरती तौर पर एक किन्नर है।'' मेरे भाई, भाई ब्रूस ऊपर उठकर खड़ा हुआ, और उसके लिए बोला, कि''वह तो एक मसीहविरोधी है। वह तो दो पाँव वाला सर्प है। वह शैतान है! उससे कोई सरोकार मत रखो।'' मैं उन में से लगभग दर्जन लोगों को उस भ्रान्ति से बाहर खींचने में सक्षम हो पाया था। मैंने कहा था, जो फल उस पर लगे हुए हैं, वे फल परमेश्वर के नहीं हैं। किसी ने मेरा विश्वास ही नहीं किया। सिर्फ मुट्ठी भर लोगों ने ही मेरा विश्वास किया। और उन लोगों को उस नींद के खुमार में से बाहर निकलने में कई साल लग गये। भाई लोग मेरे पास आए, और वे बोले,'' भाई ब्रूस, इस बात का अंत कहाँ पर होगा?'' मैंने कहा,'' जब उन में से कुछ को पहली बार अपनी अपनी अपनी पत्नियों से हाथ धोना पड़ जायेगा; तो यह सारा खेल बिगड़ जाएगा।'' मैंने कहा,'' उन्हें मालूम हो जाएगा, कि वह कोई किन्नर नहीं है।'' और उसके कुछ सालों बाद उनकी नींद टूटी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

मेरे भाइयों और बहनों, ताकि सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों की कुछ अलग हटकर ही व्याख्या करें, ये पुरुष''प्रेम सुसमाचार'' का प्रचार करते हैं, और वे सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों को तोड़कर पार निकलने को''कमजोरी'' का नाम देते हैं। उनका कहना है,''किसी को भी किसी की कमज़ोरियों को जाँचना–परखना नहीं चाहिए। प्रचारक भी किसी के भी

जैसा ही कमज़ोर पड़ गया, और व्यभिचार में पड़ गया, और कुमारीगमन में जीवन जी लिया। प्रचारक बस कमज़ोर पड़ गया और पाँच–पाँच औरतों के संग रहता रहा; लेकिन यीशु मसीह का लोहू इतना शक्तिशाली है, कि वह सारा का सारा काम जो उसे करना है, वह यह है– कि वह प्रायश्चित करे, और प्रचारमंच के पीछे आ जाए।'' जी नहीं श्रीमान, ''कलीसिया के प्रबंध'' पर जो पवित्रता के मापदंड़ हैं, उनके अनुसार ऐसा कतई नहीं है; भाई ब्रन्हम ने तो कहा था,''*अगर उस प्रचारक ने अनैतिक जीवन व्यतीत किया है, तो आपको उसे बर्खास्त कर देना चाहिए।*'' जी हाँ!

अतः अब जो वे पवित्रता के इन मापदंड़ों को तोड़ने के सम्बंध में बहानेबाज़ी पेश करते हैं, वे ये हैं, कि उस भाई ने गलती की, और वह टेलीविज़न को वापस लेकर आ गया, लेकिन जैसे जैसे वह मज़बूत होता चला जाएगा, वह जयवंत हो जाएगा। क्या ही गलती है? मित्र, क्या आप जानते हैं, कि आपको दूरदर्शन अर्थात् टेलीविज़न पर उन वाहियात–अश्लील कार्यक्रमों को देखने के लिए ना जाने कितनी ही बार अपने विवेक की सीमा को लाँधना होता है, और आपको अनैतिकता में जीवन जीना होता है?अतः ऐसे ऐसे कामों के लिए कोई बहाना नहीं है, और फिर आप चाहे कोई भी क्यों न हों। झूठे गर्जनों के माननेवाले ऐसे काम करने के गुनाहगार हैं। यह साबित करता है, कि उनका स्वभाव भ्रष्ट और निकम्मा है, और उन्होंने नया जन्म पाया हुआ नहीं है, और उनके भीतर पवित्र आत्मा बिलकुल भी नहीं है। वे कोई भी जो पवित्रता के सन्देश को इतने बेहूदापन से नाश करता है, और चाहे वे इस बात का कैसा ही दावा क्यों न करता हो, कि उनके पास गर्जन हैं और उनके पास भूचाल हैं, उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, और उनके पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है, वरना वे ऐसी बकवास करते ही नहीं; और वे यह जान लेंगे, कि जो यह प्रचारक कह रहा है, वह हकीकत है। ''*जब वह पवित्र आत्मा आएगा, तो वह तुम्हारी सारे सत्य की ओर अगुवाई करेगा।*' वे जो उन जैसी बातों को थामे हुए हैं, उनकी प्रचारकों द्वारा गलत अगुवाई हुई है। वे जो आज बहाने बनाते हैं, ये हैं ,कि–उनकी गलतियाँ तो पहले से ही ठहरायी हुई हैं; यह तो पहले से ही ठहरा दी गई थीं; और उन्हें तो किसी एक निश्चित प्रक्रिया से होकर गुज़रना है।अगर किसी भी समय कोई भी प्रचारक परमेश्वर के लोगों की गलत अगुवाई करता है–उन्हें गुमराह करता है, और व्यभिचार करता है; और उन्हें उस प्रकार के दुष्ट तौर–तरीकों के द्वारा जीने के लिए भेजता है, और बजाये

इसके कि उन्हें प्रायश्चित पर लेकर आये, उन्हें बहानेबाजी करना सिखाता है, और उन से कहता है,''यह तो परमेश्वर के द्वारा जगत की उत्पत्ति से भी पहले ठहरा दिया गया था। यह मेरे साथ इसी लिए हुआ, ताकि मुझे आगे के लिए ट्रेनिंग मिल जाए।''तो आप एक झूठे नबी हैं! तुम तो धोखा खिलाने वाले ढ़ोंगी–पाखंड़ी हो। जब कभी कोई मनुष्य पाप करता है, तो परमेश्वर के पास लौटने का उसके लिए सिर्फ एक ही तरीका है, कि वह प्रायश्चित करे, और सत्य को जाने; और जिस किसी ने गलती की है, वह आकर खुद अपने को दीन और नम्र बनाये, और उन लोगों के पास आये जो परमेश्वर के वचन के समर्थन में खड़े रहते हैं, और आपको जाकर यह पहचानना और मानना होता है, कि वे वचन के लिए खड़े रहे और तुम खुद वचन के लिए खड़े नहीं रहे।

मेरे वे सारे मित्र जो तीन बड़े छलावों के बहकावे में आ गए थे, क्या वे कभी लौटकर मेरे पास आए, और क्या कभी उन्होंने कहा,''मुझे अफसोस है?'' जी नहीं; एक बार भी नहीं! क्या कभी उन्होंने इस बात के लिए प्रायश्चित किया, कि वे प्रचार मंच से प्रचार करते हुए मेरी निन्दा में मुझे ''बिच्छू की ऐसी ज़हरीली पूँछ'' कहते हैं, जो दक्षिणी–आकाश में उड़ रही है, और ज़हर से भरी हुई है? क्या कभी उन्होंने आकर इस बात के लिए प्रायश्चित किया, कि वे लोगों को बता रहे हैं, कि उन्होंने इस बात को भांपा था, कि मैं एक व्यभिचारी हूँ? **जी नहीं, उनके लिए तो ऐसा करना बिलकुल असम्भव है! क्या तुम मुझे बताना चाहते हो, कि वह खुदा का है? जी नहीं, श्रीमान! उन तीन छलावों के बहकावे में आकर भटक जाने के बाद तुम ने कभी प्रायश्चित ही नहीं किया, वरन तुम ने उसके उलट उन लोगों को ही सताया, जो परमेश्वर के वचन के लिए खड़े होते थे। तुम ने उन लोगों के पास आकर कदापि यह नहीं कहा, ''सुनो, हम गलत थे और अब हम सुधरना चाहते हैं। यहाँ तक कि हम आपके साथ फिर से संगति करना चाहते हैं।'' जी नहीं, उन्होंने एक बार भी ऐसा नहीं किया। परन्तु इस सबसे बढ़कर वे तो झूठ ही बोलते हैं, और कहते हैं, कि वे तीन बार मेरे पास प्रायश्चित करने के लिए पहुँचे। क्या आप ऐसे सफेद झूठ की कल्पना कर सकते हैं? आप ज़रा उसकी कल्पना तो करें। जब तुम उस प्रकार का झूठ बोल सकते हो, मित्र, तो तुम एक भ्रष्ट–निकम्मा पेड़ हो। इससे बढ़कर यह मुझ पर यही साबित करता है, कि तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है; और तुम्हारा बीज ही बुरा है। वह एक कारण जो तुम पहले छलावे में बहक गए थे, यही है; क्योंकि तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। दूसरे बहकावे में तुम इसी लिए आ गए, क्योंकि तुम ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। तीसरे बहकावे में तुम इसीलिए आए;क्योंकि तुम ने नये**

सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। और तुम ने उन तीनों बहकावों या छलावों को एक साथ मिलाकर एक और बहकावे का प्रतिपादन किया, और इस प्रकार से तुम ने चौथा बहकावा बना डाला, और तुम ने इस पर भी कभी कोई प्रायश्चित नहीं किया। तुम तो गलत हो।

1963 से लेकर 1973 तक कभी किसी ने उन दस वर्षो के लिए गर्जन का प्रचार नहीं किया था; इसके बाद न्यू यॉर्क में सबसे बड़ा नकलची उठ खड़ा हुआ, और उसने दावा किया, कि उसके पास गर्जन हैं। वे गर्जन के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं; और मैंने और आपने देखा, कि वे एक झूठी बेदारी की भावनाओं के आवेश में ही काम करते रहे, और उसका परिणाम यह निकला, कि उस बेदारी को फलहीनता और पाप और अनैतिकता ने अपने काबू में ले लिया। अब आप फिर से क्या देखना चाहते हैं? यीशु ने कहा था,''*तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।*'' वे जो इन''झूठे गर्जनों'' पर टिके रहे, आज उनकी हालत ऐसी है, जैसे किसी मरी हुई लाश को गिद्ध खा रहे हों..उनकी हालत तो बीते साल से और भी ज्यादा बदत्तर ही दिखाई पड़ती है, और वे उस काल्पनिक भ्रान्ति में और भी ज्यादा भ्रमित हालत में होते हैं, जिसे सन्1973 में सातवीं मोहर/सात गर्जनों के विषय पर पाये जाने वाले सब से बड़े नकलचियों में से एक नकलची ने शुरू किया था। मेरा भरोसा है, कि वह मर रहा नकलची प्रायश्चित कर लेगा और परमेश्वर की सन्तानों को सच्चाई बता देगा, कि उसने कल्पना ही कर ली थी, कि वह सात गर्जन समझ गया था। और यही तो उस अनजानी भाषा में छिपा हुआ था, जिसका अर्थ खुद भाई ब्रन्हम भी नहीं बतला सके थे। अब मेरा यकीन है, कि अगर वह ऐसा कर लेता है, तो सन्देश के विश्वासियों पर किसी इंसान के द्वारा किया गया सबसे बड़ा एहसान होगा; जबकि उसने उन्हें बहकाया था। मैं सचमुच में ऐसा ही विश्वास करता हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ, कि प्रभु उस पुरुष की, जो अपनी शय्या पर दम तोड़ रहा है, सहायता करे, कि वह भी वैसा ही कर ले, जैसा शनिचर मिशन वाली कलीसिया के संस्थापक ने किया था। उसने ''स्वर्ग पर उठा लिये जाने'' की एक तारीख ठहरा दी थी, और जब वह अपने पलंग पर अपना दम तोड़ रहा था, तो उसने अपने विश्वासियों को बताया था, ''ऐसा कहना, कि स्वर्ग पर उठा लिये जाने के लिए तारीख ठहराने के मामले में मैं अपनी गणना (Calculation) में गलत नहीं था, मैं एक बेईमान ठहरूँगा।'' उसने ऐसा किया था। और दूसरे पुरुष भी उठ खड़े हुए थे, और उन्होंने भी और दूसरी तारीखें ठहरा दी थीं। जब उनकी कही बात घटित न हुई, तो उन्होंने खुदकुशी कर ली थी। उन्होंने श्वेत चादर पहनी, और एक पहाड़ पर ऊपर गए, और उन्होंने वैसा किया। दुख की बात है, कि एक झूठा भविष्यद्वक्ता ऐसा काम करता है, लेकिन''तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।''

अब जब भी तुम सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों से भटकते हो, तो पवित्र आत्मा अपनी उड़ान भर लेता है। उत्पत्ति में पाप ने ही परमेश्वर को मनुष्य से अलग कर दिया था। अक्कन छावनी में एक ऐसी निन्दनीय वस्तु लेकर आया था, कि प्रभु का आत्मा वहाँ से चला गया था। आज सन्देश के चौगिर्द समस्या यही है, कि लोग प्रचारकगणों के प्रभाव में आकर पवित्रता के सन्देश और सन्देश के पवित्रता के मापदंड़ों से भटक कर दूर चले गए हैं। इसी का परिणाम यह है, कि आप वहाँ पर परमेश्वर की उपस्थिति और परमेश्वर का आत्मा नहीं पा सकते हैं, जैसाकि वह पवित्रता वाले लोगों के मध्य में मौजूद रहता है। ये रहा वह जवाब जो परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने हमें ''परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा कर रहा है''; नामक सन्देश में दिया है। मेरी बात यह है, कि जब आप पवित्रता के सन्देश से भटक जाते हैं, तो आपके साथ अकेले व्यक्ति के तौर पर, और कलीसिया के तौर पर भी ऐसा होता है, कि पवित्र आत्मा आपको छोड़ कर चला जाएगा।

पवित्र आत्मा ने अपनी उड़ान भर ली– परमेश्वर पाप से नफरत करता है

55. *आज हमें इस बात की आवश्यकता है, कि हमारे पास पुराने चलन वाले उन प्रचारकों में सें कुछ और हों, जो झंझोड़ कर रख देते थे। आज हमारे पास तो बहुत सारे कोमल–नाज़ुक हड्डीरहित प्रचारक हैं, जो इसे करने की चेष्टा कर रहे हैं।* ***हमें तो फिर से पवित्र आत्मा के बपतिस्मे की आवश्यकता है।*** *आप पूछते हैं, कि'' भाई ब्रन्हम, हुआ क्या है?'' जब तुम ने वैसा करना शुरू किया, तो पवित्र आत्मा ने अपनी उड़ान भर ली। पहली बात तो आप यह जानते हैं, कि आप कहते हैं, '' अब, यदि सूजी,आप जानते हैं, कि...ठीक है, मैं बिलकुल भी वापस नहीं जाऊँगा।'' पवित्र आत्मा दूर चला जाता है; और अपनी उड़ान भर लेता है। वह उस प्रकार से आप पर उड़ता न फिरेगा और ऐसा ही न करता फिरेगा। आप यह बात जानते हैं। वह तो एक प्रेमी है; वह तो ब्रम है।* ***और अगर आप चाहते हैं, कि पवित्र आत्मा आप पर ठहरा रहे...तो आप उस पुरानी, दुनियावी चीज को अपने से दूर कर दें...परमेश्वर पाप से नफरत करता है। और ऐसा कैसे हो सकता है, कि परमेश्वर, अर्थात् पवित्र आत्मा उस व्यक्ति के भीतर वास करने के लिए आ रहा हो, जो हमेशा ही पाप कर रहा हो, और जानबुझ कर यह बाहर आवारागर्दी कर रहा हो, और वह कर रहा हो, और इन जैसी जगहों में भागता फिर रहा हो। बिलकुल ठीक ऐसा ही मामला कलीसिया के साथ है।*** *(परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा कर रहा है 9/12/56)*

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 51

दुनियावी संगीत–अफ्रीकी थापें सन्देश की कलीसियाओं ने अपना लीं–झूठे गर्जनों ने इसे बढ़ावा दिया

बिलकुल ठीक है, मैंने वह बात यह कहने के लिए ही कही थी, कि **जब कभी खुदा का आत्मा पास्टर को छोड़ देता है, और कलीसिया को छोड़ देता है, तो वह कलीसिया रूखी हो जाती है।** प्रचारक का प्रचार रूखा हो जाता है। वहाँ पर वह आनन्द नहीं रहता है जो वहाँ पर होना चाहिए। उसके बाद जवान लोग आनन्द और खुशी के और दूसरे माध्यमों को तलाशने लग जाते हैं। वे वैसे ही विश्वास में पिछड़ने लगते हैं, जैसे तथाकथित पिन्तेकोस्तल विश्वास में पिछड़ गये थे। इसके बाद क्या होगा? **जब कभी आपके अपने निज जीवन में परमेश्वर के आत्मा की कमी हो जाती है, तो उसके बाद आप यह पायेंगे, कि आप सुख–विलास तलाशना शुरू कर देते हैं, क्योंकि आप के पास आनन्द का कोई तो साधन होना ही चाहिए, आप के पास खुशी का कोई तो साधन होना ही चाहिए।** और भाइयों और बहनों, हमारा आनन्द और खुशी तो हमारा प्रभु ही है। प्रभु का आनन्द ही हमारी सामर्थ है। और जब मसीही लोग वचन पर जोखिम उठाने के कारण, उन पापों के कारण जो उनके जीवनों में बने हुए हैं,अपने जीवनों में उससे चूक जाते हैं, तो वे अपना सिर फिर से दुनिया की तरफ घुमा लेते हैं। ऐसे में आप और भी ज्यादा नज़ारे देखना चाहते हैं; आप और भी औरते चाहते हैं; आप अपने जीवन में और भी ज्यादा पुरुष चाहते हैं; आप खेलकूद खेलना चाहेंगे, आप टेलीविज़न देखना चाहेंगे। आप उन स्नानों के लिए जाना चाहेंगे, जो स्त्री और पुरुष मिलकर करते हैं। आप गलत किस्म के गीत सुनना चाहेंगे। कलीसियाओं की यही तो समस्या है; **और अगर तथाकथित पिन्तेकोस्तल कलीसियाओं में यही समस्या थी, कि जब परमेश्वर का आत्मा उन्हें छोड़ कर गया, तो वे मनोरंजन अंदर लेकर आ गए, ताकि लोगों को बटोर कर रख सकें; तो मेरे मित्रों, तो आप ठीक उसी बात को देख सकते हैं, कि ठीक उसी चलन को मलाकी 4 के अनुयायियों ने अपना लिया है।** और जो मैंने आपको यहाँ पर बताया है, वही उन कार्यकलापों की ओर वापस लौटने का उत्तर है, जिन कार्यकलापों की भाई ब्रन्हम ने भर्त्सना की थी– उन कार्यकलापों में दूरदर्शन अर्थात् टेलीविज़न का देखना, खेलकूद का खेलना, दुनियावी गीतों को गाना, तथा ऐसी ही और दूसरी बातें शामिल हैं। वे आज के पिन्तेकोस्तलों के जैसे ही हैं।

अतः वह सबसे पहला काम जो उन्होंने करना शुरू किया, वह है, कि वे अपने गीतों के गाने में दुनियावी धुनें अंदर लेकर आए, ताकि उनके

पास पवित्र आत्मा की भरपायी हो सके। जिससे वे कलीसिया में आनन्द की भरपायी कर सकें, उन्होंने भाई ब्रन्हम की ही शिक्षा को बिगाड़ डाला। यह एक कुपंथ है। **जब आप सन्देशवाहक या बाइबल की किसी भी शिक्षा को बिगाड़ते हैं, तो आप कुपंथ के माननेवाले शख्स हैं।** वह शिक्षा ही कुपंथ बन जाती है। वे सन् 1974 में ''गर्जन'' लेकर आए। वे अफ्रीकी धुनें लेकर आए। वे अफ्रीकी भाषा में गीत गाने लगे। रॉक एन रोल अफ्रीका से आया। यह ठीक वही धुन थी जो गीतों में आ गई। इसके कुछ समय बाद वे देश में पाश्चात्य संगीत लेकर आए, और उन्होंने एक बेदारी में हवा फूंक दी, और उन्होंने कहना शुरू कर दिया, कि दुल्हन वाली बेदारी शुरू हो गई है। यह शैतान का ही एक झूठ है। **इसके बाद वे अफ्रीकी गीतों के अन्तर्गत, और रॉक एन रोल धुनों, स्लो रॉक धुन पर और पाश्चात्य संगीत की धुनों पर इतने ज्यादा भावुक हो गए, वे इन्हें लेकर तब तक अंदर आए** जब तक कि वे इतने भावुक नहीं हो गए, कि स्त्रियाँ गिरने लगीं, पुरुष गिरने लगे, वे भावुक होने लगे, वे अपने कपड़े उतार कर अधनंगी होने लगीं। उन्हें उन के ऊपर वैसे ही चादरे ढ़कनी पड़ती हैं, जैसे कि तथाकथियत पिन्तेकोस्तल ढ़कते हैं। **उन्होंने इस पर एक बहाना दिया, कि बाइबल में नहीं कहा गया है, कि किस किस्म की धुनें, किस किस्म की राग, किस किस्म का संगीत अंदर लेकर आना है।** अतः वे सभी किस्म के विभिन्न संगीत अंदर ले आये, वे विभिन्न प्रकार के गीत अंदर ले आए, क्योंकि बाइबल में इसके बारे में नहीं कहा गया था। तुम ढ़ोगियों, अगर तुम्हारे पास पवित्र आत्मा होता, तो तुम जानते, कि पवित्र आत्मा किस से खुश होता है। आप इसे वचन के छपे शब्दों में नहीं ढूँढ़ना चाहेंगे, क्योंकि यह तो''उत्पत्ति'' में आगे चलकर बदल गया था। परन्तु कुछ लोग तो शैतान की प्रेरणा हासिल करते हैं, और कुछ परमेश्वर की प्रेरणा हासिल करते हैं। **अगर आपके पास पवित्र आत्मा है, तो वही इसकी गवाही देता है, कि वह पवित्र आत्मा की ओर से आ रहा है। लेकिन अगर वह पवित्र आत्मा की ओर से नहीं आ रहा है, तो फिर इससे कोई मतलब नहीं है,** कि वह कितना मधुर है; पवित्र आत्मा उसकी बिलकुल भी गवाही नहीं देगा। **जी हाँ, ये आप पर यही साबित करता है, कि आपके पास पवित्र आत्मा बिलकुल भी नहीं है, और आप चाहे एक पास्टर, भविष्यद्वक्ता या चाहे जो कोई भी क्यों न हों।**

मैं इस पर आपको भविष्यद्वक्ता के ही हवाले बताऊँगा, ताकि आप देख सकें, कि मैं इस पर सही हूँ, या नहीं!

मैं उस किकियाने को(उस कर्कश गायन) को सुनने से घृणा करता हूँ, जिसे वे गायन कहते हैं–यह तो एक बिगड़ा हुआ रूप ही है

पुराने चलन वाले वे पुराने गीत कहाँ चले गए हैं, जिन्हें हम गाया करते

थे, और उन्हें गाते हुए परमेश्वर के आत्मा में मगन हो जाया करते थे, *और आँसू हमारे गालों पर से लुढ़कते हुए बह जाया करते थे?* ***और अब हम ऐसे गीत गाते हैं, कि हम अपनी सांस तब तक रोक कर रखते हैं, जबतक कि हमारा दम नहीं घुटने लगता है, और हमारे चेहरे नीले नहीं पड़ जाते हैं, और हम यह दिखाने की कोशिश करते हैं, कि हम तो किसी किस्म के बहुत बड़े गायक हैं।*** *समझे? हम तो* ***हॉलीवुड़*** *के गानों की, और उन सारे कार्यक्रमों की जिसमें उन सारे गीतों को गाया जाता है, जिन्हें* ***इन्सानी समझ*** *द्वारा बनाया और* ***सुरों की ट्रेनिंग के द्वारा*** *गाया जाता है, और जिन्हें हम देखते हैं, नकल करने की ही कोशिश करते हैं।* ***मुझे तो अच्छा गायन ही पसंद है; मुझे तो पुराने फैशन वाला, हृदयस्पर्शी, पिन्तेकुस्तीय गीतों का गायन ही पसंद है।*** *परन्तु मैं निश्चय ही,मैं उस किकियाने को(उस कर्कश गायन) को सुनने से घृणा करता हूँ, जिसे वे आज गायन कहते हैं। मैं सोचता हूँ, कि यह तो सबसे ज्यादा अजीबो–गरीब चीज है।यह तो एक बिगड़ा हुआ रूप ही है।(प्यास 19/9/65)*

यह बिगड़ा हुआ रूप है– यह दोगलापन है। और मलाकी 4 के माननेवालों ने गीतों के गायन को दोगला बना डाला है; वे हर तरह के सुर और थाप अंदर लेकर आ गए हैं, जैसे तथाकथित पिन्तेकोस्तल इन्हें अंदर लेकर आ गए थे।

अगर आपकी रूचि वैसी है, तो आपके साथ कुछ न कुछ गड़बड़ है

आप कहते हैं, ''मैं नाँच और पार्टियों और इसी तरह की सारी जगहों पर जाता हूँ। मैं और मैं...मैं गलत किस्म का साहित्य पढ़ता हूँ, मैं उन पुरानी किताबों को पढ़ता हूँ जिनके अंदर गंदी गंदी गाथाऐं होती हैं। मैं एक किस्म से उसे पढ़ने का आनन्द लेता हूँ। भाई आपके साथ कहीं कुछ गड़बड़ी है। यही आपकी रूचि है। देखिएगा, आप मुझे दिखायें, कि कोई क्या पढ़ता है, आप मुझे दिखायें, कि वह क्या देखता है, वह किस प्रकार के संगीत को सुनता है। किसी दिन जब मैं कार में आ रहा था, तो कोई एक व्यक्ति मेरे रेड़ियो के पास पहुँचा, और उसने मेरे रेडियो पर किसी प्रकार का पुराना गंदा–अश्लील संगीत लगा दिया। मैंने कहा, ''इसे बंद करो। मैं इसे नहीं सुनना चाहता हूँ।'' ***वह किसी किस्म का पुराना बूगी–वूगी संगीत था।*** *उसने कहा, ''क्यों, मुझे तो यह सुनना अच्छा लगता है।'' मैंने कहा, ''तुम्हारा स्वभाव गलत है। तुम गलत हो।''उसके कुछ दिन बाद जब मैं यहाँ पर उसी व्यक्ति के साथ पर्वत की ओर, या पहाड़ी की ओर मछली पकड़ने जा रहा था, तो वे छोटी छोटी चिड़ियाँ गुनगुना रही थीं, बगेरियाँ कोलाहल कर रही थीं, या पुरानी कोकिला हवा में उड़ रही थी; या कोकिला परमेश्वर की स्तुति का गान गा रही थी, और मैंने उस लड़के से चिल्लाकर कहा, ''देखो, लड़के, यही मेरा संगीत है। इसे बजते रहने दो। यही मेरा रेडियो है।''* ***परमेश्वर ही***

उन्हें मेरे लिए गीत गाने के लिए भेजता है, जबकि मैं यहाँ पर हूँ। यही मेरे प्राण को संतोष देता है। *(भरमानेवाली आत्माएं 24/7/55)*

क्या यह अद!भुत नहीं है? आप देखें, कि आपके प्राण को क्या सन्तोष देता है। प्रकृति, जानवरों की आवाज़ें, पक्षियों का कोलाहल, लहरों की कल–कल–छल–छल, सागर की गर्जन। जी हाँ,श्रीमान! और भाई ब्रन्हम ने कहा था, उन्हें यह पसंद है, इससे उनके प्राण को सन्तोष मिलता था।

यह तो शैतान की ही खुराक है– अगर आप उसका आनन्द लेते हैं, तो आप विश्वास में पिछड़े हुए हैं

*..**यही मेरे प्राण को संतोष देता है।** वह तो इन सब पुराने मूर्खतापूर्ण व्यर्थ के संगीत से, और इन पुराने जूक बॉक्सों (जूक बॉक्स खाँचेदार वह मशीन होती है जिसमें ग्रामोफोन के रिकॉर्ड चलते हैं) से जो दहाड़े मार रहे होते हैं और ज़ोर ज़ोर से चल रहे होते हैं....और यहाँ तक कि आप किसी सार्वजनिक स्थान पर भोजन भी नहीं खा सकते हैं; यह तो शैतान की ही खुराक है। यह तो शैतान का ही घर है। यह तो शैतान का ही गड्ढर है जो पाप के साथ पूरी तौर से लिपटा–बंधा होता है। क्या आप उसकी ओर पूरी तौर से आकर्षित होते हैं, और आप उसका आनन्द लेते हैं?* ***जब वे उन पुराने बॉक्सों के अंदर पैसे डालते हैं, तो वह सारा पुराना अश्लील व गंदा संगीत निकलकर बाहर आता है, और क्या आप उसका आनन्द लेते हैं? आपको शर्म आनी चाहिए! आप विश्वास में पिछड़े हुए हैं।*** *आप परमेश्वर से दूर हैं। आप परमेश्वर को नहीं जानते हैं। यदि आप ने परमेश्वर को अपने पापों की क्षमा में जाना होता, तो आप उस बेहूदे संगीत को कदापि न सुनते। वह तो आपके लिए मरा हुआ ही है। आप तो उसकी उल्टी ही कर डालेंगे। आप उसे नहीं चाहते। आप तो उत्तम किस्म का भोजन खाते हैं; आप परमेश्वर* से प्रेम करते हैं। क्या आप इस सुबह नहीं आयेंगे, और इस सुबह इन लोगों के साथ जो अपने अपने पापों का अंगीकार कर रहे हैं, यहाँ पर घुटने नहीं हो जायेंगे? *(भरमानेवाली आत्माएं 24/7/55)*

अगर आप में अभी भी किसी भी किस्म के दुनियावी संगीत के लिए स्वाद पाया जाता है, और एक युवक के रूप में आपके कानों में वह संगीत अभी भी समाया हुआ है, तो आप चाहे एक जवान हों, या बूढ़े हों, या आप चाहे जो कोई भी क्यों न हों, आप ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है; आप अभी भी बर्बादी में ही हैं; आप के भीतर एक शैतान है; और कभी न कभी आप एक ऐसी दुष्टात्मा से ग्रस्त हो जायेंगे, कि आप परमेश्वर के वचन को ही छोड़ देंगे। और भी बुरी बात तो तब होती है, जब कोई प्रचारक उस प्रकार का पाश्चात्य संगीत, या किसी किस्म का शैन्गो संगीत ऐसे छोटे प्रांत में लेकर आता है; आप तो अपनी मंड़ली को दूषित कर रहे हो; और वह प्रचारक खुद नये सिरे से जन्म पाया हुआ नहीं है।

एक मसीही आत्मा उस जैसे वाहियात संगीत को नहीं सुन सकती है

31. अ***ब, यहाँ बाहर उस सारे संगीत पर दृष्टि डालिए, जो पुराना–भद्दा और निन्दात्मक है; जिसे तुम बूगी–वूगी कहते हो, या वह जिस भी किस्म का वाहियात संगीत है, और जो ऐसा ही चलता रहता है। मैंने अपने जीवन में उस जैसा संगीत कभी नहीं सुना है।*** *मसीही आत्मा उस जैसे वाहियात संगीत को नहीं सुन सकती है, और ना ही उसे सुनने के लिए रूकी रह सकती है। समझे? (आओ हम आपस में वादविवाद करें 04/10/55)*

अगर आप एक मसीही हैं, तो आप उसे सुन नहीं सकते हैं; क्योंकि जो प्रेरणा उस संगीत को लेकर आ रही है, वह शैतान की है; और जो पवित्र आत्मा आपके भीतर है, वह उस शैतान के खिलाफ गवाही दे रहा है, और वह पवित्र आत्मा उससे घृणा करता है।

बूगी–वूगी– इससे मेरा पेट ही खराब और बीमार हो जाता है

52. ***किसी ने कहा था...मेरा पड़ोसी ऐसा है...जब भी वह अपने आँगन में घास काटने के लिए जाता है,*** *तो वह अपने रेडियो पर उस पुराने रॉक एन रोल को, बूगी–वूगी को, स्किमी डीग को, या वे उसे जो कुछ भी कहते हैं, लगा देता है।* ***और एक दिन मैंने उससे कहा, '' तुम क्यों उसे रेडियो पर लगा देते हो?'' वह बोला, '' बिली, तुम क्या जानो?'' वह बोला, '' जब तक कि मैं उसे रेडियो पर न सुनता रहूँ, मैं अपनी घास तक नहीं काट सकता हूँ।'' मैंने कहा, ''इससे मेरा पेट ही खराब और बीमार हो जाता है। ''*** *(प्रेम 26/7/56)*

रॉक एन रोल दर्जनों लोगों को पागलखाने भेज देता है

40. ***ये रॉक एन रोल की पार्टियाँ, जो उन जगहों में हो रही हैं, जिनमें तुम जाकर शामिल होते हो...जबकि वे उन में से दर्जनों लोगों को पागलखाने भेज देती हैं...और वे ठीक उसी प्रकार का संगीत, जिसमें बूगी–वूगी है, तथा ऐसा ही सब कुछ कलीसिया के अंदर ला रहे हैं।*** (चेहरा पुती इज़ाबेल 05/10/56)

यह अफ्रीका के ही हृदय से बाहर निकल कर आया

30. *तुम्हारे ये सारे पुराने रॉक एन रोल और बूगी–वूगी कहाँ से आये हैं? यह तो अफ्रीका के ही हृदय से बाहर निकल कर आया है।(परमेश्वर के छुटकारे का तीर 01/08/56)*

अगर यही उसका भोजन है, तो मैं आपको बता सकता हूँ, कि उसके पास किस किस्म की आत्मा है

15 ***जैसा कि मैंने हमेशा ही कहा है, कि'' मुझे किसी भी शख्स के घर के***

भीतर जाने दें।'' और वह चाहे बाहर सड़क पर अपनी गवाही क्यों न देता हो, चाहे वह गीत क्यों न गाता हो, चाहे वह ज़ोर ज़ोर से जयजयकार क्यों न करता हो, चाहे वह अन्य अन्य भाषाओं में ही क्यों न बोलता हो; चाहे वह जो कुछ भी क्यों न करता हो; मुझे उसके घर के भीतर जाने दे ं और चारों ओर दीवारों पर टंगी हुई उन लड़कियों की तस्वीरें देखने दें, जो उसने दीवारों पर टाँगी हुई हैं...आप मुझे उन पत्रिकाओं पर दृष्टि डालने दें, जिन्हें वह अपनी डेस्क पर बैठकर पढ़ रहा है, और मुझे उस संगीत को सुनने दें, *जो उसने अपने रेडियो पर कोई वाहियात अफीकी रॉक एन रोल या बूगी–वूगी संगीत लगाया हुआ है; मैं ठीक इस समय बता सकता हूँ, कि उसके पास किस किस्म की आत्मा है। **क्या आप देखते हैं, कि वह किस किस्म का भोजन खाता है?** मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वह सड़क पर कितना ज्यादा काम करता है, सचमुच में तो वह इसी किस्म का भोजन खा रहा है। यही तो उसकी खुराक है। यह सही बात है। **इससे कोई मतलब नहीं है, कि वह कितनी अच्छी तरह से दावा करता है...इससे कोई भी फर्क नहीं पड़ता है।** यह देखिए, कि उसकी आत्मा किस से पोषित होती है, वह किस किस्म का गीत–संगीत सुनता है, वह क्या पढ़ता है; वह क्या देखता है, इसके बाद आप बता सकते हैं, कि वह किससे बना हुआ है। और उसका चरित्र ही हमेशा ऐसा बतायेगा।* (**चेहरा पुती इज़ाबेल** 05/10/56)

अब मैं इस हवाले को यहाँ पर आपको ये दिखाने के लिए प्रस्तुत नहीं कर रहा हूँ, कि हम पवित्रता के सन्देश का पालन सैद्धांतिकवाद में होकर नहीं कर रहे हैं। मैं इसके लिए भाई ब्रन्हम का हवाला बताऊँगा।

कलीसियाओं में प्रचारमंच से लेकर जन–साधारण के कक्ष तक सफाई की आवश्यकता है

*भाई, सारी धरती पर कलीसियाओं में प्रचारमंच से लेकर जन–साधारण के कक्ष तक सफाई की आवश्यकता है; यही है वह जिसकी हमें आवश्यकता है; क्योंकि पवित्र आत्मा तभी जगह पा सकता है। परमेश्वर पवित्र परमेश्वर है। **मैं इस बात का विश्वास नहीं करता हूँ, कि आप अपनी पवित्रता के आधार पर स्वर्ग में चले जाएं; मगर आप तो परमेश्वर की पवित्रता के आधार पर ही स्वर्ग में जायेंगे।** लेकिन ये आप के काम ही हैं, जिनसे आप यह साबित करते हैं, कि आप के भीतर क्या है। यह सही बात है।(वह चादर जो उतरन है 06/12/56)*

अब इस बात को प्रमाणित करने के लिए, कि मैं आप को यहाँ पर यह बता रहा हूँ, यद्यपि हम अपनी पवित्रता के आधार पर स्वर्ग में नहीं जायेंगे, लेकिन अगर पवित्र आत्मा हमारे भीतर है, तो आपको अवश्य ही पवित्रता का साक्षात् प्रकटीकरण करना चाहिए, और

जो फल आप पर लग रहे हैं, उनके द्वारा आप दिखाते हैं, कि आप कौन हैं। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने इस धरती के मुख मंड़ल पर पाये जाने वाले हर एक मनुष्य को जाँचने–परखने के लिए इसी पैमाने का अर्थात् पवित्रता के सन्देश का ही उपयोग किया था। अगर हमारे पास वह पैमाना ही ना हो, तो हम यह कदापि नहीं जान पायेंगे, कि कौन क्या है। बिलकुल ठीक है। मैं कह रहा हूँ, कि वह तो एक कुपंथ है।

मैं जानता हूँ, कि आपकी आत्मा किस किस्म का भोजन खाकर पोषित हो रही है

श्रीमान, आप मुझे अपने दफ्तर में जाने दें; और मैं आपको बता दूँगा, कि आप एक मसीह हैं, कि नहीं। *और जब मैं वहाँ पर होता हूँ, तो आप ज़रा अपना रेडियो चलाकर तो सुनें, और अगर आप किसी किस्म का पुराना बूगी–वूगी(धूम–धड़ाके वाला) संगीत सुन रहे हैं, और आप मुझे उन तस्वीरों को जो आपने अर्द्धनग्न स्त्रियों की अपनी दीवारों पर लगायी हुई हैं, नज़र डालकर तो देखने दें, और मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि आप क्या कहते हैं, मैं जानता हूँ, कि आपकी आत्मा किस किस्म का भोजन खाकर पोषित हो रही है। **यह सच है। यह बिलकुल सच है।** (परमेश्वर अपना वचन पूरा करता है 15/01/57)*

क्या भाई ब्रन्हम ने उसी पैमाने का उपयोग किया था?(सभा कहती है,''आमीन'') उन्होंने कहा था,''आप मुझे अपने दफ्तर में आने दो; और आप चाहे जो कोई भी हैं, मैं आपको बता दूँगा, कि आप के पास किस किस्म का आत्मा है।'' उन्होंने कहा था,'' मुझे वह सुनने दें जो आप सुन रहे हैं। मुझे उस पर नज़र डालने दें जो आप देख रहे हैं, और मैं आपको बता दूँगा, कि आप के पास किस किस्म का आत्मा है।''यही तो हमारा मापदंड़ है, आज हर एक प्रचारक के लिए, हर एक भविष्यद्वक्ता के लिए, हर एक आत्मिक जन के लिए, हर एक गर्जन के लिए, गर्जन वाले हर एक शख्स के लिए, बिजली की चमक वाले हर एक शख्स के लिए, भूचाल वाले हर एक जन के लिए, और आज आप जो यहाँ पर बैठे हैं, आप के लिए यही तो मापदंड़ है। यही एक मात्र तरीका है, जिससे मैं आपको जानूँगा, मैं देखना चाहता हूँ, कि आप किसे प्रकट करते हैं। आप चाहे तो उछल–कूद सकते हैं, चीख–चिल्ला सकते हैं, आप जो चाहे वह कर सकते हैं।

मुझे तो यह अच्छा लगता है, कि कलीसिया में बजने वाला संगीत वैसा ही बजे जैसाकि कलीसिया में बजा करता था।

22– ***मैं एक युवक के लिए प्रार्थना करता हूँ, और मैं उसके लिए हर वक्त प्रार्थना करता हूँ। लेकिन वह तो शैतान के हाथों में एक औज़ार है, और इस***

युवक का नाम ऐल्विस प्रेसली है। *लोग बूगी–वूगी या रॉक एन रोल के लिए जंगली बन चुके हैं। अमेरिकी लोग तो जंगली हो चुके हैं। और वे उसी आत्मा के प्रभाव में होकर उस चीज को कलीसिया के अंदर लेकर आने का प्रयास कर रहे हैं। मुझे तो यह अच्छा लगता है, कि कलीसिया में बजने वाला संगीत वैसा ही बजे जैसाकि कलीसिया में बजा करता था; और मुझे यह पसंद नहीं कि कलीसिया के अंदर रॉक एन रोल गीत–संगीत बजे।* ***परन्तु जब उन पर ये आत्मा आ जाती हैं, तो इसके पीछे कोई बात होती है; और यह शैतान ही है जो खुद अपने को एक चुनौती देनेवाले के रूप में रखता है। और ऐसा हुआ है, कि इस अभागे पिछड़े हुए पिन्तेकोस्तल लड़के ने कहा था,*** *''जो उसके मटकने और लटके–झटके देने के अन्दाज़ हैं, उसने इन्हें गिरजे के अंदर ही सीखा और पकड़ा था।''* ***वह मैम्फिस, टेनैस्सी की फर्स्ट ऐसम्ली ऑफ गॉड का सदस्य है। उसका पास्टर मेरा एक मित्र है। और इन किशोर–किशोरियों के दिमागों को भ्रष्ट और गंदा करने के लिए वह शैतान के हाथों में एक औज़ार है।*** *(परमेश्वर अपना वचन पूरा करता है 20/01/57)*

वह युवक ऐल्विस प्रेसली था। क्या आप जानते हैं, कि कहाँ पर उस में वह दुष्टात्मा पैंठ गई थी? कलीसिया के अंदर! क्या मुझे इस संगति में दुनियावी संगीत पर समझौता करना चाहिए? (सभा कहती है,'' जी नहीं!'') जी नहीं, भाई, यह यहाँ पर कदापि अंदर नहीं आया है, और अगर ज़रा–बहुत ऐसा ही कुछ अंदर आ भी गया, तो हम ने उसे निकाल कर बाहर फेंक दिया; और हम उन दुनियावी गीत–संगीत से नफरत करते हैं। और हमारे पास तो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संगीतकार हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के आत्मा में होकर संगीत बजाते हैं। अगर कलीसिया ने ही एक ऐल्विस प्रेसली पैदा किया था, और ये वाले कार्यकलाप सन्देश की छत्रछाया में से ही निकलकर आ रहे हैं, तो क्या यह ऐल्विस प्रेसलियों का एक और झुण्ड़ पैदा नहीं करेगा? और इस सन्देश में लोगों का विश्वास में पिछड़ने का यही कारण है–वे पवित्र आत्मा को हटाने के लिए मनोरंजन अंदर लेकर आ गए, और उन्हें इसके लिए गीतों को दोगला बनाना पड़ा। मैं कह रहा हूँ, कि अगर आप परमेश्वर के भवन में गीत–संगीत के मामले में जो शिक्षाएं हैं, उन्हें दूषित करते हो, तो यह एक कुपन्थ ही है।

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 52

स्पोर्ट्स बॉल की टीमें; सामूहिक प्रतियोगिताएं—इसमें प्रचारकों और विश्वासियों की भागीदारी

इससे अगली बात जो उन्होंने भाई ब्रन्हम की शिक्षाओं पर बिगाड़ी है, वह है–उनकी खेलकूद के सम्बंध में दी गई शिक्षाएं। आज जो सन्देश में ऊँचे–ऊँचे रुतबे पर जगह हासिल किये बैठे हैं, उन के पास खेलकूद की सुविधाएं हैं, उनके पास मनोरंजन के

लिए पार्क हैं, उन के पास ऐसे कक्ष हैं, जहाँ मनोरंजन किया जाता है; और जब वे इन कैम्प मीटिंगों में जमा होते हैं, तो सन्देश के विश्वासियों के लिए वहाँ पर विभिन्न प्रकार के बॉल गेम्स् तथा विभिन्न प्रकार के खेलकूद होते हैं। आइये हम देखें, कि क्या यही बाइबिल की शिक्षा है या नहीं। आइये हम देखें, कि क्या ये भेड़ की खाल में भेड़िये हैं, या नहीं; अथवा आइये हम देखें, कि क्या यह सन्देश है, या नहीं। मैं कहता हूँ, कि यह सन्देश नहीं है। मैं कह रहा हूँ, कि उन्होंने लोगों को समेट कर रखने के लिए कलीसिया में खेलकूदों को विकल्प के रूप में अपना लिया है, क्योंकि आत्मा कलीसियाओं को छोड़कर जा चुका है, क्योंकि उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, और वे ऐसे प्रचारकों की छत्रछाया में ही बैठे हुए हैं, जिन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। और अब तो जापान में ही वर्ल्ड कप होने वाला है। आइये मैं आपको कोई बात बताये देता हूँ, **चार तरीके हैं, जिनके द्वारा आप स्पोर्ट्स या खेलकूद का समर्थन करते हैं। आप एक स्पोर्ट्समैन हो सकते हैं, या आप स्पोर्ट्स को पसंद करनेवाले शख्स हो सकते हैं। चाहे आप एक स्पोर्ट्समैन हों या आप एक दर्शक हों; आपके भीतर एक सी ही दुष्टात्मा होती है। चाहे आप स्टेडियम में जाते हों, या आप खेलकूद की जानकारी के लिए अपने कान से रेडियो चिपकाये रहते हों, या आप उसे टेलीविज़न पर देखते हों, या उसके बारे में देखने में अखबार और पत्रिकाओं को खंगालते हों, आप के भीतर एक सी ही दुष्टात्मा है।**आप कहते होंगे,'' प्रचारक महोदय, आप ऐसी कड़ी बात कहने के लिए वचन के कौन से लेख का उपयोग कर रहे हैं?'' *''वह जो संसार और संसार की वस्तुओं से प्रेम करता है, उस में पिता का प्रेम नहीं है; क्योंकि जो कुछ भी संसार में है; वह है–आँखों की अभिलाषा...''* दर्शक बनकर देखना आँखों की अभिलाषा ही तो है; *''...और शरीर की अभिलाषा...''*; यह भी इसी में शामिल है; और इसके अलावा और क्या है? *''...जीविका पर घमंड़...''*। आप कहते होंगे,''प्रचारक महोदया, खेलकूद क्यों गलत हैं? **मुझे तो अब इसके विषय में कुछ भी गलत नज़र नहीं आ रहा है।**'' आप इसे आज रात ही सुनने जा रहे हैं।खेलकूदों में प्रतिस्पर्धा अर्थात् होड़बाज़ी शामिल है; और समस्त खेलकूदों से''अपयश–अभिमान'' का ही आगास होता है। वह कोई भी जो किसी दूसरे पर जीत हासिल करना चाहता है, वह ऐसा ''खुद अपने को ऊँचा उठाने के लिए'' ही करता है; और ऐसा किया जाना अंहकार और अभिमान और स्वार्थ है; और यह आँखों की अभिलाषा और जीविका पर घमंड़ भी है। **यूहन्ना की पत्री के दूसरे अध्याय में जो दो बातें दी हुई हैं, वे खेलकूद अपने में समेटे हुए हैं**—और वे दो बातें ये हैं–''आँखों की अभिलाषा और जीविका पर घमंड़।'' वह एक मात्र कारण जो आप खुद अपने को ऊँचा उठाना चाहते हैं और जीतना चाहते हैं, और सर्वश्रेष्ठ बनना चाहते हैं; और समाचार–पत्रों और पत्रिकों में आना चाहते हैं; और खुद अपने को दूरदर्शन पर देखना चाहते हैं; यह है– क्योंकि आप अंहकार और अभिमान से भरे हुए एक लोंदे हैं। बाइबल कहती है,' *'भाईचारे के प्रेम से एक*

दूसरे पर मया रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो।'' (रोमियों 12:10)''***हम व्यर्थ की बड़ाई पाने की लालसा न रखें।''*** (गलतियों 5:26) *विरोध या झूठी बड़ाई के लिए कुछ न करो,* ***पर दीनता से एक दूसरे को अपने से अच्छा समझो।''*** (फिलिप्पियों 2:3)वह एक मात्र कारण, जो तुम दर्शक बनकर उन खेलकूदों का आनन्द लेना चाहते हो, यह है; क्योंकि तुम खेलने वाली टीमों में से किसी की तरफ होते हो। इससे तो तुम नस्लवादी ही बन जाते हो। इससे तो तुम तरफदारी करनेवाले ही बन जाते हो। खेलकूदों में गुस्सा–प्रतिघात शामिल रहता है; इसमें ईर्ष्या शामिल रहती है, इसमें मनमुटाव–द्वेष शामिल रहता है; इस में खूनखराबा शामिल रहता है। जी हाँ, वे एक दूसरे को जान से मार देते हैं। क्या तुम मुझे बताना चाहते हो, कि वह मसीह का आत्मा है?''*परमेश्वर अभिमानों से विरोध करता है, पर दीनों पर अनुग्रह करता है।''* (याकूब 4:6) यह क्यों गलत है? क्योंकि यह आँखों की अभिलाषा है; क्योंकि यह जीविका पर घमंड़ है। यह खुद अपने को ऊँचा उठाना है, यह ईर्ष्या है, यह मन–मुटाव और द्वेष है; और यह खून का बहाया जाना है। कौन चाहता है, कि परमेश्वर उनका विरोध करे? आप नहीं चाहते हैं, कि परमेश्वर आप का विरोध करे।

भाई ब्रन्हम ने खेलकूदों की कड़े शब्दों में आलोचना व भर्त्सना की थी, और उन्होंने ऐसा अस्पष्ट शब्दों में नहीं किया था; उन्होंने तो कहा था,''यह दुनियावी है, उन लोगों ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है, उनके पास परमेश्वर का आत्मा नहीं है; उनके भीतर तो एक शिकरा ही है, और वे नरकबन्धित हैं, अगर वे खेलकूदों में शामिल होते हैं, क्योंकि खेलकूद ही उनका खुदा बन गया है। क्या हमें उस से पागल बनना चाहिए? (*सभा कहती है, ''जी नहीं''*)यह सही बात है, कि खेलकूदों या स्पोर्ट्स के मामले में जो भाई ब्रन्हम की शिक्षा थी, उन्होंने उसे ही बिगाड़ डाला है। मैं उन लोगों की बात कर रहा हूँ, जो ऊँचे ऊँचे स्थानों पर बैठे हुए हैं। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वे कितने लम्बे अरसे तक सन्देश का अनुकरण करते रहे हैं, या आपकी भविष्यद्वक्ता से क्या रिश्तेदारी है' परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता के अनुसार तो बात यह है, कि जब कभी आप मनोरंजन–पार्कों का निर्माण करते हैं, जब कभी आप परमेश्वर के भवन के भीतर बॉल गेम्स लेकर आते हो, जब कभी आप परमेश्वर के भवन में किसी भी किस्म का मनोरंजन लेकर आते हो, तो आपके अंदर एक दुष्टात्मा ही होती है; अब आप चाहे कितना ही ऊँचा या नीचा कूदें, या मुझ से नफरत करें, या मेरी बात का विश्वास करें; आप इसके विषय में जो करना चाहें, वह करें; आपके भीतर तो एक दुष्टात्मा ही है; और इससे कोई मतलब नहीं है, कि आप कितने बड़े हैं! जी हाँ, श्रीमान! मैं तो परमेश्वर के वचन पर और भविष्यद्वक्ता के सन्देश पर आपकी चुनौती भी स्वीकार करने को तैयार हूँ। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि आप कितने बड़े हैं। मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, चाहे यह''स्पोकन वर्ड'' हो; मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, चाहे यह टेबरनिकल ही क्यों न हो; मैं इस बात की परवाह नहीं करता हूँ, कि वह कौन सा बड़ा

शख्स है, जो मनोरजंन को लेकर आयेगा, और इन समस्त कैम्प इत्यादि को लेकर आयेगा, जिनमें खेलकूद शामिल हैं, ये शैतान के ही हैं; और मैं आपको दिखा दूँगा, कि कहाँ पर भाई ब्रन्हम ने इसकी भर्त्सना की थी; और यह एक कुपन्थ ही है। **मैं कह रहा हूँ, खेलकूदों के मामले में भाई ब्रन्हम की जो शिक्षाएं हैं, उन्हें बदला जाना एक कुपन्थ ही है; और यही वह रीति है जिससे उन्होंने इसे दूषित किया है। वे कह रहे हैं, कि अगर स्पोर्ट्स की टीमें एक दूसरे के संग खेलती हैं, तो वे और भी ज्यादा मसीही बनते हैं; अगर भाई–बन्धु एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, तो इसमें कोई बुराई नहीं है; और अगर वे ऐसे करके अभक्त किस्म के लोगों के साथ खेलने से दूर रह रहे हैं, तो वे ऐसा करके कोई गलत नहीं कर रहे हैं। मेरे अज़ीजो, खेलकूद दुनिया की ही आत्मा है; और अगर कलीसिया की दो टीमें खेल रही हैं, तो उन दोनों में ही गलत आत्मा है; जी हाँ; और मैं इस बात को भविष्यद्वक्ता के हवालों से भी स्पष्ट कर दूँगा। इसके बाद जो एक और बहाना दिया जाता है, वह यह है– आपको कुछ शारीरिक व्यायाम भी तो करना चाहिए,क्योंकि इससे आपको कुछ फायदा ही पहुँचता है। मैं कह रहा हूँ, कि यह तो सरासर एक कुपन्थ ही है। मैं कह रहा हूँ, कि इसमें तो अभी भी अहंकार–अभिमान शामिल है; इस में तो अभी भी ''खुद अपने को ऊपर उठाया जाना'' शामिल है; मैं कह रहा हूँ, कि वे तथाकथित मसीही लोग जो आपस में खेलकूद खेलते हैं, उन में इससे अभी भी ईर्ष्या, जलन होती है; उनमें इससे अभी भी होड़बाज़ी आती है, वे अभी भी एक दूसरे से नफरत करते हैं, इससे अभी भी उनमें रगड़ा–झगड़ा और कलह आता है, इससे अभी भी क्रोध आता है, इससे अभी भी खिलाफत करना आता है; इससे तो अलगाव ही आयेगा और यह परमेश्वर के भवन में अभक्ति को ही लेकर आएगा। आप किसी भी उस बात में रद्दोबदल नहीं कर सकते हैं, जिसकी भर्त्सना परमेश्वर के वचनों ने और भविष्यद्वक्ता ने की हो; और बिलकुल ठीक ऐसा ही काम उन्होंने किया है। भाई ब्रन्हम की बातें समय के साथ बदल नहीं जाती हैं; समय उन्हें नहीं बदलता है; समय बाइबल के पवित्रता के मापदंड़ों को नहीं बदलता है; समय भविष्यद्वक्ता के सन्देश को नहीं बदलता है।** और इस घड़ी के सन्देश के मुताबिक तो बात यह है, कि वह कोई भी प्रचारक, वह कोई भी जन–साधारण, वह कोई भी शख्स, वह चाहे संसार भर में कितने ही बड़े नाम वाला क्यों न हो, वह कोई भी जो खेलकूदों के मामले में पवित्रता के मापदंड़ों में बदलाव करता है, उस पर एक दुष्टात्मा है। आपको तो प्रायश्चित करने की और उस दुनियावी दुष्टात्मा से छुटकारा पाने की ही आवश्यकता है। वह कोई भी जो आज अपने टेलीविज़नों पर, रेडियो पर, या अखबारों में वर्ल्ड कप से सम्बन्धित कामों के बारे में जानने में लगा हुआ है, उस पर एक गलत आत्मा ही है। आइये हम देखें, कि क्या परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने भी इस मुद्दे पर मेरे ही जैसे कड़ा रूख अपनाया हुआ था।

आप तो पापी से भी ज्यादा बदत्तर हैं

95. *जैसाकि मैंने किसी दूसरे दिन सूअर के विषय में कहा था; पापी के विषय में कहा था। यदि वह सिनेमा देखने जाता है, और रविवार के शो देखने के लिए जाता है, और वह बॉलगेम्स के लिए जाता है, और वह इन सब कामों को करता है, तो वह आरम्भ से ही एक पापी है। उसका स्वभाव तो सूअर के जैसा ही है।* ***पुराना सूअर अपनी नाक कूड़े–करकट के ढ़ेर में घुसाता है, और उसमें से दाने तथा अन्य सभी कुछ खाता है; खैर, वह तो बस सूअर ही है। आप उसे दोष नहीं दे सकते हैं, वह तो सूअर ही है। और बिलकुल ठीक यही बात पापियों के साथ है।*** *परन्तु जब आप जाते हैं, और खुद को मसीही कहते हैं, और उसके साथ अंदर नाक घुसाते हैं, तो आप उससे बेहतर नहीं है; वरन आप तो उससे भी बदत्तर हैं।* ***तुम उनके बीच में से निकल आओ, और संसार की पकड़ को अपने पर से ढ़ीली कर डालो! पकड़ को ढ़ीली कर डालो! परमेश्वर ही ऐसा कर डाले! पकड़ ढ़ीली कर डालो!*** *(भरमानेवाली आत्माएं 24/7/55)*

मित्रों, मैं यहाँ पर यही समझ रहा हूँ, कि खेलकूद दुनियावी कार्यकलाप है, और भाई ब्रन्हम के पास तथा हमारे पास उन लोगों के विरोध में कोई बात नहीं है, जो संसार में खेलकूद खेलते हैं; यह तो उनका काम है, यह तो उनकी रूचि और खुराक है। आपको उस किसी की भर्त्सना नहीं करनी चाहिए, जो दुनिया में खेलकूद खेलता है। वह तो उनका काम है। वह तो उनका मनोरंजन है। आपको उन्हें खिलाफ कुछ नहीं बोलना चाहिए। लेकिन जब एक मसीही जाएगा और अपनी नाक उन्हीं खेलकूदों में घुसायेगा, तो उनकी हालत अभक्त लोगों से भी ज्यादा बदत्तर होती है। आपकी हालत तो व्यभिचारी से भी ज्यादा बदत्तर है; आप तो उससे भी ज्यादा बदत्तर हैं, जो कुमारीगमन करता है, आप तो बदत्तर इंसान हैं। यही वह बात है जो भाई ब्रन्हम ने कही थी; और कौन इसे बदल सकता है। यह बिलकुल ठीक बात है। आइये मैं इस हवाले को ले लेता हूँ।

यहाँ तक कि कलीसियाओं की भी अपनी बॉलगेम्स की टीमें हैं

71. **यहाँ तक कि कलीसियाओं की भी अपनी बॉलगेम्स की टीमें हैं**...और उनकी क्रिकेट टीमें हैं,''और **वे परमेश्वर से ज्यादा सुख विलास के अधिक चाहनेवाले हैं,** मयारहिम, झूठा दोष लगानेवाले, असंयमी, और भले के बैरी हैं।'' (**स्मुरना कलीसियायी काल 06/12/60**)

भाई ब्रन्हम इससे सकते में आ गए थे,''ज़रा कल्पना कीजिए, कि यहाँ तक की कलीसियाओं की भी अपनी टीमें हैं।'' डीकन कप्तान हैं, खजाँची गोलची हैं; ज़रा इसकी कल्पना कीजिए। बिलकुल ठीक यही तो यह सन्देश बन गया है। जी हाँ!

कलीसियाओं में बॉल गेम होता है, और इसके लिए प्रार्थना–सभाओं को छोड़ दिया जाता है

आज हमारी कलीसियाओं के साथ यही तो मामला है; ***उनके पास महिलाओं की सोसाइटी हैं, और पुरुषों की सोसाइटी हैं...और उनमें बॉल गेम होते हैं,*** *तथा उनके पास सब कुछ है। आप जानते हैं, कि* ***वे प्रार्थना–सभाओं को भी छोड़ देते हैं।*** *और* ***पवित्र आत्मा ने प्रतिज्ञा की है, कि वह सिर्फ उन लोगों पर ही मोहर करेगा, जो उस नगर में होने वाले घृणित कामों के कारण रोते और दुखित होते हैं।*** *(आशाऐं 08/03/61)*

क्या आप इस बात की आशा कर रहे हैं, कि आप पर पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना हो? क्या आप उसे खेलकूदों के उन मैदानों में हासिल करेंगे? (*सभा कहती है, ''जी नहीं''*) लोग कहते हैं,''आओ हम एक क्रिकेट की टीम बनायें, हम फुटबॉल की टीम बनायें; हम टेनिस खेलें, वह तो और भी ज्यादा सभ्य खेल है, हम गॉल्फ खेलें।'' **वह तो शैतान का ही है।**''ठीक है, ऐसा करके हम सिर्फ मसीही ही खेलेंगे।'' जी नहीं, भाई, हम कोई सनकी–झक्की नहीं हैं;` **खेलकूद तो बच्चों के लिए होते हैं**। हर एक वह जीव जिसने जन्म लिया है, और वह बढ़ रहा है, वे एक दूसरे के संग खेलते हैं; चूहों से लेकर बिल्ली–कुत्ते तक सब जीव खेलते हैं, यह तो प्रकृति में पायी जाने वाली कुदरती बात है; और छोटे बच्चे भी खेलते हैं, और जब लोग अपने किन्हीं दो बच्चों को खेल–खेल में पलंग पर लड़ते–झगड़ते और एक दूसरे को पटखनी देते हुए देखते हैं, तो वे बड़े ही उत्साहित हो उठते हैं; यह तो कुदरती बात है; कुदरत ने ही उनके अंदर ऐसा कुछ बनाया है, जिससे उनकी माँसपेशियों का निर्माण हो, कुदरत ने ही एक छोटे चीते में और शेर में ऐसा कुछ बनाया, कि वे जैसे जैसे बढ़ते चले जाते हैं, ऐसा करें।परन्तु जब आप इतने बड़े गधे होकर भी किसी उम्र तक आ जाने के बाद भी बच्चों के जैसे ही व्यवहार करना चाहते हो, तो तुम उन लोगों के जैसे ही हो जिन्होंने आज भी सचमुच दूध को ही अपना आहार बनाया हुआ है। जैसाकि मैंने एक स्वास्थ पत्रिका में पढ़ा था, और उसे पढ़कर मुझे हंसी आ गई थी। वे कहते हैं, कि सिर्फ इंसान ही एक ऐसा जीव है, जो दूध–छुड़ाई के बाद भी दूध पीता है।और वे उस पत्रिका में आपको यह दिखाने की कोशिश कर रहे थे, हम दूध पीते हैं, और हम सोचते हैं, कि हमें उससे सारा का सारा कैल्शियम मिल रहा है, लेकिन मानव पाचन–तंत्र उसे पचा नहीं सकता है, क्योंकि जो दूध में कैसिन नामक उत्पाद होता है, वह सौ प्रतिशत होता है, जबकि माँ के दूध में यह सिर्फ 15 प्रतिशत या कुछ इतना ही होता है; और सच में तो आपका शरीर उस दूध से जो आप पीते हैं, कैलिशयम का स्वांगीकरण नहीं करता है। और उसके बाद वह व्यक्ति जो उस पत्रिका में उस लेख को लिख रहा था, एक दिलचस्प वक्तव्य लेकर आया, और बोला,'' अगर दूध में इतना ज्यादा कैल्शियम है, तो गाय अपने दूध में उतना कैल्शियम लाने के लिए कहाँ से दूध पी रही है?'' वह तो शाकाहारी है और उसने कभी दूध नहीं पीया है। अब ये सब कुदरती बातें हैं, लेकिन मैं कह रहा हूँ, कि खेलकूदों की वे सब व्यर्थ की गतिविधियाँ शैतान की हैं।

दुनियावी कार्यकलापों ने कलीसिया को बहका डाला है

और तब कलीसिया मरी हुई हो जाती है। बॉल गेम्स, और **शहर के आकर्षणों ने**, और **दुनियावी कार्यकलापों ने** कलीसिया को बहका डाला है। बाइबल कहती है, कि **वे ढ़ीट, घमंड़ी, परमेश्वर के ज्यादा सुख–विलास के ही चाहनेवाले हैं, और वे भक्ति का भेष धरते हैं।** (अब्राहम की वाचा की पुष्टि हुई 18/3/61)

वह कोई भी प्रचारक, वह कोई भी डीकन, जो किसी भी कलीसिया में खेलकूद सम्बंधी टीमें बनाता है, वह परमेश्वर की कलीसिया को पवित्र आत्मा से दूर ले जा रहा है। वह कोई भी पास्टर–याजक, वह कोई भी भविष्यद्वक्ता,वह कोई भी सन्देशवाहक जो आपके पास आता है, और आपको वापस उन्हीं कार्यकलापों की ओर ले जाता है, वह दुष्टात्मा से ग्रस्त है, वह भ्रष्ट–निकम्मा है, उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, उसके पास पवित्र आत्मा नहीं है, और मैं इसकी परवाह नहीं करता हूँ, कि वह कौन है, यह तो शैतान ही है। लोग कहते हैं, ''परन्तु क्या आप जानते हैं, कि उसके पास कैसा भारी प्रकाशन है, और उसकी कलीसिया कितने लम्बे अरसे से कायम है?'' मित्र, मैं आपको कोई बात बताये देता हूँ, आप इस बात से न परखें, कि कोई कलीसिया इसलिए सच्ची है, क्योंकि वह काफी लम्बे अरसे से विद्यमान है और कोई व्यक्ति कितने लम्बे अरसे से प्रचार करता है। कैथोलिक कलीसिया सर्वाधिक लम्बे अरसे से विद्यमान कलीसिया है, और पोप अपने प्रचारकार्य में अतुलनीय है, वह तो कई सालों से प्रचार कार्य में लगा हुआ है, लेकिन वह तो खुद अपने में शैतान ही है। ''*तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।*'' मैं तो पोप को उन्ही फलों से परखूँगा, जो उस पर लगे हुए हैं, ना कि इससे कि वह कितने समय से कायम है। अगर आप पवित्रता का पालन कर रहे हैं, और पवित्रता के मापदंड़ों के अनुसार जीवन व्यतीत कर रहे हैं, और आप एक लम्बे अरसे से भी विद्यमान हैं, तो आप दोहरे सम्मान के पात्र हैं। तुम्हें तो अवश्य ही इसका अनुसरण करना चाहिए। परन्तु कैथोलिक कलीसिया तो तकरीबन 1700 साल से विद्यमान है, और उसमें उस समय से लेकर अब तक भ्रष्टता व्याप्त है। उस में कोई पवित्रता नहीं है! वह तो शैतान की ही है। वह कोई भी जो खेकूदों को बढ़ावा देता है, वह शैतान का ही है, और मुझे इस बात को कहते हुए कोई अफसोस नहीं होता है, और ऐसा करने वाले आप चाहे कितने ही बड़े शख्स क्यों न हों, चाहे आप नबी के साथ कितना ही क्यों न चले हों, मैं ऐसा कहते हुए किसी के लिए भी अफसोस ज़ाहिर नहीं करता हूँ।वह तो शैतान का ही है। मलाकी 4 में आत्मा ने इसी बात को बोला था, अतः हर एक मनुष्य की बात झूठी और परमेश्वर का वचन ही सच्चा ठहरे। परमेश्वर के नबी ने कहा था–

बॉल गेम्स कलीसिया में होने वाला कार्यकलाप नहीं है

51. ***ओह बॉल गेम्स, और आमोद–प्रमोद, तथा ऐसे ही और दूसरे कार्यकलाप; वह सब ठीक है, लेकिन ये कलीसिया में होने वाले कार्यकलाप नहीं हैं। (मीकाय्याह भविष्यद्वक्ता(26/4/61)***

आप इसे अंदर लेकर क्यों आए? आप के पास ऐसे पार्क क्यों हैं, जहाँ पर मनोरंजन के लिए झूले होते हैं; क्यों आप के पास ऐसे कक्ष हैं, जहाँ पर मनोरंजन किया जाता है; क्यों आपके पास सन्देश के लोगों में बॉल गेम्स की टीमें हैं; क्योंकि एक कलीसिया किसी दूसरी कलीसिया के यहाँ जाकर मैच खेलती है; क्यों आप छुट्टी के दिन जमा होकर क्रिकेट और फुटबॉल खेलते हो? क्योंकि आप दुष्टात्मा से ग्रस्त हैं। आप को तो एक बेदारी की ही आवश्यकता है! हमें तो पवित्र आत्मा का एक बार फिर से उंड़ेला जाना चाहिए; और वह आ रहा है; खुदा ही नये नियम के कुछ प्रेरितों को छोड़ेगा, कि जीवते परमेश्वर की कलीसिया का सुधार किया जाए। मित्र, वे मार्ग पर चले आते हैं। कोई तो ऐसा है, जिसने खुद अपने को खंलकूदों में, और दुनियावी गीतों के गायनों में और बुरे बुरे पहरावों में लिप्त नहीं किया है; और आज धरती पर एक महान व जबरदस्त सेना है, और वे मसीही लोग उस दिन की तैयारी में घन्टों बिताते हैं। कोई तो ऐसा है, जो आज इन खेलकूदों के मैदानों से दूर रहता है और रेगिस्तान के पिछवाड़े बैठा रहता है, और वे रोते हैं और दुख के मारे चिल्लाते हैं, और वे दाऊद वाले अभिषेक के तले हैं, जो कि कलीसिया की एक प्रतिछाया है; और वह गोलियत से लड़ने के लिए तैयार हो रहा है। वह कोई भी जो आज ऐसा नहीं कर रहा है, वह परमेश्वर की इच्छा से बाहर है। जब मैं उस भ्रष्टता को देखता हूँ, जो सन्देश के अंदर लायी गई है, तो इससे मेरा खून खौल उठता है। उन आरम्भिक दिनों में अर्थात् दस, बारह, पन्द्रह साल पहले वे कभी भी खेलकूद नहीं खेलते थे, आप के पास कलीसियाओं में ऐसी टीमें बिलकुल भी नहीं थीं; आपके पास ये बॉल गेम्स बिलकुल भी नहीं थे; आप के पास ऐसा बिलकुल भी नहीं था, कि कुरिन्थियों की कलीसिया इफिसुस की कलीसिया के साथ मैच खेल रही हो। आप ने ऐसा कभी नहीं सुना था, कि रोमियों की कलीसिया थिस्सुलुनीकियों की कलीसिया को खेल में चुनौती दे रही हो। यीशु खेलकूद खेलनेवाला शख्स बिलकुल भी नहीं था। उसने ऐसा कभी नहीं कहा था, कि आओ हम गेंद और बल्ला लें और थोड़ा सा मज़ा करें। यह तो शैतान की ही आत्मा है; खेलकूद तो बच्चों के लिए ही हैं; और जब आप बच्चे के जैसे व्यवहार करते हैं, तो आपका नाम लेकर आप पर डाँट पड़नी चाहिए। आप पर बच्चे के जैसे ही डाँट पड़नी चाहिए।

यह तो इसी पर निर्भर करता है, कि उनकी रूचि किस में है

ओह बॉल गेम्स, और आमोद–प्रमोद, तथा ऐसे ही और दूसरे कार्यकलाप; वह सब ठीक है, लेकिन ये कलीसिया में होने वाले कार्यकलाप नहीं हैं...*यही है वह जो कलीसिया चाहती है, यही है वह जो वे चाहते हैं।यह तो इसी पर निर्भर करता है, कि उनकी रूचि किस में है।* ***(मीकाय्याह भविष्यद्वक्ता(26/4/61)***

वह कारण जो वे अपनी अपनी कलीसियाओं में इस किस्म के कार्यकलाप चाहते हैं, यही है, क्योंकि उनकी रूचि ही ऐसी है। यह बिलकुल ठीक बात है। अगर आपकी रूचि यही है, कि आप खेलकूद चाहते हैं और आप दुनियावी कार्यकलाप चाहते हैं, तो आप में

अभी भी बुरा स्वभाव ही विद्यमान है। मैं कह रहा हूँ, कि वह कोई भी प्रचारक जो प्रचारमंच से ऐसे कार्यकलापों को बढ़ावा देता है, और भाइयों को ऐसे कार्यकलापों में शामिल करा देता है, उसने पवित्र आत्मा से जन्म नहीं पाया है। उसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, उसके लिए तो ऐसा होना बिलकुल असम्भव है! आइये मैं इस पर सारी रात भर ही हवाले दिये चला जाऊँ। जी हाँ, श्रीमान!

मैं बॉल गेम्स खेलने नहीं जाता हूँ

*33–3. उनका परम सत्य तो बॉल गेम पर ही है। वह एम्पायर होता है...(**मैं बॉल गेम्स खेलने नहीं जाता हूँ,** परन्तु ऐसा हुआ, कि मैंने इस बात को नीचे लिख कर रख लिया था। (**परम सत्य** 30/12/62)*

तुम्हारी बास्केट बॉल की पार्टियाँ हो सकती हैं– लेकिन मुझे तो मसीह में दफन कर दो

61. तुम चाहो, तो तुम्हारा कलीसियाओं में शामिल होना और मनोरंजन करते रहना, और बास्केट बॉल की पार्टियाँ, तथा अन्य सभी कुछ हो सकता है; लेकिन मेरे लिए तो यह हो; मुझे तो मसीह में दफन कर दो। (परमेश्वर अपनी कलीसिया को सिद्ध बना रहा है 04/12/54)

जिस किस्म की आत्मा उनके अंदर है, वही उन्हें उसकी तरफ खींचती है

*37. **''वे परमेश्वर से अधिक सुख विलास ही के चाहने वाले हैं।''** मैं किसी दूसरी रात्रि को कलीसिया के पास आया था; यह कुल मिलाकर बड़ा ही खराब मौसम था, और बर्फबारी भी हो रही थी, और यहाँ पर आना बुरा सा था। परन्तु उनका तो एक बास्केट बॉल का मैच चल रहा था; और ऐसा करने के लिए तो उन सैकड़ों को गिरजे से दूर करना होता है। यह क्या है? **उनका खुदा तो बास्केटबॉल है। उनका खुदा तो एक खाली हवा का एक** बड़ा बुलबुला है। **और तुम्हारा खुदा क्या है? मैं खुश हूँ, कि हमारा खुदा तो मुरदों में से जी उठा वह प्रभु मसीह यीशु है, जो अपने वजूद में ही जी उठा था, और वह एक असली सच्चा जीवता सृष्टिकर्त्ता है, जिसने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की थी।** लेकिन वे तो उन्हीं खेलकूदों पर ही अपनी निगाहें लगाये रखना चाहते हैं।जिस किस्म की आत्मा उनके अंदर है, वही उन्हें उसकी तरफ खींचती है। **वह आत्मा जो एक सच्चे मसीही के अंदर होता है, वह उसे मसीह की ओर खींचता है।** (यहाँ से बाहर निकल, और झटपट बाहर आ जा 02/02/58)*

जी हाँ, अगर उनके पास पवित्र आत्मा होता, तो उसने उन्हें उन कामों की ओर खींचा होता, जिन्हें हम आज रात्रि यहाँ पर कर रहे हैं। हमारे मध्य में किसी भी किस्म का कोई खेलकूद नहीं है; हमारे मध्य में किसी किस्म के कोई भद्दे–अनैतिक पहरावे नहीं हैं, हमारे मध्य में किसी किस्म के दुनियावी गीत–संगीत नहीं है, हमारे मध्य में कोई बड़ा दिन अर्थात्

क्रिसमस नहीं हैं। आप कहते होंगे, ''भाई ब्रूस, यह तो बड़ी ही बेहूदा सी बात है।'' भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि सिर्फ मूर्तिपूजक ही बड़ा दिन मनाते हैं।

चूजों को उस किस्म की भोजन वस्तु अच्छी लगती है, लेकिन उकाबों को नहीं

*23–4. और भाई, मैं आपको एक बात बताता हूँ, जब कोई मनुष्य परमेश्वर की सन्तान के रूप में जन्म ले लेता है, तो फिर पुरानी शिक्षाओं और नामधारी कलीसियाओं से कदाचित कोई तसल्ली नहीं मिलती है। जी नहीं, श्रीमान! वे तो दुनियावी बातें ही हैं– बास्केटबॉल के मैच, और पार्टियाँ, और बैन्कों खेल तथा इसी किस्म के वे सारे मनोरंजन जो कि आधुनिक कलीसियाएं आज हमारे दिन में करती हैं, इसमें कोई अचरज नहीं है, कि उन्होंने परमेश्वर को ही शोकित कर डाला है; और तो और वे यह कहते हैं, **''परमेश्वर है कहाँ?''** उन कामों से उन्होंने परमेश्वर को ही शोकित कर डाला है। **यह बिलकुल सच बात है। जी हाँ, श्रीमान! चूजों को उस किस्म की भोजन वस्तु अच्छी लगती है,लेकिन उकाबों को नहीं। वह तो उकाब का भोजन है ही नहीं।** (जैसे उकाब अपने घोंसले को हिलाता है 03/04/60)*

उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि जब वे उस किस्म के कामों को करते हैं, तो उन्होंने नये सिरे से जन्म नहीं पाया हुआ है। उसने तो कहा था, कि तुम तो चूजे हो, ना कि उकाब। उसने कहा था, कि यही वजह है, कि तुम्हें उस किस्म के भोजन की भूख सताती है। जी हाँ! और यही है वह जो वे कलीसिया के अंदर लेकर आ गए। ठीक यहाँ पर यह बात मलाकी 4 के अनुयायियों के लिए फिट बैठती है। यह बिलकुल ठीक बात है।

उन्होंने कलीसिया में उन कार्यकलापों को लेकर कलीसिया को ही दोगला बना डाला

*परन्तु उन्होंने तो कलीसिया को ही वैसे दोगला बना डाला है जैसे उन्होंने चूजों को दोगला बना डाला है....**वे दुनियादारी, दुनिया के कार्यकलाप,** बास्केटबॉल के मैच, और भोजन इत्यादि की दावतें, और बैन्कों खेल तथा दुनिया के सभी प्रकार के कार्यकलाप **कलीसिया में लेकर आ गए हैं,** और **उनसे कलीसिया को ही दोगला बना डाला।** (प्रतिनिधित्व के द्वारा दोषी ठहराया जाना 13/11/60)*

मित्रों, यह क्या है? वे आज सन्देश की कलीसिया को वैसे ही दोगला बनाते चले जा रहे हैं, जैसे तथाकथित पिन्तेकोस्तल कलीसिया के अंदर बॉलगेम्स तथा विभिन्न प्रकार के और सभी खेलकूद लाने के द्वारा, उसको दोगला बना डाला गया। उनके पास प्रार्थना–सभाओं

के लिए कोई समय नहीं है। **जब वे खेल के मैदानों में जाते हैं, तो उन्हें किसी खास किस्म से पहरावे पहनने होते हैं। बहन गेंद उठाने के लिए आत्मिक तौर से झुकती है। बहन मगदलीनी कप्रान यीशु के पास गेंद उठाकर फेंकती है। क्या आप मुझे बताना चाहते हो, कि यही सुसमाचार है? यह तो शैतान का ही है, आप चाहे जो कोई भी हैं, यह तो शैतान का ही है।** जी हाँ!

तुम जगत के लिए तो सरगर्म हो, लेकिन परमेश्वर के लिए नहीं

135. *अब, उनके पास धन की बहुतायत है, उनके पास बड़ी बड़ी इमारतें हैं; उनके पास बड़े बड़े कार्यकलाप हैं जो उनके चलते रहते हैं;* ***परन्तु उनके पास पवित्र आत्मा की गरमाहट नहीं है...उनके पास कोई पवित्र आत्मा नहीं है। समझे? उनके पास सभी किस्म की कमेटियाँ हैं****...और रविवार दोपहर बाद बास्केटबॉल, और ओह, बेसबॉल तथा इसी प्रकार के और दूसरे खेलकूद होते हैं, तथा उन में ऐसे ही और दूसरे कार्यकलाप होते हैं। मैं आपको बताता हूँ; वह सोसायटियों और क्लबों और सभाओं और इससे अधिक और न जाने क्या क्या से लदी पड़ी है, परन्तु उसके पास पवित्र आत्मा की कोई गरमाहट नहीं है। देखिए तुम्हारे पास बड़े बड़े शासन–प्रबन्ध हैं, परन्तु तुम्हारे पास ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम्हें गरमाहट दे। तुम जगत के लिए तो सरगर्म हो, लेकिन परमेश्वर के लिए नहीं; यही कारण है कि तुम गुनगुने हो। (**लौदीकियायी कलीसियायी काल** 11/12/60)*

भाइयों और बहनों, यह चीज तो शैतान की ही है। मैंने तो इन हवालों के बारे में बताना अभी तक शुरू भी नहीं किया है। एक प्रचारक कैसे इन बातों को देख सकता है, और खेलकूदों में भी शामिल हो सकता है; उसके पास तो एक गलत ही आत्मा है। जी हाँ!

अभागे, विश्वास में पिछड़े हुए नरकबन्धित लोगों का एक झुंड़ है, जो अपनी बराबरी दुनिया से करने की कोशिश में लगा हुआ है

40. ***इसकी परेशानी तो यह है,*** *कि कलीसिया संसार को....उन्हीं के आधारों पर ... मनोरंजन का एक बहुत बड़ा पुलिन्दा देने की कोशिश कर रही है। हम से अपेक्षा नहीं की जाती है, कि हम ऐसा करें....****मगर हम तो संसार को वह सब देने का प्रयास कर रहे हैं...क्यों, आप उस पर उन लोगों की बराबरी नहीं कर सकते हो। उन्हें तो वह सब पहले ही मिल चुका है....आइये हम उन्हें कुछ ऐसी चीज दें जो उनके पास नहीं है। वह एक मात्र चीज जो उनके पास नहीं है, वह यीशु है। आमीन!*** *आप उनका मनोरंजन करने की चेष्टा न करें; ऐसे तो आप उन से उन्हीं के कामों पर ही मुलाकात कर रहे हैं....हमें उन से कोई बराबरी नहीं करनी है...ओह, उनके पास तो मनोरंजन हैं; और वे उससे भी बड़ा बास्केटबॉल के मैच का बखेड़ा पैदा कर सकते हैं, जितना कि आप कर सकते हैं....आप उनसे अपनी बराबरी न करें...****सिर्फ एक ही ऐसी चीज है, जो उनके पास***

नहीं है, और वह है मसीह। और यही है वह जिसकी हम से आशा की जाती है, कि हम दिखलायें, हमें चाहिये कि हम उन्हें इसी के बारे में बतायें। उन्हें यह न बतायें, कि हमारे पास खेलकूद का एक बहुत बड़ा मैदान है....जब यह बात आती है, कि कलीसिया ने अपने भीतर मनोरंजनों को जगह दे दी है, फिर तो यह अभागे, विश्वास में पिछड़े हुए नरकबन्धित लोगों का एक झुंड़ है। जब मामला यह आ जाता है, कि हम यीशु मसीह का उसकी पुनरुत्थान की सामर्थ में प्रकटीकरण नहीं कर सकते हैं, तो हम अपने कपाटों को बंद कर डालें और दुनिया में ही वापस लौट जायें, क्योंकि कुछ भी हो, आप तो ऐसी हालत में मरे हुए ही हैं। आमीन*...प्रभु यीशु; मुझे हैरत होती है, कि कहीं मैं अपने आपे से ही बाहर तो नहीं हो गया हूँ, जब मैं उस भयानक स्राप को देखने के बारे में सोचता हूँ, जो इस जगत पर आ रहा है, जब मैं सोचता हूँ, कि कलीसिया तो मनोरंजन करनेवाली बनने का प्रयास कर रही हैं; कलीसयाएं तो दुनिया के संग बराबरी करने की होड़ में लगी हुई हैं। प्रभु परमेश्वर...आप ने दुआ की थी, कि वे आपके चेलों को दुनिया से दूर रखे; और यहाँ पर ये दुनिया की ओर वापस ही लौटे चली जा रही हैं, और संसार के साथ बराबरी करने में तुली हुई हैं। (वह महानतम समाचार जो इतिहास में चमका 24/4/61)*

यह तो इस पर निर्भर करता है, कि किस किस्म का आत्मा आपके अंदर है

मैं ने कहा था, ''जो दुनिया में हो रहा है, क्या वह उस रात वहाँ पर नहीं हो रहा था?'' वह बोला, ''आपको उसे देखना तो चाहिए था।'' बोला, ''क्या आप चार्ल्स नोलन को जानते हैं?मैं आपको बताता हूँ, बेसबॉल के गेम में तीन ही जाने माने शख्स हैं....''और वह बड़े ही ज़ोश से भर गया...मैंने उससे कहा, '' मैं अगर वहाँ पर रहा होता, तो मैंने इसके बारे में बहुत कुछ ना कहा होता। मैं तो बस खड़ा होकर उस पर दृष्टि डालता।'' ***वह बोला, '' आप बेसबॉल के बारे में बहुत ज्यादा परवाह नहीं करते हैं।'' मैंने कहा, ''निश्चय ही, नहीं!'' मैंने कहा, '' मैं बेसबॉल के बारे में परवाह नहीं करता हूँ; यही कारण है, कि मेरी इस में कोई दिलचस्पी नहीं है। यह तो इस पर निर्भर करता है, कि किस किस्म का आत्मा आपके अंदर है,*** *और आप किस पर पोषित हो रहे हैं। आपकी जिन्दगी किसी चीज को खाकर ही पोषित होती है।''* ***और मैंने कहा, '' आप एक ऐसे गिद्ध ना बनें, जो दुनिया के पुराने मुरदाघर में से मरी हुई लोथ खा रहा*** *हो।आप* ***तो स्वर्गीय वस्तु का ही भोजन करें, परमेश्वर के वचन को ही खाकर पोषित होयें। (परमेश्वर स्वयं अपने को सादगी में छिपा रहा है*** *12/4/63)*

वह कोई भी जो खेलकूद या स्पोर्ट्स में शामिल होता है, चाहे आप खेलकूद के कदरदान हैं, या आप स्पोर्ट्समैन हैं, या आप खेल देखने के लिए स्टेडियम में

जाते हैं, आप उसे टेलीविज़न पर देखते हैं, या आप वर्ल्ड कप में लिप्त होते हैं, और आप उन सारी बातों को सुनना चाहते हैं, तो आप पर एक शैतान सवार है, और आप ने नये सिरे से जन्म पाया हुआ नहीं है। वह कोई भी प्रचारक जो उसे बढ़ावा देता है, और वह कोई भी प्रचारक जो आज रात ऑवल स्टेडियम में बैठा हुआ है, चाहे वह जपान में हो , या वह कहीं भी हो, और वह कोई भी प्रचारक जो टेलीविज़न के सामने नज़रे गडाये हुए हैं, और वह कोई भी प्रचारक जो अपनी प्रार्थना सभा को जल्दी ही खत्म कर देता है, ताकि जल्दी से घर जाकर टेलीविज़न पर वर्ल्ड कप देख सके, उसके अंदर तो शैतान है। तुम पर एक दुष्टात्मा है। और वह कोई भी प्रचारक जो परमेश्वर के भवन में किसी भी प्रकार के खेलकूद को बढ़ावा देता है, और इस बात को बढ़ावा देता है, कि परमेश्वर के भवन में किसी भी प्रकार के बॉल गेम्स की टीमें हो सकती हैं, और वे जाकर क्रिकेट और फुटबॉल खेलते हैं, और जो कुछ भी आप खेलना चाहें वह खेल सकते हैं, तो आप ने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है; और अगर कोई ऐसा व्यक्ति आप की अगुवाई कर रहा है, जिसने नये सिरे से जन्म नहीं पाया है, तो वह आपकी अगुवाई नरक की ओर ही कर रहा है। वह तो अंधों का अंधा अगुवा है।''और अगर अंधा ही अंधों को राह दिखाये, तो वे क्या सारे के सारे गडहे में न गिरेंगे?'' क्या यह बात सही है या गलत? ''मैं कहता हूँ, कि यह सही है।'' बहुत से कार्यकलाप हैं, जिनके विषय में मैं आपको यहाँ पर बता सकता हूँ।

कुपन्थीय अनुच्छेद संख्या. 53

मूर्खतापूर्ण मज़ाकबाजी और चुटकुलेबाजी/इशारेबाज़ी में किया जानेवाला मसख़रापन; और यह सब प्रचारमंच से किया जाता है

मैं मूर्खतापूर्ण मज़ाकबाजी और चुटकुलेबाजी पर ही बोलने जा रहा हूँ, और हमारे पास इसके लिए ये हवाले हैं। प्रचारक अपने को प्रचारमंच पर जोकर बना बैठे हैं, और उनका बहाना यह है, कि परमेश्वर ने ही तो बंदर बनाया है; और अगर परमेश्वर इतना मज़ाकिया ना होता, तो उसने बंदर न बनाया होता। मैं कहता हूँ, कि यह एक कुपन्थ है। यह शैतान का ही है। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने तो चुटकुले कहने के लिए प्रायश्चित किया था; चुटकुले लोगों का विरोध करते हैं, और यह बात यहाँ पर ठीक भविष्यद्वक्ता के सन्देश में है; और किसी भी प्रचारक को ऐसा नहीं करना चाहिए, कि वह प्रचारमंच पर जोकरपना करे; अगर वह ऐसा करता है, तो उसकी मंड़ली भी ठीक वैसा ही जोकरपना कर रही होगी। वे भी उस प्रचारक की दुष्टात्मा की गिरफ्त में आ जायेंगे।

आपको उस हर एक मूर्खतापूर्ण शब्द के लिए जवाब देना होगा, जो आप बोलते हैं

60 . *आप ऐसा बिलकुल भी नहीं कर सकते हैं, कि आप सड़कों पर जाकर ये बता सकें, कि कौन मसीही है....**वे भी और दूसरों के जैसे ही काम करते हैं, वे भी और दूसरों के जैसी ही बातें करते हैं। वे तो सभी समय चारों ओर सभी तरह के चुटकुले** तथा ऐसी ही सभी बातें कहते रहते हैं, जबकि परमेश्वर ने कहा था, कि आपको उस हर एक मूर्खतापूर्ण शब्द के लिए जवाब देना होगा, जो आप बोलते हैं। (मसीहीविरोधी की छाप 11/3/55*)

तुम्हें यह नहीं चाहिए, कि तुम चुटकुलेबाज़ी और एक दूसरे पर व्यंग कसो

131–प्रश्न संख्या 20. **दूसरा तीमुथियुस का दूसरा अध्याय और 16 वाँ पद....अशुद्ध–नापाक––अशुद्ध बकवाद से बचा रहो....आप जानना चाहते हैं, कि यह अशुद्ध–नापाक बकवाद क्या है**....तुम्हें यह नहीं चाहिए, कि तुम चुटकुलेबाज़ी और एक दूसरे पर व्यंग कसो। परमेश्वर आप से उस हर एक अनर्थ बात का ज़वाब माँगेगा, जो आप बोलते हैं। क्या आप यह जानते हैं? बाइबिल कहती है, कि आपको अपनी हर एक अनर्थ बात का जवाब देना होगा। अतः हमें किस किस्म के लोग होना चाहिए? वे लोग जो स्पष्टवादी, दृढ़, स्नेही, दयालु होते हैं, और कभी भी बकवादी झुंड़ का भाग नहीं होते हैं.....मैंने खुद इसे अपने ऊपर ध्यान देकर देखा है; और जैसाकि मेरा स्वभाव है, जैसा कि मैं एक आयरिशवासी हूँ; कैसे भी हो, मेरे चारों ओर बहुत सी बयारे चलती रहती हैं, कि कोई कटाक्ष कर दूँ,तथा ऐसा ही कुछ कह डालूँ.....और मुझे अकेले में कहीं पर जाना होता है, और मैं कहता हूँ, ''प्रभु, मुझे क्षमा कीजिए; मेरा इसे कहने का तात्पर्य नहीं था। मेरे लिए कुछ करो; कि मैं ऐसी बाते करना बंद कर दूँ।'' समझे? जब आप वैसा करते हैं, तो आप विश्वास में पिछड़ जाते हैं। जी हाँ, श्रीमान! और आपको प्रायश्चित करना चाहिए।बहुत सी बार मैं उन कामों को करता हूँ,जो गलत हैं। मैं बाहर होऊँगा, और कोई कुछ कहेगा, या अन्य कुछ कहेगा, और मैं उसके बारे में कोई छोटी सी हास्यप्रद बात कह डालूँगा। कोई कहता है...कोई बुरी–गंदी बात तो नहीं कहता; मैं यह यकीन नहीं करता हूँ, कि मसीही गंदे–भद्दे चुटकुले कहते हैं। जी नहीं, *श्रीमान! जी नहीं, श्रीमान! **ऐसा करके तो वह एक मसीही भी नहीं बन रहा होता है;** बाइबिल ऐसा ही बताती है। वह तो कहती है, कि उस प्रकार की पुरानी बकवादी बातों से, और चुटकुलेबाजी से , और दिल्लगी करने से और इसी प्रकार के और दूसरे काम करने से बचा रह। जी नहीं, **मसीही उन बातों को नहीं बोलते हैं; मसीहियों के विचार पाक–साफ होते हैं।** परन्तु यदि आप दृष्टि डालकर नहीं देखते हैं, तो कभी कभार आपके पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जाता है...वह आज कोई छोटा सा चुटकुला बताएगा। और खैर, वह एक किस्म से सोचता होगा, कि यह*

*तो बिलकुल ठीक था; और वह बस ऐसा ही करता चला जाएगा; और वह इसके बारे में बिलकुल भी नहीं सोचेगा। और अगले दिन वह दो चुट्कुले बताएगा। समझे? और अगली बात आप जानते हैं, कि आप अन्य कुछ कर रहे होते हैं। और पहली बात आप जानते हैं, कि यह आपको उसी पुराने ढर्रे की ओर प्रशस्त कर डालता है। **क्या यह सही है?** उस प्रकार के काम से दूर रहो। उससे बचे रहो! और उस प्रकार के व्यर्थ के बकवाद से बचे रहो! (**प्रश्न और उत्तर** 3/1/54)*

मैं चुटकुलेबाज़ी के खिलाफ हूँ–यह ठोकर का कारण रखता है

42. ***उसकी पत्नी बोली, ''क्या तुम्हारे कहने का अभिप्राय यह है, कि भाई ब्रन्हम कोई चुटकुला बतायेंगे?'' यह ठीक बात है, कि आप देखते हैं, कि मेरे लिए ऐसा करना गलत है। निश्चय ही वह गलत था।*** *कभी कभी हम उन बातों को अनदेखा कर देते हैं....आप देखते हैं, यह ठोकर का कारण रखता है। हमें यह देखना चाहिए, कि हम क्या कर रहे हैं। और परमेश्वर हमारा उसके लिए इंसाफ करेगा, जिस ढ़ंग से हम कार्यकलाप करते हैं, और जो हम काम करते हैं...**और मैं वापस जाकर प्रार्थना कर रहा होता हूँ। मैं कहता हूँ, '' हे परमेश्वर, मैं आपका दास होने के भी योग्य नहीं हूँ। मैं वहाँ बाहर उस व्यक्ति के साथ खड़ा होता हूँ, जिससे मैं प्रेम करता हूँ, और मैं उसी को एक ऐसा चुटकुला बता देता हूँ, कि इससे उसे ठोकर लग जाए। और अभी भी मैं चुटकुलेबाज़ी के खिलाफ हूँ....क्यों? परमेश्वर ही ठीक तभी मुझे तैयार करता है, कि उस प्रकार की व्यर्थ की बातें मुझ में से बाहर निकल जाएं।*** *(हे एलिय्याह तू क्या सुनता है 09/06/59)*

वह तो अमेरिकन आत्मा है

37. *आप अमेरिका में आते हैं, और आपको एक बहुत बड़ी ''ठा–ठा, ठी–ठी'' मिलती है।वह तो अमेरिकन आत्मा है। कोई रेडियो पर गंदा–भद्दा चुटकुला सुनाता है, और हर कोई उस पर ज़ोर ज़ोर से ठहाके मारता है....वह तो अमेरिकन आत्मा है। **आप इसे उसी रीति से होते हुए देखते हैं।** (**विजय–दिवस** 21/4/63)*

इससे तो एक असली–सच्चे मसीही का पेट ही खराब हो जाएगा

32. *वह तो इस देश की आत्मा है; बड़ी बड़ी मौज–मस्ती हो रही होती हैं; दूरदर्शन के कार्यक्रम चल रहे होते हैं, और खूब चुटकुले सुनाये जा रहे होतें हैं। क्यों, उन जैसे वाहियात बातों को सुनकर तो एक असली–सच्चे मसीही का पेट ही खराब हो जाएगा। (**जीवन के लिए प्यासे हो रहे हैं** 04/03/60)*

गंदे–भद्दे चुटकुले– एक गलत आत्मा ही मुझसे ऐसा करा रही थी

56. *मुझे हैरत है, कि क्या आप यह कहेंगे....**''प्रभु परमेश्वर, मैं इन कामों का***

***कसूरवार हूँ; लेकिन मैं खुद अपने पर शर्मिन्दा हूँ। मैं गिरजे जाता रहा हूँ और मैं खुद अपने को एक मसीही कहता रहा हूँ। मैं भीड़ में कोई गंदा–भद्दा चुटकुला कह देता हूँ**...लेकिन मैं खुद अपने पर शर्मिन्दा हूँ...मैं महसूस करता हूँ, कि एक गलत आत्मा ही मुझसे ऐसा करा रही थी।'' (रंगपुती चेहरे वाली इज़ाबेल 05/10/56)*

वे गंदे–भद्दे चुटकुले कहते हैं, वे इशारों इशारों में चुटकुलेबाज़ी करते हैं, और अपने आप को मसीही कहते हैं

वे गंदे–भद्दे चुटकुले कहते हैं, वे इशारों इशारों में चुटकुलेबाज़ी करते हैं, और अपने आप को मसीही कहते हैं (सकरा है वह फाटक 01/03/59)

वह दावा करता है, कि वह यीशु से प्रेम करता है, और फिर भी उन जैसे कामों को करता है

43. *अब, मैं पापियों पर उन कामों को करने के लिए कोई इल्ज़ाम नहीं लगाता हूँ, कुछ भी हो, वे तो सूअर ही हैं...गंदे–भद्दे चुटकुले कहते हैं, वे इशारों इशारों में चुटकुलेबाज़ी करते हैं,...कुछ भी हो, वह तो एक सूअर ही है....मुझे आश्चर्य तो उस पर होता है, कि मैं ऐसे व्यक्ति को उन कामों को करते हुए देखूँ, जो यह दावा करता है, कि वह यीशु से प्रेम करता है, और फिर भी उन जैसे कामों को करता है। **उस में कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। (मेमना और पिंडुक** 05/08/60)*

प्रचारक गंदे–भद्दे चुटकुले सुना रहे हैं

39. ***वहाँ पर दो व्यक्ति अर्थात् दो प्रचारकगण बैठे हुए थे...और वे एक दूसरे को गंदे–भद्दे चुटकुले सुना रहे थे...***एक बकरी तो ऐसा कर सकती है, लेकिन एक मेमना ऐसा नहीं कर सकता है।आत्मा के फल..उ**न पर आत्मा के कोई फल नहीं हैं। (मेमना और पिंडुक 05/08/60)***

अपवित्रता के विविध कामकाज

गतिसीमा तोड़ी जा रही है–गतिसीमा से भी ज्यादा गति पर मोटरगाड़ियाँ चलायीं जाती हैं

मित्रों, यह बिलकुल ठीक बात है! गतिसीमा पर ऐसे बहुत से कार्यकलाप हैं, जो अपवित्र हैं। अगर आप गतिसीमा तोड़ते हैं, तो आप पहले से ही सोच–विचार करके हत्या करनेवाले हत्यारे हैं। परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि आप के लिए तो इस बात की जरूरत है, कि आप को दस साल के लिए जेल भेज दिया जाए, और आप पहले से ही सोच–विचार करके हत्या करनेवाले हत्यारे हैं। उसके बारे में क्या है? उनको छोड़कर जो पवित्रता के सन्देश का विश्वास करते हैं, कौन हैं वे लोग जो सन्देश में होते हुए भी उसका पालन करते हैं?

आप गलत कर रहे हैं– आप पाप करते हैं

1079. *आप बाहर जाकर गतिसीमा वाला कानून तोड़ते हैं, आप क्या कर रहे हैं? आप गलत कर रहे हैं– आप पाप करते हैं। "**जो कैसर का है वह कैसर को दो; और जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को दो**...यीशु के हुक्म तोड़ना गलत है। और अगर आप कैसर को वे चीजें नहीं देते हैं जा आपको कैसर को देनी हैं, तो आपने वह नहीं किया है जो यीशु ने आप से करने के लिए कहा था; और आज्ञा का उल्लघंन करना ही पाप है। **क्या यह सही बात है? हम सब गुनहगार हैं; हम ऐसा करते हैं।** परन्तु जब आप खुद अपने को गलत देखते हैं, आप ऐसा करना बंद कर दें। (प्रश्न और उत्तर 30/8/64)*

वह तो पहले से ही सोच–विचार करके हत्या करनेवाला हत्यारा है

133. अगर कोई व्यक्ति सड़क पर कुछ गलत करता हुआ, गतिसीमा से अधिक गति पर मोटरगाड़ी चलाता हुआ, पकड़ लिया जाता है, तो उसे कम से कम दस साल की जेल कर देनी चाहिए;वह तो पहले से ही सोच–विचार करके हत्या करनेवाला हत्यारा है। (मसीह अपने ही वचन में प्रकट हुआ 22/8/65)

मसीहियों को वैसा नहीं करना चाहिए

*हर एक **गति–क्षेत्र (स्पीड ज़ोन)** में नब्बे मील की रफ्तार से ही सड़क पर मोटरगाड़ी चलानी चाहिए। अगर वह गति सीमा बीस मील रफ्तार है, तो कुछ भी हो वे नब्बे मील की रफ्तार से ही मोटरगाड़ी चलायेंगे ।हमें वैसा नहीं करना चाहिए। मसीहियों को वैसा नहीं करना चाहिए। (दबाव को बाहर निकाल रहे हैं 09/06/62)*

हम निर्धारित गतिसीमा वाले कानून तोड़ने में विश्वास नहीं रखते हैं

262. *अब, हम निर्धारित गतिसीमा वाले कानून तोड़ने में विश्वास नहीं रखते हैं। मैं नहीं सोचता हूँ, कि हमें वैसा करना चाहिए। (शालोम 12/11/64)*

पुलिसवाले तो आपको कभी पकड़ते नहीं हैं, पर एक दिन न्याय आपको धर दबोचेगा

26. *और अगर आप एक मसीही होने का ढ़ोंग करते हैं, और **यही नहीं, जो आपका प्रभाव पड़ता है**...जो आप लोगों पर अपना प्रभाव डालते हैं, उन कई प्राणों के लिए जिन्हें आप ने अपने प्रभाव के द्वारा गुमराह किया है, जिन्हें आप ने मसीह से दूर किया है, उसके लिए आपको न्याय के दिन जवाब देना होगा...हो सकता है, कि आप ने गतिसीमा का उल्लघंन किया हो, और पुलिसवालों ने आपको कभी ना पकड़ा हो; लेकिन एक दिन न्याय आपको धर दबोचेगा। यह बात सुनिश्चित है। (**प्रभाव** 15/2/64)*

धूम्रपान

जो पीता है, वह खुद अपना ही नाश करता है

373–61 ***जब वह वैसा करता है और प्रभु–भोज भी लेता है, तो वह खाते और पीते हुए खुद अपना ही नाश करता है; अगर वह बाहर जाकर धूम्रपान करता है।*** *(प्रश्न और उत्तर 28/6/59 संध्या)*

आपकी लत आपके और परमेश्वर के बीच में खड़ी हुई है

25 *कभी कभी परमेश्वर बीमारियों का उपयोग लोगों को ताड़ना देने के लिए करता है...कभी कभी यह उन पर इसलिए लायी जाती हैं, ताकि वे उन पर कोड़े लगाकर उन्हें परमेश्वर के पास वापस लायें। **क्या आप ने उस पुरुष पर ध्यान दिया था, जो यहीं पर था...वह एक मसीही होने का ढ़ोंग करता था**....मैंने उससे कहा था, " श्रीमान, आपको एक बुरी लत लगी हुई है, और वही है जो आपके और परमेश्वर के बीच में खड़ी हुई है। अगर आप उन सिगारों को छोड़ने के लिए तैयार हैं, तो परमेश्वर ठीक इसी समय आपको चंगा करने के लिए तैयार है। (प्रभु का दूत 20/7/51)*

अगर आप एक मसीही होते, तो आपने वैसा न किया होता

29 *.शराब पीना, सिगरटें फूंकना, जुआ खेलना, ये सब कुछ पाप नहीं हैं....ये तो पाप के ही गुण–फल हैं।चूँकि आप एक पापी हैं, **इसीलिए आप उन कामों को करते हैं।**अगर आप एक मसीही होते, तो आपने वैसा न किया होता। (इस्राएल कादेश–बर्निया पर 28/3/53)*

यह वह सबसे बुरा काम है, जो आप कर सकते हैं

61 *सिगरटें फूंकना, तथा ऐसे ही कामों को करना, ये तो वह सबसे बुरा काम है, जो आप कर सकते हैं। यह **यहोवा यूँ फरमाता है,** वाला वचन है। (श्रीमानों, हम यीशु से मिलना चाहते हैं 04/08/57)*

मसीही लोग सिगरेट फूंक रहे हैं–यह क्या ही अशोभनीय बात है

19. *यह अनुमान लगाया गया है, कि लगभग 95 प्रतिशत मसीही कलीसियाएं सिगरेट फूंक रही हैं। यह क्या ही अशोभनीय बात है। (उसकी सुनो 07/08/57)*

दसवें अंश का दिया जाना

दसमांश प्रभु के सम्मुख पवित्र हो

*और गाय–बैल और भेड़–बेकरियों, अर्थात् जो पशु गिनने के लिए लाठी के नीचे से निकल जानेवाले हैं, उनका दसमांश, अर्थात् दस दस पीछे एक एक पशु यहोवा के लिए पवित्र ठहरे। (**लैव्यव्यवस्था** 27:32)*

हर एक मसीही को दसमांश देना चाहिए

617 प्रश्न सं. 146 *146. भाई ब्रन्हम, क्या आप यह महसूस नहीं करते हैं, कि हर एक वह व्यक्ति जो मसीही होने का दावा करता है,* ***उसे प्रभु के भंड़ार में दसमांश देना चाहिए?*** *आप मेहरबानी करके, इस प्रश्न के लिए वचन का लेख बतायें। यह बिलकुल ठीक है, कि* ***बाइबल मलाकी के चौथे अध्याय में कहता है, ''क्या मनुष्य परमेश्वर को लूट(धोखा दे) सकता है? और तुम कहते हो, 'हम ने किस बात में तुझे लूटा है?' दसमांश और उठाने की भेंटों में। सारे दसमांश और भेंटें मेरे भण्ड़ार में ले आओ, और ऐसा करके मुझे परख कर देखो, सेनाओं का यहोवा यूँ कहता है, मैं आकाश के झरोखे खोलकर तुम्हारे ऊपर ऐसी अपरम्पार बारिश करूँगा, कि तुम्हारे पास उसे ग्रहण करने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं होगा।''*** *यह किसी भी व्यक्ति के लिए एक चुनौती है...मैंने अपने जीवन में कभी ऐसा नहीं देखा है, कि कोई पुरुष या कोई स्त्री एक डॉलर कमामा हो, और उस धन में से भी दस सेन्ट लेकर आ जाए, और उसे आपके उस भण्ड़ार में डाल दे,जहाँ आप गिरजे में आते हैं,और परमेश्वर उसे आशीष न दे...वह कलीसिया जहाँ से आप आते हैं, क्या परमेश्वर वहाँ पर ऐसी आशीष नहीं देता है, अगर वह नहीं देता है, तो आप मुझे ढ़ोंगी-पाखंड़ी कह देना....हर एक मसीही को दसमांश देना चाहिए। यह सही बात है। ऐसा तो किया ही जाना चाहिए। (प्र. और उ.* ***परमेश्वर को गलत समझा गया*** *23/7/61*)

परमेश्वर के प्रति मेरा पहला कर्त्तव्य

13. *श्रीमान मेसन, परमेश्वर के प्रति जो मेरा पहला कर्त्तव्य है, कि मैं उसे दसमांश दूँ। मैं सबसे पहले उसे अपने दसमांश देना चाहता हूँ। (मसीह अपने ही वचन में प्रकट हुआ 22/8/65*

परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, कि वही आपका ध्यान रखेगा

सांय -71. जब यह बात आती है, कि आप अपनी कलीसिया में अपना दसमांश दें, तो आप डरते हैं, कि कहीं आप भूखों न मर जाएं; जबकि ***परमेश्वर ने यहाँ तक प्रतिज्ञा की है, कि वही आपका ध्यान रखेगा।*** *(परमेश्वर के सारे हथियार पहन लो 7/6/62*)

स्त्रियों-पुरुषों द्वारा मिलजुल कर स्नान करना

स्त्री और पुरुष एक साथ मिलकर स्नान करते हैं

क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कि ***कोई प्रचारक प्रचारमंच पर इसलिए खड़ा होता है...उसकी मंड़ली उसे बाहर उन सब पार्टियों में लेकर जाये, जहाँ स्त्री*** **और पुरुष एक साथ मिलकर स्नान करते हैं,** और समुंद्री तट पर इसी प्रकार के सभी कार्यकलाप करते हैं, और क्या आप कल्पना कर सकते हैं, **फिर भी वह व्यक्ति इस**

बात का दावा कर रहा होता है, कि वह विचारशील मनुष्य की छन्नी में से होकर आ रहा है? (विचारशील मनुष्य की छन्नी 22-8-65)

स्त्रियों के लिए यह शर्म की बात है, कि वे पुरुषों के संग स्नान करने जाएं

स्त्रियों के लिए यह एक शर्म की बात हुआ करती थी, कि वे पुरुषों के संग स्नान करने के लिए जाएं। लेकिन अब, तो यह चलन अच्छा-खासा लोकप्रिय हो गया है। हमारे ***पिन्तेकोस्तल ऐसा ही करते हैं...****निश्चय ही...समझे?* ***यह बिलकुल सच बात है।*** *(अस्पष्ट शब्द 14/7/62*)

सन्तान को जन्म देना-संतान उत्पत्ति पर नियंत्रण

मैं संतान उत्पत्ति पर नियंत्रण के बारे में सहमति नहीं दे सकता हूँ

1177-प्रश्न सं. 421. क्या आप संतान उत्पत्ति पर नियंत्रण के बारे में सहमति देंगे? जी नहीं, मैं इस पर अपनी सहमति नहीं दे सकता हूँ।। जी नहीं, श्रीमान! समझे? (प्रश्न और उत्तर, सांय, 30/8/64)

महिलाएं बच्चे जनना नहीं चाहती हैं

18-3, यह कथन आज के समय पर ठीक उतरता है, जब महिलाएं बच्चे जनना चाहती ही नहीं। ऐसा क्यों? ***हॉलीवुड़ की फिल्मों में इस प्रकार के व्यंग किये गए है,*** *कि यदि वे संतान उत्पन्न करेंगी, तो ''बूढ़ी-माँ'' सरीखी कहलाएंगी...समझे?* ***अतः उनके पति या तो अपना या उसका ऑपरेशन करवा देते हैं, जिससे उनके संतान पैदा न हो सके।*** *वे नहीं चाहते हैं, कि उनके बच्चे हों। आज स्त्रियाँ संतान उत्पत्ति पर नियंत्रण रखना चाहती हैं, ताकि वे पार्टियों में जा सकें। वह बच्चे के स्तनपान का कष्ट उठाने को तैयार नहीं है, कि कहीं उसका शरीर भद्दा सा दिखेगा, और वह पहले जैसी नहीं रह जायेगी।* ***जब वह गर्भ धारण कर लेगी, तो उसकी देह बेडौल-बदसूरत हो जायेगी। वह वैसी नहीं दिखेगी जैसी कि वह दिखा करती है। वह तो अपने पति के लिए संतान उत्पन्न नहीं करना चाहती, और उसका पति अज्ञानतावश उसे ऐसा करने दे रहा है।*** *(मसीह की दुल्हन का अदृश्य मिलाप 25/11/65*)

परमेश्वर ने स्त्रियों को यह कार्यभार दिया था, कि वे स्न्तान उत्पन्न करें

26. *मैंने उस एक स्त्री से मुलाकात की थी, जिसने ऐसे ही कामों को किया था, वह सन्तानोत्पत्ति नियन्त्रण के तरीके अपना रही थी। यह अमेरिका में एक अशोभनीय बात है...****कोई महिला उस महिला को हिकारत से देखती है, जो ताश की पार्टियों में नहीं जा सकती है, क्योंकि उसे घर पर ही रुके रहना पड़ता है, और अपने नन्हें शिशु की देखभाल करनी होती है, क्यों, वे तो सोचती है, कि उसे तो किसी***

बात की खुशी से ही वंचित कर दिया गया है। भाई, वह तो उसका फ़र्ज़ है, जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए दिया है.... *परमेश्वर ने स्त्रियों को यह कार्यभार दिया था, कि वे स्न्तान उत्पन्न करें। (परमेश्वर अपनी कलीसिया को सिद्ध बना रहा है 04/12/54)*

तुम्हें तो खुद अपने पर शर्मिन्दा होना चाहिए और प्रायश्चित करना चाहिए

57. *तुम जो सन्तान उत्पत्ति–नियन्त्रण के तरीके अपनाती हो, और बच्चे जनना नहीं चाहती हो, और किसी गाँठ सी नाक वाले कुत्ते को गोद में उठाए फिरती हो, और उसे किसी किस्म के नाम से पुकारती हो, और उसे ममता दे रही हो जो बच्चे को देनी चाहिए; उसके बाद भी तुम कहती हो, कि तुम तो पवित्र आत्मा पायी हुई कलीसिया हो।* ***तुम्हें तो खुद अपने पर शर्मिन्दा होना चाहिए और प्रायश्चित करना चाहिए। आमीन! यह सच बात है।*** *(मसीह की छाप 12/3/55)*

उसके पास बच्चे के लिए समय नहीं है

104 ***स्त्री तो...*** *सन्तान उत्पत्ति–नियन्त्रण के तरीके अपनायेगी,* ***क्योंकि वह बाहर नाँच तथा पार्टियों में तथा ऐसी ही और दूसरी जगहों में जाना चाहती है, और*** **उसके पास बच्चे** के लिए समय नहीं है.... *सन्तान उत्पत्ति–नियन्त्रण के तरीके अपनाती है, और उसके बाद कलीसिया में जाकर गायन मंड़ली में बैठकर मसीही गीत गाती है–आधे–अधूरे कपड़े पहनती है, तंग–चुस्त पज़ामे अर्थात् स्लैक्स तथा ऐसा ही अन्य सभी कुछ पहनती है, और फिर भी खुद अपने को एक मसीही कहती है। (दृढता 19/6/64)*

कुछ निश्चित हालातो में ही उसे इसकी अनुमति है

111–प्रश्न सं. 359– ***आप सन्तान उत्पत्ति–नियन्त्रण के विषय में कैसा अनुभव करते हैं? मैं उसके बजाये आप से इन बातों पर....(समझे?)...उन बातों पर व्यक्तिगत रूप से बातचीत करना चाहूँगा;*** *क्योंकि ऐसे शब्द और ऐसी बातें होती हैं, जो मुझे कहनी होती हैं, जो मैं उन्हीं से कहूँगा जो पति और पत्नी हैं...और इस बात की भी सम्भावना है, कि इसे सही ढ़ंग से किया जाता हो...मैं इस बात को जन साधारण के लिए कहना चाहूँगा। स्त्री के जीवन में ऐसें बहुत से दिन होते हैं, जब वह जनन प्रक्रिया से अछूती होती है। आप इसे समझते हैं। बिलकुल ठीक है।* ***अब, कभी कभी एक..एक शिशु स्त्री को ही मार देगा; यदि उसके शिशु ठहर जाये, तो वह उसे मार देगा। आप को इस बात को भी देखना चाहिए।*** *समझे? अतः उसके विषय में आप बड़े ही सचेत रहें। समझे? देखिए, वह जीवन को ला रही है, और इसी काम को करने के लिए ही आपको यहाँ धरती पर रखा गया है।* ***यदि आपकी पत्नी बीमार है, तो शिशु उसे मार देगा; मैं...मैं...मैं तो ऐसा नहीं करूँगा। मैं नहीं सोचता हूँ, कि प्रभु आप से चाहता हो, कि आप ऐसा करें।*** *और आप मेरे पास इन बातों के लिए व्यक्तिगत तौर पर*

आएं; आप इस बात को व्यक्तिगत साक्षात्कार के दौरन लें। मैं आप से व्यक्तिगत तौर पर बात करूँ...देखिए, हर एक व्यक्ति से मैं अलग अलग बातें करता हूँ, और मैं बता सकता हूँ, कि वे मुझसे झूठ बोल रहे हैं या नहीं। (प्रश्न और उत्तर प्रातः30/8/64)

क्रिसमस अर्थात् बड़ा दिन

परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता ने कहा था, कि क्रिसमस अर्थात् बड़ा दिन शैतान का ही है। उसने कहा था, कि वह तो उस दिन की लालसा करता है, जब कलीसिया इन सारे व्यर्थपूर्ण कामों का परित्याग कर देगी। भाइयों और बहनों, हम से अपेक्षा की जाती है, कि हम पवित्रता को सिद्ध बनाते चले जाएं, और जिस बात की लालसा परमेश्वर के नबी ने की थी, और उसे उन आरम्भिक दिनों में हासिल नहीं किया जा सका था, कलीसिया को उस सिद्धता को हासिल करने में लगे रहना चाहिए। कलीसिया उस पवित्रता को परमेश्वर के भय में होकर सिद्ध बनाती चली जाए।

क्रिसमस अर्थात् बड़ा दिन मनाया जाना, पागान वाली आराधना–उपासना है; यह शैतान की ही आराधना–उपासना है

171. *क्या आप जानते हैं, कि आपको कहाँ पर क्रिसमस अर्थात् बड़ा दिन मिलता है? मसीह का जन्म तो अप्रैल में हुआ था...और 20 दिसम्बर से लेकर 25 दिसम्बर तक वह समय होता है, जब सूर्य देवता का जन्मदिवस होता है...और यह तो शुरू से ही सारा का सारा पागानों वाला कार्यकलाप है....क्रिसमस अर्थात् बड़ा दिन मनाया जाना, पागान वाली आराधना–उपासना है; यह शैतान की ही आराधना–उपासना है।* ***(मसीहियत बनाम मूर्तिपूजा 17/12/61)***

यह छोटे बच्चों के लिए एक अभिशाप है

क्यों, वे तो महीनों पहले ही क्रिसमस के तोहफे खरीदना शुरू कर देते हैं, और यह और कुछ नहीं, वरन मूर्तिपूजकों का ही चलन है। ***इसमें परमेश्वर की भक्ति जैसे कोई बात नहीं है।*** *ओह, वे कहने की कोशिश करते हैं, ''तोहफे दो; उन ज्ञानी पुरुषों ने भी तो तोहफे दिये थे।''* ***यह तो सिर्फ शैतान की बहानेबाज़ी के लिए ही एक मरूद्यान है।*** *अगर आप मसीह को कुछ देना ही चाहते हैं, तो वह आपका जीवन ही हो जो आप मसीह को दें...परन्तु इसकी हालत तो ऐसी हो गई है, कि* ***यह तो छोटे बच्चों के लिए एक अभिशाप है। (संसार अपना अस्तित्व खो रहा है 16/12/62)***

यह तो मूर्तिपूजावाद है–और फिर भी वे खुद अपने को मसीही कहते हैं

282. ***और मसीह के जन्मदिवस को अप्रैल से हटा दिया गया...और उसे बदल दिया गया, सूर्य देवता की जयंती से बदल दिया गया....यह 25 दिसम्बर सूर्य देवता की जंयती है, ना कि परमेश्वर के पुत्र की जयंती।*** *और हम में*

से हर कोई सेन्टा बनता है,और हम पेड़ों को सजाते हैं; ***यह मूर्तिपूजावाद है,*** *और हम इसी प्रकार के कर्म करते हैं; और* ***फिर भी हम खुद अपने को मसीही कहते हैं। मसीही कलीसिया के साथ मामला क्या है?*** *(कटनी का समय 12/12/64)*

ईस्टर –यह एस्तोरेत के लिए एक पागान पर्व था

206–6 ***अब ध्यान दीजिए, कि कॉन्स्टैन्टाइन राजा ने लोगों को विशेष त्यौहार व उत्सव प्रदान किये। वे पागान धर्म के पुराने ही त्यौहार थे, जिनके कलीसया से नये नाम रखवा लिये गए थे;*** *अथवा कुछ मामलों में, मसीही धार्मिक कार्यकलापों को लेकर उन्हें पागान के समारोह और उत्सवों के द्वारा बिगाड़ डाला गया था।* ***उसने सूर्य(Sun) की उपासना लेकर उसे परमेश्वर के पुत्र(Son) की उपासना में बदल डाला था।*** *सूर्य के उत्सव को 21 दिसम्बर को मनाने की बजाए–यह वह तीथि है जब सूर्य देवता का त्यौहार मनाया जाता था–* ***उन्होंने इसे 25 दिसम्बर कर दिया,*** *और इसे परमेश्वर के पुत्र का जन्म दिवस कहा; परन्तु हम जानते हैं, कि वह दिसम्बर में नहीं; अपितु वह तो अप्रैल में पैदा हुआ था, जब जीवन उगकर बाहर आता है।* ***उन्होंने एस्तोरेत देवी के उत्सव को ईस्टर त्यौहार में बदल डाला–जिसे मसीही लोगों को प्रभु की मृत्यु और पुनरुत्थान के उपलक्ष्य में बनाना पड़ा। वास्तव में तो यह पागान का ही एक त्यौहार था, जो एस्तोरेत के लिए था।*** (पिरगुमन कलीसियायी काल–सात कलीसियायी काल की पुस्तक का 5वाँ अध्याय)

तुम ने जो कार्यकलाप यहाँ पर कई सालों से स्थापित किये हैं, उनके विषय में लोग अनजान हैं। यहाँ पर एक शख्स है, जो 1975 में सन्देश में आया, और वह उन सब लोगों के सम्पर्क में आया, जो तथाकथित गर्जन वाले लोग हैं, और जो ढ़ोंगी–पाखंड़ी हैं; और जिन्होंने उन कार्यकलापों को पवित्रता के मापदंड़ों के रूप में स्थापित किया हुआ है। वह सारी की सारी बात जो वह जानता है, यह है–कि आप स्पोर्ट्स या खेलकूद खेल सकते हैं; आप एक आवारा कुत्ते के जैसे कपड़े पहन सकते हैं, और आप थोड़ा सा थिरक व मटक सकते हैं; और यही है वह जिस पर वेबेचारे लोग टिके हुए हैं। कोई 1980 में आया, और उसे इससे भी ज्यादा बदतर हालत मिली। यही है वह जिसे वे सन्देश के रूप में पहचानते हैं। और उसके बाद कोई 1985, 1990 में आया, और आपको कुछ और ज्यादा बदत्तर हालत मिली; और इसके बाद हालत तो यह हो गई है; कि वे लोगों को सन्देश पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित नहीं करते हैं। वह सारा का सारा काम जो उन्हें करना है, वह है– ''गर्जनों'' को सुनना, क्योंकि ये ''गर्जन'' ही उन्हें उस वातावरण में ऊपर उठा कर ले जा रहे हैं, कि उन्हें ऊपर उठा लिया जाए। उन लोगों के विषय में क्या है, जो 1995 में सन्देश में आए, इसी रीति से ही वे सन्देश पर दृष्टि डालते हैं। पिछले साल जो पास्टर व्यभिचार में गिर गया था, कलीसिया ने उसे क्षमा कर दिया था, उन में तो बहुत ही ज्यादा प्रेम है। यही है वह जो स्थापित किया गया। वे बेहतर नहीं जानते हैं। ये लोग परमेश्वर से प्रेम करते हैं।

वे हमारे दुश्मन नहीं हैं। वे हमारे भाई और बहन हैं। प्रचारकगणों की सेवकाई ने उन्हें गुमराह किया है; उन्होंने उन्हें धोखा दिया है; उन्होंने उन लोगों के साथ विश्वासघात किया है।

इन प्रचारकों को पवित्रता के सन्देश के सम्बंध में वे सारी बातें मालूम हैं, जो मैंने आपको पिछले दिनों तथा और दूसरे दिनों में बतायी हैं। वे प्रचारक उन बातों को जानते हैं, और उन में से कुछ तो साठ के दशक में ही मेरे साथ मिलकर उन बातों का प्रचार कर रहे थे; और उन्होंने इन बातों को स्थापित किया हुआ था, कि कोई खेल कूद नहीं होना चाहिए, कोई तंग–चुस्त बदन से चिपके पहरावे नहीं होने चाहिये, कोई टेलीविज़न घर में नहीं होना चाहिए, तथा इसी प्रकार के कोई भी कार्यकलाप नहीं होने चाहियें। जब ये ''गर्जन'' आए, तो उन ढ़ोंगी–पाखंड़ियों ने अपने पहरावे बदल डाले; वे टेलीविज़न वापस ले आए; और उन्होंने लोगों को खेलकूद के मैदानों में वापस भेज दिया। क्या तुम मुझ से चाहते हो, कि मैं उसे निगल लूँ? जी नहीं, श्रीमान! मैं मरता मर जाऊँगा, लेकिन मैं अपनी मरी हुई हालत में भी उन जैसे अश्लील–वाहियात कार्यकलापों को कदाचित स्वीकार नहीं करूँगा। इसके बाद भी वे मुझसे चाहते हैं, कि मैं खामोश रहूँ। वे मुझसे चाहते हैं, कि मैं ''झूठा नबी'' जैसी कोई बात न कहूँ; वे मुझ से चाहते हैं, कि मैं ''झूठे गर्जन'' जैसी कोई बात न कहूँ। मैं तो बली दूत के साथ ही इन बातों को बोलूँगा। वह कोई भी जो पवित्रता के सन्देश के अनुसार जीवन नहीं बिताता है; वह चाहे जो कोई भी हो, आप चाहे स्वर्ग से आए दूत ही क्यों न हों; आप स्रापित ठहरें। यही कारण है, कि मैं तुम प्रचारकों के झुंड़ से यही चाहता हूँ, कि तुम परमेश्वर के वचन पर अडिग खड़े रहो, और जैसाकि तुम खड़े हुए भी हो। चाहे मैं यहाँ पर होऊँ, या ना होऊँ, लेकिन आप वीर योद्धाओं के जैसे ही, सच्चे मसीहियों के जैसे ही वचन पर अडिग खड़े रहें। दृढ़ हो, मत डिग! जी हाँ, श्रीमान! किसी भी बात के लिए खुद अपने को वचन से विचलित न करें, चाहे आपको सताया ही क्यों न जाए। वे सारे सतावे यही करते हैं, कि वे कलीसिया को और भी ज्यादा मज़बूत बनाते हैं। सबसे मज़बूत पेड़ तो वहीं पर होता है, जहाँ पर तेज़ आँधियाँ चलती हैं; क्योंकि जब उस पेड़ पर आँधियाँ चलती हैं, तो वह ज़मीन को चीर डालता है, और अपनी जड़ों को भूमि में और भी ज्यादा गहराई में घुसाता चला जाता है, ताकि वह गिर न सके। और जितना ज्यादा हम पर सतावा पड़ेगा, हम और भी ज्यादा मेहनत करेंगे, और इससे हम और भी ज्यादा मज़बूत होते चले जायेंगे। मित्र, ऐसा न होने दें, कि कोई भी आपको बहका डाले, क्योंकि जिसे परमेश्वर ने बुलाया है, अगर वह नया जन्म पाया हुआ है, तो वह शैतान से धोखा नहीं खा सकता है।

किसी भी इंसान को तब तक प्रचार करने का कोई अधिकार नहीं है, जब तक कि उसने परमेश्वर से मुलाकात न की हो

24–5. *किसी भी इंसान को तब तक प्रचार करने का कोई अधिकार नहीं है, जब तक कि उसने रेगिस्तान के पिछवाड़े जलती हुई झाड़ी में परमेश्वर से मुलाकात न की हो, कि फिर उसके बाद आप से उसे कोई भी पादरी–वर्ग छीन नहीं सकता है।(प्रसव पीड़ाएं 4/12/65*)

किसी भी इंसान को तब तक प्रचार करने का कोई अधिकार नहीं है, जब तक कि वह आग के खम्भे से भेंट नहीं कर लेता है

37–1. *किसी भी इंसान को तब तक प्रचार करने का कोई अधिकार नहीं है, जब तक कि वह मूसा के जैसे ही परमेश्वर से उन पवित्र स्थानों पर, जहाँ पर आग का खम्भा होता है, भेंट नहीं कर लेता है, और जहाँ वह जान जाता है, कि वह खुद कहाँ पर है। समझे?(भावी घर 02/08/64*)

184. *किसी भी इंसान को पवित्र मंच पर प्रवेश करके वचन का प्रचार करने का तब तक कोई हक नहीं है, जब तक कि उसने वैसा ही न किया हो, जैसा मूसा ने किया था। उसने खुद परमेश्वर से उन आधारों पर मुलाकात की थी, जहाँ धर्मशास्त्र का कोई भी ज्ञाता इसे समझा नहीं सकता। (क्यों ये गड़रिये ही होने थे 21/12/64*)

जिस किसी मनुष्य को परमेश्वर ने बुलाया है, वह ना केवल बुलाया हुआ और नया जन्म पाया हुआ होता है, वह बुलाया हुआ तो होता ही है, पर संसार में कोई पादरी वर्ग ऐसा नहीं है, जो उसे उससे बहका सके। मैं यह बात नम्रतापूर्वक कहता हूँ। अगर आप सचमुच में नये सिरे से जन्म पाये हुए हैं, तो **सारे संसार भर में कोई भी ऐसा झूठा भविष्यद्वक्ता नहीं है, जो आपको बहका सके। *''अधोलोक के फाटक तुझ पर प्रबल न होंगे।''***

संसार में कोई भी ऐसा विद्वान नहीं है, जो उसे आप से छीन सके

229. *जब कोई मनुष्य नये सिरे से जन्म हासिल कर लेता है, और परमेश्वर के सम्मुख रू–ब–रू खड़ा हो जाता है, और वह यह जानता भी है, तो फिर ना तो कोई नास्तिक, ना कोई मनोविज्ञान, ना ही कोई व्याख्यान ऐसा है, **संसार में कोई भी ऐसा विद्वान नहीं है, जो उसे आप से छीन सके और आपको उससे दूर कर सके। (क्यों मैं संस्थागत धर्म के विरूद्ध हूँ** 11/11/62*)

संसार में कोई भी ऐसा झूठा भविष्यद्वक्ता नही है, जो आपके इस पास्टर को जो यहाँ पर खड़ा हुआ है, भरमा सके; क्योंकि मेरे पास एक प्रकाशन है, और मैं अग्नियों में से होकर निकल कर आया हूँ, और मैं आज़माइशों में से निकलकर आया हूँ। ये कोई कोरे जंगली बड़बोल नहीं हैं। जब वह दो पाँव वाला सर्प ऊपर उठा,तो मैंने कहा,''तू एक मसीहविरोधी

है।''जब वे पुनरुत्थान वाली शिक्षा लेकर अंदर आए, तो मैंने कहा,''यह तो एक पंथ है।'' मुझे तो उससे कोई सरोकार नहीं रखना था। वे ऊपर उठे, और उन्होंने दावा किया, कि वे दो भविष्यद्वक्ता हैं, जिनका टेप पर अधिकार है –जब वे खुद भरमाए में आ गए, तो वे भविष्यद्वक्ता बन बैठे...वे दो भविष्यद्वक्ता बन बैठे। मैं कहता हूँ, कि यह शैतान ही है। और आप जानते हैं, कि झूठे भविष्यद्वक्ताओं की जो यहाँ पर भीड़ उठ खड़ी हुई थी, आप ने देखा था, कि परमेश्वर के वचन ने ही उन्हें धराशायी किया। दूसरे प्रचारक उसके लिए गिर गए, वे उसके लिए भागे; लेकिन वह कोई भी जो उसके बाद भरमाए में आ जाए, जबकि वह इस बात का दावा कर ले, कि वह आत्मा से जन्मा है, और प्रचार करने के लिए अभिषेक पाया हुआ है, और उसके बाद भी भरमाने वाले के द्वारा भरमाए में आ जाए; पन्थों के द्वारा भरमाए में आ जाए; झूठे नबियों के द्वारा भरमाए में आ जाए, तो वह कभी भी परमेश्वर का बुलाया हुआ नहीं था; उसने कदापि नये सिरे से जन्म नहीं पाया था। दुनिया में कोई भी पादरी तंत्र ऐसा नहीं है, जो परमेश्वर के प्रकाशन को समझा सके। जैसाकि हम इस बात पर आज रात्रि यह कहते हुए नामंज़ूरी देते हैं, कि यीशु मसीह ने कहा था,'' इस पत्थर पर मैं अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।'' वह कोई भी व्यक्ति जिसके पास मनुष्य के पुत्र का प्रकाशन है, जिसे मैंने तुम्हारे ऊपर बोया है, तो अगर आप वचन सुन रहे हैं, अगर आप सत्यनिष्ठ हैं, अगर आप पर्याप्त ईमानदार हैं, तो आप इस बात से नहीं डरते हैं, कि आप भरमाए में आ जायेंगे, आप अपनी छोटी छोटी कमज़ोरियों से न डरें; आप अपनी उन छोटी छोटी गलतियों के बारे में न डरें, जिन्हें आप यहाँ और वहाँ करते हैं; आप अपनी उन मायूसी भरी बातों से न डरें जो आप पर छा जाती हैं; आप उन डिप्रेशन से न डरें, जो आप को सुबह घेर लेते हैं,आप उन डिप्रेशन से न डरें, जो आप को शाम को घेर लेते हैं; यहाँ तक कि कभी कभी सूर्य का छिपना भी डिप्रेशन लेकर आता है, अमेरिका में तथा और दूसरी जगहों में लोगों के ऊपर तो सर्दियों की मायूसी छा जाती है। यह तो शैतान ही है। यह तो वही है; जो आप अपने हृदय के भीतर विश्वास करते हैं–यह तो वही है जिस पर आप अपना लक्ष्य साध रहे हैं। मनुष्य तो बाहरी रंग–रूप को ही देखता है, परन्तु परमेश्वर तो हृदय देखता है। जी हाँ, जिस बात का आप लक्ष्य साध रहे हैं, वह तो उन फलों से पता लग जाता है, जो फल आप पर लग रहे हैं, मित्र! ''तुम उन्हें उनके फलों से पहचान लोगे।'' जी हाँ! ऐसा नहीं हो सकता है, कि जिस प्रकार से आप वचन के लिए, सालो साल अडिग खड़े रहे हैं, फिर भी आप शैतान के हों; **ऐसा नहीं हो सकता है, आप यहाँ अपने चेहरों पर ''रोना'' लिये हुए शनिवार, रविवार, सोमवार और बुद्धवार को बैठे रहें, और फिर भी आप पहले जैसे ही हों। आप के साथ कुछ न कुछ तो हुआ है। परमेश्वर हमारे साथ है, वरना परमेश्वर यहाँ पर लोगों के मध्य में अपनी उपस्थिति को इस प्रकार लिये हुए न आ जाता। यकीनन आप में बहुत सी कमजोरियाँ हैं; निश्चय ही, यह हो सकता है, कि उन में से बहुत सी कमजोरियाँ आप मुझ में निकाल सकते**

हों; और मैं भी आप में बहुत सी कमजोरियाँ निकाल सकता हूँ; लेकिन हमारे मकसद और ध्येय सही हैं। हम मार्ग पर चले जा रहे हैं। हमें कोई डर नहीं है। *''मत डर, क्योंकि तेरे पितरों के परमेश्वर को यही भाया है, कि तुझे राज्य दे।''* आप अपनी छोटी छोटी गलतियों पर विलाप करते न रहें; आप विलाप न करते रहें। और आप रोते न रहें; आप दिल डुबा देनेवाली अनुभूति द्वारा मायूस और परेशान न हों। इस दुनिया में हम शैतानी ताकतों के जाल में रहते हैं। उन से हमें सुबह के समय मुकाबला करना होता है; उन से हमें रात के समय मुकाबला करना होता है। आप अपनी उन अनुभूतियों पर कोई ध्यान न दें। आनन्द मनाओ और खुश हों; क्योंकि हमारे पास सत्य है; हम पवित्र आत्मा की बारिश की आस लगाए हुए हैं; परमेश्वर ने पवित्र आत्मा की उस बारिश के लिए कोई निश्चित स्थान ठहरा कर रखा है। पवित्र आत्मा कभी भी किसी एक ही समय पर सभी जगह नहीं आता है। *''जब तक तुम स्वर्ग से सामर्थ न पाओ, तुम यरूशलेम में ही रुके रहना।''* और यरूशलेम ही वह स्थान है, जहाँ पर मनुष्य का पुत्र प्रकट हुआ था, और यही वह स्थान है, जहाँ पर पवित्र आत्मा का उंड़ेला जाना आता है। यही है वह जहाँ पर मनुष्य का पुत्र प्रकट हुआ था ।

Please direct all comments and questions to:

Bethel (The House of God)
Calcutta Road No.2 P.O. Box 238,
Freeport, Trinidad. W. I. Fax: - 1 868 636 0454 /Tel: 1 868 679 3281
E-mail: Mountainspring_@hotmail.com Or Shalom10@tstt.net.tt.

For additional copies of this or other booklets make request to "Bethel" or our distributors:

Grace Covenant Church
999 Randolph Road
Middletown Connecticut 06457
USA
Fax: 1860- 343-9477

****

Message Literature Distributor
Hehner Str. 42B
41069 Monchengladbach
Germany
Tel: 011 49-21 61- 308 1316
Fax: 011 49-21 61-66 39 59
E-mail : mikegaitan@msn.com

****

Bethel
312 Determa Street
Mc Kenzie Linden
Guyana
Tel/Fax: 592-444-2388

****

Ronald Watson
Church of the Lord Jesus Christ Pavithra Karnad Mulki
547-154 Karnataka India
Tel: 0091-824-2290384
Email : Ronaldwatson2002@hotmail.com
Or Ronaldwatson2002@yahoo.com

****

You can visit our websites for more information:
www.bethelthehouseofgod.net
www.geocities.com/bethel_thehouseofgod

EODH BOOKS AVAILABLE IN HINDI

Book Five : "Exposition of Damnable Heresies seventh Seal/Seven Thunders Two schools of thoughts"

Book Six : "Exposition of Damnable Heresies - Holiness message standards, False thunders failed".

Book Fourteen : "Exposition of Damnable Heresies – "The Final Outpouring Of The Holy Ghost For Rapture Power"

Book Eighteen : "7th Church Age Book Heresies Injected Dr. Vayle's & Kocourek's Heresies Exposed"

"The First Martyr for the Message of Malachi. 4:5-6"
The Story of Robert Lee Lambert